



# सुनिलस्मृति गाउँपालिका

गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय

सुलिचौर, रोल्पा

लुम्बिनी प्रदेश, नेपाल

## आवधिक योजना (२०८१/८२ - २०८५/८६)

अन्तिम प्रतिवेदन

प्रस्तुतकर्ता

इन्टेन्सिभ स्टडि एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा. लि.

काठमाडौं

## विषयसूची

परिच्छेद - १: भूमिका	1
१.१ पृष्ठभूमि	1
१.२ आवधिक योजनाको उद्देश्य	2
१.३ आवधिक योजना निर्माणका आधारहरू	2
१.३.१ विद्यमान ऐन तथा वैधानिक आधारहरू	2
१.३.२ विद्यमान राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय नीतिहरू	3
१.३.३ संघीय, प्रादेशिक र स्थानीय तहको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू	4
१.३.४ दिगो विकासका लक्ष्यहरू	12
१.३.५ राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक सरकारका मार्ग निर्देशनहरू	13
१.३.६ अन्तर्राष्ट्रिय सन्धी सम्भौता तथा घोषणापत्रहरू	13
१.३.७ स्थानीय तहमा सहभागी राजनीतिक दलहरूको घोषणापत्रहरू	13
१.३.८ गाउँपालिकाको विद्यमान वस्तुगत अवस्था	13
१.४ योजना तर्जुमाका सीमाहरू	13
१.५ योजना तर्जुमा विधि र प्रक्रिया	14
परिच्छेद - २: गाउँपालिकाको विकासको विद्यमान स्थिति र उपलब्धि समिक्षा	16
२.१ गाउँपालिकाको परिचय	16
२.१.१ भौगोलिक अवस्था, राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना	16
२.१.२ प्राकृतिक तथा सांस्कृतिक सम्पदा	19
२.१.३ जनसांख्यिक अवस्था	20
२.२ आर्थिक विकास अवस्था	22
२.२.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा	22
२.२.२ पर्यटन तथा संस्कृति	23
२.२.३ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय र आपूर्ति	23
२.२.४ आम्दानी, रोजगारी र वित्तीय सेवा	24
२.२.५ सहकारी	24
२.३ सामाजिक विकासको अवस्था	25
२.३.१ स्वास्थ्य तथा पोषण	25
२.३.२ शैक्षिक विकास	27
२.३.३ खानेपानी तथा सरसफाई	28
२.३.४ लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण	29
२.३.५ युवा, खेलकुद तथा कला	29
२.४ पूर्वाधार तथा शहरी विकासको अवस्था	30
२.४.१ बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण	30

२.४.२	सडक, पुल तथा यातायात	31
२.४.३	विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा	32
२.४.४	सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि	33
<b>२.५</b>	<b>वन, वातावरण तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापनको अवस्था</b>	<b>33</b>
२.५.१	वन तथा जैविक विविधता	33
२.५.२	भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन	35
२.५.३	वातावरण व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन	36
२.५.४	महामारी तथा विपद् व्यवस्थापन	36
<b>२.६</b>	<b>सुशासन तथा संस्थागत व्यवस्था</b>	<b>36</b>
२.६.१	स्थानीय नीति, ऐन तथा सुशासन	36
२.६.२	श्रोत परिचालन	36
२.६.३	योजना व्यवस्थापन	36
<b>परिच्छेद – ३: दीर्घकालीन सोच तथा विकासको अवधारणा</b>		<b>38</b>
<b>३.१</b>	<b>पृष्ठभूमि</b>	<b>38</b>
<b>३.२</b>	<b>प्रमुख समस्या तथा चुनौती</b>	<b>38</b>
<b>३.३</b>	<b>प्रमुख सम्भावना तथा अवसर</b>	<b>38</b>
<b>३.४</b>	<b>निर्देशक सिद्धान्त</b>	<b>39</b>
<b>३.५</b>	<b>सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य</b>	<b>39</b>
<b>३.६</b>	<b>परिमाणात्मक लक्ष्य</b>	<b>40</b>
<b>३.७</b>	<b>रणनीति तथा प्राथमिकता</b>	<b>41</b>
<b>३.८</b>	<b>लगानी, स्रोत अनुमान र बाँडफाँड</b>	<b>42</b>
३.८.१	आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक बजेटको स्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण	44
३.८.२	सार्वजनिक खर्चको बाँडफाँड	45
३.८.३	विषय क्षेत्रगत बजेट बाँडफाँडको विस्तृत विवरण	46
३.८.४	बजेटका अन्य स्रोतहरूको परिचालन तथा व्यवस्थापन	47
<b>३.९</b>	<b>गाउँपालिकाका समृद्धिका मुख्य संवाहकहरू (Lead sectors)</b>	<b>47</b>
३.९.१	कृषि क्षेत्र (कृषि ग्राम)	47
३.९.२	वनजंगल र जलस्रोत	47
३.९.३	पर्यटन	47
३.९.४	स्थानीय कच्चा पर्दाथमा आधारित उद्योगहरू	48
<b>३.१०</b>	<b>विकासका मुख्य सहयोगी क्षेत्रहरू</b>	<b>48</b>
३.१०.१	ठूला शहरसँगको सन्निकटता	48
३.१०.२	प्राकृतिक सम्पदाहरू	48
३.१०.३	धार्मिक र सामाजिक सहिष्णुता	48
३.१०.४	जनसांख्यिक लाभांश	48

३.११ सुनिलस्मृति गाउँपालिकाका गौरबका आयोजना (Signature Projects)	48
परिच्छेद - ४: आर्थिक क्षेत्र	50
४.१ कृषि तथा पशुपंक्षी	50
४.१.१ कृषि	50
क) पृष्ठभूमि	50
ख) समस्या तथा चुनौती	50
ग) सम्भावना तथा अवसर	51
घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	52
(ख) जडीबुटी	56
१. पृष्ठभूमि	56
२. उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	57
४.१.२ पशुपंक्षी विकास तथा मत्स्यपालन	57
क) पृष्ठभूमि	57
ख) समस्या तथा चुनौती	58
ग) सम्भावना तथा अवसर	58
घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	59
ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	68
च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष	72
४.२ सिँचाई	72
४.२.१ पृष्ठभूमि	72
४.२.२ समस्या तथा चुनौती	73
४.२.३ सम्भावना तथा अवसर	73
४.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	73
४.२.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	76
४.२.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष	76
४.३ पर्यटन, संस्कृति तथा सम्पदा	76
४.३.१ पर्यटन	76
क) पृष्ठभूमि	76
ख) समस्या तथा चुनौती	77
ग) सम्भावना तथा अवसर	77
घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	78
ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	83
च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष	85
४.३.२ संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्य	85
क) पृष्ठभूमि	85

ख)	समस्या तथा चुनौती	86
घ)	सम्भावना तथा अवसर	86
घ)	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	87
<b>४.४</b>	<b>उद्योग, व्यापार, व्यवसाय तथा आपूर्ति</b>	<b>92</b>
४.४.१	उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय	92
क)	पृष्ठभूमि	92
ख)	समस्या तथा चुनौती	92
ग)	सम्भावना तथा अवसर	92
घ)	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	93
ङ)	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	98
च)	अनुमान तथा जोखिम पक्ष	100
४.४.२	सहकारी	100
क)	पृष्ठभूमि	100
ख)	समस्या तथा चुनौती	100
ग)	सम्भावना तथा अवसर	101
घ)	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	101
ङ)	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	104
४.४.३	बैंड तथा वित्तीय क्षेत्र	105
क)	पृष्ठभूमि	105
ख)	समस्या तथा चुनौती	105
ग)	सम्भावना तथा अवसर	105
घ)	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	105
ङ)	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	107
<b>४.५</b>	<b>श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा</b>	<b>109</b>
४.५.१	श्रम तथा रोजगारी	109
क)	पृष्ठभूमि	109
ख)	समस्या तथा चुनौती	109
ग)	सम्भावना तथा अवसर	109
घ)	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	110
ङ)	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	113
च)	अनुमान तथा जोखिम पक्ष	115
४.५.२	सामाजिक सुरक्षा	115
क)	पृष्ठभूमि	115
ख)	समस्या तथा चुनौती	115
ग)	सम्भावना तथा अवसर	116

घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	116
ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	117
<b>परिच्छेद - ५: सामाजिक क्षेत्र</b>	<b>118</b>
<b>५.१ स्वास्थ्य तथा पोषण</b>	<b>118</b>
५.१.१ पृष्ठभूमि	118
५.१.२ समस्या तथा चुनौती	118
५.१.३ सम्भावना तथा अवसर	119
५.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	119
५.१.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	126
५.१.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष	129
<b>५.२ शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवर्तन</b>	<b>129</b>
५.२.१ पृष्ठभूमि	129
५.२.२ समस्या तथा चुनौती	130
५.२.३ सम्भावना तथा अवसर	131
५.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	131
५.२.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	141
५.२.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष	144
<b>५.३ खानेपानी तथा सरसफाई</b>	<b>145</b>
५.३.१ पृष्ठभूमि	145
५.३.२ समस्या तथा चुनौती	145
५.३.३ सम्भावना तथा अवसर	145
५.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	146
५.३.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	149
५.३.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष	150
<b>५.४ महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग</b>	<b>151</b>
५.४.१ लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरण	151
क) पृष्ठभूमि	151
ख) समस्या तथा चुनौती	151
ग) सम्भावना तथा अवसर	152
घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	153
ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	161
५.४.२ बालबालिका तथा किशोरकिशोरी	165
क) पृष्ठभूमि	165
ख) समस्या तथा चुनौती	166

ग) सम्भावना तथा अवसर	166
घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	166
ङ) अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका	169
<b>५.५ युवा तथा खेलकुद</b>	<b>171</b>
५.५.१ पृष्ठभूमि	171
५.५.२ समस्या तथा चुनौती	171
५.५.३ सम्भावना तथा अवसर	172
५.५.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	172
५.५.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	176
५.५.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष	177
<b>५.६ शान्ति सुरक्षा</b>	<b>178</b>
५.६.१ पृष्ठभूमि	178
५.६.२ समस्या तथा चुनौती	178
५.६.३ सम्भावना तथा अवसर	178
५.६.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	178
५.६.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	180
<b>५.७ शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापन</b>	<b>182</b>
५.७.१ पृष्ठभूमि	182
५.७.२ समस्या तथा चुनौती	182
५.७.३ सम्भावना तथा अवसर	183
५.७.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	183
५.७.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	184
<b>५.८ गरिबी निवारण</b>	<b>185</b>
५.८.१ पृष्ठभूमि	185
५.८.२ समस्या तथा चुनौती	185
५.८.३ सम्भावना तथा अवसर	185
५.८.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	186
५.८.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	189
<b>परिच्छेद - ६: पूर्वाधार विकास</b>	<b>191</b>
<b>६.१ बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण</b>	<b>191</b>
६.१.१ पृष्ठभूमि	191
६.१.२ समस्या तथा चुनौती	191
६.१.३ सम्भावना तथा अवसर	191
६.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	192

६.१.५	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	195
६.१.६	अनुमान तथा जोखिम पक्ष	196
<b>६.२</b>	<b>सडक, पुल तथा यातायात</b>	<b>197</b>
६.२.१	पृष्ठभूमि	197
६.२.२	समस्या तथा चुनौती	197
६.२.३	सम्भावना तथा अवसर	197
६.२.४	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	198
६.२.५	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	203
६.२.६	अनुमान तथा जोखिम पक्ष	204
<b>६.३</b>	<b>जलश्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा</b>	<b>205</b>
६.३.१	पृष्ठभूमि	205
६.३.२	समस्या तथा चुनौती	205
६.३.३	सम्भावना तथा अवसर	205
६.३.४	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	205
६.३.५	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	207
६.३.६	अनुमान तथा जोखिम पक्ष	208
<b>६.४</b>	<b>सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि</b>	<b>209</b>
६.४.१	पृष्ठभूमि	209
६.४.२	समस्या तथा चुनौती	209
६.४.३	सम्भावना तथा अवसर	209
६.४.४	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	209
६.४.५	अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	212
६.४.६	अनुमान तथा जोखिम पक्ष	212
<b>परिच्छेद - ७: वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र</b>		<b>213</b>
<b>७.१</b>	<b>वन तथा जैविक विविधता</b>	<b>213</b>
७.१.१	पृष्ठभूमि	213
७.१.२	समस्या तथा चुनौती	213
७.१.३	सम्भावना तथा अवसर	213
७.१.४	उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	214
७.१.५	अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका	218
७.१.८	अनुमान तथा जोखिम पक्ष	220
<b>७.२</b>	<b>भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन</b>	<b>220</b>
७.२.१	भूमि व्यवस्थापन (भू-उपयोग)	220
	क) पृष्ठभूमि	220



ख) समस्या तथा चुनौती	221
ग) सम्भावना तथा अवसर	221
घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	221
ङ) अपेक्षित उपलब्धी तथा नतिजा खाका	223
च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष	225
<b>७.२.२ जलाधार संरक्षण</b>	<b>225</b>
क) पृष्ठभूमि	225
ख) समस्या तथा चुनौती	225
ग) सम्भावना तथा अवसर	225
घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	226
ङ) अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका	227
च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष	228
<b>७.३ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन</b>	<b>229</b>
७.३.१ पृष्ठभूमि	229
७.३.२ समस्या तथा चुनौती	229
७.३.३ सम्भावना तथा अवसर	229
७.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	230
७.३.५ अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका	232
७.३.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष	233
<b>७.४ विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता</b>	<b>234</b>
७.४.१ पृष्ठभूमि	234
७.४.२ समस्या तथा चुनौती	234
७.४.३ सम्भावना तथा अवसर	234
७.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	235
७.४.५ अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका	238
७.४.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष	239
<b>परिच्छेद - ८: संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र</b>	<b>240</b>
<b>८.१ संस्थागत विकास तथा सुशासन</b>	<b>240</b>
८.१.१ सुशासन तथा सेवा प्रवाह	240
क) पृष्ठभूमि	240
ख) समस्या तथा चुनौती	240
ग) सम्भावना तथा अवसर	240
घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	241
ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	244

च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष	245
८.१.२ मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय	246
क) पृष्ठभूमि	246
ख) समस्या तथा चुनौती	246
ग) सम्भावना तथा अवसर	246
घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	246
ङ) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	248
च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष	249
८.१.३ तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन तथा लेखा व्यवस्थापन	250
क) पृष्ठभूमि	250
ख) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना	250
ग) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका	252
<b>परिच्छेद - ९: कार्यान्वयन व्यवस्था</b>	<b>254</b>
९.१ पृष्ठभूमि	254
९.२ विषयक्षेत्र अनुसार अनुमानित बजेट	254
९.३ स्रोत परिचालन रणनीति	256
९.४ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना	258
९.४.१ अनुगमन	258
९.४.२ मूल्याङ्कन	261
<b>सन्दर्भ सामाग्रीहरू</b>	<b>262</b>
<b>अनुसूचीहरू</b>	<b>264</b>
अनुसूचि - १: विश्वका केही विकास मोडलहरूको तुलनात्मक अध्ययन	264
अनुसूची - २: वडागत रूपमा प्रस्तावित माग तथा कार्यक्रमहरू	277
अनुसूचि - ३: आवधिक योजना प्रारम्भिक छफलफलमा उपस्थित सहभागी तथा तस्वीरहरू	301
अनुसूचि - ४: आवधिक योजना तयारीको लागि वडा भेलामा उपस्थिति सहभागीहरू र तस्वीरहरू	302
अनुसूचि - ५: आवधिक योजना मस्यौदा प्रतिवेदन माथि छफलफलमा उपस्थित सहभागी तथा तस्वीरहरू	319

## परिच्छेद - १: भूमिका

### १.१ पृष्ठभूमि

वि.सं. २००७ सालमा राणा शासनको अन्त्य भई प्रजातन्त्र प्राप्त पछिका ७० वर्ष राजनीतिक विभाजन, धुविकरण र त्यस्कै वरिपरिको संघर्षमा बितेको पाइन्छ, जसका कारण नेपाल लामो राजनीतिक तथा सामाजिक सङ्क्रमणबाट गुज्रन परेको थियो। देशमा प्रजातन्त्र, लोकतन्त्र हुँदै गणतन्त्र सम्मको व्यवस्था परिवर्तनले राजनीतिक रूपमा जनताहरू प्रजाबाट नागरिक बने पनि समृद्धिको पूर्वाधारका हिसाबले पछ्यौटेपन मै रहेको सर्वविदित नै छ। तसर्थ सामाजिक लोकतन्त्रको परिकल्पना सहित राजनीतिक-प्रशासनिक शक्तिको तहगत विभाजन र उक्त इकाईहरूमा स्रोत तथा साधनहरूको न्यायोचित वितरणका माध्यमबाट समुच्च विकास र समृद्धिको परिकल्पनालाई साकार पार्ने अठोट सहित जारी भएको नेपालको संविधान २०७२ पछिको परिस्थितिलाई फरक किसिमले बुझ्न सकिन्छ। यद्यपि, विकासको दृष्टिकोणबाट मात्र हेर्दा बितेका करिब ७० वर्ष नागरिक तथा राजनीतिक अधिकार प्राप्तिका संघर्षमा मात्र केन्द्रित भएका छन्। कुनै समयमा नेपालले आर्थिक, भौतिक तथा सैन्य सहयोग गर्ने हाम्रा छिमेकी राष्ट्रहरू भारत, चीन, दक्षिण कोरियाले समेत विकासको नयाँ उचाई हासिल गरिरहेका छन्। हामी भन्दा पछि स्वतन्त्र भई आर्थिक विकास तर्फ पाइला चालेका पूर्वी तथा मध्य एसियाका धेरै मुलुकहरू विकासमा हामी भन्दा कैयौँ गुणा अधि लम्किसकेका छन् भने हामी भर्खर मात्र विकासका पूर्वाधारको निर्माणमा जुटेका छौं।

जनताका प्रतिनिधिद्वारा निर्मित नेपालको संविधान २०७२ जारी भइसके पश्चात्को निर्वाचनबाट नयाँ संघीय, प्रादेशिक र स्थानीय सरकारहरू गठन भएका कारण नयाँ संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्था अनुरूपको राज्यको पुर्नसंरचना समेत भइसकेको छ। तीन तहका सरकारले जनतालाई सेवा तथा सुविधा प्रदान गरिरहेको यस ऐतिहासिक कालखण्डमा सम्पूर्ण राष्ट्र नै समग्र विकास र आर्थिक समृद्धिको मूलमन्त्र लिएर अगाडि बढी रहँदा वर्षौँदेखि व्याप्त अविास, गरिबी, रोगव्याध, पछ्यौटेपन, अशिक्षा, असुविधा र अन्यायको दुश्चक्रमा पिल्सिएका आम स्थानीयबासीमा नयाँ परिवर्तन र राज्य व्यवस्थाले आशाको सञ्चार गराएको छ।

मूलतः स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ ले नेपालको संविधानको अनुसूची ८ मा उल्लेख भएका स्थानीय तहको अधिकारको थप व्याख्या गरी स्थानीय सरकारलाई स्थानीय स्तरका समग्र विकासका योजनाहरू निर्माण, कार्यान्वयन तथा अनुगमन गर्ने अधिकार प्रदान गरेको छ। ऐनको परिच्छेद-३ दफा ११ को उपदफा २ (छ) (१) मा स्थानीय स्तरका विकास आयोजना तथा परियोजना सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन, मूल्याङ्कन र नियमन साथै बुँदा नं. २ मा आर्थिक, सामाजिक, साँस्कृतिक, वातावरणीय, प्रविधि र पूर्वाधारजन्य विकासका लागि आवश्यक आयोजना तथा परियोजनाहरूको तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन तथा मूल्याङ्कन गर्ने अधिकार समेत स्थानीय सरकारलाई प्रदान गरेको सन्दर्भमा यस गाउँपालिकाको आवधिक योजना तयार पारिएको छ।

कुनै पनि स्थानको समग्र विकासको ढोका खोल्ने महत्वपूर्ण भूमिका भौतिक तथा आर्थिक विकासले खेल्ने भएकोले विकास योजना निर्माण गर्दा भौतिक विकास र आर्थिक विकासको आधार खाका तयार पार्नु एकदमै महत्वपूर्ण हुन्छ। यो योजनाले गाउँपालिकाको वस्तुगत भौतिक अवस्थाको यकिन तथ्याङ्क सहितको आधार नक्शा तथा अन्य विषयगत तथ्यहरूको विवरण तयार पारी सोको आधारमा आवधिक योजनाको खाका तयार पारेको छ। एकातर्फ अव्यवस्थित र योजना विहीन विकास क्रियाकलापले हामीलाई सही दिशा निर्देश गर्दैन भने अर्कोतर्फ समय र स्रोतको समेत उच्चतम सदुपयोग हुन सक्दैन। तसर्थ निर्दिष्ट समय सीमाभित्र रही निश्चित प्रकारका विकास योजनाहरूलाई निर्दिष्ट उपलब्धिहरू हासिल गर्ने हेतुले निर्माण गर्दा विकासका क्रियाकलापहरू व्यवहारिक, समय सान्दर्भिक र उच्च

प्रतिफलमूखी हुन जान्छन् । तसर्थ यस गाउँपालिकामा उपलब्ध साधन र स्रोतको उच्चतम सदुपयोग गरी निर्दिष्ट समय सीमाभित्र, निर्दिष्ट उद्देश्य हासिल गर्न यस प्रकारको आवधिक योजनाको आवश्यकता परेको हो ।

## १.२ आवधिक योजनाको उद्देश्य

यस योजनाको मूल उद्देश्य गाउँपालिकाको आवधिक योजना निर्माण गर्नु हुनेछ, जस अन्तर्गत :

- दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यनीति र कार्य योजना तयार पार्ने ।
- कार्य योजनाका लागि गाउँपालिकाको स्पष्ट आधार नक्शा तयार पार्ने ।
- भौतिक पूर्वाधार विकास योजना तयार पार्ने ।
- सामाजिक-साँस्कृतिक विकास योजना तयार पार्ने ।
- आर्थिक विकास योजना तयार पार्ने ।
- वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन योजना तयार पार्ने ।
- सेवा प्रवाह तथा संस्थागत विकास योजना तयार पार्ने ।
- व्यापक जनसहभागितामा क्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, अपेक्षित परिणाम र कार्यक्रमहरूको निर्धारण गर्ने ।
- हरेक पक्षमा तथ्याङ्कका आधारमा दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्ने ।
- तथ्याङ्कका आधारमा गरेको दायरा वृद्धि गरी आन्तरिक श्रोत वृद्धि गर्ने ।

## १.३ आवधिक योजना निर्माणका आधारहरू

कुनै पनि योजना निर्माण गर्नका लागि निश्चित वैधानिक, कानूनी र नीतिगत आधारहरू आवश्यक पर्दछन् । मुख्यतया कुनै पनि स्थान विशेषको योजना निर्माण गर्दा वैधानिक र नीतिगत आधारहरू स्पष्ट हुनु आवश्यक भएकोले यो गाउँपालिका नेपालको संघीय गणतन्त्रात्मक शासन प्रणाली अन्तर्गत संघ, प्रदेश र स्थानीय तहहरू रहेकोमा जनतासँग प्रत्यक्ष सरोकार राख्ने आधारभूत तहको स्थानीय सरकार हो । नेपालको संविधानले स्थानीय तहहरूलाई एक प्रकारको पूर्ण स्थानीय सरकारको रूपमा स्थापित गरेकोले स्थानीय स्तरका विकास योजनाहरू तर्जुमा गर्ने र ती योजनाको कार्यान्वयन, अनुगमन र मूल्याङ्कन गर्ने सम्पूर्ण अधिकार स्थानीय तहलाई नै प्राप्त भएको छ । मुलतः यसै वैधानिक आधारको पृष्ठभूमिमा रहेका थप निम्न आधारहरूमा रहेर यो आवधिक योजना तयार पारिएको छ ।

### १.३.१ विद्यमान ऐन तथा वैधानिक आधारहरू

#### (क) स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४

नेपालको संविधान २०७२ को अनुसूची ८ तथा स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ को दफा ११ को उपदफा २ (छ) र दफा २४ बमोजिम नेपालमा संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासन प्रणाली लागु भए पश्चात् स्वायत्त स्थानीय सरकारको रूपमा स्थानीय स्तरका विकास आयोजना तथा परियोजना सम्बन्धी नीति, कानून, मापदण्ड तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन, मूल्याङ्कन र नियमन गर्ने अधिकार संघीय तथा प्रादेशिक कानून तथा नीति नियमहरूसँग सङ्गत हुने गरी स्थानीय सरकारलाई नै प्राप्त भएकोले सो वैधानिक व्यवस्था बमोजिम यो योजना निर्माण गरिएको छ । साथै संविधानको मर्म अनुरूप संघीय, प्रादेशिक तथा स्थानीय स्तरमा निर्माण भएका सम्पूर्ण विद्यमान ऐन नियमहरूको सान्दर्भिक प्रावधान अनुरूप योजनालाई अन्तिम रूप दिइएको छ ।

#### (ख) अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन, २०७४

नेपालको संविधान २०७२ को धारा ५९ बमोजिम विभिन्न तहका सरकारहरूलाई प्राप्त वित्तीय अधिकार तथा धारा ६० बमोजिम राजश्व स्रोतको बाँडफाँट गर्न बनेको यस ऐनले आकर्षित गर्ने प्रावधानहरूलाई समेत राजश्वको अधिकार, त्यसको बाँडफाँट, ऋण, अनुदान, बजेट व्यवस्थापन, सार्वजनिक खर्च र वित्तीय अनुशासन कायम गर्न आवश्यक व्यवस्थाहरू गरेकोले यी पक्षहरूलाई यो योजना निर्माण गर्दा आधार बनाइएको छ ।

### (ग) राष्ट्रिय प्राकृतिक स्रोत तथा वित्त आयोग ऐन २०७४

नेपालको संविधानको धारा ६० को उपधारा ३ मा प्रदेश र स्थानीय तहले प्राप्त गर्ने वित्तीय स्रोत र धारा २५१ अन्तर्गत देशभर छरिएर रहेका प्राकृतिक स्रोतहरूको परिचालनबाट प्राप्त राजश्व वा स्रोतको प्रयोग गर्दा अपनाउनु पर्ने प्रावधानहरू रहेको यस ऐनलाई यस योजना निर्माणमा एक आधारको रूपमा लिइएको छ ।

### (घ) आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ र नियमावली २०७७

आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ ले स्थानीय तहको आर्थिक र वित्तीय स्रोत, क्षमताको बारेमा उल्लेख गर्दछ । यसको दफा ७ ले आवधिक योजनाले प्रक्षेपित गरेको लगानी र वित्तीय आवश्यकताको आधारमा आगामी तीन आर्थिक वर्षको लागि स्थानीय तहको कुल राष्ट्रिय स्रोत अनुमान गर्नुपर्ने व्यवस्था गरेको छ । यही समेतको स्रोत अनुमानका आधारमा मध्यमकालीन खर्च संरचना निर्माण गर्नुपर्ने उल्लेख गरिएको छ । त्यसैगरी आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व नियमावली, २०७७ मा स्थानीय तहले मध्यमकालीन खर्च संरचना तयार गर्दा सम्बन्धित पालिकाको आर्थिक क्षमता हेर्नुपर्ने र त्यसैको आधारमा आयोजना बैङ्कको स्थापना गरि योजनाको कार्यान्वयन गर्नुपर्ने उल्लेख गरिएको छ ।

### (ङ) संघ, प्रदेश र स्थानीय तहबिचको समन्वय र अन्तर सम्बन्ध सम्बन्धी ऐन, २०७७

यो ऐनले तिन तहका सरकार बिचको समन्वय र अन्तर सम्बन्धको बारेमा उल्लेख गर्दछ । खासगरि राष्ट्रियस्तरका र एक भन्दा बढी प्रदेशमा कार्यान्वयन गर्नुपर्ने आयोजनाको तर्जुमा संघले गर्ने, प्रदेश भित्र पर्ने र प्रदेशबाट कार्यान्वयन हुने आयोजनाको तर्जुमा प्रदेश सरकारले गर्ने तथा स्थानीय तहभित्र पर्ने र स्थानीय तहबाट कार्यान्वयन हुने आयोजनाको तर्जुमा स्थानीय तहले गर्ने व्यवस्था यो ऐनले गरेको छ । स्थानीय तहले आयोजना तर्जुमा गर्दा संघीय कानूनले तोकेको मापदण्डको आधारमा गर्नुपर्ने र यसको अधिकार सूची र कार्य जिम्मेवारीको विषयमा नेपाल सरकारले आवश्यक सहयोग गर्नुपर्ने व्यवस्था गरिएको छ ।

### (च) विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन ऐन, २०७४

विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन गर्न प्रत्येक स्थानीय तहले अध्यक्ष वा प्रमुखको अध्यक्षतामा बढीमा पन्ध्र जना सदस्य रहेको स्थानीय विपद् व्यवस्थापन समिति गठन गर्ने व्यवस्था गरेको छ । समितिले जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन सम्बन्धी कार्यसञ्चालन गर्न आवश्यक सम्पूर्ण कार्यहरूको व्यवस्थापन र अनुगमन तथा सञ्चालन गर्नुपर्ने व्यवस्था ऐनले गरेको छ ।

### १.३.२ विद्यमान राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय नीतिहरू

सबैभन्दा महत्वपूर्ण राष्ट्रिय नीतिहरू मध्ये संविधानको धारा ५१ मा रहेका नीतिहरूलाई मूल आधार मानेर यो नीतिको अधिनमा रहेका प्रादेशिक तथा स्थानीय नीतिहरूलाई समेत आधार बनाई यो योजना तयार गरिएको छ । यी मध्ये पनि स्थानीय तहहरूले निम्न नीतिहरूलाई प्रमुख आधार मान्नु उपयुक्त रहेकोले सोही आधारमा यो योजना निर्माण गरिएको छ ।

राजनीतिक तथा शासन व्यवस्था सम्बन्धी नीति	विकास सम्बन्धी नीति
सामाजिक र सांस्कृतिक रूपान्तरण सम्बन्धी नीति	सामाजिक न्याय र समावेशीकरण सम्बन्धी नीति
अर्थ, उद्योग र वाणिज्य सम्बन्धी नीति	नागरिकका आधारभूत आवश्यकता सम्बन्धी नीति
कृषि र भूमि सुधार सम्बन्धी नीति	श्रम र रोजगार सम्बन्धी नीति
प्राकृतिक साधन स्रोतको संरक्षण, संवर्द्धन र उपयोग सम्बन्धी नीति	

राष्ट्रिय भू-उपयोग नीति, २०६८	पर्यटन नीति, २०६५
वन नीति, २०७१/तथा वातावरण संरक्षण,	राष्ट्रिय युवा नीति, २०७२/राष्ट्रिय खेलकुद नीति, २०६७
राष्ट्रिय कृषि नीति, २०६१	लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण नीति, २०६३
औद्योगिक नीति, २०६७	सिँचाई नीति, २०७०
जलाधार नीति	राष्ट्रिय शिक्षा नीति
जलवायु परिवर्तन नीति, २०६७	जैविक विविधता संरक्षण नीति, २०६३
राष्ट्रिय सहकारी नीति, २०६९	स्वास्थ्य नीति, २०४८
वाणिज्य नीति, २०६५	स्थानीय पूर्वाधार विकास नीति, २०६१
श्रम तथा राष्ट्रिय रोजगार नीति, २०७१	सूचना प्रविधि नीति, २०६७
आपूर्ति नीति, २०६९	कृषि व्यवसाय प्रवर्द्धन नीति, २०६३
जल उत्पन्न प्रकोप व्यवस्थापन नीति, २०७२	विकास सहायता परिचालन नीति
सार्वजनिक-निजी साभेदारी नीति, २०७२	बालबालिका सम्बन्धी राष्ट्रिय नीति, २०६९
अपाङ्गता भएका व्यक्तिका लागि समावेशी शिक्षा नीति, २०७३	राष्ट्रिय रोजगार नीति, २०७१
नवीकरणीय उर्जा अनुदान नीति, २०६९/राष्ट्रिय यातायात नीति, २०५८	राष्ट्रिय जनसंख्या नीति, २०७१
प्राविधिक तथा व्यवसायिक शिक्षा एवम् तालिम नीति	राष्ट्रिय बीउ विजन नीति, २०५६
कृषि यान्त्रिकरण प्रवर्द्धन नीति, २०७१	संस्कृति नीति, २०६८
राष्ट्रिय शहरी नीति, २०६४	जलविद्युत विकास नीति, २०५८
स्थानीय तह संस्थागत क्षमता स्वमूल्याङ्कन कार्यविधि, २०७७	प्रदेश तथा स्थानीय तहका लागि लैङ्गिक उत्तरदायी बजेट नमूना निर्देशिका, २०७७
भू-उपयोग नियमावली, २०७९	राष्ट्रिय भूमि नीति, २०७५

लगायत प्रादेशिक तथा स्थानीय सरकारका सान्दर्भिक नीतिहरूलाई योजना निर्माणको आधार बनाइएको छ ।

### १.३.३ संघीय, प्रादेशिक र स्थानीय तहको दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरू

कुनै पनि स्थानीय तहले योजनाको दीर्घकालीन, सोच, लक्ष्य र उद्देश्य तय गर्दा राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक दीर्घकालीन सोच, लक्ष्य र उद्देश्यहरूसँग सामञ्जस्यता कायम गरी गर्नुपर्ने भएकोले यस योजनाले निम्न सोचहरूलाई आधार बनाएको छ ।

#### क) दीर्घकालीन सोच वि.सं. २१००

लामो राजनीतिक संक्रमण पश्चात राजनीतिक स्थायित्वको जगमा उभिएर तीव्र आर्थिक विकास र समृद्धिको लागि आयमा वृद्धि, गुणस्तरीय मानव पूँजी निर्माण तथा आर्थिक जोखिमहरूलाई न्यूनीकरण गर्दै वि.सं. २०७९ देखि अति कम विकसित देशबाट विकासशील देशमा स्तरोन्नति गर्दै वि सं. २०८७ सम्ममा दिगो विकासका लक्ष्यहरू हासिल गर्दै उच्च मध्यम आयस्तर भएको मुलुकमा रूपान्तरण हुने गरी यस दीर्घकालीन सोच तयार पारिएको छ ।

यस सोचको मूल लक्ष्य सामाजिक न्यायमा आधारित समतामूलक समाज निर्माण गर्ने हो । यसको मूल रणनीति भनेको आन्तरिक तथा बाह्य स्रोत साधन लगायत अर्थतन्त्रका सहयोगी क्षेत्रको परिचालन मार्फत् रूपान्तरणका कार्यक्रममा लगानी केन्द्रित गर्नु हो । यसर्थ नारामा दीर्घकालीन सोचलाई “समृद्ध नेपाल सुखी नेपाली” तय गरिएको छ । यस सोचको अपेक्षित उपलब्धिमा “समुन्नत, स्वाधीन र समाजवाद उन्मुख अर्थतन्त्र सहितका समान अवसर प्राप्त, स्वास्थ्य, शिक्षित, मर्यादित र उच्च जीवनस्तर भएका सुखी नागरिक बसोबास गर्ने मुलुक” मा नेपाललाई रूपान्तरण गर्ने रहेको छ ।

## दीर्घकालीन सोच वि.सं. २१०० ले लिएका राष्ट्रिय रणनीति

- तीव्र, दिगो र रोजगारमूलक आर्थिक वृद्धि हासिल गर्ने,
- सुलभ तथा गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा र शिक्षाको सुनिश्चित गर्ने,
- आन्तरिक तथा अन्तरदेशीय अन्तर आबद्धता एवम् दिगो शहर/बस्ती विकास गर्ने,
- उत्पादन र उत्पादकत्व अभिवृद्धि गर्ने,
- पूर्ण, दिगो र उत्पादनशील सामाजिक सुरक्षा तथा संरक्षण गर्ने र
- सार्वजनिक सेवाको सुदृढीकरण, प्रादेशिक सन्तुलन र राष्ट्रिय एकता सम्बर्द्धन गर्ने ।

## रूपान्तरणका प्रमुख संवाहक

दीर्घकालीन सोचका रणनीति कार्यान्वयन गरी राष्ट्रिय लक्ष्य हासिल गर्न देहायबमोजिम सामाजिक-आर्थिक रूपान्तरणका संवाहक अवलम्बन गरिएको छ । यी संवाहकलाई दीर्घकालीन सोचको प्राथमिकताका क्षेत्रका रूपमा समेत लिई तदनुरूप साधन-स्रोतको व्यवस्था गरिनेछ । आगामी योजनाहरू तर्जुमा गर्दा राष्ट्रिय आवश्यकता अनुसार प्राथमिकताहरूमा समयानुकूल परिमार्जन गरिनेछन् ।

१. गुणस्तरीय एकीकृत यातायात प्रणाली, सूचना प्रविधि तथा सञ्चार, पूर्वाधार र बृहत् सञ्जालीकरण,
२. गुणस्तरीय मानव पूँजी निर्माण, उद्यमशील कार्य, संस्कृति विकास र सम्भावनाको पूर्ण उपयोग,
३. जल विद्युत उत्पादन वृद्धि र हरित अर्थतन्त्र प्रवर्द्धन,
४. उत्पादन, उत्पादकत्व र प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता अभिवृद्धि,
५. गुणस्तरीय पर्यटन सेवाको विकास र विस्तार,
६. आधुनिक, दिगो र व्यवस्थित शहरीकरण, आवास र बस्ती विकास,
७. प्रादेशिक र स्थानीय अर्थतन्त्रको विकास र सुदृढीकरण तथा औपचारिक क्षेत्रको विस्तार,
८. सामाजिक संरक्षण र सुरक्षाको प्रत्याभूति र
९. शासकीय सुधार र सुशासन अभिवृद्धि ।

## सहयोगी क्षेत्र

दीर्घकालीन सोचका लक्ष्य हासिल गर्ने सन्दर्भमा रूपान्तरणका सम्भाव्य क्षेत्रको प्रभावकारी परिचालन गर्न देहायका क्षेत्रहरूलाई प्रमुख सहयोगी क्षेत्रका रूपमा लिइएको छ ।

१. संविधान लोकतन्त्र र विकासप्रतिको राजनीतिक प्रतिबद्धता,
२. जनसांख्यिक लाभ र नागरिक सचेतना,
३. भौगोलिक अवस्थिति र प्राकृतिक विविधता तथा सम्पन्नता,
४. सामाजिक-सांस्कृतिक विविधता तथा मौलिक पहिचान,
५. सामाजिक पूँजी र विश्वभर फैलिएका नेपाली समुदाय,
६. स्वच्छ र नवीकरणीय ऊर्जा,
७. मित्रराष्ट्र र अन्तर्राष्ट्रिय समुदायको सद्भाव र
८. संघीय शासन प्रणाली र वित्तीय संघीयता ।

## दीर्घकालीन सोचको परिदृश्य र परिमाणात्मक लक्ष्यहरू

दीर्घकालीन सोचका राष्ट्रिय लक्ष्यहरू प्राप्तिको लागि उच्च आर्थिक वृद्धिदर आवश्यक हुन्छ । यस अवधिमा वार्षिक औषत १०.५ प्रतिशत आर्थिक वृद्धिदरको प्रारम्भिक लक्ष्य अनुमान गरिएको छ । यस मध्ये कृषि क्षेत्रमा औषत ५.५ प्रतिशत, उद्योग क्षेत्रमा औषत १३ प्रतिशत र सेवा क्षेत्रमा वार्षिक औषत १०.९ प्रतिशत आर्थिक वृद्धि हुने अनुमान गरिएको छ ।

दीर्घकालीन सोचको अवधिको आर्थिक वृद्धिदरको लक्ष्य अनुरूप यस सोच अवधिको अन्तिम वर्षमा कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको अंश हालको २७ प्रतिशतबाट घटेर ९ प्रतिशत, उद्योग क्षेत्रका अंश हालको १५.२ प्रतिशतबाट वृद्धि भई ३० प्रतिशत र सेवा क्षेत्रको अंश हालको ५७.८ प्रतिशतबाट ६१ प्रतिशत पुग्ने अनुमान छ । यसबाट कृषि क्षेत्रमा रहेको ठूलो जनशक्ति उद्योग र सेवा क्षेत्रमा स्थानान्तरण हुनेछ । आगामी २५ वर्षमा उद्योग र सेवाको व्यापक विस्तार भई अर्थतन्त्रमा ठूलो संरचनागत एवम् गुणात्मक परिवर्तन हुने अनुमान छ ।

दीर्घकालीन सोचको आधार वर्ष २०७५/७६ मा नेपालको प्रतिव्यक्ति आय १ हजार ४७ अमेरिकी डलर रहेको छ । वि.सं. २०७९ सम्ममा अति कम विकसित राष्ट्रबाट विकासशील राष्ट्रमा स्तरोन्नति हुने र वि.सं. २०८७ मा दिगो विकासका लक्ष्यहरू हासिल गर्दै मध्यम आय भएको मुलुकमा स्तरोन्नति हुनेछ । वि.सं. २१०० मा १२ हजार १ सय अमेरिकी डलर प्रतिव्यक्ति आय सहित नेपाल उच्च आयस्तर भएको मुलुकमा स्थापित हुनेछ ।

माथि उल्लेखित लक्ष्यहरू हासिल गर्न माथि उल्लेखित रूपान्तरणका संवाहक तथा सहयोगी क्षेत्रका अतिरिक्त देहायका तत्वलाई प्रमुख आधारको रूपमा लिइएको छ ।

१. संविधानका राज्यका नीति र मौलिक हक प्राप्त गर्न उच्च र दिगो आर्थिक वृद्धि आवश्यक रहेको ।
२. राजनीतिक तथा नीतिगत स्थिरता कायम भई आर्थिक समृद्धितर्फ उन्मुख अवस्था सिर्जना भएको ।
३. समष्टिगत आर्थिक स्थायित्व कायम गरी सार्वजनिक, निजी, सहकारी र सामुदायिक क्षेत्रको लगानी वृद्धि गर्ने उपयुक्त वातावरण निर्माण भएको ।
४. जनसांख्यिक लाभ र प्राकृतिक स्रोत-साधनको महत्तम उपयोग गरिने ।
५. ज्ञान, सीप, पूँजी र प्रविधि तथा पूर्वाधार र ऊर्जा विकास गरी उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने ।
६. वि.सं. २०८७ सम्म दिगो विकास लक्ष्यहरू हासिल गर्ने राष्ट्रिय प्रतिबद्धता रहेको ।
७. विकास कार्यक्रमको कार्यान्वयनमा तीव्रता प्रदान गर्न आयोजना बैङ्क, आयोजना पूर्व तयारी र अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यलाई सुदृढ बनाइने ।
८. अनौपचारिक अर्थतन्त्रलाई क्रमशः औपचारिक र उत्पादनशील बनाइने ।
९. राष्ट्रिय प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा विदेशी लगानी आकर्षित गर्न आवश्यक सुधार र एकद्वार प्रणाली अपनाइने ।
१०. ज्ञानमा आधारित अर्थतन्त्र विकास गरी समृद्धि हासिल गर्ने ।

दीर्घकालीन सोचका प्रमुख परिमाणात्मक लक्ष्यहरू देहायको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.सं.	राष्ट्रिय लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक	एकाई	आ.व. २०७४/७५ को यथार्थ	आ.व. २१००/०१ को लक्ष्य
१.	आर्थिक वृद्धिदर (औषत)	प्रतिशत	६.८	१०.५
२.	कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि तथा वन क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	२७.०	९
३.	कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	१५.२	३०
४.	कुल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सेवा क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत	५७.८	६१
५.	प्रतिव्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय	अमेरिकी डलर	१०४७	१२१००
६.	गरिबीको रेखामुनि रहेको जनसंख्या (निरपेक्ष गरिबी)	प्रतिशत	१८.७	०



क्र.सं.	राष्ट्रिय लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक	एकाई	आ.व. २०७४/७५ को यथार्थ	आ.व. २१००/०१ को लक्ष्य
७.	बहुआयामिक गरिबीमा रहेको जनसंख्या	प्रतिशत	२८.६	३
८.	आम्दानीमा माथिल्लो १० र तल्लो ४० प्रतिशत जनसंख्याको अनुपात (Plamaratio)	अनुपात	१.३	१.१
९.	सम्पत्तिमा आधारित जिनी गुणक (Gini Coefficient)	गुणक	०.३१	०.२५
१०.	श्रम सहभागिता दर (१५ वर्ष माथि)	प्रतिशत	३८.५	७२
११.	बेरोजगारी दर	प्रतिशत	११.४	३
१२.	रोजगारीमा औपचारिक क्षेत्रको हिस्सा	प्रतिशत	३६.५	७०
१३.	जलविद्युत तथा नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन (जडित क्षमता)	मेगावाट	१,०७४	४०,०००
१४.	विद्युतमा पहुँच प्राप्त परिवार	प्रतिशत	९०.७	१००
१५.	प्रतिव्यक्ति विद्युत उपभोग	किलोवाट घण्टा	१९७	३,५००
१६.	३० मिनेटसम्मको दुरीमा यातायात पहुँच भएको परिवार	प्रतिशत	७८.९	९९
१७.	राष्ट्रिय र प्रादेशिक लोकमार्ग	कि.मि.	६,९७९	३३,०००
१८.	द्रुत मार्ग (भूमिगत मार्गसमेत)	कि.मि.	०	२,०००
१९.	रेलमार्ग	कि.मि.	४२	२,२००
२०.	इन्टरनेट प्रयोगकर्ता कुल जनसंख्या	प्रतिशत	५५.४	१००
२१.	अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको)	वर्ष	६९.७	८०
२२.	मातृ मृत्युदर (प्रति लाख जीवित जन्ममा)	जना	२३९	२०
२३.	पाँच वर्ष मुनिको बाल मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्ममा)	जना	३९	८
२४.	४ वर्ष मुनिका कमतौल भएका बालबालिका	प्रतिशत	२७	२
२५.	साक्षरता दर (१५ वर्ष माथि)	प्रतिशत	५८	९८
२६.	माध्यमिक तह (९-१२) मा खुद भर्नादर	प्रतिशत	४३.९	९५
२७.	उच्च शिक्षामा कुल भर्नादर	प्रतिशत	९.५	४०
२८.	उच्च मध्यम स्तरको खानेपानी सुविधा पुगेको जनसंख्या	प्रतिशत	२०	९५
२९.	आधारभूत सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध जनसंख्या	प्रतिशत	१७	१००
३०.	लैंगिक विकास सूचकांक	सूचकांक	०.९२५	१
३१.	मानव विकास सूचकांक	सूचकांक	०.५७४	०.७६०

स्रोत: १. राष्ट्रिय लेखा, आ.व. २०७५/७६, २. बहुआयामिक गरिबीको प्रतिवेदन २०१८, ३. नेपाल जनसांख्यिक तथा स्वास्थ्य सर्वेक्षण-२०१६, ४. राष्ट्रिय जनगणना, २०६८, ५. मानव विकास प्रतिवेदन २०१८

नोट: (क) दीर्घकालीन सोचको मार्गचित्र र रणनीति, २५ वर्षमा नेपाल उच्च आय भएको मुलुकको स्तरमा पुग्ने लक्ष्य र अन्य देशहरूको विकासको अनुभवका आधारमा प्रारम्भिक अनुमान गरिएको छ।

(ख) शून्य प्रतिशत गरिबीले १ प्रतिशत भन्दा कम गरिबी रहेको अवस्थालाई बुझाउँछ।

(ग) आगामी योजनाहरू तर्जुमा गर्दा माथि उल्लेखित लक्ष्यहरू समयानुकूल पुनरावलोकन गरिनेछन्।

### (ख) सोह्रौँ आवधिक योजना (२०८१/८२-२०८५/८६)

नेपाल सरकारले आगामी आ.व. २०८१/८२ देखि सोह्रौँ योजना लागु गरेको छ। “सुशासन, सामाजिक न्याय र समृद्धि” को सोच सहित सोह्रौँ पञ्चवर्षीय आवधिक योजना (२०८१/०८२ - २०८५/०८६) तयार गरिएको छ जस्लाई अन्तिम रूप दिई कार्यान्वयन मा आएको छ। “समृद्ध नेपाल, सुखी नेपाली” को दीर्घकालीन सोच सहित मुलुकलाई वि.सं. २१०० सम्ममा सम्मुनत राष्ट्रको स्तरमा पुऱ्याउने, विकासशील र मध्यम आय भएको देशमा स्तरोन्नति गर्ने र दिगो विकास लक्ष्य हासिल गर्ने कार्यक्रम सहित शुरुआत गरिएको १५औँ योजनाको दीर्घकालीन सोचलाई यो योजनाले पनि निरन्तरता दिनेछ।

सोह्रौँ योजनाको सोच “सुशासन, सामाजिक न्याय र समृद्धि” रहेको छ भने उद्देश्यहरू निम्न तीन रहेका छन् :

१. राजनीतिक, प्रशासनिक, न्यायिक निजी तथा गैर सरकारी क्षेत्रमा सुशासन कायम गर्नु,
२. स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगारी, आवास, सुरक्षा तथा सार्वजनिक सेवा प्रवाहमा सामाजिक न्याय स्थापित गर्नु,
३. मानवीय जीवन र राष्ट्रिय अर्थतन्त्रमा समृद्धि हासिल गर्नु।

**समष्टिगत रणनीति :** यो योजनाले निम्न चार समष्टिगत रणनीति तय गरेको छ :

१. विकासका सबै क्षेत्र तथा आयाममा देखिएका संरचनागत अवरोधहरूको पहिचान, सम्बोधन र निराकरण गर्दै उत्पादन, उत्पादकत्व तथा प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता अभिवृद्धि गर्ने।
२. संघ, प्रदेश र स्थानीय तीनै तह तथा सरकारी, निजी, सहकारी र गैरसरकारी क्षेत्र एवं विकास साँभेदार विचको अन्तरसम्बन्ध र कार्यात्मक क्षमतालाई मजबुत तुल्याउँदै दिगो विकास योजना कार्यान्वयन गर्ने।
३. विकासका सबै क्षेत्र तथा आयाममा लैङ्गिक मूलप्रवाहीकरण, आधुनिक प्रविधिको प्रयोग, वातावरण संरक्षण र विपद् जोखिम न्यूनीकरणलाई आन्तरिकीकरण गर्ने।
४. अध्ययन, अनुसन्धान तथा तथ्य र प्रमाणमा आधारित नीति निर्माण एवं विकासका कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने।

**संरचनात्मक रूपान्तरणका प्रमुख क्षेत्रहरू :** यसले निम्न प्रमुख क्षेत्रहरूलाई संरचनात्मक रूपान्तरणका क्षेत्रहरूको रूपमा उल्लेख गरेको छ।

१. समष्टिगत आर्थिक आधारहरूको सबलीकरण र उच्च आर्थिक वृद्धि
२. उत्पादन, उत्पादकत्व तथा प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता अभिवृद्धि
३. उत्पादनशील रोजगारी, मर्यादित श्रम र दिगो सामाजिक सुरक्षा
४. स्वस्थ, शिक्षित र सीपयुक्त मानव पूँजी निर्माण

५. गुणस्तरीय भौतिक पूर्वाधार विकास एवं सघन अन्तर-आबद्धता
६. योजनाबद्ध, दिगो र उत्थानशील सहकारीकरण तथा बस्ती विकास
७. लैङ्गिक समानता, सामाजिक न्याय तथा समावेशी समाज
८. प्रादेशिक तथा स्थानीय अर्थतन्त्रको सुदृढीकरण र सन्तुलित विकास
९. गरिबी तथा असमानता न्यूनीकरण र समतामूलक समाज निर्माण
१०. प्रभावकारी वित्त व्यवस्थापन तथा पूँजीगत खर्च क्षमता वृद्धि
११. शासकीय सुधार तथा सुशासन प्रवर्द्धन
१२. जैविक विविधता, जलवायु परिवर्तन र हरित अर्थतन्त्र
१३. अतिकम विकसित मुलुकबाट सहज स्तरोन्नति तथा दिगो विकास लक्ष्य कार्यान्वयन ।

#### १६औँ योजनाको समृद्धिका राष्ट्रिय लक्ष्यहरू

क्र.सं.	सूचक	एकाई	२०७९/८० को स्थिति	२०८५/८६ को लक्ष्य
१.	आर्थिक वृद्धिदर	प्रतिशत	३.९८	७.३
२.	प्रतिव्यक्ति आय	अमेरिकन डलर	१४५६	२३५१
३.	गरिबीको रेखामुनि रहेको जनसंख्या (निरपेक्ष गरिबी)	प्रतिशत	२०.३	१२.०
४.	उपभोक्ता मुद्रास्फीति	प्रतिशत	७.७	५.०
५.	मानव विकास सूचकांक	सूचकांक	०.६०१	०.६५०
६.	मानव सम्पत्ति सूचकांक	सूचकांक	७३.६	७८.०
७.	आर्थिक तथा वातावरणीय जोखिम सूचकांक	सूचकांक	२९.७	२४.०
८.	अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको)	वर्ष	७१.३	७३.०
९.	३० मिनेटको दूरीमा स्वास्थ्य संस्थामा पहुँच भएको परिवार	प्रतिशत	७७	९०
१०.	उच्च मध्यमस्तरको खानेपानीमा पहुँच भएको घरपरिवार	प्रतिशत	२५.८	४५
११.	साक्षरता दर (५ वर्ष माथि)	प्रतिशत	७६.२	८५.०
१२.	बेरोजगारी दर	प्रतिशत	११.४	५.०
१३.	श्रम उत्पादकत्व	रु. हजारमा	२४५	२७५
१४.	सडक घनत्व	प्रति व.कि.मि.	०.६३	०.७७
१५.	विद्युत् उत्पादन (जलविद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा जडित क्षमता)	मेगावाट	२९६२	११,७६९
१६.	प्रतिव्यक्ति विद्युत् उपभोग	किलोवाट प्रति घण्टा	३८०	७००

क्र.सं.	सुचक	एकाई	२०७९/८० को स्थिति	२०८५/८६ को लक्ष्य
१७.	विद्युत्मा पहुँच पुगेको जनसंख्या	प्रतिशत	९६.७	१००
१८.	इन्टरनेटमा पहुँच पुगेको जनसंख्या	प्रतिशत	६९.२	९०.०
१९.	कृषि वस्तुको औसत उत्पादकत्व (प्रमुख बाली)	मे.ट. प्रतिहेक्टर	३.३	३.७
२०.	बैंक तथा वित्तीय संस्थामा पहुँच पुगेको परिवार	प्रतिशत	६३	८५

श्रोत: रा.यो.आ.

योजनाको अन्तिम वर्ष सम्ममा मुलुकको आर्थिक वृद्धिदर ७.३ प्रतिशत लक्ष्य सहित अगाडी सारिएको यो योजनाले प्रतिव्यक्ति आय दुई हजार तीन सय ५१ अमेरिकी डलर पुऱ्याउने र गरिबीको रेखामुनी रहेको जनसंख्या (निरपेक्ष गरिबी) २०.३ प्रतिशतबाट १२ प्रतिशतमा झार्ने लक्ष्य राखेको छ । साक्षरता दर ७६.२ बाट ८५ प्रतिशत पुऱ्याउने लक्ष्य रहेको छ । सोझै योजना कार्यान्वयन गर्नका लागि अनुमानित लगानी करिब रु. एक सय ११ खर्च लाग्ने अनुमान गरिएको छ भने आर्थिक वर्ष २०८५/८६ सम्म नेपालको कुल गार्हस्थ्य उत्पादन (जीडीपी) १ सय खर्ब रुपैयाँ भन्दा माथि पुऱ्याउने लक्ष्य राखेको छ । यसरी सोझै योजनाले केही महत्वकांक्षी लक्ष्य राखेको देखिएपनि राजनीतिक स्थिरता भएमा यसले उक्त लक्ष्य हासिल गर्न सक्ने देखिन्छ ।

### (ग) लुम्बिनी प्रदेशको आवधिक योजना (२०८१/८२-२०८५/८६)

राज्यको पूर्णसंरचना पश्चात् कायम भएको संघीय शासन प्रणाली अन्तर्गत हाल लुम्बिनी प्रदेशमा नवलपरासी ( बर्दघाट सुस्ता पश्चिम, रुपन्देही, कपिलवस्तु, पाल्पा, अर्घाखाँची, गुल्मी, रुकुम (पूर्वी भाग), रोल्पा, प्यूठान, दाङ, बाँके र बर्दिया गरी १२ वटा जिल्लाहरु रहेका छन् । यो प्रदेश नेपालको पश्चिमी भागमा अवस्थित छ भने यस प्रदेशको पूर्वमा गण्डकी प्रदेश, पश्चिममा कर्णाली र सुदुरपश्चिम प्रदेश, उत्तरमा गण्डकी प्रदेश र कर्णाली प्रदेश तथा दक्षिणमा भारतको उत्तर प्रदेश राज्य सँग सिमाना जोडिएको छ । यस प्रदेशको सबैभन्दा ठूलो जिल्ला दाङ हो भने सबैभन्दा सानो जिल्ला नवलपरासी (बर्दघाट सुस्ता पश्चिम) हो । यस प्रदेशको नक्शा प्रदेशको भू-बनावट अग्ला हिमश्रृङ्खला, पहाड, उपत्यका र समथर फाँटहरु मिलेर बनेको छ । यस प्रदेशको भू-धरातलको अवस्थालाई हेर्दा प्रदेशको कूल भू-भागको थोरै मात्र भू-भाग हिमाली क्षेत्रले ओगटेको छ भने सिस्ने हिमाल यसै क्षेत्रमा पर्दछ । पूर्वी रुकुम यस प्रदेशमा पर्ने एक मात्र हिमाली जिल्ला हो भने यस प्रदेशका धेरै भू-भाग मध्य पहाडमा पर्दछन् । पहाडी भू-भागमा अवस्थित जिल्लाहरुमा रोल्पा, प्यूठान, गुल्मी, अर्घाखाँची र पाल्पा जिल्ला रहेका छन् भने दाङ यस प्रदेशको भित्रि मधेशमा पर्ने जिल्ला हो भने नवलपरासी (बर्दघाट सुस्ता पश्चिम), रुपन्देही, कपिलवस्तु, बाँके र बर्दिया तराई क्षेत्रमा पर्ने जिल्लाहरु हुन् । लुम्बिनी, स्वर्गद्वारी, बागेश्वरी, रुरुक्षेत्र, सुपादेउराली, जामे मस्जिद रहमानिया भैरहवा र सहबाबा मस्जिद यहाँ रहेका प्रशिद्ध धार्मिक स्थलहरु हुन् भने तानसेन, रिठी, बर्दिया राष्ट्रिय निकुञ्ज, रानी महल आदि पर्यटकीय स्थलहरु हुन् । यिनै धार्मिक, साँस्कृतिक तथा पर्यटकीय स्थलहरुले पर्यटन विकासमा महत्वपूर्ण भूमिका खेलिरहेका छन् ।

### प्रदेशको दीर्घकालीन सोच

“समृद्ध लुम्बिनी : आर्थिक विकास, सुशासन, समता र समुन्नति”

### प्रदेशको समष्टिगत उद्देश्य

- कृषि, उद्योग र पर्यटन क्षेत्रको उत्पादन र उत्पादकत्व वृद्धि लक्षित बृहत्तर रोजगारी र उद्यमशिलताको विकास गर्नु,

- सघन अन्तरआबद्धता र गुणस्तरीय पूर्वाधार निर्देशित उच्च तथा तीव्र आर्थिक वृद्धि हासिल गर्नु,
- गुणस्तरीय शिक्षा र स्वास्थ्यमा सर्वसुलभ पहुँचलाई सुनिश्चित गरी स्वस्थ र दक्ष मानव पूँजीको निर्माण गर्नु,
- सबै क्षेत्रमा रहेका विभेद र असन्तुलनलाई हटाई सामाजिक न्यायमा आधारित समतामूलक समाजको निर्माण गर्नु,
- सेवा प्रवाह र विकासका आयाममानवीनतम तथा परिस्कृत प्रविधिको प्रयोग मार्फत सुशासन र जवाफदेहिताको प्रत्याभूति गर्नु ।

### प्रदेश विकासका मुख्य संवाहकहरू

प्रदेश विकासका मुख्य संवाहकहरू देहाय बमोजिम मानिएको छ :

- कृषि, उद्योग र पर्यटन
- सुदृढ प्रादेशिक अर्थतन्त्र र उच्च आर्थिक वृद्धि
- बृहत्तर तथा उत्पादनशील रोजगारी र उद्यमशीलता विकास
- अन्तर प्रदेश तथा आन्तरिक अन्तरआबद्धता
- दिगो एवम् गुणस्तरीय पूर्वाधार र आधुनिक तथा पहिचानयुक्त शहर
- स्वास्थ्य, शिक्षा तथा पोषण
- हरित अर्थतन्त्र
- डिजिटल अर्थतन्त्र
- अनुसन्धान, अन्वेषण र प्रविधि
- सुशासन, जवाफदेहिता र जनसहभागिता
- समानता र समावेशीकरण

### प्रदेशका प्रमुख रणनीतिहरू

- लुम्बिनी प्रदेशका प्रमुख रणनीतिहरू देहाय बमोजिम छन् –
- कृषि, उद्योग, पर्यटन र हरित अर्थतन्त्रका क्षेत्रमा बृहत्तर रोजगारी र उद्यमशीलताका विद्यमान सम्भावनाको उपयोग तथा नयाँ सम्भावनाको समेत पहिचान गरी समग्र उत्पादन र उत्पादकत्व अभिवृद्धि गर्ने ।
- सघन अन्तरआबद्धता कायम हुने गरी रणनीतिक महत्वका पूर्वाधारको विकास र विस्तार गर्ने ।
- सुदृढ प्रादेशिक अर्थतन्त्र निर्माणका लागि आन्तरिक आय र राजश्वको क्षेत्र र दायरा विस्तार गर्ने ।
- स्रोत साधनको विवेकशील विनियोजन, खर्च गर्ने क्षमतामा वृद्धि र आयोजनाको प्राथमिकिकरण गर्दै पूँजीगत क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गर्ने ।
- स्वस्थ तथा उत्पादनशील मानव पूँजी र मर्यादित तथा सभ्य समाज निर्माणका लागि जनस्वास्थ्य, स्वास्थ्य पूर्वाधार एवम् प्रविधिमैत्री तथा जीवनोपयोगी शिक्षाको विकास र विस्तार गर्ने ।
- नवप्रवर्तन, अनुसन्धान र अन्वेषण प्रेरितनवीन प्रविधि र परिस्कृत प्रणाली मार्फत आर्थिक समृद्धि र समुन्नत समाजको आधार तयार गर्ने ।
- विभेद र असन्तुलनमा परेका वर्ग, महिला र पिछडिएका तथा सिमान्तकृत समुदायलाई संरक्षण र सशक्तिकरण मार्फत सामाजिक न्याय र समता कायम गर्ने ।
- राज्यका सबै अवयवमा पारदर्शिता, जवाफदेहिता, सहभागिताको प्रवर्द्धन गर्दै सुशासनको प्रत्याभूति गर्ने ।

### १.३.४ दिगो विकासका लक्ष्यहरू

सन् २०१५ मा संयुक्त राष्ट्र संघमा आवद्ध सम्पूर्ण राष्ट्रहरूद्वारा अनुमोदन गरी समग्र विश्व र मानवजातिको दीर्घकालीन सुरक्षा, सुख र समृद्धिका लागि तय गरिएका साभ्ता वैश्विक लक्ष्यहरूलाई दिगो विकास लक्ष्य भनिन्छ । संसारभरका सबै मुलुकले सन् २०३० सम्म यी लक्ष्यहरू हासिल गर्नु पर्नेछ । नेपालले समेत अनुमोदन गरेका यी लक्ष्यहरू नेपालका योजना तथा विकासका उद्देश्यहरू हासिल गर्न अति सान्दर्भिक छन् । तसर्थ तल उल्लेखित यी लक्ष्यहरूलाई यो योजना तर्जुमाको आधार बनाइएको छ । कुल सत्रवटा लक्ष्यहरू मध्ये भू-परिवेष्ठित मुलुक भएकोले लक्ष्य १४ नेपालसँग प्रत्यक्ष सम्बन्धित छैन । यी लक्ष्यहरूका १६९ परिमाणात्मक लक्ष्यहरू र २३४ वटा विश्वव्यापी सूचकहरू थपेर कुल ४७९ सूचकहरू निर्धारण गरेकोले यस गाउँपालिकासँग सम्बन्धित लक्ष्य र सूचकहरूलाई समेत यो योजनाले समेट्ने र दिगो विकास लक्ष्यको स्थानीयकरण गर्ने प्रयास गरेको छ ।

#### दिगो विकासका लक्ष्यहरू

१. सबै ठाउँबाट सबै प्रकारका गरिवीको अन्त्य गर्ने ।
  २. भोकमरीको अन्त्य गर्ने, खाद्य सुरक्षा तथा उन्नत पोषण सुनिश्चित गर्ने र दिगो कृषिको प्रवर्द्धन गर्ने ।
  ३. सबै उमेर समूहका व्यक्तिका लागि स्वस्थ जीवन सुनिश्चित गर्दै समृद्ध जीवन प्रवर्द्धन गर्ने ।
  ४. सबैका लागि समावेशी तथा समतामूलक गुणस्तरीय शिक्षा सुनिश्चित गर्ने र जीवनपर्यन्त सिकाईका अवसरहरू प्रवर्द्धन गर्ने ।
  ५. लैङ्गिक समानता हासिल गर्ने र सबै महिला, किशोरी र बालबालिकालाई सशक्त बनाउने ।
  ६. सबैका लागि स्वच्छ पानी र सरसफाईको उपलब्धता तथा दिगो व्यवस्थापन सुनिश्चित गर्ने ।
  ७. सबैका लागि कृषिफायती, विश्वासनीय, दिगो र आधुनिक उर्जामा पहुँच सुनिश्चित गर्ने ।
  ८. भरपर्दो, समावेशी र दिगो आर्थिक वृद्धि तथा सबैका लागि पूर्ण र उत्पादनमूलक रोजगारी र मर्यादित कामको प्रवर्द्धन गर्ने ।
  ९. उत्पादनशील पूर्वाधारको निर्माण, समावेशी र दिगो औद्योगीकरणको प्रवर्द्धन र नवीन खोजलाई प्रोत्साहन गर्ने ।
  १०. मुलुकभित्र तथा मुलुकहरूबिच असमानता घटाउने ।
  ११. शहर तथा मानव बसोबासलाई समावेशी, सुरक्षित, उत्पादनशील र दिगो बनाउने ।
  १२. दिगो उपभोग र उत्पादन प्रणाली सुनिश्चित गर्ने ।
  १३. जलवायु परिवर्तन र यसको प्रभाव नियन्त्रण गर्ने तत्काल पहल थाल्ने ।
  १४. दिगो विकासका लागि महासागर, समुन्द्र र समुन्द्री साधन स्रोतहरूको दिगो प्रयोग तथा संरक्षण गर्ने ।
  १५. स्थानीय पर्यावरणको संरक्षण, पुनर्स्थापना र दिगो उपयोगको प्रवर्द्धन गर्ने, वनको दिगो व्यवस्थापन गर्ने, मरुभूमीकरण र भूक्षय रोक्ने तथा जैविक विविधताको संरक्षण गर्ने ।
  १६. दिगो विकासको लागि शान्तिपूर्ण र समावेशी समाजको प्रवर्द्धन गर्ने, सबैको न्यायमा पहुँच सुनिश्चित गर्ने र सबै तहमा प्रभावकारी, जवाफदेही र समावेशी संस्थाको स्थापना गर्ने ।
  १७. दिगो विकासका लागि विश्वव्यापी साभ्केदारी सशक्त बनाउने र कार्यान्वयनका लागि स्रोत साधन सुदृढ गर्ने ।
- राष्ट्रिय योजना आयोगद्वारा प्रकाशित दिगो विकास लक्ष्य स्थानीयकरण स्रोत पुस्तिकाका आधारमा दिगो विकास लक्ष्यहरूलाई गाउँपालिकाको विशिष्टतामा स्थानीयकरण गरिएको**

### १.३.५ राष्ट्रिय तथा प्रादेशिक सरकारका मार्ग निर्देशनहरू

यस गाउँपालिकाको योजना निर्माणका दौरान नेपाल सरकार तथा प्रदेश सरकारले योजना तर्जुमा बजेट तर्जुमा तथा अनुगमन तथा मूल्याङ्कन व्यवस्थाका साथै आयोजनाको कार्यान्वयनका सन्दर्भमा पटक-पटक गर्ने मार्ग निर्देशनलाई समेत आधार मानी यो योजना निर्माण गरिएको छ ।

### १.३.६ अन्तर्राष्ट्रिय सन्धी सम्झौता तथा घोषणापत्रहरू

नेपाल सरकार पक्ष राष्ट्र भई अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा हस्ताक्षर तथा अनुमोदन गरिएका अन्य सान्दर्भिक घोषणा पत्र तथा सन्धी सम्झौताहरूको मर्महरूलाई समेत ध्यानमा राखिएको उदाहरणका लागि मानव अधिकार सम्बन्धी विश्वव्यापी घोषणा पत्र सन् १९४८, बाल अधिकार सम्बन्धी घोषणापत्र, विश्व संरक्षण नीति (World Conservation Strategies) आदि ।

### १.३.७ स्थानीय तहमा सहभागी राजनीतिक दलहरूको घोषणापत्रहरू

यो योजना निर्माणको दौरान यस गाउँपालिकामा रहेका राजनीतिक दलहरूले विभिन्न तहका चुनाव तथा अन्य समयमा गाउँपालिकाबासीका माझ गरेका विकासका राजनीतिक प्रतिबद्धताहरूलाई समेत मध्यनजर गरी ती घोषणा पत्रहरूका मर्मलाई एक वा अर्को तरिकाले सम्बोधन गर्ने प्रयत्न गरिएको छ ।

### १.३.८ गाउँपालिकाको विद्यमान वस्तुगत अवस्था

गाउँपालिकाको वस्तुगत अवस्था स्थानीय आवश्यकता, समस्या र सम्भावनाहरू यस अन्तर्गत वडा भेला, स्थलगत अध्ययन तथा गाउँपालिका केन्द्रमा विभिन्न समयमा सम्पन्न अन्तरक्रिया तथा सरोकारवालारूबाट प्राप्त सुझावका आधारमा गाउँपालिकाको प्रमुख समस्या चुनौती, सम्भावना र आवश्यकता पहिचान गरी सो को SWOT विश्लेषण गरे पश्चात् आवश्यक योजनाहरू निर्माण गरिएको हो ।

## १.४ योजना तर्जुमाका सीमाहरू

संघीय शासन प्रणाली अन्तर्गत स्थापना भएको स्थानीय सरकारको रूपमा रहेको यो गाउँपालिका देशका अन्य स्थानीय तहहरू जस्तै नयाँ अभ्यास र संघीय शासन प्रणाली कार्यान्वयनको प्रारम्भिक चरणमा नै रहेकोले योजना निर्माणका लागि आवश्यक पूर्ण आधारभूत सूचनाको कमी रहेको छ । कतिपय सूचनाहरू संकलन र प्रशोधन गर्न पर्याप्त बजेट, प्राविधिक तयारी र दक्ष जनशक्तिको आवश्यकता पर्ने र सोको तत्काल व्यवस्था गर्न सहज नभएको परिस्थितिमा उपलब्ध सूचना, समय र बजेटका केही सीमाहरू भित्र रहेर यो योजना तयार पारिएको हो । तसर्थ: यस्का केही सीमाहरूलाई निम्नानुसार उल्लेख गरिएको छ ।

- दिगो विकास लगायत गाउँपालिकाले तय गरेका अन्य विकासका क्षेत्रहरूसँग सम्बन्धित परिमाणात्मक लक्ष्यहरूको आधार वर्षका तथ्याङ्कहरूको उपलब्धता तत्काल हुन नसकेको र सोको व्यवस्था भविष्यमा गर्न सके ती लक्ष्य पुनः निर्धारण गर्न सक्ने ।
- गाउँपालिकाद्वारा गर्नुपर्ने अत्यन्त आधारभूत सेवा प्रवाह जस्तै, पिउने पानी खाद्यान्न, शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सडक, सामाजिक सुरक्षा आदिका लागि तय गरिएका कार्यक्रमहरूमा तत्काल बजेटको अभाव हुने हुँदा वित्तीय सन्तुलनका हिसाबले कतिपय कार्यक्रमका लागि तत्काल बजेट अभाव भए तापनि भविष्यमा बजेटको स्रोत पहिचान र व्यवस्था गर्ने हेतुले आयोजना बैङ्कमा अभिलेख रहने गरी भएपनि त्यस्ता कार्यक्रमहरूलाई अनिवार्यताका आधारमा प्रस्ताव गरिएको ।

## १.५ योजना तर्जुमा विधि र प्रक्रिया

यो योजना तयार गर्दा मुख्यतया राष्ट्रिय योजना आयोगद्वारा प्रकाशित स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन २०७८ र शहरी विकास विभागद्वारा प्रकाशित योजना मापदण्ड र मानक २०१५ (Planning Norms and Standards 2015) लाई आधार मानिएको छ। दुवैका मार्गदर्शनका अलावा राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय तहमा योजना निर्माण गर्दा अवलम्बन गरिएका असल अभ्यासहरू समेत अनुशरण गरिएको छ। तसर्थ क्रमशः निम्न चरण पुरा गरी यो योजना तयार गरिएको छ।

### १. योजना तर्जुमा तयारी प्रारम्भिक छलफल, अभिमूखीकरण तथा कार्यशाला

गाउँ कार्यपालिकाका सम्पूर्ण पदाधिकारीहरू, विषयगत शाखाका प्रमुखहरू, स्थानीय राजनीतिक दलका अगुवाहरू, बुद्धिजीवी तथा सरोकारवालाहरूको सहभागितामा विज्ञहरूको समेत उपस्थितिमा समग्र योजना तयारीका प्राविधिक पक्षहरूको बारेमा बृहत् छलफल र जिम्मेवारी बाँडफाँट गर्ने कार्य सम्पन्न गरियो।

### २. विकासको विद्यमान स्थिती र उपलब्धिको समिक्षा

विकास उपलब्धिको प्रगती विवरण, उपलब्धि सूचना तथा सहभागितामूलक छलफलका आधारमा गत योजनाको कार्यान्वयनबाट हासिल भएका उपलब्धिलाई विषय क्षेत्रगत रूपमा संक्षिप्त समीक्षा गरियो। यसरी समीक्षा गर्दा हासिल भएका उपलब्धिको विवरण गुणात्मक तथा परिमाणात्मक रूपमा उपलब्धि सूचनाको आधारमा पुष्टि हुने गरी प्रस्तुत गरियो।

### ३. स्थानीयस्तरमा गाउँपालिकाको समग्र वस्तुस्थिति अध्ययन विवरण संकलन तथा विश्लेषण

यस अन्तर्गत विज्ञ समूह तथा अध्ययनकर्ताको सहभागितामा प्रत्येक वडाको वस्तुस्थिति, मुख्य सम्भावना, अवसर र चुनौती पहिचान गर्ने हेतुले वडाध्यक्षको संयोजकत्वमा वडाका सम्पूर्ण सरोकारवाला सम्मिलित वडाभेला, छलफल र अन्तरक्रियामार्फत प्राथमिक तथा द्वितीय स्रोतबाट सूचना संकलन गरियो।

### ४. गाउँपालिकाको आधार नक्शा सम्बन्धी सूचना संकलन

विषय विज्ञद्वारा प्रत्येक वडाबाट भू-सूचना प्रणालीको प्रयोग गरी आधार नक्शा तयार गर्न आवश्यक भौतिक, आर्थिक, सामाजिक, वातावरण लगायत सम्पूर्ण भू-संकेत र सचना संकलन गरियो।

### ५. वडा भेला मार्फत प्राप्त सूचनाहरूको संकलन तथा विश्लेषण

वडा भेला र अन्तरक्रियाबाट प्राप्त सूचनाहरूको तालिकीकरण, प्रशोधन पश्चात् समग्र वस्तुस्थितिको SWOT विश्लेषण गरी गाउँपालिकाका सबल पक्ष, दुर्बल पक्ष, सम्भावना र अवसरहरू पहिचान गर्ने कार्य सम्पन्न गरियो।

### ६. सोच, लक्ष्य, उद्देश्य र रणनीतिक कार्यक्रमहरूको समग्र मस्यौदा तयारी तथा प्राथमिकता निर्धारण

समग्र वस्तुस्थिति विश्लेषण पश्चात् राष्ट्रिय र प्रादेशिक लक्ष्य, योजना र उद्देश्यसँग तादात्म्यता हुने गरी स्थानीय आवश्यकता सम्बोधन हुने गरी गाउँपालिकाको सोच, लक्ष्य, उद्देश्य र रणनीतिक कार्यक्रमहरू सहितको मस्यौदा तयार गर्ने कार्य सम्पन्न गरियो।

### ७. विषय क्षेत्रगत योजना तर्जुमा

स्थानीय तहको वार्षिक योजना तथा बजेट तर्जुमा समितीको लागि गठित विषयगत योजना तर्जुमा समिति तथा सम्बन्धित विषय क्षेत्रका सरोकारवालासँगको सहभागीतामा कार्यशाला गोष्ठी तथा परामर्श गरि विषय क्षेत्रगत



योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति तथा कार्यनीति आयोजना तथा कार्यक्रम र सोको स्थानगत विवरण एवम् नतिजा खाका तयार गरि योजना तर्जुमा गरियो ।

#### **८. मस्यौदा योजना उपर सरोकारवालासँग अन्तरक्रिया छलफल तथा सुझाव संकलन**

सम्पूर्ण सरोकारवाला तथा गाउँ कार्यपालिकाको सम्पूर्ण पदाधिकारीहरूको उपस्थितिमा योजना मस्यौदा उपर छलफल तथा अन्तरक्रिया गरे पश्चात् थप सल्लाह र सुझावसहित परिमार्जनका लागि मस्यौदा पेश गरि वितरण गरियो ।

#### **९. एकीकृत दस्तावेज तयारी संशोधन, परिमार्जन पश्चात अन्तिम योजना तयारी तथा स्वीकृति र प्रकाशन**

मस्यौदा उपर छलफल तथा सुझाव संकलन पश्चात् योजनालाई विषय क्षेत्रगत हिसाबले एकीकृत गरी अन्तिम रूप दिएर गाउँ सभामार्फत् प्रक्रिया पुऱ्याई अनुमोदन गरी सर्वसाधारणका लागि प्रकाशन गर्ने निर्णय गाउँ कार्यपालिकाले गर्‍यो ।

## परिच्छेद – २: गाउँपालिकाको विकासको विद्यमान स्थिति र उपलब्धि समिक्षा

### २.१ गाउँपालिकाको परिचय

सुनिलस्मृति गाउँपालिका लुम्बिनी प्रदेशको रोल्पा जिल्लामा अवस्थित रहेको छ। वि.सं. २०७३ साल फागुन २२ मा नेपाल सरकारको निर्णयबाट साविकका गा. वि. स. हरु घोडागाउँ, खुंग्रीकोट, मिभिङ्ग, अरेस, तेवाङ्ग, गजुल र फगाम समेटेर सुनिलस्मृति गाउँपालिकाको गठन भएको हो। रोल्पा जिल्लाका १० वटा स्थानीय तहहरू मध्ये एक यो गाउँपालिकामा स्थानीय सरकार निर्वाचन पश्चात सुवर्णावती गाउँपालिकाको नाममा स्थापना भएको थियो। यस पश्चात गाउँसभाले सुवर्णावती शब्दको ऐतिहासिकता एवं सान्दर्भिकता नभएको निष्कर्ष निकाल्दै विगत १० वर्षे जनयुद्धको समयवाधीमा यसै गाउँपालिका अन्तर्गत गजुल गाविसका महान् शहिद किमबहादुर थापा (सुनिल) को सम्झना एवं सम्मानमा 'सुनिल स्मृति गाउँपालिका' नामाकरण गर्ने ऐतिहासिक निर्णय गरिएको हो। अतः यस गाउँपालिकामा ऐतिहासिक बाइसे र चौविसे राज्य रहेको यहाँ सेन र ठकुरी राजाले राज्य गरेको ऐतिहासिक स्थल खुंग्रीकोट र गजुलकोट हालसम्म संरक्षित तथा साँस्कृतिक र धार्मिक विविधताले विशिष्ट रहेका छन्। राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को नतिजा अनुसार यस गाउँपालिकाको कुल जनसंख्या ३०,६१७ रहेको छ, जसमा पुरुषको संख्या १४,०९५ र महिलाको संख्या १६,५२२ रहेको छ भने कुल परिवार संख्या ७,००९ रहेको छ।

### २.१.१ भौगोलिक अवस्था, राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना

#### क) भौगोलिक अवस्था

भौगोलिक हिसाबले  $८२^{\circ}३६'५४''$  देखि  $८२^{\circ}४७'५६.४''$  पूर्व देशान्तरसम्म र  $२८^{\circ}१०'४१''$  देखि  $२८^{\circ} २२' ३७.२''$  उत्तरी अक्षांश सम्म फैलिएर प्राकृतिक मनोरम संरचना सहित मध्यपहाडी देखि उच्चपहाडी क्षेत्रमा अवस्थित यो गाउँपालिका समुन्द्री सतहबाट ६५१ मि. देखि २९४६ मि. को उचाई सम्मको विविधता रहेको छ। १५६.५९ वर्ग कि.मि. क्षेत्रफल रहेको यस गाउँपालिकाको पूर्वमा सुनछहरी गाउँपालिका र लुंग्री गाउँपालिका, पश्चिममा रोल्पा नगरपालिका र रुन्टीगढी गाउँपालिका, उत्तरमा सुनछहरी गाउँपालिका र रोल्पा नगरपालिका र दक्षिणमा प्यूठान जिल्ला रहेका छन्। पहाडी क्षेत्रमा पर्ने यस क्षेत्रका केही भाग खेतीयोग्य उर्वर जमिनले ओगटेको भए पनि यहाँको अधिकांश भाग पहाडले ओगटेको छ।

#### भू-उपयोगको वितरण

भूमि महत्वपूर्ण प्राकृतिक साधन हो। आर्थिक विकासको लागि यसको समुचित उपयोग गर्नु पर्दछ। भूमिलाई कृषि, आवास, सडक, पिउने पानी, सिँचाई, विद्युत तथा उर्जा, सूचना तथा सञ्चार आदिको प्रबन्धको लागि प्रयोग गर्ने गरिन्छ। यस खण्डमा विशेष गरी गाउँपालिकाको भू-उपयोग र भू-आवरणको वस्तुगत चित्रण गरिएको छ।

**tflnsf g+= 1M** गाउँपालिकाको भू-उपयोगको विवरण

भू-उपयोगका क्षेत्र	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.)	क्षेत्रफल प्रतिशतमा
जल क्षेत्र	०.६०३	०.३८५
वनजंगल तथा भाडी बूट्यान क्षेत्र	१००.२८	६४.०७
आवास क्षेत्र	२.३७	१.५१
बाँभो जमिन	०.०६७	०.०४

भू-उपयोगका क्षेत्र	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.)	क्षेत्रफल प्रतिशतमा
खेतीयोग्य जमिन	५३.१७	३३.९७
<b>जम्मा</b>	<b>१५६.५९</b>	<b>१००</b>

स्रोत: GIS तथ्याङ्कमा आधारित

### माटोको बनावट (Soil Type)

नेपालको भौगर्भिक बनावट हिमालय पर्वत शृङ्खला निर्माण हुँदाताका भएको हो। हिमालय पर्वत शृङ्खलालाई सबैभन्दा कान्छो भौगर्भिक बनावट (New Fold Mountain) मानिन्छ। प्रकृतिमा लगातार घटिरहने प्रक्रियाहरू जस्तै-हुरीवतास, वर्षा, खडेरी, हावापानी परिवर्तन, पहिरो, वायुमण्डलीय चाप, हिमपात, भुइँचालो आदिका कारण भूधरातलीय परिवर्तन भइरहेको हुन्छ। यसप्रकार भू-धरातलमा भइरहने निरन्तर परिवर्तनको प्रभाव यस गाउँपालिकाको भौगर्भिक संरचनामा पर्नु स्वभाविकै हो। गाउँपालिकाको माटोको बनावट हेर्दा नेपालको मध्य पहाडी खण्डमा विशेष गरी महाभारत श्रृंखला अन्तर्गत पाइने मिश्रित प्रकारको माटो पाइन्छ। भिरालो सतहहरूमा प्राय चट्टानयुक्त माटोको प्रधानता छ भने खेतीयोग्य क्षेत्रमा केहि पाँगो मिश्रित दोमट तथा बलौटे माटो रहेको छ। केहि क्षेत्रहरूमा पूर्ण रुपमा रातो माटोको खण्डहरू छ भने चिम्टाइलो माटो समेत रहेको छ। खोला तथा बगरहरूमा स्वाभाविक रुपमा बलौटे माटो र ढुङ्गाहरूको उपलब्धता रहेको हुनाले बेशी क्षेत्रका खेतहरूमा बलौटे माटोको प्रधानता रहेको छ।

### जमिनको भिरालोपन (Slope)

यस गाउँपालिका भू-वनोटको स्थितिलाई हेर्दा ५<sup>०</sup> देखि ३०<sup>०</sup> सम्मको भिरालोपन ५०.४८ प्रतिशत जमिन देखिनुले बैसी तर्फका भू-भाग कम भिरालो र उचाइ बढ्दै जाँदा भिरालोपन पनि सोही अनुपातमा बढ्दै गएको देखिन्छ। उच्च भूभागलाई भू-क्षयीकरणबाट जोगाउन योजनावद्ध विकास योजना कार्यान्वयन गर्नुपर्ने देखिन्छ। गाउँपालिकाको भिरालोपन सम्बन्धी विस्तृत विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ

भिरालोपन (डिग्रीमा)	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मि.)	क्षेत्रफल (प्रतिशत)
० डिग्री देखि ५ डिग्री	२.०५	१.३१
५ डिग्री देखि ३० डिग्री	७९.०५	५०.४८
३० डिग्री देखि ४५ डिग्री	६८.७५	४३.९०
४५ डिग्री देखि ६० डिग्री	६.६०	४.२१
६० डिग्री देखि ७० डिग्री	०.१५	०.०९
<b>जम्मा</b>	<b>१५६.५९</b>	<b>१००.००</b>

स्रोत: GIS तथ्याङ्कमा आधारित

### जमिनको मोहडा (Aspect)

सामान्यतया भिरालोपनमा विषमता हुँदा जमिनको मोहडामा समेत विषमता हुन्छ। यद्यपि मोहडाको हिसाबले हेर्दा पूर्वी मोहडा, दक्षिण पूर्वी मोहडा, दक्षिण मोहडा, दक्षिण पश्चिम मोहडा, पश्चिमी मोहडा भएको क्षेत्र ६१.३१ प्रतिशत भएकोले गाउँपालिकामा जलवायुगत विविधता पाउनुका साथै यस प्रकारको पारिलो क्षेत्रको जमिन कृषि, उद्योग, बसोबास तथा अन्य विकासका क्रियाकलापहरू सञ्चालन गर्न उपयुक्त रहेको छ। उत्तरी मोहडा ३०.७४ प्रतिशत हुनुले यहाँको जमिन कृषि तथा बसोबासका लागि बढी शीत प्रधान र अनुपयुक्त रहेको छ। करिब ७.९५ प्रतिशत

जमिन समथर भएकोले सो क्षेत्र भने खेतीपातीको लागि अब्बल छ । विस्तृत विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

क्र.स.	जमिनको मोहडा	क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	प्रतिशत
१	समथर मोहडा	१२.४५	७.९५
२	उत्तर मोहडा	८.९७	५.७३
३	उत्तर पूर्वी मोहडा	२४.०४	१५.३५
४	पूर्व मोहडा	१९.९०	१२.७१
५	दक्षिण पूर्वी मोहडा	२२.६६	१४.४७
६	दक्षिण मोहडा	१९.०६	१२.१७
७	दक्षिण पश्चिम मोहडा	१८.९८	१२.१२
८	पश्चिम मोहडा	१५.४०	९.८४
९	उत्तर पश्चिम मोहडा	१५.१२	९.६६
	जम्मा	१५६.५९	१००

स्रोत: GIS तथ्याङ्कमा आधारित

### ख) राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना

नेपाल सरकारले मिति २०७३/११/२२ मा देहाय बमोजिम प्रशासकीय हिसाबमा यस गाउँपालिका तत्कालीन घोडागाउँ, खुंग्री, मिभिड, गजुल, तेवाङ, अरेश र फगामको वडा नं. १ लाई समेटेर सुनिलस्मृति गाउँपालिका निर्माण गरिएको हो । यसरी समायोजन गरी बनाइएको गाउँपालिकामा ८ वटा वडाहरू रहेका छन् । विस्तृत विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

### तथ्याङ्क २M राजनीतिक र प्रशासनिक संरचना

वडा नं.	समावेश गाविस/नगरपालिका	जनसंख्या			क्षेत्रफल (वर्ग कि.मी.)	प्रतिशत
		महिला	पुरुष	जम्मा		
१	घोडागाउँ (१-९)	१३९८	१९४५	३३४३	१८.८४	१०.९२
२	खुंग्री (१-९)	१७०८	२२७९	३९८७	३०.०१	१३.०२
३	मिभिड (१-६)	१९०४	२१४७	४०५१	१४.९९	१३.२३
४	मिभिड (७-९)	२०२६	२२९७	४३२३	१७.३८	१४.१२
५	गजुल (२,७-९) फगाम (१)	१६०७	१६९९	३३०६	२३.३८	१०.८०
६	गजुल (१,३-६)	११५७	१५७७	२७३४	१८.५६	८.९३
७	तेवाङ (१-९)	२१३७	२१८०	४३१७	१८.३७	१४.१०
८	अरेश (१-९)	२१५८	२३९८	४५५६	१५.०४	१४.८८
	जम्मा	१४०९५	१६५२२	३०६१७	१५६.५७	१००

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय तथा राष्ट्रिय जनगणना, २०७८

## २.१.२ प्राकृतिक तथा साँस्कृतिक सम्पदा

ऐतिहासिक, भौगोलिक, धार्मिक, सामाजिक, साँस्कृतिक स्थितिले सम्पन्न यस गाउँपालिकामा मगर, क्षेत्री, विश्वकर्मा, सन्यासी/दसनामी, परियार, ब्राहमण (पहाड), ठकुरी, मिजार, मुसलमान, नेवार लगायतका जातजातिहरूको बसोबास रहेको छ। यहाँका विभिन्न जातजाति र सम्प्रदायका आ-आफ्नै किसिमको धर्म, साँस्कृतिक र चालचलनहरू छन्। गाउँपालिकामा कृष्ण जन्माष्टमी, तिज, दशैं, तिहार, माघे संक्रान्ति, होली, शिवरात्री, नयाँ वर्ष, बुद्ध जयन्ती, इद, क्रिश्मस जस्ता विभिन्न चाडपर्व एवं साँस्कृतिक उत्सवहरू विशेष महत्व तथा धार्मिक सहिष्णुताका साथ मनाउने गरिन्छ। परम्परागत साँस्कृतिकमा आधारित भ्याउरे भाका र दोहोरी गीत तथा सोरठी नाच, लाखेनाच, ख्याली टप्पा, भ्याउरे नाच यहाँ सर्वाधिक लोकप्रिय छन्। यहाँ धार्मिक, ऐतिहासिक, साँस्कृतिक एवं पुरातात्विक महत्व बोकेका स्थल खुंग्री कोट र गजुल कोट यसका साथै घोडा गाउँको रातोमाटो, तेवाङको अग्लो लिस्ने धुरी, शिव पञ्चायन मन्दिर, त्रिपुरेश्वरी मन्दिर, पाटेश्वरी मन्दिर, मिभिङ क्षेत्र लगायतका ४६ भन्दा बढी पर्यटकीय स्थलहरू रहेका छन्। यहाँ रहेका धार्मिक, ऐतिहासिक तथा पर्यटकीय स्थलहरूको विवरण निम्नानुसार रहेका छन् :

**तल्लो गाउँपालिका रहेका धार्मिक, ऐतिहासिक तथा पर्यटकीय स्थलहरूको विवरण**

क्र.सं.	धार्मिक, ऐतिहासिक तथा पर्यटकीय स्थलको नाम	स्थान	महत्व
१.	खुंग्रीकोट दरबार	खुंग्री	साँस्कृतिक/ऐतिहासिक स्थल
२.	गजुलकोट दरबार	गजुल	साँस्कृतिक/ऐतिहासिक स्थल
३.	तेवाङको लिस्ने धुरी	तेवाङ	युद्ध पर्यटन
४.	शिव पञ्चायन मन्दिर	खुंग्री	धार्मिक तथा साँस्कृतिक
५.	त्रिपुरेश्वरी मन्दिर	खुंग्री	धार्मिक तथा साँस्कृतिक
६.	पाटेश्वरी भगवती मन्दिर	गजुल	धार्मिक तथा साँस्कृतिक
७.	घामथान मिभिङ क्षेत्र	सातदोबाटो	धार्मिक तथा प्राकृतिक मनोरम स्थल
८.	लुङ्ग्री खोला		सुन पाइने जनविश्वास
९.	माडी खोला		चाँदी पाइने जनविश्वास
१०.	सुनिल स्मृति पार्क	गजुल	प्राकृतिक मनोरम दृश्य
११.	शिवालय मन्दिर	खुंग्री	
१२.	मल्लरानी शान्ति बाटिका	तेवाङ	प्राकृतिक मनोरम दृश्य
१३.	घोडाकोट मन्दिर	घोडाकोट	साँस्कृतिक/ऐतिहासिक
१४.	रेड Soil park	सल्लेपिपल	रातोमाटो पाइने
१५.	चतुर्भुज शिवालय	खुंग्री	
१६.	खुंग्री वेथल चर्च	खुंग्री	
१७.	धागेस्थान	विष्टदेउघर	धार्मिक
१८.	शिव मन्दिर	रुङ्गीवाङ	दैनिक पुजाआजा
१९.	भूमेस्थान (२)	देउधारा, बाग्मा	
२०.	महरा देवाली स्थान	च्यानधारा	
२१.	भवानी गुफा		ऐतिहासिक/प्राकृतिक
२२.	बराह मन्दिर	काब्रा	
२३.	बराह देवता	मन्धा	

क्र.सं.	धार्मिक, ऐतिहासिक तथा पर्यटकीय स्थलको नाम	स्थान	महत्व
२४.	काली पोखरा डाँडा	रिभा	
२५.	विसौना धारा	रिभा	मंसिर पूर्णिमा
२६.	कोविलडाँडा		
२७.	मयुर, गिद्ध संरक्षण वन		
२८.	देवीथान		
२९.	सिस्नेखोला		
३०.	लिस्ने लेक		
३१.	भैसी पुरे डाँडा		पिकनिक स्पट
३२.	राज्य पोखरी		दृश्यावलोकन
३३.	सिद्ध बराह मन्दिर		
३४.	मालरानी कोट		शान्ति बाटिका
३५.	खड्के भिर		युद्ध पर्यटन
३६.	लिस्ने लेक		युद्ध पर्यटन
३७.	भ्वाङ्ग छेडा		
३८.	ढमसेलो		
३९.	गजुल डाँडा	धौली	दृश्यावलोकन (रोल्पाको दोस्रो अग्लो डाँडा)
४०.	काली पोखरा डाँडा	रिभा	मंसिर पूर्णिमा
४१.	विसौना धारा	रिभा	मंसिर पुर्णिमा
४२.	भदौरे मेला	क्वाली गाउँ	महादेवको पूजा
४३.	सिद्ध पुज्ने थान	काब्रा	बोका बलि दिने
४४.	सिद्ध पुजा	क्वाली गाउँ	भूमि पूजा
४५.	महारा देवाली स्थान	च्यानधारा	
४६.	महापोखरी		

स्रोत : गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

### २.१.३ जनसांख्यिक अवस्था

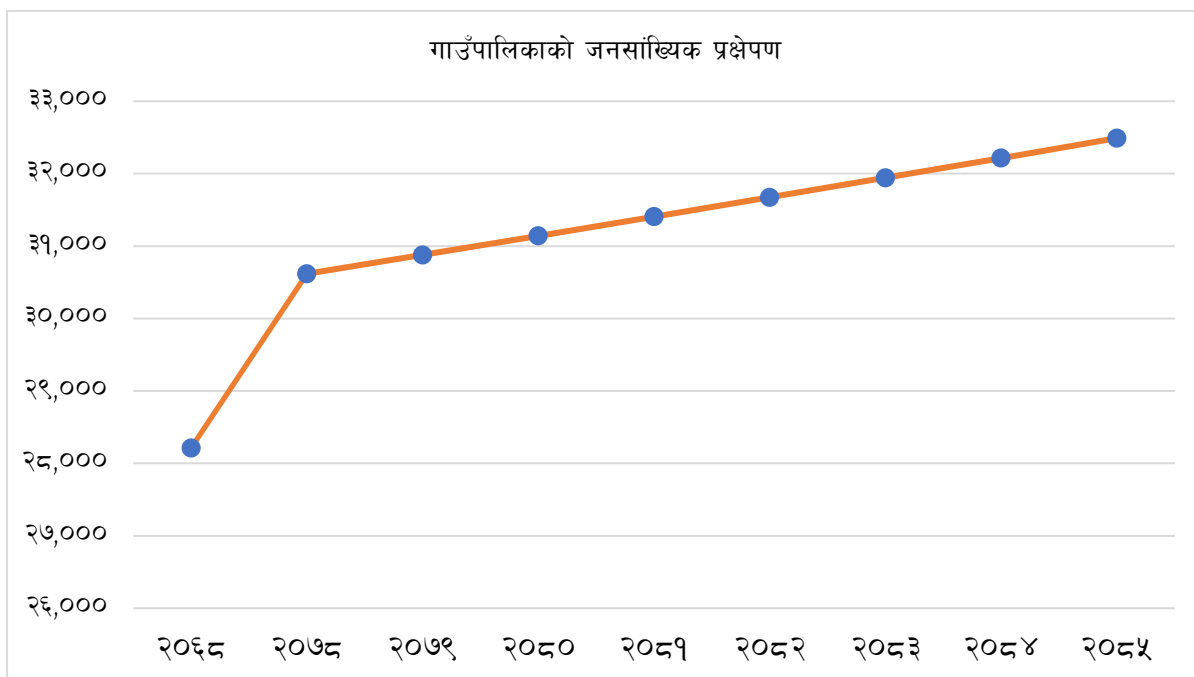
नेपालस्थित संयुक्त राष्ट्र संघीय जनसङ्ख्या कोष (UNFPA) का अनुसार सन् १९९५ देखि नेपालको जनसाङ्ख्यिक प्रवृत्तिमा सारभूत भिन्नताहरू देखापरेका छन् । यस प्रकारको भिन्नता देखापर्नुका पछाडि घट्दो जन्मदर र मृत्युदर, बढ्दो औसत आयु, पहिलो विवाह गर्दाको बढ्दो उमेर र शहर केन्द्रित तथा सुविधाहरू केन्द्रित बसाइँसराईहरू मुख्य कारणहरू रहेको विश्लेषण छ । कम विकसित राष्ट्रको तहबाट मध्यम आय भएका मुलुकहरूको स्तरमा पुग्न राष्ट्रिय योजना आयोगले दिगो विकासका लक्ष्य अनुरूप राखेको परिमाणात्मक लक्ष्य हासिल गर्न जनसाङ्ख्यिक चरहरूमा सकारात्मक सङ्केतहरू देखा पर्नु आवश्यक रहेको परिप्रेक्ष्यमा माथिको जनसाङ्ख्यिक विश्लेषण सकारात्मक दिशातर्फ नै उन्मुख देखिन्छ । केन्द्रिय तथ्याङ्क विभागले सन् २०१४ मा प्रकाशन गरेको Population Monograph of Nepal (Vol. 1) मा समेत सन् १९९१-२००१ को औसत जनसङ्ख्या वृद्धिदर २.२५% प्रतिशतबाट घटेर सन् २००१-२०११ मा १.३५ प्रतिशतमा कायम हुनुका पछाडि जनसाङ्ख्यिक चरहरू जस्तै: ठूलो सङ्ख्यामा युवाहरू

विदेशी, जनचेतनामा भएको सकारात्मक परिवर्तन, एकात्मक परिवारको सङ्ख्यामा वृद्धि आदिलाई ठानेको छ। अर्कोतर्फ आन्तरिक बसाइँसराईको प्रवृत्तिलाई हेर्दा हिमाल र पहाडबाट तराईतर्फ र ग्रामीण भेगहरूबाट शहरी केन्द्रहरूतर्फ बसाइँसराई गर्ने र एकात्मक परिवारको सङ्ख्या बढ्दै गएको देखिन्छ। यस प्रकारको बसाइँसराईको प्रवृत्तिले गर्दा काठमाडौँ उपत्यका, तराई तथा देशका अन्य शहरी केन्द्रहरूमा जनसङ्ख्या वृद्धिको अत्याधिक चाप हुने र हिमाली तथा पहाडी जिल्लाहरू र विकट ग्रामीण क्षेत्रहरूमा जनसङ्ख्या वृद्धिदर ऋणात्मक समेत देखिन थालेको छ। यो प्रवृत्तिले निम्त्याएको अर्को पक्ष हो अनुपस्थित जनसङ्ख्या अर्थात् काम वा रोजगारीको सिलसिलामा ६ महिना वा सो भन्दा बढी समय आफ्नो मूल थलो छोडेर बाहिरिने जनसङ्ख्या सन् २००१ मा कुल ७,६२,१८१ हुँदा सन् २०११ को तथ्याङ्कमा १९,२१,४९४ देखिन्छ। यो क्रम पछिल्ला वर्षहरूमा थप वृद्धि भएको अनुमान गर्न सकिन्छ। राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को नतिजा अनुसार यस गाउँपालिकाको कुल जनसङ्ख्या ३०,६१७ रहेको छ, जसमा पुरुषको संख्या १४,०९५ र महिलाको संख्या १६,५२२ रहेको छ भने कुल परिवार संख्या ७,००९ रहेको छ।

### तल्लो तालिका ४: सुनिलस्मृति गाउँपालिकाको जनसङ्ख्याको प्रवृत्ति विश्लेषण

विवरण	जनगणना अनुसारको जनसङ्ख्या		औषत वार्षिक वृद्धिदर	प्रक्षेपित जनसङ्ख्या						
	२०६८	२०७८		२०७९	२०८०	२०८१	२०८२	२०८३	२०८४	२०८५
जनसङ्ख्या	२८,२१३	३०,६१७	०.८५	३०,८७८	३१,१४१	३१,४०६	३१,६७४	३१,९४४	३२,२१६	३२,४९१

स्रोत: राष्ट्रिय जनगणना २०६८ तथा राष्ट्रिय जनगणना २०७८



विगतको जनसङ्ख्याको वृद्धिदर विश्लेषण गर्दा आगामी दिनहरूमा यस गाउँपालिकाको जनसङ्ख्यामा सामान्यतया वृद्धि हुने अवस्था देखिन्छ। वि.सं. २०६८ को राष्ट्रिय जनगणना अनुसार यस गाउँपालिकामा कूल २८,२१३ जनसङ्ख्या रहेकोमा २०७८ सालको राष्ट्रिय जनगणनाको नतिजा अनुसार कूल ३०,६१७ जनसङ्ख्या रहेको छ। यस हिसाबले जनसङ्ख्या वृद्धिदर अर्थात् ०.८५ प्रतिशत हुन आउँछ। यही वृद्धिदरको प्रवृत्ति विश्लेषण गर्दा आगामी तीन वर्षमा अर्थात् वि.सं. २०८५ सालमा हालका जनसांख्यिक चलहरूमा ठूलो परिवर्तन नभएमा जनसङ्ख्या बढ्न गई कुल ३२,४९१ जनसङ्ख्या हुने अनुमान गरिएको छ।

## २.२ आर्थिक विकास अवस्था

### २.२.१ कृषि तथा खाद्य सुरक्षा

पहाडी भू-भाग रहेको यो गाउँपालिकामा भिरालो जमिनको प्रधानता रहेता पनि यहाँको समृद्धिको प्रमुख संवाहक नै कृषि र पशुपालन क्षेत्र हुन । हाम्रो कृषि अहिले पनि निर्वाहमूखी रहि आएको छ । यसको आधुनिकीकरण र व्यावसायीकरण मार्फत उत्पादन वृद्धि गरिनुका साथै उत्पादित वस्तुलाई बजारको ग्यारेन्टी हुने खालका कार्यक्रमहरू अत्यावश्यक छन् । यहाँ ३३.९७ प्रतिशत जमिन खेतीयोग्य रहेको छ भने सबै वडामा खेतीपाती हुन सक्ने र भैरहेका कृषि क्षेत्रहरू छन् । गाउँपालिकाको आर्थिक क्षेत्रको अवस्था र सम्भावनालाई हेर्दा बैँसी क्षेत्रमा खेतीयोग्य र उर्वर भूमी रहेको छ भने पहाडी क्षेत्रमा प्रशस्त वन र चरन क्षेत्र रहनुले पशुपालनको प्रबल सम्भावना रहेको छ । गाउँपालिकामा विशेषगरी विजवृद्धि धान, मकै, गहुँ, कोदो, फापर, खाद्यान्न उत्पादन, तरकारी खेतीमा बन्दा, काउली, आलु, प्याज, टमाटर,अदुवा, फलफुल खेतीमा ओखर, नास्पाती, सुन्तला, जुनार, कागती लगायतका फलफुल, दलहनमा लहरे मास, गहत, सिमी लगायतका दलहनवाली उत्पादन हुने गर्दछ । यसैगरी मसलावालीमा विशेष गरी यहाँ टिमुर उत्पादन र निकासी बढि हुने गरेको छ । यहाँ गाई र भैँसीको तुलनामा भेडा/बाखा, कुखुरा र सुंगुर/बंगुर लगायतका पशुपालन गर्नुका साथै मासु विक्रीबाट राम्रो हुने भएकाले व्यवसायिक उत्पादनमा सम्भावना देखिन्छ, यसका साथै मौरीपालन तथा माछापालन व्यवसायिक रूपमा उत्पादन गर्न प्रशस्त सम्भावना देखिन्छ । यो क्षेत्र प्राकृतिक स्रोत साधन जैविक विविधता तथा पर्यटनको दृष्टिले सम्पन्न भएसँगै विविध सामाजिक तथा साँस्कृतिक विशेषताहरू बोकेको पाइन्छ । जसले पालिकाको आर्थिक विकास र समृद्धिका लागि योगदान दिइरहेको छ ।

यसै बीच गाउँपालिकाले “कृषि विकास अभियान : रैथाने बाली हाम्रो पहिचान” भन्ने मूल नाराका साथ परम्परागत र पोषणयुक्त रैथाने बालीहरूको संरक्षण गरी खेती विस्तार गर्ने, प्राङ्गारिक कृषि उत्पादन र उपयोगलाई प्रवर्द्धन गरी गाउँपालिकालाई विषादि रहित बनाउन विभिन्न कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने, गुणस्तरिय बीउ विजन तथा तरकारी उत्पादन र उपभोगमा गाउँपालिकालाई आत्मनिर्भर बनाउँदै लैजाने, व्यवसायिक कृषकहरूलाई हाईब्रिड बीउ तथा अन्य कृषकहरूलाई उन्नत बीउ अनुदानमा उपलब्ध गराउने, कृषि उत्पादन पहिचान गरी गाउँपालिका भित्रका सबै वडाहरूमा कृषि तथा पशु पकेट क्षेत्र घोषणा गर्ने, लगायतका नीति तथा कार्यक्रमहरू अगाडी सारेको छ । हाल गाउँपालिकामा रहेका मूख्य खेतीयोग्य स्थानहरूको विवरण तलको तालिकामा समावेश गरिएको छ ।

#### **tblnsf g+= 5M** गाउँपालिकामा रहेका कृषि योग्य क्षेत्र

वडा नं.	कृषि योग्य क्षेत्र
१	घोडाकोट, पंचिकोट, थुम्पाकी, धारावाड, घोडा गाउँको सबै समथर भू-भाग, तुपारपानी, सिमखोला, उर्लीखोला, ओवाड
२	हरिगाउँ, महेन्द्री, धनाचौर
३	
४	वाजुधार, धाराखर्क, वार्जिवाड
५	काभ्रा, मनघा, रिभा, क्वालीगाउँ तल, क्वाली गाउँ माथि
६	पातीहाल्ना, पानीपोखरा, क्वापानी दलङ्गा, धौलीगाउँ
७	ओखला, सराङ्गे पोखरा, राज्यपोखरा, विपेगैडा, लेख, पाभाड, दोवता, भिग्रिपायै, चिस्पाधारा
८	



## २.२.२ पर्यटन तथा संस्कृति

यो गाउँपालिका अनुपम प्राकृतिक सौन्दर्य, प्रचुर जैविक विविधता, बहुजातीय, बहुभाषीय बहुधर्म र सामाजिक तथा सांस्कृतिक विविधता एवं ऐतिहासिक महत्वका विभिन्न स्थानहरूले भरिपूर्ण रहेको छ। हालसम्म पर्यटनका आधारभूत पूर्वाधारको पर्याप्त विकास हुन नसकेता पनि यस गाउँपालिकामा पर्यटनको सम्भावना अत्यधिक रहेको छ। विशेष गरी यो गाउँपालिकालाई धार्मिक तथा सांस्कृतिक पर्यटन, कृषि पर्यटन, पर्यापर्यटन र शैक्षिक पर्यटनका हिसाबले विकास गर्न सकिन्छ। यहाँ शिव पञ्चायन मन्दिर, त्रिपुरेश्वरी मन्दिर, पाटेश्वर मन्दिर, शिवालय मन्दिर लगायतका मन्दिर तथा धार्मिक स्थलहरू रहेका छन्। यसै गरी पर्यटकिय हिसाबले ऐतिहासिक महत्व बोकेका पुराना दरबारहरू, घोडागाउँको विशेष रातोमाटे क्षेत्र, राजुलकोट किल्ला, प्राकृतिक सुन्दरता, खोला किनारामा अवस्थित सुन्दर बेंसी तथा टारहरू, सुनिल स्मृति पार्क, मल्लरानी शान्ति बाटिका लगायतका रमणीय स्थानहरू रहेका छन्।

राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकाको कुल जनसंख्या मध्ये हिन्दु धर्म मान्ने सबैभन्दा बढि ३०,०७६ अर्थात ९८.२ प्रतिशत रहेका छन्। यसैगरी दोस्रोमा प्रकृति धर्मावलम्बीहरू २५२ अर्थात ०.८ प्रतिशत रहेका छन्। बाँकी १८५ अर्थात ०.६ प्रतिशतले इस्लाम धर्म मान्ने गरेका छन्। जातजाती गत हिसाबले हेर्दा यहाँ मगर, क्षेत्री, विश्वकर्मा, सन्यासी, परियार, ब्राह्मण-पहाड, ठकुरी, मिजार, मुसलमान, नेवार लगायतका समुदायका व्यक्तिहरू बसोबास गर्दछन्। यहाँ बसोबास गर्ने विभिन्न जातजाति र सम्प्रदायका आ-आफ्नै किसिमको धर्म, संस्कृति र चालचलनहरू छन्। यहाँ जनैपूर्णिमा, कृष्ण जन्माष्टमी, तिज, दशैं, तिहार, माघे संक्रान्ति, होली, शिवरात्री, नयाँ वर्ष बुद्ध पूर्णिमा, ईद, क्रिश्मस लगायतका विभिन्न चाडपर्व एवं सांस्कृतिक उत्सवहरू मनाउने गरिन्छ। परम्परागत संस्कृतिमा आधारित भ्याउरे भाका र दोहोरी गीत आदि यस गाउँपालिकामा सर्वाधिक लोकप्रिय छन्। सोरठी नाच, लाखेनाच, ख्याली टप्पा, भ्याउरे नाच यहाँका प्रसिद्ध नाचहरू हुन्। कुनै पनि समुदायको आफ्नै विशिष्ट पहिचान, जीवनशैली, भेषभूषा र रहनसहन हुन्छ। ती फरक रीतिरिवाज, रहनसहन र परम्पराहरू समुदाय र समाजका विशिष्ट पहिचान साथै बौद्धिक सम्पदा (Intellectual Property) भएकोले तिनीहरूको संरक्षण गर्नु जरुरी छ।

## २.२.३ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय र आपूर्ति

कृषिको विकास पश्चात कुनै पनि देशको आर्थिक क्रान्तिका लागि आवश्यक क्षेत्र भनेको उद्योग नै हो। औद्योगिक विकासका लागि राणा शासनकाल देखि नै विभिन्न प्रयासहरू हुँदै आएका भएतापनि औद्योगिक क्रान्ति नै हुने प्रकारका ठुला स्तरका उद्योगहरू नेपालमा खुल्न सकेका छैनन् भएका उद्योगहरू समेत रुग्ण हुँदै बन्द हुनु अर्को दुर्भाग्यपूर्ण अवस्था छ। यस गाउँपालिकामा मुख्यतया कृषि पेशामा संलग्न घरपरिवारको संख्या बढी भएकोले विशेष गरी कृषिमा आधारित साना तथा मझौला उद्योग र अन्य घरेलु उद्योगहरू यहाँ सञ्चालनमा रहेका छन्। यहाँ व्यवसायिक रूपमा गाई, भैंसी, बंगुर, माछा, कुखुरा, बाखा आदि पालन सुरुवाती चरणमा रहेको छ। यसका साथै पालिकाको लुङ्ग्री खोला सुलीचौरमा सुनखानी, वडा न. ७ मा चुनखानी, वडा न. ३ को फगाम खोलामा सुनखानी, भिरपाटीमा सिसा खानी तथा धनिपोखरामा तामाखानी, वडा न. ५ को चुममा हुड्गा खानी रिधिममा फलाम खानी र तामा खानी वडा न. ६ को खेमलगाड खोलामा छांना छाउन प्रयोग हुने सिलेट खानी तथा वडा न. १ को घोडाकोटमा सिसाखानी रहेको प्रारम्भिक अनुसन्धानमा संकेतहरू पाइएता पनि यसको उचित अनुसन्धान र उत्खनन कार्य नभएको अवस्था छ। यस्ता खनिजहरूका सम्बन्धमा सम्भावना अध्ययन गर्न आवश्यक देखिन्छ। यस गाउँपालिकाभित्र ठुला उद्योगहरू सञ्चालनमा आउन नसके पनि गाउँपालिकामा उपलब्ध स्थानीय स्रोत र साधनको उपयोग गरी विभिन्न किसिमका साना, घरेलु तथा कृषिजन्य उद्योगहरू रहेका छन् जसले गाउँपालिकाको आर्थिक विकासमा टेवा पुऱ्याएको छ। गाउँपालिकामा सूचिकृति भएका उद्योगहरूको विस्तृत विवरण तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ।

क्र.स.	उद्योग, व्यापार, व्यवसायको नाम	स्थान र वडा नं.	संख्या
१	फर्निचर उद्योग	वडा नं. १	
२	सूर्यनारायण चप्पल उद्योग	वडा नं. ३, पोखराधारा	
३	फर्निचर उद्योग	वडा नं. ३, पोखराधारा	२
४	दानबहादुर महारा ग्रिल उद्योग	वडा नं. ३, पोखराधारा	
५	ठकुरी डेरी उद्योग	वडा नं. ४, सुलिचौर	
६	पाण्डे डेरी उद्योग	वडा नं. ४, सुलिचौर	
७	प्रकाश बेकरी उद्योग	वडा नं. ४, सुलिचौर	
८	फर्निचर उद्योग	वडा नं. ५, रिभा	१
९	फर्निचर उद्योग	वडा नं. ५, काभ्रा	१
१०	फर्निचर उद्योग	वडा नं. ५, मन्धा	१
११	फर्निचर उद्योग	वडा नं. ५, क्वालीगाउँ	३
१२	फर्निचर उद्योग	वडा नं. ६ दलंगा	२
१३	फर्निचर उद्योग	वडा नं. ६, कुवापानी	१
१४	फर्निचर उद्योग	वडा नं. ६, पानीपोखरी	३
१५	फर्निचर उद्योग	वडा नं. ६, पातीहाल्ता	१
१६	फर्निचर उद्योग	वडा नं. ६, धौलीगाउँ	१
१७	फर्निचर उद्योग	वडा नं. ७, फर्सेधारा	१
१८	फर्निचर उद्योग	वडा नं. ७, कोल्फेडाँडा	१

स्रोत : गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

## २.२.४ आम्दानी, रोजगारी र वित्तीय सेवा

गुणस्तरीय जनशक्ति उत्पादन गरी श्रम तथा रोजगारमार्फत देशको उत्पादकत्व वृद्धि गर्न युवाको अहम भूमिका रहेको हुन्छ । श्रम तथा रोजगारीको हकलाई नेपालको संविधानले मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ भने यसको केन्द्रविन्दुमा युवा रहेका छन् । जनसंख्याको उपस्थिति तथा मानव संसाधन विकास तथा श्रम शक्तिका हिसाबले ठूलो जनसांख्यिक लाभ बोकेको यस गाउँपालिकाले युवा शक्तिलाई देशमै उपयुक्त रोजगारी दिनसके छोटो अवधि मै आर्थिक तथा सामाजिक समृद्धि हासिल गर्न सकिन्छ । भौगोलिक अवस्थितिका कारण आवश्यक भौतिक तथा सामाजिक पूर्वाधारको अवस्था सुधारका लागि जोड दिनुपर्ने अवस्था छ । शिक्षा, स्वास्थ्य, गरिबी निवारण लगायतका सूचकहरू पनि सुधारोन्मुख अवस्थामा देखिन्छन् । सुनिलस्मृति गाउँपालिकामा विभिन्न आर्थिक र वित्तीय कारोबारहरू बैङ्किङ प्रणाली मार्फत हुने गरेको छ । आधुनिक अर्थव्यवस्थामा आर्थिक कारोबार बैङ्किङ हुँदा त्यो व्यवस्थित र सहज हुन जान्छ । यसर्थ आधुनिक आर्थिक प्रणालीमा ग्रामीण जनताहरूको समेत बैङ्किङ सेवामा पहुँच सहज रूपमा पुगेको छ ।

## २.२.५ सहकारी

राष्ट्रिय अर्थतन्त्रका ३ प्रमुख खम्बा मध्ये एक महत्वपूर्ण खम्बाको रूपमा रहेको सहकारी क्षेत्रको ग्रामीण अर्थतन्त्र सुदृढिकरणमा मुख्य सहयोगी भूमिका हुन्छ । गाउँपालिकाबाट प्राप्त पछिल्लो तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकामा हाल ६ वटा कृषि सहकारी संस्था र १२ वटा बचत तथा ऋण सहकारी संस्था गरी १८ वटा सहकारी संस्था सञ्चालनमा रहेका छन् । सहकारी संस्थासँग सम्बन्धित विस्तृत विवरण तलको तालिकामा प्रस्तुत गरिएको छ ।

**tflnsf g+= 6M** सहकारी संस्था सम्बन्धी विवरण

क्र.सं.	नाम	वडा नं.	प्रकार
१.	जागृति महिला सहकारी संस्था	१	बचत तथा ऋण
२.	घोडागाउँ कृषि सहकारी संस्था		कृषि
३.	घोडागाउँ कृषि स्मार्ट सहकारी संस्था		कृषि
४.	Infinity लघुवित्त संस्था	२	बचत तथा ऋण
५.	सहयात्रा लघुवित्त संस्था		बचत तथा ऋण
६.	सुर्योदय सहकारी संस्था	३	बचत तथा ऋण
७.	उपकार लघुवित्त संस्था		बचत तथा ऋण
८.	चेतना लघुवित्त संस्था		बचत तथा ऋण
९.	जनएकता बचत तथा ऋण सहकारी संस्था	४	बचत तथा ऋण
१०.	जनकल्याण सहकारी संस्था		बचत तथा ऋण
११.	सृजनशिल कृषि तथा बहुउद्देशीय सहकारी संस्था	६	कृषि
१२.	महिला बचत तथा ऋण सहकारी संस्था		बचत तथा ऋण
१३.	लालीगुराँस बहुउद्देशीय सहकारी संस्था	७	बचत तथा ऋण
१४.	संयुक्त कृषि सहकारी संस्था		कृषि
१५.	लिस्ने जनकृषि सहकारी संस्था		कृषि
१६.	निर्धन लघुवित्त वित्तिय संस्था	८	बचत तथा ऋण
१७.	साना किसान सहकारी संस्था		कृषि
१८.	चौतारी लघुवित्त संस्था		बचत तथा ऋण

स्रोत: गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

## २.३ सामाजिक विकासको अवस्था

### २.३.१ स्वास्थ्य तथा पोषण

गाउँपालिकामा हाल सामान्यस्तरको स्वास्थ्य सेवाहरू यहाँ रहेका विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाहरू मार्फत प्रदान भइरहेको पाइन्छ । यहाँको स्वास्थ्य सम्बन्धी पूर्वाधारको अध्ययन गर्दा हाल ७ वटा सामुदायिक स्वास्थ्य चौकी, ७ निजी मेडिकल हल, २८ वटा खोप केन्द्र सञ्चालनमा रहेका छन् । गाउँपालिकाले स्वास्थ्य क्षेत्रमा उपाध्यक्षसँग प्रत्येक वडाका गर्भवती महिलाहरूलाई निशुल्क पोषिलो लिटो वितरण कार्यक्रम सञ्चालन, प्रत्येक वडाका गर्भवती महिलाहरूलाई निशुल्क सेवा, २४ सै घण्टा परिवार नियोजन सेवा, २४ सै घण्टा इर्मजेन्सी सेवा, लगायतका कार्यहरू गर्नुका साथै सबै वडाहरू पूर्ण खोप घोषणा, पूर्ण सुत्केरी स्वास्थ्य संस्था घोषणा गरी जिल्लामा नै दोस्रो स्थान हासिल गर्न सफल हुनु लगायतका उपलब्धि हासिल गरेको छ । स्वास्थ्य क्षेत्रमा उदाहरणीय कार्यहरू भइरहँदा पनि माथि उल्लेखित स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट सीमित मात्रामा स्वास्थ्यका आधारभूत सेवा सञ्चालन हुने भएकाले जटिल किसिमका स्वास्थ्य सेवाको अपर्याप्तता भने रहेको छ । जटिल रोगको परीक्षण तथा उपचार र आकस्मिक सेवा प्राप्त गर्न स्थानीयबासीलाई नेपालगञ्ज, बुटवल, तथा काठमाडौँ लगायतका सुविधायुक्त शहरहरू जानुपर्ने बाध्यता रहेको छ

नेपाल सरकारको “एक स्थानीय तह एक अस्पताल निर्माण” अभियान अन्तर्गत गाउँपालिकामा एक सरकारी अस्पताल निर्माण हुन सके आगामी दिनमा स्वास्थ्य सेवा प्राप्तिमा सुनिलस्मृति बासीलाई राहत मिल्ने देखिन्छ। हाल गाउँपालिकामा रहेका स्वास्थ्य संस्थाहरूको विस्तृत विवरण तलको तालिकामा समावेश गरिएको छ।

**tflnsf g+= 7M** सामुदायिक स्वास्थ्य संस्था सम्बन्धी विवरण

क्र.सं.	स्वास्थ्य संस्थाको विवरण	ठेगाना
१.	घोडागाउँ स्वास्थ्य चौकी	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. १
२.	खुंग्री स्वास्थ्य चौकी	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. २
३.	मिभिडु आधारभूत स्वास्थ्य केन्द्र	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ३
४.	सुलिचौर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ४
५.	गजुलकोट स्वास्थ्य चौकी	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ५
६.	तेवाङ स्वास्थ्य चौकी	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ७
७.	अरेश स्वास्थ्य चौकी	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ८

स्रोत: गाउँ कार्यपालिका कार्यालय, २०८१

**tflnsf g+= 8M** निजी स्वास्थ्य संस्था सम्बन्धी विवरण

क्र.सं.	निजी स्वास्थ्य संस्थाको विवरण	ठेगाना
१.	जीवन अनमोल मेडिकल हल	सुलिचौर बजार क्षेत्र
२.	दोभान फार्मसी	
३.	मिलन मेडिकल हल	
४.	सुरक्षा क्लिनिक	
५.	नवजीवन मेडिकल हल	रुइनिवाङ्ग बजार क्षेत्र
६.	नेशनल पोलिक्लिनिक	
७.	जनसेवा पोलिक्लिनिक	

स्रोत : गाउँ कार्यपालिका कार्यालय, २०८१

**tflnsf g+= 9M** खोप केन्द्र सम्बन्धी विवरण

क्र.सं.	खोपकेन्द्र सम्बन्धी विवरण	ठेगाना
१.	घोडागाउँ स्वास्थ्य चौकी भवन	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. १
२.	पंचिकोट	
३.	तुषारपानी	
४.	थुम्पाकी	
५.	धारावाङ्ग	
६.	खुंग्री स्वास्थ्य चौकी भवन	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. २
७.	हरिगाउँ	
८.	महेन्द्री	

क्र.सं.	खोपकेन्द्र सम्बन्धी विवरण	ठेगाना
९.	हिले	
१०.	गोगनपानी	
११.	मिभिङ	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ३
१२.	फर्साचौर	
१३.	प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुलिचौर भवन	
१४.	कोइराला खर्क	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ४
१५.	वाग्मा	
१६.	काभ्रा	
१७.	रिजा	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ५
१८.	क्वालीगाउँ	
१९.	गजुल हेल्थ पोष्ट भवन	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ६
२०.	आधारभूत (पानी पोखरा)	
२१.	साङ्गे पोखरा	
२२.	डोवाटा	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ७
२३.	चनिगारे लेख	
२४.	स्वास्थ्य चौकी भवन	
२५.	चिन्ने	
२६.	गुराँसे	सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ८
२७.	पोखरा	
२८.	अरेश स्वास्थ्य चौकी भवन	

स्रोत : गाउँ कार्यपालिका कार्यालय, २०८१

### २.३.२ शैक्षिक विकास

राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकाको कुल साक्षरतादर ७४.५ प्रतिशत रहेको छ भने पुरुष साक्षरता दर ८४.४ प्रतिशत र महिला साक्षरतादर ६६.३ प्रतिशत रहेको छ । ग्रामीण परिवेश रहेको यस गाउँपालिकाको शैक्षिक अवस्थाका बारेमा अध्ययन गर्दा देशका अन्य स्थानीय तहको तुलनामा साक्षरता दर न्यून रहेको पाइन्छ । राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकाको कुल साक्षरतादर ७४.५ प्रतिशत रहेको छ भने पुरुष साक्षरता दर ८४.४ प्रतिशत र महिला साक्षरतादर ६६.३ प्रतिशत रहेको छ । ग्रामीण परिवेश रहेको यस गाउँपालिकाको शैक्षिक अवस्थाका बारेमा अध्ययन गर्दा देशका अन्य स्थानीय तहको तुलनामा साक्षरता दर न्यून रहेको पाइन्छ । हाल यस गाउँपालिकामा आधारभूत विद्यालयहरु ६ वटा, प्राथमिक विद्यालयहरु २८ वटा, माध्यमिक विद्यालयहरु ९ वटा र निजी विद्यालयहरु ३ वटा गरी जम्मा ४६ वटा विद्यालयहरु सञ्चालनमा रहेका छन् । यहाँका अधिकांश विद्यार्थीहरु उच्च शिक्षा अध्ययनका लागि घोराही, तुलसीपुर, बुटवल, नेपालगञ्ज, तथा काठमाडौं जाने गर्दछन् ।

गाउँपालिकाले शिक्षा नै मूल आधार भन्ने नाराका साथ शिक्षा क्षेत्रको विकासको लागि अभियान सञ्चालन गर्ने, विद्यालय बाहिर रहेका अति विपन्न र सीमान्तकृत वर्गको पहिचान गरी विद्यालयमा भिकाउन, सिकाउन, टिकाउन र श्रम बजारमा विकाउन सबै किसिमको प्रयास गर्ने, अल्पसंख्यक, विपन्न न्युन, आय भएका, दलित, सीमान्तकृत, पिछडावर्ग, अनाथ, शहिद परिवार, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र एकल महिला भएका परिवारका सदस्यलाई माध्यमिक र उच्च शिक्षाको सुनिश्चित गर्नका लागि छात्रवृत्ति प्रदान गर्न कोषको स्थापना गर्ने, एक वडा एक माध्यमिक विद्यालयको नीति कार्यान्वयन गर्ने, शिक्षामा जोखिम न्यूनीकरण र शिक्षा सम्बन्धी विपद् व्यवस्थापन योजना बनाई लागु गर्ने, गाउँपालिकामा स्थापित बाल विकास केन्द्रहरूलाई नमूना बाल विकास केन्द्रको रूपमा विकास गर्ने लगायतका नीतिहरू अगाडी सारेको छ ।

### २.३.३ खानेपानी तथा सरसफाई

गाउँपालिकाको अधिकांश भू-भागहरू जंगल तथा पहाडी क्षेत्र भएकाले जलस्रोत पर्याप्त मात्रामा रहेको छ । राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकामा खानेपानीको मुख्य स्रोतको रूपमा घरपरिसर भित्रको धारा तथा पाइप पानी प्रयोग गर्नेहरू सबैभन्दा बढि ३,४९१ घरपरिवार अर्थात ४९.८ प्रतिशत रहेका छन् । यसैगरी घरपरिसर बाहिरको धाराको पानी प्रयोग गर्नेहरू ३,२५१ अर्थात ४५ प्रतिशत परिवार रहेका छन् । यहाँ १८४ अर्थात २.६ प्रतिशत परिवारले मुलधाराको पानी तथा १.३ प्रतिशत परिवारले खुला इनार/कुवाको पानी प्रयोग गर्ने गरेका छन् भने बाँकी नगण्यले कुवाको पानी प्रयोग गर्ने गरेका छन् । गाउँपालिकामा अझै पनि स्वच्छ पिउने पानीको पहुँचमा सबै घरपरिवार नरहनुले पानीजन्य रोगहरू जस्तै टाइफाइड, भाडापखाला, आउँ जस्ता रोगहरूको संक्रमण हुन सक्ने सम्भावना रहेको छ । तथापी गाउँपालिकाले एक घर : एक धारा कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिने र खानेपानी शुद्धताका लागि खानेपानी गुणस्तर परीक्षण गर्ने कार्यलाई सुरुवात गर्ने लगायतका नीति तथा कार्यक्रम अगाडी सारेको छ ।

हाल गाउँपालिकाको वडा न. ३ को खुंग्री क्षेत्रमा १, वडा न. ४ को काधधारा क्षेत्रमा १ वटा र बसपार्क क्षेत्रमा १ सार्वजनिक शौचालय निर्माण गरिएको छ । त्यसैगरी गाउँपालिकाले फोहोर मैला तथा ढल व्यवस्थापनका लागि वडा न. ३ मा सुलिचौर रुइनिवाड ल्याण्डफिल्ड साईट सञ्चालनमा मा रहेको छ भने यसको थप व्यवस्थापनकार्यलाई प्राथमिकतामा अत्यन्त जरुरी देखिन्छ । गाउँपालिकामा हाल सञ्चालनमा रहेका खानेपानी आयोजनाहरूको विस्तृत विवरण तालिकामा समावेश गरिएको छ ।

#### tflnsf g+= 10M खानेपानी आयोजनाहरूको विवरण

क्र.सं.	खेल मैदानको नाम	वडा नं.
१.	उर्लीखोला-घोडागाउँ-केवरे-घोडाकोट खानेपानी योजना	१
२.	भाँक्रीपानी-तितोपानी-तुषारपानी खानेपानी योजना	१
३.	केवारे बर्नेटा खानेपानी योजना	१
४.	उर्लीखोला सिद्धमूल थुम्पाकी खानेपानी योजना	१
५.	सिमखोला टिमुरबोट- कलड खोला-ओवाड खानेपानी योजना	१
६.	उवाखोला खानेपानी योजना (साविक खुंग्री २,३ र ५)	२
७.	एक घर एक धारा खानेपानी योजना (ठूलोगाउँ)	३
८.	बन्दिखोला वागमा खानेपानी योजना	४
९.	सुलिचौर खानेपानी योजना	४

क्र.सं.	खेल मैदानको नाम	वडा नं.
१०.	कोइरालाखर्क खानेपानी योजना	४
११.	घोरन्टे लिफ्ट खानेपानी आयोजना	५
१२.	पातिहाला खानेपानी, मुलखोला खानेपानी, कवाफनी खानेपानी योजना	६
१३.	डिही खानेपानी योजना (दलङ्गा)	६
१४.	भुल्के खानेपानी योजना	७
१५.	पाखपानी लिफ्ट खानेपानी योजना	७
१६.	बियगैडा खानेपानी योजना	७
१७.	दोखला दोवता खानेपानी योजना	७
१८.	अरेश खानेपानी (१)	८
१९.	अरेश खानेपानी (२)	८
२०.	अरेश खानेपानी (३ र ४)	८
२१.	चिन्ने खानेपानी (१,२ र ३)	८
२२.	अफले खानेपानी र फुलधारा खानेपानी योजना	८
२३.	गुराँसे खानेपानी र धाराखर्क खानेपानी योजना	८

स्रोत: गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

### २.३.४ लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण

सुनिल स्मृति गाउँपालिका लैङ्गिक समानताका लागि योजनाबद्ध तथा कार्यक्रमगत रूपमा अगाडि बढेको छ। राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकामा कुल जनसंख्याको आधा भन्दा बढी १६,५२२ अर्थात् ५४.० प्रतिशत महिलाको जनसंख्या रहेको छ भने ६० वर्ष माथिका जेष्ठ नागरिकको जनसंख्या २,७५३ जना अर्थात् ८.९९ प्रतिशत रहेको छ भने २० वर्ष भन्दा मुनीकाको संख्या १३,७०२ अर्थात् ४४.७५ प्रतिशत रहेको छ। त्यसैगरी गाउँपालिकामा अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरू जम्मा जनसंख्याको ३.८ प्रतिशत रहेका छन्। लैङ्गिक हिंसाका परेका महिलाहरूको संरक्षण र सम्बर्द्धन गर्नको लागि अल्पकालीन आवास गृह स्थापना गर्ने, लैङ्गिक हिंसा निवारण कोषमा दुई लाख, जोखिम अवस्थामा रहेका बालबालिकाको उद्धार गर्न र राहत उपलब्ध गराउन बाल संरक्षण कोषमा दुई लाख र अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूको संरक्षण गर्न पचास हजार रकमको अपाङ्गता संरक्षण कोष स्थापना गर्नुको साथै, लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशीकरण वृद्धि तथा लैङ्गिक हिंसा निवारणका लागि सचेतना विकास गर्नका लागि लैङ्गिक हिंसा विरुद्धको १६ दिने अभियान, अन्तर्राष्ट्रिय महिला दिवस, बाल दिवसको अवसरमा विभिन्न कार्यक्रम सञ्चालन गरी सचेतना अभिवृद्धि गर्ने, महिलाहरूलाई सशक्तिकरण गर्नका लागि नियमित रूपमा महिला विकास समिति, सञ्जाल र महिला सहकारीको नियमित प्रगति समीक्षा गर्ने लगायतका कार्यक्रमहरू सञ्चालनमा रहेका छन्।

### २.३.५ युवा, खेलकुद तथा कला

सामान्यत १६ देखि ४० वर्ष उमेर समुहको जनसंख्यालाई युवा समूहमा राखिएको छ जसलाई राष्ट्रिय युवा नीति, २०७२ ले परिभाषित गरेको छ। राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार सुनिलस्मृति गाउँपालिका भित्र १५ देखि ५९ वर्ष सम्मका सकृय युवाको संख्या १७,५५९ अर्थात् ५७.३५ प्रतिशत रहेको छ। देशको प्रमुख श्रमशक्ति,

मानव संसाधन र उर्जाको आधार स्तम्भ नै यी युवाहरू हुन् । युवाको सामर्थ्यलाई पूर्णतः सदुपयोग गरेका राष्ट्रहरूले नै ठूलो फड्को मारेका छन् । काम गर्न सक्ने उच्च सक्रिय उमेरको जनसंख्या नै जनसांख्यिक लाभांश हो ।

यो जनसंख्यालाई उत्पादनमुलक क्षेत्रमा लगाउन व्यक्तिको सर्वाङ्गिक विकासमा खेलकुदको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ । अनुशासन, राष्ट्रिय भाइचारा प्रदर्शन गरी शारीरिक तन्दुरुस्ती कायम गर्न खेलकुद विकासको अहम् महत्व रहेको हुन्छ । सोही अनुसार गाउँपालिकाको वडा नं. १ मा रेड स्वाएल पार्क नजिक खेल मैदान, वडा नं. ४ मा भूमिस्थान युवा क्लव खेलमैदान र सुवर्णावती साङ्गितिक युवा क्लव खेलमैदान, वडा नं. ५ मा काभ्रा मत्केना खेल मैदान, वडा नं. ६ मा वार्ड खेल मैदान, वडा नं. ७ मा राज्यपोखरा खेल मैदान रहेका छन् । माथिका खेल मैदानका अलावा विद्यालयस्तरमा साना तथा ठूला खेल मैदानहरू रहेका छन् । पालिकामा रहेका खेल मैदान तथा पौडी पोखरीहरूको विस्तृत विवरण तालिकामा समावेश गरिएको छ ।

### tflnsf g+= 11M खेलमैदान, रंगशाला तथा पौडी पोखरीको विवरण

क्र.सं.	खेल मैदानको नाम	वडा नं.
१.	रेड स्वाएल पार्क नजिक खेल मैदान	१
२.	विद्यालयका खेल मैदान	१
३.	भूमिस्थान युवा क्लव खेलमैदान	४
४.	सुवर्णावती साङ्गितिक युवा क्लव खेलमैदान	४
५.	काभ्रा मत्केना खेल मैदान	५
६.	वडा कार्यालय खेल मैदान	५
७.	वडा खेल मैदान (सन्तेमहरा पानीपोखरा)	६
८.	राज्यपोखरा खेल मैदान	७

स्रोत: गाउँ कार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

## २.४ पूर्वाधार तथा शहरी विकासको अवस्था

### २.४.१ बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

मानव जीवनको आधारभूत आवश्यकताहरू मध्ये आवास पनि एक हो । नेपालको संविधानले पनि सुरक्षित तथा वातावरण मैत्री आवासको हकलाई प्रत्याभूत गरेको छ । राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँ जम्मा ७,००९ घरधुरी रहेकोमा घरको छानोका आधारमा टिन तथा जस्ताको छानो भएका घरपरिवार संख्या सबैभन्दा धेरै ३,९२५ अर्थात् ५६ प्रतिशत रहेका छन् । दोस्रोमा ढुङ्गा/स्लेटको छानो भएका घरपरिवार संख्या १,७९४ अर्थात् २५.६० प्रतिशत रहेका छन् भने सिमेन्ट ढलान गरिएको छानो भएका परिवार संख्या ५४८ अर्थात् ७.८२ प्रतिशत रहेका छन् । यसैगरी भुँडको आधारमा माटोको भुँड भएका परिवार संख्या ५,९५३ अर्थात् ८४.९३ प्रतिशत रहेका छन् भने सिमेन्ट ढलान भएका ७९२ अर्थात् ११.३० प्रतिशत रहेका छन् । यहाँका अधिकांश घरहरू कच्ची तथा अर्धपक्की अवस्थामा छन् भने न्यून घरहरू मात्र पक्की अवस्थामा रहनुले यस क्षेत्रका घरहरू भूकम्पीय तथा अन्य प्रकोपबाट सुरक्षाका दृष्कोणले जोखिममुक्त अवस्थामा भने छैनन् ।

गाउँपालिका क्षेत्रमा अधिकांश घरहरू कच्ची तथा अर्धपक्की अवस्थामा छन् भने न्यून घरहरू मात्र पक्की अवस्थामा रहनुले यस क्षेत्रका घरहरू भूकम्पीय तथा अन्य प्रकोपबाट सुरक्षाका दृष्कोणले जोखिममुक्त अवस्थामा भने छैनन् भनी अनुमान गर्न सकिन्छ । गाउँपालिकाको कार्यालय तथा वडा कार्यालय र स्वास्थ्य संस्थाको भवनहरू बाहेक वडा नं. १ घोडागाउँमा जागृति महिला सामुदायिक भवन रहेको छ । यसैगरी वडा नं. ३ को पोखरधारामा एकता महिला



ऋण सहकारी संस्था र मिजिडमा देवीस्थान युवा क्लव, वडा नं. ६ को धौलीगाउँमा सामुदायिक भवन, वडा नं. ७ को राज्यपोखरामा महिला सामुदायिक भवन र वडा नं. ८ मा क्षितिज सामुदायिक केन्द्र लगायतका सामुदायिक भवनहरु रहेका छन् । गाउँपालिकामा रहेका मुख्य बस्ती क्षेत्रहरु निम्नानुसार छन् :

### tflnsf g+= 12M गाउँपालिकाको मुख्य बस्तीहरुको विवरण

वडा नं.	मुख्य बस्तीहरुको विवरण
१	बरनेटा, तुसार पानी, घोडाकोट, थुम्पाकी लेख, उर्लीखोला, धारावाड, बाहुनटोल, थापाटोल, ओबाड सल्ली पिपल, पँधेरा खोला (छात्राबास), खाडडाँडा, सराङ्गधारा, सेरापाटा, लोडेभाँप, घोडागाउँ, बाहुनटोल, कुँवर टोल, धाराडाँडा, प्युपाटोल, भलावाड, पन्छीकोट, टिमुरकोट, सिमखोला, सडङधारा, घोडाकन्या डाँडा, गन्धर्व
२	हिले, खुंग्री चौर, धारापानी, धनचौर, खुंग्रीकोट, खुंग्रीचौर शान्ति चौर, गोगनपानी महेन्द्री, महेन्द्री, हरिगाउँ खलसिंगे, हरिगाउँ उपल्लो, हरिगाउँ तल्लो भाग
३	उपल्लो खारा, तल्लो खारा, उपल्लो थर, दाडवाड, लाउवाड, ओखारी, पलासे, फर्साचौर, रुइनिवाड, च्युराकोट, पोखराधारा, केराबारी, स्यानु लिवाड, हरोवाड सिम, पुसिवाड, कभिम, तल्लो खाडा, नङ्सेरी, होवाड, खनीचौर, तल्लो थर, रोवाड, भित्रेगाडी, विष्ट देउघर, थापागौरा, ब्रम्हथान, माभाड, चुनड गौरा, दमाईडेरा, डावलाड, देवीस्थान, साँरीवहरा, भदौरीथान, धैरेनी, ताप्ले, लामपाटा, कटुवाड डेरा
४	कोइराखर्क, पाल्लो छिर्ने, बागुवाड, धनमुडा, बाग्मा, सुलिचौर, बर्जिबाड, धनचौर, छिर्ने 'ख' (प्रवेश नगर ख), प्रवेश नगर 'क' ददेरी, कोइराल खर्क लेख, राजापोखरी भवानी गुफा, जैरे, पल्लो वन, दहरा खोला, बसही, नाम्दाली, जहारे, खाक्सी मेला, कुले ओढार, तेरजुड, बाहेखोला, हेसु डेरावाड, चाल्ने घडेरी, सिलथापे, दोधारे, भैसी धारा (तल्लो), उपल्लो भैसी धारा, च्यानधारा, टिसल, कुमालधारा
५	मन्धा, रिभा, काभ्रा, क्वालीगाउँ तल्लो, उपल्लो क्वालीगाउँ
६	पातीहाल्ना, पानी पोखरा, कुवापानी, दलङ्गा, धौलीगाउँ
७	खोरवाड टोल, सरड पोखरा टोल, विष्ट टोल, बाहुन टोल, गमाल टोल, मुख्य टोल, कोहल फेद टोल, दाड भाक्री टोल, राज्य पोखरी टोल, खरीखोला, लयरे, हाम्पल, जाँली पोखरी लेक, चिस्पाधारा, खोपीधारा, धर्लीधारा, निरै मिडग्री पाटी, दोबाटो, सल्लेपानी, विपना, मेलधारा, फुसेधारा, कुनापानी, खोर्वाड, दुङ्गे भाँक्री, बासेडाँडा, ओखला, धनुवाड, कोब्जा
८	चिन्ने पाखा, चिन्ने, काभ्रापाटा, अरेश, अरेश गुराँसे, अरेस लेख, अखोले पोखरा, फोविलधारा धाराखर्क

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

### २.४.२ सडक, पुल तथा यातायात

सडक तथा यातायातलाई पूर्वाधार विकासको महत्वपूर्ण सूचक मानिन्छ । यस गाउँपालिकामा सडक तथा यातायातको अवस्थालाई हेर्दा गाउँपालिकाभित्र रहेको जम्मा ४१७.७१ वर्ग कि.मि. सडकमध्ये २२.४८ कि.मि. सडक राष्ट्रिय राजमार्ग अन्तर्गत पर्दछ भने ७३.५७ कि.मि. सडक जिल्ला सडक भित्र र बाँकी रहेको ३२१.६६ कि.मि सडक गाउँपालिका सडक अन्तर्गत पर्दछ । यसैगरी गाउँपालिका अन्तर्गतका सडक मध्ये ३२.६३ कि.मि. सडक क वर्ग अन्तर्गत, ११८.४८ कि.मि. सडक ख वर्ग अन्तर्गत र १७०.५५ कि.मि सडक ग वर्ग अन्तर्गतको रहेको छ । गाउँपालिकाले सडकहरुको निर्माण, विस्तार तथा मर्मत गर्ने कार्यलाई प्राथमिकतामा राखेको छ । तथापि यातायातका साधनहरुको अपर्याप्तता तथा रुटहरु वैज्ञानिक नहुँदा सार्वजनिक यातायातको अवस्था भने कमजोर रहेको पाइन्छ । त्यसकारण बस टर्मिनलको निर्माण गर्नु अतिआवश्यक रहेको छ । सडक मार्गबाट ओहोर दोहोर गर्ने यात्रुहरुलाई सुविधाको लागि विभिन्न स्थानहरुमा यात्रु प्रतिकालय तथा सार्वजनिक शौचालय निर्माण गर्नु आवश्यक छ । सडक तथा यातायातको विकासले उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने, स्वास्थ्य तथा शिक्षा सेवामा पहुँच पुऱ्याउने, रोजगारी श्रृजना गर्ने, गरिबी न्यूनीकरण गर्ने तथा आर्थिक तथा सामाजिक विकासमा टेवा पुऱ्याउँछ । तसर्थ यस गाउँपालिकामा सडक

तथा यातायात गुरुयोजना लागू गरी व्यवस्थित तवरले सडक सञ्जालको विस्तार गर्नुपर्ने देखिन्छ । हाल पालिका भित्र सञ्चालनमा रहेका सडकहरूको विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ :

### tflnsf g+= 13M गाउँपालिकामा रहेका सडकहरूको विवरण

वडा नं.	मुख्य सडकहरूको विवरण
१	प्यूठान किमिचौर हुँदै घोडागाउँ सूर्पाले, घोडागाउँ देखि बाजावाड, धारवाड थुम्पाकी हुँदै घोडागाउँ हेल्थपोष्ट सम्म, पेदी तिनतुक हुँदै ओवाड सम्म, घोडागाउँ पंचिकोट उर्लीखोला हुँदै थुम्पाकी सम्म
२	खुंग्री हरिगाउँ मोटर बाटो, खुंग्री खुंग्रीकाटे खलसिङ्गे हुँदै सातदोबाटो मोटर बाटो, देउखुरी खोला हिले गोगनपानी मोटर बाटो, पावाड धनाचौर मोटर बाटो, पुरीटोल माडिचौर मोटर बाटो
३	खुंग्री हुँदै लिवाड सम्म, लमपुर्जा रोल्पा नगरपालिका वडा नं. ३ जाने सडक, माभाड हुँदै उपल्लो खाडा, चिउरी बोट हुँदै रत्नवाड हुँदै तल्लो खाडा सम्म, बसपार्क, ओखारी, पलासे, सानो लिवाड, रोवाड, दाइवाड, खन्नेचौर हुँदै अलीवाड हुँदै खुमेल सिमाना, रुनीवाड देखि फर्साचौर धोरलुङ लौवाड अजिम हुँदै सुनिलस्मृति ५ को सिमाना सम्म, हट्टे धारा डाप्लाड हट्टेवाड हुँदै साउने पानी सम्म, ओखारी देखि ताप्ले सुरुङ डाँडा हुँदै पिचरोड पोखर धारा सम्म
४	सुलिचौर छिनै कोइरालाखर्क हुँदै प्यूठान जोड्ने मोटर बाटो, वाग्मा कोइरालाखर्क मोटर बाटो, सुलिचौर, वाग्मा कोइराला खर्क हुँदै अन्तर जिल्ला जोड्ने मोटर बाटो, सुलिचौर वाग्मा सिरुखर्क खरेवा हुँदै प्यूठान जोड्ने मोटरबाटो, खाक्सी मेला, बम्राथान हुँदै पोखरा जोड्ने मोटर बाटो
५	सुलिचौर काभ्रा मन्धा क्वालीगाउँ मोटर बाटो, दलङ्गा काभ्रा मोटर बाटो, रिभा काभ्रा मोटर बाटो, क्वालीगाउँ पानीपोखरा सडक
६	सुनिल राजमार्ग, दलङ्गा काभ्रा, पानीपोखरा क्वालीगाउँ सडक
७	सुलिचौर तेवाड जैलीपोखरा खर्क भिर मोटर बाटो चन्दन मार्ग, ज्ञान भक्त मार्ग, ओखला खोरवाड, पाभाड दोवता, जौलिपोखरी लपेड हुँदै खरिखोला
८	सुलिचौर प्यूठान मोटर बाटो, अरेश तेवाड मोटर बाटो, चिन्ने प्यूठान मोटर बाटो, अफले प्यूठान मोटर बाटो, डाँडाघोला अरेश खोला मोटर बाटो, गुराँसे फुला धारा मोटर बाटो

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय, २०८१

### २.४.३ विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा

कुनै पनि स्थानमा बसोबास गर्ने नागरिकको जीवनलाई सरल र सहज बनाउनुका साथै आर्थिक तथा सामाजिक विकास गर्न विद्युत तथा ऊर्जाको महत्वपूर्ण भूमिका रहन्छ । राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकाका अधिकांश घरधुरी ६,२३४ अर्थात ८८.९४ प्रतिशतले बत्ती बाल्नका लागि मुख्य स्रोतको रूपमा विद्युतको प्रयोग गर्ने गर्दछन् भने ६६२ अर्थात ९.४४ प्रतिशतले सोलारको प्रयोग गर्ने गरेका छन् । यसैगरी, ६,२४१ अर्थात ८९.०४ प्रतिशतले खाना पकाउने मुख्य इन्धनको रूपमा काठ/दाउराको प्रयोग गर्ने गर्दछन् भने १०.५६ प्रतिशत अर्थात ७४० घरधुरीले एलपी ग्याँसको प्रयोग गर्ने गरेका छन् । बाँकी केही परिवारले मात्र विद्युत तथा बायोग्याँसको प्रयोग गर्ने गरेका छन् । तथापी यस गाउँपालिकाको वडा नं. १ को भुल्के, वडा नं. ४ को जार पोखरा बस्ती, वाग्मा र कोइरालाखर्क, वडा नं. ६ को मछिने पानी (सिर्मकोट), वडा नं. ७ को घडेली लपेर, नुले, कोबजा, हडेधारा विसुना, लाखुरी पोखरा, अमिल चौर र वडा नं. ८ को छिपछिपे, नाडजा, जोइवार लगायतका बस्तीहरूमा अझै सम्म पनि विद्युत विस्तार हुन नसकेको अवस्था छ । काठ/दाउराको श्रोत सामुदायिक वन तथा निजी वन रहेका छन् । काठ/दाउराको प्रयोगका थुप्रै नकारात्मक पक्षहरूमध्ये स्वास्थ्यमा पर्ने असर र वनजङ्गलको विनाश प्रमुख हुन् । गाउँपालिकामा विद्युत प्रसारण लाईन विस्तार तथा सुधार गर्नुका साथै कम भोल्टेज (Low voltage) हुने स्थानहरूमा ट्रान्सफर्मरको स्तरोन्नति तथा नयाँ ट्रान्सफर्मर जडान गर्नुपर्ने देखिन्छ । विद्युत ऊर्जाका साथ साथै

सौर्य उर्जा जस्ता अन्य वैकल्पिक ऊर्जाबाट विभिन्न उद्योग तथा व्यवसाय, सिँचाई आयोजना, खानेपानी आयोजना समेत सञ्चालन गर्न सकिन्छ। अतः यस गाउँपालिकामा अल्पकालिन रूपमा सौर्य उर्जा र बायो ग्याँसलाई तथा दीर्घकालीन रूपमा जलविद्युत ऊर्जालाई जोड दिनु आवश्यक छ।

### २.४.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

एक्काईसौं शताब्दीको भूमण्डलीकृत समाज सूचना र सञ्चारको युगमा छ। नेपालको संविधानले सूचना सम्बन्धी हकलाई मौलिक हकको रूपमा परिभाषित गरेको छ। राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकामा करिब ६९.९९ प्रतिशतले मोबाइल फोन प्रयोग गर्ने गरेका छन् भने २५.०८ प्रतिशत घरधुरीमा टेलिभिजनको प्रयोग हुने गरेको छ। यहाँका ५५.०४ प्रतिशत घरधुरीमा रेडियोको पहुँच रहेको छ भने २२.२९ प्रतिशत घरधुरीले इन्टरनेटको प्रयोग गर्ने गरेका छन्।

यस गाउँपालिकाका सबै वडाहरूमा नेपाल टेलिकम तथा एनसेलले मोबाइल फोन सेवा प्रदान गरेका छन्। त्यसैगरी गाउँपालिकामा विभिन्न इन्टरनेट सेवा प्रदायक संस्थाहरूले इन्टरनेट सेवा प्रदान गर्दै आएका भए तापनि इन्टरनेट प्रविधिको अवस्था कमजोर रहेकोले विस्तार र गुणस्तर सुधार गर्नु जरुरी छ। यहाँ डीसहोम मार्फत टेलिभिजन प्रसारण हुँदै आएकोले गाउँपालिकाबासीले विभिन्न किसिमका समाचारका साथै मनोरञ्जनात्मक कार्यक्रम हेर्ने मौका पाएका छन्। स्थानीय पत्र पत्रिकाको प्रकाशन सुरु नभएको यस गाउँपालिकामा सरकारी सेवा तथा सुविधाको जानकारीका लागि भने सूचना पार्टीको व्यवस्था भएको छ। आर्थिक विकासका लागि सूचना तथा संचारको विकास अत्यावश्यक भएका कारण यस गाउँपालिकामा सूचना तथा संचारको विकासका लागि विभिन्न कार्यक्रमहरू गर्नुपर्ने आवश्यकता छ।

## २.५ वन, वातावरण तथा विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापनको अवस्था

### २.५.१ वन तथा जैविक विविधता

नेपाल विश्वमै जैविक विविधताका हिसाबले सम्पन्न मुलुकमा पर्दछ। यहाँ सिमित भौगोलिक क्षेत्रभित्र समेत ठुलो जैविक विविधता पाइन्छ। नेपाल जस्तो अतिकम विकसित राष्ट्रका लागि उचित संरक्षण र दिगो सदुपयोग गर्न सकिएको खण्डमा जैविक विविधता आफैमा एक वरदान साबित हुन सक्छ। यस गाउँपालिकामा ५६ वटा सामुदायिक वनहरू रहेका छन्। वन जंगलले प्रशस्त क्षेत्र ओगटेको हुनाले विभिन्न जनावर जस्तै-स्याल, बाघ, भालु, खरायो, मृग, वनविरालो, चितुवा, स्याल, गोहोरो, बाँदर साथै चराचुरुङ्गी जस्तै डाँफे, मुनाल, काँडे भ्याकुर, मयुर, कालिज, ढुकुर, माटेकोरे, कोइली, मैना, आदि पाइन्छ। वनस्पतिमा साज साल, सतिसाल, सिमल, करमा, टाँटरी, शिरिष, अस्ना, कर्मा, बाँझी, चिलाउने, कटुस, मौवा, जामुन, चाँप, खयर आदि पाइन्छ। यस्तै जलचर प्राणी माछा, भ्यागुता, हुटीट्याउँ, कछुवा, चेपागाँडा आदि पाइन्छ। दिगो विकास लक्ष्यको लक्ष्य नं. १५ मा वनको दिगो व्यवस्थापन गर्ने, मरुभूमिकरण विरुद्ध लड्ने, भू-क्षयीकरण रोकेर त्यस्तो प्रक्रियालाई उल्ट्याउने तथा जैविक विविधताको क्षतिलाई रोक्ने उल्लेख गरिएको छ। तसर्थ पर्यावरणीय सन्तुलन, वायुमण्डलको स्वच्छता तथा जीवजन्तुको बासस्थान कायम राख्न वनजंगलको संरक्षण प्राथमिकतामा राख्नु जरुरी छ। गाउँपालिकामा रहेका वनजंगल क्षेत्रलाई जंगल क्षेत्र नै कायम राखी हाल रहेको प्राकृतिक अवस्थाको जंगललाई दिगो वन व्यवस्थापन तथा सिमसार क्षेत्रको उचित संरक्षण र व्यवस्थापन गरी पूर्णरूपमा उत्पादन र प्रतिफलमूखी बनाई गाउँपालिकाको दिगो विकास र समृद्धिमा सदुपयोग गर्नु उपयुक्त हुन्छ। गाउँपालिका भित्र रहेका सामुदायिक वनहरूको विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ।

**tflnsf g+= 14M** वन सम्बन्धी विवरण

क्र.सं.	नाम	वडा नं.
१	सिद्ध बराह सा.व.उ.स	१

क्र.सं.	नाम	वडा नं.
२	थाम पोखरा सा.व.उ.स	१
३	बराहथान जेमुरे सा.व.उ.स	१
४	पटमरे सा.व.उ.स	१
५	रातामाटा सा.व.उ.स	१
६	कलडखोला हरियाली सा.व.उ.स	१
७	जनार्दन स्मृति सा.व.उ.स	१
८	ओम्पापानी सा.व.उ.स	२
९	रेलीगैरा सा.व.उ.स	२
१०	सिद्धबाबा सा.व.उ.स	२
११	संगुर पोखरी मिना सा.व.उ.स	२
१२	बराह क्षेत्र सा.व.उ.स	२
१३	मयूर महिला सा.व.उ.स	२
१४	खुंग्री महिला सा.व.उ.स	२
१५	हिलेदेवी धारा सा.व.उ.स	२
१६	सल्लेरी पेखेरा सा.व.उ.स	३
१७	राङ्गेट डाँडा सा.व.उ.स	३
१८	पाल्लोवन सा.व.उ.स	३
१९	खारा पखेरा सा.व.उ.स	३
२०	भरिखोरीया लसुनपानी सा.व.उ.स	३
२१	ठूलोडाँडा गैरा सल्लेरी सा.व.उ.स	३
२२	हर्रेधारा सा.व.उ.स	३
२३	ब्रम्हथान हुले खोला सा.व.उ.स	३
२४	विच्छयुधुरी सा.व.उ.स	३
२५	बराहथान सा.व.उ.स	३
२६	थामचुन गैरा सा.व.उ.स	३
२७	हर्रेखोला सा.व.उ.स	३
२८	हृदय सा.व.उ.स	४
२९	देउराली डाँडा चुच्चेरा सा.व.उ.स	४
३०	वाग्मा सा.व.उ.स	४
३१	साल विसौना सा.व.उ.स	४
३२	कोइरालाखर्क सा.व.उ.स	४
३३	रेनुका सा.व.उ.स	५
३४	धाउखानी सा.व.उ.स	५
३५	पधेरा महिला सा.व.उ.स	५

क्र.सं.	नाम	वडा नं.
३६	नमुना सा.व.उ.स	५
३७	इन्द्रेनी सा.व.उ.स	५
३८	गजुल सा.व.उ.स	६
३९	लिपीगैरा महिला सा.व.उ.स	६
४०	नाखेधारा सा.व.उ.स	६
४१	कुवापानी पल्लोवन सा.व.उ.स	६
४२	सल्लेरी पाखा सा.व.उ.स	६
४३	सम्भना पाखा महिला सा.व.उ.स	६
४४	बाँसवोट सा.व.उ.स	६
४५	सालधारा साउनेपानी सा.व.उ.स	६
४६	दामखोला मालारानी सा.व.उ.स	७
४७	सेनुका गैरा सा.व.उ.स	७
४८	मेलापोखरी सा.व.उ.स	८
४९	भरना सा.व.उ.स	८
५०	मसिना जलव पोखरी	८
५१	रातामाटा लालीगुराँस चिस्याधारा सा.व.उ.स	८
५२	ओखरखोटो महिला सा.व.उ.स	८
५३	सिस्ने महापोखरी सा.व.उ.स	८
५४	मैने खोला लालीगुराँस सा.व.उ.स	८
५५	रातो पहरा चुवाघाँटी सा.व.उ.स	८
५६	लिस्नेभिर सा.व.उ.स	८

स्रोत: गाउँकार्यपालिकाको कार्यालय २०८१

## २.५.२ भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

वाढी, पहिरो, भू-क्षय जस्ता प्राकृतिक प्रकोपबाट कुनै क्षेत्रलाई नष्ट हुनबाट रोक्ने वा बचाउने तथा पानीको आयतन र बहावलाई सामान्य स्थितिमा राख्ने वा पानीको बहावलाई धमिलो हुन नदिई स्वच्छता बनाई राख्ने कार्यलाई भू तथा जलाधार संरक्षण भनिन्छ। नेपाल जलस्रोतको धनी राष्ट्रका रूपमा संसारमा परिचित छ। तथापि यस्ता जलाधार क्षेत्रहरूको ठोस योजना नहुँदा यसको पूर्ण सदुपयोग नभई जलस्रोत खेर गइरहेको अवस्था छ। समृद्धिका आधारहरू मध्ये जलस्रोत पनि एक हो। यस गाउँपालिकामा मुख्य जलस्रोतको रूपमा पधेरा खोला, कलड खोला, सिमखोला, कोछाप खोला, माडी नदी, कासमिरे पोखरी, ददेरी पोखरी, राम्चे पोखरी, सिसखोला पोखरी, जुतुड खोला, अरेश खोला, प्रगाम खोला, काट्ने खोला, ड्वाडड्वाडे खोला, सिम खोला, छाप खोला, स्वाखोला, खरेखोला, गलुवार खोला, घोडे खोला, कदम खोला, उर्ली खोला, लुङ्ग्री खोला, फगाम खोला, गजुल खोला, देउखुरी खोला लगायतका २८ वटा भन्दा बढि खोलाहरु रहेका छन्। यस्ता महत्वपूर्ण जलाधार क्षेत्रहरूको संरक्षण तथा सम्बर्द्धन गरी पारिस्थितिक सन्तुलन कायम राख्न र गाउँपालिकालाई आर्थिक समृद्धितर्फ लैजान जरुरी छ।

### २.५.३ वातावरण व्यवस्थापन तथा जलवायु परिवर्तन अनुकूलन

औद्योगिक राष्ट्रहरूले गरेको व्यापक कार्बन उत्सर्जन, सवारी साधनबाट निस्कने धुवाँ, शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि, वनजंगल विनाश, रेफ्रिजेरेशन प्रविधिमा प्रयोग हुने क्लोरोफ्लोरो कार्बन (CFCs) जस्ता कारणले हरितगृह प्रभाव (Green House Effect) बढ्न गई त्यसले भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धि गर्दै लगेको वैज्ञानिक तथ्य हामी सामु छ। यसरी भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धिले प्रत्यक्षरूपमा जलवायुमा प्रभाव पारी जलवायु परिवर्तन भइरहेको परिप्रेक्ष्यमा हरेक राष्ट्रले विकास निर्माणका योजना तयार पार्दा यस तथ्यलाई मनन गरी तयार पार्नुपर्ने हुन्छ किनकि जलवायु परिवर्तनका प्रमुख कारक तत्वहरू नै विकास सम्बन्धी मानवीय गतिविधिहरू हुन्। भौगोलिक जटिलताका कारण नेपाल प्राकृतिक प्रकोपको उच्च जोखिम क्षेत्रमा रहेको छ। नेपालमा वर्षेनी प्राकृतिक प्रकोपका कारण ठूलो मात्रामा जनधनको क्षति हुने गरेको छ। नेपालमा २०७२ सालमा आएको महाभूकम्पको पीडा अभै ताजा नै छ। गाउँपालिका पनि प्राकृतिक प्रकोपको दृष्टिकोणले संवेदनशील अवस्थामा रहेको छ। यस गाउँपालिकामा विशेषगरी बाढी, पहिरो, हावाहुरी, असिना, चट्याङ, अनावृष्टि, सुख्खा खडेरी, डढेलो जस्ता प्राकृतिक प्रकोपहरू देखापर्दै आइरहेका छन्। यस्ता प्रकोपहरू सामान्यतया पूर्ण नियन्त्रण गर्न नसकेपनि प्रभाव न्यूनीकरणका उपायहरू अवलम्बन गरी जनधनको क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्न सकिन्छ।

### २.५.४ महामारी तथा विपद् व्यवस्थापन

गाउँपालिका प्राकृतिक प्रकोपको दृष्टिकोणले संवेदनशील अवस्थामा रहेको छ। यस गाउँपालिकामा विशेषगरी बाढी, कटान, हावाहुरी, असिना, चट्याङ, अनावृष्टि, सुख्खा खडेरी, डढेलो जस्ता प्राकृतिक प्रकोपहरू देखापर्दै आइरहेका छन्। यस्ता प्रकोपहरू सामान्यतया पूर्ण नियन्त्रण गर्न नसके पनि प्रभाव न्यूनीकरणका उपायहरू अवलम्बन गरी जनधनको क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्न सकिन्छ। यसका लागि गाउँपालिकाले विपद् व्यवस्थापन कोष सञ्चालन कार्यविधि, तथा वातावरण तथा प्राकृतिक स्रोतको संरक्षण ऐन, तयार गरी अगाडी बढ्न जरुरी रहेको छ।

## २.६ सुशासन तथा संस्थागत व्यवस्था

### २.६.१ स्थानीय नीति, ऐन तथा सुशासन

गाउँपालिकाबासीलाई चुस्त, पारदर्शी तथा सुविधाजनक सेवा प्रवाह गर्नु गाउँपालिकाको पहिलो दायित्व हो। सही सूचना तथा जानकारी प्राप्त नहुँदा सेवाग्राहीले पटक पटक दुःख पाउने अवस्था आउनुका साथै पालिकाप्रति जनविश्वास पनि घट्न जान्छ। गाउँपालिकाले कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधिहरूको क्षमता अभिवृद्धि तालिम, नागरिक भेला, सार्वजनिक सुनुवाई, सामाजिक परीक्षण, अनुगमन तथा नियन्त्रण कार्यप्रणालीलाई चुस्त, व्यवस्थित तथा पारदर्शी बनाउनु आवश्यक छ।

### २.६.२ श्रोत परिचालन

स्थानीय तहको विकासमा सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापनको प्रमुख श्रोत माथि उल्लेखित संघीय सरकारबाट प्राप्त अनुदान भए तापनि प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूपमा निजी क्षेत्र, सहकारी, संघ संस्था तथा व्यक्तिगत रूपमा सेवाग्राहीबाट प्राप्त श्रमदानको योगदान र महत्वलाई समेत उच्च स्थानमा राख्नु पर्दछ। नेपाल सरकारको अर्थ, उद्योग र वाणिज्य सम्बन्धी नीतिमा तीनखम्बे नीतिलाई विकासको प्रमुख आधार मानिएको सन्दर्भमा यस गाउँपालिकाको विकासमा समेत उक्त क्षेत्रहरूबाट हुने योगदानलाई कदर गरिएको छ।

### २.६.३ योजना व्यवस्थापन

गाउँपालिकाका आफ्नो क्षेत्राधिकारमा कृषि, पर्यटन विकास, घरेलु उद्योग, शिक्षा तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी कार्यक्रमहरू र भौतिक पूर्वाधारको विकास गरी रोजगारीको सिर्जना गर्न आफ्नो बजेट केन्द्रित गर्नुपर्ने देखिन्छ। आय र खर्चको

समुचित व्यवस्थापन गरी उत्पादनशील रोजगारी सिर्जना गर्ने, आयआर्जन गर्ने, उपलब्ध साधन र स्रोतको समुचित उपयोग गरी आम नागरिकको जीवनस्तरमा सुधार ल्याउने कार्यक्रम सञ्चालन गर्नु जरुरी देखिन्छ ।

## परिच्छेद - ३: दीर्घकालीन सोच तथा विकासको अवधारणा

### ३.१ पृष्ठभूमि

संघीय लोकतान्त्रिक गणतन्त्रात्मक शासन व्यवस्थाको माध्यमद्वारा दिगो शान्ति, सुशासन, विकास र समृद्धिको आकांक्षा पूरा गर्न संविधान सभाबाट पारित गरी जारी भएको नेपालको संविधान २०७२ ले देशको शासन संघ, प्रदेश र स्थानीय तहका सरकारहरूले आपसी समन्वयबाट गर्ने संवैधानिक व्यवस्था गरेको छ। तिनवटै सरकारका आ-आफ्ना अधिकार क्षेत्रहरू तोकिएका छन्। कतिपय साभ्ना अधिकार छन् भने कतिपय एकल अधिकार छन्। संविधानको अनुसूची-८ अन्तर्गत स्थानीय सरकारका विकास योजना तर्जुमा, कार्यान्वयन, अनुगमन र मूल्याङ्कन गर्ने एकल अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्राप्त भएकोले सोही बमोजिम स्थानीय तहमा यो गाउँपालिकाले आवधिक योजना तयार पारेको हो।

### ३.२ प्रमुख समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ जैविक विविधतायुक्त पहाडी क्षेत्र भएको, भूमिको वैज्ञानिक सदुपयोग मार्फत कृषिमा व्यावसायिकताको पर्याप्त विकास हुन नसकेको।
■ खेतीयोग्य जमिनमा सिँचाई सुविधा राम्रो प्रबन्ध गर्न नसकिएको।
■ पर्यटनको राम्रो सम्भावना भएपनि आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको दिगो विकास हुन नसकेको।
■ पर्यटनलाई व्यावसायिक बनाउन चुनौती रहेको।
■ लोप हुन लागेका स्थानीय भाषा, संस्कृति, भेषभुषा संरक्षणका लागि सांस्कृतिक संग्रहालय निर्माण सहित संरक्षण गर्न नसकिएको।
■ परम्परागत रूपले गरिने खेती प्रणालीमा आधुनिकीकरणको विकास र प्रविधि प्रयोग गरी छिटो र धेरै आमदानी गर्ने किसिमको खेती गर्ने परिपाटीको विकास गर्न नसकिएको।
■ फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि डम्पिङ साइटको अभाव रहेको।
■ विकास र समृद्धि तर्फको यात्रामा व्यापक जनचेतना अभिवृद्धि गर्नुपर्ने अवस्था रहेको।
■ युवा जनशक्तिलाई गाउँपालिकाकै विकासमा केन्द्रित गरी बस्ने वातावरण सृजना गर्नुपर्ने चुनौती रहेको।
■ विकासका भौतिक पूर्वाधारहरूको थप विकास र विस्तार गर्नुपर्ने अवस्था रहेको।
■ परम्परागत चिन्तन शैलीमा व्यापक परिवर्तन नभइसकेकोले लैङ्गिकता, सामाजिक विभेद लगायतका सामाजिक सन्तुलनका विषयहरूमा प्रशस्त जागरण गर्नुपर्ने अवस्था रहेको।
■ स्थानीय तहहरूमा आवश्यक तथ्याङ्कहरू अद्यावधिक नभइसकेको हुनाले दिगो विकास लक्ष्यको सूचाङ्क अनुसार सूचनाहरू अद्यावधिक गर्नुपर्ने भएको।

### ३.३ प्रमुख सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
■ पर्यापर्यटन, कृषि पर्यटन र धार्मिक पर्यटनको प्रचुर सम्भावना रहेको।
■ विशाल माडी खोला तथा लुङ्ग्री खोलाको जलाधार क्षेत्र रहेकोले उच्चतम प्रयोग गर्न सकिने।
■ विविधतायुक्त भू-धरातल रहेको साथै विभिन्न वनस्पती र जडिवुटीको प्याप्तता रहेको।
■ कृषि शहर विकास गरी कृषिमा आधारित ठूला तथा मझौला उद्योग स्थापना गर्न सकिने।



### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- स्थानीय उपजमा आधारित उद्योगको प्याकेजिङ र ब्रान्डिङ गरी राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा निर्यात गर्न सकिने ।
- युवा जनशक्तिको जनसांख्यिक लाभांशको उच्चतम सदुपयोग गरी समृद्धिको यात्रा तय गर्न सकिने ।
- स्थानीय आवश्यकता र विशिष्टताको आधारमा आफ्ना योजना आफै निर्माण र कार्यान्वयन गर्ने गराउने अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्राप्त भएको ।
- स्थानीय सरकारको नेतृत्व अनुभवी तथा परिपक्व हुँदै गएको तथा विकास निर्माणप्रति जनचासो बढ्दै गएको ।
- कृषि पकेट क्षेत्र, जडीबुटीको पकेट क्षेत्र, वनको विस्तार, माटो तथा खोलाजन्य पदार्थ प्रशोधनका उद्योगहरू सञ्चालन गर्न सकिने ।
- माछापालन, पशुपालन, पंक्षीपालन, जडीबुटी उत्पादन, मौरीपालनलाई उपयुक्त भू-धरातल रहेको ।
- जङ्गलको बीचमा घाँसे मैदानहरू भएको तथा पर्यावरणीय प्रणाली राम्रो रहेकोले जैविक विविधतायुक्त पार्कहरू स्थापना गरी पर्यापर्यटन प्रवर्द्धन गर्न सकिने ।

### ३.४ निर्देशक सिद्धान्त

तीव्र आर्थिक र सामाजिक विकास मार्फत आम नागरिकको जीवनमा सकारात्मक रूपान्तरण गरी सुखी र समृद्ध समाजको निर्माण गर्न आवधिक योजनाका समग्र कार्यक्रमहरू लक्षित रहनेछन् । यसर्थ यी कार्यक्रमहरूको सफल कार्यान्वयन गरी अपेक्षित उपलब्धिहरू हासिल गर्न तय गरिएका मूल निर्देशक सिद्धान्तहरू निम्न बमोजिम छन् :

१. विकासका आधारभूत पूर्वाधार निर्माणसँगै आम नागरिकका दैनिक आधारभूत आवश्यकता पूर्ति हुने गरी प्रत्यक्ष योगदान पुऱ्याउने कार्यक्रम कार्यान्वयन
२. शान्त, सौहाद्र, समतामूलक, समावेशी, आर्थिक, सामाजिक र साँस्कृतिक विकास
३. समाजवाद उन्मुख आत्मनिर्भर अर्थतन्त्र
४. दिगो, सन्तुलित र हरित अर्थतन्त्रमा आधारित विकास
५. शिक्षा, स्वास्थ्य र मानव संसाधन निर्माण
६. बालमैत्री, महिलामैत्री तथा लैङ्गिक सन्तुलनयुक्त, युवा उद्यमी तथा रोजगारी केन्द्रीत विकास
७. न्यायमा आधारित भेदभाव रहित समाज तथा सामाजिक सुरक्षा
८. रैथाने साँस्कृति, भुगोल, सम्भावना, पहिचान तथा परिवेशमा आधारित विकास
९. सार्वजनिक, निजी, सहकारी र सामुदायिक सहभागितामा आधारित विकास
१०. असल शासन र उत्तरदायी स्थानीय सरकार
११. संघीय, प्रादेशिक तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतिबद्धताहरूलाई स्थानीयकरण गर्दै दिगो विकास लक्ष्य हासिल तर्फको विकास यात्रा
१२. सूचना प्रविधिमा आधारित विकास

### ३.५ सोच, लक्ष्य तथा उद्देश्य

#### दीर्घकालीन सोच

“समृद्ध, सुखी, समतामूलक सामाजिक सद्भाव सहितको नवीनतम् प्रविधि र सुशासनयुक्त सुन्दर सुनिलस्मृति गाउँपालिका”

#### लक्ष्य

गाउँपालिका र यस अन्तर्गतका निकायहरूबाट प्रवाह गरिने सेवाको गुणस्तर बृद्धि गर्दै आधुनिक प्रविधियुक्त पूर्वाधारहरूको विकासहित स्थानीय उत्पादनमा व्यवसायिक संस्कारको विकास गर्दै थप रोजगारीको सृजना गरी गाउँपालिकाबासीको आर्थिक अवस्था उल्लेख रूपमा सुधार गर्ने ।

### उद्देश्यहरू

- ✓ गाउँपालिका क्षेत्रको विकास तथा परिवर्तको दीर्घकालीन सोच, प्राथमिकता, पाँच वर्षको लक्ष्य र विषयगत शिर्षकको उद्देश्यहरू निर्धारण गर्नु ।
- ✓ गाउँपालिका क्षेत्रभित्र रहेका र बाहिरबाट आउन सम्भव देखिएका श्रोतको अवस्था विश्लेषण गरी सहभागितात्मक छलफलका आधारमा पाँच वर्षका प्रमुख कार्यक्रमहरूको खाका तयार गर्नु ।
- ✓ गाउँपालिकाको विकास प्रयासबाट आशा गरिएका उपलब्धिहरू प्राप्त गर्नका लागि आवश्यक पर्ने रणनीति तथा कार्यनीतिहरू निश्चित गर्नु ।
- ✓ गाउँपालिका क्षेत्रको एकीकृत, नतिजामूलक र योजनाबद्ध विकासका लागि सबै साभेदारहरूलाई एकै थलोमा ल्याई साभा उत्तरदायित्व सिर्जना गर्न सहयोग गर्ने खालको दस्तावेज निर्माण गर्नु ।
- ✓ आगामी पाँच वर्षसम्म गरिने काम र नीति सम्बन्धी संयुक्त छलफलको माध्यमबाट सबै तहका सरकार तथा प्रशासन संयन्त्रमा काम गर्ने जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारीहरूको साभा उत्तरदायित्वको भावना बढाउनु ।
- ✓ गाउँपालिकाको विकास प्रयासहरूको प्रक्रिया तथा नतिजाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कनको खाका तथा जिम्मेवारीको (के कामको अनुगमन कसले र कहिले गर्ने) निश्चित गर्नु ।

### ३.६ परिमाणात्मक लक्ष्य

**tlnsf g+= 15M** गाउँपालिकाका समष्टिगत परिमाणात्मक लक्ष्यहरू

क्र.सं.	लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक	एकाई	आ.व. २०८०/८१	आ.व. २०८५/८६को लक्ष्य
१.	आर्थिक वृद्धिदर (औसत)	प्रतिशत		
२.	कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा कृषि क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत		
३.	कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत		
४.	कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा सेवा क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत		
५.	कूल गार्हस्थ्य उत्पादनमा पर्यटन क्षेत्रको योगदान	प्रतिशत		
६.	प्रतिव्यक्ति कुल राष्ट्रिय आय	अमेरिकी डलर		
७.	गरिबीको रेखामुनि रहेको जनसंख्या (निरपेक्ष गरिबी)	प्रतिशत		
९.	श्रम सहभागिता दर (१५ वर्ष माथि)	प्रतिशत		
१०.	बेरोजगारी दर	प्रतिशत		
११.	रोजगारीमा औपचारिक क्षेत्रको हिस्सा	प्रतिशत		
१२.	विद्युतमा पहुँच प्राप्त परिवार	प्रतिशत		
१३.	३० मिनेटसम्मको दुरीमा यातायात पहुँच भएको परिवार	प्रतिशत		
१४.	इन्टरनेट प्रयोगकर्ता कुल परिवार	प्रतिशत		
१५.	अपेक्षित आयु (जन्म हुँदाको)	वर्ष		
१६.	मातृ मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्ममा)	संख्या		

क्र.सं.	लक्ष्य, गन्तव्य र सूचक	एकाई	आ.व. २०८०/८१	आ.व. २०८५/८६को लक्ष्य
१७.	पाँच वर्ष मुनिको बाल मृत्युदर (प्रति हजार जीवित जन्ममा)	संख्या		
१८.	४ वर्ष मुनिका कमतौल भएका बालबालिका	प्रतिशत		
१९.	साक्षरता दर (१५ वर्ष माथि)	प्रतिशत		
२०.	माध्यमिक तह (९-१२) मा खुद भर्नादर	प्रतिशत		
२१.	उच्च शिक्षामा कुल भर्नादर	प्रतिशत		
२२.	उच्च मध्यम स्तरको खानेपानी सुविधा पुगेको घरधुरी	प्रतिशत		
२३.	आधारभूत सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध जनसंख्या	प्रतिशत		
२४.	लैङ्गिक विकास सूचकांक	सूचकांक		
२५.	मानव विकास सूचकांक	सूचकांक		
२६.	आधारभूत खाद्य सुरक्षाको स्थितिमा रहेका घरपरिवार	प्रतिशत		
२७.	जीवनकालमा शारीरिक वा मानसिक वा यौन हिंसा पिडित महिला	प्रतिशत		
२८.	आफ्नै स्वामित्वको आवासमा बसोवास गर्ने परिवार	प्रतिशत		
२९.	सिंचित क्षेत्रफल	प्रतिशत		
३०.	पक्की सडकमा पहुँच भएको घरपरिवार	प्रतिशत		
३१.	लैङ्गिक असमानता सूचक	सूचकांक		

### ३.७ रणनीति तथा प्राथमिकता

#### प्रमुख रणनीतिहरू

- आर्थिक क्षेत्रका मूल स्तम्भहरू जस्तै कृषि, वन, जल, उद्योग र पर्यटन क्षेत्रको समुचित विकास गर्न ती क्षेत्रहरूलाई वैज्ञानिक र व्यावसायिक बनाई यसमा संलग्न मानव स्रोतलाई सक्षम र प्रतिस्पर्धी तुल्याउने ।
- हरेक क्षेत्रको विकासमा अपरिहार्य आधारको रूपमा रहेका आधारभूत भौतिक पूर्वाधार जस्तै- सडक, उर्जा, सिँचाई, खानेपानी आदिको विकासलाई उच्च प्राथमिकता दिने ।
- सम्पूर्ण क्षेत्रको दीर्घकालीन विकासलाई प्रत्यक्ष प्रभाव पार्ने शिक्षा र स्वास्थ्य क्षेत्रको संस्थागत विकास गरी मानव स्रोत निर्माण, अध्ययन र अनुसन्धान तर्फ केन्द्रित नीति तथा कार्यक्रमलाई महत्वका साथ कार्यान्वयन गर्ने ।
- सामाजिक न्याय स्थापित गरी समावेशीकरण र पछाडि परेका वर्गलाई मूल प्रवाहीकरण गर्न सहभागितामूलक विकास पद्धति अवलम्बन गरी राज्यको नजरमा कोही पछि नपर्ने नीति कार्यान्वयन गर्ने ।
- विकास निर्माणका हरेक क्रियाकलापमा वातावरण संरक्षण र प्रवर्द्धन हुने क्रियाकलाप समेत गर्न सोको सुनिश्चितता गर्ने ।
- जनमूखी असल शासन स्थापित गर्न संघीय र लोकतान्त्रिक सफल राज्यहरूमा अवलम्बन गरिएका असल अभ्यासहरूलाई हाम्रो विशिष्टकृत परिस्थिति अनुरूप अनुशासन गर्ने ।

### ३.८ लगानी, स्रोत अनुमान र बाँडफाँड

नेपालको संविधानको धारा ५९ मा आर्थिक अधिकारको प्रयोग सम्बन्धी व्यवस्था गरिएको छ । यसैगरी धारा ६० मा राजश्व स्रोतको बाँडफाँड सम्बन्धी व्यवस्था छ । धारा ६० को उपधारा २ बमोजिम नेपाल सरकारले संकलन गरेको राजश्व संघ, प्रदेश र स्थानीय तहलाई न्यायोचित वितरण गर्ने उल्लेख छ । यस व्यवस्थाको कार्यान्वयनका लागि अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४ जारी गरिएको छ । त्यसैगरी संविधानको धारा २२९ मा स्थानीय संचित कोषको प्रबन्ध गरिएको छ । यस कोषमा स्थानीय तहलाई प्राप्त हुने सबै प्रकारको राजश्व नेपाल सरकार र प्रदेश सरकारबाट प्राप्त हुने अनुदान तथा स्थानीय तहले लिएको ऋण र अन्य स्रोतबाट प्राप्त हुने रकम जम्मा हुनेछ ।

स्थानीय संचित कोषमा जम्मा हुने रकमका स्रोतहरू देहाय बमोजिम रहेका छन् ।

- १) आन्तरिक राजश्व
- २) राजश्व बाँडफाँडबाट प्राप्त रकम
- ३) संघीय सरकारबाट प्राप्त रकम तथा अनुदान
- ४) प्रदेश सरकारबाट प्राप्त अनुदान तथा अन्य रकम
- ५) कुनै व्यक्ति, संघ, संस्थाबाट प्राप्त रकम
- ६) संघीय सरकारको पहलमा प्राप्त वैदेशिक सहायता रकम
- ७) अन्य स्थानीय तहहरूबाट प्राप्त सहयोग तथा अनुदान
- ८) आन्तरिक ऋणबाट प्राप्त रकम
- ९) अन्य कुनै स्रोतबाट प्राप्त रकम

नेपालको संविधानको मर्म अनुरूप अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४ बमोजिम तीन तहका सरकारहरूलाई प्राप्त व्यवस्था अनुरूपका आयका स्रोतहरू देहाय बमोजिम छन् ।

#### (क) राजश्वको बाँडफाँड

यस अन्तर्गत मूल्य अभिवृद्धि कर र अन्तशुल्कबाट उठेको रकम बाँडफाँड गर्ने व्यवस्था रहेको छ । यी कर तथा शुल्कहरू संघीय विभाज्य कोषमा जम्मा भई कूल रकमको ७० प्रतिशत संघीय सरकारलाई, १५ प्रतिशत प्रदेश सरकारलाई र १५ प्रतिशत स्थानीय सरकारलाई प्राप्त हुन्छ ।

#### (ख) प्राकृतिक स्रोतबाट प्राप्त हुने रोयल्टीको बाँडफाँड

प्राकृतिक स्रोत अन्तर्गत विशेष गरी पर्वतारोहण, विद्युत, वन, खानी तथा खनिज, पानी तथा अन्य प्राकृतिक स्रोतबाट प्राप्त हुने रकम मध्ये संघीय विभाज्य कोषमा जम्मा भएको कूल रकमको ५० प्रतिशत संघलाई, २५ प्रतिशत सम्बन्धित प्रदेशलाई र २५ प्रतिशत सम्बन्धित स्थानीय तहलाई प्राप्त हुन्छ ।

#### (ग) अनुदानबाट प्राप्त रकम

अन्तर सरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४ बमोजिम संघीय सरकार र प्रदेश सरकारले स्थानीय सरकारलाई देहाय बमोजिमका अनुदानहरू प्रदान गर्दछन् ।

- १) वित्तिय समानिकरण अनुदान
- २) सशर्त अनुदान
- ३) समपुरक अनुदान
- ४) विशेष अनुदान

(घ) संघीय सरकारद्वारा लिइएको वैदेशिक सहायताबाट स्थानीय तहलाई प्राप्त रकम

(ङ) नेपाल सरकारको स्वीकृतिमा स्थानीय तहले लिएको आन्तरिक ऋण

(च) नेपाल सरकारले स्थानीय सरकारलाई दिएको ऋण

संविधानले दिएको अधिकार साथै विभिन्न ऐन तथा कानूनले गरेको व्यवस्थाका आधारमा यस योजनामा बजेटको स्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण गरिएको छ । आवधिक योजनाले निर्दिष्ट गरेको लक्ष्य प्राप्तिको लागि बजेट व्यवस्थापन र सञ्चालनको विषयमा यस परिच्छेदमा चर्चा गरिएको छ ।

### ३.८.१ आवधिक योजना कार्यान्वयनका लागि आवश्यक बजेटको स्रोत अनुमान तथा प्रक्षेपण

विवरण	आ.व. २०८०/८१ को यथार्थ	चालुआ.व. २०८१/८२ को विनियोजित बजेट	मध्यमकालीन बजेट अनुमान र प्रक्षेपण			
			०८२/८३ को प्रक्षेपण	०८३/८४ को प्रक्षेपण	०८४/८५ को प्रक्षेपण	०८५/८६ को प्रक्षेपण
बजेट अनुमान	५०८५१६	५४८१९१.१६	६०३०१०.२७६	६६३३११.३०३६	७२९६४२.४३४	८०२६०६.६७७
चालु खर्च	३५१३२६	३९३०९८	४३२४०७.८	४७५६४८.५८	५२३२१३.४३८	५७५५३४.७८२
पूँजीगत खर्च	१५७९९०	१५५०९२	१७०६०१.२	१८७६६१.३२	२०६४२७.४५२	२२७०७०.१९७
आय अनुमान	५०८५१६	५४८१९१	६०३०१०	६६३३११	७२९६४२	८०२६०७
आन्तरिक आय	१००००	१०३६३	११३९९	१२५३९	१३७९३	१५१७३
राजस्व बाँडफाँट बाट प्राप्त रकम	१०७६५०	११३९२३	१२५३१५	१३७८४७	१५१६३२	१६६७९५
क. नेपाल सरकार	१०२५०७	१०८८००	११९६८०	१३१६४८	१४४८१३	१५९२९४
ख. प्रदेश सरकार	५१४३	५१२३	५६३५.३	६१९८.८३	६८१८.७३	७५००.५८४३
रोयल्टी बाँडफाँट			०	०	०	०
क. वन रोयल्टी			०	०	०	०
नेपाल सरकार वित्तीय हस्तान्तरण	३५६३००	३७७३७९	४१५११७	४५६६२९	५०२२९१	५५२५२१
क. वित्तीय समानीकरण अनुदान	९८९००	१०११००	१११२१०	१२२३३१	१३४५६४.१	१४८०२०.५१
ख. सशर्त अनुदान	२४३४००	२६८७७९	२९५६५७	३२५२२३	३५७७४५	३९३५१९
ग. सशर्त अनुदान (पूँजीगत)			०	०	०	०
घ. विशेष अनुदान	६०००	७५००	८२५०	९०७५	९९८२.५	१०९८०.७५
ङ. समपुरक अनुदान	८०००		०	०	०	०
प्रदेश सरकार वित्तीय हस्तान्तरण	२४५६६	३०७८६	३३८६४.६	३७२५१	४०९७६	४५०७४
क. वित्तीय समानीकरण अनुदान	६९१६	६६८६	७३५४.६	८०९०	८८९९	९७८९
ख. सशर्त अनुदान (चालु, पूँजीगत)	७६५०	१४६००	१६०६०	१७६६६	१९४३२.६	२१३७६
ग. विशेष अनुदान		२५००	२७५०	३०२५	३३२७.५	३६६०
घ. समपुरक अनुदान	१००००	७०००	७७००	८४७०	९३१७	१०२४९
आन्तरिक ऋण			०	०	०	०

विवरण	आ.व. २०८०/८१ को यथार्थ	चालुआ.व. २०८१/८२ को विनियोजित बजेट	मध्यमकालीन बजेट अनुमान र प्रक्षेपण			
			०८२/८३ को प्रक्षेपण	०८३/८४ को प्रक्षेपण	०८४/८५ को प्रक्षेपण	०८५/८६ को प्रक्षेपण
अन्य			११३९९.४७६	१२५३९.४२३६	१३७९३.३६६	१५१७२.७०२६
जनसहभागिता						
अन्तर स्थानीय तह साभेदारी रकम						
मौज्दात रकम	१००००	१५७४०				
कुल						
बचत (-) न्यून (i)						

### ३.८.२ सार्वजनिक खर्चको बाँडफाँड

क्र.सं.	शिरषक	आ.व. २०८०/०८१ को यथार्थ	आ.व. २०८१/०८२ को विनियोजन	आ.व. २०८२/०८३ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८३/०८४ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८४/०८५ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८५/०८६ को प्रक्षेपण
१.	कूल बजेट	५०८५१६०००	५४८१९११६०	६०३०१०२७६	६६३३११३०४	७२९६४२४३४	८०२६०६६७७.४
	चालु खर्च	३५१३२६०००	३९३०९८४३६	४३२४०८२७९.६	४७५६४९१०७.६	५२३२१४०१८.३	५७५५३५४२०.१
	पूँजीगत खर्च	१५७१९००००	१५५०९२७२४	१७०६०१९९६.४	१८७६६२१९६	२०६४२८४१५.६	२२७०७१२५७.२
२.	कूल खर्चको क्षेत्रगत बाँडफाँड	५०९६१६०००	२५६१३८०००	२८१७५१८००	३०९९२६९८०	३४०९१९६७८	३७५०११६४५.८
२.१	आर्थिक क्षेत्र	१२४३२०००	१६४०३०००	१८०४३३००	१९८४७६३०	२१८३२३९३	२४०१५६३२.३
२.२	सामाजिक क्षेत्र	२८८३०४०००	४५०८००००	४९५८८०००	५४५४६८००	६०००१४८०	६६००१६२८
२.३	पूर्वाधार विकास	१०१९८००००	६८२८३०००	७५१११३००	८२६२२४३०	९०८८४६७३	९९९७३१४०.३
२.४	वन वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन	११०००००	३३०००००	३६३००००	३९९३०००	४३९२३००	४८३१५३०
२.५	संस्थागत विकास सेवा प्रवाह तथा शुसासन	१०५८०००००	१२३०७२०००	१३५३७९२००	१४८९१७१२०	१६३८०८८३२	१८०१८९७१५.२

### ३.८.३ विषय क्षेत्रगत बजेट बाँडफाँडको विस्तृत विवरण

क्र.सं.	विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र	रकम रु हजारमा				
		आ.व. २०८०/०८१ को यथार्थ	आ.व. को २०८१/०८२ को संशोधित अनुमान	आ.व. २०८२/०८३ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८४/०८५ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८५/०८६ को प्रक्षेपण
१.	<b>आर्थिक क्षेत्र</b>	१२४३२०००	१६४०३०००	१८०४३३००	२१८३२३९३	२४०१५६३२.३
	कृषि विकास तथा पशुविकास					
	सहकारी तथा रोजगारी प्रवर्द्धन					
	पर्यटन तथा उद्योग वाणिज्य					
२.	<b>सामाजिक क्षेत्र</b>	२८८३०४०००	४५०८००००	४९५८८०००	६०००१४८०	६६००१६२८
	शिक्षा विकास					
	स्वास्थ्य सेवा					
	युवा तथा खेलकूद					
	भाषा कला साहित्य संस्कृति					
	खानेपानी तथा सरसफाई					
	लैङ्गिक समानता, महिला शसक्तिकरण र सामाजिक समावेशीकरण					
३.	<b>पूर्वाधार</b>	१०१९८००००	६८२८३०००	७५१११३००	९०८८४६७३	९९९७३१४०.३
	शहरी पूर्वाधार, भू-उपयोग तथा वस्ती विकास					
	सूचना तथा प्रविधि एवं डिजिटल प्रणाली					
४.	<b>वातावरण</b>	११०००००	३३०००००	३६३००००	४३९२३००	४८३१५३०
	वातावरण तथा सरसफाई र हरियाली प्रवर्द्धन					
	विपद् व्यवस्थापन/वन वातावरण					
५.	<b>संस्थागत विकास</b>	१०५८०००००	१२३०७२०००	१३५३७९२००	१६३८०८८३२	१८०१८९७१५.२
	राजश्व प्रशासन					
	कर्मचारी प्रशासन, जनशक्ति विकास तथा सुशासन					
	सेवा प्रवाह र प्रशासन					



### ३.८.४ बजेटका अन्य स्रोतहरूको परिचालन तथा व्यवस्थापन

स्थानीय तहको विकासमा सार्वजनिक खर्च व्यवस्थापनको प्रमुख स्रोत माथि उल्लेखित संघीय सरकारबाट प्राप्त अनुदान भए तापनि प्रत्यक्ष तथा परोक्ष रूपमा निजी क्षेत्र, सहकारी, संघ संस्था तथा व्यक्तिगत रूपमा सेवाग्राहीबाट प्राप्त श्रमदानको योगदान र महत्वलाई समेत उच्च स्थानमा राख्नु पर्दछ। नेपाल सरकारको अर्थ, उद्योग र वाणिज्य सम्बन्धी नीतिमा तीन खम्बे नीतिलाई विकासको प्रमुख आधार मानिएको सन्दर्भमा यस गाउँपालिकाको विकासमा समेत यो क्षेत्रहरूबाट हुने योगदानलाई कदर गर्दै निम्नानुसार प्रक्षेपण तथा विश्लेषण गरिएको छ।

क्र.सं.	शिर्षक	गत वर्षको यथार्थ	चालु वर्षको संशोधित अनुमान	आगामी वर्षको प्रक्षेपण	कूल जम्मा	प्रतिशत
(क)	सहकारी क्षेत्र					
(ख)	निजी क्षेत्र					
(ग)	व्यक्तिगत सहायता तथा संघ, संस्था					
(घ)	सार्वजनिक क्षेत्र					

### ३.९ गाउँपालिकाका समृद्धिका मुख्य संवाहकहरू (Lead sectors)

#### ३.९.१ कृषि क्षेत्र (कृषि ग्राम)

गाउँपालिकामा विविधता युक्त हावापानी रहेको हुनाले यहाँ पशुपालन, पंक्षीपालन, जडीबुटी उत्पादन, मौरीपालन र माछापालन लाई व्यवसायिककरण गर्न सकिने। पहाडी भू-भाग र भिरालो जमिन रहेको यस क्षेत्रमा विभिन्न प्रकारको खेतीबाली लगाउन सकिने। यहाँ बाह्रै महिना सिँचाईको सुविधा पुग्ने क्षेत्रको विकास र विस्तार गरी वैज्ञानिक, व्यवसायिक र तीव्र उत्पादनमूखी कृषिको प्रवर्द्धन गरी समग्र कृषि भण्डारको रूपमा विकास गर्न सकिन्छ।

#### ३.९.२ वनजंगल र जलस्रोत

यस गाउँपालिकाको कुल जमिनको ६४.०७ प्रतिशत जमिन वनजंगलले ढाकेको छ। प्राकृतिक अवस्थामा नै रहेको वनको स्याहार सम्भार गर्नुको साटो वर्षेनी अतिक्रमण, डढेलो, चरिचरण र लुकिछिपी फडाँनीको चपेटामा परेको यथार्थ छ। भुडी बूट्यान क्षेत्रलाई पुर्नउत्थान गरी प्रतिफलमूखी फलफूल लगाउन सके तथा कृषिकर्म जस्तै- वनजंगलको स्याहार, संरक्षण र वैज्ञानिक सदुपयोग गर्न सके यसबाट प्रत्यक्ष आर्थिक तथा पर्यावरणीय लाभ लिन सकिन्छ। विशेष गरी यस गाउँपालिकाको वनजंगललाई कृषि वन (Agro Forest) को अवधारणा अनुरूप विकास गर्न सके यो समृद्धिको बलियो स्तम्भ हुन सक्छ। अर्कोतर्फ यहाँ रहेका घोडे खोला, कोछाप खोला, माडी खोला, कदम खोला, लुङ्गी खोला लगायतका २८ भन्दा बढी खोलामा रहेको जलस्रोतको समेत उचित र पूर्ण सदुपयोग गर्न सकिएको छैन। सिँचाई लगायत जलपर्यटन साथै, जलस्रोत व्यवस्थापन मार्फत दीर्घकालीन समृद्धिमा समेत जलसम्पदा कोशेदुङ्गा सावित हुन सक्ने देखिन्छ।

#### ३.९.३ पर्यटन

विशेष गरी यस गाउँपालिकालाई, पर्यापर्यटन, कृषि पर्यटन र धार्मिक पर्यटनका हिसाबले विकास गर्न सकिन्छ। गाउँपालिकामा धार्मिक, ऐतिहासिक, साँस्कृतिक एवं पुरातात्विक महत्व बोकेका खुंग्री कोट र गजुल कोट यसका साथै घोडागाउँको रातोमाटो, तेवाङको अग्लो लिस्ने धुरी, शिव पञ्चायन मन्दिर, त्रिपुरेश्वरी मन्दिर, पाटेश्वरी मन्दिर, मिभिङ क्षेत्र लगायतका ४६ भन्दा बढी पर्यटकीय स्थलहरू रहेका छन्। त्यसैगरी गाउँपालिकामा जातिगत विविधता रहेको कारण होमस्टे र साँस्कृतिक पर्यटनको उत्तिकै सम्भावना छ। तसर्थ पर्यटन क्षेत्र यो गाउँपालिकाको समृद्धिको अर्को मुख्य संवाहक हो।

### ३.९.४ स्थानीय कच्चा पर्दाथमा आधारित उद्योगहरू

यस गाउँपालिकाको प्रमुख विकास संवाहकको रूपमा रहेको कृषि क्षेत्रको समुचित विकास पश्चात कृषि उपजमा आधारित प्याकेजिङ, प्रशोधन र गुणस्तर कायम गरी त्यस्ता वस्तुहरूको ब्रान्डिङ गर्न, उद्योगहरू खोल्न सकिने ठूलो सम्भावना रहेको छ ।

## ३.१० विकासका मुख्य सहयोगी क्षेत्रहरू

### ३.१०.१ ठूला शहरसँगको सन्निकटता

सुनिलस्मृति गाउँपालिकाको केन्द्रबाट घोराही बजार करिब ७५ कि.मि., तूलसीपुर बजार १०० कि.मि. र बुटवल तथा नेपालगञ्ज लगभग १९० कि.मि. को दुरीमा रहनु साथै ठूला उपभोक्ता बजारहरूको सन्निकटता (proximity and connectivity) रहनुले यहाँको विकासलाई गति थप्ने निश्चित छ ।

### ३.१०.२ प्राकृतिक सम्पदाहरू

मलिलो उब्जाउयुक्त जमिन, अधिकांश वनजंगल क्षेत्र, लुङ्ग्री खोला, माडी खोला, गजुल खोला, अरेश खोला, घोडे खोला, कदम खोला लगायतका खोलाहरूको जलसम्पदा यहाँका मुख्य प्राकृतिक सम्पदाहरू हुन् । यी सम्पदा नै विकासलाई गति दिने आधारहरू हुन् ।

### ३.१०.३ धार्मिक र सामाजिक सहिष्णुता

सबै जातजातिका बिच आपसी सहयोग र सहकार्य गरी सौहार्द्रतापूर्वक रहनु यहाँको विकासको अर्को महत्वपूर्ण सहयोगी तत्व हो । यसका साथै यहाँ रहेका आदिवासीहरू जस्तै मगर तथा दलित समुदायको साँस्कृतिक र मानवशास्त्रीय विशेषताको अध्ययन, अनुसन्धान र संरक्षण मार्फत विकासमा टेवा पुऱ्याउन सकिन्छ ।

### ३.१०.४ जनसांख्यिक लाभांश

राष्ट्रिय जनगणना २०७८, को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिका भित्र १५ देखि ५९ वर्ष सम्मका सकृय युवाको संख्या १७,५५९ अर्थात ५७.३५ प्रतिशत रहेको छ । जनसांख्यिक चक्रमा यसप्रकारको जनसांख्यिक लाभ प्राप्त हुने अवसर इतिहासमा दुर्लभ हुन्छ तसर्थ युवा र सक्रिय जनसंख्याको बाहुल्यता भएको हालको अवस्था गाउँपालिकाको विकासको लागि अति महत्वपूर्ण कालखण्ड हो । यो नै विकासको महत्वपूर्ण सहयोगी तत्व हो ।

## ३.११ सुनिलस्मृति गाउँपालिकाका गौरवका आयोजना (Signature Projects)

यस गाउँपालिकालाई आर्थिक सामाजिक तथा वातावरणीय हिसाबले सम्बृद्ध सौहार्द र स्वच्छ तुल्याउन प्रत्यक्ष र परोक्ष रूपमा योगदान गर्ने साथै गाउँपालिकाको उच्च प्राथमिकतामा परेका आयोजनाहरूलाई पालिकाका गौरवका आयोजनाको रूपमा पहिचान गरिएको छ । यसरी आयोजना तय गर्दा गाउँपालिकाको सबल पक्षहरू उपलब्ध प्राकृतिक तथा मानवस्रोत, साधन र स्थानीय आवश्यकतालाई समेत मध्यनजर गरिएको छ । गाउँपालिकाका गौरवका आयोजनाहरूको संक्षिप्त विवरण देहाय बमोजिम रहेको छ ।

**tfInsf g+= 16M** गाउँपालिकाका गौरबका आयोजना

क्र.स	कार्यक्रम तथा आयोजना	इकाई	उद्देश्य	अनुमानित लागत (रु हजारमा)	आयोजना स्थल	पुष्ट्याईको आधार	आगामी ५ वर्षको उपलब्धि सुचक
१	तरकारी तथा फलफूल उत्पादनमा आत्मनिर्भर कार्यक्रम	५	आयात विस्थापन		गाउँपालिका		
२	रुइनिवाड, जोर र धनवडामा Glass Bridge निर्माण	१	पर्यटन प्रवर्द्धन		रुइनिवाड, जोर र धनवडा		
३	वडा कार्यालय सम्मको सडक कालोपत्रे तथा स्तरोन्नति	८	सेवा प्रवाहमा सहजता		गाउँपालिका		
४	एक घर एक धारा कार्यक्रम		स्वच्छ पिउने पानीको व्यवस्था		गाउँपालिका		
५	गजुलकोट दरबार संरक्षण तथा स्तरोन्नति	१	पर्यटन प्रवर्द्धन		गजुलकोट दरबारक्षेत्र		

## परिच्छेद - ४: आर्थिक क्षेत्र

### ४.१ कृषि तथा पशुपंक्षी

#### ४.१.१ कृषि

##### क) पृष्ठभूमि

पहाडी भू-भाग रहेको यो गाउँपालिकामा अत्यन्त मलिलो र सघन खेतीपाती गर्न सकिने उर्वर क्षेत्र पर्ने भएकाले यहाँको समृद्धिको प्रमुख संवाहक कृषि र पशुपालन नै हो । यहाँको कुल क्षेत्रफल मध्ये ३३.९७ प्रतिशत जमिनमा खेतीपाती भइरहेको छ । यहाँका सबै जसो वडामा खेतीपाती हुन सक्ने र भैरहेका कृषि क्षेत्रहरू छन् । यो गाउँपालिका समुन्द्र सतहबाट ६५१ मिटर देखि २९४६ मिटर सम्मको उचाईमा रहेको छ । यहाँ उत्पादन हुने प्रमुख खाद्यान्न बालीहरूमा धान, मकै, गहुँ, कोदो हुन् भने फलफूल बालीहरूमा ओखर, नास्पाती, सुन्तला, आँप, स्याउ तथा कागती आदि पर्दछन् । त्यसैगरी दलहन बालीहरूमा मास, भटमास, बोडी, सिमी आदि छन् भने मसला बालीहरूमा बेसार, अदुवा, लसुन, प्याज, टिमुर खुर्सानी, धनियाँ लगायतका तरकारी बालीहरूको यहाँ प्रचुर मात्रामा उत्पादन हुने गरेको छ । नगदे बालीको रूपमा यहाँका कृषकहरूले अदुवा, बेसार, अलैंची, टिमुर लगाउने र बिक्री गर्ने गरेका छन् । गाउँपालिकाबाट प्राप्त पछिल्लो तथ्याङ्क अनुसार पालिकामा उत्पादन हुने मासु तथा मासुजन्य पदार्थका साथै अदुवा, टिमुर, अलैंची, तेजपत्ता, बेसार आदिमा गाउँपालिका आत्मनिर्भर भई निर्यात समेत गर्ने गरिएको छ । यस पालिकामा हाल खेतीपाती भैरहेको क्षेत्र अत्यन्त मलिलो र सघन खेतीपाती गर्न सकिने उर्वर क्षेत्रमा पर्ने भएकाले यो भूमिको पूर्ण सदुपयोग गर्न सके यस गाउँपालिकालाई कृषिको नमूना क्षेत्रका रूपमा विकास गर्न सकिन्छ । यहाँको अधिकांश जनसंख्या कृषि पेशामा संलग्न रहेकाले दीर्घकालीन विकास र समृद्धिका लागि यो क्षेत्रलाई वैज्ञानिकीकरण र व्यावसायिकीकरण गर्न सकिने प्रबल सम्भावना रहेको छ ।

##### ख) समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्षहरू
✓ उन्नत खेती प्रणालीतर्फ उन्मुख हुँदाहुँदै पनि सिँचाई आयोजनाको भरपर्दो सिँचाई सुविधा उपलब्ध नहुँदा उब्जनीमा सोचे जस्तो प्रगति नभएको ।
✓ कृषि तथा पशुपालनले पूर्णरूपमा व्यवसायिक स्वरूप ग्रहण गर्न नसकेको ।
✓ कृषि प्राविधिकहरूको पर्याप्तता नभएको ।
✓ कृषि बजारीकरण असहज भएकोले कृषि उपज बिक्री वितरणमा कठिनाई ।
✓ बीउ विजन, मलखाद र शीत भण्डारणको उचित प्रबन्ध नभएको ।
✓ कृषि उपज मूल्य श्रृंखलाको विकास नभएको ।
✓ मलखाद तथा कृषि सामग्रीको आपूर्तिमा असहजता रहेको ।
✓ किटनाशक औषधी, कृषि औजार, आधुनिक प्रविधि, पशु औषधालय तथा कृषि तथा पशु विमाको पर्याप्त व्यवस्था नभएको ।
✓ कृषिजन्य उत्पादनको लागत मुल्यमा वृद्धि भई उत्पादन अपेक्षाकृत वृद्धि हुन नसकेको ।
✓ आवश्यकता अनुसार पशु तथा कृषिको घुम्ती शिविर सञ्चालन गर्न नसकिएको ।
✓ उत्पादित कृषि उपजहरूको उचित मूल्य निर्धारण र बजारीकरणको समस्या ।
✓ नीतिगत रूपमा कृषि अनुदान कार्यक्रम भए तापनि सो कार्यक्रम वास्तविक कृषकहरूको पहुँचमा कमी ।
✓ उत्पादनका आधारमा कृषि पकेट क्षेत्र विस्तार गरिएता पनि प्रभावकारी ढंगले अगाडी बढाउन नसकिएको ।
✓ तरकारी तथा अन्य उत्पादनमा प्रयोग हुने अत्याधिक रसायनिक पदार्थको न्यूनीकरण गर्न नसकिएको ।

### चुनौती तथा जोखिमहरू

- ✓ कृषि पेशाबाट युवा तथा अन्य श्रमशक्तिको व्यापक पलायन भएकोले कृषि व्यवसायतर्फ आकर्षण गरी कृषकको लगानीबाट उचित प्रतिफल प्राप्त गर्न सक्ने स्थितिको निर्माण गर्न ।
- ✓ परम्परागत कृषि प्रणालीलाई न्यूनीकरण गर्दै पूर्ण रूपमा वैज्ञानिकीकरण गरी व्यावसायिक बनाउन ।
- ✓ कृषि क्षेत्रमा रहेको अदृश्य बेरोजगारीको अन्त्य गर्न ।
- ✓ वास्तविक किसानसँग खेतीयोग्य जमिनको अभाव हुनु ।
- ✓ समय सापेक्ष रासायनिक मल र किटनाशक औषधीको सन्तुलित प्रयोग गर्न ।
- ✓ माटोको उर्वराशक्ति कायम गर्नको लागि ठोस कदम चाल्न ।
- ✓ गाउँपालिकामा रहेको कृषि भूमिलाई उत्पादनमूलक बनाउनको लागि सिँचाईको प्रबन्ध गर्न ।
- ✓ तरकारी तथा फलफूल चिस्यान केन्द्र पर्याप्त मात्रामा स्थापना गर्न ।
- ✓ कृषि तथा पशु विज्ञ प्राविधिकहरूको पर्याप्त व्यवस्था गर्ने ।
- ✓ कृषि बालीको समय अनुसार मल, बीउ विजन र औषधीको उपलब्धता गराउन ।
- ✓ कृषि बजारीकरण र मूल्य सन्तुलनमा ठोस काम गर्न ।
- ✓ कृषि उपज वस्तुहरूको भण्डारणको उचित प्रबन्ध गर्न ।
- ✓ कृषिमा प्रयोग गरिँदै आएको किटनाशक विषादीको प्रयोगलाई निरुत्साहित गरी अर्गानिक कृषि प्रणालीको विकास गर्न ।
- ✓ रैथाने जातका बालीनालीहरू लोप हुने जोखिम रहेको ।
- ✓ आयातित तरकारीहरूको न्यूनीकरण गरी उत्पादित तरकारीहरूलाई बढावा दिन ।

### ग) सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्षहरू

- ✓ गाउँपालिकाले “कृषि विकास अभियान: रैथाने बाली हाम्रो पहिचान” भन्ने नाराका साथ परम्परागत र पोषणयुक्त रैथाने बालीहरूको संरक्षण गरी खेती विस्तार गरिने साथै रैथाने बालीहरू कोदो, सिमी, मास, भटमास लगायतको उत्पादनमा प्रोत्साहन र अनुदानको व्यवस्था गर्ने नीति लिएको ।
- ✓ गाउँपालिकाले व्यवसायिक कृषकहरूलाई हाईब्रिड बीउ तथा अन्य कृषकहरूलाई उन्नत बीउ अनुदानमा उपलब्ध गराउने नीति अगाडी सारेको ।
- ✓ दैनिक उपभोग्य कृषिजन्य वस्तुहरूमा गाउँपालिकालाई आत्मनिर्भर बनाई आयात प्रतिस्थापन र निर्यात प्रवर्द्धन गर्न गाउँपालिका भित्रका सबै सम्भाव्य क्षेत्रहरूको पहिचान गरि व्यवसायिक मसलाबाली, तरकारी, फलफूल खेती प्रवर्द्धन कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।
- ✓ गाउँपालिकामा जलवायु अनुकूल बालीनाली, फलफूल तथा जडिबुटी प्रशस्त मात्रामा उत्पादन गर्न सकिने ।

#### सम्भावना र अवसरहरू

- ✓ गाउँपालिकाले कृषि यन्त्रहरू आवश्यकता अनुसार अनुदानमा विस्तार तथा वितरण गर्न सकिने ।
- ✓ बीउ विजनहरूमा अनुदान दिई कृषकलाई प्रोत्साहन गर्न सकिने ।
- ✓ युवा वर्गलाई कृषिमा आकर्षित गर्न युवा लक्षित कृषि कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।
- ✓ कृषक समूह, सहकारी, सरकारी तथा गैर सरकारी संस्था र स्थानीय संघ संस्थाको साभेदारीमा कृषि कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्न सकिने ।

सम्भावना र अवसरहरू
✓ पशुपालन व्यवसायलाई प्रोत्साहन गर्न पशु बीमा, गोठ सुधार जस्ता कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।
✓ कृषक समूह निर्माण गरी उनीहरूको जग्गालाई व्यावसायिक खेतीमा जान चक्लाबन्दी गर्न सकिने ।
✓ अध्ययन तथा अनुसन्धान गरी गाउँपालिकाका विभिन्न क्षेत्रमा विभिन्न प्रजातिका नगदे वाली, फलफूल, जडिबुटी व्यवसायिक उत्पादन गर्न सकिने ।
✓ गाउँपालिकाले गाई भैंसीको भकारो सुधार कार्यक्रमका लागि अनुदान उपलब्ध गराउन सक्ने ।
✓ व्यावसायिक रूपमा बाख्रा, कुखुरा, सुंगुर, बंगुर, भेडा, माछा तथा मौरीपालन गर्न सकिने ।
✓ सम्भाव्य खेतीयोग्य क्षेत्रको पहिचान गरी कृषि पकेट क्षेत्र, सुपरजोन तथा जोनको रूपमा घोषणा गरी कृषि उत्पादन वृद्धि गर्न सकिने ।
✓ कृषि सडकहरूको विकास गरी कृषकको उत्पादनलाई सहज रूपले बजारीकरण गर्न सकिने ।
✓ गाउँपालिकालाई प्राङ्गारिक, अर्गानिक तथा विषादी रहित गाउँपालिकाको रूपमा विकास गर्ने उद्देश्यले विभिन्न कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने । जस्तै: जैविक प्रवर्द्धन तथा गोठे मल सुधार कार्यक्रम, प्राङ्गारिक तथा गड्यौला मल उत्पादन लगायतका कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।

### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
वैज्ञानिक, व्यावसायिक, उच्च प्रतिफलयुक्त निर्यातमूखी कृषि ।
लक्ष्य
गाउँपालिकाको आर्थिक समृद्धिको मूल संवाहकको रूपमा कृषिको विकास गर्ने ।
उद्देश्यहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>✓ व्यवसायिक र उच्च प्रतिफलमूखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु ।</li> <li>✓ नमूना कृषि क्षेत्रको रूपमा विकास गर्नु ।</li> <li>✓ वातावरण मैत्री दिगो कृषि र कृषिमा आधारित उद्योगहरूको विकास गर्नु ।</li> </ul>

#### उद्देश्य १: व्यावसायिक र उच्च प्रतिफलमूखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१ व्यावसायिक सोचको अभिवृद्धि गर्न कृषक अभिमूखीकरण तथा तालिमको व्यवस्था गर्ने ।	१.१.१ गाउँपालिकाभर कृषक परिचय पत्र वितरण गर्न कृषकहरूको वर्गीकरण गर्ने नीति निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.२ वर्षमा कम्तीमा एकपटक कृषिको व्यवसायीकरण सन्दर्भमा अगुवा कृषकहरूलाई अभिमूखीकरण गरिनेछ ।
	१.१.३ वडास्तरीय कृषक पाठशाला सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.४ गाउँपालिकास्तरीय कृषक सञ्जाल निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.५ कृषि उपज विशेष कृषक समूह गठन गरी कृषि सहकारीसँग आबद्ध गरिनेछ ।
	१.१.६ किसानहरूले उत्पादन गरेको उपजको मूल्य निर्धारण गरी कृषकहरूलाई उत्पादनमा प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	१.१.७ कृषिमा आत्मनिर्भर भन्ने अभियानलाई अगाडी बढाइनेछ ।
	१.२.१ असिंचित क्षेत्रलाई क्रमशः सिंचित तुल्याउन सिंचाई योजनाहरूको प्राथमिकीकरण गरिनेछ ।

उद्देश्य १: व्यावसायिक र उच्च प्रतिफलमूखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.२ उच्च, प्रतिफलमूखी सघन खेती प्रणालीको अवलम्बन गर्ने ।	१.२.२ प्रत्येक वडामा उच्च मूल्यका कृषि उपज पहिचान गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.२.३ प्रत्येक वडामा रहेका बगर तथा बाँझो क्षेत्रको पुर्नउत्थानका लागि सर्वेक्षण गरिनेछ ।
	१.२.४ जग्गाको वर्गीकरण गरि कृषि योग्य जग्गाको चक्लाबन्दी तथा कन्ट्र्याक्ट फार्मिङका लागि समन्वय गरिनेछ ।
१.३ कृषि पकेट क्षेत्रको विकास गर्ने ।	१.३.१ प्रत्येक वडामा बाली विशेष पकेट क्षेत्र निर्माणका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.३.२ फलफूल तथा नगदेबाली विशेष नर्सरी स्थापना गरिनेछ ।
	१.३.३ बाली विशेष पकेट क्षेत्रलाई केन्द्रित गरी गुणस्तरीय र उन्नत विउ विजनका लागि स्रोत केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।
	१.३.४ व्यावसायिक तरकारी तथा फलफूल खेतीमा मापदण्डका आधारमा अनुदान दिइनेछ ।
१.४ अत्यावश्यक कृषि सामग्रीको पहुँच र उपलब्धता सुनिश्चित गर्ने ।	१.४.१ आवश्यक रासायनिक मलको आयतन आंकलन गरी समयमै आपूर्ति गर्न गाउँपालिकास्तरीय संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।
	१.४.२ व्यावसायिक प्राङ्गारिक मल उत्पादन गर्ने कृषकलाई विशेष अनुदानको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.४.३ कृषि यान्त्रिकीकरण अन्तर्गत किसानले खरिद गर्ने औजार (जस्तै: च्यापकटर, ब्रसकटर, मिल्कएनलाइजर, स्प्रे आदि) मा मापदण्डका आधारमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिइनेछ ।
	१.४.४ साना किसान तथा समग्र कृषि क्षेत्रलाई क्रमशः यान्त्रिकीकरण गर्न एक गाउँपालिकास्तरीय Custom Hiring Center को निर्माण गर्न प्रदेश र संघीय सरकारसँग समन्वय गरिनेछ ।
	१.४.५ बजारको पहुँच नभएको क्षेत्रहरूको कृषि उपजलाई बजारसम्म पुऱ्याउन ढुवानीको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.४.६ कृषि विज्ञ सहितको कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.४.७ गाउँपालिकास्तरीय संकलन केन्द्र सहितको हाटबजार स्थापना तथा डिपो निर्माण गरिनेछ ।
१.५ खाद्यान्न तथा मल भण्डारण तथा विषादीको प्रयोगसम्बन्धी कृषक ज्ञान अभिवृद्धि गर्ने ।	१.५.१ मलको प्रयोग र अनुपात समय आदिका विषयमा प्रत्येक कृषकलाई सुसूचित गर्न स्थानीय सञ्चार माध्यमको प्रयोग गरिनेछ ।
	१.५.२ मल, विउ विजन तथा विषादीको प्रयोग सम्बन्धी जानकारी प्रदान गर्न गाउँपालिकास्तरीय किसान Call center को स्थापना गरिनेछ ।
	१.५.३ वडास्तरीय कृषक पाठशालामा मल, बीउ विजन र विषादी प्रयोग सम्बन्धी सामग्रीको विकास र सम्प्रेषण गरिनेछ ।
	१.५.४ वडास्तरमा घुम्ती माटो परीक्षण शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.५.५ जैविक विषादीको उत्पादन र प्रयोग सम्बन्धी वडास्तरीय तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.५.६ बेमौसमी तरकारी खेती विशेष तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।

**उद्देश्य १: व्यावसायिक र उच्च प्रतिफलमूखी उत्पादनमा केन्द्रित हुनु ।**

रणनीति	कार्यनीति
	१.५.७ कृषकहरूलाई प्राविधिक ज्ञान सम्प्रेषण गर्न कृषि घुम्ती सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.५.८ अर्गानिक मल उत्पादनलाई व्यवस्थित ढंगले सञ्चालन गरिनेछ ।
१.६ सहूलियतपूर्ण कृषि कर्जाको व्यवस्था गर्ने ।	१.६.१ संघीय र प्रदेश सरकार तथा गाउँपालिकाको सहजीकरण तथा समन्वयमा व्यावसायिक योजना अनुरूप खेती गर्न चाहने कृषकलाई सहूलियतपूर्ण कृषि कर्जाको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.६.२ सहकारी क्षेत्रलाई कृषि क्षेत्रमा लगानी गर्न कृषि सहकारी विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.६.३ वैदेशिक रोजगारीमा कृषि पेशामा संलग्न भई स्वदेश फर्केका युवाहरूलाई कृषिमा लगानी गर्न इच्छुक भए मापदण्डका आधारमा कृषि कर्जाको व्याजमा अनुदान दिने व्यवस्था मिलाइनेछ ।
१.७ कृषि विमालाई प्रभावकारी बनाउने ।	१.७.१ गाउँपालिकाको समन्वय र सहजिकरणमा कृषि विमालाई अनिवार्य बनाई विमा प्रदायक कम्पनीहरूसँगको सहकार्यमा कृषकमैत्री बनाइनेछ ।
	१.७.२ कृषकहरूलाई कृषि विमाको आवश्यकता र महत्वका विषयमा सुसूचित गर्न विमा कम्पनीहरूको सहयोगमा नियमित अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.७.३ न्यून आय भएका साना किसानहरूलाई निश्चित मापदण्डका आधारमा कृषि विमामा सहूलियत तथा अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।

**उद्देश्य २: नमूना कृषि क्षेत्रको रूपमा विकास गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ असल अभ्यासहरूको अध्ययन र अवलोकन गर्ने ।	२.१.१ कृषि शाखाको समन्वयमा गाउँपालिकाका अगुवा र आकांक्षी कृषकहरूलाई देश तथा विदेशमा सघन कृषि क्षेत्र वा कृषि ग्रामको रूपमा विकास भैरहेका क्षेत्रको स्थलगत अवलोकन भ्रमण गराइनेछ ।
	२.१.२ अवलोकनबाट प्राप्त अनुभवहरूलाई गाउँपालिकाका अन्य कृषकहरूलाई सम्प्रेषण गर्न वर्षमा कम्तीमा १ पटक गाउँपालिकास्तरीय कृषक अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.३ वार्षिक कृषि मेलाको आयोजना गरी बजारको प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
२.२ सघन कृषि उत्पादन क्षेत्रको वर्गीकरण र घोषणा गर्ने ।	२.२.१ उर्वर र खेतीयोग्य क्षेत्रलाई वर्गीकरण गरी क्रमशः सघन खेतीक्षेत्र घोषणा गरिनेछ ।
	२.२.२ सघन खेती क्षेत्रहरूलाई निश्चित मापदण्ड तथा राष्ट्रिय, प्रादेशिक र स्थानीय भू-उपयोग नीति अनुरूप खेतीपाती बाहेक अन्य कृषकलापमा प्रयोग गर्न निरुत्साहन गर्ने नीति कार्यान्वयन गरिनेछ ।
२.३ कृषिको विकासका लागि आवश्यक भौतिक कृषि पूर्वाधारको क्रमशः विकास गर्दै नमूना कृषि क्षेत्र बनाउने ।	२.३.१ गाउँपालिका भित्रका प्रमुख कृषि सडकहरूको पहिचान गरिनेछ ।
	२.३.२ प्राथमिकताका आधारमा सघन क्षेत्रका कृषि सडकहरूको स्तरोन्नति गरिनेछ ।
	२.३.३ प्रत्येक वडामा सघन खेती क्षेत्रलाई उपयुक्त हुने स्थानमा कृषि उपज संकलन केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।



**उद्देश्य २: नमूना कृषि क्षेत्रको रुपमा विकास गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
	२.३.४ गाउँपालिका भित्र आवश्यकताका आधारमा चिस्यान केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।
	२.३.५ गाउँपालिकामा उच्च उत्पादन सम्भावना रहेका बाली जस्तै धान, मकै तथा गहुँको विज बैङ्क स्थापना गरिनेछ ।
	२.३.६ कृषि सम्बन्धी अध्ययन र अनुसन्धान गर्ने हेतुले गाउँपालिकामै कृषि अनुसन्धान केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।
	२.३.७ गाउँपालिकास्तरीय सामुदायिक कृषि सेवा श्रोत तथा सूचना केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।
	२.३.८ आवश्यकताका आधारमा दुध चिस्यान केन्द्रहरु स्थापना गर्न अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.३.९ माटोमा राख्ने चुना अनुदानमा वितरण गरिनेछ ।
	२.३.१० माटोको अम्लियपन सुधारका लागि कृषि चुन तथा सुक्ष्म तत्व वितरण गरिनेछ ।

**उद्देश्य ३: वातावरणमैत्री दिगो कृषि र कृषिमा आधारित उद्योगहरूको विकास गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
३.१ वातावरणमैत्री दिगो कृषि सम्बन्धी अभिमूखीकरण गर्ने ।	३.१.१ दिगो कृषिको सैद्धान्तिक र व्यवहारिक पक्षका विषयमा विज्ञहरूद्वारा सम्प्रेषित ज्ञान अगुवा कृषकको अगुवाइमा अन्य कृषकलाई सम्प्रेषण गर्न वर्षमा १ पटक अन्तरक्रिया सञ्चालन गरिनेछ ।
	३.१.२ रैथाने प्रजातिका बाली संरक्षणमा विशेष अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	३.१.३ जलवायू अनुकूलन विशेष बालीनाली प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
	३.१.४ सामुदायिक विज बैङ्क स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
३.२ गाउँपालिकामा निरन्तर उत्पादन हुन सक्ने कृषिजन्य कच्चा पदार्थको पहिचान गर्ने ।	३.२.१ वडास्तरमा जलवायु र माटो अनुकूल उत्पादन हुने प्रमुख बालीका आधारमा जोनको पहिचान र घोषणा गरिनेछ ।
	३.२.२ जोन स्तरीय उत्पादित प्रमुख उत्पादनको वार्षिक तथ्याङ्क प्राप्त गर्न स्वचालित तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ ।
	३.२.३ कृषि उपज बजारीकरण तथा निर्यात प्रवर्द्धन गर्न अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।
	३.२.४ कृषि उपजहरूलाई सन्तुलित मूल्य श्रृंखलामा समेटिने छ ।
३.३ निजी क्षेत्र र अगुवा कृषकको समन्वय र सहकार्यमा कम्तीमा “एक वडा एक कृषि” मा आधारित उद्योगको निर्माण गर्ने ।	३.३.१ बाली विशेष पकेट क्षेत्रका आधारमा उपलब्ध हुन सक्ने कच्चा पदार्थमा आधारित प्रत्येक वडामा सम्भाव्य उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	३.३.२ पहिलो चरणमा “एक वडा एक कृषि” उद्योग स्थापना गर्न उद्योगी कृषक वा कृषक समूह पहिचान गरिनेछ ।
	३.३.३ उद्यमी कृषकहरूलाई लक्षित अध्ययन तथा अभिमूखीकरण तालिमका लागि गाउँपालिकाद्वारा सहयोग प्रदान गरिनेछ ।

उद्देश्य ३: वातावरणमैत्री दिगो कृषि र कृषिमा आधारित उद्योगहरूको विकास गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
३.४ स्थानीय कृषि उद्योगबाट उत्पादित सामग्रीको ब्रान्डिङ गर्ने ।	३.४.१ कृषि उद्योगबाट उत्पादित उत्पादनहरूको प्रशोधन प्याकेजिङ लेबलिङ, गुणस्तर तथा ब्राण्डिङ गर्नका लागि विशेष अभिमूखीकरण तथा तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	३.४.२ संघीय तथा प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा गाउँपालिकास्तरीय खाद्य गुणस्तर मापनको व्यवस्था गरिनेछ ।
	३.४.३ स्थानीय उपज तथा औद्योगिक उत्पादनको खपत हुन सक्ने सम्भाव्य उपभोक्ता बजारहरूको अध्ययन गरिनेछ ।
	३.४.४ स्थानीय उपज उपभोग हुने उपभोक्ता बजारको मागको अध्ययन गरी वस्तुगत सूचना संकलन गरिनेछ ।
	३.४.५ उत्पादनमा स्थानीय पहिचान राख्न सक्ने वाली तथा उत्पादनको पहिचान गरिनेछ ।
	३.४.६ गुणस्तर र ब्रान्ड कायम गर्न सक्ने वाली तथा उत्पादनको गुणस्तर प्रवर्द्धन गर्न जैविक प्रविधिको अवलम्बन र कृषकहरूलाई नियमित तालिम तथा अभिमूखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	३.४.७ कृषि उपजहरूमा मेड इन सुनिलस्मृतिको ब्राण्डिङका लागि प्रोत्साहन गरिनेछ ।
३.५ कृषि र पर्यावरणमैत्री मौरीपालन व्यवसाय प्रवर्द्धन गर्ने ।	३.५.१ मौरीपालक कृषकको विवरण संकलन गरिनेछ ।
	३.५.२ मौरीपालक कृषकलाई प्राविधिक तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	३.५.३ व्यावसायिक मौरीपालक कृषकलाई मौरीघारको विस्तार र उपकरण खरिदमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	३.५.४ उत्पादित महलाई प्रशोधन र लेबलिङ तथा प्याकेजिङ गरिनेछ ।
	३.५.५ मह उपभोक्ता बजार तथा मागको अध्ययन गरिनेछ ।

(ख) जडीबुटी

१. पृष्ठभूमि

नेपालमा भौगोलिक तथा जैविक विविधताका कारण वनजंगल क्षेत्रमा विभिन्न प्रकारका जडीबुटीहरू पाइन्छन् । यस गाउँपालिकामा भाडी बुट्यान सहितको वनजंगल क्षेत्रले कूल भू-भागको करिब ६४.०७ प्रतिशत भू-भाग ओगटेका कारण यहाँ विभिन्न प्रकारका जडीबुटीहरू पाइन्छन् । गाउँपालिकामा विशेषगरी हर्रो, बर्रो, अमला, टिमुर, पाँचऔले, तितेपाती, चिराइतो, दालचिनी, सतुवा, रिठ्ठा, सर्पगन्धा लगायतका जडीबुटीहरू पाइन्छन् । तथापि यस्ता जडीबुटीहरूको व्यावसायिक उत्पादन तथा विस्तार हुन सकेको छैन । यस्ता जडीबुटीहरूको पहिचान गरी व्यावसायिक उत्पादन, प्रशोधन र बजार प्रवर्द्धन गर्न सकेमा स्थानीयबासीको आयआर्जनमा समेत टेवा पुऱ्याउन सकिन्छ ।

## २. उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

उद्देश्य ४: व्यावसायिक जडीबुटी उत्पादनको सुरुवात गर्नु	
रणनीति	कार्यनीति
४.१ गाउँपालिकामा पाइने बहुमूल्य जडीबुटीहरूको पहिचान र संरक्षण गर्ने ।	४.१.१ विज्ञको सहयोगमा गाउँपालिकाभर पाइने जडीबुटीहरूको पहिचान गरी विवरण संकलन गरिनेछ ।
	४.१.२ पहिचान भएका जडीबुटीको नमूना तथा तीनको गुण विशेषता र उपयोग समेटेर गाउँपालिकामा एक Herbarium तयार पारिनेछ ।
	४.१.३ आफ्नो वरपर रहेका बहुमूल्य जडीबुटीको पहिचान र संरक्षण गर्न जनस्तरमा जनचेतना फैलाउन स्थानीय सञ्चार माध्यमहरूको सहयोग लिइनेछ ।
	४.१.४ पूर्ण विवरण तयार पारी जडीबुटीको फाईदा र विशेषता सहित ब्रोसर तथा पुस्तक तयार पारिनेछ ।
	४.१.५ स्थानीयस्तरमा प्राप्त हुने बहुमूल्य र स्वास्थ्य हितकारी जडीबुटीहरूको पहिचान र संरक्षण गरी सदुपयोग गर्न जनचेतनामूलक कार्यक्रम निर्माण गरी प्रसारण गरिनेछ ।
४.२ कृषकलाई व्यवसायिक जडीबुटी उत्पादनका लागि प्रोत्साहन गरिनेछ ।	४.२.१ गाउँपालिकामा जडीबुटी उत्पादनलाई पेशागत र व्यावसायिक बनाउन चाहने कृषकको विवरण संकलन गरिनेछ ।
	४.२.२ इच्छुक कृषकहरूलाई गाउँपालिकाको तर्फबाट व्यावसायिक जडीबुटी उत्पादनको सम्भाव्यता, बजार र प्राविधिक ज्ञानबारे तालिम प्रदान गर्न सहयोग गरिनेछ ।
	४.२.३ गाउँपालिकाभर जडीबुटी विज्ञ तथा प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद विज्ञान तथा योग साधनामा लागेका विज्ञहरूको सहयोगमा व्यवसायिक किसानको मनोबल बढाउन वर्षमा एक पटक जडीबुटीको व्यवसायिक उत्पादन सम्बन्धी अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
४.३ कृषि र जडीबुटी उत्पादनलाई एकीकृत गरी व्यावसायिकता प्रवर्द्धन गरिने छ ।	४.३.१ कृषिसँगै जडीबुटी समेत उत्पादन गर्ने कृषकलाई जडीबुटी उत्पादन गर्न वा चाहने कृषकहरूको वस्तुगत विवरण संकलन गरिनेछ ।
	४.३.२ अन्तरवाली अन्तर्गत कृषि बाली सँगसँगै जडीबुटी उत्पादन गर्ने कृषकलाई विशेष तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।
	४.३.३ गाउँपालिकामा खेर गैरहेको जमिन र बाँझो वा लिजमा प्राप्त हुने निजी जग्गामा व्यवसायिक जडीबुटी उत्पादन गर्न निजी क्षेत्रलाई लिजमा दिन व्यवस्था मिलाउनुका साथै मापदण्डका आधारमा प्रोत्साहन अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	४.३.४ कृषि उपज संकलन केन्द्रलाई जडीबुटी समेत संकलन केन्द्रका रूपमा विकास गरिनेछ ।
	४.३.५ अति विपन्न वर्ग र न्यून आय भएका कृषकहरूलाई जडीबुटी उत्पादनमा आर्कषण गर्न व्याजमा अनुदान दिने व्यवस्था मिलाइनेछ ।
	४.३.६ व्यावसायिक जडीबुटी उत्पादन र विस्तार कार्यक्रम अन्तर्गत समूहमा व्यावसायिक जडीबुटी खेती गर्न चाहने कृषक समूहलाई मापदण्डका आधारमा प्राविधिक सहयोग तथा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।

### ४.१.२ पशुपंक्षी विकास तथा मत्स्यपालन

#### क) पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा यहाँ बसोबास गर्ने घरपरिवारहरूले पशुपंक्षी पाल्ने गरेका छन् । यहाँ गाई, भैंसी, बाखा, सुंगुर, बंगुर, कुखुरा लगायतका पशुपंक्षी पाल्ने र बिक्री गर्ने गर्दछन् । समशितोष्ण क्षेत्रमा उपयुक्त हुने

जातका पशुपंक्षीहरूको यहाँ व्यावसायिक उत्पादनको राम्रो सम्भावना रहेको हुनाले कृषि तथा पशु फर्महरू मार्फत पशुपंक्षीहरूको व्यवसायिक उत्पादन समेत हुँदै आएको छ । व्यावसायिक हिसाबले हेर्दा कृषकहरूले सबैभन्दा बढी गाई, भैंसी, कुखुरा, बाखा, सुंगुर, बंगुर पाल्ने र बिक्री गर्ने गर्दछन् । पशुपंक्षी पालनमा आधुनिकीकरण र व्यवसायीकरण हुन नसकेकाले यिनीहरूको बिक्री वितरणबाट प्राप्त हुने आमदानी भने न्यून रहेको छ । अर्कोतर्फ, यस गाउँपालिकामा मत्स्यपालनबाट आर्थिक आमदानीको राम्रो सम्भावना भएतापनि केही फाट्टफुट्ट बाहेक ठूलोस्तरको व्यवसायिक तथा व्यवस्थित माछापालन भने हुन सकेको छैन । गाउँपालिकामा प्रसस्त जलस्रोतको पर्याप्त उपलब्धता भएकाले स्थानीय जलवायु अनुकूलका माछापालन गर्न उपयुक्त देखिन्छ ।

## ख) समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>पशुपंक्षी तथा मत्स्यपालन व्यवसायको आधुनिकीकरण हुन नसकेको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>कृषि पूर्वाधार विकासमा चुनौती रहेको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>युवा तथा व्यावसायिक सोचका कृषि उद्यमीहरूलाई यस क्षेत्रमा आकर्षण गर्ने चुनौती रहेको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>पशुपंक्षी, मत्स्यपालन सेवा केन्द्र तथा दक्ष प्राविधिकहरूको पर्याप्त व्यवस्था र तालिम नभएको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>पशुपंक्षी उपचार पर्याप्तता नभएको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>कृषि उपज भण्डारण तथा उचित बजारको सुनिश्चितता हुन नसकेको ।</li> </ul>

## ग) सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकामा विभिन्न कृषि तथा पशु फर्महरू मार्फत गाई, भैंसी, कुखुरा, सुंगुर, बाखा लगायतका पशुपंक्षीहरूको व्यावसायिक उत्पादन हुँदै आएको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>दुध, माछा, मासु र अण्डाको खपत बढिरहेकाले राम्रो आमदानी गर्न सकिने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>आवश्यक मापदण्ड बनाई व्यवसायिक पशुपालन गरेका किसान लक्षित पशु विमा कार्यक्रमलाई प्रभावकारी कार्यान्वयन गरिने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>पशुपंक्षी जन्य उत्पादनमा आधारित उद्योगहरू सञ्चालन गर्न सकिने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकाले नश्ल सुधार तथा आहार कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने लक्ष्य राखेको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>व्यावसायिक उत्पादन बढाउन सके माछाको बजारको समेत राम्रो सम्भावना रहेको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकाले पशुपंक्षीको उत्पादन तथा उत्पादकत्वमा वृद्धि ल्याउन आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकाले आफ्नो क्षेत्रभित्र आयात गरिने पशु आहार, पशुनश्ल, औषधी लगायतका वस्तु तथा सामग्रीको गुणस्तरमा नियमन गर्ने नीति अगाडी सारेको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकाले पशुनश्ल सुधारको लागि कृतिम गर्भाधानको कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिने नीति अगाडी सारेको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>पालिकाले माछापालक कृषकहरूको आवश्यकता र बजारको मागलाई ध्यानमा राख्दै माछापालन र बजारीकरणलाई प्राथमिकतामा राखी विविध कार्यक्रम संचालन गर्ने नीति अगाडी सारेको ।</li> </ul>

घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच	
व्यावसायिक पशुपंक्षी तथा मत्स्यपालन मार्फत आर्थिक समृद्धि	
लक्ष्य	
आधुनिक, वैज्ञानिक र व्यावसायिक पशुपंक्षी तथा मत्स्यपालन मार्फत निर्यातमूखी उत्पादनलाई बढावा दिने ।	
उद्देश्यहरू	
<ul style="list-style-type: none"> <li>✓ पशुपंक्षीपालनलाई व्यावसायिक बनाउनु ।</li> <li>✓ पशुपंक्षीजन्य उत्पादनमा निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु ।</li> <li>✓ माछाको व्यावसायिक उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु ।</li> </ul>	
उद्देश्य १: पशुपंक्षीपालनलाई व्यावसायिक बनाउनु	
रणनीति	कार्यनीति
१.१ पशुपंक्षी पालनमा व्यावसायिकता अभिवृद्धि गर्न कृषक अभिमूखीकरण गर्ने ।	१.१.१ वडास्तरमा उद्यमशील सोच भएका इच्छुक युवा तथा अग्रणी पशुपालक कृषकहरूको पहिचान गरिनेछ ।
	१.१.२ कृषि उद्यमीहरूको उत्प्रेरणाका लागि वडास्तरमा उनीहरूको सोच र योजनाबारे सूचना संकलन गरी शुरुवात (Start-up) का लागि अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.३ इच्छुक युवा तथा अन्य अगुवा कृषकहरूको लगत संकलन पश्चात पशुपंक्षी तथा मत्स्यपालन सम्बन्धी असल अभ्यास तथा प्राविधिक पक्षहरूबारे वर्षमा एक पटक अभिमूखीकरण तथा तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.४ अतिविपन्न घरपरिवार निर्वाहमूखी पशुपंक्षीपालन कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.५ हरियो घाँसमा आधारित पशुपालन कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।
	१.१.६. Zoonotic disease सम्बन्धी चेतनामुलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
१.२ युवा उद्यमीहरूलाई यसतर्फ आर्कषण गर्न विशेष सहूलियत प्रदान गर्ने ।	१.२.१ निश्चित मापदण्डका आधारमा एकल तथा सामूहिक रूपमा पशुपंक्षी पालनमा व्यावसायिक रूपमा जान खोज्ने कृषक, कृषक समूह तथा वैदेशिक रोजगारीबाट फर्किएका युवाहरूलाई ब्याजमा अनुदान दिइनेछ ।
	१.२.२ उच्च मूल्य पर्ने पशुपंक्षीजन्य उत्पादनका लागि आवश्यक उन्नत जातका नश्लको प्रवर्द्धन गर्न बोका, राँगा, माउ तथा माछाका भुरा आदिमा निश्चित मापदण्डका आधारमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.२.३ स्थानीय सहकारी तथा समूहमा पशुपालन व्यवसाय गर्न चाहनेहरूलाई निश्चित प्रतिशत ब्याज, सहूलियत तथा लगानीमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.२.४ स्थानिय जातका उच्च मूल्यका लोकल कुखुरा, कालिज, बंगुर लगायत पशुपंक्षी पालन चाहने बेरोजगार युवाहरूलाई निश्चित मापदण्डका आधारमा सुविधाको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.२.५ गाउँपालिकाभित्रका दुध उत्पादक किसानलाई दुधजन्य पदार्थको उत्पादन र बिक्री वितरणमा अनुदानको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.३.१ पशुपालनलाई आवश्यक घाँसको उत्पादन, बिउ तथा बेर्ना वितरण गरिनेछ ।

**उद्देश्य १: पशुपंक्षीपालनलाई व्यावसायिक बनाउनु**

रणनीति	कार्यनीति
१.३ पशुपंक्षी उत्पादनलाई आवश्यक कृषि सामग्री तथा प्रविधिको उपलब्धता वृद्धि गर्ने ।	१.३.२ घाँसेवाली उत्पादन क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.३ खेर गैरहेको जमिनमा घाँस रोप्न कृषकलाई प्रोत्साहन गर्न घाँसको व्यावसायिक उत्पादन सम्बन्धी तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.४ प्रत्येक वडामा पशुसेवा केन्द्रद्वारा प्रदान सेवालाई घुम्ती सेवामार्फत विस्तार गरिनेछ ।
	१.३.५ पशु विमा कार्यक्रमलाई कृषकमैत्री र प्रभावकारी बनाउन विमा कम्पनीको समन्वयमा अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	१.३.६ उन्नत पशुनश्ल श्रोत केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।
	१.३.७ स्थानीय उपजमा आधारित दाना उद्योग खोल्ने उद्यमीलाई मापदण्डका आधारमा सहूलियत प्रदान गरिनेछ ।
	१.३.८ पशुशिक्षा प्रवर्द्धन गर्न वडास्तरमा कृषक पाठशाला सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.९ व्यावसायिक पशुपालक कृषकलाई लागत सहभागिता Cow Mat वितरण गरिनेछ ।
	१.३.१० पशुपालन पकेट क्षेत्रस्तरीय घाँस विज बैङ्क तथा डालेघाँस नर्सरी स्थापनाका लागी सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.३.११ गाउँपालिकामा सम्भाव्यता हेरी दुग्ध चिस्यान केन्द्र स्थापना तथा विस्तार गरिनेछ ।
	१.३.१२ चल्ला उत्पादन गर्ने ट्याचरी उद्योग सञ्चालनका लागि निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरी विशेष प्रोत्साहनको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.३.१३ मापदण्डका आधारमा गाउँपालिकाका दुग्ध उपभोक्ता सहकारी संस्था लिमिटेडहरूलाई प्रति घण्टा ५५० लिटर क्षमताको क्रिम सेपरेटर मेशिनको वितरण गरिनेछ ।
१.३.१४ व्यावसायिक पशुपालक कृषकलाई अनुदानमा मिल्किङ्ग मेशिन वितरण गरिनेछ ।	

**उद्देश्य २: पशुपंक्षीजन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ कृषि तथा पशुपंक्षी तथ्याङ्क प्रणालीको विकास गर्ने ।	२.१.१ गाउँपालिकालाई तरकारी खाद्यान्न, दुग्ध तथा दुग्धजन्य पदार्थ, मासु उत्पादनमा आत्मनिर्भर बनाइनेछ ।
	२.१.२ गाउँपालिकाभर पालिने पशुपंक्षीको विवरण अद्यावधिक गर्ने तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ ।
	२.१.३ गाउँपालिकामा हरेक वर्ष पशुपंक्षीजन्य उत्पादनको माग आपूर्तिको वस्तुपरक सूचना प्राप्त गरी उत्पादनलाई निर्यातमूखी बनाइनेछ ।
	२.१.४ हरेक वर्ष गाउँपालिकाबाट निर्यात हुने पशुजन्य उत्पादनको वस्तुपरक सूचना अद्यावधिक गरिनेछ ।

**उद्देश्य २: पशुपंक्षीजन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.२ पशुपंक्षीजन्य उत्पादनको निर्यात गर्ने ।	२.२.१ गाउँपालिकामा उत्पादन हुने पशुपंक्षी संकलन केन्द्रको स्थापना तथा बजारको प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
	२.२.२ पशुपंक्षीजन्य उत्पादन निर्यात हुन सक्ने सम्भाव्य निकटवर्ती बजार तथा हाटबजारको मागको अध्ययन गरिनेछ ।
	२.२.३ उत्पादित वस्तुहरूको ब्रान्डिङ, लेबलिङ, प्याकेजिङ तथा गुणस्तर जाँच गर्ने व्यवस्था मिलाइनेछ ।
	२.२.४ उत्पादन र मागको सन्तुलन कायम गर्न ठूला बजारका कृषि उपज संकलन तथा व्यापारीहरूसँग सम्पर्क तथा माग संकलन गर्ने संयन्त्रको निर्माण गरिनेछ ।

**उद्देश्य ३ : माछाको व्यावसायिक उत्पादनमा आत्मनिर्भर भई निर्यात प्रवर्द्धन गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
३.१ माछापालनमा इच्छुक कृषक पहिचान गर्ने ।	३.१.१ प्रत्येक वडामा सम्भाव्यताका आधारमा माछापालन गर्न चाहने र गरिरहेका कृषक पहिचान गरिनेछ ।
	३.१.२ माछापालन गर्न चाहने कृषकलाई प्राविधिक ज्ञान र सिपका लागि तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।
३.२ माछाका भूरामा अनुदान दिने ।	३.२.१ निश्चित मापदण्डका आधारमा माछापालक कृषकलाई भूरामा अनुदान दिइनेछ ।
	३.२.२ स्थानीय जलवायू अनुकूल उत्पादन हुन सक्ने माछाका बारेमा कृषकलाई जानकारी प्रदान गरिनेछ ।
	३.२.३ माछा उत्पादन सम्बन्धी सल्लाह दिन प्राविधिक सहयोग प्रदान गरिनेछ ।
३.३ माछाको स्थानीय माग पूरा गरी निर्यात गर्ने ।	३.३.१ स्थानीयस्तरमा उत्पादित माछाको खपत हुन सक्ने प्रमुख बजारहरूको अध्ययन गरिनेछ ।
३.४ पोखरी निर्माणमा अनुदान तथा सहूलियत दिने ।	३.४.१ स्थानीय जल पर्यावरणीय प्रणालीको विकास गर्न वडास्तरमा नमूना माछापोखरी निर्माण गर्ने कृषकहरूलाई लागत सहभागिता तथा ब्याजमा अनुदान दिइनेछ ।
	३.४.२ पोखरी निर्माण गर्ने कृषकलाई प्राविधिक सहयोग प्रदान गरिनेछ ।
	३.४.३ प्रयोगमा आएका पोखरीहरूको स्तरोन्नति गरिनेछ ।

## कृषि तथा पशुपंक्षीको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
कृषि तथा जडिबुटी									
१.	१.१	१.१.१	कृषक वर्गीकरण तथा परिचय पत्र वितरण	५००					
		१.१.२	व्यवसायीकरण सम्बन्धी अगुवा कृषक अभिमूखीकरण		५०	६०	७०	८०	
		१.१.३	बाली वस्तु विशेष कृषक पाठशाला सञ्चालन	३००	३५०	४००	५००	६००	
		१.१.४	किसान क्लब गठन	२०	२५	३०	३५	४०	
		१.१.५	कृषक समूह गठन तथा परिचालन	२०	२५	३०	४०	५०	
		१.१.६	उत्पादित कृषि उपजको न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारण			१०			
		१.१.७	कृषिमा आत्मनिर्भर विशेष कार्यक्रम	२५०	२६०	२७०	२८०	२९०	
	१.२	१.२.१	गाउँपालिकाका प्रमुख सिँचाई योजनाहरूको प्राथमिकिकरण	१००					
		१.२.२	उच्च मूल्यका बाली तथा उत्पादन क्षेत्रको सम्भाव्यता अध्ययन		२००				
		१.२.३	बाँझो क्षेत्र तथा बगर खेती क्षेत्र पहिचान		२००				
		१.२.४	चक्लाबन्दी तथा कन्ट्र्याक्ट फार्मिङका लागि समन्वय		२००				
	१.३	१.३.१	बाली विशेष पकेट क्षेत्र निर्माणका लागि सम्भाव्यता अध्ययन	२५०					
		१.३.२	फलफूल तथा नगदेबाली विशेष नर्सरी स्थापना		२५०				
		१.३.३	कृषि स्रोत केन्द्र निर्माण			५००			
		१.३.४	व्यावसायिक फलफूल तथा नगदेबाली विस्तार कार्यक्रम	५००	५००	५००	५००	५००	
	१.४.	१.४.१	रासायनिक मल माग तथा आपूर्ति तथ्याङ्क प्रणाली निर्माण	२५०					
		१.४.२	व्यावसायिक प्राङ्गारिक तथा जैविक मल उत्पादन कार्यक्रम	१००	१५०	२००	२५०	३००	



उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.४.३	कृषि यन्त्र खरिदमा अनुदान	३००	३००	३००	३००	३००	
		१.४.४	Custom Hiring Center निर्माण	२००	२००	२००	२००	२००	
		१.४.५	कृषि उपजलाई बजारसम्म पुऱ्याउन ढुवानी अनुदान	५००	५००	५००	५००	५००	
		१.४.६	कृषि विज्ञ सहितको कृषि एम्बुलेन्स सञ्चालन	५००	५००	१०००	१२००	१५००	
		१.४.७	पालिकास्तरीय हाटबजार स्थापना तथा डिपो निर्माण	५००	५००	५००	५००	५००	
	१.५	१.५.१	सञ्चार माध्यमसँग समन्वय	३०	३०	३०	३०	३०	
		१.५.२	किसान Call center स्थापना			२५०			
		१.५.३	कृषि शिक्षा प्रसारण				५००	५००	
		१.५.४	घुम्ती माटो परीक्षण शिविर सञ्चालन						
		१.५.५	जैविक विषादी उत्पादन सम्बन्धी तालिम		१००				
		१.५.६	बेमौसमी तरकारी खेती विशेष तालिम	६०	६०	६०	७०	८०	
		१.५.७	कृषि घुम्ती सेवा सञ्चालन	५०	५०	६०	७०	८०	
		१.५.८	अर्गानिक मल उत्पादनको उचित व्यवस्थापन	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
	१.६	१.६.१	व्यावसायिक कृषि योजना अनुदान तथा सहूलियत	१५०	२००	२५०			
		१.६.२	कृषक तथा सहकारी विशेष अन्तरक्रिया	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.६.३	वैदेशिक रोजगारीबाट फर्किएका युवालाई विशेष कृषक अभिमूखीकरण	४०	५०	५०	५०	५०	
	१.७	१.७.१	कृषक तथा बिमा कम्पनीबिच अन्तरक्रिया कार्यक्रम	१५०	१६०	१७०	१८०	१९०	
		१.७.२	नियमित अभिमूखीकरण कार्यक्रम	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.७.३	विपन्न कृषक बिमा अनुदान						
२.	२.१	२.१.१	अगुवा कृषक अध्ययन तथा अवलोकन भ्रमण	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		२.१.२	अगुवा तथा साना किसान बिच अन्तरक्रिया कार्यक्रम	३०	४०	५०	६०	७०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
		२.१.३	वार्षिक कृषि मेलाको आयोजना	४००	५००	६००	६५०	७००	
	२.२	२.२.१	सघन कृषि क्षेत्र विशेष मापदण्ड निर्माण	३५०					
		२.२.२	सघन कृषि क्षेत्र विस्तार अनुदान	१००	१५०	२००	३००	३५०	
	२.३	२.३.१	कृषि सडक (घोषणाका लागि) पहिचान		१५०				
		२.३.२.	प्राथमिकताका आधारमा कृषि सडकहरुको स्तरोन्नति	१००					
		२.३.३.	वडास्तरीय कृषि उपज तथा जडीबुटी संकलन केन्द्र निर्माण		३००				
		२.३.४	पालिकास्तरीय शीत भण्डार निर्माण				३००	३००	
		२.३.५	धान, मकै, गहुँको बीज बैङ्क स्थापना		१००	१००	१००	१५०	
		२.३.६	कृषि अनुसन्धान केन्द्र स्थापना						
		२.३.७	सामुदायिक कृषि सेवा श्रोत तथा सूचना केन्द्र स्थापना						
		२.३.८	दुग्ध चिस्यान केन्द्र स्थापनाका लागि अनुदान	३००					
		२.३.९	चुना अनुदानमा वितरण						
		२.३.१०	कृषि चुन तथा सुक्ष्म तत्व वितरण	१००					
३.	३.१	३.१.१	वातावरण र दिगो कृषि विषयक अगुवा कृषक अभिमूखीकरण	३०	३०	३५	४०	५०	
		३.१.२	रैथाने प्रजातिका बाली संरक्षण अनुदान	४०	४५	४५	४५	५०	
		३.१.३	जलवायु अनुकूलन विशेष बाली प्रवर्द्धन कार्यक्रम	४५	५०	६०	६०	७०	
		३.१.४	सामुदायिक बिज बैङ्क स्थापनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन	५००					
	३.२	३.२.१	कृषि पकेट क्षेत्रहरुको पहिचान		१००				
		३.२.२	कृषि तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण			२००			

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		३.२.३	कृषि उपज बजारीकरण तथा निर्यात प्रबर्द्धन अनुदान	५००	५००	६००	६००	८००	
		३.२.४	कृषि उपज सन्तुलित मूल्य श्रृंखला विकास कार्यक्रम	५०	६०	७०	८०	९०	
	३.३	३.३.१	पकेट क्षेत्र वा जोन/सूपर जोन स्तरीय कृषि उद्योगको सम्भाव्यता अध्ययन			३००			
		३.३.२	कृषि उद्यमी पहिचान कार्यक्रम	५०					
		३.३.३	अगुवा कृषि उद्यमी विशेष अभिमूखीकरण तथा अन्तरक्रिया	३०	३०	३५	४०	४५	
	३.४	३.४.१	कृषि उपज प्याकेजिड, लेबलिड गुणस्तर जाँच तथा ब्राण्डिड सम्बन्धी तालिम तथा अन्तरक्रिया	१००	१००	१००	१००	१००	
		३.४.२	खाद्य तथा कृषि उपज गुणस्तर मापन केन्द्र स्थापना			५००			
		३.४.३	कृषि उपभोक्ता बजारको सम्भाव्यता अध्ययन	२००					
		३.४.४	कृषि सम्बन्धी उपभोग्य वस्तुको वस्तुगत माग सम्बन्धी तथ्याङ्क संकलन		८०				
		३.४.५	रैथाने प्रजातिका बालीहरूको पहिचान तथा बीज बैङ्क स्थापना			५००			
		३.४.६	जैविक प्रविधि र खेती सम्बन्धी नियमित तालिम	६०	६०	६०	६०	६०	
		३.४.७	मेड इन सुनिलस्मृतिको ब्राण्डिडका लागि प्रोत्साहन	१००	१००	१००	१००	१००	
	३.५	३.५.१	मौरीपालक कृषकको विवरण संकलन	५०					
		३.५.२	मौरीपालन तालिम सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	
		३.५.३	लागत सहभागितामा मौरीको घरमा अनुदान		१५०	१५०	१५०	१५०	
		३.५.४	मह ब्रान्डिड सम्बन्धी तालिम सञ्चालन	८०	८०	८०	८०	८०	
		३.५.५	मह उपभोक्ता बजारको अध्ययन	१००					
४.	४.१	४.१.१	गाउँपालिकामा पाइने सबै प्रकारका जडीबुटीको पार्श्वचित्र (Profile) तयार	३००					

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय	
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष		
		४.१.२	गाउँपालिकास्तरीय Herbarium निर्माण					५००		
		४.१.३	जडीबुटी सम्बन्धी जनचेतना सञ्चार	१००	१००	१००	१००	१००		
		४.१.४	जडीबुटी सम्बन्धी ब्रोसर तथा पार्श्वचित्र (Profile) प्रकाशन			१००				
		४.१.५	स्थानीय जडीबुटीको पहिचान र संरक्षण बारे जनचेतनामूलक अभियान	५०	५०	५०	५०	५०		
	४.२	४.२.१	जडीबुटी उत्पादक कृषकको विवरण संकलन		१५०					
		४.२.२	जडीबुटी उत्पादन सम्बन्धी तालिम सञ्चालन	५०	६०	६०	६०	७०		
		४.२.३	प्राकृतिक चिकित्सा, आयुर्वेद विज्ञान, योग साधनामा लागेका विज्ञहरू तथा कृषक अन्तरक्रिया			१००	१००	१००		
	४.३	४.३.१	जडीबुटी उत्पादन गर्न इच्छुक कृषकहरूको विवरण संकलन					१५०		
		४.३.२	अन्तरबाली अन्तर्गत जडीबुटी उत्पादन तालिम सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०		
		४.३.३	खेर गैरहेको जमिन र वन क्षेत्रलाई लिजमा दिन अभिलेखीकरण							
		४.३.४	कृषि उपज संकलन केन्द्रमा जडीबुटी संकलन कक्ष निर्माण							
		४.३.५	अति विपन्न कृषकलाई जडीबुटीको व्यावसायिक उत्पादनमा अनुदान		३००	३००	३००	३००		
		४.३.६	व्यावसायिक जडीबुटी उत्पादन विस्तार कार्यक्रम अनुदान		३००	३००	३००	३००		
<b>पशुपंक्षी तथा मत्स्यपालन</b>										
	१.	१.१	१.१.१	अगुवा तथा युवा पशुपंक्षी पालक कृषक पहिचान	१००					
			१.१.२	व्यावसायिक पशुपंक्षी पालनलाई Venture Capital को प्रबन्ध			१०००			
			१.१.३	अगुवा तथा युवा कृषक विशेष अभिमूखीकरण तथा तालिम	५०	५०	५०	५०	५०	
			१.१.४	निर्वाहमूखी पशुपंक्षीपालन कार्यक्रमको निरन्तरता	६०	६०	६०	६०	१००	
			१.१.५	हरियो घाँसमा आधारित पशुपालन कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
			१.१.६	पशुपंक्षीमा लाग्ने रोग सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
	१.२	१.२.१	व्यावसायिक पशुपंक्षी पालक कृषकलाई ब्याजमा अनुदान		२००	२५०	३००	३५०		

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.२.२	उन्नत जातका बोका, राँगा, बहर तथा माउमा अनुदान	२००	२००	२५०	३००	३५०	
		१.२.३	सामुहिक व्यवसाय गर्ने समूहलाई ब्याजमा सहूलियत	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.२.४	रैथाने जातका पशुपंक्षीपालन विशेष Venture Capital	५००	५००	६००	६००	१०००	
		१.२.५	दुग्धजन्य पदार्थमा अनुदान	१००					
	१.३	१.३.१	घाँसको बीउ तथा बेर्ना वितरण		१५०	२००	२५०	३००	
		१.३.२	घाँसेबाली उत्पादन क्षेत्र विस्तार कार्यक्रम	६०	६०	६०	६०	६०	
		१.३.३	घाँसको व्यावसायिक उत्पादन सम्बन्धी कृषक तालिम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.३.४	पशुपंक्षी स्वास्थ्य घुम्ती सेवा सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.३.५	पशुबिमा अनुदान तथा अन्तरक्रिया	१५०	१५०	२००	२००	२००	
		१.३.६	उन्नत पशुनश्ल श्रोत केन्द्र स्थापना		३५०				
		१.३.७	कृषिदाना उद्योग सहूलियत अनुदान		१०००				
		१.३.८	पशु कृषक पाठशाला सञ्चालन तथा शिक्षक प्रबन्ध			५००			
		१.३.९	लागत सहभागितामा Cow Mat वितरण	२००					
		१.३.१०	घाँस बीज बैङ्क स्थापनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन				१०००		
		१.३.११	दुग्ध चिस्यान केन्द्र स्थापना		३००				
		१.३.१२	ह्याचरी उद्योग स्थापनाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन			१०००			
		१.३.१३	दुग्ध सहकारी प्राविधिक सहयोग अनुदान		५०००				
		१.३.१४	मिल्किड मेशिनमा अनुदान			१०००			
२.	२.१	२.१.१	तरकारी खाद्यान्न, दुध तथा दुग्धजन्य पदार्थ, मासु उत्पादनमा आत्मनिर्भर		२००				

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
		२.१.२	पशुपंक्षी पालिने तथ्याङ्क अद्यावधिक प्रणाली निर्माण	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.१.३	वार्षिक पशुजन्य उत्पादन माग तथा आपूर्ति तथ्याङ्क प्रणाली निर्माण		३५०				
		२.१.४	निर्यात हुने पशुजन्य उत्पादनको वस्तुपरक सूचना अद्यावधिक प्रणाली निर्माण	५००	५००	५००	५००	५००	
	२.२	२.२.१	पशुपंक्षी संकलन केन्द्रको स्थापना		२००				
		२.२.२	पशु निर्यातका लागि हाटबजारको सम्भाव्यता अध्ययन	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.२.३	उत्पादित वस्तुहरूको ब्राण्डिङ, लेबलिङ, प्याकेजिङ तथा गुणस्तर जाँच	५०	६०	७०	८०	९०	
		२.२.४	मुख्य उपभोक्ता बजार स्थित व्यापारीहरूसँग माग संकलन		८०				
३.	३.१	३.१.१	माछापालक कृषकको विवरण संकलन	५०					
		३.१.२	माछापालन तालिम सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
	३.२	३.२.१	माछाका भुरा वितरणमा अनुदान	५०	-	५०	५०	५०	
		३.२.२	माछापालक कृषक प्राविधिक ज्ञान सम्प्रेषण	४०	४०	४०	४०	४०	
		३.२.३	माछापालनका लागि प्रविधि हस्तान्तरण/प्राविधिक सहयोग						
	३.३	३.३.१	स्थानीय तथा ठूला उपभोक्ता बजारमा मागको अध्ययन	१००					
	३.४	३.४.१	माछा पोखरी निर्माण गर्ने कृषकलाई लागत सहभागितामा अनुदान	१००	१००	१००	२००	२००	
		३.४.२	पोखरी निर्माणमा प्राविधिक सहयोग			२५०			
		३.४.३	प्रयोगमा रहेका पोखरीहरूको स्तरोन्नति				५००		

### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनको पूर्ण सदुपयोग भएको हुनेछ ।
- कृषि क्षेत्र व्यावसायिक र वैज्ञानिक भएको हुनेछ ।

- खाद्यान्न, मासु, अण्डा, दुधमा निर्यात प्रवर्द्धन हुनेछ ।
- कृषिमा युवा कृषकहरूको आकर्षण बढेको हुनेछ ।
- कृषि ग्रामका लागि आवश्यक पूर्वाधारहरूको विकास भएको हुनेछ ।
- व्यावसायिक जडीबुटी उत्पादनका सुरुवात भएको हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	कृषि				
	प्रभाव	कृषिमा छुट्याइएको कूल बजेटको प्रतिशत (२.क.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रभाव	कृषि क्षेत्रको उत्पादन वृद्धि दर	प्रतिशत		
	प्रभाव	कृषि क्षेत्रको कूल गार्हस्थ उत्पादनका योगदान	प्रतिशत		
	प्रभाव	पूर्ण खाद्य सुरक्षा भएका घरधुरी	प्रतिशतमा		
	असर	खेतीयोग्य जमिनमध्ये पूर्णरूपमा खेती भइरहेको जमिनको	प्रतिशत		
	असर	माटोमा औसत जैविक पदार्थको मात्रा	प्रतिशत		
	असर	भाडी बुट्यान र बाँफो जमिनको	प्रतिशत		
	असर	पूर्णरूपमा व्यावसायिक कृषिमा प्रयोग भैरहेको जमिन (प.दि.वि.ल.२.४.१)	प्रतिशत		
	असर	वर्षभरि सिँचाई सुविधा पुगेको जमिन (प.दि.वि.ल.२.४.१)	प्रतिशत		
	असर	जैविक प्रणालीबाट मात्र खेती भैरहेको जमिन	हेक्टर		
	असर	व्यवसायिक कृषिमा लागेका ४० वर्ष मूनिका युवा कृषक	संख्यामा		
	असर	प्रति व्यक्ति खाद्यान्न उत्पादन	के.जी.		
	असर	धान उत्पादन	मे.टन/हेक्टर		
	असर	मकै उत्पादन	मे.टन/हेक्टर		
	असर	गहुँ उत्पादन	मे.टन/हेक्टर		
	असर	केरा उत्पादन	मे.टन/हेक्टर		
	असर	अन्य फलफुल	मे.टन/हेक्टर		
	असर	आलु उत्पादन	मे.टन/हेक्टर		
	असर	अन्य तरकारी उत्पादन	मे.टन/हेक्टर		
	असर	दुध उत्पादन	लिट्र		
	असर	तेलहन वाली उत्पादन	मे.टन/हेक्टर		
	प्रतिफल	कृषि सूचना तथा स्रोत केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	एग्रोभेट	संख्या		
	प्रतिफल	पशु उपचार केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	कृषि औजार बिक्री केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	Custom Hiring Center	संख्या		
	प्रतिफल	कृषि तथा पशु उपज बिक्री केन्द्र/संकलन केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	व्यावसायिक कृषि फर्म/पशुपंक्षी फर्म	संख्या		
	प्रतिफल	कृषि घुम्ती सेवा	वार्षिक संख्या		
	प्रतिफल	कृषक पाठशाला	संख्या		
	प्रतिफल	व्यावसायिक कृषि नर्सरी	संख्या		
	प्रतिफल	ब्रान्डेड कृषि उपज	संख्या		



क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	व्यावसायिक फलफुल खेती गरिएको क्षेत्रफल	हेक्टर		
	प्रतिफल	आधुनिक कृषि औजार तथा यन्त्र प्रयोगकर्ता	कृषक संख्या		
	प्रतिफल	कृषि सहकारी संस्था	संख्या		
	प्रतिफल	सामुहिक खेतीमा संलग्न समूह	संख्या		
	प्रतिफल	रैथाने तर नासिने अवस्थामा पुगेका स्थानीय बाली नश्ल	संख्या		
	प्रतिफल	जलवायू अनुकूलन विशेष बालीनाली	संख्या		
	प्रतिफल	सामुदायिक विज बैङ्कको संख्या (२.५.२.४) (प.दि.वि.ल.)			
	असर	स्थानीयस्तरमा उत्पादन भई निकासी हुने विज	संख्या		
	प्रतिफल	जैविक किटनासक प्रयोगकर्ता	कृषक संख्या		
	प्रतिफल	गाउँपालिकाबाट कृषि उपज निर्यात तथा बजारीकरणका लागि दिइएको अनुदान सहायता रकम (२.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	रु लाखमा		
	प्रतिफल	कृषि क्षेत्रलाई छुट्याइएको बजेटको प्रतिशत (कूल बजेटको) (२.क.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	बाली भित्र्याइसकेपछि हुने क्षती	प्रतिशतमा		
	प्रतिफल	सन्तुलित मूल्य शृङ्खलामा समेटिएका कृषि उपज	संख्या		
	प्रतिफल	कृषि तथा पशु प्राविधिक जनशक्ति	संख्या		
	प्रतिफल	कृषिमा आधारित उद्योग	संख्या		
	प्रतिफल	पशुधन निर्यातबाट प्राप्त रकम	लाखमा		
	प्रतिफल	पन्ध्रीजन्य निर्यातबाट प्राप्त रकम	लाखमा		
	प्रतिफल	माछा निर्यातबाट प्राप्त रकम	लाखमा		
	प्रतिफल	मह निर्यातबाट प्राप्त रकम	लाखमा		
	प्रतिफल	कृषक समूह	संख्या		
	प्रतिफल	दुध चिस्यान तथा डेरी	संख्या		
	प्रतिफल	कृषि पकेट जोन/सुपर जोन	संख्या		
	प्रतिफल	व्यावसायिक जडिबुटी खेती गरिएको क्षेत्रफल जडीबुटी नर्सरी	संख्या		
	प्रतिफल	औषधीय गुण भएका तथा सुगन्धित जडिबुटी संख्या (१५.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	व्यावसायिक तरकारी उत्पादन गरिएको क्षेत्रफल	हेक्टर		
	प्रतिफल	कृषि सडकको पहुँचले जोडिएको कृषि क्षेत्रको	प्रतिशत		
	प्रतिफल	रासायनिक मल समयमा प्राप्त हुन नसकि प्रभावित कृषक	प्रतिशत		
	प्रतिफल	व्यावसायिक रुपमा प्राङ्गारिक मल उत्पादन गर्ने कृषक	संख्या		
	प्रतिफल	सघन खेतीपातीले ओगटेको क्षेत्रफल	हेक्टर		
	प्रतिफल	खाद्य सञ्चय तथा भण्डार गोदाम (२.ग.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	कृषि क्षेत्रले ओगटेको पूर्ण रोजगारी	प्रतिशत		
	प्रतिफल	कृत्रिम गर्भादान सेवा संख्या	वार्षिक		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	उन्नत नश्लका पशुपंक्षी स्रोत केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	रैथाने पन्ड्री तथा पशुपालक फार्म	संख्या		
	प्रतिफल	घाँसेवालीले ओगटेको कृषि क्षेत्र	हेक्टरमा		
	प्रतिफल	भेटेरिनरी प्रयोगशाला	संख्या		
	प्रतिफल	कृषि प्रदर्शनी तथा मेला	संख्या वार्षिक		
	प्रतिफल	माछा पोखरीले ओगटेको क्षेत्रफल	हेक्टर		
	प्रतिफल	मौरी घर	संख्या		
	प्रतिफल	कृषि प्राविधिक तालिम तथा अभिमूखीकरण बाट पूर्ण लाभान्वित छु भन्ने कृषक	संख्या		
	प्रतिफल	माछाका भूरा वितरण संख्या	प्रतिवर्ष		

### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ४.२ सिँचाई

### ४.२.१ पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा धान, गहुँ, मकै, कोदो जस्ता खाद्यान्न बाली साथै फलफूल बाली उत्पादनमा राम्रो सम्भावना रहेको छ । हाल गाउँपालिकाभित्र विकासी कुलो-घोडाखोला कुलो, कलड खोला कुलो, धारावाड कुलो, भलावाड कुलो, देउखुरी खोला सिँचाई (ठूलो खुड्खोला)कुलो, पाडल गाडे ठाडो ओडा कुलो, अरेश खोला वौदार वाग्मा सिँचाई योजना, अरेश खोला घोराखर्क वाग्मा रतन पोखरी सिँचाई योजना, अरेश खोला वौदार सिँचाई योजना, अरेश खोला धनमूढा सिँचाई योजना, अरेशखोला साठी मूरे सिँचाई योजना, मनगाड सिँचाई योजना, अरेश खोला सिँचाई योजना, दोखला भिग्रीपाटी सिँचाई योजना, छिम्ची खोला सिँचाई कुलो, चिस्पाखोला भिग्रीपाटी नहर, तल्लो जुटुड खोला नहर, दोखला देखि दोवता पामाड सिँचाई नहर, दामखोला देखि जेम्का सम्म नहर लगायतका सिँचाई आयोजनाहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । यसैगरी पालिकाको वडा नं. २ मा धम्पा खोला सिँचाई (हरिगाउँ महेन्द्री) योजना र हिले सिँचाई कुलो योजना निर्माणाधिन अवस्थामा रहेको छ । वडा नं. ६ मा सञ्चालन भैरहेको धौली गाउँबाट दलङ्गा, सिमबाट आरुखारा कुलोको मर्मत सम्भार गर्न सके पालिका भित्र रहेका खेतीयोग्य जमिनमा पर्याप्त मात्रामा सिँचाई सुविधा पुऱ्याई खाद्यान्न तथा अन्य नगदे बाली उत्पादनमा विशेष टेवा पुग्ने देखिन्छ । सिँचाई कृषि उत्पादनका लागि अत्यावश्यक पूर्वाधार भएको हुँदा उच्च प्राथमिकताका साथ नहर तथा सिँचाई आयोजनाहरू निर्माण गरी सिँचाई कार्य गर्नु नितान्त जरुरी छ ।

## ४.२.२ समस्या तथा चुनौती

### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- उपलब्ध जलस्रोतको पूर्णरूपमा सही सदुपयोग हुन नसकेको हुँदा खेतीयोग्य जमिन बाँझो हुने गरेको ।
- परम्परागत प्रविधिमा आधारित कुलो हरूको मर्मत सम्भार नियमित हुन नसकेको ।
- खोलाजन्य प्रकोपका कारण कुलो तथा सिँचाईका आयोजनाहरूमा प्रत्येक वर्ष क्षति पुग्ने गरेको ।
- पोखरी र खोलानालाहरूमा मानवीय क्रियाकलापका कारण अतिक्रमण बढ्दो रहेको ।
- आधुनिक सिँचाई परियोजनाहरू खर्चिलो भएका कारण ठूलो आकारको बजेट आवश्यकता पर्ने ।
- कृषि विद्युतीकरण मार्फत खेतखेतमा बिजुलीको लाइन लगेर सिँचाईका मेशिन चलाउन खर्चिलो रहेको र सिँचाईका लागि उपयोग हुने मोटरहरूबाट उत्पन्न हुने धुवाले प्रदूषण बढाउने ।
- मुहान संरक्षण गर्न नसकिएको ।

## ४.२.३ सम्भावना तथा अवसर

### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाका खोला नालाहरू तथा भूमिगत जलस्रोतको भण्डार रहेकोले बोरिङ, डिप बोरिङ तथा कुलो मार्फत गाउँपालिकाका सबै वडाहरूलाई सिँचित गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकामा रहेका पानीका मुहानहरूलाई संरक्षण गरी उक्त क्षेत्रहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरी सिँचाई योजना निर्माण गरी कृषि उत्पादनमा व्यापक वृद्धि गर्न सकिने ।
- प्रत्येक वडामा रहेका परम्परागत सिँचाई कुला र नहरहरूको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति गरी सुविधायुक्त बनाउन सकिने ।
- कृषि विद्युतीकरण मार्फत सिँचाई सहजीकरण गर्न सकिने ।
- एकीकृत सिँचाई कार्यक्रमको सम्भाव्यता अध्ययन गरी स्रोतको बहु-उपयोग गर्न सकिने ।
- भौगोलिक अवस्थालाई हेर्दा कृत्रिम जलाशयहरू निर्माण गरेर समेत खेतीयोग्य भूमिमा सिँचाई सुविधा पुऱ्याउन सकिने ।

## ४.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

### दीर्घकालीन सोच

बाढे महिना पूर्ण सिँचाईयुक्त गाउँपालिका

### लक्ष्य

सम्पूर्ण खेतीयोग्य तथा बाँझो जमिनमा दिगो सिँचाईको व्यवस्थापन गरी उच्च प्रतिफलयुक्त कृषि उत्पादनमा योगदान पुऱ्याउने ।

### उद्देश्यहरू

- ✓ सम्पूर्ण खेतीयोग्य तथा बाँझो जमिनमा सिँचाई सुविधा पुऱ्याउनु ।
- ✓ सिँचाई प्रणालीको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु ।

**उद्देश्य १. सम्पूर्ण खेतीयोग्य तथा बाँझो जमिनमा सिँचाई सुविधा पुऱ्याउनु**

रणनीति	कार्यनीति
१.१. परम्परागत तथा वैकल्पिक प्रविधिको प्रयोग गरी खेतीयोग्य जमिनमा सिँचाई सुविधा पुऱ्याउने ।	१.१.१. गाउँपालिका भएर बग्ने खोलानाला, पोखरीहरू, सिमसार क्षेत्रहरू लगायत पानीका मुख्य स्रोतहरू र तिनका जलाधार क्षेत्रको नक्साङ्कन गरी विस्तृत विवरण (inventory profile) तयार गरिनेछ ।
	१.१.२. परम्परागत सिँचाई, कुलो र नहरहरूको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति गरी सुविधायुक्त बनाइनेछ ।
	१.१.३. सम्भाव्यता अध्ययन गरी भूमिगत तथा सतह सिँचाई संरचनाहरू क्रमशः निर्माण गर्दै सिँचाई सुविधा बढाउँदै लगिनेछ ।
	१.१.४. सतह सिँचाईको सम्भावना नभएका स्थानमा वैकल्पिक तथा नयाँ प्रविधिमा आधारित सिँचाई जस्तै थोपा सिँचाई, फोहरा सिँचाई, वर्षातको पानी संकलन, प्लास्टिक पोखरीको सम्भाव्यता अध्ययन गरी उपयुक्त स्थान र वडाहरूमा कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
	१.१.५. जलपर्यावरण र जलश्रोत संरक्षणका हिसाबले अत्यन्त उपयुक्त पोखरीहरूको निर्माण र व्यवस्थापन अभियानका रूपमा सञ्चालन गरी प्रत्येक वडामा बहुउद्देश्यीय नमूना पोखरी निर्माण गरिनेछ । यस अभियान अन्तर्गत पोखरीहरूको पुर्नउत्थानलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।

**उद्देश्य २. सिँचाई प्रणालीको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१. उच्च प्रतिफल युक्त कृषि उत्पादनको सम्भावना बोकेका क्षेत्रलाई प्राथमिकतामा राखेर सिँचाई प्रणालीको विकास गर्ने ।	२.१.१. चक्लाबन्दी भएका क्षेत्र, कृषि पकेट क्षेत्र तथा निजी ठूला कृषि फर्ममा आवश्यकताको आधारमा सिँचाईको व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.१.२. कृषि विद्युतीकरण मार्फत भूमिगत तथा सतहगत सिँचाई प्रणाली सुदृढिकरण गरिनेछ ।
२.२. कृत्रिम जलाशयहरू निर्माण गरी वैकल्पिक सिँचाई प्रवर्द्धन गर्ने ।	२.२.१. प्रत्येक वडामा कृत्रिम जलाशयहरू निर्माण गरी माछापालन, सिँचाई तथा पर्यटकलाई आकर्षित गर्नका लागि सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
२.३. संस्थागत संरचना सुदृढीकरण गर्ने ।	२.३.१. मर्मत सम्भार कोष स्थापना गरी नियमित मर्मत सम्भार गर्ने व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.३.२. पोखरी, खोला तथा मुहान संरक्षणका लागि स्थानीयवासीहरूको सहभागिता सुनिश्चित गरिनेछ साथै सिँचाई उपभोक्ता समितिको क्षमता विकास गरिनेछ ।
	२.३.३. मुहानहरू संरक्षण कार्य योजना जस्तै बायो इन्जिनियरिङ्ग, पोखरी तथा हरित क्षेत्र विकास कार्यक्रम प्रत्येक वडामा सम्भाव्य क्षेत्रमा सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.३.४. मानवीय हस्तक्षेप तथा जलवायु परिवर्तनका कारण जलस्रोत क्षेत्रमा परेको असर न्यूनीकरण गर्ने कार्ययोजना निर्माण गरी लागू गरिनेछ ।
	२.३.५. सिँचाई आयोजना सञ्चालन र व्यवस्थापन प्रणालीलाई स्वचालित र आत्मनिर्भर बनाउनका लागि न्यूनतम उपभोगको मात्रा अनुसार सेवा शुल्क निर्धारण गरी संकलन गरिनेछ ।
	२.३.६. गाउँपालिकामा आवश्यकता र मागको आधारमा सिँचाई कुलो र सिँचाई पोखरीको निर्माण गरि कृषि उत्पादन बढाउने कार्य गरिनेछ ।

## सिँचाईको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१	१.१.	१.१.१	जलाधार क्षेत्र विवरण संकलन तथा नक्साङ्कन		२००				
		१.१.२	कुलो तथा नहरहरूको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति	१५००	१६००	१७००	१८००	२०००	
		१.१.२	सिम खोला सिँचाई कुलो निर्माण कार्य सम्पन्न						
		१.१.२	अरेश खोला वाजुघाट सिँचाई योजना निर्माण						
		१.१.२	काफलबोट सिमकुना लिफ्टड सिँचाई योजना निर्माण						
		१.१.३	भूमिगत तथा सतह सिँचाई सम्भाव्यता अध्ययन तथा निर्माण			३००			
		१.१.४	वैकल्पिक सिँचाईको व्यवस्था		३००	३५०	४००	४५०	
		१.१.५	बहुउद्देश्यीय नमूना पोखरी निर्माण		१००	१५०	१६०	१७०	
२	२.१.	२.१.१.	ठूला कृषि उत्पादन क्षेत्रमा सिँचाईको विशेष व्यवस्था		१५००	१६००	१७००	१८००	
		२.१.२.	कृषि विद्युतीकरण			२५००			
	२.२.	२.२.१.	कृत्रिम जलाशय निर्माणको सम्भाव्यता अध्ययन					३००	
	२.३.	२.३.१.	मर्मत सम्भार कोष स्थापना		३००	३५०			
		२.३.२.	सिँचाई उपभोक्ता समिति तालिम						
		२.३.३.	हरित क्षेत्र विकास कार्यक्रम		१५०	१६०	१७०	१८०	
		२.३.४.	Climate adaptation and mitigation कार्यक्रम		१५०	१६०	१७०	१८०	
		२.३.५.	सिँचाई सेवा शुल्क निर्धारण तथा संकलन	२५०					

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		२.३.६.	पर्याप्त मात्रामा सिँचाईको व्यवस्था गरी कृषि उत्पादनमा वृद्धि	३००	३५०	३६०	३७०	३८०	

#### ४.२.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- सम्पूर्ण खेतीयोग्य तथा बाँझो जमिनमा सिँचाई सुविधा पुगेको हुनेछ ।
- उच्च प्रतिफलयुक्त कृषि उत्पादन भएको हुनेछ ।

#### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	सिँचाई				
	असर	पूर्ण रुपमा सिँचाई भएको क्षेत्रफल	प्रतिशत		
	असर	वैकल्पिक सिँचाई प्रयोगकर्ता कृषक	संख्या		

#### ४.२.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

### ४.३ पर्यटन, साँस्कृतिक तथा सम्पदा

#### ४.३.१ पर्यटन

##### क) पृष्ठभूमि

सुनिलस्मृति गाउँपालिका धार्मिक, ऐतिहासिक, भौगोलिक, सामाजिक तथा साँस्कृतिक हिसाबले प्रसिद्ध रहेको छ । गाउँपालिकाका सबै वडाहरूमा ठूलासाना धार्मिक तथा ऐतिहासिक पर्यटकीय स्थलहरू रहेका छन् । ठूलासाना गरि ४६ वटा भन्दा बढी धार्मिक, साँस्कृतिक, ऐतिहासिक तथा प्राकृतिक सम्पदाहरू रहेको यस गाउँपालिकामा रहेका प्रसिद्ध स्थलहरूमा देउराली कोटी मन्दिर, घोडकोट मन्दिर, खुंग्रीकोट राजदरबार, त्रिपुरासुन्दरी मन्दिर, खुडग्री वेथल चर्च, शिव मन्दिर, भवानी गुफा, बराह मन्दिर, काली पोखरा डाँडा, विसौना धारा, सुनिल पार्क, गजुल कोट, भूमे पुजा स्थल, गजुल डाँडा लगायतका स्थानहरू रहेका छन् । यहाँ होमस्टे र साँस्कृतिक पर्यटनको समेत उत्तिकै सम्भावना रहेको छ । गाउँपालिकामा उर्वर कृषि क्षेत्रहरू रहेकाले ती क्षेत्रहरूलाई नमूना कृषि क्षेत्रको रुपमा विकास

गर्न सके कृषि पर्यटन मार्फत पनि पर्यटकहरूलाई आकर्षित गर्न सकिन्छ । यसका साथै मगर समुदायको बाहुल्यता रहेको यस गाउँपालिकामा बाहिरी पर्यटकहरूको बसाइँ अवधी लम्ब्याउन रैथाने परिकार, परम्परागत पाहुना सत्कार गर्ने शैलीका होमस्टेहरू सञ्चालन गरी साँस्कृतिक पर्यटनको विस्तार गर्न सकिने उत्तिकै सम्भावना छ । तसर्थ हाल पर्यटकहरूका लागि होटल तथा होमस्टेहरूका साथै अन्य आवश्यक सेवा सुविधा विस्तार गर्न आवश्यक रहेको छ ।

## ख) समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>भौगोलिक अवस्थितिका कारण सडक सञ्जाल हुँदा हुँदै पनि पर्यटकीय हिसाबले सहज यातायात पहुँच नहुनु ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>पर्यटक बस्न उपयुक्त पर्याप्त होटल तथा रेष्टुरेण्ट आदिको सुविधा नभएको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>पर्यटन सूचना केन्द्र लगायतका सञ्चारका साधनहरूको पर्याप्त विकास नभएको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>आपतकालीन उद्धारको उचित व्यवस्था नभएको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>पर्यटकको सुरक्षाको उचित प्रबन्ध नभएको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>एकीकृत पर्यटन विकासको योजना नबनेको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>पर्यटनमैत्री कतिपय धार्मिक तथा पर्यटकीय स्थलहरूको जिर्णोद्धार नभएको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>पर्यटक पथप्रदर्शक तथा व्यवसायिक ट्राभल एजेन्सीहरू पर्याप्त नभएको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकाका प्राकृतिक, धार्मिक, ऐतिहासिक र पुरातात्विक महत्वका स्थलहरूका बारेमा पर्याप्त प्रचारप्रसार नभएको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकाको सीमित आयस्रोतका कारण पर्यटकीय पूर्वाधार विकास गर्न चुनौतीपूर्ण भएको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>सुविधा सम्पन्न होटल, रेष्टुरेण्ट तथा लजहरू खोल्न खर्चिलो भएको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>बाह्य पर्यटकहरूको प्रभावले मौलिक संस्कृति लोप हुन सक्ने तर्फ सजग हुनुपर्ने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>पर्यटकहरूका कारण सामाजिक विकृतिहरू बढ्न सक्ने जोखिम रहेको ।</li> </ul>

## ग) सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>केही संख्यामा भए पनि आधारभूत पूर्वाधारयुक्त होटल, तथा लज सञ्चालनमा रहेका ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकाले आन्तरिक पर्यटनका लागि आकर्षक गन्तव्यको संरक्षण, सम्बर्द्धन र विकासलाई विशेष जोड दिने नीति अगाडी सारेको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकामा रहेका धार्मिक, साँस्कृतिक, मौलिक, ऐतिहासिक, प्राकृतिक, प्राचिन महत्वका गन्तव्यहरूको पहिचान गरी प्रचार-प्रसार गर्न सकिने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकाका उपयुक्त स्थलमा निजी क्षेत्रलाई आकर्षित गरी सुविधा सम्पन्न थप होमस्टे, होटेल तथा लजहरू खोल्न सकिने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>स्थानीय मौलिक कला र संस्कृति तथा लोपोन्मुख जातजातिको संस्कृति विकास र संरक्षण गरी अध्ययन केन्द्रको रूपमा विकास गर्न सकिने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकामा रहेका, आदिवासी, जनजाति तथा अन्य जातजातिको संस्कृति र धर्मको संरक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गर्न सकिने ।</li> </ul>

### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- पर्यटनका विभिन्न आयामहरू जस्तै धार्मिक पर्यटन, साँस्कृतिक पर्यटन, पर्यापर्यटन, साहसिक पर्यटन, कृषि पर्यटनको विकास र विस्तार गर्न सकिने ।
- प्रत्येक वर्ष विविध जातजाति महोत्सव आयोजना गरी साँस्कृतिक भाँकी, भेषभूषा प्रदर्शनी, खानपान तथा परम्परागत सिपहरूको प्रदर्शनी गर्न सकिने ।
- पोखरी तथा खोलानालामा माछापालन, कृषि, तरकारी र फलफूल फर्महरू र उद्योगहरू स्थापना गरी कृषि पर्यटकहरू भित्र्याउन सकिने साथै पुरै गाउँपालिकालाई नै नमूना कृषि पर्यटकीय स्थलको रूपमा विकास गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकाले पर्यटन पूर्वाधार निर्माण र विकासमा निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन र सहजीकरण गर्ने नीति लिएको ।

### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

पर्यटन पूर्वाधार विकास : आर्थिक, सामाजिक र साँस्कृतिक सम्बृद्धिको आधार

#### लक्ष्य

आर्थिक, सामाजिक र साँस्कृतिक सम्पन्नताका लागि आगामी ५ वर्षमा पर्यटन क्षेत्रलाई एक आधारशिलाको रूपमा विकास गर्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- ✓ आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्नु ।
- ✓ कृषि पर्यटनको आधार विकास गर्नु ।
- ✓ ऐतिहासिक तथा धार्मिक पर्यटनको विकास गर्नु ।
- ✓ पर्या-पर्यटन तथा शैक्षिक पर्यटनको विकास गर्नु ।

#### उद्देश्य १ : आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ प्रमुख पर्यटकीय स्थलसम्म पुग्ने सडकहरूको स्तरोन्नति गर्ने ।	१.१.१ प्रमुख पर्यटकीय क्षेत्रको विस्तृत विवरण र त्यहाँ पुग्ने प्रमुख मार्गहरूको वस्तुगत विवरण संकलन गरी प्रकाशन गरिनेछ ।
	१.१.२ संघीय र प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा ती प्रमुख पर्यटकीय स्थलसम्म पुग्ने सडक विस्तार तथा स्तरोन्नति गरिनेछ ।
	१.१.३ पर्यटकीय सम्भावना बोकेका क्षेत्रहरूलाई टुरिजम सर्किटको रूपमा विकास गरिनेछ ।
१.२ पर्यटन सूचना व्यवस्थापन तथा सूचना केन्द्रलाई पूर्वाधार सम्पन्न बनाउने ।	१.२.१ गाउँपालिकास्तरीय एक पर्यटन सूचना केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।
	१.२.२ पर्यटकीय क्षेत्र वरपर इन्टरनेट हटस्पटको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.२.३ पर्यटन वेबसाइट निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.४ पर्यटन क्यालेन्डरको विकास गरिनेछ ।
	१.२.५ पर्यटन सम्बद्ध पत्रकारहरूसँग पत्रकार सम्मेलन गरिनेछ ।
	१.२.६ पर्यटन सम्बद्ध Vloggers जस्तै “घुमन्ते” हरूसँग अन्तरक्रिया गरी प्रबर्द्धन सहयोग लिइनेछ ।



**उद्देश्य १ : आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
	१.२.७ पर्यटन सूचना नक्शा तयार गरिनेछ ।
१.३ बसोबासको र सुरक्षाको आवश्यक प्रबन्ध गर्ने ।	१.३.१ गाउँपालिकामा आउने पर्यटकलाई बसोबासको बन्दोबस्ती गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरी होटल, रिसोर्ट खोल्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.३.२ ठूला होटल तथा रिसोर्टको तत्काल व्यवस्था गर्न नसक्ने स्थितिमा घरबास (होमस्टे) पर्यटन प्रवर्द्धन गरिनेछ ।
	१.३.३ गाउँपालिकास्तरीय एक गेस्ट हाउसको निर्माण गरिनेछ ।
	१.३.४ गाउँपालिकास्तरीय आकस्मिक उद्धार संयन्त्रको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.३.५ पर्यटक आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.३.६ अन्तराष्ट्रिय पर्यटक आर्कषण गर्न विशेष सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
१.४ पर्यटन क्षेत्र स्तरीय योजना र पर्यटन विकास समिति निर्माण गर्ने ।	१.४.१ पर्यटन क्षेत्रस्तरीय समितिका सदस्यहरूलाई पर्यटक व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	१.४.२ समिति मार्फत स्थानीय उत्पादन जस्तै रैथाने परिकार, चिनो कोशेली, साँस्कृतिक गतिविधि, मेला सञ्चालन गर्न तालिम तथा अभिमूखीकरण गरिनेछ ।
	१.४.३ पर्यटन व्यवसायमा लाग्न इच्छुक युवा तथा लगानीकर्ताको पहिचान गरी अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	१.४.४ घरबास पर्यटन तथा अन्य पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न पर्यटन व्यवसायीलाई लागत सहभागितामा आतिथ्य सत्कार (Hospitality) तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.४.५ समग्र क्षेत्रलाई समेटेर एक पर्यटन विकास गुरुयोजना निर्माण गरिनेछ ।
	१.४.६ दिगो पर्यटन विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.४.७ पर्यटनलाई रोजगार कार्यक्रमहरूसँग समाहित गरी रोजगारी अभिवृद्धि गरिनेछ ।
	१.४.८ सुनिलस्मृति भ्रमण वर्ष २०८५ घोषणा गरी घुमौं सुनिलस्मृति अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.४.९ सुनिलस्मृति पर्यटकीय स्तम्भ (ICONIC TOURISM LANDMARK) निर्माण गरिनेछ ।

**उद्देश्य २: कृषि पर्यटनको आधार विकास गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ सघन कृषि क्षेत्रको विकास गर्ने ।	२.१.१ फलफूल, जडिबुटी, पशुपंक्षीपालन तथा नगदेवाली नमुना सघन क्षेत्रहरूको राष्ट्रिय र क्षेत्रियस्तरमा प्रचारप्रसार गर्न पत्रकार सम्मेलन गरिनेछ ।
	२.१.२ कृषि विषय अध्ययनरत विद्यार्थीहरूलाई परियोजना कार्य तथा अध्ययनका लागि कृषि क्याम्पसहरूसँग समन्वय गरी गाउँपालिकामा आर्कषण गरिनेछ ।

**उद्देश्य ३ : ऐतिहासिक तथा धार्मिक पर्यटनको विकास गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
३.१ धार्मिक स्थलको निर्माण र जिर्णोद्धार गर्ने ।	३.१.१ सम्पूर्ण धार्मिक स्थलहरूको विस्तृत विवरण सहित ब्रोसर तयार पारिनेछ ।
	३.१.२ प्राथमिकता प्राप्त मुख्य धार्मिक तथा ऐतिहासिक पर्यटकीय स्थलहरूको डि.पि.आर तथा गुरुयोजना तयार पारिनेछ ।
	३.१.३ प्राथमिकता प्राप्त धार्मिक स्थलको जिर्णोद्धार तथा निर्माण कार्य थालनी गरिनेछ ।
	३.१.४ प्रत्येक वडामा रहेका प्रमुख धार्मिक स्थलहरू व्यवस्थापन योजना निर्माण गरिनेछ ।
३.२ गाउँपालिकाका पर्यटकीय स्थलहरूको प्रचार प्रसार गर्ने ।	३.२.१ पर्यटन प्रवर्द्धनको लागि धार्मिक, सांस्कृतिक मेला, महोत्सव आयोजना गरिनेछ ।
	३.२.२ सबै धार्मिक र पर्यटकीय क्षेत्र समेटेर वृत्तचित्र निर्माण गरी सामाजिक सञ्जाल मार्फत प्रचार प्रसार गरिनेछ ।
	३.२.३ नवीन पर्यटकीय गन्तव्य र गतिविधिको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	३.२.४ सम्पूर्ण जात तथा धर्मको परम्परा तथा संस्कृती संरक्षण गरिनेछ ।
	३.२.५ पर्यटन मार्गको निर्माण गरी सामाजिक सञ्जाल मार्फत प्रचार प्रसार गरिनेछ ।

**उद्देश्य ४: पर्यापर्यटन तथा शैक्षिक पर्यटनको विकास गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
४.१ गाउँपालिका भर सञ्चालन गर्न सकिने सम्पूर्ण पदमार्गहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गर्ने ।	४.१.१ गाउँपालिकाभर सञ्चालन हुन सक्ने पदमार्गहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरी विवरण प्रकाशन गरिनेछ ।
	४.१.२ गाउँपालिकाको वन सम्पदामा आधारित पदमार्ग पहिचान गरी वन्य जन्तु तथा चरा साथै वनस्पति अवलोकन गर्न पर्यटक आकर्षण गरिनेछ ।
४.२ सुनिलस्मृति क्षेत्रबारे प्रचार गर्न शैक्षिक संघ संस्था, शिक्षण संस्थसँग सहकार्य गर्ने ।	४.२.१ यस गाउँपालिकाबाट अध्ययन गरी उच्च शिक्षा हासिल गरी बाहिरिएका महानुभावहरूसँग अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	४.२.२ गाउँपालिकाबाट निकट रहेका कृषि क्याम्पस, इन्जिनियरिङ्ग कलेज र अन्य कलेजसँग अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	४.२.३ यस गाउँपालिकालाई केन्द्रित गरी मानवशास्त्री, संस्कृति जस्ता विषयमा शोध अध्ययन गर्न चाहने विद्यार्थीहरूलाई मापदण्डका आधारमा प्रोत्साहन छात्रवृत्तिको व्यवस्था गरिनेछ ।
	४.२.४ गाउँपालिकाबाट उच्च शिक्षाका लागि बाहिरिने विद्यार्थीहरूलाई पर्यटन स्वयंसेवा अन्तर्गत पर्यटन Ambassador घोषणा गर्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	४.२.५ शैक्षिक भ्रमणमा आउने विद्यार्थी तथा अनुसन्धानकर्ताको बसोबासको व्यवस्था मिलाउन पर्यटन क्षेत्रस्तरीय समितिलाई व्यवस्थापन तालिम दिइनेछ ।
	४.२.६ शैक्षिक पर्यटन अन्तर्गत गर्न सकिने गतिविधिहरूको अध्ययन गरी विस्तृत विवरण तयार पारिनेछ ।

पर्यटन, साँस्कृति तथा सम्पदा क्षेत्रको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	पर्यटकीय मार्गको वस्तुगत विवरण संकलन तथा प्रकाशन		१२००				
		१.१.२	मुख्य पर्यटकीय केन्द्र जोड्ने सडक विस्तार तथा स्तरोन्नति						
		१.१.३	टुरिजम सर्किटको निर्माण			२५००			
	१.२	१.२.१	पर्यटन सूचना केन्द्रको स्थापना		५००				
		१.२.२	प्रमुख पर्यटकीय क्षेत्रमा Hotspot सेवाको प्रबन्ध		२००	३००	३५०	४००	
		१.२.३	पर्यटन (Portal) वेबसाइट निर्माण			७००			
		१.२.४	वार्षिक पर्यटन पात्रोको निर्माण		२०	२५	३०	३५	
		१.२.५	पर्यटन सम्बन्धी पत्रकार सम्मेलन		१०	१२	१३	१४	
		१.२.६	पर्यटन सम्बन्धी Vloggers संग अन्तरक्रिया		१०	१२	१३	१४	
		१.२.७	पर्यटन सूचना नक्शा तयार			५००			
	१.३	१.३.१	सम्भाव्य स्थानमा होटल तथा रिसोर्ट खोल्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया		१०	१२	१३	१४	
		१.३.२	आदिवासी जनजाति सघन क्षेत्रमा होमस्टे सञ्चालन तालिम प्रदान		४००	४५०		५००	
		१.३.३	गेष्ट हाउस निर्माण				१५००		
		१.३.४	आकस्मिक उद्धार संयन्त्रको निर्माण		१५००		१६००		
		१.३.५	पर्यटक आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाको व्यवस्था						
		१.३.६	अन्तराष्ट्रिय पर्यटकहरुको संख्या वृद्धि गर्न सम्भाव्यता अध्ययन			३००			
	१.४	१.४.१	पर्यटक व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था		३००	३५०		४००	
		१.४.२	स्थानीय मौलिक उत्पादन, चिनो, परिकार आदि निर्माण तालिम			४५०	४५०		

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		१.४.३	पर्यटन व्यवसायमा लाग्न चाहने उद्यमीहरूसँग अन्तरक्रिया		१०	१२	१३	१४	
		१.४.४	घरबास तथा अन्य पर्यटन सम्बन्धी आतिथ्य सत्कार तालिम		४५०		५००		
		१.४.५	पर्यटन विकास गुरुयोजना निर्माण			१५००			
		१.४.६	दिगो पर्यटन विकास कार्यक्रम निर्माण		१००	१२०	१३०	१४०	
		१.४.७	पर्यटन रोजगार प्रबर्द्धन कार्यक्रम निर्माण			१५००			
		१.४.८	घुमौ सुनिलस्मृति अभियान सञ्चालन		१०	१२	१३	१४	
		१.४.९	सुनिलस्मृति पर्यटकीय स्तम्भ निर्माण		४००				
२.	२.१	२.१.१	कृषि पकेट क्षेत्रको प्रचार प्रसार		१०	१२	१३	१४	
		२.१.२	कृषि क्याम्पस तथा विद्यार्थीहरूसँग अन्तरक्रिया		१०	१२	१३	१४	
३.	३.१	३.१.१	धार्मिक र अन्य पर्यटकीय क्षेत्र विशेष ब्रोसर निर्माण			३००			
		३.१.२	मुख्य धार्मिक तथा पर्यटकीय क्षेत्र विकास गुरुयोजना निर्माण				१४००		
		३.१.३	प्रमुख धार्मिक क्षेत्रहरूको जिर्णोद्धार तथा निर्माण		१०००	१२००	१३००	१४००	
		३.१.४	वडास्तरीय धार्मिक स्थलहरू व्यवस्थापन योजना निर्माण			१५००			
	३.२	३.२.१	पर्यटन प्रबर्द्धनको लागि धार्मिक, साँस्कृतिक मेला, महोत्सव आयोजना		१०००	१२००	१३००	१४००	
		३.२.२	धार्मिक तथा अन्य पर्यटकीय क्षेत्र समेटेर एक वृत्तचित्र निर्माण					४००	
		३.२.३	नविन पर्यटकीय गन्तव्य र गतिविधिहरूको सम्भाव्यता अध्ययन		२००				
		३.२.४	सम्पूर्ण जात तथा धर्मको परम्परा तथा संस्कृती संरक्षण		१०	१२	१३	१४	
		३.२.५	पर्यटन मार्गको सामाजिक सञ्जाल मार्फत प्रचार प्रसार		१०	१२	१३	१४	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
४	४.१	४.१.१	गाउँपालिकाभर सञ्चालन हुन सक्ने पदमार्गहरूको सम्भाव्यता अध्ययन			२००			
		४.१.२	वन सम्पदामा आधारित पदमार्ग पहिचान				३००		
	४.२	४.२.१	गाउँपालिकाबाट बाहिरिएका महानुभावहरूसँग अन्तरक्रिया		१०	१२	१३	१४	
		४.२.२	गाउँपालिकाको नजिकको दुरीमा रहेका शैक्षिक संस्थाहरूसँग अन्तरक्रिया		१०	१२	१३	१४	
		४.२.३	विद्यार्थीलाई प्रोत्साहन छात्रवृत्तिको व्यवस्था			२५०			
		४.२.४	पर्यटन स्वयंसेवक तथा Ambassador घोषणा तथा अभिमूखीकरण		१०	१२	१३	१४	
		४.२.५	विद्यार्थी पर्यटक बसोबास व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम तथा अन्तरक्रिया		४००	४५०	५००	६००	
		४.२.६	शैक्षिक पर्यटन गतिविधिको अध्ययन		१०	१२	१३	१४	

### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ आधारभूत पर्यटन पूर्वाधारको विकास हुनेछ ।
- ✓ कृषक पर्यटकहरूको आवागमन हुनेछ ।
- ✓ ऐतिहासिक तथा धार्मिक पर्यटनको विकास हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	पर्यटन				
	प्रतिफल	पर्यटक आगमन (८.९.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	पर्यटनबाट श्रृजित रोजगारी (८.९.१.३) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	कूल ग्राहस्थ उत्पादनमा योगदान (८.९.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	दिगो पर्यटन नीति तथा कार्यक्रम कार्यान्वयन (१२.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	पर्यटक बसाइँ अवधि	दिन		
	असर	प्रति पर्यटक प्रतिदिन खर्च	अमेरिकी डलर		
	प्रतिफल	आधारभूत पूर्वाधार पूर्ण भएका पर्यटकीय गन्तव्य	संख्या		
	प्रतिफल	तालिम प्राप्त पर्यटन सम्बद्ध जनशक्ति	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन सम्बद्ध ब्रोसर तथा प्रोफाइल	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटकीय क्षेत्र Hotspot	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन पत्रकार तथा Vlogger अन्तरक्रिया	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटक उद्धार तथा सहायता वार्षिक	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन प्याकेज तथा गतिविधि	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन सम्बन्धी तालिम	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटकीय क्षेत्र संरक्षण निर्माण	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन मेला तथा महोत्सव	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन वृत्तचित्र	संख्या		
	प्रतिफल	अन्तर्राष्ट्रिय पर्यटक	संख्या		
	प्रतिफल	आधारभूत सुविधायुक्त होटल, रिसोर्ट, लज	संख्या		
	प्रतिफल	होमस्टे	संख्या		
	प्रतिफल	पर्यटन सूचना केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	वार्षिक पर्यटन पात्रो अन्तर्गत समेटिएका पर्यटन गतिविधि	संख्या		
	प्रतिफल	चिनो, कोशेली तथा पर्यटन सामग्री बिक्री केन्द्र	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	नविनतम पर्यटन गन्तव्य	संख्या		
	प्रतिफल	पक्की सडकको पहुँच पुगेका पर्यटन गन्तव्य	संख्या		
	प्रतिफल	पूर्णरूपमा पर्यटनमा संलग्न रोजगारको	संख्या		

### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

### ४.३.२ संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्य

#### क) पृष्ठभूमि

कुनै पनि समुदायको आफ्नै विशिष्ट पहिचान, जीवनशैली, भेषभूषा र रहनसहन हुन्छ । सदियौं देखि अभ्यास गर्दै आइरहेका रीतिरिवाजले मानिसको दैनिक जीवनलाई नियमित र व्यवस्थित गर्न सहयोग पुऱ्याइरहेको हुन्छ । अर्कोतर्फ समुदायपिच्छे आ-आफ्ना धर्म, संस्कृति, रीतिरिवाज र परम्पराहरू हुन्छन् । ती फरक रीतिरिवाज, रहनसहन र परम्पराहरू समुदाय र समाजका विशिष्ट पहिचान साथै बौद्धिक सम्पदा (Intellectual Property) भएकोले तिनीहरूको संरक्षण गर्नु जरुरी छ । यो गाउँपालिका यस्ता मौलिक तथा साँस्कृतिक विविधतामा धनी गाउँपालिका हो । राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकाको कुल जनसंख्यामध्ये हिन्दु धर्म मान्ने सबैभन्दा बढि ३०,०७६ अर्थात् ९८.२ प्रतिशत रहेका छन् । यसैगरी दोस्रोमा प्रकृति धर्मावलम्बीहरू २५२ अर्थात् ०.८ प्रतिशत रहेका छन् भने बाँकी १८५ अर्थात् ०.६ प्रतिशतले इस्लाम धर्म मान्ने गरेका छन् । जातजाति गत हिसाबले हेर्दा यहाँ सबै भन्दा बढि मगर, दोस्रोमा क्षेत्री र तेस्रोमा विश्वकर्माहरूको बसोबास रहेको छ । यसका साथै यहाँ सन्यासी/दसनामी, परियार, ब्राम्हण, ठकुरी, मिजार, मुसलमान, नेवार लगायतका समुदायका व्यक्तिहरू बसोबास गर्दछन् । यहाँ बसोबास गर्ने विभिन्न जातजाति र सम्प्रदायका आ-आफ्नै किसिमको धर्म, साँस्कृति र चालचलनहरू छन् । यहाँ जनैपूर्णिमा, कृष्ण जन्माष्टमी, तिज दशैं, तिहार, माघे संक्रान्ति, होली, छठ, शिवरात्री, नयाँ वर्ष, बुद्ध पूर्णिमा, क्रिश्मस जस्ता विभिन्न चाडपर्व एवं साँस्कृतिक उत्सवहरू मनाउने गरिन्छ । परम्परागत साँस्कृतिमा आधारित भ्याउरे भाका र दोहोरी गीतका साथै सोरठी नाच, लाखेनाच, ख्याली टप्पा, भ्याउरे नाच यस यहाँका प्रसिद्ध नाचहरू हुन् ।

## ख) समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ पश्चिमा संस्कृति तथा विदेशी सञ्चार माध्यमको प्रभावका कारण मौलिक संस्कृति लोप हुने जोखिम रहेको ।
■ साँस्कृतिक धरोहरहरूको संरक्षणका लागि ठोस कार्ययोजना नबनेको ।
■ विभिन्न धार्मिक स्थलहरू मर्मत सम्भार नहुँदा जीर्ण अवस्थामा पुगेको ।
■ कतिपय आदिवासी जनजातिहरू विपन्न अवस्थामा रहेकोले उनीहरूको सबलीकरणका लागि ठोस कार्यक्रमहरू नभएको ।
■ कतिपय प्राचीन धरोहरहरू उचित प्रचारप्रसार, संरक्षण तथा जिर्णोद्धारको पर्खाइमा रहेको ।
■ समुदाय र राज्य दुवैको उदासिनताका कारण स्थानीय र मौलिक साँस्कृतिक लोप भई पहिचान नै संकटमा पर्न सक्ने ।
■ विभिन्न जातिको भेषभुषा तथा भाषाको संरक्षण गर्नुपर्ने ।
■ सम्बन्धित समुदाय र राज्यले मिलेर साँस्कृतिक संरक्षण प्रवर्द्धनमा ठोस र दीर्घकालीन कार्यक्रमहरू तत्काल सञ्चालन गर्नुपर्ने ।
■ विभिन्न लोक भाकाको संरक्षण गर्नुपर्ने ।
■ आर्थिक प्रलोभनमा पारी धर्म परिवर्तन गराउने परिपाटी रोक्नुपर्ने ।

## घ) सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
■ गाउँपालिकामा मगर, क्षेत्री, विश्वकर्मा, सन्यासी/दसनामी, परियार, ब्राम्हण, ठकुरी, मिजार, मुसलमान, नेवार लगायतका जातिहरूको बसोबास रहेको ।
■ विविध जात, धर्म, सम्प्रदाय र संस्कृतिका समुदायहरू सौहार्दपूर्ण वातावरणमा बसेको ।
■ धार्मिक हिसाबले विभिन्न धर्मावलम्बीहरूले आफ्ना धर्म, संस्कृति र परम्परा कायम राखिरहेको ।
■ विविध समुदायहरूको मानवशास्त्रीय अध्ययनका लागि शैक्षिक पर्यटनको गन्तव्यस्थल बनाउन सकिने ।
■ कला, संस्कृतिलाई अर्थोपार्जनमा जोड्न सकिने ।
■ गाउँपालिकाभित्र धार्मिक स्थल लगायत विभिन्न जाति तथा समुदायका आ-आफ्ना मठ, मन्दिर तथा धार्मिक स्थलहरू रहेका ।
■ आदिवासी जनजातिका विविध साँस्कृतिक सम्पदाहरू रहेकोले साँस्कृतिक सङ्ग्रहालय तथा साँस्कृतिक केन्द्रहरूको रूपमा विकास सकिने ।
■ चाडपर्वको अवसरमा नाचगान गर्दा धोती, कुर्ता, लेहंगा, ब्लाउज, दौरा सुरुवाल, चौबन्दी चोली तथा जातिय पहिचान भल्कने साँस्कृतिक भेषभुषाबाट संस्कृतिको जर्गेना गर्ने प्रयास भइरहेको ।
■ गाउँपालिकालाई मौलिक संस्कृति र सभ्यताको केन्द्रको रूपमा विकास गरी साँस्कृतिक पर्यटन प्रवर्द्धन गर्न सकिने ।
■ गाउँपालिका क्षेत्रका सर्जक तथा कलाकारको उत्थान र वृत्ति विकास गर्न सकिने ।
■ गाउँपालिका क्षेत्रमा रहेका विभिन्न धार्मिक तथा साँस्कृतिक स्थलहरूको विकास गर्न सकिने ।
■ लोपोन्मुख लोकभाका तथा परम्परागत बाजागाजाको संरक्षण गरी लोक संस्कृतिको उत्थान गर्न सकिने ।



घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

<b>दीर्घकालीन सोच</b>
<b>सभ्य र सु-संस्कृति समाजको निर्माण</b>
<b>लक्ष्य</b>
संस्कृति, भाषा, कला र साहित्यको जर्गेना र विकास मार्फत सभ्य र सौहार्दपूर्ण समाजको स्थापना गर्ने ।
<b>उद्देश्यहरू</b>
<ul style="list-style-type: none"> <li>✓ स्थानीय पहिचान कायम हुने भाषा, कला, संस्कृति, साहित्यको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु ।</li> <li>✓ संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको श्रृजनात्मक विकासमा टेवा पुऱ्याउनु ।</li> </ul>

उद्देश्य .१. : स्थानीय पहिचान कायम हुने भाषा, कला, संस्कृति, साहित्यको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ साँस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको वस्तुगत अभिलेखीकरण गर्ने ।	१.१.१ गाउँपालिकामा प्रचलनमा रहेका सबै प्रकारका अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदा (Intangible Cultural Heritage) को वस्तुगत तथा विस्तृत पार्श्वचित्र तयार पारिने छ ।
	१.१.२ सबै बौद्धिक सम्पदा (Intellectual Property) को विवरण प्रकाशन गरिनेछ ।
	१.१.३ यस प्रकारका साँस्कृतिक तथा बौद्धिक सम्पदाहरूलाई स्थानीय पाठ्यक्रममा समावेश गरिनेछ ।
	१.१.४ गाउँपालिकाको मौलिकता दर्साउने सम्पदा समेटेर वृत्तचित्रहरू निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.५ गाउँपालिकाबाट प्रादेशिक तथा राष्ट्रिय कला, संस्कृति र साहित्यमा योगदान पुऱ्याउने लेखक, गायक, अभिनेता, संगीतकार, रंगकर्मी, नृत्याङ्गना, साहित्यकार साँस्कृतिविद लगायतका कलाकारको विस्तृत विवरण तयार पारिनेछ ।
	१.१.६ लोपोन्मुख अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदाहरूलाई संस्थागत स्मरणमा ( Institutional Memory) राख्न कला संस्कृति तथा साहित्यप्रेमी कलाकारहरूको सहयोगमा रेकर्ड गरिनेछ । जस्तै लोक गीत, लोक कथा, लोक गाथा आदि ।
१.२ भाषा, संस्कृति, कला साहित्यलाई जीवन्त तुल्याउने ।	१.२.१ वर्षभरी निरन्तर साँस्कृतिक र साहित्यिक गतिविधि सञ्चालन र त्यसको निरन्तरताका लागि एक वार्षिक भाषा, कला, साहित्य तथा साँस्कृति पात्रो निर्माण गरी लागू गरिनेछ ।
	१.२.२ विद्यालयस्तरमा कला, साहित्य र संस्कृतिमा विशेष भुकाव भएका विद्यार्थीहरूको पहिचान गरी अभिलेख तयार पारिनेछ ।
	१.२.३ त्यस्ता प्रतिभाहरूको प्रतिभा उजागर गर्न हरेक महिना विद्यालयस्तरीय र निश्चित समयको अन्तरालमा अन्तरविद्यालय साँस्कृतिक, साहित्यिक प्रतियोगिता आयोजना गरिनेछ ।
	१.२.४ राष्ट्रिय र प्रादेशिक तहका प्रतियोगितामा भाग लिने कलाकार साहित्यकार आदिको प्रशिक्षण तथा तयारीका लागि एक प्रोत्साहन कोषको निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.५ वडास्तरीय साँस्कृतिक समितिहरू गठन गरी वार्षिक साँस्कृतिक पात्रो कार्यान्वयनमा ल्याउन साँस्कृतिक अभ्यासहरू सञ्चालन गरिनेछ ।

उद्देश्य .१. : स्थानीय पहिचान कायम हुने भाषा, कला, संस्कृति, साहित्यको संरक्षण र प्रवर्द्धन गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
	१.२.६ हरेक विशेष चाडपर्व मेला र साँस्कृतिक उत्सवलाई भव्य बनाउन साँस्कृतिक समितिहरूलाई जिम्मेवारी प्रदान गरी सो सञ्चालनका लागि रकमहरूको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.२.७ साँस्कृतिक गतिविधिहरू पर्यटनसँग आबद्ध गर्न व्यापक प्रचार प्रसार गरिनेछ ।
	१.२.८ मातृभाषामा आधारभूत शिक्षा दिन सकिने समुदायका बारेमा सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.२.९ लोपोन्मुख साँस्कृतिक गाथाहरू संरक्षण गर्न विशेष समारोह आयोजना गरिनेछ ।

उद्देश्य २: साँस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको श्रृजनात्मक विकासमा टेवा पुऱ्याउनु ।

रणनीति	कार्यनीति
२.१ कला, साहित्य, भाषा र साँस्कृतिक सर्जकहरूलाई सहयोग र प्रोत्साहन गर्ने ।	२.१.१ कला, साहित्य, भाषा तथा साँस्कृतिक सर्जकहरूलाई यी क्षेत्रको विकासका लागि आवश्यक मागहरूको सम्बोधन गर्न विशेष अन्तरक्रिया आयोजना गरिनेछ ।
	२.१.२ यस प्रकारका सर्जकहरूलाई सहयोग र प्रोत्साहन तथा पुरस्कृत गर्न एक गाउँपालिकास्तरीय साँस्कृतिक कोषको निर्माण गरिनेछ ।
	२.१.३ विभिन्न राष्ट्रिय तथा गाउँपालिका स्तरीय विशेष अवसरमा यस्ता सर्जक तथा कलाकारहरूलाई सम्मान र पुरस्कृत गरिनेछ ।
	२.१.४ हरेक विद्यालयमा अतिरिक्त क्रियाकलापहरूमा यी विषय समावेश गरी नियमित अभ्यास र पठनपाठन गर्न आंशिक शिक्षकको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	२.१.५ वडास्तरीय भाँकीहरू प्रस्तुत गर्न साँस्कृतिक समिति मार्फत अभ्यास सञ्चालन गरिनेछ ।
२.२ साँस्कृतिक, साहित्यिक, भाषिक तथा कला सम्बन्धी पूर्वाधार निर्माण गर्ने ।	२.२.१ गाउँपालिकास्तरीय एक साँस्कृतिक केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।
	२.२.२ साँस्कृतिक केन्द्रलाई चलायमान बनाउन नाटक, नृत्य, सांगितिक कार्यक्रम, साहित्यिक कार्यक्रम, चित्रकला प्रदर्शनीहरूको साँस्कृतिक पात्रो बमोजिम आयोजना गरिनेछ ।
	२.२.३ हरेक वर्षमा एक पटक साँस्कृतिक पर्व (Cultural Festival) को आयोजना गरिनेछ ।
	२.२.४ गाउँपालिकास्तरीय एक कला संग्रहालयको निर्माण गरिनेछ ।
	२.२.५ भाषा, कला तथा साहित्यमा अभिरुची हुनेहरूको संलग्नतामा एक गाउँपालिकास्तरीय बौद्धिक समाज निर्माण गर्न अन्तरक्रिया सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.२.६ गाउँपालिकास्तरीय बौद्धिक समाजको मुखपत्र मार्फत बौद्धिक तथा साहित्यिक लेखरचनाहरू नियमित प्रकाशन गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।

संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्यको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदाको Inventory तयारी	५०					
		१.१.२	बौद्धिक सम्पदाको विवरण प्रकाशन	३०					
		१.१.३	साँस्कृतिक सम्पदा सम्बन्धी पाठ्यक्रम निर्माण		१००				
		१.१.४	साँस्कृतिक वृत्तचित्र निर्माण		१००				
		१.१.५	लेखक, कलाकार, साहित्यकारहरूको विवरण संकलन	२०					
		१.१.६	लोपोन्मुख साँस्कृतिक सम्पदाहरूलाई कलाकारहरूको सहयोगमा रेकर्ड	२०		२०		२०	
	१.२	१.२.१	साँस्कृतिक पात्रो निर्माण	४०	४०	४०	४०	४०	
		१.२.२	विशेष कला भएका विद्यार्थी पहिचान	३०	३०	३०	३०	३०	
		१.२.३	विद्यालय तथा अन्तर विद्यालय साँस्कृतिक प्रतियोगिता	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.२.४	साँस्कृतिक प्रतियोगिता तयारी कोष निर्माण	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.५	साँस्कृतिक समितिहरू मार्फत अभ्यासका लागि प्रोत्साहन अनुदान	६०	६०	६०	६०	६०	
		१.२.६	विशेष पर्व तथा उत्सव तयारी अनुदान	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.७	साँस्कृतिक गतिविधि प्रचारप्रसार गरी पर्यटन प्रवर्द्धन	४०	४०	४०	४०	४०	
		१.२.८	मातृभाषामा आधारभूत शिक्षाका लागि सम्भाव्यता अध्ययन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.९	लोपोन्मुख साँस्कृतिक गाथा संरक्षण कार्यक्रम	१००	१००	१००	१००	१००	
२.	२.१	२.१.१	कला, साहित्य र साँस्कृतिका सर्जक तथा कलाकारहरूसँग अन्तरक्रिया	४०	४०	४०	४०	४०	
		२.१.२	गाउँपालिकास्तरीय साँस्कृतिक कोषको निर्माण	२००					
		२.१.३	कलाकार, सर्जक तथा कला-पत्रकार सम्मान	८०	८०	८०	८०	८०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		२.१.४	साँस्कृतिक गतिविधि तथा पठनपाठनका लागि आंशिक शिक्षक व्यवस्थापन	७०	७०	७०	७०	७०	
		२.१.५	साँस्कृतिक भाँकी तयारी	१००					
	२.२	२.२.१	साँस्कृतिक केन्द्र स्थापना			३००	३५०	४००	
		२.२.२	साँस्कृतिक पात्रो बमोजिम साँस्कृतिक क्रियाकलापको आयोजना	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		२.२.३	नियमित साँस्कृतिक गतिविधि, उत्सव (Cultural Festival) आयोजना	२००	२५०	३००	३५०	४००	
		२.२.४	साँस्कृतिक केन्द्रमा रहने एक कला संग्रहालयको निर्माण			७००			
		२.२.५	गाउँपालिकास्तरीय बौद्धिक समाज निर्माण गर्न अन्तरक्रिया सञ्चालन	१५०	१५०	१५०	१५०	१५०	
		२.२.६	गाउँपालिकास्तरीय बौद्धिक समाज मुखपत्र सम्बन्धी सम्भाव्यता अध्ययन		६००				

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	संस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्य				
	प्रतिफल	साँस्कृतिक सम्पदाको संरक्षणको निम्ती विनियोजन गरेको बजेट (१४.४.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	अमूर्त साँस्कृतिक सम्पदामा सूचीकृत सम्पदा	संख्या		
	प्रतिफल	साँस्कृतिक सम्पदा मध्ये स्थानीय पाठ्यक्रमका समावेश (सम्पदा)	संख्या		
	प्रतिफल	साँस्कृतिक वृत्त चित्र	संख्या		
	प्रतिफल	कलाकार विवरणमा समावेश कलाकार	संख्या		
	प्रतिफल	साँस्कृतिक पात्रोमा समावेश गतिविधि (वार्षिक)	संख्या		
	प्रतिफल	साँस्कृतिक प्रतियोगिता तथा कार्यक्रम (वार्षिक)	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	स्थानीय मातृभाषा पाठ्यक्रम	संख्या		
	प्रतिफल	साहित्यिक गतिविधि (कार्यक्रम) (वार्षिक)	संख्या		
	प्रतिफल	कला तथा भाँकी प्रदर्शनी (वार्षिक)	संख्या		
	प्रतिफल	साँस्कृतिक केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	कला तथा संगीत प्रशिक्षण केन्द्र	संख्या		
	प्रतिफल	स्थानीय साहित्यकार तथा लेखक	संख्या		
	प्रतिफल	संरक्षित लोपोन्मुख स्थानीय कला, गाथा साँस्कृतिक बौद्धिक समाज तथा क्लब	संख्या		
	प्रतिफल	बौद्धिक सम्पदाको रुपमा सूचीकृत सम्पदा	संख्या		
	प्रतिफल	साँस्कृतिक समिति तथा क्लब संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	साँस्कृतिक उत्सव (Art and Literature Festival)	संख्या		
	प्रतिफल	कला संग्रहालय	संख्या		

## ४.४ उद्योग, व्यापार, व्यवसाय तथा आपूर्ति

### ४.४.१ उद्योग, व्यापार तथा व्यवसाय

#### क) पृष्ठभूमि

सुनिलस्मृति गाउँपालिकामा मुख्यतया कृषि पेशामा संलग्न घरपरिवारको संख्या बढी भएकोले विशेषगरी कृषिमा आधारित साना तथा घरेलु उद्योगहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । यहाँ व्यवसायिक रूपमा गाई, भैंसी, बंगुर, माछा, कुखुरा, बाखा आदि पालन सुरुवाती चरणमा रहेको छ । यसका साथै पालिकाको लुङ्ग्री खोला सुलीचौमा सुनखानी, वडा न. ७ मा चुनखानी, वडा न. ३ को फगाम खोलामा सुनखानी, भिरपाटीमा सिसा खानी तथा धनिपोखरामा तामाखानी, वडा न. ५ को चुममा ढुङ्गा खानी रिधिममा फलाम खानी र तामा खानी वडा न. ६ को खेमलगाड खोलामा छाना छाउन प्रयोग हुने सिलेट खानी तथा वडा न. ९ को घोडाकोटमा सिसाखानी रहेको प्रारम्भिक अनुसन्धानमा संकेतहरू पाइएता पनि यसको उचित अनुसन्धान र उत्खनन कार्य नभएको अवस्था छ । यस्ता खनिजहरूका सम्बन्धमा सम्भावना अध्ययन गर्न आवश्यक देखिन्छ । गाउँपालिकामा वन क्षेत्र प्रसस्त भएकोले कृषि तथा जडिबुटी प्रशोधन सम्बन्धी उद्योगहरूको पनि राम्रो सम्भावना भएकाले उद्योग वाणिज्य क्षेत्रको विकासका लागि ठोस कदम चाल्नुपर्ने देखिन्छ ।

#### ख) समस्या तथा चुनौती

##### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- युवा जनशक्ति विदेश पलायन भइरहेको ।
- औद्योगिक उत्पादनको सिप सिकाउने शिक्षा प्रणाली नभएको ।
- गाउँपालिकाका बजार केन्द्रहरूमा ठूलो स्तरको आर्थिक गतिविधि नभएको ।
- निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षण गर्न नसकिएको ।
- वित्तीय सुरक्षाको पर्याप्त प्रत्याभूति नभएको ।
- स्थानीय पूँजी बजारको विकास आशातित रूपमा नभएको ।
- उद्योगमा संलग्न मजदुर तथा औद्योगिक क्रियाकलापका दौरान सामाजिक जटिलता, अपराध आदिको वृद्धि हुन सक्ने ।
- लगानी सुरक्षाको वातावरण आवश्यक पर्ने ।
- औद्योगिक पूर्वाधार विकासमा यथेष्ट बजेट व्यवस्था गरी योजनाबद्ध ढङ्गले लाग्नुपर्ने ।
- उद्योग विकासको लागि सडक, यातायात, विद्युत् तथा अन्य भौतिक पूर्वाधारको विकास गर्नुपर्ने ।
- विभिन्न प्रकारका उद्योगहरू स्थापना गर्दा औद्योगिक प्रदूषण वृद्धि हुन सक्ने ।
- ठूलो आकारको लगानीको व्यवस्था गर्नुपर्ने ।

#### ग) सम्भावना तथा अवसर

##### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- कृषिमा आधारित औद्योगिक कच्चा पदार्थको उपलब्धता रहेको ।
- व्यावसायिक रूपमा माछा, कुखुरा, गाई, भैंसी, बाखा, सुंगुर, बंगुर आदि पालन भइरहेको ।
- गाउँपालिकाले रैथाने बालीहरू कोदो, सिमी, मास, पिडालु, फापर, भटमास, टिमुर, जुनेली, कागुनो, आलु लगायतका बालीलार्ई उत्पादनमा बढावा दिनुका साथै प्रोत्साहन अनुदानको व्यवस्था गर्ने नीति लिएको ।

### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- स्थानीय जनशक्तिको सदुपयोग हुने कम खर्चिलो श्रमशक्ति प्राप्त गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकामा रहेका प्राकृतिक पोखरीहरू तथा कृत्रिम पोखरीमा व्यवसायिक माछापालन गर्न सकिने ।
- स्थानीय सम्भाव्यताका आधारमा धान, गहुँ, मकै, केरा खेती, कुखुरापालन, पशुपालन र तरकारी उत्पादनलाई प्रवर्द्धन गरी कृषिमा आधारित उद्योगको विस्तार गर्न सकिने ।
- कृषि पर्यटन विकास गर्न सकिने ।
- स्थानीय कच्चा पदार्थमा आधारित कृषि उद्योगहरूको स्थापना गर्न सकिने ।
- औद्योगिक पूर्वाधारहरूको यथोचित विकास गर्न सके गाउँपालिकामा रोजगारीको सम्भावना र अवसरहरूको प्रचुरता रहेको ।
- गाउँपालिका भित्र सञ्चालित व्यवसायलाई दर्ता, नविकरण तथा अन्य कानुनी प्रक्रियामा सरलता ल्याई प्रवर्द्धन र संरक्षण गर्न सकिने ।
- डेरी उद्योग र हस्तकलामा आधारित घरेलु उद्योगहरूको विकास गर्न सकिने ।
- सिलाइ/कटाइ/बुनाइ, मैनबत्ती बनाउने तालिम, मोटरसाईकल तथा साईकल मर्मत तालिम, कृषिजन्य तालिम प्रदान गरी साना तथा घरेलु उद्योगको लागि दक्ष जनशक्ति तयार गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकाले कृषिजन्य उत्पादनमा आत्मनिर्भर हुने तथा मसला बाली, व्यवसायिक तरकारी तथा फलफुल बाली प्रवर्द्धन गर्ने कार्यक्रमहरू नियमित रूपमा संचालन गर्ने नीति अगाडी सारेको ।

### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

गाउँपालिकाको आर्थिक वृद्धिदर, स्थानीय श्रोतमा आधारित उद्योगको भर

#### लक्ष्य

आगामी पाँच वर्षमा गाउँपालिकाको कुल गार्हस्थ उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान कम्तीमा २० प्रतिशत पुऱ्याई रोजगारी श्रृजना गर्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- ✓ उद्योगका लागि आवश्यक आधारभूत पूर्वाधारको क्रमिक विकास गर्नु ।
- ✓ गाउँपालिकामा उत्पादने हुने स्थानीय कच्चा पदार्थ तथा कृषि उपजमा आधारित उद्योग स्थापना मार्फत आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्नु ।
- ✓ खानी खनिज क्षेत्रको अन्वेषण गर्नु ।
- ✓ स्थानीय बजार प्रवर्द्धन र व्यवस्थापन मार्फत वाणिज्य बजार र आपूर्ति प्रणाली सुदृढ गर्नु ।

#### उद्देश्य १: उद्योगका लागि आधारभूत पूर्वाधारको विकास गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१ नीतिगत सुधार गरी लगानी मैत्री वातावरण निर्माण गर्ने ।	१.१.१ उद्योगमा लगानीमैत्री वातावरण निर्माण गर्न उद्योगका लागि जग्गा, रजिष्ट्रेशन, करारमा लिन विशेष सहूलियत र छुट दिने नीति तथा मापदण्ड निर्माण गरिनेछ । १.१.२ उद्योगमा लगानी गर्न असहज र प्रतिकूल रहेका विद्यमान स्थानीय कानूनहरूमा उद्योग लगानी मैत्री हुने गरी संशोधन गरिनेछ र श्रमिकहरूको सुरक्षा हक र हितका लागि कानूनको अधिनमा रही स्थानीय नीति र मापदण्ड श्रमिक उद्योग र उद्यमी मैत्री बनाइनेछ ।

**उद्देश्य १: उद्योगका लागि आधारभूत पूर्वाधारको विकास गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.३ महिला र युवा उद्यमीहरूलाई प्रोत्साहन गर्न विशेष अनुदान र सहूलियतको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.१.४ ठूलोस्तरको बाह्य लगानी भित्र्याउन सरकारी जमिनको सम्भाव्यता अध्ययन गरी निजी क्षेत्रका उद्यमीहरूसँग विशेष छुट र सहूलियत बारे अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	१.१.५ कम्तीमा ३ जनालाई रोजगारी दिन सक्ने उद्योगका लागि दशलाख पूँजी लगानीको प्रस्ताव सहित आउने स्थानीय उद्यमीलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	१.१.६ गैह्रकृषि क्षेत्रको रोजगारी वृद्धि गर्न गैह्रकृषि क्षेत्रका उद्योगहरूको व्यापक अध्ययन गरिनेछ ।
	१.१.७ ५० प्रतिशत भन्दा बढी स्थानीय बासिन्दालाई रोजगार प्रदान गर्ने उद्योगलाई राजश्वमा छुट दिइनेछ ।
	१.१.८ उद्योग सञ्चालन कार्यविधि तयार गरिनेछ ।
	१.१.९ नियमित कर तिर्ने र ५० भन्दा धेरैलाई रोजगारी दिने उत्कृष्ट उद्योगलाई सम्मान गरिनेछ ।
	१.१.१० व्यवसायिक कृषक र कृषक समूहलाई हाट बजारमा स्टल राख्दा सहूलियत हुने नीतिगत व्यवस्था गरिनेछ ।
१.२ प्रमुख औद्योगिक पूर्वाधारको सुनिश्चितता गर्ने ।	१.२.१ मुख्य औद्योगिक क्षेत्रसम्मका पहुँच सडकलाई कृषि र पर्यटन सडकसँग एकीकृत गरी स्तरोन्नति गरिनेछ ।
	१.२.२ स्थानीय कृषि उपजमा आधारित उद्योगलाई प्राथमिकता दिइ कच्चा पदार्थ उत्पादन सुनिश्चित गर्न सम्भाव्य उद्योगी र कृषकबिच अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.३ उद्योग क्षेत्रहरूमा आवश्यक विद्युतिकरण विस्तार गरिनेछ ।
	१.२.४ औद्योगिक सुरक्षाका लागि सुरक्षा निकायसँगको सहकार्यमा शान्ति सुरक्षाको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.२.५ औद्योगिक श्रमिकहरूको उपलब्धताका लागि स्थानीय रोजगार केन्द्रमा श्रम सूचना तथा तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ ।

**उद्देश्य २: स्थानीय कच्चा पदार्थ तथा कृषि उपजमा आधारित उद्योग स्थापना मार्फत आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ निजी क्षेत्र र अगुवा कृषकको समन्वय र सहकार्यमा कम्तीमा एक वडा एक कृषिमा आधारित उद्योगको निर्माण गर्ने ।	२.१.१ बाली विशेष पकेट क्षेत्रका आधारमा उपलब्ध हुन सक्ने कच्चा पदार्थमा आधारित प्रत्येक वडामा सम्भाव्य उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	२.१.२ पहिलो चरणमा एक वडा एक कृषि उद्योग स्थापना गर्न उद्योगी कृषक वा कृषक समूह पहिचान गरिनेछ ।
	२.१.३ उद्यमी कृषकहरूलाई लक्षित अध्ययन तथा अभिमूखीकरण तालिमका लागि गाउँपालिकाद्वारा सहयोग प्रदान गरिनेछ ।
२.२ स्थानीय कृषि उद्योगबाट उत्पादित सामग्रीको ब्रान्डिङ गर्ने ।	२.२.१ कृषि उद्योगबाट उत्पादित उत्पादनहरूको प्रशोधन प्याकेजिङ लेबलिङ, गुणस्तर तथा ब्रान्डिङ गर्नका लागि विशेष अभिमूखीकरण तथा तालिम प्रदान गरिनेछ ।



**उद्देश्य २: स्थानीय कच्चा पदार्थ तथा कृषि उपजमा आधारित उद्योग स्थापना मार्फत आर्थिक वृद्धिदर हासिल गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
	२.२.२ संघीय तथा प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा गाउँपालिकास्तरीय खाद्य गुणस्तर मापनको व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.२.३ स्थानीय उपज तथा औद्योगिक उत्पादनको खपत हुन सक्ने सम्भाव्य उपभोक्ता बजारहरूको अध्ययन गरिनेछ ।

**उद्देश्य ३ : खानी तथा खनिज क्षेत्रको अन्वेषण गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
३.१ खानी तथा खनिज क्षेत्रको अन्वेषण, उत्खनन तथा व्यवस्थापन गर्ने ।	३.१.१ संघ र प्रदेशसँगको समन्वयमा स्थानीय खानी तथा खनिज अन्वेषण र उत्खननका लागि आवश्यक नीति, ऐन, नियम र मापदण्डको निर्माण गरिनेछ ।
	३.१.२ गाउँपालिकाभर रहेका वा हुन सक्ने खानी तथा खनिजको अन्वेषण गर्न खानी तथा भू-गर्भ विभागसँग समन्वय गरी विज्ञसँग परामर्श लिइनेछ ।

**उद्देश्य ४: स्थानीय बजार प्रवर्द्धन र व्यवस्थापन मार्फत वाणिज्य, बजार र आपूर्ति प्रणाली सुदृढ गर्ने ।**

रणनीति	कार्यनीति
४.१ बजार, व्यापार तथा वाणिज्य व्यवस्थापन सूचना प्रणाली निर्माण गर्ने ।	४.१.१ स्थानीय व्यापार, व्यवसाय, आपूर्ति, उपभोक्ता हित सम्बन्धमा नीति, कानून र मापदण्ड निर्माण गरिनेछ ।
	४.१.२ गाउँपालिकाभर सञ्चालन भएका व्यवसाय दर्ता तथा अभिलेखीकरण प्रणाली निर्माण गरिनेछ ।
	४.१.३ समग्र व्यापार र वाणिज्यलाई समेटेर वार्षिक रुपमा हुने कारोबारका आधारमा माग तथा आपूर्ति र कारोबारको आकार साथै व्यापार नाफा/घाटाको तथ्याङ्क प्राप्त हुने तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण गरिनेछ ।
	४.१.४ गाउँपालिकाबाट हुने निकासी तथा आयातको वस्तुगत सूचना तथा तथ्याङ्क प्राप्त गर्ने प्रणालीको विकास गरिनेछ ।
	४.१.५ रोजगार बैङ्क पोर्टल सञ्चालन गरिनेछ ।
४.२ स्थानीय बजार प्रवर्द्धन कार्ययोजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्ने ।	४.२.१ स्थानीय व्यापारिक फर्म तथा व्यवसायको दर्ता अनुमति नवीकरण, खारेजी, बजार तथा गुणस्तर अनुगमन र नियमन गर्न संयन्त्र र नियमित कार्यतालिका बनाइनेछ ।
	४.२.२ मुख्य बजार केन्द्रलाई लक्षित गरी निजी क्षेत्रसँगको समन्वयमा व्यापारिक स्टल निर्माण गरी बहालमा दिइनेछ ।
	४.२.३ वार्षिक रुपमा मुख्य चाडपर्व तथा अवसर हेरी व्यापारिक मेला/औद्योगिक प्रदर्शनी आयोजना गर्न वार्षिक पात्रो निर्माण गरिनेछ ।
	४.२.४ परम्परागत रुपमा चलि आएका स्थानीय हाट बजारलाई व्यवस्थित र वैज्ञानिक बनाउन अध्ययन गरी पूर्वाधार विकास गरिनेछ ।
	४.२.५ प्रत्येक वर्ष नियमित आम उपभोक्ता हित र अधिकार साथै खाद्य गुणस्तर सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

## उद्योग, व्यापार, व्यावसाय तथा आपूर्तिको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	उद्योगका लागि करारमा दिन सकिने जग्गा पहिचान गर्न अध्ययन		५००				
		१.१.२	श्रमिक, उद्योग र उद्यमी मैत्री सम्बन्धी नीति, कानून संशोधन गर्न विज्ञसँग परामर्श	५०					
		१.१.३	महिला तथा युवा उद्यमी पहिचान, सहूलियत तथा अनुदान	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.१.४	ठूला लगानी भित्र्याउन बाह्य लगानीकर्ताहरूसँग लगानी सम्मेलन		५००				
		१.१.५	दश लाख सम्मको उद्योग लगानी प्रस्तावका लागि व्याज अनुदान	२००	२००	२००	२००	२००	
		१.१.६	गैह्र कृषि क्षेत्रका उद्योगहरूको सम्भाव्यता अध्ययन		२००				
		१.१.७	रोजगार प्रदान गर्ने उद्योगलाई राजश्वमा छुटको व्यवस्था						
		१.१.८	उद्योग सञ्चालन कार्यविधि तयार	२२०					
		१.१.९	नियमित कर तिर्ने उत्कृष्ट उद्योगलाई सम्मान	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.१.१०	कृषक समूहलाई हाट बजारमा स्टल राख्दा सहूलियत हुने नीतिगत व्यवस्था						
	१.२	१.२.१	औद्योगिक सडक पहिचान तथा स्तरोन्नति			७००			
		१.२.२	कच्चा पदार्थ उत्पादन केन्द्रित उद्योगी कृषक अन्तरक्रिया	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.३	औद्योगिक क्षेत्र विद्युतिकरण		१००	१५०	१५०	१५०	
		१.२.४	औद्योगिक क्षेत्र केन्द्रित प्रहरी बिट स्थापना		२००	३००			

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
		१.२.५	श्रम सूचना तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण	१००					
२	२.१	२.१.१	बाली विशेष पकेट क्षेत्र स्तरीय उद्योगको सम्भाव्यता अध्ययन			६००			
		२.१.२	एक वडा एक कृषि उद्योग अन्तर्गत उद्योगी पहिचान			३००			
		२.१.३	कृषि उद्योगी विशेष अभिमूखीकरण कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
	२.२	२.२.१	कृषि उपज प्याकेजिड, लेबलिड गुणस्तर जाँच तथा ब्रान्डिड सम्बन्धी तालिम तथा अन्तरक्रिया	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.२.२	खाद्य तथा कृषि उपज गुणस्तर मापन केन्द्र स्थापना			५००			
		२.२.३	कृषि उपभोक्ता बजारको सम्भाव्यता अध्ययन		४००				
३	३.१	३.१.१	खानी, खनिज, अन्वेषण, उत्खनन् र व्यवस्थापन मापदण्ड निर्माण			५००			
		३.१.२	खानी तथा खनिजको सम्भाव्यता अध्ययन			६००			
४.	४.१	४.१.१	स्थानीय व्यापार, व्यवसाय, आपूर्ति, उपभोक्ता हित सम्बन्धमा नीति, कानून र मापदण्ड निर्माण		१००				
		४.१.२	गाउँपालिकाभर सञ्चालन भएका व्यवसाय दर्ता तथा अभिलेखीकरण प्रणाली निर्माण		१००				
		४.१.३	माग तथा आपूर्ति र कारोबारको आकार साथै व्यापार नाफा/घाटाको तथ्याङ्क प्राप्त हुने तथ्याङ्क प्रणालीको निर्माण		१००				
		४.१.४	निर्यात तथा आयातको वस्तुगत सूचना तथा तथ्याङ्क प्राप्त गर्ने प्रणालीको विकास		१००				
		४.१.५	रोजगार बैङ्क पोर्टल सञ्चालन	१००					

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
	४.२	४.२.१	बजार अनुगमन तथा निरीक्षण आन्तरिक पात्रो निर्माण	५०	५०	५०	५०	५०	
		४.२.२	व्यापारिक स्टल निर्माण			१००			
		४.२.३	वार्षिक पात्रो अनुसार व्यापारिक मेला/औद्योगिक प्रदर्शनी आयोजना	३०	३०	३०	३०	३०	
		४.२.४	हाटबजार पूर्वाधार निर्माण				१०००		
		४.२.५	उपभोक्ता हित सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	

### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- उद्योगका लागि न्यूनतम आधारभूत पूर्वाधार जस्तै सडक, उर्जा, जमिन, श्रमशक्ति, सुरक्षा तथा लगानी आदिको प्रबन्ध भएको हुनेछ ।
- स्थानीय कच्चा पदार्थ विशेषगरी कृषिमा आधारित उद्योगहरूको संख्या वृद्धि भएको हुनेछ ।
- उद्योग क्षेत्रको कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा २० प्रतिशत भन्दा माथि योगदान हुनेछ ।
- स्थानीय बजार तथा आपूर्ति प्रणाली सुदृढ भएको हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.		<b>खानी, खनिज, उद्योग वाणिज्य तथा आपूर्ति</b>			
	असर	गैर कृषि क्षेत्रमा (उद्योगमा) संलग्न रोजगारहरू	प्रतिशत		
	असर	कूल रोजगारीमा ठूला उद्योगको योगदान (९.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कूल गार्हस्थ उत्पादनमा उद्योग क्षेत्रको योगदान (८.३.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	थोक व्यापार क्षेत्रमा संलग्न जनसंख्या	प्रतिशत		
	प्रतिफल	खुद्रा व्यापारमा संलग्न जनसंख्या	प्रतिशत		
	प्रतिफल	आयात मूल्य	रकममा		
	प्रतिफल	निर्यात मूल्य	रकममा		
	प्रतिफल	थोक तथा खुद्रा व्यापारमा कुल लगानी	रकममा		
	प्रतिफल	खानीमा आधारित उद्योग संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	साना उद्योग संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	कूल रोजगारीमा साना उद्योगहरूको हिस्सा	प्रतिशत		
	प्रतिफल	मभौला उद्योग संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	ठूला उद्योग संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	व्यावसायिक अभिमूखीकरण तालिम (वार्षिक)	संख्या		
	प्रतिफल	महिला उद्यमीहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	युवा उद्यमीहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	समग्र उद्यमीहरूको संख्या (व्यक्तिगत नाममा दर्ता)	संख्या		
	प्रतिफल	उद्योगका लागि करारमा दिन सकिने जग्गा	हेक्टर		
	प्रतिफल	औद्योगिक लगानी सम्मेलन	संख्या		
	प्रतिफल	औद्योगिक लगानी तथा अनुदान	रकम		
	प्रतिफल	गैह्र कृषि उद्योग संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	औद्योगिक कच्चा पदार्थ उत्पादनमा संलग्न कृषक संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	औद्योगिक सुरक्षाकर्मी संख्या	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	खानीमा आधारित अन्वेषण संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	वार्षिक बजार अनुगमन	संख्या		
	प्रतिफल	बहाल विटौरी कर लागू गरिएका सार्वजनिक सम्पत्ति	संख्या		
	प्रतिफल	वार्षिक औद्योगिक तथा व्यापार मेला संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	व्यवस्थित हाट बजार संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	उपभोक्ता हित सम्बन्धी कार्यान्वयन भएका कार्यक्रम संख्या	संख्या		

#### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।
- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।

#### ४.४.२ सहकारी

##### क) पृष्ठभूमि

ग्रामीण पूँजीको संकलन र उचित सदुपयोग मार्फत आय आर्जन गर्न सहकारीको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ । राष्ट्रिय अर्थतन्त्रको ३ प्रमुख खम्बा मध्ये एक महत्वपूर्ण खम्बाको रूपमा रहेको सहकारी क्षेत्रको ग्रामीण अर्थतन्त्र सुदृढिकरणमा मुख्य सहयोगी भूमिका हुन्छ । गाउँपालिकाबाट प्राप्त पछिल्लो तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकामा हाल ६ वटा कृषि सहकारी संस्था र १२ वटा बचत तथा ऋण सहकारी संस्था गरी १८ वटा सहकारी संस्था सञ्चालनमा रहेका छन् ।

##### ख) समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ सहकारीको संख्यात्मक वृद्धि भए तापनि गुणात्मक विकास हुन नसकेको ।
■ सहकारी क्रियाकलाप उत्पादनमूखी तथा रोजगारी सिर्जना भन्दा पनि बचत तथा ऋण कारोबारमा बढी लगाव रहेको ।
■ सहकारीमा आर्थिक अनुशासन कायम हुन नसक्दा आम नागरिकको बचत जोखिममा पर्ने गरेको ।
■ सहकारीहरू अपेक्षित मूल्य, मान्यता तथा आदर्शका मर्म अनुसार विकास हुन नसकेको ।
■ नियामक निकायको प्रभावकारीतामा कमी रहेको ।
■ सहकारी सम्बन्धी जनचेतनाको व्यापक विकास गर्नुपर्ने ।

### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- कृषि, उद्योग तथा व्यावसायिकता विकासमा यसको योगदान वृद्धि गर्नुपर्ने ।
- बाह्य क्षेत्रमा स्थापना भई शाखा खुलेका सहकारीसँग स्थानीय सहकारी प्रतिस्पर्धी हुन नसक्नु ।

### ग) सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- सहकारी क्षेत्रतर्फ क्रमशः जनताको आकर्षण बढ्दै गइरहेका कारण विविध बचत समूहहरू पनि सञ्चालनमा रहेका ।
- सानो रकम भए पनि बचत गर्नुपर्छ भन्ने चेतनाको क्रमशः विकास भएको ।
- कृषि उत्पादन र उपभोक्ता बिचमा पुलको काम गर्ने संस्थाको रूपमा सहकारीको विकास गर्न सकिने ।
- सामुहिकता र सहकार्य मार्फत आर्थिक विकासको सम्भावना रहेको ।
- सहकारीको परिचालन, नियमन, अनुगमन र खारेजी सम्बन्धी अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्राप्त भएको ।
- छरिएर रहेको सुक्ष्म पूँजीलाई एकीकृत गरी उद्यमशीलता, स्वरोजगार र सामाजिक परिचालन गर्ने विषयमा सहकारी क्षेत्रको उल्लेखनीय योगदान रहेकाले सहकारी क्षेत्रको सवलीकरण, सुदृढीकरण र नियमन गर्ने कार्यलाई प्रभावकारी बनाउने नीति अगाडि सारेको ।
- गाउँपालिकाले कृषि उपजको उत्पादन, संकलन भण्डारण र बजारीकरणका लागि पालिका भित्र सञ्चालनमा रहेका कृषि सहकारीहरूलाई प्रवर्द्धन गर्ने नीति अगाडी सारेको ।

### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

सामुहिकता र सहकार्यमार्फत सबल अर्थतन्त्र निर्माण ।

#### लक्ष्य

सहकारीको संस्थागत विकासमार्फत आम बचतकर्ताको जीवनस्तर उकास्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- ✓ सहकारी संस्थाको संस्थागत विकास, क्षमता अभिवृद्धि र कुशल व्यवस्थापन र विस्तार गर्नु ।
- ✓ सहकारी क्षेत्रलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा लाग्न उपयुक्त वातावरण निर्माण गर्नु ।

### उद्देश्य १: सहकारी संस्थाको संस्थागत विकास, क्षमता अभिवृद्धि, कुशल व्यवस्थापन र विस्तार गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ सहकारी शिक्षाको माध्यमबाट जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने ।	१.१.१ स्थानीय सञ्चार माध्यमको सहयोगमा सहकारीको महत्व सम्बन्धमा नियमित जनचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ, र सहकारी सञ्चालकहरूलाई संस्थागत क्षमता विकास गर्न संघीय तथा प्रदेश सरकारहरूको सहयोगमा क्षमता विकास अभिमूखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.२ महिलाहरूलाई सहकारीतर्फ आकर्षण गर्न महिला सहकारी विस्तार उत्प्रेरणा तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.३ सहकारीले स्थानीय अर्थतन्त्रमा पार्ने र पारेको प्रभावहरूको वस्तुगत अध्ययन गरिनेछ ।

उद्देश्य २: सहकारी क्षेत्रलाई उत्पादनशील क्षेत्रका लाग्न उपयुक्त वातावरण निर्माण गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
२.१ सहकारी नीति परिमार्जन तथा निर्माण गरी ग्रामिण अर्थतन्त्र मैत्री बनाउने ।	२.१.१ सहकारी क्षेत्रलाई उत्पादनशील क्षेत्र जस्तै कृषि, उद्योग तथा पर्यटनमा लगानी अभिवृद्धि गर्न स्थानीय सहकारी नीति र ऐनमा आवश्यक सुधार संशोधन र परिमार्जन गरिनेछ ।
	२.१.२ अति विपन्न नागरिक तथा मजदुरहरूलाई सामुहिक बचत गर्ने बानी बसाल्न उत्प्रेरणा अभिमूखीकरण गरिनेछ ।
	२.१.३ निश्चित मापदण्डका आधारमा बचत, लगानी तथा ऋण परिचालनमा अब्बल एक सहकारीलाई वार्षिक उचित पुरस्कारको व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.१.४ सहकारीलाई उत्पादन तथा रोजगारीसँग जोडी नागरिकको जीवनस्तरमा सुधार ल्याइनेछ ।
	२.१.५ एक सहकारी एक उत्पादनको अभियान सघन रूपमा अधि बढाइनेछ ।
	२.१.६ कृषकलाई उत्पादन सहकारी खोल्न लगाई बजारसम्म पहुँच पुऱ्याउनका लागि सहजीकरण गरिनेछ ।
२.२ सहकारीलाई व्यावसायीकरणका अभ्याससँग एकीकृत गर्ने ।	२.२.१ सहकारी खेतीलाई प्रोत्साहन गर्न कृषि सहकारी संस्थाको सहयोगमा व्यावसायिकता प्रवर्द्धन तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.२.२ सहकारीसँग उद्योग र सेवा क्षेत्र विस्तार गर्ने नीति अनुरूप सहकारीमा आधारित स्थानीय उद्योग र सेवा क्षेत्रको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	२.२.३ सम्भाव्यता र लागत लाभका आधारमा सहकारी खेती वा उद्योग वा सेवा क्षेत्रमा लाग्न चाहने सहकारीका सरोकारवाला सदस्यहरूलाई व्यवसाय विशेष क्षमता अभिवृद्धि तालिमको व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.२.४ सहकारी शिक्षा र तालिम मार्फत संस्थाको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
	२.२.५ सहकारीको एकीकरण र डिजिटल कारोबारलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	२.२.६ सहकारी मार्फत उद्यमशीलता अभिवृद्धि कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
२.३ सहकारी क्षेत्रमा देखिएका समस्याहरूलाई सम्बोधन गर्ने ।	२.३.१ हाल सहकारी क्षेत्रमा देखिएका समस्याहरूको अध्ययन गरी समाधानका उपायहरूको पहिचान गरिनेछ ।
	२.३.२ सहकारी क्षेत्रको नियमित अनुगमन तथा नियमन गर्ने संयन्त्रको विकास गरिनेछ ।
	२.३.३ बचतकर्ताहरूको बचत सुरक्षित गर्न व्यापक जनचेतनामूलक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।



## सहकारीको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	स्थानीय सञ्चार माध्यम मार्फत सहकारी शिक्षा सञ्चार कार्यक्रम सञ्चालन		८०				
		१.१.२	महिला सहकारी विकास तथा विस्तार उत्प्रेरणा तालिम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.३	सहकारीको स्थानीय अर्थतन्त्रमा पारेको प्रभाव अध्ययन		५००				
२.	२.१	२.१.१	उत्पादनशील क्षेत्रमा सहकारी लगानी अभिवृद्धिका लागि सम्भाव्यता अध्ययन	८०	८५	९०	१००	१००	
		२.१.२	अति विपन्न नागरिक घरधुरीलाई सहकारीमा प्रवेश गराउन बीउ पूँजी वितरण	३००					
		२.१.३	उत्कृष्ट सहकारी पुरस्कार प्रदान	१००	१००	१००	१००	१००	
		२.१.४	सहकारीमार्फत सुपथ मूल्यको पसल स्थापना गर्न प्रोत्साहन	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.१.५	एक सहकारी एक उत्पादनको अभियान		२००				
		२.१.६	उत्पादन सहकारी मार्फत बजारसम्मको पहुँच सुनिश्चित						
२.२	२.२.१	२.२.१	सहकारी खेती प्रवर्द्धन तालिम	७५	७५	७५	७५	७५	
		२.२.२	सहकारीमा आधारित उद्योग तथा सेवा क्षेत्रको सम्भाव्यता अध्ययन	३००					
		२.२.३	सहकारी उद्योग तथा सेवा क्षेत्रमा जान चाहने उद्यमीलाई विशेष तालिम	८०	८०	८०	८०	८०	
		२.२.४	सहकारी शिक्षा र तालिम मार्फत संस्थाको क्षमता अभिवृद्धि	१००	१००	१००	१००	१००	
		२.२.५	सहकारीको एकीकरण र डिजिटल कारोबारलाई प्रोत्साहन		१००				
		२.२.६	सहकारी मार्फत उद्यमशीलता अभिवृद्धि कार्यक्रम सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
	२.३	२.३.१	सहकारी क्षेत्रमा देखिएका समस्याहरूको समाधानका उपाय पहिचान		५००				
		२.३.२	सहकारी क्षेत्रको मापदण्ड तयार			५००			
		२.३.३	बचतकर्ताहरूको बचत सुरक्षित गर्न जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन	२५०	२६०	२७०	२८०	२९०	

### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ सहकारी संस्थाहरूको संस्थागत र गुणात्मक विकास हुनेछ ।
- ✓ सहकारी संस्थाहरूको क्षमता विकास र सेवा विस्तार हुनेछ ।
- ✓ कृषि, उद्योग, पर्यटन तथा सेवा क्षेत्रको विकासमा सहकारीको भूमिका वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ महिलावर्गको सहकारी क्षेत्रमा सदस्यता संख्यामा उल्लेख्य वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ विपन्न वर्गलाई सहकारीमा आबद्ध गर्न सहयोग पुग्नेछ ।

### ४.४.३ बैङ्क तथा वित्तीय क्षेत्र

#### क) पृष्ठभूमि

बैङ्किङ कारोबार चलायमान हुन स्थानीय स्तरमा व्यापक रूपमा पूँजी प्रवाह भैरहने वातावरण हुनुपर्दछ । हाल यस गाउँपालिकाको वडा नं. ४ मा एन सि सि बैङ्कको शाखा सञ्चालनमा रहेको छ । यसका साथै विभिन्न लघुवित्त संस्थाहरू तथा १८ वटा सहकारी संस्था मार्फत वित्तीय कारोबार सञ्चालन हुने गरेको छ । कुनैपनि स्थानको अर्थतन्त्र सबल हुन कृषि, पर्यटन र उद्योग क्षेत्र चलायमान हुनुपर्ने भएकाले ती क्षेत्रको क्रमिक विकाससँगै बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको विकास स्वतः हुन जान्छ ।

#### ख) समस्या तथा चुनौती

##### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- गाउँपालिका भित्र निजी बैङ्कका साथै १८ वटा सहकारी संस्थाहरू सञ्चालनमा रहेका ।
- बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको स्थापना र पूँजी वृद्धि हुन नसकेको ।
- वित्तीय संस्थाहरूमा सहज पहुँच नहुँदा तथा अर्थतन्त्र चलायमान नहुँदा स्थानीय पूँजीको विकास कमजोर रहेको ।
- सहकारीको सङ्गठनात्मक विकास नभएका कारण लगानीको क्षेत्र र दायरा ठूलो हुन नसकेको ।
- औद्योगिक पूर्वाधार, उद्योग, व्यापारिक केन्द्र र स्थानीय पूँजीको विकास गर्नुपर्ने ।
- बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको स्थापना हुन नसक्दा स्थानीय लगानीकर्ता तथा पूँजीपतिको पूँजी पलायन भई ग्रामीण अर्थतन्त्र थप कमजोर बन्न सक्ने ।

#### ग) सम्भावना तथा अवसर

##### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- अति विपन्न वर्गमा नियमित बचत गर्ने बानीको विकास गर्न प्रोत्साहन गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकामा महिला बचत समूह तथा महिला सहकारीहरूको विकास तथा क्षमता अभिवृद्धि गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकामा ऋण तथा कर्जा सेवा प्रदान गर्न विभिन्न कृषि तथा महिला समूहहरू सक्रिय रहेका ।
- उद्योग, कलकारखाना, बजार केन्द्र, व्यापारिक कारोबारको विस्तार गर्दै बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको विकास गर्न सकिने ।
- अन्य बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूलाई आर्कषण गर्न सकिने ।
- स्थानीय जनताको अग्रसरतामा माइक्रो फाइनेन्स तथा सहकारीहरूको विकास र विस्तार गर्न सकिने ।

#### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

##### दीर्घकालीन सोच

वित्तीय पहुँच वृद्धि मार्फत आर्थिक क्षेत्रको गतिशिलता ।

##### लक्ष्य

प्रत्येक घरधुरीमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको सहज पहुँच स्थापित गर्ने ।

##### उद्देश्यहरू

- ✓ बैङ्क तथा वित्तीय संस्था तर्फ आम सर्वसाधारणलाई आर्कषण गर्नु ।
- ✓ सहजकर्जा प्रवाह र बचत परिचालन मार्फत उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गरी आर्थिक वृद्धि हासिल गर्नु ।

**उद्देश्य १: बैङ्क तथा वित्तीय संस्था तर्फ आम सर्वसाधारणलाई आर्कषण गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
१.१ वित्तीय पहुँच नपुगेका घरपरिवारमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाको पहुँच पुर्याउने ।	१.१.१ आफ्नो नाममा बैङ्क खाता नभएका घरधुरीको पूर्ण विवरण संकलन गरिनेछ ।
	१.१.२ निजी क्षेत्रमा बैङ्कहरूसँग सहकार्य गरी इच्छुक घरधनीको घरमा घुम्ती बैङ्क खाता खोल्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.३ बैङ्क खाता खोल्दा हुने फाईदाका विषयमा तथा महिलालाई बैङ्क खाता खोल्न प्रोत्साहन गर्न बैङ्कसँगको सहकार्यमा स्थानीय सञ्चार माध्यमबाट जनचेतनामूलक कार्यक्रम प्रसारण गरिनेछ ।
	१.१.४ गाउँपालिकाका सबै वडामा बैङ्किङ सुविधा (बैङ्कबाट भौगोलिक दुरी टाढा भएका गाउँपालिकावासीहरूको लागि Virtual Banking सुविधा) पुर्याइनेछ ।

**उद्देश्य २: सहजकर्जा प्रवाह र बचत परिचालनमार्फत उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गरी आर्थिक वृद्धि हासिल गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ व्यावसायिक, उत्पादनमूलक साना तथा मझौला उद्योगमा ऋण प्रवाह अभिवृद्धि गर्ने ।	२.१.१ स्थानीय उद्यमी तथा बैङ्कहरू बिच ऋण प्रवाहमा सहजीकरण गर्न गाउँपालिकाद्वारा अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	२.१.२ स्थानीय रोजगारी श्रृजना गर्न युवा उद्यमी र महिलाले तयार गरेको व्यवसायिक योजना, मझौला उद्योग क्षेत्र, पर्यटन वा कृषिमा लगानीका लागि ऋण प्रवाह गर्न गाउँपालिका जमानत बसी ब्याजमा निश्चित प्रतिशत अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	२.१.३ पालिकास्तरीय एक कर्जा सेवा केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।

## बैङ्क तथा वित्तीय क्षेत्रको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	बैङ्क खाता नभएका घरधुरीको लगत संकलन	५०					
		१.१.२	घुम्ती बैङ्किङ सेवा अभियान सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.३	महिलाको बैङ्किङ जनचेतनामूलक कार्यक्रम प्रशारण		८०	८५	९०	९५	
		१.१.४	बैङ्कबाट भौगोलिक दुरी टाढा भएकाहरूका लागि Virtual Banking सुविधा	१००	१००	१००	१००	१००	
	२.१	२.१.१	उद्यमी तथा बैङ्कहरू बिच अन्तरक्रिया सहजीकरण	४५	५०	५०	५०	५०	
		२.१.२	युवा र महिला उद्यमीलाई मभौला उद्योग तर्फ विशेष ब्याज अनुदान	१००	१२०	१५०	१७०	१९०	
		२.१.३	कर्जा सेवा केन्द्र स्थापना						

### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- आगामी ५ वर्षमा गाउँपालिकाका ९० प्रतिशत भन्दा बढी घरपरिवारका सदस्यहरूको आफ्नो नाममा बैङ्क खाता हुनेछ ।
- व्यक्तिगत ऋण लिने प्रवृत्तिमा उल्लेख्य कमी आएको हुनेछ ।
- उत्पादनशील क्षेत्रमा बैङ्क तथा वित्तीय संस्थाहरूको ऋण प्रवाह वृद्धि भएको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१	बैङ्क, वित्तीय क्षेत्र तथा सहकारी				
	प्रतिफल	आफ्नै नाममा बैङ्क खाता भएका घरपरिवार	संख्या		
	प्रतिफल	गाउँपालिकामा विस्तार भएका वाणिज्य बैङ्कको	संख्या		
	प्रतिफल	गाउँपालिकामा विस्तार भएका विकास बैङ्कको	संख्या		
	प्रतिफल	गाउँपालिकामा विस्तार भएका लघुवित्त	संख्या		
	प्रतिफल	गाउँपालिकामा रहेका सहकारी	संख्या		
	प्रतिफल	महिला सहकारी सदस्य	संख्या		
	प्रतिफल	सहकारीबाट उत्पादनशील क्षेत्रमा भएको लगानी	संख्या		
	प्रतिफल	सहकारी सम्बन्धी तालिम	संख्या		
	प्रतिफल	सहकारी सदस्यताका लागि विपन्न बीउँ पूँजीबाट लाभान्वित सदस्य	संख्या		
	असर	औपचारिक वित्तीय सेवाको पहुँचमा रहेका घर परिवार (१.४.१.२) र (८.३.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	सहकारी सेवामा पहुँच भएका घरपरिवार (८.३.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	प्रति १ लाख वयस्कहरूमा वाणिज्य बैङ्कहरूमा शाखा (८.१०.१ क) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	प्रति १ लाख वयस्कहरूमा ए.टि.एम (८.१०.१ ख) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	बैङ्कबाट ऋण लिएर व्यवसायका उद्योग सञ्चालन गर्ने व्यवसायीको (९.३.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	ऋण वा लाइन अफ क्रेडिट भएका साना स्तरका उद्योग (९.३.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	लघुवित्तद्वारा समेटिएको खेती गर्ने परिवार प्रतिशत (१०.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	३० मिनेटको पैदल दुरीमा बैङ्किङ सेवामा पहुँच भएका परिवार	प्रतिशत		

## ४.५ श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा

### ४.५.१ श्रम तथा रोजगारी

#### क) पृष्ठभूमि

श्रम तथा रोजगारीको हकलाई नेपालको संविधानले मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ, भने यसको केन्द्र विन्दुमा युवा रहेका छन्। देशको प्रमुख श्रम शक्ति, मानव संसाधन र उर्जाको आधार स्तम्भ नै युवाहरू हुन्। युवाको सामर्थ्यलाई पूर्णतः सदुपयोग गरेका राष्ट्रहरूले नै ठूलो फड्को मारेका छन्। काम गर्न सक्ने उच्च सक्रिय उमेरको जनसंख्या नै जनसांख्यिक लाभांश हो। राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँ १५ देखि ५९ वर्षका सक्रिय उमेर समूहको जनसंख्या १७,५५९ अर्थात् ५७.३५ प्रतिशत रहेका छन्। जसमध्ये ७,४३६ जना पुरुष र १०,१२३ जना महिला रहेका छन्। जनसंख्याको उपस्थिति तथा मानव संसाधन विकास तथा श्रम शक्तिका हिसाबले ठूलो जनसांख्यिक लाभ बोकेको यस गाउँपालिकाले युवा शक्तिलाई देशमै उपयुक्त रोजगारी दिनसके छोटो अवधि मै आर्थिक तथा सामाजिक समृद्धि हासिल गर्न सकिन्छ।

#### ख) समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
गाउँपालिकामा युवा लक्षित कार्यक्रमले युवा वर्गलाई यथोचित सम्बोधन गर्न नसकेको।
गाउँपालिकाबाट स्वभाविक रूपमा ठूलो हिस्सा युवा जनशक्ति शिक्षा तथा रोजगारका लागि शहरी क्षेत्र तथा विदेश पलायन भइरहेको।
प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम आशातित रूपमा युवा आकर्षण र युवामैत्री हुन नसकेको।
युवा जनशक्तिलाई यथोचित अभिमूखीकरण तथा तालिमको व्यवस्था हुन नसकेको।
गाउँपालिकामा रहेका युवाहरू पनि निरास, निश्क्रिय भई मोबाइल लगायतका सामाजिक सञ्जालमा व्यस्त रहने लत बढ्दै गएको।
कतिपय युवाहरू गलत संगत, लागूपदार्थ सेवन, भै-भगडा लगायतका कुलतमा फस्ने अवस्था रहेको।
गाउँपालिकामा अध्ययन तथा रोजगारका लागि शहर तथा विदेश गएकाहरूलाई स्वदेशमै रोजगार सृजना गर्ने चुनौती रहेको।
गाउँपालिकामा सम्पूर्ण बेरोजगार युवाहरूलाई थग्न सक्ने गरी रोजगारीको सिर्जना गर्न चुनौती रहेको।
पूर्वाधारको समुचित विकास गर्न नसकिएको कारण तोकिएका खेलकुद मैदानहरू, क्लब तथा मनोरञ्जनात्मक स्थलहरू स्तरोन्नति गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको।
कुलतमा फसेका वा फस्ने खतरामा रहेका युवाहरूलाई रोक्ने कार्यक्रम तत्काल सञ्चालन गर्नुपर्ने चुनौती रहेको।

#### ग) सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
गाउँपालिकाले “श्रमको सम्मान, राष्ट्रको अभियान” भन्ने नारा सहित समाजमा कामप्रति सकारात्मक धारणाको विकास गरी युवालाई श्रमदान पोर्टल मार्फत काममा लाग्न प्रेरित गर्ने नीति लिएको।
गाउँपालिकाले संघ, प्रदेश तथा विभिन्न तालिम प्रतिष्ठानहरूसँग आवश्यक समन्वय गरी आवश्यकता र औचित्यताको आधारमा बेरोजगार युवा युवतीहरूलाई स्वरोजगारमूलक बनाउन सहजिकरण गर्ने नीति अगाडी सारेको।
युवा शक्ति गाउँपालिकाको मानव संसाधनको महत्वपूर्ण स्रोत भएको।
गाउँपालिकाको भावी समृद्धि युवाको काँधमा रहेको।

### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा युवासँग सम्बन्धित क्लब, खेलकुद मैदान तथा साँस्कृतिक टोलीहरू रहेको ।
- युवा शक्तिमा रहेको जागरुकतालाई यथोचित सम्बोधन गर्न सके गाउँपालिकाको विकासमा कायापलट हुन सक्ने ।
- गाउँपालिकाको युवा लक्षित वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न सकिने ।
- गैरसरकारी तथा निजी क्षेत्रसँग समन्वय गरी युवामैत्री तालिम, गोष्ठी तथा सेमिनार आयोजना गरी आय आर्जनका गतिविधिमा आबद्ध गराउन सकिने ।
- गाउँपालिकामा विभिन्न प्रयोगात्मक कार्यक्रमहरू आयोजना गरी युवाहरूलाई प्रतिस्पर्धात्मक तथा जागरुक बनाउन सकिने ।
- उच्च तथा प्राविधिक शिक्षाका अवसरहरू गाउँपालिकामै सिर्जना गरी रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना गर्न सकिने ।
- गाउँपालिकाले पुनः एकीकरण कार्यक्रम मार्फत वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका व्यक्तिहरूको क्षमता विकास तथा अभिवृद्धिका लागि उद्यमशीलता तथा सीपमूलक तालिम सञ्चालन गर्नुका साथै वैदेशिक रोजगारीमा जान चाहने व्यक्तिहरूका लागि श्रम स्वीकृति लिने सम्बन्धी आवश्यक सहजिकरण गर्ने नीति अगाडि सारेको ।

### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

श्रमशिल, कर्मठ र दक्ष युवा मानव संसाधन निर्माण

#### लक्ष्य

गाउँपालिकाको युवा जनसंख्यालाई पूर्ण रोजगार र उच्च उत्पादनमूखी बनाउने ।

#### उद्देश्यहरू

- ✓ श्रमशिल र सकृय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु ।

#### उद्देश्य १. श्रमशिल र सक्रिय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ युवा श्रमशक्तिको उच्चतम सदुपयोग गर्ने ।	१.१.१ पालिका भित्र रहेका बेरोजगार व्यक्तिहरूको तथ्याङ्क संकलन गरिनेछ ।
	१.१.२ बेरोजगार व्यक्तिको अद्यावधिक सूचीलाई रोजगार व्यवस्थापन सूचना प्रणालीमा प्रविष्ट गराइनेछ ।
	१.१.३ युवा उद्यमीहरूको वडागत विवरण सङ्कलन गरी उनीहरूको थप नेतृत्व विकास तथा उद्यमशील विकास तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.४ जेहेन्दार यूवा उच्च शिक्षा विशेष छात्रवृत्तिको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.१.५ “यूवा उद्यमीलाई राहत, सुनिलस्मृति गाउँपालिकाको साथ” भन्ने नारालाई मूर्त रूप दिन रोजगारमूलक र उत्पादनमूलक कार्यक्रममा बजेट छुट्ट्याइनेछ ।
	१.१.६ “हामी गछौं हाम्रो काम युवा स्वरोजगार कार्यक्रम” अगाडि बढाइनेछ ।
	१.१.७ रोजगार सेवा केन्द्रलाई रोजगार बैङ्कको रूपमा विकास गरिनेछ ।
	१.१.८ पालिकाको रोजगार रणनीति तयार पारी लागु गरिनेछ ।



उद्देश्य १. श्रमशिल र सक्रिय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.९ पालिकाका बेरोजगारहरूलाई रोजगारदातासँग सम्झौता गरी कार्यस्थलमा आधारित रोजगार कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.१० रोजगार Bank Portal निर्माण गरिनेछ ।
१.२ युवा रोजगारका अवसरहरूको सिर्जना गरी बेराजगारी न्यूनीकरण गर्ने ।	१.२.१ यसरी प्रविष्ट गरिएका बेरोजगार व्यक्तिहरूलाई पारिश्रमिकमा आधारित सामुदायिक आयोजना तथा युवा रोजगारीमा जान चाहने युवा लक्षित सहायता कक्षको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.२.२ वैदेशिक रोजगारीमा जान चाहने युवा लक्षित सहायता कक्षको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.२.३ रोजगार सेवा केन्द्रलाई Job Hub का रूपमा विकास गरिनेछ ।
	१.२.४ पालिकाको रोजगार रणनीति तर्जुमा गरिनेछ ।
	१.२.५ पालिका भित्र आन्तरिक रोजगारीको अवसरहरूको पहिचान गर्न एक विशेष अध्ययन गरिनेछ ।
	१.२.६ इच्छुक यूवाहरूलाई सूचना प्रविधिमा आधारित रोजगारमूलक तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.७ स्थानीय स्रोत उपयोग गरी रोजगार सिर्जना गरिनेछ ।

श्रम, रोजगारी र सामाजिक सुरक्षा विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	बेरोजगार व्यक्तिहरूको तथ्याङ्क संकलन		५००				
		१.१.२	अद्यावधिक सूचीलाई रोजगार व्यवस्थापन सूचना प्रणालीमा प्रविष्ट			५००			
		१.१.३	युवा उद्यमीहरूको थप नेतृत्व विकास तथा उद्यमशिल विकास तालिम सञ्चालन		३००	३५०	३४०	४००	
		१.१.४	जेहेन्दार यूवा उच्च शिक्षा विशेष छात्रवृत्तिको प्रबन्ध		२००	३००	१७	१८	
		१.१.५	रोजगारमूलक र उत्पादनमूलक कार्यक्रममा बजेट विनियोजन		४००	५००	६००	७००	
		१.१.६	“हामी गछौं हाम्रो काम युवा स्वरोजगार कार्यक्रम”		४०	५०	६०	७०	
		१.१.७	रोजगार बैङ्कको स्थापना			५००			
		१.१.८	रोजगार रणनीति तयार				५००		
		१.१.९	कार्यस्थलमा आधारित रोजगार कार्यक्रम सञ्चालन		५००	५००	४००	४५०	
		१.१.१०	रोजगार Bank Portal निर्माण				३००		
१.२	१.२.१	१.२.१	युवा लक्षित सहायता कक्षको व्यवस्था		४०	५०	६०	७०	
		१.२.२	वैदेशिक रोजगारीमा जान चाहने युवा लक्षित सहायता कक्षको व्यवस्था			५००			
		१.२.३	रोजगार सेवा केन्द्रलाई Job Hub का रूपमा विकास				५००		
		१.२.५	आन्तरिक रोजगारीको अवसरहरूको पहिचान गर्न एक विशेष अध्ययन				३००		
		१.२.६	रोजगारमूलक तालिम सञ्चालन		४००	५००	६००	७००	
		१.२.७	रोजगारी सिर्जना		४००	५००	६००	७००	

## ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

---

- ✓ सपयुक्त अर्धदक्ष र दक्ष मानव संसाधनको विकास हुनेछ ।
- ✓ बेरोजगार युवाको जनसंख्यामा उल्लेख्य कमी आएको हुनेछ ।
- ✓ स्थानीय स्रोत साधनको उच्चतम प्रयोग हुनेछ ।
- ✓ समावेशिता, सामाजिक न्याय र समानता कायम हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	युवा श्रम तथा रोजगार				
	असर	अर्ध बेरोजगार युवा (८.६.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	बेरोजगार युवा (प्रतिशत)	प्रतिशत		
	असर	पुरुष बेरोजगार युवा (८.५.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	महिला बेरोजगार युवा	प्रतिशत		
	असर	महिला कामदारको प्रतिघण्टा औषत आम्दानी (८.५.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	पुरुष कामदारको प्रतिघण्टा औषत आम्दानी (८.५.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत दर्ता भएका बेरोजगारको संख्या (८.५.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	युवा रोजगारीका लागि विशेषरूपमा कार्यान्वयन भएका कार्यक्रम संख्या (८.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	युवा लक्षित विशेष Career Counselling तथा Entrepreneurship तालिम	संख्या		
	असर	१५-२४ वर्षका कुनै प्रकारको शिक्षा, तालिम वा रोजगारीमा संलग्न नभएका युवा संख्या (८.६.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	रोजगार युवा (प्रतिशत)	प्रतिशत		
	असर	पुरुष रोजगार युवा	प्रतिशत		
	असर	महिला रोजगार युवा	प्रतिशत		
	असर	न्यूनतम रोजगारीका लागि विदेशिने युवाहरू	प्रतिशत		
	प्रतिफल	आफ्नै स्वामित्वमा उद्योग भएका युवा उद्यमीहरूको	संख्या		
	प्रतिफल	महिला युवा उद्यमीहरूको	संख्या		
	प्रतिफल	स्नातक तह उत्तीर्ण गर्न नसकि अध्ययन छाडेका युवाको	संख्या		
	असर	कामअनुसारको पारिश्रमिक वा आम्दानीबाट बञ्चित युवाको प्रतिशत	प्रतिशत		
	असर	कामअनुसारको पारिश्रमिक वा आम्दानीबाट सन्तुष्ट युवाको प्रतिशत	प्रतिशत		
	असर	दुर्व्यसनमा फसेका युवाको प्रतिशत	प्रतिशत		
	प्रतिफल	दुर्व्यसन सुधार गृह	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	जटिल प्रकारका रोगबाट ग्रसित युवाको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	अपराधिक कार्यमा संलग्न युवाको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	राष्ट्रिय रूपमा ख्याती प्राप्त युवाको संख्या (कलाकारिता, नेतृत्व, उद्यमी, खेलकुद, अध्ययन अनुसन्धान, आदि)	संख्या		

### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

### ४.५.२ सामाजिक सुरक्षा

#### क) पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको धारा ४३ मा मौलिक हक अन्तर्गत सामाजिक सुरक्षाको हकको व्यवस्था गरिएको छ । जसअनुसार आर्थिक रूपले विपन्न, अशक्त र असहाय अवस्थामा रहेका, एकल महिला, अपाङ्गता भएका, बालबालिका, आफ्नो हेरचाह आफैँ गर्न नसक्ने तथा लोपोन्मुख जातिका नागरिकलाई कानुन बमोजिम सामाजिक सुरक्षाको हक हुनेछ भनी स्पष्ट पारिएको छ । अर्कोतर्फ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ ले संघ र प्रदेश कानुनको अधिनमा रही सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमको कार्यान्वयन, सञ्चालन तथा व्यवस्थापन गर्ने अधिकार स्थानीय सरकारलाई प्रदान गरेकोले स्थानीय विकास योजना तर्जुमा गर्दा सामाजिक सुरक्षालाई सम्बोधन गर्नु आवश्यक रहेको छ ।

राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँको कुल जनसंख्या ३०,६९७ मध्ये १,९६६ जना अर्थात् ३.८ प्रतिशत अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरु रहेका छन् । जसमध्ये शारीरिक अपाङ्गता भएका ५९८ अर्थात् ४४.४ प्रतिशत रहेका छन् जसमध्ये न्यून दृष्टियुक्त १७६ अर्थात् १५.१ प्रतिशत रहेका छन् । यसैगरी यहाँ दृष्टिविहिन ६५ जना अर्थात् ५.६ प्रतिशत, बहिरोपना भएका ७५ अर्थात् ६.४ प्रतिशत रहेका छन्, यसका साथै न्यून श्रवणशक्ति भएका १०९ अर्थात् ९.३ प्रतिशत रहेका छन् । यहाँ ७५ वर्ष माथि उमेर समूहका व्यक्तिहरु ५६७ जना रहेका छन् भने १४ वर्ष मुनिका बालबालिकाको संख्या ९,२०४ रहेको छ ।

#### ख) समस्या तथा चुनौती

##### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- सामाजिक सुरक्षाका कार्यक्रमहरू लक्षित समूहमा केन्द्रित भई पूर्ण प्रभावकारी र संस्थागत हुन नसकेको ।

### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- सामाजिक सुरक्षाले समेट्नु पर्ने वर्गलाई समेट्न एकीकृत सूचना प्रणालीको व्यवस्था नहुनु साथै त्यस्ता वर्ग छुट्टिन गएको ।
- हाल प्राप्त भैरहेको सामाजिक सुरक्षा भत्ताको रकम जीवन निर्वाहका लागि आवश्यक न्यूनतम सहयोग समेत नपुग्ने रकम भएकोले नाम मात्रको सामाजिक सुरक्षा भएको ।

### ग) सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- स्थानीय तहलाई सामाजिक सुरक्षाको अधिकार प्राप्त भएको ।
- गाउँपालिकाले आफ्नो क्षेत्र निर्माण हुने सार्वजनिक संरचनाहरूलाई अपाङ्गमैत्री, बालमैत्री र लैङ्गिकमैत्री बनाउदै लैजाने नीति अगाडि सारेको ।
- नेपाल सरकारले सामाजिक सुरक्षाको विषयलाई प्राथमिकता प्रदान गरेको ।
- योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रमको सुरुवात भएको ।
- गाउँपालिकाले ज्येष्ठ नागरिकहरूको र पछिल्लो पुस्ताको अनुभव आदानप्रदान गर्न अन्तरपुस्ता अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने नीति अगाडि सारेको
- सामाजिक सुरक्षा सम्बन्धी जनचेतनामा समेत वृद्धि भएको ।
- सामाजिक सुरक्षा मौलिक हकको रूपमा स्थापित भएको ।
- गाउँपालिकाले आफ्नो क्षेत्र भित्र रहेका विपन्न, न्यून आय भएका, अल्पसंख्य, एकल महिला परिवारका सदस्य, दलित, सीमान्तकृत, पिछडा वर्ग, अनाथ, सहित परिवार, अपाङ्गता परिवारका सदस्यलाई माध्यमिक र उच्च शिक्षाको सुनिश्चित गर्न छात्रवृत्ति को व्यवस्था गरेको ।

### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

अशक्त अवस्थामा निश्चिन्तता, सामाजिक सुरक्षा

#### लक्ष्य

असक्षम र अशक्त भई जीवन निर्वाह गर्न नसक्ने अवस्थाका सबैलाई राज्यद्वारा अभिभाक्त्व दिने ।

#### उद्देश्यहरू

- सामाजिक जीवनमा विभिन्न कारणले असक्षम र अशक्त भई अरुको सहाराको आवश्यकता पर्ने सबैलाई राज्यद्वारा सहारा दिनु ।

उद्देश्य १. सामाजिक जीवनमा विभिन्न कारणले असक्षम र अशक्त भई अरुको सहाराको आवश्यकता पर्ने सबैलाई राज्यद्वारा सहारा दिनु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ सामाजिक सुरक्षाको आवश्यकता पर्ने सम्पूर्ण नागरिकको पहिचान गर्ने संयन्त्र निर्माण गर्ने ।	१.१.१ सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रममा समेटिने वर्गको परिभाषा र मापदण्ड संघीय र प्रादेशिक सरकारको नीति र कानूनको अधिनमा रही निर्माण गर्ने र सो को आधारमा त्यस्ता व्यक्तिहरूको व्यक्तिगत विवरण तयार पारी सूचना प्रणालीमा आबद्ध गरिनेछ ।
	१.१.२ सामाजिक सुरक्षाका प्रकारहरू निश्चित गरी आवश्यकता र संवेदनशीलताका आधारमा तहहरू छुट्ट्याइनेछ । यसरी संवेदनशीलताको तह बमोजिम सुरक्षाको

उद्देश्य १. सामाजिक जीवनमा विभिन्न कारणले असक्षम र अशक्त भई अरुको सहाराको आवश्यकता पर्ने सबैलाई राज्यद्वारा सहारा दिनु

रणनीति	कार्यनीति
	प्रकार, निश्चय गरिनुका साथै मापदण्ड र विद्यमान ऐन कानूनको परिधिमा रही सामाजिक सुरक्षाको दायरा वृद्धि गर्न स्रोतका आधारमा अध्ययन गरिनेछ ।
	१.१.३ योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था लागू गर्न आवश्यक तयारी र अध्ययन गरिनेछ ।
	१.१.४ निजी र अनौपचारिक क्षेत्रमा काम गर्ने श्रमिक तथा अन्य जनशक्तिलाई योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	१.१.५ सामाजिक सुरक्षाका विषयमा जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

### सामाजिक सुरक्षाको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	सामाजिक सुरक्षा तथ्याङ्क व्यवस्थापन प्रणाली निर्माण			५००			
		१.१.२	सामाजिक सुरक्षाका प्रकृति र तहहरूको निष्कर्ष निकाल्न र दायरा वृद्धि गर्न अध्ययन				५००		
		१.१.३	योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षा व्यवस्थित गर्न तयारी			५००			
		१.१.४	निजी र अनौपचारिक क्षेत्रका श्रमिक तथा अन्य जनशक्तिलाई सामाजिक सुरक्षामा आवद्ध गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया		१०	१५	१७	१८	
		१.१.५	जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन		१००	१५०	१७०	१८०	

### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ नागरिकहरूमा सामाजिक सुरक्षा पाउनु मौलिक हक हो र यसमा सक्रिय जीवनमा सहयोग गर्नुपर्छ भन्ने जनचेतनाको विकास हुनेछ ।
- ✓ असक्षम, अशक्त र असहाय अवस्थाका सबै नागरिकलाई राज्यले सामाजिक सुरक्षाको सहारा सुनिश्चित गरेको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	सामाजिक सुरक्षा				
	असर	सामाजिक सुरक्षा प्राप्त व्यक्ति	संख्या		
	असर	योगदानमा आधारित सामाजिक सुरक्षामा समेटिएको जनसंख्या	संख्या		

## परिच्छेद - ५: सामाजिक क्षेत्र

### ५.१ स्वास्थ्य तथा पोषण

#### ५.१.१ पृष्ठभूमि

नेपालको संविधानको धारा ३५ मा स्वास्थ्य सम्बन्धी हकलाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरिएको छ। उपधारा १ मा “प्रत्येक नागरिकलाई राज्यबाट आधारभूत स्वास्थ्य सेवा निःशुल्क प्राप्त गर्ने हक हुनेछ र कसैलाई पनि आकस्मिक स्वास्थ्य सेवाबाट बञ्चित गरिने छैन” भनि उल्लेख गरिएको छ। यसै हकको कार्यान्वयन गराउने दायित्व स्थानीय सरकारको भएकोले गाउँपालिकामा आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधार र सेवाहरूको प्रबन्ध हुन अपरिहार्य छ। यस गाउँपालिकामा हाल सामान्यस्तरको स्वास्थ्य सेवाहरू यहाँ रहेका विभिन्न स्वास्थ्य संस्थाहरू मार्फत प्रदान भइरहेको छ भने स्वास्थ्य सेवाका लागि आवश्यक सुविधा सम्पन्न हस्पिटल र विशेषज्ञ सेवाको अभाव रहेको छ। गाउँपालिकामा हाल ७ वटा सामुदायिक स्वास्थ्य चौकी, ७ निजी मेडिकल हल, २८ वटा खोप केन्द्र सञ्चालनमा रहेका छन्। यहाँ रहेका स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट सीमित मात्रामा स्वास्थ्यका आधारभूत सेवा सञ्चालन हुने भएकाले जटिल किसिमका स्वास्थ्य सेवाको लागि भने यहाँका वासिन्दाले नेपालका ठूला शहरहरू नेपालगञ्ज बुटवल, काठमाडौं तथा छिमेकी मुलुक भारत जानु पर्ने बाध्यता रहेको छ। नेपाल सरकारको “एक स्थानीय तह एक अस्पताल निर्माण” अभियान अन्तर्गत गाउँपालिकामा एक सरकारी अस्पताल निर्माण हुन सके आगामी दिनमा स्वास्थ्य सेवा प्राप्तिमा गाउँपालिकाबासीलाई राहत मिल्ने देखिन्छ।

#### ५.१.२ समस्या तथा चुनौती

##### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- प्रभावकारी आपतकालीन उपचार सेवाको अभाव।
- सर्जिकल सामग्री तथा अन्य आवश्यक उपकरणको अभाव।
- सुविधा सम्पन्न अस्पताल तथा विज्ञ डाक्टरहरूको अभाव।
- स्वास्थ्य सेवाको उचित व्यवस्था र प्रबन्ध नहुँदा विरामीको अकालमै मृत्यु हुन सक्ने।
- स्वास्थ्य चेतना अभावका कारण बालबालिका, महिला तथा प्रजनन स्वास्थ्य, जेष्ठ नागरिकहरूको स्वास्थ्य र समग्र सामुदायिक स्वास्थ्य जोखिममा पर्न सक्ने।
- समग्र स्वास्थ्य क्षेत्रको सुधारका लागि ठूलो आकारको बजेट तथा कर्मचारी र विशेषज्ञहरूको प्रबन्ध गर्न सकिने।
- स्वास्थ्य केन्द्र तथा स्वास्थ्य चौकीको स्तर वृद्धि गरी सुविधा सम्पन्न बनाउनुपर्ने।
- आधारभूत तहबाट नै पूर्वाधारहरूको विकास गर्न ठूलो बजेटको व्यवस्थापन गर्ने चुनौती रहेको।
- खेतबारीमा प्रयोग गरिने किटनाशक विषादी, फारनाशक विषादी लगायतले मानविय स्वास्थ्यमा समेत असर पार्ने भएकोले यस न्यूनीकरण चुनौतीपूर्ण रहेको।
- नसर्ने रोगहरू जस्तै क्यान्सर, मधुमेह, मुटुरोग जस्ता रोगहरूको न्यूनीकरणमा चुनौती रहेको।



### ५.१.३ सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू	
■	गाउँपालिकाका स्वास्थ्य संस्थाहरूबाट खोप सेवा, परिवार नियोजन सेवा लगायत स्वास्थ्यका विभिन्न आधारभूत सेवा उपलब्ध हुँदै आएको ।
■	गाउँपालिकामा मातृ तथा नवशिशु कार्यक्रम तथा माहामारी नियन्त्रण कार्यक्रम सञ्चालन हुँदै आएको ।
■	प्रत्येक वडामा स्वास्थ्य स्वयंसेविका मार्फत परिवार नियोजन सेवा, प्रजनन तथा प्रसूती सेवा तथा पोषण सेवा र भिटामिन ए कार्यक्रम सञ्चालनमा रहेका ।
■	गाउँपालिकाले १५ शैयाको अस्पताल निर्माण गर्ने सन्दर्भमा यथाशिघ्र प्रक्रिया अगाडि बढाउने नीति लिएको ।
■	गाउँपालिकाले प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सुलिचौरबाट सहूलियत दरमा फार्मसी सेवा उपलब्ध गराउनुका साथै निशुल्क औषधी (९८ प्रकारका) वितरण गर्ने नीति लिएको ।
■	गाउँपालिकाले पालिका भित्र सञ्चालित बर्थिङ सेन्टरहरूलाई आवश्यक उपकरण र पूर्वाधारयुक्त बनाउने साथै थप बर्थिङ सेन्टर स्थापना गरि आधारभूत स्वास्थ्य सेवालाई गुणस्तरीय र सबैको सहज पहुँचमा पुऱ्याउने नीति अगाडी सारेको ।
■	पालिकाले युवा पुस्तामा डरलाग्दो गरी देखिएको लागु औषध दुर्व्यसनी हटाउन तथा युवा यूवतीहरूलाई असल मार्गमा लाग्न र भविष्यप्रति जिम्मेवार बनाउन आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने नीति अगाडि सारेको ।
■	एम्बुलेन्स सेवा विस्तार गरी जेष्ठ नागरिक तथा गर्भवती महिलालाई सुत्केरी हुने बेलामा गाउँपालिकाबाट निःशुल्क एम्बुलेन्स सेवा प्रदान गर्न सकिने ।
■	निःशुल्क वितरण गरिने औषधीको आपूर्तिलाई सहज गराउन सकिने ।
■	वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति जस्तै जडीबुटी, होमियोप्याथी, प्राकृतिक चिकित्सा तथा योग तथा ध्यान केन्द्रको व्यवस्था गर्न सकिने ।
■	विद्यमान स्वास्थ्य पूर्वाधारहरूलाई स्तरोन्नति गरी तिनीहरूको सेवा प्रभावकारी बनाउन सकिने ।
■	खोप केन्द्र भवन स्थापना गर्न सकिने ।
■	प्रत्येक वडामा बर्थिङ सेन्टरहरू निर्माण तथा सेवा विस्तार गरी सेवा प्रदान गर्न सकिने ।
■	प्रत्येक वडामा आधारभूत स्वास्थ्य सेवा केन्द्र निर्माण गरी गाउँपालिकाबासीमा स्वास्थ्य सेवाको पहुँच विकास गर्न सकिने ।
■	महिला स्वास्थ्य स्वयंसेवीलाई थप सबलीकरण गरी स्वास्थ्य सेवामा परिचालन गर्न सकिने ।

### ५.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

<b>दीर्घकालीन सोच</b>	
घरदैलो मै आधारभूत स्वास्थ्य सेवाको सुनिश्चितता	
<b>लक्ष्य</b>	
आगामी पाँच वर्ष भित्र आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधार निर्माण सम्पन्न गर्ने ।	
<b>उद्देश्यहरू</b>	
✓	आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु ।
✓	स्वास्थ्य चेतना र आहार विहारमा सुधार ल्याई प्रवृद्धनात्मक र निरोधात्मक जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्नु ।

उद्देश्य १: आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु ।

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.१ प्रत्येक वडामा स्वास्थ्य चौकीहरूको स्थापना गरिनेछ, र रहेका स्वास्थ्य चौकीहरूको क्रमशः स्तरोन्नति गरिनेछ ।

उद्देश्य १: आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१ आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधार निर्माण गर्ने ।	१.१.२ गाउँपालिका स्तरीय एक १५ शैयाको अस्पताल तथा एक प्रयोगशाला डाइग्नोस्टिक (Diagnostic) ल्याबको निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.३ गाउँपालिका अस्पताल अन्तर्गत एक सुविधा सम्पन्न आकस्मिक उपचार कक्षको निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.४ गाउँपालिका अस्पताल अन्तर्गत एक २४ मै घण्टा सेवा सञ्चालन हुने प्रसुती सेवा केन्द्र निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.५ गाउँपालिकास्तरीय एक बाल उपचार इकाईको स्थापना गरिनेछ ।
	१.१.६ गाउँपालिका भर समेट्ने गरी एक २४ सै घण्टा सेवा उपलब्ध हुने एम्बुलेन्स सेवाको प्रवन्ध गरिनेछ ।
	१.१.७ गाउँपालिकास्तरीय एक प्रजनन सेवा, परिवार नियोजन तथा सुरक्षित गर्भपतन सेवा इकाईको निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.८ गाउँपालिकास्तरीय एक मनोपरामर्श सेवा इकाई स्थापना गरिनेछ ।
	१.१.९ गाउँपालिकास्तरीय एक दन्त उपचार इकाईको निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.१० गाउँपालिकास्तरीय एक नाक, कान, घाँटी उपचार इकाई निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.११ गाउँपालिकास्तरीय एक आँखा उपचार इकाई निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.१२ गाउँपालिकास्तरीय एक छाला तथा यौन रोग इकाई निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.१३ गाउँपालिकास्तरीय सामान्य शल्यचिकित्सा इकाई निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.१४ गाउँपालिकास्तरीय एक रेडियोलोजी सेवा इकाई निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.१५ गाउँपालिकास्तरीय एक अल्ट्रासोनोग्राफी सेवा इकाई निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.१६ गाउँपालिकास्तरीय एक इ.सि.जी. सेवा इकाई निर्माण गरिनेछ ।
१.१.१७ गाउँपालिकास्तरीय एक अक्सिजन प्लान्ट निर्माण गरिनेछ ।	
१.१.१८ स्वास्थ्य प्रवर्द्धन कार्यक्रम तथा क्षय रोग, कुष्ठ रोग र रेविज विरुद्धको खोप सेवा उपलब्ध गराइनेछ ।	
१.२ स्वास्थ्यकर्मीको दरबन्दी व्यवस्थापन तथा क्षमता विकास गर्ने ।	१.२.१ गाउँपालिकाको संगठन तथा व्यवस्थापन सर्वेक्षण गरी आवश्यक दक्ष स्वास्थ्यकर्मीको दरबन्दी व्यवस्थापन गरिनेछ ।
	१.२.२ महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविकाको क्षमता अभिवृद्धि तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.३ सम्पूर्ण स्वास्थ्यकर्मीहरूलाई क्षमता विकास सम्बन्धी नियमित तालिमको प्रवन्ध गरिनेछ ।
	१.२.४ एक विद्यालय एक स्वास्थ्य सहायक (विद्यालय नर्स) को व्यवस्थापन गर्न थालनी गरिनेछ ।
	१.२.५ हरेक विद्यालयमा वर्षमा १ पटक साधारण स्वास्थ्य जाँच घुम्ती शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.६ गाउँपालिकामा संचालित सरकारी एवं निजी स्वास्थ्य संस्थाहरूको अनुगमन तथा नियमन गरि गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवाको अधिकार सुनिश्चित गरिनेछ ।
१.३ आधारभूत स्वास्थ्य सेवाबाट अति विपन्न र आम	१.३.१ अति विपन्न तथा आम नागरिकको आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा पहुँच सुनिश्चित गर्न स्वास्थ्य बिमामा मापदण्डका आधारमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.३.२ वडास्तरमा नियमित निःशुल्क स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।

**उद्देश्य १: आकस्मिक र आधारभूत स्वास्थ्य सेवा गाउँपालिका मै उपलब्ध गराउनु ।**

रणनीति	कार्यनीति
नागरिकलाई बञ्चित हुन नदिने ।	१.३.३ निःशुल्क वितरण गरिने औषधीको आपूर्ति र भण्डारण प्रणाली चुस्त र दुरुस्त पारिनेछ ।
	१.३.४ अशक्त, असहाय, बेवारिसे, अनाथ तथा जेष्ठ नागरिकहरूको आधारभूत स्वास्थ्यको सुनिश्चितता गर्न यस्ता व्यक्तिहरूको यथार्थ तथ्याङ्क संकलन गरी अभिलेख तयार पारिनेछ ।
	१.३.५ गम्भिर प्रकृतिका रोगहरूको उपचारमा नेपाल सरकारबाट प्राप्त हुने निःशुल्क सेवाहरूलाई सहजिकरण सिफारिस र प्रभावकारी बनाउन एक न्यापिड रेस्पन्स इकाई (Rapid Response Unit) को व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.३.६ बेला बेलामा आइपने COVID-19 जस्ता तथा अन्य माहामारीका लागि आधारभूत पूर्वाधारको बन्दोबस्ती गर्न एक माहामारी विपद् व्यवस्थापन योजना निर्माण गरिने छ ।
	१.३.७ अति विपन्न परिवारमा सुनौलो हजार दिनमा शिशु र आमाको पोषण पूरा गर्न पोषण प्याकेजको निर्माण गरिनेछ ।
	१.३.८ बालबालिकाको नियमित तौल र उचाई समेत जाँच्ने प्रवन्ध गरिनेछ ।
	१.३.९ जेष्ठ नागरिक विशेष निःशुल्क घुम्ती स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.१० वडास्तरीय महिला प्रजनन स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.११ पूर्ण संस्थागत सुत्केरी पालिका घोषणा गरि लागू गरिनेछ ।
	१.३.१२ प्रोटोकल अनुसार कम्तीमा आठ पटक स्वास्थ्य जाँच गराउन गर्भवती महिला लक्षित विशेष प्याकेज निर्माण गरिनेछ ।
	१.३.१३ प्रोटोकल अनुसार शिशुको जन्म पश्चात कम्तीमा ३ पटक स्वास्थ्य जाँच गराउन विशेष सुत्केरी प्याकेज निर्माण गरिनेछ ।
	१.३.१४ पूर्ण खोपयुक्त दिगोपना पालिका घोषणा गर्दै लगिनेछ ।
	१.३.१५ बालबालिकामा विशेष पुङ्कोपना, कमतौल, रक्तअल्पता र कुपोषण जाँच निशुल्क शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.१६ महिलाको आइ खस्ने र पाठेघरको क्यान्सर सम्बन्धी स्वास्थ्य जाँच शिविर नियमित रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.१७ HIV AIDS रोगीलाई Antiviral औषधीको उपलब्धता सुनिश्चित गरिनेछ ।
	१.३.१८ विपन्न, उत्पिडीत, सुकुम्बासी, दलित महिलाहरूलाई सुत्केरी हुन अस्पताल जाँदा एम्बुलेन्स खर्चमा ५० प्रतिशत छुट दिइनेछ ।
१.३.१९ दलित, असहाय र अपाङ्गका लागि गाउँपालिकाले स्वास्थ्य विमा कार्यक्रम अगाडि बनाउनेछ ।	
१.३.२० स्वास्थ्यमा गाउँपालिकाबासीको पहुँच सुनिश्चित गर्न जनस्वास्थ्य प्रवर्धन कार्यक्रममा विशेष जोड दिनुका साथै यसमा संलग्न जनशक्तिलाई प्रोत्साहनको व्यवस्था गरिनेछ ।	

**उद्देश्य २ स्वास्थ्य चेतना र आहार विहारमा सुधार ल्याई प्रवर्द्धनात्मक र निरोधात्मक जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ स्वास्थ्य प्रति सचेत नागरिक निर्माण गर्न व्यापक जनचेतना	२.१.१ स्थानीय सञ्चार माध्यम तथा सामाजिक सञ्जालमार्फत गाउँपालिकाको सक्रियतामा व्यक्तिगत स्वास्थ्य तथा स्वस्थ व्यवहार सम्बन्धी सामाग्रीहरू नियमित प्रसारण गरिनेछ ।

उद्देश्य २ स्वास्थ्य चेतना र आहार विहारमा सुधार ल्याई प्रवर्द्धनात्मक र निरोधात्मक जनस्वास्थ्य सुदृढ गर्नु ।	
रणनीति	कार्यनीति
जागरण अभियान सञ्चालन गर्ने ।	२.१.२ प्रत्येक सघन बस्ती भएका टोलहरूमा योग साधना तथा प्रवचन केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।
	२.१.३ विद्यालय पाठ्यक्रममा व्यक्तिगत तथा सामुदायिक स्वास्थ्यका क्षेत्रलाई अनिवार्य समेट्ने व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.१.४ विद्यालयमा जङ्गफुड निषेध गर्न विद्यालय व्यवस्थापन तथा अभिभावकसँग नियमित अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	२.१.५ शारीरिक व्यायाम वा श्रमको स्वास्थ्यमा पर्ने सकारात्मक असर बारे नियमित जनचेतना फैलाउन सञ्चार माध्यमसँग सहकार्य गरिनेछ ।
	२.१.६ धुम्रपान र मद्यपानलाई नियन्त्रण र कम गर्न निश्चित अवधि वा स्थानबाट बिक्री वितरण हुने व्यवस्था मिलाइ जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।
	२.१.७ आफ्नै घरआँगन र करेसाबारीमा उपलब्ध हुने सागसब्जी, फलफूल र खाद्यान्नहरूको पोषणको स्तर तथा सन्तुलित भोजनका बारेमा विद्यालयस्तरमा नियमित रूपमा चेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.८ आम नागरिकलाई नियमित सम्पूर्ण स्वास्थ्य जाँचका फाईदाबारे व्यापक प्रचार प्रसार गरिनेछ ।
	२.१.९ कुष्ठरोग, कालाजार, हात्तीपाइले, डेङ्गु लगायतका रोगहरूबाट बच्न विशेष जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.१० मनोसामाजिक परामर्श सेवाका कार्यक्रमहरूलाई अभियानका रूपमा वडास्तरमा सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.११ सडक दुर्घटना न्यूनीकरण गर्न ट्राफिक तथा स्थानीय संघ संस्थासँग अन्तर्क्रिया गरी व्यापक जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.१२ परिवार नियोजन सम्बन्धी सम्पूर्ण सेवाका किशोरी र आम महिलाको पहुँच सुनिश्चित गर्न सेवा विस्तार गरिनेछ ।
	२.१.१३ वडास्तरीय पोषण केन्द्र स्थापना गरी बालबालिकामा पोषणयुक्त आहाराको सुनिश्चितता गरिनेछ ।
	२.१.१४ सुर्तीजन्य पदार्थ निषेधित गाउँपालिका घोषणा गर्न आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.१५ सरुवा तथा भेक्टरजन्य रोग रोकथामका लागि आवश्यक तयारी एवं समुदाय परिचालन लगायतका एकीकृत कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
२.१.१६. प्रत्येक वडामा व्यायामशालाको विस्तार गरिनेछ ।	
२.२ वैकल्पिक चिकित्सा विकास र अवलम्बन जनस्वास्थ्य गर्ने ।	२.२.१ गाउँपालिकास्तरीय आयुर्वेद उपचार केन्द्रमा थप सेवा विस्तार गरिनेछ ।
	२.२.२ गाउँपालिकास्तरीय एक प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र स्थापना गर्न निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरिनेछ ।
	२.२.३ वडागत रूपमा समयमा नै औषधी दुवानीको उचित व्यवस्थापन गरिनेछ ।

स्वास्थ्य तथा पोषणको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	बडास्तरीय आधारभूत स्वास्थ्य केन्द्रहरुको स्तरोन्नति	५००	६००	७००	८००	९००	
		१.१.२	गाउँपालिकास्तरीय १५ शैयाको अस्पताल तथा सुविधा सम्पन्न प्याथोलोजी ल्याब निर्माण						
		१.१.३	सुविधा सम्पन्न आकस्मिक उपचार कक्ष निर्माण			५००	५००		
		१.१.४	प्रसूती सेवा कक्ष निर्माण		५००	५००	६००	६५०	
		१.१.५	बाल उपचार इकाई निर्माण			७००			
		१.१.६	एम्बुलेन्स खरिद		१०००	५००			
		१.१.७	प्रजनन सेवा, परिवार नियोजन तथा सुरक्षित गर्भपतन सेवा इकाई स्थापना		५००				
		१.१.८	मनोपरामर्श सेवा केन्द्र स्थापना			५००			
		१.१.९	दन्त उपचार इकाईको स्थापना			२००			
		१.१.१०	नाक, कान, घाँटी उपचार इकाई निर्माण				७००		
		१.१.११	आँखा उपचार इकाई निर्माण			५००			
		१.१.१२	छाला तथा यौन रोग इकाई निर्माण			६००			
		१.१.१३	गाउँपालिकास्तरीय सामान्य शल्यचिकित्सा इकाई निर्माण		५००				
		१.१.१४	गाउँपालिकास्तरीय एक रेडियोलोजी सेवा इकाई निर्माण		५००				
		१.१.१५	गाउँपालिकास्तरीय एक अल्ट्रासोनोग्राफी सेवा इकाई निर्माण			५००			
		१.१.१६	गाउँपालिकास्तरीय एक इ.सि.जी. सेवा इकाई निर्माण		५००				
		१.१.१७	गाउँपालिकास्तरीय एक अक्सिजन प्लान्ट निर्माण		५००				
		१.१.१८	स्वास्थ्य प्रवर्द्धन कार्यक्रम सञ्चालन		१००				

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
	१.२	१.२.१	स्वास्थ्यकर्मीको दरबन्दी व्यवस्था	१००					
		१.२.२	महिला स्वास्थ्य स्वयंसेविका तालिम	५०	५०	६०	६०	७०	
		१.२.३	अन्य स्वास्थ्यकर्मी तालिम तथा अनुसन्धान	५०	५०	६०	६०	७०	
		१.२.४	एक विद्यालय एक नर्सको व्यवस्थापन	३५	३५	३५	३५	३५	
		१.२.५	विद्यालयमा वर्षमा एक पटक घुम्ती स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.६	गुणस्तरीय स्वास्थ्य सेवा अधिकारको सुनिश्चितता	४०	४०	४०	४०	४०	
	१.३	१.३.१	स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम अभियान	८०	८०	८०	८०	८०	
		१.३.२	वडास्तरीय स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.३.३	निःशुल्क वितरण हुने औषधी नियमित आपूर्तिको व्यवस्था	६०	६०	६०	६०	६०	
		१.३.४	अशक्त, अपाङ्ग, असहाय बेवारिसे तथा जेष्ठ नागरिक अभिलेख संकलन	३०					
		१.३.५	गम्भिर प्रकृतिका रोग उपचार Rapid Response इकाई गठन			१००			
		१.३.६	महामारी विपद् व्यवस्थापन योजना निर्माण	२००					
		१.३.७	विपन्न नागरिक सुनौला हजार दिन पोषण व्यवस्था	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.३.८	बालबालिकाको नियमित तौल र उचाई जाँच्ने व्यवस्था	४०	४५	४५	४५	४५	
		१.३.९	निःशुल्क घुम्ती स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन	८०	८०	८०	८०	८०	
		१.३.१०	वडास्तरीय महिला प्रजनन् स्वास्थ्य जाँच शिविर सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.३.११	स्वास्थ्य संस्थामा नै सुत्केरी गराउन प्रोत्साहन प्याकेज निर्माण	१००	२००	३००	३००	३००	
		१.३.१२	प्रोटोकल अनुसार आठ पटक स्वास्थ्य जाँच गराउन गर्भवती प्याकेज निर्माण	२००	२००	२००	२००	२००	
		१.३.१३	जन्म पश्चात प्रोटोकल अनुसार तीन पटक स्वास्थ्य जाँच गराउन प्याकेज निर्माण	५००	५००	५००	५००	५००	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.३.१४	पूर्ण खोपयुक्त पालिका घोषणा	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.३.१५	बालबालिका लक्षित कुपोषण र रक्तअल्पता निशुल्क जाँच शिविर सञ्चालन	५००	६००	७००	८००	९००	
		१.३.१६	आइ खस्ने र पाठेघर जाँच सम्बन्धी नियमित स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन	३००	३५०	४००	४५०	५००	
		१.३.१७	HIV AIDS Antiviral औषधी व्यवस्थापन	५००					
		१.३.१८	विपन्न, उत्पिडीत, सुकुम्बासी र महिलाहरुलाई सुत्केरी हुन अस्पताल जाँदा एम्बुलेन्स खर्चमा ५० प्रतिशत छुट	१५०	१५०	१५०	१५०	१५०	
		१.३.१९	“अति विपन्नको लागि बिमा, हाप्पो जिम्मा” कार्यक्रम सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.३.२०	जनस्वास्थ्य प्रवर्द्धन कार्यक्रममा विशेष जोड	१००	१००	१००	१००	१००	
२.	२.१	२.१.१	स्वास्थ्य शिक्षा सञ्चार कार्यक्रम	३०	३५	४०	४५	५०	
		२.१.२	योग साधना प्रवचन केन्द्र स्थापना (वडास्तरीय)		२००	२००	२००	२००	
		२.१.३	व्यक्तिगत र सामुदायिक स्वास्थ्य सम्बन्धी विद्यालय पाठ्यक्रम			१५०			
		२.१.४	जङ्ग फुड उन्मूलन विद्यालय अभियान अन्तर्गत अभिभावक अन्तरक्रिया	३५	३५	३५	३५	३५	
		२.१.५	शारीरिक व्यायाम तथा श्रमको महत्व विषयक सूचना सञ्चार	३०	३५	४०	४५	५०	
		२.१.६	धूम्रपान र मध्यपान नियन्त्रण सचेतना अभियान	४०	४०	४०	४०	४०	
		२.१.७	“सन्तुलित र पोषिलो भोजन रोजौं, घर आँगन नै खोजौं” कार्यक्रम	३०	३०	३०	३०	३०	
		२.१.८	नियमित स्वास्थ्य जाँचको महत्वबारे विशेष जनचेतनामूलक कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.१.९	सर्ने र नसर्ने रोगबाट बच्न विशेष जनचेतनामूलक कार्यक्रम	५००	५००	५००	५००	५००	
		२.१.१०	मनोसामाजिक परामर्श कार्यक्रम	१००	१००	१००	१००	१००	
		२.१.११	सडक दुर्घटना सम्बन्धी सचेतनामूलक कार्यक्रम	१५०	१५०	१५०	१५०	१५०	
		२.१.१२	परिवार नियोजन सेवा विस्तार तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रम	१००	१००	१००	१००	१००	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		२.१.१३	वडास्तरीय पोषण केन्द्रको स्थापना		६००				
		२.१.१४	सुर्तीजन्य पदार्थ निषेधित गाउँपालिका घोषणा गर्न आवश्यक कार्यक्रम सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.१.१५	सरुवा तथा भेक्टरजन्य रोग रोकथामका लागि आवश्यक तयारी एवं कार्यक्रम सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	
		२.१.१६	प्रत्येक वडामा व्यायामशालाको विस्तार						
२.२	२.२.१		गाउँपालिकास्तरीय आयुर्वेद स्वास्थ्य सेवा विस्तार		३००	३००	३००	३००	
		२.२.२	गाउँपालिकास्तरीय प्राकृतिक चिकित्सा केन्द्र स्थापना		२००	२००	२००	२००	
		२.२.३	वडागत रुपमा औषधी हुवानीको उचित व्यवस्थापन	१००	१००	१००	१००	१००	

#### ५.१.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ आधारभूत स्वास्थ्य पूर्वाधारको विकास भएको हुनेछ ।
- ✓ आवश्यक मात्रामा दक्ष स्वास्थ्य जनशक्तिको प्रबन्ध हुनेछ ।
- ✓ आधारभूत स्वास्थ्य सेवामा अति विपन्न नागरिकको पहुँच स्थापित हुनेछ ।
- ✓ स्वास्थ्य चेतनामा व्यापक सुधार आउने छ ।
- ✓ वैकल्पिक चिकित्सा पद्धति तर्फ आम सर्वसाधारणको आकर्षण बढेको हुनेछ ।



### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
<b>स्वास्थ्य</b>					
१	असर	दक्ष प्रसूतीकर्मीहरूको सहयोगमा भएको जन्मको (३.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२	असर	पाँच वर्षमूनिको बाल मृत्युदर (प्रतिहजार जिवित जन्ममा) (३.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
३	असर	नवजात शिशु मृत्युदर (प्रतिहजार जिवित जन्ममा) (३.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
४	प्रतिफल	कुष्ठरोगी विरामी वार्षिक (३.३.५.क) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
५	प्रतिफल	कालाजार विरामी वार्षिक (३.३.५.ख) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
६	प्रतिफल	हात्तिपाइले विरामी वार्षिक (३.३.५.ग) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
७	प्रतिफल	डेङ्गु विरामी वार्षिक (३.३.५.घ) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
८	प्रतिफल	सक्रिय ट्रकोमा विरामी वार्षिक (३.३.५.ड) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
९	प्रतिफल	मुटुसम्बन्धी विरामी वार्षिक (३.४.१.क) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
१०	प्रतिफल	क्यान्सर विरामी वार्षिक (३.४.१.ख) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
११	प्रतिफल	मधुमेह विरामी वार्षिक (३.४.१.ग) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१२	प्रतिफल	स्वास प्रणाली सम्बन्धी दीर्घ रोग दम आदिका विरामी (३.४.१.घ) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
१३	प्रतिफल	आत्महत्याबाट हुने मृत्युदर प्रति लाख जनसंख्यामा (३.४.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१४	प्रतिफल	सडक दुर्घटनाबाट मृत्युदर प्रति लाख जनसंख्यामा (३.६.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१५	प्रतिफल	परिवार नियोजनका आधुनिक साधन प्रयोगकर्ता दर (३.७.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१६	असर	प्रोटोकल अनुसार चार पटक पूर्व प्रसूति सेवा प्राप्त गर्ने महिलाको प्रतिशत जीवित जन्ममा (३.८.१ क) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१७	असर	अस्पताल/स्वास्थ्य संस्थामा बच्चा जन्माउने महिला (३.८.१ ख) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१८	असर	प्रोटोकल अनुसार बच्चाको जन्मपछि तीनपटक सेवा प्राप्त गर्ने महिला (३.८.१ ग) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१९	असर	हेपाटाइटिस बी भ्याक्सिन पुरा (३ डोज) गर्ने शिशु (३.८.१ ग) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
२०	असर	रगतमा ग्लुकोजको मात्रा वृद्धि भई औषधि प्रयोग गरिरहेका १५ वर्ष वा सो भन्दा माथिको जनसंख्या (३.८.१ ज) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२१	असर	घरबाट स्वास्थ्य संस्थामा ३० मिनेट वा सो भन्दा कम समय लाग्ने परिवार (३.८.१ भ) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२२	असर	स्वास्थ्य विमामा आवद्ध विपन्न परिवार (३.८.१ ज) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२३	असर	राष्ट्रिय खोप कार्यक्रममा समावेश भएका सबै खोपद्वारा समेटिएको लक्षित जनसंख्या (३.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२४	असर	पाँच वर्ष मूनीका रक्त अल्पता भएका बालबालिका (२.२.२.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२५	असर	स्वास्थ्यकर्मीको घनत्व र वितरण	प्रतिलाख जनसंख्यामा		
२६	असर	पाँच वर्ष मूनीका पुडकोपना भएका बालबालिका (२.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२७	असर	स्वास्थ्य क्षेत्रमा कुल खर्च कुल (बजेटको) दिगो विकास लक्ष्य ३ (३.ग.१.क) र (१.क.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२८	प्रतिफल	सम्पूर्ण आधारभूत सुविधायुक्त स्वास्थ्य चौकी	संख्या	८	१२
२९	असर	पाँच वर्ष मूनीका कुपोषण भएका बालबालिका दर (२.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
३०	असर	पाँच वर्ष मूनीका कम तौल भएका बालबालिका (२.२.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत	०.१३	०.२
३१	असर	कुपोषण भएका बालबालिका दर	प्रतिशत		
३२	प्रतिफल	चौबिसै घण्टा आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा भएका स्वास्थ्य संस्था	संख्या	१	५
३४	प्रतिफल	चौबिसै घण्टा आकस्मिक प्रसुति सेवा भएका स्वास्थ्य संस्था	संख्या		
३५	प्रतिफल	चौबिसै घण्टा एम्बुलेन्स सेवा भएका स्वास्थ्य संस्था	संख्या	४	८
३६	प्रतिफल	बैकल्पिक स्वास्थ्य उपचार केन्द्र	संख्या		
३७	प्रतिफल	योग केन्द्र	संख्या		
३८	असर	पूर्ण सुरक्षित पिउने पानी प्रयोग गर्ने जनसंख्या	प्रतिशत		
३९	प्रतिफल	आधारभूत स्वास्थ्य चेतना प्राप्त गर्ने वैद्य धामी भाँक्री	संख्या		
४०	प्रतिफल	परिवार नियोजन सेवा केन्द्र	संख्या	८	१२
४१	प्रतिफल	रक्तसंचार सेवा	संख्या		
४२	प्रतिफल	अपेक्षित आयू (जन्मदाको बखत)	वर्ष		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
४३	असर	प्रजनन उमेरमा रक्त अल्पता भएका महिला प्रतिशत ( २.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
४४	प्रतिफल	मातृ मृत्युदर (प्रति लाखमा)	प्रति लाखमा	१	०
४५	असर	पाठेघरको क्यान्सरका निमित्त स्क्रिनीङ गरिएका ३० देखि ४९ वर्षका महिला	प्रतिशत	६१	५०
४६	प्रतिफल	HIV AIDS Antiviral औषधी प्राप्त गर्ने	संख्या		
४७	प्रतिफल	उच्च रक्तचापको औषधी सेवन गरिरहेका १५ वर्ष भन्दा माथिको जनसंख्या	संख्या	५००	३५०
४८	प्रतिफल	सुविधा सम्पन्न अस्पताल	संख्या	०	१
४९	प्रतिफल	घुम्ती स्वास्थ्य शिविर वार्षिक	संख्या	०	१
५०	प्रतिफल	स्वास्थ्य प्रयोगशाला	संख्या	६	१०
५१	प्रतिफल	खोप केन्द्र	संख्या	२८	३५
५२	प्रतिफल	गाउँघर क्लिनिक	संख्या	२२	३०

### ५.१.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ५.२ शिक्षा, विज्ञान तथा नवप्रवर्तन

### ५.२.१ पृष्ठभूमि

सभ्य र सु-संस्कृत समाजको निर्माणमा शिक्षाको सर्वोपरी भूमिका रहेको हुन्छ । विज्ञान तथा प्रविधिमैत्री शिक्षा प्रदान गर्न सकेमात्र सक्षम मानव संसाधन तयार हुन्छ । आधुनिक समाज निर्माण गर्न शिक्षामा बृहत्तर लगानी गर्नुपर्ने हुन्छ । विश्वभर विकसित मुलुकहरूको समग्र विकासको कारण भनेकै ती मुलुकहरूको शिक्षामा गरेको विशाल लगानीको प्रतिफल हो । नेपालको संविधान २०७२ ले शिक्षालाई नागरिकको मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरेको छ । विशेषगरी आधारभूत तह सम्मको शिक्षा निःशुल्क र अनिवार्य साथै माध्यमिक तह सम्मको शिक्षा निःशुल्क गरेको छ । उक्त परिप्रेक्ष्यमा राज्य: विशेषगरी स्थानीय सरकारको भूमिका र जिम्मेवारी महत्वपूर्ण हुन गएको छ ।

राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकाको कुल साक्षरतादर ७४.५ प्रतिशत रहेको छ भने पुरुष साक्षरता दर ८४.४ प्रतिशत र महिला साक्षरतादर ६६.३ प्रतिशत रहेको छ । ग्रामीण परिवेश रहेको यस गाउँपालिकाको शैक्षिक अवस्थाका बारेमा अध्ययन गर्दा देशका अन्य स्थानीय तहको तुलनामा साक्षरता दर न्यून रहेको पाइन्छ । हाल यस गाउँपालिकामा सामुदायिक आधारभूत विद्यालयहरू ११ वटा, प्राथमिक विद्यालयहरू २२ वटा, माध्यमिक विद्यालयहरू ८ वटा र निजी विद्यालयहरू ५ वटा गरी जम्मा ४६ वटा विद्यालयहरू सञ्चालनमा रहेका छन् । यहाँका अधिकांश विद्यार्थीहरू उच्च शिक्षा अध्ययनका लागि घोराही, तुलसीपुर, बुटवल, नेपालगञ्ज, तथा काठमाडौं जाने गर्दछन् । यहाँ आधारभूत र माध्यमिक तहमा विद्यालय पाठ्यक्रममा रहेको विज्ञान र प्रविधिको अध्यापन बाहेक विज्ञान र प्रविधि विकासमा थप प्रयासहरू हुन सकेका छैनन् भने उच्च शिक्षाको क्षेत्रमा पनि पर्याप्त लगानी गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

## ५.२.२ समस्या तथा चुनौती

### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- बालविकास, आधारभूत र सीमित माध्यमिक शिक्षाको सुविधा भए पनि स्नातक वा सो भन्दा माथिको उच्च शिक्षालयको अभाव ।
- विद्यालय क्षेत्रका शैक्षिक समस्याहरूको समयमै सम्बोधन नगर्ने हो भने राष्ट्रलाई आवश्यक सक्षम, दक्ष र कर्मठ नागरिक उत्पादन हुन नसक्ने ।
- विद्यालयहरूमा विद्यार्थीको अनुपातमा शिक्षक दरबन्दी मिलान गरिएता पनि पर्याप्त नभएको ।
- विद्यालय तथा विद्यार्थीहरू माझ स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक भावना कमी भएको ।
- विपन्न समुदायका बालबालिकाको शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधिमा न्यून पहुँच भएको ।
- समग्र शैक्षिक समस्याहरू सम्बोधन गरी शैक्षिक संस्थाहरूलाई सुविधा सम्पन्न बनाउन बजेटको व्यवस्था गर्नुपर्ने ।
- चुस्त अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीको व्यवस्था गर्नुपर्ने ।
- शैक्षिक क्यालेण्डरलाई नियमित तथा व्यवस्थित गर्नुपर्ने ।
- शिक्षकहरूलाई नियमित तालिम प्रदान गर्नुपर्ने ।
- बालमैत्री तथा विद्यार्थीमैत्री शिक्षण सिकाई तथा अन्य नवीनतम शिक्षण पद्धतिको विकास गर्नुपर्ने ।
- अन्तराष्ट्रियस्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने शैक्षिक गुणस्तर कायम गर्नुपर्ने ।
- हरेक विद्यालयलाई सूचना प्रविधियुक्त तथा गुणस्तरीय बनाउनुपर्ने ।
- प्राविधिक तथा सिपमूलक शिक्षाको बढोत्तरी गरिनुपर्ने ।
- शैक्षिक ऋण तथा छात्रवृत्तिको व्यवस्था गरिनुपर्ने ।
- विद्यार्थी संख्याको आधारमा शिक्षक दरबन्दी व्यवस्थापन गर्नुपर्ने ।
- अभिभावक शिक्षा कार्यक्रमलाई थप व्यवस्थित बनाउनु पर्ने ।
- सुविधा तथा पूर्वाधारयुक्त विद्यालय भवनको व्यवस्थापन गर्नुपर्ने ।
- प्राविधिक कलेजहरू सञ्चालन गर्न लगानीको वातावरण बनाउनुपर्ने ।
- दक्ष शिक्षकहरूको आवश्यकता अनुरूप आपूर्ति गर्नुपर्ने ।
- जीर्ण भवनहरूलाई स्तरोन्नति गरी सुरक्षित वातावरणमा पठनपाठन गराउनुपर्ने ।
- सामुदायिक विद्यालयमा अंग्रेजी भाषाको माध्यमबाट पनि पठनपाठन गर्न प्रोत्साहन गर्नुपर्ने ।

### ५.२.३ सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकाले एक वडा एक माध्यमिक विद्यालय को नीति अगाडी सारेको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>पालिकाले अल्पसंख्यक, विपन्न, न्यून आय भएका, दलित, सीमान्तकृत, पिछडा वर्ग, अनाथ, शहिद परिवार, अपाङ्गता भएका व्यक्ति र एकल महिला भएका परिवारका सदस्यलाई माध्यमिक र उच्च शिक्षाको सुनिश्चित गर्नका लागि मेहनत तपाईंको: जिम्मेवारी हाम्रो कार्यक्रम सञ्चालन कोषको स्थापना गर्ने नीति अगाडी सारेको ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँपालिकामा बहुप्राविधिक धारका शिक्षालयहरू स्थापना गर्न सकिने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>निजी क्षेत्रको सहयोग लिई शिक्षामा लगानी तथा स्तर वृद्धि गर्न सकिने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>माध्यमिक तहमा कम्प्युटर शिक्षा तथा गाउँपालिकामा आवश्यक जनशक्ति उत्पादन गर्न तद्अनुरूपका कार्यक्रम सञ्चालन गर्न विद्यालयहरूलाई प्रोत्साहन गर्न सकिने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>सम्पूर्ण विद्यालयहरूमा आवश्यक मात्रामा शैक्षिक सामग्रीहरूको थप व्यवस्था, पुस्तकालय तथा विज्ञान र कम्प्युटर प्रयोगशालाको व्यवस्था गरी व्यवहारिक शिक्षा प्रदान गर्न सकिने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>शिक्षकहरूलाई तालिम दिई गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्न सकिने ।</li> </ul>
<ul style="list-style-type: none"> <li>दक्ष शिक्षक, गुणस्तरीय शिक्षा दिन सक्ने, कृषि, विज्ञान तथा अन्य प्राविधिक कलेजहरू सञ्चालनमा ल्याउन सकिने ।</li> </ul>

### ५.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धी मानव स्रोतको निर्माण
लक्ष्य
निरक्षरता शुन्यमा भारी आधारभूत देखि उच्च तह सम्मको गुणस्तरीय शिक्षा गाउँपालिकाभित्र उपलब्ध गराउने ।
उद्देश्यहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>✓ न्यूनतम शैक्षिक पूर्वाधारको विकास गरी आधारभूत र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित गर्नु ।</li> <li>✓ निरक्षरता शुन्यमा भार्नु ।</li> <li>✓ व्यवहारिक, प्राविधिक, जीवनोपयोगी र नैतिक मूल्यमा आधारित शिक्षा प्रदान गर्नु ।</li> <li>✓ राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्नु ।</li> <li>✓ विज्ञान तथा प्रविधिको आधारभूत खोज र अन्वेषणलाई स्थान दिनु ।</li> </ul>

उद्देश्य १: न्यूनतम शैक्षिक पूर्वाधारको विकास माफत आधारभूत र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच स्थापित गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१ न्यूनतम भौतिक पूर्वाधारहरूलाई प्राथमिकताको आधारमा निर्माण गर्दै लैजाने ।	१.१.१ गाउँपालिकाभर सञ्चालनमा रहेका सामुदायिक विद्यालयहरूको निरीक्षण गरी त्यहाँ रहेका भौतिक पूर्वाधारहरू जस्तै भवन, कक्षा कोठा, शौचालय, पुस्तकालय, पिउने पानी, डेस्क, बेन्च, शिक्षक दरबन्दी, विज्ञान प्रयोगशाला लगायतको अवस्थाबारे वस्तुगत विवरण संकलन गरिनेछ ।
	१.१.२ विद्यालय भवन, कक्षाकोठा र शौचालयको भौतिक निर्माण तथा जीर्णोद्धार गर्न रकम विनियोजन गरिनेछ ।

**उद्देश्य १: न्यूनतम शैक्षिक पूर्वाधारको विकास मार्फत आधारभूत र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच स्थापित गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.३ आवश्यकताका आधारमा विद्यालयहरूलाई तहगत स्तरोन्नति गर्न छनौट गरी अध्ययन गरिनेछ ।
	१.१.४ विद्यालयलाई आवश्यक खेल मैदानको उचित प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.१.५ वैकल्पिक उर्जाको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.१.६ भौगोलिक दुरीमा रहेका बालबालिकालाई विद्यालयको पहुँचसम्म पुऱ्याउन छात्रावासको निर्माण तथा स्रोत कक्षा सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.७ पढ्दै कमाउँदै कार्यक्रमलाई जमिन भएका सामुदायिक मा.वि.मा परीक्षणका रूपमा कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
	१.१.८ सामुदायिक विद्यालयका कक्षाहरूलाई डिजिटल पूर्वाधारयुक्त बनाइनेछ ।
	१.१.९ STEM (Science, Technology, Engineering And Mathematics) Education का लागि स्टेम प्रयोगशाला विस्तार गर्नुका साथै सामाजिक र भाषा विषयका लागि ल्याब स्थापना कार्य अगाडी बढाइनेछ ।
	१.१.१० प्रारम्भिक बाल शिक्षा केन्द्रमा बालमैत्री वातावरण निर्माण गर्न आवश्यक श्रोत साधन र प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराइनेछ ।
	१.१.११ पालिकास्तरमा कम्तीमा एक विद्यालयलाई नमुना विद्यालय बनाउनका लागि आवश्यक कार्ययोजना तयार गरिनेछ ।
१.२ अत्यावश्यक शैक्षिक जनशक्तिको व्यवस्थापन गर्ने ।	१.२.१ विद्यार्थी संख्या तथा शिक्षक संख्याको आधारमा शिक्षक विद्यार्थी अनुपात हेरी सोको विस्तृत अध्ययन प्रतिवेदन तयार पारिनेछ ।
	१.२.२ विद्यार्थी अनुपातमा शिक्षक दरबन्दी कम भएका विद्यालयमा दरबन्दी व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.२.३ विद्यार्थी संख्या अति न्यून भएका विद्यालयहरूको समायोजन प्रक्रियालाई प्राथमिकता दिइनेछ ।
	१.२.४ कक्षाको आवश्यकता र पाठ्यक्रमको माग अनुरूप शिक्षकहरूलाई आफ्नो विषयमा दक्ष तुल्याउन नियमित विषयगत तालिमको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.२.५ शिक्षकहरूलाई प्रविधि र विषय स्तरिकृत तालिम तथा अध्ययन भ्रमण उपलब्ध गराइनेछ ।
	१.२.६ शिक्षकहरूको विषयगत समितिलाई सिकाइ थलोका रूपमा विकास गरिनेछ ।
	१.२.७ युवा शिक्षण स्वयंसेवक शिक्षक तथा शिक्षण सहायक उपलब्ध गराउन आवश्यक श्रोत साधनको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.२.८ शिक्षक तथा कर्मचारीका लागि उत्प्रेरणात्मक कार्यक्रमको व्यवस्था गरिनेछ ।
१.३ सबैका लागि आधारभूत शिक्षा सुनिश्चित गर्न स्थानीय नीति तथा कानून	१.३.१ पूर्व प्राथमिक अथवा बालविकास, आधारभूत तथा माध्यमिक शिक्षा, अनौपचारिक शिक्षा, खुल्ला तथा वैकल्पिक शिक्षा, निरन्तर शिक्षा साथै विशेष शिक्षा सम्बन्धी कानून र मापदण्ड निर्माण गरी लागू गरिनेछ ।
	१.३.२ गुणस्तरीय शिक्षा विकासको लागि गुरुयोजना निर्माण गरी लागू गरिनेछ ।
	१.३.३ अति विपन्न समुदायका विद्यालय जाने बालबालिकाको तथ्याङ्क तयार पारिनेछ ।

**उद्देश्य १: न्यूनतम शैक्षिक पूर्वाधारको विकास मार्फत आधारभूत र माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच स्थापित गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्ने ।	१.३.४ विद्यालय जाने उमेरका विद्यालय जानबाट बञ्चित बालबालिकालाई विद्यालय पुऱ्याउन नसक्नुका कारणहरूको अध्ययन गरी तिनको निराकरण गरिनेछ ।
	१.३.५ विद्यार्थीहरूलाई विद्यालय अनिवार्य पठाउन अभिप्रेरित गर्ने विशेष अभिभावक शिक्षा कार्यक्रमलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.६ विद्यालय जाने उमेर छँदै बाल विवाहमा परेका या शिक्षाबाट बञ्चित बालबालिकालाई बुहारी शिक्षा अन्तर्गत विद्यालयमा आउने वातावरण निर्माण गर्न अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
१.४ पोषण तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी व्यवस्था गर्ने ।	१.४.१ विद्यार्थी भर्ना दर बढाउन दिवा खाजाको प्रबन्ध गरिनेछ । बालबालिकालाई आवश्यक सन्तुलित भोजनका बारेमा अभिभावक र स्वयं बालबालिकाहरूलाई सूचित गर्न विद्यालयस्तरीय पोषण शिक्षा अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.४.२ स्यानिटरी प्याड तथा किशोरी लक्षित स्वास्थ्य सामाग्रीको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.४.३ विद्यालयहरूमा किशोरी शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन तथा माध्यमिक विद्यालयमा एक नर्सको व्यवस्थालाई विस्तार गरिनेछ ।

**उद्देश्य २ : निरक्षरता शून्यमा भार्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ अति विपन्न, आदिवासी, सिमान्तकृत समुदाय, दलित तथा अपाङ्ग र विद्यालय जानबाट बञ्चित विद्यार्थी तथा बयस्क केन्द्रित शैक्षिक अभियान सञ्चालन गर्ने ।	२.१.१ अतिविपन्न र विद्यालय जानबाट बञ्चित सम्पूर्ण बालबालिकालाई अनिवार्य रूपमा विद्यालय पुऱ्याउन विशेष छात्रवृत्ति कोषको व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.१.२ हरेक वडामा निरक्षरहरूको विवरण तयार पारिनेछ ।
	२.१.३ प्रत्येक वडामा निरक्षर केन्द्रित अनौपचारिक प्रौढ शिक्षा कक्षलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.४ अनौपचारिक प्रौढ शिक्षाको उपलब्धि मापन गर्न कक्षा समापन पश्चात वार्षिक सर्वेक्षण गरिनेछ ।
	२.१.५ फरक शारिरिक अवस्था रहेका व्यक्तिहरूलाई शिक्षा प्रदान गर्न विशेष कक्षा सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.६ स्थानीय सञ्चार माध्यममार्फत तथा वडास्तरमा शिक्षाको महत्वका विषयमा निरक्षर केन्द्रित जनचेतनामूलक कार्यक्रम अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.७ वडा स्तरीय एक सामुदायिक सिकाई केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।
	२.१.८ २० वर्ष पश्चात पनि विवाह नगरी अध्ययन गरिरहने दलित समुदायका छोरीहरूलाई पुरस्कृत गरिनेछ ।

**उद्देश्य ३: व्यवहारिक, प्राविधिक, जीवनोपयोगी र नैतिक मूल्यमा आधारित शिक्षा प्रदान गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
३.१ प्राविधिक र व्यवहारिक शिक्षा केन्द्रित शिक्षालय तथा पाठ्यक्रमको निर्माण गरी लागू गर्ने ।	३.१.१ मा.वि. सञ्चालनमा रहेका विद्यालयमा एक वडा एक प्राविधिक विषय सञ्चालन गर्न आवश्यक शैक्षिक पूर्वाधारका लागि संघीय र प्रादेशिक सरकारको सहयोगमा रकम विनियोजन गरिनेछ ।
	३.१.२ CTEVT को सम्बन्धनमा गाउँपालिकास्तरीय एक बहुप्राविधिक विद्यालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।

उद्देश्य ३: व्यवहारिक, प्राविधिक, जीवनोपयोगी र नैतिक मूल्यमा आधारित शिक्षा प्रदान गर्नु	
रणनीति	कार्यनीति
	३.१.३ हरेक विद्यालयमा ICT ल्याबको व्यवस्था गरी विद्यार्थीलाई प्राविधिक शिक्षाको पहुँचसम्म पुऱ्याइनेछ ।
३.२ नैतिक मूल्यमा आधारित जीवनोपयोगी शिक्षाका लागि हरेक तहमा पाठ्यक्रम अनिवार्य गरी लागू गर्ने ।	३.२.१ हरेक तह साथै अनौपचारिक क्षेत्रको शिक्षामा नैतिकता, अनुशासन र जीवन सीप (Life Skills) विकास गर्न पाठ्यक्रम तयार गरी लागू गर्न विज्ञसँग परामर्श लिइनेछ ।
	३.२.२ हरेक तहको शिक्षामा, आध्यात्मिक तथा आत्मिक विकास, सेवाभाव, मानवता, ध्यान, योग र स्वयंसेवा प्रवर्द्धन गर्ने पाठ्यक्रम तयार गरी अनिवार्य लागू गर्न त्यस्ता विषय शिक्षकहरूलाई अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

उद्देश्य ४: राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्नु	
रणनीति	कार्यनीति
४.१ नवीनतम शिक्षण सिकाई प्रविधिहरूको व्यवहारिक प्रयोग गर्ने ।	४.१.१ हरेक विद्यालयमा नवीनतम शिक्षण सिकाई प्रविधिको प्रयोगका बारेमा नियमित शिक्षक अभिमूखीकरण तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	४.१.२ निर्धारित पाठ्यक्रमको उद्देश्य अनुरूप सिकाई उपलब्धि मापन गर्न प्रत्येक विद्यार्थीको PIS (व्यक्तिगत सूचना प्रणाली) निर्माण गरिनेछ ।
	४.१.३ शिक्षण सिकाई मापन गर्न प्रमाणिक तथा वैज्ञानिक ग्रेडिड प्रणालीको प्रयोग गरिनेछ ।
४.२ स्थानीय आवश्यकता अनुरूप पाठ्यक्रम सुदृढिकरण गर्दै लैजाने ।	४.२.१ विज्ञान प्रविधि, गणित, अंग्रेजी जस्ता विषयमा राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने विद्यार्थी तयार पार्न सूचना प्रविधिको प्रयोगमार्फत विद्यार्थीहरूलाई तहगत हिसाबले सु-सूचित बनाउन विद्यालयमा इन्टरनेटको अनिवार्य व्यवस्था मिलाइनेछ ।
	४.२.२ हरेक विद्यालयमा अध्यापनरत शिक्षकहरूका लागि आफूले पढाउने विषयमा अधिकतम ज्ञान हासिल गरी व्यक्तिगत क्षमता विकास गर्नका लागि विषय सम्बन्धित पुस्तक तथा सामग्रीहरू भएको Teachers Reference Library स्थापना गरिनेछ ।
	४.२.३ विद्यार्थीको व्यक्तिगत रुचि र भुकावको पहिचान गरी हरेक विद्यालयमा नियमित अतिरिक्त कृयाकलाप अन्तर्गत गायन, वाद्यवादन, नृत्य, अभिनय, खेलकुद, चित्रकला, वतृत्वकला जस्ता कृयाकलाप सञ्चालन गर्न शिक्षकको प्रवन्ध गरिनेछ ।
४.३ विद्यार्थीहरूको ज्ञानको क्षितिज वृद्धि हुने कृयाकलाप नियमित गर्ने ।	४.३.१ विद्यार्थीहरूलाई वार्षिक पात्रोको विकास गरी नियमित रूपमा शैक्षिक भ्रमण गराइनेछ ।
	४.३.२ विद्यार्थीहरूलाई सामाजिक, जीवनोपयोगी र व्यवहारिक ज्ञान दिलाउन नियमित स्थलगत अध्ययन र परियोजना कार्यमा संलग्न गराइनेछ ।
	४.३.३ विद्यालय शैक्षिक पात्रोमा प्रवन्ध गरी नियमित रूपमा विज्ञान, प्रविधि, कला, खेलकुद, पेशा व्यवसाय आदिमा सफल व्यक्तित्वहरूसँग विद्यार्थीहरूलाई साक्षात्कार गराइनेछ ।
	४.३.४ विद्यालयमै ज्ञान, विज्ञान, सफलता, साहस र जितका कथाहरू समेट्ने वृत्तचित्र तथा चलचित्रहरूको नियमित प्रदर्शन गराउने व्यवस्था मिलाइनेछ ।



उद्देश्य ४: राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
	४.३.५ विद्यार्थीहरूलाई ज्ञान सिप सम्बन्धी क्षेत्रिय, राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगितामा भाग लिन पूर्व तयारी गरिनेछ ।
	४.३.६ गाउँपालिकास्तरीय एक बहुक्षेत्रिय सिप विकास तथा व्यवसायिक तालिम केन्द्रको स्थापना गरिनेछ ।
४.४ पाठ्य सामाग्रीको उपलब्धता सुनिश्चित गर्ने ।	४.४.१ नियमित पठनपाठनका लागि आवश्यक पुस्तकालय र पाठ्य पुस्तकहरूको समयमै प्रबन्ध गर्न गाउँपालिकास्तरीय एक संयन्त्रको निर्माण गरिनेछ ।
	४.४.२ हरेक विद्यालयमा पुस्तकालय व्यवस्थापन गर्न पालिकास्तरमा एक सुविधा सम्पन्न पुस्तकालय निर्माण गरिनेछ ।
	४.४.३ हरेक माध्यमिक विद्यालयमा एक विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण गरिनेछ ।
४.५ नियमित अनुगमन तथा निरीक्षण गरी शैक्षिक कृयाकलापहरूलाई समय सापेक्ष सुधार गर्ने ।	४.५.१ विद्यालयमा शिक्षकहरू नियमित उपस्थित भएको हाजिरी साथै सुनिश्चित गर्न बडा अध्यक्ष र प्रधानाध्यापकहरूसँग हरेक महिनामा अन्तरक्रिया गरी सूचना लिइनेछ ।
	४.५.२ विद्यार्थीको नियमित उपस्थितिका लागि कक्षा शिक्षकलाई जिम्मेवार बनाई हरेक चौमासिक परीक्षाको परीक्षाफल प्रकाशन पश्चात अभिभावक अन्तरक्रियालाई अनिवार्य गरिनेछ ।
	४.५.३ शिक्षण सिकाईमा उत्कृष्ट विद्यालयलाई हरेक वर्ष पुरस्कृत गर्न एक कोषको निर्माण गरिनेछ ।
	४.५.४ उत्कृष्ट निजी विद्यालय व्यवस्थापनका अनुभव साट्न वर्षमा एक पटक सामाजिक दायित्व अन्तर्गत निजी तथा सामुदायिक विद्यालयहरू बिच अन्तरक्रिया आयोजना गरिनेछ ।
	४.५.५ हरेक कक्षामा उत्कृष्ट नतिजा ल्याउने छात्र/छात्रा विद्यार्थीलाई पुरस्कृत गरिनेछ ।
	४.५.६ हरेक विद्यालयमा कानून निर्माण गरी उत्कृष्ट शिक्षकलाई पुरस्कार र दण्डको व्यवस्थामा जोड दिइनेछ ।
	४.५.७ उच्च शिक्षामा जान चाहने विशेष विपन्न तथा जेहेन्दार विद्यार्थीहरूलाई मापदण्डका आधारमा शैक्षिक ऋण प्रदान गर्न “जेहेन्दार विद्यार्थी उच्च शिक्षा कोष” निर्माण गरिनेछ ।
	४.५.८ हरेक विद्यालयमा शिक्षकहरूलाई क्रमशः (E) हाजिरीको प्रबन्ध गरी कागजी हाजिरीलाई विस्थापन गरिनेछ ।
	४.५.९ कोरोना महामारी जस्ता माहामारीका समयमा वैकल्पिक विधिबाट अध्यापन गराउन आवश्यक भौतिक पूर्वाधारको प्रबन्ध, विद्यार्थीको सर्वेक्षण सहित कार्ययोजना निर्माण गरी लागु गरिनेछ ।
	४.५.१० Early Childhood Development तथा शिशु कक्षामा अध्यापनरत शिक्षक शिक्षिकाहरूलाई आवश्यक विषेश तालिम प्याकेज सञ्चालन गरिनेछ ।
	४.५.११ प्रधानाध्यापक तथा व्यवस्थापन समिती अध्यक्ष लक्षित शैक्षिक व्यवस्थापन तथा नेतृत्व विकास विशेष तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।

**उद्देश्य ४: राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय शिक्षा प्रदान गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
	४.५.१२ गाउँपालिकास्तरीय एक वैज्ञानिक तथा व्यवहारिक शैक्षिक पात्रोको निर्माण गरी सोही अनुसार कार्यक्रम लागु गरिनेछ ।
	४.५.१३ अनुसन्धानात्मक क्रियाकलापमा विद्यार्थीहरूलाई संलग्न गराउन परियोजना कार्यलाई पाठ्यक्रममा समावेश गरी पूरक क्रियाकलापका रूपमा अनिवार्य गरिनेछ ।
	४.५.१४ कक्षा १० का विद्यार्थीहरूलाई भविष्यउन्मुख Career Counseling programme सञ्चालन गरिनेछ ।

**उद्देश्य ५: विज्ञान, प्रविधिको आधारभूत खोज र अन्वेषणलाई स्थान दिनु ।**

रणनीति	कार्यनीति
५.१ विज्ञान र प्रविधिमा रुचि भएका विद्यार्थी बालबालिका तथा युवाहरूको पहिचान तथा प्रोत्साहन गर्ने ।	५.१.१ हरेक माध्यमिक विद्यालयमा अध्यापनरत विज्ञान शिक्षकको सहयोग र समन्वयमा विज्ञानमा विशेष रुची भएका विद्यार्थीहरू पहिचान गरी विवरण संकलन गरिनेछ ।
	५.१.२ त्यस्ता विद्यार्थीहरू सम्मिलित गरी वर्षमा एक पटक एक गाउँपालिकास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजना गरिनेछ ।
	५.१.३ विज्ञान प्रदर्शनीमा संलग्न विद्यार्थीहरूलाई वर्षमा एक पटक राष्ट्रियस्तरका वैज्ञानिक वा विज्ञानका उच्च शिक्षा अध्ययनरत विद्यार्थीहरूबाट प्रशिक्षण सञ्चालन गरिनेछ ।
	५.१.४ कृषि, उद्योग, पर्यटन आदिमा गाउँपालिकामा भित्रिएको कुनैपनिनवीन प्रविधिबारे विद्यार्थीहरूलाई जानकारी गराउन स्थलगत भ्रमण गराइनेछ ।
	५.१.५ यस गाउँपालिकाबाट राष्ट्रिय वा अन्तर्राष्ट्रिय स्तरमा विज्ञान र प्रविधिका क्षेत्रमा काम गर्ने व्यक्तित्वहरूसँग विभिन्न उपयुक्त अवसर पारेर साक्षात्कार गराइनेछ ।
	५.१.६ औपचारिक शिक्षाको परिधि भन्दा बाहिर रहेका तर विज्ञान र प्रविधिमा विशेष क्षमता भएका व्यक्तिहरू पहिचान गर्न अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	५.१.७ विज्ञान र प्रविधि सम्बन्धी विषयहरूमा विद्यार्थी भर्नादर बृद्धि गर्न विशेष अभिमूखीकरण तथा तयारी कक्षा सञ्चालन गरिनेछ ।

शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधिको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	सम्पूर्ण सामुदायिक विद्यालयहरूको वस्तुगत विवरण तयारी	१००					
		१.१.२	विद्यालय भवन निर्माण तथा स्तरोन्नति			१०००	१५००	२०००	
		१.१.३	विद्यालयहरूको तहगत स्तरोन्नति	५००	५००	५००	५००	५००	
		१.१.४	एक विद्यालय एक खेलमैदान निर्माण तथा व्यवस्थापन	१००	२००	३००	४००	५००	
		१.१.५	वैकल्पिक उर्जाको प्रबन्ध			८००			
		१.१.६	भौगोलिक दुरीमा रहेका बालबालिका लागि छात्रावासको निर्माण स्रोत कक्षा सञ्चालन				१५००		
		१.१.७	पढ्दै कमाउँदै कार्यक्रमलाई जमिन भएका सामुदायिक मा.वि. मा परीक्षण		२००				
		१.१.८	सामुदायिक विद्यालयका कक्षाहरू डिजिटल पूर्वाधारयुक्त	५००	८००				
		१.१.९	स्टेम प्रयोगशाला विस्तार साथै सामाजिक र भाषा विषयका लागि ल्याब स्थापना		५००	९००			
		१.१.१०	प्रारम्भिक बाल शिक्षा केन्द्रमा बालमैत्री वातावरण निर्माण	१००					
		१.१.११	कम्तीमा एक विद्यालयलाई नमुना विद्यालय बनाउन कार्ययोजना तयार						
	१.२	१.२.१	शिक्षक विद्यार्थी अनुपात अध्ययन	१००					
		१.२.२	नपुग शिक्षक दरबन्दी पूर्ति		५०		८०		
		१.२.३	विद्यालय समायोजन प्रक्रियालाई प्राथमिकता		५००				
		१.२.४	विषय शिक्षक तालिम	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.२.५	शिक्षकहरूलाई प्रविधि र विषय स्तरिकृत तालिम तथा अध्ययन भ्रमण	२००	२००	२००	२००	२००	
		१.२.६	शिक्षकहरूको विषयगत समितिलाई सिकाई थलोका रूपमा विकास	५००	८००				
		१.२.७	युवा स्वयंसेवक शिक्षक तथा शिक्षण सहायक उपलब्ध गराउन आवश्यक श्रोत साधनको व्यवस्था		८००				

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		१.२.८	शिक्षक तथा कर्मचारी उत्प्रेरणा कार्यक्रम	२००					
	१.३	१.३.१	शिक्षा नीति, मापदण्ड तथा कानून निर्माण		५००				
		१.३.२	शिक्षा गुरुयोजना निर्माण	८००					
		१.३.३	अति विपन्न, सीमान्तकृत, तथा विद्यालय जानबाट वञ्चित बालबालिकाको विवरण संकलन	८०					
		१.३.४	विद्यालय जाने बालबालिका नजानुका वस्तुगत कारणको अध्ययन	९०					
		१.३.५	अभिभावक अभिमूखीकरण तथा शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन	५०	६५	७०	७५	८०	
		१.३.६	बुहारी शिक्षा अभियान सञ्चालन	४०	५०	५०	५०	५०	
	१.४	१.४.१	पोषणयुक्त दिवा खाजा सञ्चालन	५००	५००	५००	५००	५००	
		१.४.२	किशोरी लक्षित स्वास्थ्य सामाग्रीको व्यवस्था		८००				
		१.४.३	किशोरी शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	
२.	२.१	२.१.१	अति विपन्न र सीमान्तकृत समुदायका बालबालिका छात्रवृत्ति कोष स्थापना		३००				
		२.१.२	निरक्षरको विस्तृत विवरण संकलन	५०					
		२.१.३	अनौपचारिक प्रौढ शिक्षा सञ्चालन (प्रत्येक वडामा)	१००	१००	१००	१००	१००	
		२.१.४	अनौपचारिक प्रौढ शिक्षा उपलब्धि मापन सर्वेक्षण	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.१.५	फरक शारिरिक अवस्था भएका व्यक्तिहरुलाई शिक्षा प्रदान गर्न विशेष कक्षा सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	
		२.१.६	निरक्षर केन्द्रित शिक्षा सञ्चार तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रम (स्थानीय सञ्चार माध्यमबाट)	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.१.७	एक वडा एक सामुदायिक सिकाई केन्द्र स्थापना				१०००		
		२.१.८	“सुनिलस्मृति गाउँपालिकाको संस्कार, २० वर्ष उमेर पुगेपछि निरन्तर अध्ययन गर्ने दलित समुदायको छोरीलाई पुरस्कार” कार्यक्रम सञ्चालन	२००	२००	२००	२००	२००	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय	
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष		
३.	३.१	३.१.१	“एक वडा एक प्राविधिक विषय” पूर्वाधार विकास कोष स्थापना	३५०						
		३.१.२	बहुप्राविधिक विद्यालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन	५००						
		३.१.३	हरेक विद्यालयमा ICT ल्याबको व्यवस्था			१२००				
३.२	३.२.१	३.२.१	हरेक तहको पाठ्यक्रममा नैतिक, जीवनोपयोगी सामग्री तय गर्न परामर्श सेवा	५०	५०	५०	५०	५०		
		३.२.२	नैतिकता, जीवनोपयोगी शीप, आत्मिक विकास, योग साधना अध्यापन गर्ने शिक्षक व्यवस्थापन		२००					
४.	४.१	४.१.१	नविनतम शिक्षण सिकाई तालिम सञ्चालन	५०	५०	६०	७०	७०		
		४.१.२	विद्यार्थी व्यक्तिगत सूचना प्रणाली निर्माण		१००					
		४.१.३	शिक्षण सिकाई उपलब्धि मापन ग्रेडिङ प्रणाली निर्माण		१००					
	४.२	४.२.१	विद्यालयमा अनिवार्य इन्टरनेटको व्यवस्था		१००					
		४.२.२	Teachers Reference Library स्थापना			५००				
		४.२.३	अतिरिक्त कृयाकलाप सञ्चालन गर्न शिक्षक दरबन्दी		१००					
	४.३	४.३.१	विद्यार्थी शैक्षिक भ्रमण व्यवस्थापन खर्च	५००	५५०	६००	६५०	७००		
		४.३.२	स्थलगत अवलोकन तथा परियोजना कार्य सञ्चालन	५०	६०	७०	८०	९०		
		४.३.३	सफल व्यक्तित्व साक्षात्कार कार्यक्रम	४५	४५	४५	४५	४५		
		४.३.४	वृत्तचित्र तथा चलचित्र प्रदर्शनी व्यवस्थापन			१००	१००	१००		
	४.४	४.४.१	४.३.५	विभिन्न राष्ट्रिय, क्षेत्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगिता पूर्व तयारी		५०	५०	५०	५०	
			४.३.६	बहुक्षेत्रिय सिप विकास तथा व्यावसायिक तालिम केन्द्र सञ्चालन				५००		
			४.४.१	पाठ्यपुस्तक तथा शैक्षिक सामग्री आपूर्ति संयन्त्र निर्माण			२००			
			४.४.२	पालिकास्तरीय पुस्तकालय निर्माण	१००	१००	१००	१००	१००	
			४.४.३	माध्यमिक स्तरको विद्यालयमा विज्ञान प्रयोगशाला निर्माण			७००	७००	७००	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
	४.५	४.५.१	इ. हाजिरी व्यवस्थापन तथा विद्यालय व्यवस्थापन समिति अध्यक्ष र प्रधानाध्यापक अन्तरक्रिया	५०	५०	५०	५०	५०	
		४.५.२	शिक्षक अभिभावक अन्तरक्रिया कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
		४.५.३	उत्कृष्ट विद्यालय पुरस्कार कोष निर्माण		१००				
		४.५.४	निजी सामुदायिक विद्यालय अन्तरक्रिया कार्यक्रम		८०	८०	८०	८०	
		४.५.५	जेहेन्दार छात्र/छात्रा छात्रवृत्ति कोष निर्माण			३००			
		४.५.६	हरेक विद्यालयमा उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार तथा दण्डको व्यवस्था			५००			
		४.५.७	विपन्न तथा जेहेन्दार विद्यार्थी उच्च अध्ययन कोष निर्माण		५००				
		४.५.८	विद्युतीय हाजिरीको व्यवस्था	५०	५०	५०	५०	५०	
		४.५.९	महामारी विशेष वैकल्पिक शिक्षा पुर्वाधार निर्माण	२००	३००	३००	४००	४००	
		४.५.१०	ECD विशेष शिक्षक शिक्षिका तालिम	५०	५०	५०	५०	५०	
		४.५.११	प्रधानाध्यापक शैक्षिक व्यवस्थापन तथा नेतृत्व विकास तालिम		१००				
		४.५.१२	गाउँपालिकास्तरीय शैक्षिक पात्रो अनुसार गतिविधि सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		४.५.१३	अनुसन्धानात्मक परियोजना कार्य विशेष पाठ्यक्रम निर्माण		५००				
		४.५.१४	Career Counseling Programme सञ्चालन						
५.	५.१	५.१.१	हरेक विद्यालयबाट विज्ञानमा विशेष रुची र क्षमता भएका विद्यार्थी पहिचान	४०	४५	५०	५५	६०	
		५.१.२	गाउँपालिकास्तरीय विज्ञान प्रदर्शनी आयोजना	६०	६०	६०	६०	६०	
		५.१.३	विशेष विज्ञानमा अभिरुची र क्षमता भएका विद्यार्थीलाई अभिमूखीकरण कार्यक्रम	३०	३०	३०	३०	३०	
		५.१.४	गाउँपालिकामा भित्रिएकानवीनतम प्रविधिहरूको स्थलगत अवलोकन	६०	६५	७०	७५	८०	
		५.१.५	विज्ञान र प्रविधि सम्बन्धी वैज्ञानिकहरूसँग साक्षात्कार कार्यक्रम	३०	३५	४०	४५	५०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		५.१.६	औपचारिक शिक्षा भन्दा बाहिर रहि विज्ञान र प्रविधिमा विशेष क्षमता भएका व्यक्तिहरू पहिचान	२५	२५	२५	२५	२५	
		५.१.७	विज्ञान तथा प्रविधिका विषयहरूमा विद्यार्थी भर्ना बृद्धि गर्न विशेष अभिमूखीकरण	१००	१००	१००	१००	१००	

### ५.२.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ निरक्षरता शून्यमा झर्नेछ ।
- ✓ आधारभूत शैक्षिक पूर्वाधारको प्रबन्ध हुनेछ ।
- ✓ आधारभूत शिक्षा सबैका लागि अनिवार्य हुनेछ ।
- ✓ माध्यमिक शिक्षामा सबैको पहुँच सुनिश्चित हुनेछ ।
- ✓ राष्ट्रिय र अन्तर्राष्ट्रिय क्षेत्रमा प्रतिस्पर्धा गर्न सक्ने गुणस्तरीय शिक्षा उपलब्ध हुनेछ ।
- ✓ नैतिकता, राष्ट्रप्रेम र मानव मूल्यमा आधारित शिक्षाको विकास हुनेछ ।
- ✓ विज्ञान र प्रविधिमा युवाहरूको आकर्षण बढ्नेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	शिक्षा विज्ञान तथा प्रविधि				
	असर	शिक्षाको क्षेत्रमा छुट्याइएको कूल बजेटको (१.क.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	प्राथमिक तहमा खुद भर्नादर (४.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	प्राथमिक तह पुरा गर्ने दर (४.१.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कक्षा १ मा भर्ना भएका विद्यार्थीमध्ये कक्षा ८ सम्म पुग्ने विद्यार्थी (४.१.१.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	कक्षा १ मा भर्ना भएका छात्राहरूको (छात्रको तुलनामा) कक्षा ८ सम्म पुग्ने अनुपात (४.१.१.४) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कक्षा १ मा भर्ना भएका छात्राहरूको (छात्रको तुलनामा) कक्षा १२ सम्म पुग्ने अनुपात (४.१.१.५) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	माध्यमिक शिक्षाको कुल भर्नादर (९ देखि १२) (४.१.१.७) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	पूर्व प्राथमिक शिक्षाको लागि बाल अनुदान पाएको (संख्या) (४.२.२.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	पूर्व वाल्यकाल शिक्षामा उपस्थिति (प्रतिशत) हाजिरी (४.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	छात्रवृत्ति प्राप्त गर्ने विद्यार्थी प्रतिशत (कुल विद्यार्थीमा) (४.३.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रभाव	लैङ्गिक समता सूचकाङ्क (प्राथमिक) (४.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रभाव	लैङ्गिक समता सूचकाङ्क (माध्यामिक) (४.५.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	१५ देखि २४ वर्ष उमेर समूहको साक्षरता दर (४.६.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	१५ देखि २४ वर्ष उमेर समूहको महिला साक्षरता दर (४.६.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	प्रति विद्यार्थी हुने सार्वजनिक खर्च (हजारमा) (४.६.१.५) (प.दि.वि.ल.)	हजारमा		
	असर	विद्युतमा पहुँच भएका विद्यालयहरू (४.क.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	I.C.T. ल्याब तथा इन्टरनेटमा पहुँच भएका विद्यालयहरू (४.क.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	WASH सुविधा भएका आधारभूत विद्यालयहरू (४.क.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	अपाङ्गमैत्री विद्यालयहरू (४.क.४) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	न्यूनतम रूपमा संगठित/व्यवस्थित शिक्षक तालिम प्राप्त गरेका आधारभूत शिक्षा क्षेत्रमा कार्यरत शिक्षकहरू (४.ग.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	न्यूनतम रूपमा संगठित/व्यवस्थित शिक्षक तालिम प्राप्त गरेका माध्यामिक शिक्षा क्षेत्रमा कार्यरत शिक्षकहरू (४.ग.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		



क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	कूल भर्नामा विज्ञान र प्रविधि विषय भर्ना (९.५.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	पूर्ण कालिन अनुसन्धानकर्ता (९.५.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	कूल बजेटमा अनुसन्धानात्मक क्रियाकलाप खर्च भएको रकम (९.५.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	समग्र साक्षरता प्रतिशत	प्रतिशत		
	असर	साक्षरता प्रतिशत (पुरुष)	प्रतिशत		
	असर	साक्षरता प्रतिशत (महिला)	प्रतिशत		
	असर	स्थानीय पाठ्यक्रम लागू भएका विद्यालय	संख्या		
	असर	फरक शारिरीक क्षमता भएका विद्यार्थी शैक्षिक सहायता	संख्या		
	असर	दिवा खाजा कार्यक्रमबाट लाभान्वित बालबालिका	प्रतिशत		
	असर	न्यूनतम आधारभूत पूर्वाधार सम्पन्न विद्यालय	प्रतिशत		
	प्रतिफल	उच्च शिक्षा अध्यापन हुने कलेज	संख्या		
	प्रतिफल	प्राविधिक शिक्षा सञ्चालन हुने विद्यालय	संख्या		
	असर	आधारभूत शिक्षा उत्तीर्ण जनसंख्या	प्रतिशत		
	असर	माध्यमिक शिक्षा उत्तीर्ण जनसंख्या	प्रतिशत		
	असर	स्नातक तह उत्तीर्ण जनसंख्या	प्रतिशत		
	असर	स्नातकोत्तर उत्तीर्ण जनसंख्या	प्रतिशत		
	प्रतिफल	विद्या वारिधि उत्तीर्ण जनसंख्या	संख्या		
	असर	प्राविधिक वा व्यावसायिक तालिम प्राप्त युवा संख्या	प्रतिशत		
	असर	विज्ञान प्रयोगशाला सुविधा भएका विद्यालय	प्रतिशत		
	असर	सुविधा सम्पन्न पुस्तकालय भएका विद्यालय	प्रतिशत		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	बुक कर्नर सुविधा भएका विद्यालय	प्रतिशत		
	असर	सुविधायुक्त खेलमैदान भएका विद्यालय	प्रतिशत		
	असर	छात्राको लागि व्यवस्थित शौचालय भएका विद्यालय	प्रतिशत		
	असर	स्वास्थ्यकर्मीको सुविधा भएका विद्यालय	प्रतिशत		
	प्रतिफल	अनौपचारिक प्रौढ कक्षा संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	प्रौढ कक्षाबाट लाभान्वित विद्यार्थी	संख्या		
	प्रतिफल	व्यवस्थित रूपमा सञ्चालन भएका बालक्लव	संख्या		
	प्रतिफल	सामुदायिक सिकाई केन्द्र तथा पुस्तकालय	संख्या		

#### ५.२.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ५.३ खानेपानी तथा सरसफाई

### ५.३.१ पृष्ठभूमि

राष्ट्रिय जनगणना २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार यहाँ खानेपानीको मुख्य स्रोतको रूपमा घरपरिसर भित्रको धारा तथा पाइप पानी प्रयोग गर्नेहरू सबै भन्दा बढि ३,४९१ घरपरिवार अर्थात ४९.८ प्रतिशत रहेका छन् । यसै गरी घरपरिसर बाहिरको धाराको पानी प्रयोग गर्नेहरू ३,२५१ अर्थात ४५ प्रतिशत परिवार रहेका छन् । यहाँ १८४ अर्थात २.६ प्रतिशत परिवारले मुलधाराको पानी तथा १.३ प्रतिशत परिवारले खुला इनार/कुवाको पानी प्रयोग गर्ने गरेका छन् भने बाँकी नगण्यले कुवाको पानी प्रयोग गर्ने गरेका छन् । गाउँपालिकामा अझै पनि स्वच्छ पिउने पानीको पहुँचमा सबै घरपरिवार नरहनुले पानीजन्य रोगहरू जस्तै टाइफाइड, भ्याडापखाला, आउँ जस्ता रोगहरूको संक्रमण हुन सक्ने सम्भावना रहेको छ ।

सफा, सुन्दर र स्वच्छ गाउँ समाज सभ्यताको प्रमुख परिचायक हो । त्यसैगरी स्वस्थ जीवन जिउन हाम्रो वरपरको जनजीवन र सेरोफेरो सफा हुनु जरुरी छ । शहरीकरणको सघनतामा वृद्धि नभएकाले र हालसम्म ग्रामीण परिवेशमा रहेकाले यो गाउँपालिकामा अन्य सघन शहरी क्षेत्रमा जस्तो फोहोरमैला उत्सर्जन हुँदैन र फोहोर व्यवस्थापन मुख्य चुनौतीका रूपमा रहेको छैन । हाल गाउँपालिकाको वडा न. ३ को खुंग्री क्षेत्रमा १, वडा न. ४ को काधधारा क्षेत्रमा १ वटा र बसपार्क क्षेत्रमा १ सार्वजनिक शौचालय निर्माण गरिएको छ । त्यसैगरी गाउँपालिकाले फोहोर मैला तथा ढल व्यवस्थापनका लागि वडा न. ३ मा सुलिचौर रुइनिवाड ल्याण्डफिल्ड साईट सञ्चालनमा मा रहेको छ भने यसको थप व्यवस्थापन कार्यलाई प्राथमिकतामा अत्यन्त जरुरी देखिन्छ ।

### ५.३.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- सम्पूर्ण घरपरिवारलाई सुरक्षित र स्वच्छ पिउने पानी वितरण प्रणालीमा जोड्न नसकिएको ।
- पानीका उपलब्ध प्रमुख स्रोतहरूको वैज्ञानिक हिसाबले संरक्षण र व्यवस्थापन गर्न नसकिएको ।
- हालसम्म पनि व्यवस्थित ल्याण्डफिल साइटको निर्माण नभएको ।
- विशेषगरी सघन बस्तीमा रहेका बजार केन्द्रहरूका सडकहरूमा नाला व्यवस्थापन हुन नसकेको ।
- वैज्ञानिक रूपमा फोहोरमैला व्यवस्थापन हुन नसकेको ।
- कच्ची सडकका कारण धुलोले गर्दा वायु प्रदूषण हुने गरेको ।
- फोहोर व्यवस्थापनको ठोस योजना बन्न नसक्दा विशेषगरी बजार क्षेत्रमा दीर्घकालीन हिसाबले जटिलता सिर्जना हुन सक्ने ।
- पिउने पानी तथा सरसफाईको उचित व्यवस्थापन नहुँदा विभिन्न सरुवा रोगको संक्रमण हुन सक्ने ।

### ५.३.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाले एक घर : एक धाराको कार्यक्रमलाई निरन्तरता दिने नीति अगाडी सारेको ।
- गाउँपालिकामा पानी संरक्षण गरी दीगो रूपमा पानीको सदुपयोग गर्ने योजना कार्यान्वयन गर्न सकिने ।
- पालिकाले खानेपानी शुद्धताका लागि खानेपानी गुणस्तर परीक्षण गर्ने कार्य सुरुवात गर्ने योजना तय गरेको ।
- घरघरमा पानी संकलन ट्याङ्की राख्न प्रोत्साहन गरेमा दीर्घकालिन हिसाबले पिउने पानीको समस्या समाधान गर्न सकिने ।

**सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू**

- फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि कुहिने र नकुहिने फोहोरको वर्गीकरण गरी फोहोरमैला संकलन गर्न सकिने ।
- बजार क्षेत्रमा फोहोर व्यवस्थापन गर्न केही स्थानमा इस्टबिनहरूको व्यवस्था गर्न सकिने ।
- पानी शुद्धीकरण प्रक्रियाको चेतनामूलक कार्यक्रम र तालिम सञ्चालन गर्न सकिने ।

**५.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना**

**दीर्घकालीन सोच**

स्वच्छ, स्वस्थ र सुन्दर गाउँपालिका निर्माणका लागि गुणस्तरीय खानेपानी तथा सरसफाई

**लक्ष्य**

गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा/वस्तीहरूमा स्वच्छ खानेपानी पुऱ्याउने तथा सरसफाईको प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्ने ।

**उद्देश्यहरू**

- ✓ गाउँपालिकाबासीहरूलाई सुरक्षित खानेपानी सुविधा पुऱ्याउनु ।
- ✓ गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा सरसफाईको सुविधा पुऱ्याउनु ।

**उद्देश्य १: गाउँपालिकाबासीहरूलाई सुरक्षित खानेपानी सुविधा पुऱ्याउनु ।**

रणनीति	कार्यनीति
१.१. आधारभूत खानेपानी सुविधा नपुगेका घरपरिवारमा खानेपानी सुविधा विस्तारका लागि प्राथमिकता दिने ।	१.१.१. “एक घर एक धारा” को अवधारणा अनुसार खानेपानी सुविधा नपुगेका घरहरूमा समुदायको सहभागितामा आधारभूत खानेपानी व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.१.२ सम्भाव्य खानेपानी आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.१.३. खानेपानी आयोजनाहरू समयमै निर्माण सम्पन्न गरी उपभोक्ता समितिमार्फत सेवा सञ्चालनमा ल्याइनेछ ।
१.२. मूहान संरक्षण तथा खानेपानी सेवाको स्तरवृद्धि गर्ने ।	१.२.१. खानेपानीका मुहान, स्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गरिनेछ ।
	१.२.२. खानेपानीका संरचनाहरूको स्तरोन्नति तथा मुहान सुधार गरी पानी प्रशोधन गरेर मात्र वितरण गरिनेछ ।
	१.२.३. हरेक घरपरिवारमा पाइप मार्फत खानेपानी आपूर्ती प्रणाली निर्माण गरिने छ ।
	१.२.४. खानेपानीको उपभोगको मात्रा अनुसार महशुल उठाई निर्माण, मर्मत सम्भार तथा व्यवस्थापन कोषको व्यवस्था गरिने छ ।
१.३. खानेपानी तथा सरसफाई गुरुयोजना निर्माण गर्ने ।	१.३.१ खानेपानी तथा सरसफाई गुरुयोजना तयार गरिनेछ ।
	१.३.२ गाउँपालिका भित्रका सार्वजनिक सेवा प्रदायक संस्थाहरूमा फोहोरमैला व्यवस्थापनको कार्य योजना पेश गर्न लगाई प्रभावकारी नियमन र सहजीकरण गरिनेछ ।
	१.३.३ वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन समितिलाई सक्रिय बनाई सरसफाईका क्रियाकलापहरूको प्रभावकारी अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रणालीको विकास गरिनेछ ।

उद्देश्य २: गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडाहरूमा सरसफाईको सुविधा पुर्याउनु

रणनीति	कार्यनीति
२.१. हरेक घरपरिवारमा आधारभूत शौचालय तथा सरसफाई सुविधाको व्यवस्था गर्ने ।	२.१.१. प्रत्येक घरमा अनिवार्य शौचालयको प्रावधान लागू गरी शौचालय नभएका विपन्न घरपरिवारमा शौचालय निर्माणका लागि प्रोत्साहन गर्न मापदण्डका आधारमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिइनेछ ।
	२.१.२. घर घरबाट निस्कने फोहोरलाई वर्गीकरण गरी कुहिने फोहोरलाई कम्पोस्ट मलमा परिणत गर्न समुदायलाई विशेष तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.३. एक घर एक कम्पोस्ट प्लान्ट कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
२.२. सार्वजनिक स्थल तथा बजार क्षेत्रमा सरसफाई सेवाको व्यवस्थापन गर्ने ।	२.२.१. प्रत्येक सार्वजनिक स्थल, विद्यालय, सामुदायिक भवन, अस्पताल, बजार केन्द्र, बसपार्क जस्ता क्षेत्रहरूमा सार्वजनिक शौचालयको व्यवस्था गरी समुदायलाई सञ्चालनको जिम्मेवारी दिइनेछ ।
	२.२.२. उल्लेखित स्थानहरूमा फोहोरलाई वर्गीकरण गरी फ्याक्नका लागि डस्टबिन तथा कण्टेनरको व्यवस्था गरिनेछ ।
	२.२.३. फोहोर व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी बनाउन वैज्ञानिक विधिहरूको प्रयोग गरी ल्याण्डफिल साईटमा फोहोरमैला व्यवस्थापन गरिनेछ ।
	२.२.४. फोहोर पानीको उत्सर्जन कम गर्ने र उत्पादित फोहोर पानीको व्यवस्थापन गरी वातावरण स्वच्छ राखिनेछ ।
	२.२.५. मुख्य बजार क्षेत्रका चोक र सडक वरपर नियमित सफाई गर्न सरसफाई कर्मचारीको व्यवस्थाका साथै स्थानीयबासीलाई अग्रसर गराइनेछ ।
	२.२.६. बजार केन्द्रहरूमा घरबाट निस्कने फोहोर व्यवस्थापनका लागि निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया गरी व्यवस्था मिलाइने छ । सो वापत बजार क्षेत्रका घरधुरीहरूबाट सरसफाई शुल्क उठाइनेछ ।
	२.२.७. पानीको मुहान वरपर फोहोर गर्नेलाई जरिवाना गरिने छ साथै नदीनाला, जलाशय तथा तालतलैयाको पर्यावरणीय स्वच्छता कायम गरिनेछ ।
	२.२.८. कुहिने र नकुहिने फोहोर व्यवस्थापनका लागि PPP मोडलमा सेग्रिगेसन सेन्टर स्थापना गरिनेछ ।
२.३. सरसफाई सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	२.३.१. घरघरमा निस्कने फोहोरलाई कम गर्न, फोहोरलाई वर्गीकरण गर्न, कम्पोस्ट मल बनाउन र पुर्नप्रयोग गर्न प्रेरित गर्नका लागि जनस्तरमा नियमित जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.३.२. घर, आँगन र टोल सफा राख्न प्रत्येक वडामा सरकारी, निजी, गैसस तथा सामुदायिक संस्थाहरूसँग सहकार्य गरी स्थानीयबासीको संलग्नतामा नियमित रूपमा सरसफाई अभियान सञ्चालन गरी जनचेतना फैलाईनेछ ।
	२.३.३. स्थानीय सञ्चार माध्यमको सहयोगमा सरसफाई सम्बन्धी नियमित जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.३.४. ४० माइक्रोन भन्दा पातलो प्लास्टिकको प्रयोगलाई बर्जित गरि वैकल्पिक भोलाको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।

## खानेपानी तथा सरसफाईको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	एक घर एक धारा कार्यक्रम	६५	७०	८०	८०	८०	
		१.१.२	खानेपानी आयोजनाको सम्भाव्यता अध्ययन		५००				
		१.१.३	निर्माणधिन अवस्थामा रहेका खानेपानी आयोजनाहरूको निर्माण सम्पन्न	२००	३००	३००	३००	३००	
	१.२	१.२.१	खानेपानी मुहानहरूको संरक्षण		२००				
		१.२.२	खानेपानी प्रशोधन तथा वितरण प्रणाली निर्माण			४००			
		१.२.३	खानेपानी आपूर्ति पाइप लाईन विस्तार	३००	३००	३००	३००	३००	
		१.२.४	खानेपानी आपूर्ति व्यवस्थापन कोष निर्माण		२००				
	१.३	१.३.१	खानेपानी तथा सरसफाई गुरुयोजना निर्माण			५००			
		१.३.२	फोहोरमैला व्यवस्थापनको प्रभावकारी नियमन र सहजीकरण						
		१.३.३	सरसफाईका क्रियाकलापहरूको प्रभावकारी अनुगमन तथा मुल्याङ्कन		५००				
२	२.१.	२.१.१.	शौचालय निर्माणमा अनुदान	१००	१००	१००	१००	१००	
		२.१.२.	वडास्तरीय कम्पोस्ट मल उत्पादन तालिम	८०	८०	८०	८०	८०	
		२.१.३.	एक घर एक कम्पोस्ट प्लान्ट कार्यक्रम सञ्चालन	१००	१५०	२००	२५०	३००	
	२.२.	२.२.१.	सार्वजनिक स्थल तथा बजार केन्द्र पहिचान गरी शौचालय निर्माण			२००	२००	२००	
		२.२.२.	फोहोर फ्याकने डस्टबिन तथा कन्टेनरको व्यवस्था	१००	१००	१००	१००	१००	
		२.२.३.	ल्याण्डफिल साईटमा फोहोरमैला व्यवस्थापन	५००					
		२.२.४.	सघन बस्ती क्षेत्रमा ढल निर्माण	२००	२००	२००	२००	२००	
		२.२.५.	नियमित सरसफाई गर्न कर्मचारीको व्यवस्था	७०					
		२.२.६.	फोहोर संकलन र व्यवस्थापनमा निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन गर्न अन्तरक्रिया		५०				

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		२.२.७.	पानीको मुहान संरक्षण तथा संरचना मर्मत	८०	८०	८०	८०	८०	
		२.२.८.	कुहिने र नकुहिने फोहर व्यवस्थापनका लागि PPP मोडलमा सेप्टिगेसन सेन्टर स्थापना			१०००			
	२.३.	२.३.१.	फोहोर पुर्नप्रयोग गर्न तालिम	६०	६०	६०	६०	६०	
		२.३.२.	समुदाय स्तरमा प्रत्येक हप्ताको शनिवार सरसफाई कार्यक्रम सञ्चालन	४५	४५	४५	४५	४५	
		२.३.३.	स्थानीय सञ्चारमाध्यममा सरसफाई सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम प्रसारण	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.३.४.	प्लास्टिकको भोला प्रयोगमा रोक						

### ५.३.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- गाउँपालिकाका सम्पूर्ण घरधुरीमा आधारभूत खानेपानी सुविधा भएको हुने,
- सम्पूर्ण घरधुरीमा शौचालयको व्यवस्था भएको हुने,
- सार्वजनिक स्थल तथा बजार केन्द्रहरूमा सार्वजनिक शौचालयको व्यवस्था भएको हुने र
- सरसफाईको अवस्थामा उल्लेख्य सुधार भएको हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.		<b>खानेपानी तथा सरसफाई</b>			
	असर	पाइपवाट वितरण गरिएको पानीमा पहुँच भएका परिवार ( प्रतिशत) (६.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	आधारभूत खानेपानी सेवामा पहुँच पुगेका जनसंख्या (६.१.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	प्रशोधित/सुरक्षित खानेपानीमा पहुँच पुगेको जनसंख्या	प्रतिशत		
	असर	उन्नत सुधारिएका सरसफाई सम्बन्धी सुविधाहरू प्रयोग गर्ने परिवार जसले यस्ता सुविधाहरू अरुसँग साभेदारी गर्नु पर्दैन (६.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	आधारभूत शौचालय प्रयोग गर्ने जनसंख्याको अनुपात(६.२.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	ढल प्रणालीहरू/उपयुक्त (Faecal Sludge Management) मा चर्पी जोडिएका परिवार ( ६.२.१.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	उपभोक्ता समिति मार्फत सञ्चालन गरिएका खानेपानी तथा सरसफाई आयोजना (६.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	संरक्षणमा समेटिएका खानेपानी मुहान	संख्या		
	असर	आधुनिक र सुविधा सम्पन्न शौचालय प्रयोग गर्ने घरपरिवार	प्रतिशत		
	असर	प्रतिदिन प्रतिव्यक्ति फोहोर उत्पादन (१२.४.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रति केजी		
	प्रतिफल	डस्टबिन प्रयोग गर्ने र फोहरलाई वर्गीकरण गर्ने घरपरिवार	संख्या		
	प्रतिफल	सामुदायिक हिसाबले संगठित रूपमा नियमित गाउँघर तथा टोल सरसफाई कार्यक्रम संख्या (वार्षिक)	संख्या		

### ५.३.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।



## ५.४ महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

### ५.४.१ लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरण

#### क) पृष्ठभूमि

सामाजिक जागरणको पर्याप्तमा नभएको, राजनीतिक चेतनाको परिपक्वता भैनसकेको र पुरानो सामाजिक, जातिय, लैङ्गिक तथा वर्गीय स्वरूपको समाजमा व्यापक रूपान्तरण समेत भैनसकेकोले नेपालमा लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिकको सम्मान र सामाजिक सुरक्षा, अपाङ्गता भएका व्यक्तिको अधिकार र कठिनाईहरूको सम्बोधन तथा समग्र सामाजिक समावेशीकरणका मुद्दाहरू सामाजिक विकासका दृष्टिले केन्द्रिय भाग मै रहेका छन्। यसर्थ यस गाउँपालिकामा समेत यी सवालहरूको व्यापक सान्दर्भिकता रहेको र विकास योजनाले यी विषयहरूलाई महत्व दिएर समेट्नुपर्ने देखिन्छ। नेपालको संविधानमा नै वर्गीय, जातीय, क्षेत्रीय, भाषिक, धार्मिक, लैङ्गिक विभेद र सबै प्रकारका जातीय छुवाछूतको अन्त्य गर्ने तथा आर्थिक समानता, समृद्धि र सामाजिक न्याय सुनिश्चित गर्न समानुपातिक समावेशी र सहभागितामूलक सिद्धान्तका आधारमा समतामूलक समाजको निर्माण गर्ने संकल्प गरिएको छ।

राष्ट्रिय जनगणना, २०७८, को तथ्याङ्क अनुसार कुल जनसंख्याको आधा भन्दा बढी १६,५३३ अर्थात् ५४ प्रतिशत महिलाको जनसंख्या रहेको छ भने ६० वर्ष माथिका ज्येष्ठ नागरिकको जनसंख्या २,७५३ जना अर्थात् ८.९९ प्रतिशत रहेको छ भने २० वर्ष भन्दा मुनीकाको संख्या १३,७०२ अर्थात् ४४.७५ प्रतिशत रहेको छ। त्यसैगरी गाउँपालिकामा अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरू जम्मा जनसंख्याको ३.० प्रतिशत रहेका छन्। समाजमा सिमान्तकृत जनसंख्यालाई मूलधारमा ल्याई उनीहरूको सम्मानपूर्वक जिवनयापन गर्न पाउने नैसर्गिक अधिकार सुनिश्चित नगर्दा सम्म सभ्य र सौहार्दपूर्ण समाजको परिकल्पना गर्न सकिदैन। त्यसैले लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरणका क्षेत्रमा प्राथमिकता दिन सके असमानताको जालो तोड्न सहज हुन जान्छ।

#### ख) समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
गाउँपालिकामा सामुदायिक भेटघाट केन्द्र, दलित सञ्जाल, महिला सञ्जाल, वृद्धाश्रम, बाल सुरक्षा तथा सुधार गृह, बाल गृह, अपाङ्गता पुर्नस्थापना केन्द्र जस्ता भवनहरूको अभाव रहेको।
गाउँपालिकामा परम्परागत रूपमा रहेको लैङ्गिक विभेद पूर्ण रूपमा अन्त्य हुन नसकेको।
समाजमा महिलाको समग्र सामाजिक, आर्थिक, राजनैतिक स्तर कमजोर रहेको।
जातीय भेदभाव पूर्ण रूपले अन्त्य हुन नसकेको।
बालमैत्री गाउँपालिका घोषणा भइ नसकेको।
सीमान्तकृत समुदाय, आदिवासी जनजातिहरूको आर्थिक र सामाजिक सबलीकरण हुन नसकेको।
जनचेतनामूलक कार्यक्रमहरू अपेक्षाकृत रूपमा प्रभावकारी हुन नसकेका।
लुकिछिपी बाल विवाह गर्ने प्रचलन हालसम्म कायम रहेको।
लैङ्गिक विभेद तथा हिंसाले समाजमा सामाजिक विग्रह ल्याउनुका साथै विकासको गतिमा नकारात्मक असर पर्न सक्ने।
महिला पछाडि पर्दा समग्र पारिवारिक संगठन र समाज नै विकृत बन्न सक्ने।
सामाजिक सौहार्दता, मेलमिलाप, शान्ति र समृद्धिका लागि सामाजिक विवेकको प्रयोग गरी सामाजिक अन्तरघुलनका साथै महिला सशक्तिकरण र सीमान्तकृत वर्गको मूल प्रवाहिकरण गर्नुपर्ने।

### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- व्यापक रूपमा महिला शिक्षा तथा अन्य जातजाति, अल्पसङ्ख्यक र सीमान्तकृतहरूलाई विशेष रूपमा लक्षित गरी कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने ।
- प्रसूती सेवाको व्यवस्था गर्नुको साथै प्रजनन स्वास्थ्य बारे जनचेतना फैलाउनुपर्ने ।
- लैङ्गिक हिंसा निर्मूल गर्नुपर्ने ।
- बालविवाह तथा बहुविवाहलाई दण्डित गर्नुपर्ने ।
- बालमैत्री, अपाङ्गमैत्री तथा महिलामैत्री सबैको पहुँचयुक्त हुने संरचनाहरू निर्माण गर्नुपर्ने ।

### ग) सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाले महिला बालबालिका तथा लक्षित समूहको लागि कूल पूँजीगत बजेटको ५ प्रतिशत छुट्याउने व्यवस्था गरेको ।
- गाउँपालिकाले अपाङ्गता भएको व्यक्तिहरूको सहज पहुँचको लागि परिचय पत्र वितरण शिविर सञ्चालन गर्ने, ज्येष्ठ नागरिकहरूको र पछिल्लो पुस्ताको अनुभव आदानप्रदान गर्न अन्तरपुस्ता अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने लगायतका नीतिहरू अगाडी बढाएको ।
- गाउँपालिका भित्र निर्माण हुने सार्वजनिक संरचनाहरूलाई अपाङ्गमैत्री, बालमैत्री, लैङ्गिकमैत्री बनाउदै लैजाने नीति तय भएको ।
- गाउँपालिकामा साँस्कृतिक तथा धार्मिक सहिष्णुता कायम रहेको ।
- ज्येष्ठ नागरिक समिति गठन भएको ।
- सञ्चार माध्यम र शिक्षाको सकारात्मक प्रभाव परेको ।
- कतिपय महिलाहरू राजनीति, सामाजिक कार्यलगायत विभिन्न विकासका गतिविधिहरूमा सरिक हुन थालेका ।
- प्रत्येक वडामा १ महिला सदस्य र १ दलित महिला सदस्य अनिवार्य रूपमा निर्वाचित हुने व्यवस्था गरेको हुँदा उनीहरूले सम्पूर्ण महिला, दलित, जनजातिहरूको हक हित तथा अधिकारको पक्षमा आवाज उठाएका कारण सामाजिक न्याय, समानता लगायत समाज सुधारका पक्षमा केही प्रगति भएको ।
- महिलाहरूले घरको मात्र काम नभई घर बाहिरको काम पनि गर्न सक्छन् भन्ने सन्देश दिएका ।
- अपाङ्ग पुनर्स्थापना केन्द्र, विपन्न सहायता केन्द्र, अनाथालय तथा ज्येष्ठ नागरिक स्याहार केन्द्र स्थापना गरी न्यायपूर्ण समाजको स्थापनामा सहयोग पुऱ्याउन सकिने ।
- शिक्षा र जनचेतनामा आएको क्रमिक सकारात्मक सुधारका कारण महिला तथा सीमान्तकृत वर्गको उत्थानमा उपयुक्त वातावरण बन्दै जाने ।
- सबै तह र तप्काका समुदायलाई सामाजिक मूल प्रवाहिकरणमा ल्याउँदा गाउँपालिकाको समग्र विकास प्रक्रियाले गति लिन सक्ने ।
- महिलाहरू राजनीतिक गतिविधिमा संलग्न हुन थालेकाले उनीहरूका आवाजहरू सम्बन्धित निकायमा पुऱ्याउन सहज भएको ।

घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

<b>दीर्घकालीन सोच</b>
सुनिलस्मृतिको सभ्यता, न्यायपूर्ण समाज र सामाजिक सौहार्दता
<b>लक्ष्य</b>
सामाजिक न्यायमा आधारित सभ्य समाजको निर्माण गर्ने ।
<b>उद्देश्यहरू</b>
लैङ्गिकता उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक, अल्पसंख्या, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु ।

उद्देश्य १: लैङ्गिकता उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक, अल्पसंख्या, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

रणनीति	कार्य नीति
१.१ महिला जागरण केन्द्रित नीति निर्माण तथा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	१.१.१ अनिवार्य नारी शिक्षा सम्बन्धी विशेष नीति तथा कार्ययोजना निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.२ छात्रामैत्री वातावरण निर्माण गर्न हरेक विद्यालयका प्रधानाध्यापक तथा व्यवस्थापन समितिसँग नियमित अन्तरक्रिया सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.३ महिला अधिकार, महिला हिंसा, यौन शोषण, यौन हिंसा जस्ता विषयहरूको समुचित सम्बोधन हुने गरी महिलालाई सचेत बनाउन हरेक वडामा रहेका महिला अधिकारकर्मी, महिला नेतृ, शिक्षिका लगायत सचेत र सक्षम महिलाको संयोजकत्वमा महिला सेल गठन गरिनेछ ।
	१.१.४ प्रत्येक वडामा रहेका महिला सेलहरू माफत हरेक महिना पुरुषहरूको समेत संलग्नतामा महिला जागरण सचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.५ विद्यालय पाठ्यक्रम निर्धारण गर्दा छात्र तथा छात्रा दुवैलाई प्रजनन, स्वास्थ्य, यौन स्वास्थ्य लगायतका लैङ्गिक सवालहरू समेट्ने गरी निर्धारण गरिनेछ र सो माध्यमिक शिक्षामा अनिवार्य लागू गरिनेछ ।
	१.१.६ स्थानीय सञ्चार माध्यमहरूबाट लैङ्गिकता तथा महिला जागरण सम्बन्धी सामाग्री नियमित प्रसारण गरिनेछ ।
	१.१.७ दाइजो प्रथा तथा लैङ्गिक हिंसा विरुद्ध हरेक वर्ष विशेष जागरण सप्ताह सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.८ विद्यालयमा सामाजिक शिक्षा अध्यापनरत शिक्षक शिक्षिकालाई समेटेर लैङ्गिक हिंसा र महिला जागरणसम्बन्धी अभिमूखीकरण तालिम सञ्चालन गरिने छ ।
	१.१.९ अति विपन्न समुदायलाई जीवन विमा कार्यक्रम कार्यान्वयन गरिनेछ ।
	१.१.१० उपाध्यक्षसँग समन्यायिक विकास कार्यक्रम माफत समुदायमा कानूनी सचेतना कार्यक्रम कार्यान्वयन गरिनेछ ।

उद्देश्य १: लैङ्गिकता उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक, अल्पसंख्या, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

रणनीति	कार्य नीति
१.२ महिला सुरक्षा र लैङ्गिक न्यायका निमित्त महिला सशक्तिकरणका कार्यक्रमहरू अभियानको रूपमा सञ्चालन गर्ने ।	१.२.१ गाउँपालिकामा स्थापना भई कार्य गरिरहेका सबै प्रकारका महिला समूह, आमा समूह, किशोरी समूह लगायतका समूहलाई लक्षित गरी वार्षिक पात्रोका आधारमा नियमित आयआर्जन तालिम, सिप तथा उद्यमशीलता विकास तथा नेतृत्व विकास तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.२ गाउँपालिकाभर रहेका महिला उद्यमीहरूको अभिलेख तयार गरिनेछ ।
	१.२.३ महिला उद्यमीहरूलाई गाउँपालिका बाहिरका सफल महिला उद्यमीहरूसँग वर्षमा एक पटक साक्षात्कार गराइनेछ ।
	१.२.४ मापदण्डका आधारमा महिला उद्यमीहरूलाई उनीहरूको नाममा दर्ता भई सञ्चालन हुने साना तथा घरेलु उद्योगका लागि व्याजमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.२.५ सरकारी सेवामा प्रवेश गर्न चाहने महिलाहरूको अभिलेख तयार पारी निःशुल्क तयारी कक्षा सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.६ स्थानीय न्यायिक समितिलाई नियमित तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.७ महिलाका नाममा रहेको अचल सम्पत्ति सम्बन्धी वस्तुगत विवरण संकलन गरिनेछ र त्यसमा वृद्धि गर्न ऐन कानूनमा सहूलियतको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.२.८ “एकल महिला आत्मनिर्भर कार्यक्रम” सञ्चालन गर्न व्याज अनुदान कोष निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.९ महिला तथा यौन हिंसा पहरेदारी तथा कानुनी सेवाका लागि वडास्तरीय महिला सेल गठन गरी अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.१० गाउँपालिकास्तरीय एक महिला सुरक्षा गृहको निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.११ गाउँपालिकास्तरीय एक महिला उद्यमी वस्तु बिक्री केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।
	१.२.१२ गाउँपालिकामा उच्च शिक्षामा छात्राको उपस्थिति वृद्धि गर्न बालिका विमा कार्यक्रम लागु गरिनेछ ।
	१.२.१३ सम्बन्ध विच्छेदका मूल कारणहरूको अध्ययन गरी न्यायिक समितिको पहलमा न्यूनीकरण गर्न परामर्श सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.१४ महिला बेचबिखन तथा ओसारप्रसार विरुद्ध वडास्तरीय महिला सेलहरूलाई विशेष अभिमूखीकरण सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.१५ ज्येष्ठ नागरिक, हिंसापिडित महिलालाई उद्धार र संरक्षण गर्न लैङ्गिक हिंसा राहत कोष परिचालन गरिनेछ ।
	१.२.१६ विवाह गर्दा अनिवार्य वडाको शुभकामना लिनुपर्ने प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.३ ज्येष्ठ नागरिकको सामाजिक सुरक्षा र आत्मसम्मान कायम हुने

उद्देश्य १: लैङ्गिकता उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक, अल्पसंख्या, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

रणनीति	कार्य नीति
कार्यक्रमलाई प्राथमिकता दिई सञ्चालन गर्ने ।	१.३.२ वडास्तरीय ज्येष्ठ नागरिक निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण शिविर सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.३ एक वडा एक ज्येष्ठ नागरिक सत्संग केन्द्र निर्माण गरिनेछ ।
	१.३.४ प्रत्येक वडामा ज्येष्ठ नागरिक लक्षित योग तथा ध्यान केन्द्र सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.५ स्थानीय सञ्चार माध्यमसँगको सहकार्यमा ज्येष्ठ नागरिकहरूका जीवन अनुभव साट्न र सुन्न “ज्येष्ठ नागरिक आवाज” कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.६ वर्षमा १ पटक आन्तरिक पर्यटन प्रवर्द्धन तथा ज्येष्ठ नागरिक सम्मान स्वरूप निश्चित मापदण्डका आधारमा ज्येष्ठ नागरिक तिर्थाटन कार्यक्रम सञ्चालन गर्न परिवहन अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.३.७ वडास्तरमा आफ्ना रितीथिति, संस्कार, धर्म सम्प्रदाय अनुरूपका भजन किर्तन, गायन, बाद्यवाधन कार्यक्रम सञ्चालन गर्न ज्येष्ठ नागरिक किर्तन मण्डली गठन गरी बाद्यवाधन यन्त्रमा मापदण्ड बनाई अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.३.८ ८० वर्ष नाघेका ज्येष्ठ नागरिकहरूलाई सु-आहारा कार्यक्रम सञ्चालन गरी पोषिलो आहारा वितरण गर्ने प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.३.९ ज्येष्ठ नागरिकको सम्पूर्ण स्वास्थ्य उपचार सुनिश्चित गर्न अति विपन्न परिवारको स्वास्थ्य विमामा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.३.१० असहाय बुबाआमा र टुहुरा बालबालिका संरक्षणका लागि कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.११ ज्येष्ठ नागरिक घरभेट कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
१.४ अपाङ्गता भएका नागरिकहरूको कठिनाई न्यूनीकरण गर्ने कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरी उनीहरूको आत्मबल बढाउने र आत्मसम्मान जगाउने ।	१.४.१ गाउँपालिकाभर रहेका सम्पूर्ण अपाङ्गता भएका नागरिकहरूको व्यक्तिगत विवरण संकलन गरिनेछ ।
	१.४.२ अपाङ्गता परिचय पत्र लिन बाँकी भएमा अपाङ्गताको प्रकार अनुसार परिचय पत्र वितरण गरिनेछ ।
	१.४.३ अपाङ्गता भएका विद्यालय जाने बालबालिकाको विवरण तयार पारी उनीहरूको शिक्षा आर्जनमा भएका कठिनाई सम्बोधन गर्न विशेष अध्ययन पश्चात कार्ययोजना निर्माण गरिनेछ ।
	१.४.४ सहायक सामाग्री आवश्यक अपाङ्गहरूको लगत संकलन गरी त्यसमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.४.५ विशेष क्षमता भएका अपाङ्गहरूको वृत्ति विकास कार्यक्रम अन्तर्गत कलाकारिता सिप विकास तथा आय आर्जन तालिम नियमित सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.४.६ पूर्ण अपाङ्गता भई जीवन निर्वाह गर्न पूर्ण अशक्तहरूको विवरण संकलन गरी सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

उद्देश्य १: लैङ्गिकता उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक, अल्पसंख्या, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

रणनीति	कार्य नीति
	१.४.७ जटिल प्रकारको अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूले जीवन निर्वाह व्यवसाय गर्न चाहेमा रु. १ लाख बराबरको व्यवसायमा सत प्रतिशत व्याजमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.४.८ गाउँपालिकामा अब बन्ने सबैखाले सार्वजनिक भौतिक संरचनाहरू अपाङ्गमैत्री बनाउन निर्माण मापदण्ड र कार्यविधि परिमार्जन गरिनेछ ।
	१.४.९ अपाङ्गता भएका नागरिकहरूको समस्या कठिनाई र आवाजहरू उजागर गर्न अपाङ्गता भएका नागरिकको नेतृत्वमा एक गाउँपालिका स्तरीय अपाङ्गता नागरिक सहयोग तथा सरोकार मञ्च गठन गर्न गाउँपालिकाले सहजिकरण गर्नेछ ।
	१.४.१० जटिल प्रकृतिका अपाङ्गता भएका विद्यार्थीहरूलाई निजले पढ्न चाहे सम्मको शिक्षाको लागि विशेष छात्रवृत्ति प्रदान गरिनेछ ।
	१.४.११ अपाङ्गता भएका तर विशेष कलाको क्षमता भएकालाई लक्षित गरी प्रोत्साहन अनुदान दिइनेछ ।
१.५ जातिय विभेद, अल्पसंख्यक दलित, आदिवासी तथा राज्यको मूल प्रवाहमा आउन नसकेको नागरिकहरूका मूल सरोकारका विषयमा अध्ययन गरी मूल प्रवाहिकरण कार्यनीति निर्माण गर्ने ।	१.५.१ लोपोन्मुख, अल्पसंख्यक, सीमान्तकृत तथा राज्यको मूल प्रवाहिकरण भन्दा बाहिर रहेका वर्ग, व्यक्ति वा समुदायको यर्थाथ स्थितिका बारेमा अध्ययन गरी स्थितिपत्र प्रकाशन गरिनेछ ।
	१.५.२ अल्पसंख्यक, दलित, आदिवासी, तथा जनजातीका मौलिकता र पहिचान, रहनसहन, रितिथिति, परम्परा, भेषभूषा खानपान, कला, चाडवाड आदिका बारेमा विस्तृत विवरण सहितको अभिलेख तयार पारिनेछ ।
	१.५.३ आदिवासी तथा लोक संस्कृति संग्रहालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.५.४ अल्पसंख्यक वर्गका परिवारमा जन्मने शिशुहरूको नाममा वैङ्ग खाता खोल्न प्रोत्साहन अनुदान दिइनेछ ।
	१.५.५ सकारात्मक विभेदको सिद्धान्त अनुरूप राज्यको आरक्षण कोटामा सरकारी सेवामा प्रवेश गर्न चाहने यो वर्गका आकांक्षीहरूलाई लक्षित गरी विशेष तयारी कक्षाहरू निःशुल्क सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.५.६ यी वर्गका विद्यालय जाने बालबालिकाको शिक्षाको अवसर सुनिश्चित गर्न अभिभावक शिक्षा र शैक्षिक सामाग्रीमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.५.७ छुवाछुत र सबै प्रकारका सामाजिक भेदभाव अन्त्य गर्न राज्यको मूल कानूनको अधिनमा रही त्यस्ता कार्यलाई दण्डित गर्न स्थानीय कानून निर्माण गर्दै न्यायिक समितिलाई सक्रिय तुल्याइनेछ ।
	१.५.८ यी लक्षित वर्गलाई समेट्ने सिप विकास र व्यावसायिक आयआर्जनका लागि तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.५.९ लोपोन्मुख भाषा तथा लिपिको संरक्षण गर्न परामर्श अध्ययन तथा अनुसन्धान गरिनेछ ।
	१.५.१० सामाजिक अन्तरघुलन कार्यक्रम अन्तर्गत वर्षमा एक पटक विशेष राष्ट्रिय दिवसको अवसरमा गाउँपालिकाको आयोजनामा सबै जात वर्ग

उद्देश्य १: लैङ्गिकता उमेर, जातियता, क्षेत्रियता, भाषिक, अल्पसंख्या, अपाङ्गता लगायतका आधारमा हुने सबै प्रकारको विभेद अन्त्य गर्नु

रणनीति	कार्य नीति
	सम्प्रदाय दलित उत्पिडितहरू सम्मिलित चियापान तथा अनुभूति आदान प्रदान कार्यक्रम आयोजना गरिनेछ ।
	१.५.११ विपन्न र सीमान्तकृत समुदायले सञ्चालन गर्ने लघु उद्यम तथा व्यवसायमा मापदण्डका आधारमा शुन्य प्रतिशत ब्याजका लागि अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.५.१२ महिला सहकारीको स्थापना गरी दलित महिलाहरूलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	१.५.१३ दलित विशेष परम्परागत सीपलाई व्यावसायिकता प्रदान गर्न विशेष अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.५.१४ दलित विद्यार्थी विशेष छात्रवृत्ति कोषको निर्माण गरिनेछ ।

लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता तथा सामाजिक समावेशीकरणको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	अनिवार्य नारी शिक्षा विशेष नीति तथा कार्ययोजना निर्माण	३५०					
		१.१.२	छात्रामैत्री वातावरण निर्माण			२००	३००	४००	
		१.१.३	वडास्तरीय महिला हिंसा तथा लैङ्गिक भेदभाव निगरानी सेल गठन		४००				
		१.१.४	महिला सेलमार्फत हरेक महिना जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.५	माध्यमिक शिक्षामा यौन, लैङ्गिकता तथा प्रजनन शिक्षा सम्बन्धी पाठ्यक्रम निर्धारण	६०	६०	६०	६०	६०	
		१.१.६	लैङ्गिकता तथा महिला जागरण सञ्चार कार्यक्रम सञ्चालन	३०	३०	३०	३०	३०	
		१.१.७	महिला हिंसा र दाइजो प्रथा विरुद्ध वार्षिक रुपमा सप्ताहव्यापी कार्यक्रम	७०	७०	७०	७०	७०	
		१.१.८	सामाजिक शिक्षामा यौन हिंसा, अपहरण, बलात्कार जस्ता विषयमा शिक्षक-शिक्षिका अभिमूखीकरण कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.९	अति विपन्न परिवारलाई जीवन बिमा कार्यक्रम	१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	
		१.१.१०	उपाध्यक्षसँग समन्यायिक विकास कार्यक्रम मार्फत समुदायमा कानूनी सचेतना कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
	१.२	१.२.१	महिला सिप विकास तथा आय आर्जन साथै नेतृत्व विकास तालिम सञ्चालन	३५०	३५०	३५०	४५०	४५०	
		१.२.२	महिला उद्यमी अभिलेख निर्माण		६०				
		१.२.३	सफल महिला उद्यमी साक्षात्कार कार्यक्रम	४०	४०	४०	४०	४०	
		१.२.४	महिला लघु उद्यमी तथा व्यवसायीलाई व्याजमा अनुदान	३००	३००	३००	३००	३००	
		१.२.५	सरकारी सेवा प्रवेश निःशुल्क तयारी कक्षा सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.२.६	न्यायिक समिति लैङ्गिक भेदभाव विरुद्ध न्याय सम्पादन तालिम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.७	महिलाको स्वामित्वमा अचल सम्पत्ति वृद्धि गर्न स्थानीय ऐन कानून संशोधन		६०				



उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.२.८	एकल महिला व्याज अनुदान तथा प्राविधिक शिक्षा कार्यक्रम	४००	४००	४००	४००	४००	
		१.२.९	महिला तथा यौन हिंसा पहरेदारी वडास्तरीय महिला सेल अभिमूखीकरण	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.१०	महिला सुरक्षा गृहको निर्माण			५००	५००	५००	
		१.२.११	महिला उद्यमी वस्तु विक्री केन्द्र स्थापना			८००			
		१.२.१२	बालिका विमा कार्यक्रम सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.२.१३	सम्बन्ध विच्छेदका मूल कारणहरुको अध्ययन तथा परामर्श सेवा	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.२.१४	महिला बेचबिखन तथा ओसार पसार विरुद्ध जनचेतना कार्यक्रम अभिमूखीकरण	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.२.१५	लैङ्गिक हिंसा राहत कोष परिचालन	२००	२००	२००	२००	२००	
		१.२.१६	विवाह गर्दा अनिवार्य वडाको शुभकामना प्रदान कार्यक्रम						
	१.३	१.३.१	गाउँपालिकामा “ज्येष्ठ नागरिक सहयोग कक्ष” गठन				२००		
		१.३.२	ज्येष्ठ नागरिक वडास्तरीय निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर सञ्चालन	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.३.३	वडास्तरीय ज्येष्ठ नागरिक सत्संग केन्द्र निर्माण		२००	२००	२००	२००	
		१.३.४	ज्येष्ठ नागरिक योग तथा ध्यान केन्द्र सञ्चालन		१००	१००	१००	१००	
		१.३.५	ज्येष्ठ नागरिक आवाज कार्यक्रम सञ्चालन	८०	८०	८०	८०	८०	
		१.३.६	ज्येष्ठ नागरिक तिर्थाटन परिवहन अनुदान			९००			
		१.३.७	ज्येष्ठ नागरिक किर्तन तथा मनोरञ्जन मण्डली गठन तथा वाद्ययन्त्र अनुदान	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.३.८	८० वर्ष नाघेका ज्येष्ठ नागरिकलाई सु-आहारा कार्यक्रम	८५	८५	८५	८५	८५	
		१.३.९	ज्येष्ठ नागरिक स्वास्थ्य विमा कार्यक्रममा अति विपन्न अनुदान	७०	७०	७०	७०	७०	
		१.३.१०	“हाम्रा अभिभावक र हाम्रा सन्तानसँग हामी कार्यक्रम” सञ्चालन	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.३.११	ज्येष्ठ नागरिक घरभेट कार्यक्रम सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
	१.४	१.४.१	सम्पूर्ण अपाङ्गता भएकाहरुको व्यक्तिगत विवरण संकलन	३०	३०	३०	३०	३०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.४.२	अपाङ्गता परिचय पत्र वितरण कार्यक्रम (शिविर सञ्चालन मार्फत)	२००	२००	२००	२००	२००	
		१.४.३	अपाङ्गता भएका विद्यालय जाने बालबालिकाका समस्याको पहिचान	५०					
		१.४.४	अपाङ्गता सहायक सामाग्री खरिद	२००	२००	२००	२००	२००	
		१.४.५	विशेष क्षमता भएका अपाङ्गता लक्षित आय आर्जन तथा सिप विकास तालिम	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.४.६	पूर्ण अपाङ्गहरूलाई जीवन निर्वाह भत्ता	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.४.७	अपाङ्गता विशेष रु. १ लाख बराबरको व्यवसायमा व्याजमा अनुदान		४००	४००	५००	६००	
		१.४.८	सार्वजनिक भौतिक निर्माण अपाङ्गमैत्री बनाउन मापदण्ड परिमार्जन		५०				
		१.४.९	अपाङ्ग नागरिक सहयोग तथा सरोकार मञ्च गठन		८०				
		१.४.१०	जटिल प्रकृतिका अपाङ्गता भएका विद्यार्थीहरूलाई विशेष छात्रवृत्ति अनुदान	२००	३००	३००	४००	४५०	
		१.४.११	अपाङ्गता भएका कलाकारलाई विशेष प्रोत्साहन अनुदान	१००	१००	१००	१००	१००	
१.५	१.५.१	सीमान्तकृत तथा मूल प्रवाहिकरणमा छुटेका वर्गको स्थितिपत्र प्रकाशन		३०	३०	३०	३०	३०	
		१.५.२	आदिवासी, जनजाती लगायतका वर्गको साँस्कृतिक पहिचान सम्बन्धी अध्ययन तथा पार्श्वचित्र प्रकाशन		५००				
		१.५.३	आदिवासी लोक संस्कृति संग्रहालय स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन			४००			
		१.५.४	अल्पसंख्यक वर्गका परिवारमा जन्मने शिशुहरूको नाममा वैङ्कमा रु. १००० को खाता सञ्चालन			५००			
		१.५.५	सरकारी सेवामा मूल प्रवाहिकरण लक्षित विशेष तयारी कक्षा सञ्चालन	३७०	३७०	३७०	३७०	३७०	
		१.५.६	लक्षित वर्ग अभिभावक शिक्षा तथा शैक्षिक सामाग्री वितरण	८०	८०	८०	८०	८०	
		१.५.७	छुवाछुत र सामाजिक भेदभाव न्यूनीकरण विशेष न्यायिक समिति तालिम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.५.८	लक्षित वर्ग विशेष आय आर्जन तालिम	६०	६०	६०	६०	६०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		१.५.९	लोपोन्मुख भाषा तथा लिपि अध्ययन परामर्श	४०	४०	४०	४०	४०	
		१.५.१०	सामाजिक अन्तरघुलन चियापान कार्यक्रम	४०	४०	४०	४०	४०	
		१.५.११	लक्षित वर्ग अति विपन्न उद्यमी ब्याज अनुदान	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.५.१२	दलित महिलाहरूलाई प्रोत्साहन	४०	४०	४०	४०	४०	
		१.५.१३	दलित विशेष परम्परागत सीपलाई व्यावसायिकता प्रदान गर्न विशेष अभिमूखीकरण कार्यक्रम	४०	४०	४०	४०	४०	
		१.५.१४	दलित विद्यार्थी विशेष छात्रवृत्ति कोषको स्थापना	१००	१००	१००	१००	१००	

#### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ महिला सचेतनामा वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ सरकारी सेवा तथा उद्यम व्यवसायमा महिला विपन्न र सीमान्तकृतको उपस्थिति बढ्नेछ ।
- ✓ अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरूका कठिनाईहरू न्यूनीकरण हुनेछ ।
- ✓ सामाजिक, भेदभाव तथा थिचोमिचोमा कमी आउनेछ ।
- ✓ ज्येष्ठ नागरिकको उचित सुरक्षा र सम्मानको प्रबन्ध हुनेछ ।

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
<b>लैङ्गिक समानता, ज्येष्ठ नागरिक, अपाङ्गता सामाजिक समावेशीकरण</b>					
१	प्रतिफल	गाउँपालिकामा महिला उद्यमीहरूको	संख्या		
२	प्रतिफल	पूर्णरूपमा आत्मनिर्भर एकल महिलाको संख्या ( प्रतिशतमा बढाउँदै लैजाने)	प्रतिशत		
३	प्रतिफल	अन्तरजातीय विवाह (बढाउँदै लैजाने)	संख्या		
४	प्रतिफल	जेष्ठ नागरिक सत्सङ्ग केन्द्र	संख्या		
५	असर	लैङ्गिक समानतालाई प्रत्यक्ष योगदान पुऱ्याउने बजेटको (१.ख.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६	असर	सामाजिक सुरक्षामा योजनामा समावेश भएका नागरिक	प्रतिशत		
७	असर	सामाजिक सुरक्षा खर्चमा छुट्याइएको कूल बजेटको प्रतिशत (१.क.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
८	असर	आधार वर्षको तुलनामा न्यायिक समितिमा उजुरीको (प्रतिशतले घटाउँदै लैजाने)	प्रतिशत		
९	असर	विगत १२ महिनामा शारिरीक, मनोवैज्ञानिक लैङ्गिक तथा यौनजन्य हिंसामा परेका जनसंख्या (संख्यामा) घटनाको आधारमा (१६.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
१०	असर	दर्ता गरिएका सम्बन्ध विच्छेद संख्या (१६.१.४) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
११	असर	उमेरअनुसार १८ वर्षको उमेरसम्म यौनहिंसाको अनुभव गरेका १८ देखि २९ वर्ष उमेरका युवती र युवकहरूको अनुपात (१६.२.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१२	असर	निर्णय-निर्माण समावेशी र जवाफदेही भएको विश्वास गर्ने जनसंख्याको अनुपात (लिङ्ग, उमेर, अपाङ्गता र जनसाङ्ख्यिक समूहअनुसार) (१६.७.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१३	असर	सार्वजनिक निकायहरूको नीति निर्माण पदहरूमा रहेका महिलाहरूको अनुपात (१६.७.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१४	असर	सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका जनजातिको प्रतिशत	प्रतिशत		
१५	असर	सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका आदिवासीको प्रतिशत	प्रतिशत		
१६	असर	सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका मुस्लिमको प्रतिशत	प्रतिशत		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१७	असर	सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका पिछडा वर्गको प्रतिशत	प्रतिशत		
१८	असर	सार्वजनिक निकायहरूका नीति निर्माण पद, राजनीति तथा कर्मचारी तन्त्रको पदमा रहेका अल्पसंख्यकको प्रतिशत	प्रतिशत		
१९	असर	आफ्नो जीवनकालमा शारिरीक/यौनहिंसा अनुभव गरेका र दर्ता गरिएका घटना १५ देखि ४९ वर्ष सम्मका महिलाहरूको (प्रतिशत) (५.२.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२०	प्रतिफल	महिला, किशोरी तथा बालबालिकाहरूको बेचबिखन (सङ्ख्या) (५.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
२१	असर	विवाहित वा वैवाहिक मिलनमा रहेका १५ देखि १९ वर्ष उमेरका महिलाहरू (प्रतिशत) (५.३.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२२	असर	श्रमशक्तिमा महिला र पुरुषको सहभागिताको अनुपात (५.४.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
२३	असर	महिलाले घरायसी काममा खर्चेको औसत समय/घण्टामा (५.४.१.२) (प.दि.वि.ल.)	घण्टामा		
२४	असर	महिला सीप विकास तालिम संख्या	संख्या		
२५	असर	छात्रामैत्री शौचालय प्रयोगकर्ता छात्रा	प्रतिशत		
२६	असर	महिला सेल संख्या	संख्या		
२७	असर	महिला जागरण र अभिमूखीकरण कार्यक्रम	संख्या		
२८	असर	अनिवार्य बुहारी शिक्षा अन्तर्गत समेटिएका छात्रा	संख्या		
२९	असर	महिला उद्यमी साक्षात्कार कार्यक्रम	संख्या		
३०	असर	लघु उद्यम ब्याज अनुदानबाट लाभान्वित महिला संख्या	संख्या		
३१	असर	सरकारी सेवा प्रवेश निशुल्क तयारी कक्षाबाट लाभान्वित महिला	संख्या		
३२	असर	महिला भेदभाव विरुद्धमा उजुरी फछ्यौट संख्या (न्यायिक समिति)	संख्या		
३३	असर	महिला सुरक्षा गृह	संख्या		
३४	असर	महिला उद्यमी वस्तु विक्री केन्द्र	संख्या		
३५	असर	उच्च शिक्षा बालिका बीमा कार्यक्रम	संख्या		
३६	असर	बेचबिखन र ओसारपसार विरुद्ध अभिमूखीकरण कार्यक्रम संख्या	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
३७	असर	ज्येष्ठ नागरिक स्वास्थ्य शिविर	संख्या		
३८	असर	ज्येष्ठ नागरिक सत्संग केन्द्र	संख्या		
३९	असर	ज्येष्ठ नागरिक आवाज कार्यक्रम	संख्या		
४०	असर	ज्येष्ठ नागरिक तिर्थाटन	संख्या		
४१	असर	ज्येष्ठ नागरिक मनोरञ्जन तथा किर्तन मण्डली	संख्या		
४२	असर	ज्येष्ठ नागरिक (८० वर्ष माथि) सू-आहारा कार्यक्रम	संख्या		
४३	असर	अपाङ्गता परिचयपत्र प्राप्त अपाङ्ग	संख्या		
४४	असर	जटिल अपाङ्गता भएका आधारभूत शिक्षा सुनिश्चित गरिएका विद्यार्थी संख्या	संख्या		
४५	असर	व्हिल चेयर प्राप्त अपाङ्ग	प्रतिशत		
४६	असर	अपाङ्ग लक्षित आय आर्जन कार्यक्रम			
४७	असर	जीवन निर्वाह भत्ता प्राप्त गर्ने पूर्ण अपाङ्ग	(प्रतिशत)		
४८	असर	अपाङ्गमैत्री सार्वजनिक संरचना संख्या			
४९	असर	अपाङ्ग नागरिक सरोकार मञ्च	संख्या		
५०	असर	आदिवासी जनजाती विशेष पार्श्वचित्र अध्ययन तथा अनुसन्धान	संख्या		
५१	असर	अल्पसंख्यक अनुदान	संख्या		
५२	असर	सिमान्तकृत वर्ग विशेष सरकारी प्रवेश निशुल्क कक्षाबाट लाभान्वित संख्या	संख्या		
५३	असर	भेदभाव न्यूनीकरण जनचेतनामूलक कार्यक्रम संख्या	संख्या		
५४	असर	लक्षित वर्ग विशेष आय आर्जन तालिम	संख्या		
५५	असर	लोपोन्मुख जाती तथा भाषा संस्कृति विशेष कार्यक्रम	संख्या		
५६	असर	दलित विपन्न छात्रवृत्तिबाट लाभान्वित संख्या	संख्या		
५७	असर	दलित विशेष परम्परागत सीप विकास तालिम	संख्या		
५८	असर	गाउँपालिकाबाट राष्ट्रिय संसदमा प्रतिनिधित्व (प्रतिशत) (५.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
५९	असर	गाउँपालिका प्रादेशिक संसदमा प्रतिनिधित्व (प्रतिशत) (५.५.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६०	असर	स्थानीय सरकारका तहहरूमा प्रतिनिधित्व (Bodies) (प्रतिशत) (५.५.१.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
६१	असर	निजी क्षेत्रको निर्णायक तहमा महिलाहरूको सहभागिता (प्रतिशत) (५.५.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६२	असर	सहकारी क्षेत्रमा महिलाहरूको सहभागिता (प्रतिशत) (५.५.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६३	असर	सार्वजनिक सेवाका नीति निर्माणका पदहरूमा रहेका महिला (कुल कर्मचारीहरूमध्ये महिलाको प्रतिशत) (५.५.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६४	असर	व्यावसायिक र प्राविधिक कामदारहरूमा महिला-पुरुषको अनुपात (Ratio of women to men) (प्रतिशत) (५.५.२.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६५	असर	यौन सम्बन्ध, परिवार नियोजनका साधनहरूको प्रयोग र प्रजनन स्वास्थ्य हेरचाह सम्बन्धमा सुसूचित भएर आफैले निर्णय गर्ने १५ देखि ४९ वर्ष उमेरका महिलाहरूको अनुपात (५.६.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६६	प्रतिफल	महिलाहरूको अचल स्वामित्व भएका उद्यमहरूको सङ्ख्या (५.क.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
६७	प्रतिफल	महिलाहरूको सम्पत्तिमाथिको स्वामित्व (जमिन र घर) (५.क.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
६८	असर	१५ देखि २४ वर्ष उमेर समूहका इन्टरनेट प्रयोग गर्ने महिलाको प्रतिशत (५.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
६९	असर	मोबाइल प्रयोग गर्ने महिलाको प्रतिशत (५.ख.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		

## ५.४.२ बालबालिका तथा किशोरकिशोरी

### क) पृष्ठभूमि

बालबालिका तथा किशोरकिशोरीलाई भविष्यका कर्णधारको रूपमा लिइन्छ। किनकि हालको बालबालिकाको समग्र अवस्थाले भोलि राष्ट्र निर्माण तथा समाज निर्माणमा जिम्मेवार हुने मानव संसाधन कस्तो हुनेछ भन्ने निर्धारण गर्दछ। त्यसकारण नेपालको संविधानले बालबालिकाको हकलाई मौलिक हकको रूपमा स्थापित गरी बालअधिकार संरक्षण राज्यको अनिवार्य दायित्व भित्र राखेको छ भने स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४, बालबालिका सम्बन्धी ऐन, २०७५ तथा दिगो विकास लक्ष्य समेत बालबालिका तथा किशोरकिशोरी माथि हुने सबै प्रकारका विभेद अन्त्य गर्नेतर्फ लक्षित रहेको छ। तसर्थ बालबालिकाको उचित हेरचाह, शिक्षा, पोषण, स्वास्थ्य जस्ता विषयहरू बाल अधिकारका अर्थात् नागरिक दायित्व र जिम्मेवारीका मात्र विषय होइनन्, यी विषय आज हामीले भोलिको समाज र राष्ट्र निर्माणमा गरिने बृहत लगानीसँग गाँसिएका विषयहरू हुन्।

राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकामा कुल जनसंख्या मध्ये १४ वर्ष उमेरसम्मका बालबालिकाको संख्या १०,३०५ अर्थात् ३३.६६ प्रतिशत रहेको छ। यो जनसांख्यिक हिसाबले जनसंख्याको ठूलो हिस्सा मानिन्छ। गाउँपालिकामा बालबालिकाको संख्या धेरै हुनुले राज्यले ठूलो रकम यी बालबालिकाको हेरचाह, स्वास्थ्य, शिक्षा र पोषणमा खर्च गर्नुपर्ने हुन्छ। बालबालिकाहरू स्वास्थ्य तथा पोषणका हिसाबले समेत पूर्ण सुरक्षित राख्नु गाउँपालिकाको दायित्वभित्र पर्दछ।

## ख) समस्या तथा चुनौती

### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- गाउँपालिकामा बाल उद्यान निर्माण तथा बालमैत्री कार्यक्रमहरू सञ्चालनमा प्रभावकारी रूपमा सञ्चालन हुन नसकेको ।
- बालबालिका तथा किशोरकिशोरी परम्परागत हिंसा तथा सामाजिक सञ्जालमार्फत हुने हिंसाका कारण संवेदनशील अवस्थामा रहेका ।
- सरकारले बालबालिकाको क्षेत्रमा गरेको लगानी पर्याप्त र प्रभावकारी नभएको ।
- गाउँपालिका बालमैत्री गाउँपालिका घोषणा भइनसकेको ।
- विपन्नताका कारण धेरै बालबालिकाहरू आधारभूत आवश्यकता र अधिकारबाट वञ्चित हुनुपरेको ।
- बालबालिकालाई उचित शिक्षा, पोषण र स्वास्थ्यको पूर्ण ग्यारेन्टी गर्न नसकिएको ।
- बालबालिकाको उचित स्याहार र अधिकारको प्रत्याभूति गर्न चुनौती र जिम्मेवारी रहेको ।
- समयमै बालबालिका सवालहरूको सम्बोधन गर्न नसके भोलिको भविष्य अनिश्चित र अन्धकार हुने जोखिम रहेको ।

## ग) सम्भावना तथा अवसर

### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- संविधान प्रदत्त बालबालिकाको मौलिक हक अधिकार संरक्षणको दायित्व स्थानीय सरकार सामु आएको ।
- गाउँपालिकाले बालमैत्री, स्थानीय शासन घोषणा तथा सञ्चालनको लागि एक वडा एक बाल उद्यान कार्यक्रम ।
- राष्ट्रिय, प्रादेशिक र दिगो विकास लक्ष्यका नीति, कानून, संस्थागत संयन्त्र, योजना तथा कार्यक्रमहरूमा बालबालिकालाई प्राथमिकतामा राखिएको ।
- बालअधिकार संरक्षण तथा प्रवर्द्धनका लागि बाल अधिकार तथा बालमैत्री स्थानीय शासनको अवधारणा आएको ।
- गाउँपालिकाको ठूलो हिस्सा बालबालिका भएकोले उनीहरूको राम्रो हेरचाह गर्न सबै भविष्यका लागि असल समाज र नागरिक निर्माण गर्न सकिने ।
- स्थानीय सरकारले बाल सरोकारका विषयलाई आफ्ना नीति तथा कार्यक्रममा महत्व दिने गरेका ।
- गाउँपालिकाले अनाथ, असहाय तथा जोखिममा रहेका बालबालिका, जोखिम अवस्थामा रहेका अपाङ्गता भएका व्यक्तिका लागि कोष वृद्धिको लागि आवश्यक रकम थप गर्दै लैजाने नीति अगाडी सारेको ।
- बालमैत्री गाउँपालिका घोषणा गर्न बालभेला गरी बालसमूह, बालसञ्जाल गठन तथा बालिकाको क्षमता अभिवृद्धि तथा क्षमता विकास गर्ने नीति पालिकाले लिएको ।

## घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

### दीर्घकालीन सोच

नैसर्गिक अधिकार पूर्ण बालमैत्री समाज

### लक्ष्य

बालबालिकाको, अधिकार अन्तर्गत स्वास्थ्य, पोषण, उचित स्याहार र शिक्षाका आधारभूत आवश्यकता पूरा गर्ने ।

### उद्देश्यहरू

- बालबालिकाका मौलिक हकको सुनिश्चितता गर्नु ।



उद्देश्य १. बालबालिकाका मौलिक हकको सुनिश्चितता गर्नु	
रणनीति	कार्यनीति
१.१ बाल अधिकार सम्बन्धी जनचेतना जागरण गर्ने ।	१.१.१ बाल अधिकार र बालबालिकामा गरिने लगानीका सम्बन्धमा अभिभावकहरूलाई सचेत बनाउने कार्यक्रम अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.२ बालबालिकाहरू स्वयंलाई बालबालिकाका आवश्यकता र अधिकारका विषयमा सचेत तुल्याउन विद्यालय पाठ्यक्रम बाहेक स्थानीय अधिकारकर्मीको सहयोगमा विद्यालयस्तरीय सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.३ बालमैत्री स्थानीय शासन (CFLG) कार्यक्रम कार्यान्वयन गर्ने हेतुले गाउँपालिकाका समग्र बालबालिकाको वस्तुगत अवस्थाबारे अध्ययन गरी बालबालिका स्थितिपत्र तयार पारिनेछ ।
	१.१.४ विशेष अवसर (बाल दिवस) मा सप्ताहव्यापी बालअधिकार जागरण अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
१.२ अतिविपन्न तथा विशेष संरक्षण आवश्यक असहाय बालबालिका कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	१.२.१ गाउँपालिकामा वर्षभरी खान लगाउन नपुग्ने अतिविपन्न परिवारका तथा असहाय बालबालिकाको व्यक्तिगत विवरण तयार पारिनेछ ।
	१.२.२ जोखिमयुक्त काम, बालश्रम, बेचबिखन तथा ओसारपसारमा परेका बालबालिकाको स्थितिपत्र प्रकाशन गरिनेछ ।
	१.२.३ जोखिमयुक्त काम, बालश्रम, बालबालिका बेचबिखन तथा ओसार पसार विरुद्ध वडास्तरीय नियमित जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.४ जोखिमपूर्ण काम, बालश्रम, बेचबिखन र ओसारपसार विरुद्ध सुरक्षा निकाय, नागरिक समाज, बाल अधिकारकर्मी र स्थानीय जनप्रतिनिधी सम्मिलित निगरानी सेल गठन गरिनेछ ।
१.३ बालअधिकार सम्बन्धी नीतिगत सुधार तथा व्यवस्था गर्ने ।	१.३.१ गाउँपालिकालाई सडक बालबालिका र बालश्रम मुक्त घोषणा गर्न गृहकार्य गरिनेछ ।
	१.३.२ सवै प्रकारका बाल हिंसा विरुद्ध आवाज उठाउन सञ्चार माध्यम सामाजिक सञ्चालन तथा सरकारी र गैर सरकारी संस्थाको सहयोग लिइनेछ ।
	१.३.३ बालक्लव स्थापना र तिनको प्रभावकारीता वृद्धि गर्न बालबालिकालाई Motivational तथा नेतृत्व विकास तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	१.३.४ बालबालिका विरुद्ध हुने हिंसा तथा शोषणका कृयाकलाप नियन्त्रण गर्न एक बाल हेल्पलाइन सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.५ वडास्तरीय एक बाल उद्यान निर्माण गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.३.६ बाल प्रतिभा पहिचान विशेष कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.७ उपाध्यक्षको सिफारिस वा तोके बमोजिम कार्यपालिकाको सदस्यको अध्यक्षतामा पालिकास्तरीय गठन भएको बालअधिकार सञ्जाल समिति परिचालन गरिनेछ ।
	१.३.८ बाल अधिकार संरक्षण र सम्बर्द्धन गर्न एक जना बालकल्याण अधिकारी नियुक्त गरिनेछ ।
	१.३.९ स्थानीयस्तरमा बाल मनोविज्ञानको रूपमा काम गर्न चाहने व्यक्तिले तोकिए बमोजिमको योग्यता पुरा गरी स्थानीय बाल अधिकार समितिमा सूचीकृत हुने प्रावधान लागू गरिनेछ ।
	१.३.१० बालबालिका सम्बन्धी ऐन २०७५ को दफा ६३ बमोजिम बालबालिकालाई तत्काल संरक्षण, उद्धार, राहत र पुर्नस्थापना गर्न तथा क्षतिपूर्ति प्रदान गर्न निर्माण भएको बाल संरक्षण कोष परिचालन गरिनेछ ।

## बालबालिकाको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	बाल अधिकार सम्बन्धी अभिभावक सचेतना कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.२	स्थानीय अधिकारकर्मीको सहयोगमा विद्यालयस्तरीय सचेतना कार्यक्रम	६०	६०	६०	६०	६०	
		१.१.३	बालबालिकाको वस्तुगत स्थितिपत्र तयारी	३०	३०	३०	३०	३०	
		१.१.४	विशेष अवसर (बाल दिवस) मा सप्ताहव्यापी बालअधिकार जागरण अभियान सञ्चालन	७०	७०	७०	७०	७०	
	१.२	१.२.१	अतिविपन्न, असहाय बालबालिकाको व्यक्तिगत विवरण तयारी	३०	३०	३०	३०	३०	
		१.२.२	बेचबिखन र ओसारपसारमा परेका बालबालिकाको स्थितिपत्र प्रकाशन	१००					
		१.२.३	बेचबिखन र ओसारपसार विरुद्ध वडास्तरीय चेतनामूलक कार्यक्रम	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.२.४	बेचबिखन र ओसारपसार निगरानी सेल गठन		२००				
	१.३	१.३.१	सडक बालबालिका, बालश्रम, बाल विवाह मुक्त र बालमैत्री गाउँपालिका घोषणा						
		१.३.२	बालशोषण र बाल हिंसा विरुद्ध जनचेतना अभियान	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.३.३	बालक्लवमा आवद्ध बालबालिकाको नेतृत्व विकास तालिम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.३.४	बाल हेल्पलाईन सेवा सञ्चालन		८०				
		१.३.५	बाल उद्यान निर्माण	३००	१००००				
		१.३.६	बाल प्रतिभा पहिचान विशेष कार्यक्रम सञ्चालन	१००	२००	३००	४००	५००	
		१.३.७	स्थानीय बालअधिकार सञ्जाल समिति परिचालन	२००					
		१.३.८	बाल कल्याण अधिकारी नियुक्ति						
		१.३.९	स्थानीय बालअधिकार समितिमा सूचिकृत हुने प्रावधानको व्यवस्था						

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		१.३.१०	बाल संरक्षण कोष परिचालन	२००	२००	२००	२००	२००	

### ड) अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ बालमैत्री समाजको निर्माण हुनेछ ।
- ✓ आधारभूत बाल अधिकारको सुनिश्चितता हुनेछ ।
- ✓ अति विपन्न र असहाय बालबालिकाहरू सुरक्षित हुनेछन् ।
- ✓ बालमैत्री स्थानीय शासनको अभ्यास सफल हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
<b>बालबालिका</b>					
१	प्रतिफल	बितेको १२ महिनामा आफ्नो हेरचाह गर्ने व्यक्तिबाट कुनै प्रकारको मनोवैज्ञानिक वा शारिरीक आक्रमण वा त्राश भोगेको १ देखि १७ वर्ष सम्मको बालबालिका संख्या (१६.२.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
२	प्रतिफल	स्थानीय पञ्जिकरण इकाइमा दर्ता भएका ५ वर्ष मूनिका बालबालिका (१६.९.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
३	प्रतिफल	(५ देखि १७ वर्ष) बाल श्रमिकको (संख्या) (८.७.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
४	प्रतिफल	बालश्रमिकहरू (घटाउँदै लैजाने)	संख्या		
५	प्रतिफल	असहाय बालबालिका (संख्या)	संख्या		
६	प्रतिफल	पुनर्स्थापित बालबालिका संख्या	संख्या		
७	प्रतिफल	विद्यालय जान नपाएका बालबालिकाको संख्या	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
८	असर	भारत लगायतका मुलुकमा तथा घरेलु कामदारको रुपमा प्रतिवर्ष हुने बालबालिका बेचबिखन सूचना संख्या (१६.२.२.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
९	प्रतिफल	बालगृह संख्या	संख्या		
१०	प्रतिफल	बाल सुरक्षा/संरक्षण गृह	संख्या		
११	प्रतिफल	बाल विवाह संख्या	संख्या		
१२	प्रतिफल	बाल उद्यान संख्या	संख्या		
१३	प्रतिफल	पोषण सुनिश्चित गरिएका असहाय अति विपन्न बालबालिका	संख्या		
१४	असर	जोखिमपूर्ण काममा संलग्न बालबालिका (८.७.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
१५	प्रतिफल	बालबालिका केन्द्रित वार्षिक बाल कार्यक्रम	संख्या		

## ५.५ युवा तथा खेलकुद

### ५.५.१ पृष्ठभूमि

राष्ट्रिय युवा नीति, २०७२ अनुसार १६ देखि ४० वर्ष उमेर समुहको जनसंख्यालाई युवा समूहमा राखिएको छ। राष्ट्रिय जनगणना २०७८, को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिका भित्र १५ देखि ५९ वर्ष सम्मका सकृय युवाको संख्या १७,५५९ अर्थात् ५७.३५ प्रतिशत रहेको छ। देशको प्रमुख श्रम शक्ति, मानव संसाधन र उर्जाको आधार स्तम्भ नै यी युवाहरू हुन्। युवाको सामर्थ्यलाई पूर्णतः सदुपयोग गरेका राष्ट्रहरूले नै ठूलो फड्को मारेका छन्। काम गर्न सक्ने उच्च सक्रिय उमेरको जनसंख्या नै जनसांख्यिक लाभांश हो। व्यक्तिको सर्वाङ्गिक विकासमा खेलकुदको महत्वपूर्ण भूमिका हुन्छ। अनुशासन, राष्ट्रिय भाइचारा प्रदर्शन गरी शारीरिक तन्दुरुस्ती कायम गर्न खेलकुद विकासको अहम् महत्व रहेको हुन्छ। हाल गाउँपालिकाको वडा नं. १ मा रेड स्वाएल पार्क नजिक खेलमैदान, वडा नं. ४ मा भूमिस्थान युवा क्लब खेलमैदान, सुवर्णावती साङ्गीतिक युवा क्लब खेलमैदान, वडा नं. ५ मा काभ्रा मत्केना खेल मैदान, वडा कार्यालय खेल मैदान, वडा नं. ६ मा वडा खेल मैदान र वडा नं. ७ मा राज्यपोखरी खेलमैदान रहेका छन्। माथिका खेलमैदानका अलावा विद्यालय स्तरमा साना तथा ठूला खेलमैदानहरू रहेका छन्।

विश्वका विकसित देशहरूले खेल पर्यटन मार्फत समृद्धि हासिल गरेको र विश्वस्तरमा पहिचान स्थापित गरेको पाइन्छ। उदाहरणको लागि स्पेन, इटली, इङ्गल्याण्ड, ब्राजिल, फ्रान्स जस्ता राष्ट्रहरू हाल खेल प्रवर्द्धन मार्फत विश्व परिचित मात्र नभई खर्बौं डलरको कारोबार गर्दछन्। छिमेकी राष्ट्र भारतसमेत क्रिकेटका लागि प्रसिद्ध मानिन्छ। यस गाउँपालिकाले पनि आफ्ना नीति तथा कार्यक्रममा खेलकुद विकासलाई महत्व दिएको छ।

### ५.५.२ समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ गाउँपालिकामा युवा लक्षित कार्यक्रमले युवा वर्गलाई यथोचित सम्बोधन गर्न नसकेको।
■ गाउँपालिकाबाट स्वभाविक रूपमा ठूलो हिस्सा शिक्षा तथा रोजगारका लागि शहरी क्षेत्र तथा विदेश पलायन भइरहेको।
■ प्रधानमन्त्री युवा रोजगार कार्यक्रम आशातित रूपमा युवा आकर्षण र युवामैत्री हुन नसकेको।
■ युवा जनशक्तिलाई यथोचित अभिमूखीकरण तथा तालिमको व्यवस्था हुन नसकेको।
■ गाउँपालिकामा रहेका युवाहरू पनि निराश, निश्क्रिय भई मोबाइल लगायतका सूचना प्रविधिमा व्यस्त रहने लत बढ्दै गएको।
■ कतिपय युवाहरू गलत संगत, लागूपदार्थ सेवन, भैँ-भगडा लगायतका कुलतमा फस्ने अवस्था रहेको।
■ गाउँपालिकामा अध्ययन तथा रोजगारका लागि शहर तथा विदेश गएकाहरूलाई स्वदेशमै रोजगार सृजना गर्ने चुनौती रहेको।
■ गाउँपालिकामा भएका खेल मैदान, पार्क तथा पिकनिक स्थल व्यवस्थित एवं पूर्वाधारयुक्त हुन नसकेको।
■ गाउँपालिकामा खेलकुदको विकास गर्न स्थानीय स्तरमा खेलकुद प्रशिक्षकको अभाव भएको।
■ सीमित बजेटका कारण गाउँपालिकाले खेलकुद तथा मनोरञ्जनमा यथोचित लगानी गर्न नसकेको।
■ व्यवस्थित खेलकुद पूर्वाधारहरूको विकास गर्न ठूलो आकारको बजेटको व्यवस्थापनको चुनौती रहेको।
■ भौगोलिक अवस्थिति सहज हुँदाहुँदै पनि एकीकृत खेलकुद जागरण अभावका कारण खेलकुद पूर्वाधारको विकास गर्न चाहेजति सहज र चुस्त रूपमा विकास गर्न कठिन रहेको।
■ खेलकुदलाई व्यवसायीकरण गर्न राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय प्रतियोगितामा खेलाडीहरू समावेश गराउन कठिन परिस्थिति रहेको।
■ ऐतिहासिक, पर्यटकीय तथा धार्मिक महत्वका क्षेत्रहरूमा पार्क, वनभोज स्थल आदिको विकास गर्न कठिन।

### ५.५.३ सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>युवा शक्ति गाउँपालिकाको मानव संसाधनको महत्वपूर्ण स्रोत भएको ।</li> <li>गाउँपालिकाको भावी समृद्धि युवाको काँधमा रहेको ।</li> <li>युवा शक्तिमा रहेको जागरुकतालाई यथोचित सम्बोधन गर्न सके गाउँपालिकाको विकासमा कायापलट हुन सक्ने ।</li> <li>नियमित रूपमा खेलकुद तथा मनोरञ्जनात्मक गतिविधिका लागि रंगशाला, खेलकुद मैदान तथा मनोरञ्जनात्मक गतिविधीहरूलाई प्राथमिकतामा राखेर निर्माण तथा स्तरोन्नति गर्न सकिने ।</li> <li>गाउँपालिकाको युवा लक्षित वार्षिक नीति तथा कार्यक्रमको प्रभावकारी कार्यान्वयन गर्न सकिने ।</li> <li>गैरसरकारी तथा निजी क्षेत्रसँग समन्वय गरी युवामैत्री तालिम, गोष्ठी तथा सेमिनार आयोजना गरी आय आर्जनका गतिविधिमा आवद्ध गराउन सकिने ।</li> <li>गाउँपालिकामा विभिन्न प्रयोगात्मक कार्यक्रमहरू आयोजना गरी युवाहरूलाई प्रतिस्पर्धात्मक तथा जागरुक बनाउन सकिने ।</li> <li>उच्च तथा प्राविधिक शिक्षाका अवसरहरू गाउँपालिकामै सिर्जना गरी रोजगारीका अवसरहरू सिर्जना गर्न सकिने ।</li> <li>गाउँपालिकाले राष्ट्रपति रनिडशिल्ड लगायत खेलका अन्य विधाहरूमा खेलाडि उत्पादन र विकास गर्न पालिकामा खेल शिक्षकको व्यवस्था गर्ने नीति अगाडी सारेको ।</li> <li>सबै वडामा खेलकुद क्लव गठन, खेलमैदान निर्माण, खेलकुद सामग्री वितरण लगायतको माध्यमबाट खेल क्षेत्रको विकास र विस्तार गर्ने योजना गाउँपालिकाले तय गरेको ।</li> </ul>

### ५.५.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
शारीरिक र मानसिक रूपमा स्वस्थ, श्रमशिल, कर्मठ र दक्ष मानव संसाधन निर्माण
लक्ष्य
गाउँपालिकाको युवा जनसंख्याको शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्यका लागि आधारभूत खेलकुद र मनोरञ्जनका पूर्वाधार विकास गरी उनीहरूलाई पूर्ण रोजगार र उच्च उत्पादनमूखी बनाउने ।
उद्देश्यहरू
<ul style="list-style-type: none"> <li>✓ श्रमशिल र सकृय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु ।</li> <li>✓ खेलकुद र मनोरञ्जनका माध्यमले नागरिकको खुसी र स्वास्थ्य सुदृढ गर्नु ।</li> </ul>

उद्देश्य १. श्रमशील र सकृय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ युवा तथ्याङ्क व्यवस्थापन गर्ने ।	१.१.१ गाउँपालिकाभर रहेका युवा जनशक्तिको पृष्ठभूमिबारे स्थितिपत्र तयार पारिनेछ ।
	१.१.२ गाउँपालिकाबाट श्रम तथा रोजगारीका लागि बाहिरिएका युवाहरूको पूर्ण विवरण तयार पारिनेछ ।

**उद्देश्य १. श्रमशील र सकृय युवा जनशक्तिलाई दक्ष बनाई उनीहरूको श्रमशक्ति र उर्जाको सही सदुपयोग गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
१.२ दक्ष र सिपयुक्त मानव संसाधनको विकास गर्ने ।	१.२.१ युवा स्थितिपत्रमा तयार विवरण अनुसार हाल अदक्ष र अर्धदक्ष मानव स्रोतलाई लक्षित गरी उनीहरूको रुची र भुकाव अनुसार नियमित सिप विकास रोजगारीमूलक र Motivational तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.२ समाजमा शान्ति सुव्यवस्था, आपतकालीन उद्धार र मानव सेवामा लगाउने उद्देश्यका साथ युवा स्वयंसेवक दस्ता तयार गर्न अभिमूखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.३ गायन, वाद्यवाधन, नृत्य , कला, अभिनय आदिमा विशेष रुची भएका युवाको पहिचान गरी वडास्तरीय साँस्कृतिक समितिमा आवद्ध गराई उनीहरूलाई विशेष तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	१.२.४ कुनैपनि युवालाई बेरोजगार नराख्न प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम अन्तर्गत उनीहरूलाई समेटि गाउँघरमा आवश्यक अर्धदक्ष कामहरू जस्तै इलेक्ट्रिसियन, प्लम्बिङ, कृषि श्रम, निर्माण आदिका लागि विशेष तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.५ गाउँपालिकाभर सञ्चालनमा रहेका युवा क्लबहरूको अभिलेखीकरण गरी प्रत्येक क्लबलाई युवाका सरोकार समाधान गर्ने केन्द्रको रूपमा विकास गर्न एक गाउँपालिकास्तरीय युवा सम्मेलनको आयोजना गरिनेछ ।
	१.२.६ यस प्रकारका युवा क्लबका क्रियाकलापलाई संस्थागत रूपमा विकास गर्न केन्द्रिय स्तरमा सफल युवाहरूसँग साक्षात्कार गरी युवा क्लबलाई साधन श्रोत सम्पन्न गराइनेछ ।
	१.२.७ कुलतमा फसेका युवाहरूको वडागत विवरण तयार पारी युवा क्लबको नेतृत्वमा सहिमार्गमा डोच्याउन अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.८ युवा उद्यमीहरूको वडागत विवरण सङ्कलन गरी उनीहरूको थप नेतृत्व विकास तथा उद्यमशील विकास तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.९ जीवन निर्वाहमा चरम कठिनाई भोगी बेरोजगार तथा अर्ध बेरोजगार युवाहरूलाई माथि उठाउन वस्तुगत युवा उत्थान कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

**उद्देश्य २ : खेलकुद र मनोरञ्जनका माध्यमले नागरिकको खुशी र स्वास्थ्य सुदृढ गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१ खेलकुद पूर्वाधारको प्रबन्ध गर्ने ।	२.१.१ विद्यालयहरूको स्तर अनुसार खेल मैदानको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	२.१.२ विद्यालयहरूमा न्यूनतम खेल सामग्रीको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	२.१.३ एक वडा एक खेल मैदानको व्यवस्था गरिनेछ ।

उद्देश्य २ : खेलकुद र मनोरञ्जनका माध्यमले नागरिकको खुशी र स्वास्थ्य सुदृढ गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
	२.१.४ वडास्तरीय खेलकुद विकास समिति गठन गरिनेछ ।
	२.१.५ समृद्धिका लागि स्वास्थ्य, स्वास्थ्यका लागि खेलकुद भन्ने मर्मलाई आत्मसाथ गराउन युवा क्लबहरूलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	२.१.६ खेलकुद स्थापनाका लागि आवश्यक अध्ययन अगाडी बढाइनेछ ।
	२.१.७ विद्यालयमा खेल मैत्री वातावरण निर्माणमा जोड दिइनेछ ।
	२.१.८ सामुदायिक विद्यालय मध्ये ५ रोपनी बढी जग्गा भएको एउटा विद्यालयमा खेलकुदका पूर्वाधार निर्माण गुरुयोजना तयार गरिनेछ ।
२.२ खेलाडी पहिचान तथा प्रशिक्षण ।	२.२.१ गाउँपालिकास्तरीय सम्पूर्ण खेलाडीहरूको विवरण तयार पारिनेछ ।
	२.२.२ खेल अनुसार खेलाडी समूह छुट्याई वडास्तरीय खेलकुद समितिमार्फत प्रशिक्षण/तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	२.२.३ राष्ट्रिय खेलमा भाग लिने खेलाडीहरूलाई विशेष तयारी प्रशिक्षण सञ्चालन गर्न कोषको व्यवस्था गरिनेछ ।
२.३ खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गर्ने ।	२.३.१ स्थानीय तह र प्रदेशस्तरमा आयोजना हुने खेलहरूमा सहभागी हुन खेलाडी प्रशिक्षण सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.३.२ अन्तर विद्यालय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.३.३ वडास्तरीय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.३.४ कुनै पनि खेलकुदसँग सम्बन्धित संघ संस्थाले गाउँपालिकाभित्र राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय खेलकुद आयोजना गर्न चाहेमा साभेदारीमा खेल सञ्चालन गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ ।
२.४ स्थानीय तहले गर्न सक्ने मनोरञ्जनात्मक कृयाकलापको अध्ययन गरी व्यवस्थित गर्ने ।	२.४.१ स्थानीय जातजाति, धर्म, सम्प्रदायहरूमा प्रचलित कला, कौशल, गायन, नृत्य आदिको पूर्ण विवरण तयार गरी तिनीहरूको जगेर्ना र सान्दर्भिकता बारे अध्ययन गरिनेछ ।
	२.४.२ ठूलो संख्याका मानिसहरूलाई सामूहिक रूपमा मनोरञ्जन प्रदान गर्ने प्रकारका स्थानीय जात्रा, मेला, हाट, नौटङ्की, नाटक, गीत, वाद्यवादन, नृत्य, जादु, कला, कौशल, आदिलाई संस्थागत गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	२.४.३ वनभोज स्थलहरूलाई व्यवस्थित गर्न वडास्तरीय रूपमा रहेका पार्क तथा मनोरञ्जन स्थलहरूको स्तरोन्नति गरिनेछ ।
	२.४.४ एक वडा एक पार्क अभियान सञ्चालन गरी प्रत्येक वडामा सघन बस्तीलाई पायक पर्ने स्थानमा मनोरञ्जन पार्कको स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।



## युवा तथा खेलकुदको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	युवा स्थितिपत्र तयार	७५	८०	८५	९०	१००	
		१.१.२	रोजगारीका लागि बाहिरिने युवाहरूको समग्र विवरण तयार	५०	६०	७०	८०	९०	
	१.२	१.२.१	रोजगारीमूलक तथा युवा अभिमूखीकरण तालिम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.२	युवा स्वयंसेवा दस्ता तालिम	७०	७०	७०	७०	७०	
		१.२.३	युवा कलाकारिता तालिम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.४	प्रधानमन्त्री रोजगार विशेष तालिम	४०	४०	४०	४०	४०	
		१.२.५	गाउँपालिकास्तरीय युवा सम्मेलनको आयोजना	८०	८०	८०	८०	८०	
		१.२.६	केन्द्रिय स्तरमा सफल युवाहरूसँग साक्षात्कार	३५	३५	३५	३५	३५	
		१.२.७	कुलतमा फसेका युवाहरूलाई सहिमार्गमा डोऱ्याउन अभिमूखीकरण कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.८	युवा उद्यमीहरूको थप नेतृत्व विकास तथा उद्यमशील विकास तालिम सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.९	वस्तुगत युवा उत्थान तथा सवलिकरण कार्यक्रम सञ्चालन	७०	७५	७५	७५	७५	
२.	२.१	२.१.१	विद्यालय स्तरीय खेल मैदान मर्मत सम्भार	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		२.१.२	विद्यालय खेल सामग्री खरिद	१००	१००	१००	१००	१००	
		२.१.३	वडास्तरीय खेल मैदान निर्माण		३००	३००	३००	३००	
		२.१.४	वडास्तरीय खेलकुद विकास समिति निर्माण	१५०	१५०	१५०	१५०	१५०	
		२.१.५	“समृद्धिका लागि स्वास्थ्य, स्वास्थ्यका लागि खेलकुद” कार्यक्रम सञ्चालन	१००		१५०		२५०	
		२.१.६	खेलकुद स्थापनाका लागि आवश्यक अध्ययन	५००					
		२.१.७	विद्यालयमा खेल मैत्री वातावरण निर्माण	१००	२५०	-	-	-	
		२.१.८	खेलकुद पूर्वाधार निर्माण गुरुयोजना तयार	५००					

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
	२.२	२.२.१	खेलाडीको व्यक्तिगत विवरण तयारी	३०	४०	५०	६०	७०	
		२.२.२	खेलाडी प्रशिक्षण (नियमित)	८०	८०	८०	८०	८०	
		२.२.३	प्रशिक्षण सञ्चालन गर्न कोष निर्माण (राष्ट्रिय प्रतियोगितामा सहभागी हुन)	५०	५०	५०	५०	५०	
	२.३	२.३.१	खेलाडी प्रशिक्षण (प्रादेशिक र स्थानीय तह)	३५	३५	३५	३५	३५	
		२.३.२	अन्तर विद्यालय वार्षिक खेलकुद Tournament सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	
		२.३.३	वडास्तरीय वार्षिक खेलकुद प्रतियोगिता सञ्चालन	९०	९०	९०	९०	९०	
		२.३.४	राष्ट्रिय तथा अन्तर्राष्ट्रिय खेलकुद आयोजना	१००	१००	१००	१००	१००	
	२.४	२.४.१	स्थानीयस्तरमा हुने मनोरञ्जनात्मक गतिविधिको विवरण तयारी	५०	१००	१००	१००	१००	
		२.४.२	परम्परागत मनोरञ्जनात्मक कृयाकलाप संस्थागत गर्न सम्भाव्यता अध्ययन	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.४.३	वनभोजस्थल व्यवस्थापन गर्न पार्क तथा मनोरञ्जनस्थलको स्तरोन्नति		५००				
		२.४.४	एक वडा एक मनोरञ्जन पार्क सम्भाव्यता अध्ययन	५००					

### ५.५.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ न्यूनतम खेलकुद पूर्वाधारको विकास हुनेछ ।
- ✓ खेलाडीहरू पहिचान भई क्षमता विकास भएको हुनेछ ।
- ✓ स्थानीयस्तरमा प्रचलनमा रहेका मनोरञ्जनात्मक कृयाकलापहरू संस्थागत हुनेछन् ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१	युवा तथा खेलकुद				
	प्रतिफल	व्यायामशालाको संख्या	संख्या	०	८
	प्रतिफल	सुविधा सम्पन्न खेलकुद रंगशालाको संख्या	संख्या	०	१
	प्रतिफल	खेल मैदानको संख्या	संख्या	३	८
	प्रतिफल	बाल उद्यानको संख्या	संख्या	१	८
	प्रतिफल	पार्क तथा हरित उद्यानको संख्या	संख्या	०	३
	प्रतिफल	व्यवस्थित पिकनिक स्थलको संख्या	संख्या	१	८
	प्रतिफल	व्यवस्थित पौडी पोखरीको संख्या	संख्या	०	२
	प्रतिफल	जेष्ठ नागरिक मिलन केन्द्रको संख्या	संख्या	५	८
	प्रतिफल	साँस्कृतिक तथा कला केन्द्रको संख्या	संख्या	०	१

### ५.५.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ५.६ शान्ति सुरक्षा

### ५.६.१ पृष्ठभूमि

गरिबी, सामाजिक विसंगति र अपराध मनोविज्ञानका कारण समाजमा विविध किसिमका अपराधिक घटनाहरू घट्ने गर्दछन् । यस्ता घटनाहरू न्यूनीकरण गर्न शान्ति, सुरक्षा र अमन चयनको प्रबन्ध राज्यले मिलाउने दायित्व हुन आउँछ । यसर्थ गाउँपालिकाले गाउँमा शान्ति सुरक्षा कायम गर्न प्रत्येक वडामा प्रहरी चौकीहरूको प्रबन्ध गर्नुपर्ने र आवश्यक सङ्ख्यामा दरबन्दी कायम गरी शान्ति सुव्यवस्था कायम गर्नु आवश्यक छ । गाउँपालिकाले आवश्यकताको आधारमा प्रहरी चौकी विस्तार गर्न, सुरक्षा गस्तीको प्रबन्ध गर्न र नगर प्रहरीको संख्या निर्धारण गरि उचित तालिमको प्रबन्ध गर्न जरुरी रहेको छ ।

### ५.६.२ समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ गाउँपालिकामा छिटफुट रुपमा चोरी, भैँभगडा, डकैती, हत्या, घरेलु हिंसा तथा बलात्कारका घटना हुने गरेका ।
■ प्रविधिको अभाव तथा सूचना प्रवाह कठिनाईका कारण अपराधका घटनाहरूको यथार्थ लगत राख्न कठिन भएको ।
■ गाउँपालिकाको सीमित बजेटका कारण सुरक्षा निकायको उपस्थिति सबै वडामा पुऱ्याउने कार्य चुनौतीपूर्ण ।
■ अपराधलाई लोकलाज अथवा डर त्रासका कारण लुकाई अपराधीलाई थप प्रोत्साहित हुने सम्भावना रहेको ।
■ आत्महत्या नियन्त्रणका लागि मनोसामाजिक परामर्शदाता व्यवस्था गर्न तथा मनोरोगीको पहिचान र उपचार गर्ने कार्य चुनौतीपूर्ण रहेको ।
■ लागुऔषध नियन्त्रण चुनौतीपूर्ण रहेको ।
■ निमुखा तथा सोभासाभा नागरिकको सुरक्षा प्रत्याभूत गर्न चुनौतीपूर्ण रहेको ।

### ५.६.३ सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
■ आम नागरिकलाई स्वतन्त्रतापूर्वक हिंडुल गर्न तथा दैनिक कार्य सञ्चालन गर्न सुरक्षा चुनौती नभएको ।
■ कुनै पनि बेला हुन सक्ने दुर्घटनाको तत्काल सम्बोधन गर्न सकिने ।
■ घटना वा दुर्घटनाका बेला उद्धार सामाग्रीको पर्याप्त आपूर्ति गर्न सकिने ।
■ अमनचयन तथा शान्ति सुरक्षाको अवस्थालाई जुभारु राख्न उपयुक्त कदमहरू चाल्न सकिने ।

### ५.६.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
शान्ति सुरक्षाका हिसाबले सुरक्षित गाउँपालिका
लक्ष्य
गाउँपालिकावासीलाई शान्ति सुव्यवस्थाका हिसाबले पूर्ण सुरक्षित महशुस गराउने ।
उद्देश्यहरू
समाजमा पूर्ण शान्ति सुव्यवस्था तथा अमनचयन कायम गरी सबै खाले अपराधलाई नियन्त्रण गर्नु

उद्देश्य १. समाजमा पूर्ण शान्ति सुव्यवस्था तथा अमनचयन कायम गरी सबै खाले अपराधलाई नियन्त्रण गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ सुरक्षा पूर्वाधारको विकास गर्ने ।	१.१.१ आवश्यकताका आधारमा नगर प्रहरीहरूको व्यवस्थापन गरिनेछ ।
	१.१.२ सुरक्षा गस्तीलाई आवश्यकता अनुरूप नियमित र अपराध संवेदनशील क्षेत्रमा सघन बनाइनेछ ।
	१.१.३ मदिरापान, धुम्रपान, भिडभाड, होहल्ला भै-भगडा हुने क्षेत्रमा सुरक्षा सर्तकता वृद्धि गरी सुरक्षा योजना निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.४ Hot Line सेवाको प्रबन्ध गरी तत्काल परिचालन हुने stand by force तयार पारिनेछ ।
	१.१.५ विशेष उद्धार टोली निर्माण गरी तयारी अवस्थामा राखिनेछ ।
	१.१.६ व्यक्तिगत सुरक्षा र सूचना दिन प्रोत्साहन गर्ने हिसाबले विद्यार्थीसँग प्रहरी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.७ सघन बस्ती रहेका बजार क्षेत्रहरूमा आवश्यकताका आधारमा cctv जडान गरिनेछ ।
१.१.८ अपराध नियन्त्रण तथा सम्भावित अपराधिक क्रियाकलाप न्यूनीकरण गर्न समुदायसँग प्रहरी विशेष अभियान अन्तर्गत व्यापक जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।	
१.२ संस्थागत क्षमता विकासका कृयाकलाप सञ्चालन गर्ने ।	१.२.१ नगर प्रहरीलाई संवेदनशीलताका आधारमा क्षमता विकास तालिम प्रदान गरिनेछ ।

## शान्ति सुरक्षाको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	आवश्यकताका आधारमा नगर प्रहरीको दरबन्दी तय		५०				
		१.१.२	सुरक्षा गस्तीको आवश्यक रुट र स्थानबारे अध्ययन	५०					
		१.१.३	समग्र गाउँपालिका सुरक्षा योजना तयार		५०				
		१.१.४	Hot Line सेवा सञ्चालन		५०				
		१.१.५	उद्धार संयन्त्र निर्माण	२००	१००	१००	१००	१००	
		१.१.६	विद्यार्थीसँग प्रहरी विशेष कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.७	सघन बजार र बस्ती क्षेत्रमा CCTV जडान			९०	९०	९०	
		१.१.८	समुदायसँग प्रहरी जनचेतनामूलक कार्यक्रम						
	१.२	१.२.१	नगर प्रहरी तालिम	५०	५०	५०	५०	५०	

### ५.६.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

✓ गाउँपालिका वासिन्दाहरू सुरक्षाका हिसाबले ढुक्क छु भन्ने वातावरण श्रृजना भएको हुनेछ ।

#### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	शान्ति सुरक्षा				

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	प्रहरी बिटको संख्या	संख्या	२	४
	असर	प्रति वर्ष हुने अपराधिक क्रियाकलापका घटनाहरू (घटाउँदै लाने)	प्रतिशत		
	असर	हत्या संख्या (१६.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	प्रति सुरक्षाकर्मी जनसंख्या अनुपात	प्रतिशत		
	असर	दर्ता गरिएका यौनजन्य हिंसा	संख्या		
	असर	विगत १२ महिनामा सशस्त्र वा अन्य हिंसात्मक द्वन्दवाट भएको मृत्यु संख्या (१६.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	नेपाल प्रहरी	संख्या		
	प्रतिफल	नेपाली सेना	संख्या		
	प्रतिफल	सशस्त्र प्रहरी	संख्या		
	प्रतिफल	नगर प्रहरी	संख्या		
	असर	मानव बेचबिखन संख्या	संख्या		
	असर	आफू बसेको क्षेत्र वरिपरि एकलै हिंडडुल गर्ने आफूलाई सुरक्षित ठान्ने जनसंख्या प्रतिशत (१६.१.४) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	सिसिटिभी जडान संख्या	संख्या		

## ५.७ शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापन

### ५.७.१ पृष्ठभूमि

हरेक क्षेत्र तथा समुदायको आ-आफ्नो धर्म र संस्कृति अनुसार शवदाहस्थल र समाधीस्थल व्यवस्थापन एक महत्वपूर्ण र संवेदनशील विषय र आवश्यकता पनि हो। भावनात्मक अर्थसमेत बोकेको यो विषयलाई कुनै पनि योजनाले समयमै सम्बोधन गर्नुपर्दछ। परम्परागत रूपमा सञ्चालनमा रहेका शवदाहस्थल र समाधीस्थललाई भविष्यमा सहज र व्यवस्थित बनाउनु पर्दछ। अन्यथा अव्यवस्थित दाहसंस्कार गरिनुले गाउँपालिकाको पर्यावरणीय, सामाजिक तथा साँस्कृतिक व्यवस्थामा चुनौती थपिन्छ। परम्परागत रूपमा सञ्चालनमा रहेका शवदाहस्थल र समाधीस्थललाई भविष्यमा सहज र व्यवस्थित बनाउँदै लैजानुपर्दछ। गाउँपालिकाभित्र जातिय तथा धार्मिक विविधता भएसँगै प्राकृतिक स्रोतका कारण शवदहन गर्न शहरी क्षेत्र तथा बजार क्षेत्र बाहेकका वडाहरूमा जाती तथा धर्म अनुसार शवदहन क्षेत्र तथा समाधीस्थलहरू रहेका छन्।

गाउँपालिकावासीले वडा नं. १ का बासिन्दाले बेलौते चौर स्थित माडी नदी किनार, उर्लीखोला दोभान स्थित माडी नदी किनार, कोछाप खोला दोभान स्थित कोछाप खोला, घोडाखोला दोभान स्थित माडी नदी किनारलाई समाधीस्थलको रूपमा प्रयोग गर्ने गरेका छन्। यसैगरी वडा नं. २ को चर्तुभुज मसान घाट (खुङ्ग्री-२ चर्तुभुज खुङ्ग्री), वडा नं. ३ को मिल्के धारा, घाएथान, धन्दिपोखरा, कुखुरा काट्ने धारा, वडा नं. ४ को जैरे स्थित वाग्मा, चुच्चेरा स्थित वाग्मा, सिउरति पानी स्थित वाग्मा लगायतका स्थानमा अन्तिम संस्कार गर्ने गरिएको छ। यसैगरी वडा नं. ५ को कालिपोखरा डाँडा स्थित रिभा, त्रिवेणीघाट स्थित काभ्रा, टाकुराधारा स्थित मन्घा, भेरीखर्क दोभान स्थित क्वालीगाउँ क्षेत्रमा अन्तिम संस्कार हुने गरेको छ। यसैगरी वडा नं. ६ को एकले पाटा खोला स्थित पातीहाल्ना, सिद्धापान टाकुरा, ठूलो खोला स्थित पातीहाल्ना, खुरुले खोला स्थित पानीपोखरा, ओडावारे स्थित पानीपोखरा, खुमेलगाड खोला त्रिवेणी स्थित दलङ्गा, त्रिवेणी खुमेलगाड स्थित काभ्रापानी धौलिगाउँ, वडा नं. ७ को औडबस्ने स्थित पूर्वाधारयुक्त शवदाहस्थल लगायत अरेश खोला क्षेत्र र अन्य सार्वजनिक स्थानहरूलाई गाउँपालिकावासीले अन्तिम संस्कार गर्ने स्थानको रूपमा प्रयोग गर्दै आएका छन्। यी शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलको व्यवस्थापनका लागि आश्रयस्थल बनाउने, खानेपानी तथा काठ दाउराको व्यवस्थापन, मृत्यु संस्कारका लागि आवश्यक सामग्रीहरू उपलब्ध हुने गरी पसल व्यवस्थापन लगायतका कार्यहरू गाउँपालिकाले गर्नुपर्ने देखिन्छ।

### ५.७.२ समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ गाउँपालिकामा व्यवस्थित तवरले शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल हरूको व्यवस्थापन भइ नसकेको।
■ अव्यवस्थित दाहसंस्कार गरिनुले गाउँपालिकाको पर्यावरणीय, सामाजिक तथा साँस्कृतिक व्यवस्थामा चुनौती थपिएको।
■ गाडिएका शवहरूलाई जंगली जनावरहरूले खोस्रेर यत्रतत्र छरिदिने अवस्था रहेको।
■ शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापनका लागि सर्वस्वीकृति स्थलहरू किटान गर्ने चुनौती रहेको।
■ अन्तिम संस्कारका लागि सडक, विद्युत, बाटोघाटो, सञ्चार लगायतका पूर्वाधार विकास गर्न ठूलो आकारको बजेट चाहिने।
■ छरिएर रहेका बस्तीहरूका कारण शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापनमा कठिनाई तथा खर्चिलो हुने।
■ वातावरणमैत्री विद्युतीय शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापन गर्न संस्कारगत तथा बजेटका हिसावले चुनौतीपूर्ण।



### ५.७.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा रहेका विभिन्न समुदायका आ-आफ्ना धर्म संस्कृति अनुरूपका शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापन प्रति गाउँपालिका सवदेनशील भएको ।
- गाउँपालिकाले एकीकृत रूपमा भएका शवदाहस्थल एवमं समाधीस्थललाई व्यवस्थित गर्ने तथा नभएका स्थानहरूमा उपयुक्त स्थलहरू पहिचान गरी व्यवस्थापन गर्ने कार्यक्रम ल्याउन सक्ने ।
- शवदाहस्थल, समाधीस्थल तथा किरियापुत्री भवनको लागि आवश्यक सडक, विद्युत, सञ्चार लगायतका पूर्वाधारहरूको गाउँपालिकाले विकास गर्न सक्ने ।
- परम्परागत रूपमा सञ्चालनमा आएका शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलको वैज्ञानिक व्यवस्थापन गर्न सक्ने ।
- वातावरणमैत्री विद्युतीय शवदाहस्थलको निर्माण गर्न सकिने ।

### ५.७.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलको उचित व्यवस्थापन

#### लक्ष्य

भविष्यमा शवदाह तथा समाधीस्थल व्यवस्थापनको समस्यालाई पूर्णत सम्बोधन गर्ने र उचित प्रबन्ध गर्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- ✓ शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलको उचित व्यवस्थापन गर्नु ।

#### उद्देश्य १. शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलको उचित व्यवस्थापन गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ सम्पूर्ण वडालाई समेटेर व्यवस्थित शवदाहस्थल र समाधीस्थलको पूर्वाधार तयार गर्ने ।	१.१.१ परम्परागत हिसाबले चलि आएका शवदाहस्थल र समाधीस्थलको व्यवस्थित नक्साङ्कन गरिनेछ ।
	१.१.२ जनसंख्याको चापको आधारमा क्रमश शवदाहस्थललाई व्यवस्थित बनाउन डि.पि.आर तयार पारिनेछ ।
	१.१.३ शवदाहस्थल, शवदहन गर्न जाने व्यक्तिहरूको लागि प्रतिकक्षालय तथा किरियापुत्री घर निर्माण र समाधीस्थल क्षेत्र तारवारको कार्य क्रमश अगाडि बढाइनेछ ।
	१.१.४ अतिविपन्न नागरिकहरूलाई किरिया खर्च प्रदान गरिनेछ ।
	१.१.५ महामारीका बेला हुने मृत्यु र शव व्यवस्थापना योजना निर्माण गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।
	१.१.६ प्रत्येक वडालाई समेट्ने गरी आवश्यकताका आधारमा शव वाहन सेवा सञ्चालन गरिनेछ ।

### शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलहरूको नक्साङ्कन		१००				
		१.१.२	शवदाहस्थल डि.पि.आर				१०००		
		१.१.३	शवदाहस्थल तथा किरियापुत्री घर निर्माण र समाधीस्थल क्षेत्र तारवार	५०	५५	६०	६५	७०	
		१.१.४	किरिया खर्च व्यवस्थापन (अति विपन्न)			३००	६००	९००	
		१.१.५	माहामारी शव व्यवस्थापन योजना निर्माण		५०				
		१.१.६	शव वाहन खरिद					१५००	

### ५.७.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

✓ गाउँपालिकामा शवदाहस्थल तथा समाधीस्थलको उचित प्रबन्ध भएको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१	शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापन				
	प्रतिफल	व्यवस्थित शवदाह स्थल/समाधीस्थलको संख्या	संख्या	१	८
	प्रतिफल	शव वाहनको संख्या	संख्या	०	१

## ५.८ गरिबी निवारण

### ५.८.१ पृष्ठभूमि

वि.स. २०१३ को प्रथम आवधिक योजना देखि हालको पन्ध्रौं योजना सम्मका हरेक विकास योजनाहरूमा सबैभन्दा बढी देखापर्ने पेचिलो मुद्दाको रूपमा गरिबी निवारण रहेको छ। जति विकासका योजनाहरू बनेपनि गरिबी निवारण गर्न सकिएको छैन। दिगो विकास लक्ष्यको पहिलो लक्ष्य नै सन् २०३० सम्म सबै प्रकारको गरिबीको अन्त्य गर्ने भन्ने छ भने राष्ट्रिय लक्ष्य शुन्यमा भर्ना नसकिए पनि कुल जनसंख्याको ५ प्रतिशतमा सीमित गर्ने रहेको छ। नेपाल सरकारले गरिबी निवारण गर्न लिएको लक्ष्य तथा उद्देश्य अनुरूप गाउँपालिकाले बेरोजगार तथा युवाहरूको वास्तविक वस्तु स्थिति अद्यावधिक गरी कार्ययोजना बनाएर बेरोजगार तथा युवाहरूलाई रोजगारमुलक कार्यक्रममा समावेश गर्नुपर्ने आवश्यकता देखिन्छ।

### ५.८.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- वास्तविक गरीबको पहिचान हुन नसकेको।
- सरकारको मूल कार्यक्रमहरूमा गरीब परिवारको वास्तविक पहुँच पुग्न नसकेको।
- कृषि उद्योग, पर्यटन र अन्य व्यवसाय प्राय निर्वाहमूखी हुने गरेको।
- शिक्षा र जनचेतनामा कमी रहेकोले गरिबी घटाउन कठिन र चुनौतीपूर्ण रहेको।
- युवाहरू अवसर नपाएर विदेश पलायन हुनुपरेको।
- विगतका गरिबी निवारणका कार्यक्रमहरू वास्तविक रूपमा प्रभावकारी हुन नसकेको।
- श्रमको सम्मान गर्ने संस्कृतिको विकास हुन नसकेको।
- रोजगारमूलक शिक्षाको उचित प्रबन्ध हुन नसकेको।

### ५.८.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गरिबी निवारणका कार्यक्रम तथा योजना तर्जुमा गर्ने अधिकार स्थानीय तहको सरकारलाई प्राप्त भएकोले वास्तविक गरीब पहिचान गरी त्यसको निराकरण गर्न सहज हुने।
- विभिन्न संघ संस्थाहरूसँग समन्वय गरी सीपमुलक तालिम सञ्चालन गरेको।
- बेरोजगारहरूलाई रोजगार दिनको लागि प्रधानमन्त्री रोजगार कार्यक्रम सञ्चालन गरेको।
- खेतीयोग्य उर्वर जमिन पर्याप्त भएको, पर्यटन तथा उद्योगहरूको सम्भावना रहेकोले गरिबी निवारणका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने अवसरहरू रहेको।
- स्थानीय तहमै रोजगार केन्द्रको प्रबन्ध गरिएको।
- गाउँपालिकाले गरिबी निवारणलाई प्राथमिकता दिएको।
- युवा उमेरको जनसंख्या रहेको।
- वैदेशिक रोजगारीबाट फर्केका युवाहरूको सीपलाई गरिबी निवारणमा सदुपयोग गर्न सकिने।
- रोजगारी श्रृजना, सिपमुलक तालिम आदिमा गाउँपालिकाले प्रत्यक्ष सहयोग गर्न सक्ने वैधानिक र नीतिगत आधार तयार भएको।

## ५.८.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

### दीर्घकालीन सोच

ज्ञान, सिप र उद्यमशिलताको विकास गरी शुन्यमा भार्ने गरिबी

### लक्ष्य

आगामी पाँच वर्षमा हालको गरिबीलाई पचास प्रतिशत कम गर्ने ।

### उद्देश्यहरू

✓ निरपेक्ष र बहुआयमिक गरिबीमा रहेको जनताको गरिबी निवारण गरी जीवनस्तर उकास्नु ।

उद्देश्य १: निरपेक्ष र बहुआयमिक गरिबीमा रहेको जनताको गरिबी निवारण गरी जीवनस्तर उकास्ने ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१ गरिबी सम्बन्धी सूचना र तथ्याङ्क चुस्त दुरुस्त राख्ने ।	१.१.१ गाउँपालिकाभर गरिबीको परिभाषा भित्र पर्ने परिवार वा व्यक्तिको वास्तविक सूचना संकलन र अद्यावधिक गरिनेछ ।
	१.१.२ बेरोजगारको तथ्याङ्क संकलन र अद्यावधिक गरिनेछ ।
	१.१.३ गरिबीका प्रमुख कारण र गरिबीको सघनता भएका क्षेत्रहरूको पहिचान गरिनेछ ।
	१.१.४ बहुआयामिक गरिबीको सूचकाङ्कमा परेका जनसंख्याको तथ्याङ्क संकलन गरिनेछ ।
	१.१.५ राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनि रहेको सबै महिला तथा ५ वर्ष मुनिका बालबालिकाको तथ्याङ्क संकलन गरिनेछ ।
१.२ सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	१.२.१ निरपेक्ष गरिबीमा रहेको जनसंख्या लक्षित पोषण तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चितताका लागि कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.२ गाउँपालिकाको अनुदानमा लक्षित गरीब घरपरिवारको स्वास्थ्य विमा लगायत सामाजिक सुरक्षाका कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.३ विपन्न तथा सिमान्तकृत वर्गका लागि गरीब आवास कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.४ गाउँपालिकाभर रहेका अशक्त, असहाय, फकिर तथा राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनी रहेका सम्पूर्ण घरपरिवार तथा सडक मानवहरूको तथ्याङ्क संकलन गरिनेछ ।
	१.२.५ अशक्त, असहाय तथा बेसहाराहरूलाई आश्रय स्थल तथा पोषणको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.२.६ बाढी, पहिरो, महामारी, प्रकोप लगायत विविध कारणबाट कुनै परिवारको आयआर्जन गर्ने मुख्य व्यक्तिको मृत्यु भएको र परिवारका अन्य सदस्यहरूको आयआर्जन गर्ने क्षमता नभएमा निजको परिवारलाई मासिक रुपमा निर्वाहको लागि अनुदान दिइनेछ ।
	१.२.७ भूमिहीन तथा सुकुम्बासीहरूलाई मापदण्डका आधारमा जग्गा उपलब्ध गराइनेछ ।
	१.२.८ “कोही भोको पर्दैन, भोकले कोही मर्दैन” भन्ने प्रतिबद्धताका साथ गाउँपालिका क्षेत्रलाई खाद्यान्नमा आत्मनिर्भर बनाइनेछ ।

उद्देश्य १: निरपेक्ष र बहुआयमिक गरिबीमा रहेको जनताको गरिबी निवारण गरी जीवनस्तर उकास्ने ।

रणनीति	कार्यनीति
१.३ विपन्न लक्षित सीपमूलक तथा रोजगार कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	१.३.१ रोजगार केन्द्रलाई सक्रिय बनाई गाउँपालिकामा निरन्तर श्रृजना हुन सक्ने रोजगारका क्षेत्रका बारे सम्भाव्यता अध्ययन तथा अनुसन्धान गरिनेछ ।
	१.३.२ कृषि क्षेत्रको विकासमार्फत रोजगारी श्रृजना गर्न दक्ष कृषि श्रमिक स्रोत केन्द्र स्थापना गरिनेछ ।
	१.३.३ कृषि श्रमिकहरूलाई सिपमूलक तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	१.३.४ बेरोजगार युवाहरूको लगत संकलन गरी उनीहरूको रुची र क्षमता पहिचान गरी सोही अनुसार तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	१.३.५ रोजगार केन्द्रको अगुवाइमा Job bank को स्थापना गर्न नियमित अध्ययन र अनुसन्धान गरिनेछ ।
	१.३.६ रोजगारी सम्बन्धी सम्पूर्ण जानकारी प्राप्त हुने सूचना प्रविधि संयन्त्रको निर्माण गरिनेछ ।
	१.३.७ विपन्न लक्षित करार खेती प्रणाली विकास गर्ने भूमि बैङ्क स्थापना गरिनेछ ।
	१.३.८ अति विपन्न परिवारका सदस्यहरूलाई घरेलु तथा कुटिर उद्योग सञ्चालन गर्न शुन्य प्रतिशत ब्याजमा मापदण्डका आधारमा अनुदान प्रदान गर्न विपन्न लक्षित अनुदान कोषको निर्माण गरिनेछ ।

## गरिबी निवारणको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	गरीब परिवार पहिचान सूचना संकलन	५०	१००	१००	१००	१००	
		१.१.२	बेरोजगारहरूको सूचना तथा तथ्याङ्क संकलन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.३	गरिबीका प्रमुख विशिष्टकृत कारणहरूको अध्ययन		५००				
		१.१.४	बहुआयामिक गरिबी सूचकाङ्क भित्र रहेका जनसंख्याको तथ्याङ्क संकलन	१००	१५०				
		१.१.५	राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनि रहेका महिला तथा ५ वर्ष मुनिका बालबालिकाको तथ्याङ्क संकलन	१००	१५०				
	१.२	१.२.१	गरीब लक्षित पोषण तथा खाद्य सुरक्षा कार्यक्रम	८०	८५	९०	९५	९५	
		१.२.२	विपन्न परिवार स्वास्थ्य विमा कार्यक्रम तथा सामाजिक सुरक्षा अनुदान		१००	१५०	२००	२५०	
		१.२.३	विपन्न नागरिक आवास कार्यक्रम		१०००	१२००	१३००	१५००	
		१.२.४	अशक्त, असहाय, बेसहारा सडक मानव तथा राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनी रहेका जनसंख्याको तथ्याङ्क संकलन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.५	बेसहारा आश्रयस्थल निर्माण				५००	१०००	
		१.२.६	निर्वाहमूखी अनुदान कार्यक्रम	४०	४५	५०	५०	५०	
		१.२.७	भूमिहिन तथा सुकुम्बासीहरूलाई जग्गा उपलब्धता			५००			
		१.२.८	“कोही भोको पर्दैन, भोकले कोही मर्दैन” कार्यक्रम	५००	५००	५००	५००	५००	
	१.३	१.३.१	रोजगार केन्द्रद्वारा रोजगारीका क्षेत्र पहिचान गर्न सम्भाव्यता अध्ययन		४००				
		१.३.२	दक्ष कृषि श्रमिक स्रोत केन्द्र स्थापना		५००				
		१.३.३	कृषि श्रमिक सिपमूलक तालिम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.३.४	बेरोजगारलाई रुची अनुसार तालिम सञ्चालन	८०	८०	८०	८०	८०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		१.३.५	Job Bank को स्थापना गर्न अध्ययन		१००				
		१.३.६	Job Information Software निर्माण			५००			
		१.३.७	विपन्न लक्षित विशेष भूमि बैङ्क स्थापना				७००		
		१.३.८	अति विपन्न परिवार लक्षित उद्यमी अनुदान	१००	१५०	२००	२५०	३००	

#### ५.८.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ आफ्नो आमदानीले बाह्र महिना खान नपुग्ने परिवार संख्या हालको बाट ५० प्रतिशत कम हुनेछ ।
- ✓ रोजगारीका अवसरहरू श्रृजना हुनेछन् ।
- ✓ गरीब घरपरिवारको जीवनस्तर सुधार हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१	गरिबी निवारण				
	प्रभाव	राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनि रहेको परिवार (१.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रभाव	बहुआयामिक गरिबीको दर (१.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रभाव	राष्ट्रिय गरिबीको रेखामुनी रहेको ५ वर्ष मुनिका बालबालिका (१.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रभाव	बेरोजगारी दर (८.५.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	गरीब लक्षित कार्यक्रमबाट प्रत्यक्ष लाभ लिने घरपरिवार	संख्या		
	प्रतिफल	भूमिहिन तर करार खेतीबाट लाभान्वित घरपरिवार	संख्या		
	प्रतिफल	सामाजिक सुरक्षण प्रणालीमा समेटिएको जनसंख्या (१.३.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	आयमूलक सिप विकास तालिमद्वारा लाभान्वित घरपरिवार	संख्या		
	असर	अशक्त, असहाय, बेसहारा आश्रयस्थलमा समेटिने	संख्या		
	प्रतिफल	स्वास्थ्य बिमाबाट सुरक्षित गरिएका विपन्न परिवार	संख्या		
	प्रतिफल	गरिबीको रेखामुनि रहेका महिला (१.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	गरिबीको रेखामुनि रहेका ५ वर्ष मुनिका बालबालिका (१.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	कूल बजेटमा सामाजिक सुरक्षा खर्च (१.३.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	आफ्नै नाममा अचल सम्पत्ति भएका महिला (१.४.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	कूल बजेटमा गरिबी निवारणका लागि प्रत्यक्ष रुपमा छुट्याइएको बजेट (१.क.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		



## परिच्छेद - ६: पूर्वाधार विकास

### ६.१ बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

#### ६.१.१ पृष्ठभूमि

मानव जीवनको आधारभूत आवश्यकताहरू मध्ये आवास पनि एक हो र नेपालको संविधानले पनि सुरक्षित तथा वातावरण मैत्री आवासको हकलाई प्रत्याभूति गरेको छ। गाउँपालिकाका अधिकांश घरहरू पक्की तथा अर्धपक्की अवस्थामा रहनुले यस गाउँपालिकाका घरहरू भूकम्पीय तथा अन्य प्रकोप सुरक्षाको दृष्टिकोणले असुरक्षित तथा जोखिमयुक्त अवस्थामा रहेका छन्। राष्ट्रिय जनगणना २०७८, को तथ्याङ्क अनुसार यहाँ जम्मा ७,००९ घरधुरी रहेकोमा घरको छानोको आधारमा टिन तथा जस्ताको छाना भएका परिवार सबैभन्दा बढी ३,९२५ अर्थात् ५६ प्रतिशत रहेका छन्। त्यसैगरी ढुङ्गा/स्लेट भएका घर परिवार संख्या १,७९४ अर्थात् २५.६ प्रतिशत रहेका छन्। यहाँ भुँडको आधारमा माटोको भुँड भएको घरधुरी संख्या सबैभन्दा बढी ५,९५३ अर्थात् ८४.९ प्रतिशत रहेका छन् भने सिमेन्टको भुँड भएका परिवार संख्या ७९२ अर्थात् ११.३ प्रतिशत र सेरामिक टायल भएका परिवार संख्या १८८ अर्थात् २.७ प्रतिशत रहेका छन्।

गाउँपालिका क्षेत्रमा अधिकांश घरहरू कच्ची तथा अर्धपक्की अवस्थामा छन् भने न्यून घरहरू मात्र पक्की अवस्थामा रहनुले यस क्षेत्रका घरहरू भूकम्पीय तथा अन्य प्रकोपबाट सुरक्षाका दृष्टिकोणले जोखिमयुक्त अवस्थामा भने छैनन् भनी अनुमान गर्न सकिन्छ। तथापी ग्रामीण क्षेत्रमा अझै पनि कच्ची तथा अर्धपक्की घरहरू रहेको हुँदा बस्ती विकास सँग सम्बन्धित कार्यक्रमहरू सञ्चालनको आवश्यकता भने रहेको छ।

#### ६.१.२ समस्या तथा चुनौती

##### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- छरिएर रहेका बस्तीहरूलाई एकीकृत गर्न तथा आवास क्षेत्रमा वृद्धाश्रम, धर्मशाला, सामुदायिक भवन आदि निर्माण गर्न प्रशस्त मात्रामा बजेटको आवश्यकता पर्ने।
- मौलिक संस्कृति र वास्तुकलाको लोप हुँदै जाने अवस्था रहेको।
- सुकुम्बासी, विपन्न, दलित जाति तथा आर्थिक रूपले पिछडिएका परिवारका निम्ति आवास निर्माण सम्बन्धी ठोस नीति आवश्यक रहेको।
- भवन तथा सुरक्षित आवास निर्माणका लागि स्थानीयस्तरमा प्राविधिक र दक्ष जनशक्तिको अभाव भएको।

#### ६.१.३ सम्भावना तथा अवसर

##### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- घर निर्माण गर्दा प्राविधिकहरू द्वारा अनुगमन गर्ने गरिएको।
- गाउँपालिकाले भवन निर्माण स्थल प्राप्त पश्चात मात्र नयाँ भवन निर्माण कार्यको लागि बजेट व्यवस्थापन गर्ने नीति लिएको।
- प्रत्येक वडामा रहेका खुला क्षेत्रलाई सम्भाव्यता अध्ययन गरी एकीकृत बस्ती विकास गर्न सहज रहेको।
- गाउँपालिका भित्रका सरकारी तथा सार्वजनिक जग्गाको तथ्याङ्क संकलन तथा अद्यावधिक गरी सार्वजनिक, ऐलानी र पर्ती जग्गा, सार्वजनिक भवन, सम्पदा, तथा भौतिक पूर्वाधारको संरक्षण र सुरक्षा गर्ने नीति पालिकाले लिएको।

सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- पालिकाले घर नक्शा अभिलेखीकरणको कार्यलाई पूर्णता दिई नक्शापास कार्यलाई निरन्तरता दिने नीति अगाडी सारेको ।
- व्यवस्थित र वैज्ञानिक भू-उपयोग योजना निर्माण र कार्यान्वयन गर्न सकिने ।
- भूकम्प प्रतिरोधी वातावरणमैत्री सुविधा सम्पन्न तथा सुरक्षित भवन निर्माणमा जनचासो बढ्दै गएको ।

६.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

सबैलाई पूर्ण सुरक्षित तथा आधारभूत सुविधा सम्पन्न आवासको प्रत्याभूति

लक्ष्य

सुरक्षित र न्यूनतम सुविधायुक्त आवास तथा बस्ती विकास गर्ने ।

उद्देश्यहरू

- ✓ न्यूनतम सुविधा सम्पन्न एकीकृत आवासको विकास गर्नु ।
- ✓ सुरक्षित आवास तथा भवनहरू निर्माण गर्नु ।

उद्देश्य १: न्यूनतम सुविधा सम्पन्न एकीकृत आवासको विकास गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
१.१. छरिएर रहेका तथा विपद्को जोखिममा परेका बस्तीहरूलाई एकीकृत बस्तीको निर्माण गरी स्थानान्तरण गर्दै लैजाने ।	१.१.१. बस्ती विकास योजना निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.२. विपद्को जोखिममा परेका बस्तीहरू पहिचान तथा नक्साङ्कन गरिनेछ ।
	१.१.३. एकीकृत आवास निर्माणका लागि वडास्तरमा उपयुक्त स्थानहरू पहिचान गरी आवास क्षेत्र विकास गरिनेछ ।
	१.१.४. छरिएर रहेका तथा विपद्को जोखिममा परेका घरपरिवारका लागि सुरक्षित, व्यवस्थित, आधारभूत सुविधायुक्त तथा वातावरण मैत्री एकीकृत बस्ती निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.५. सुकुम्बासी, विपन्न, दलित समुदायका परिवार तथा आर्थिक रूपले पिछडिएका परिवारका लागि आवास निर्माण सम्बन्धी ठोस नीति बनाइनेछ ।
	१.१.६. विपद्को उच्च जोखिममा रहेका स्थानमा हुन सक्ने थप बस्ती विस्तारलाई निरुत्साहित गरिनेछ ।
	१.१.७. समग्र एकीकृत ग्रामीण विकास गुरुयोजना तयार गरी कार्यान्वयन गरिनेछ ।
	१.१.८. अव्यवस्थित बसोबास कार्यलाई नियन्त्रण गर्न भू-उपयोग नीति तथा मापदण्ड तयार गरि कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ ।
१.२. घना बस्ती रहेको स्थानमा बस्ती व्यवस्थित गर्ने ।	१.२.१. गाउँपालिकाको भू-उपयोग नीति अनुरूप बस्ती विकास तथा योजना निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.२. हाल घनाबस्ती रहेका स्थानमा भौतिक पूर्वाधार विकास गरी बस्ती वरपर थप आवास विस्तार कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.३. अनधिकृत रूपले बसोबास गरिरहेका घरपरिवार पहिचान गरी सो स्थानबाट हटाउने कार्यलाई अभियानको रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।

**उद्देश्य १: न्यूनतम सुविधा सम्पन्न एकीकृत आवासको विकास गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
	१.२.४ सघन बस्ती क्षेत्रमा निर्माण भएका र नक्शापास विपरित संरचनाहरूलाई व्यवस्थित गरी मापदण्डमा ल्याइनेछ ।

**उद्देश्य २: सुरक्षित आवास तथा भवनहरू निर्माण गर्ने**

रणनीति	कार्यनीति
२.१. एकीकृत सेवा प्रदायक बहुउपयोगी तथा बहुउद्देश्यीय भवन निर्माण गर्ने ।	२.१.१. सरकारी भवनहरू निर्माण गर्दा सकेसम्म एकै स्थानमा र एकरूपता ल्याउन एकै किसिमका भवनहरूको डिजाइन र निर्माण गरी एकीकृत जनसेवा प्रदान गरिनेछ ।
	२.१.२. सरकारी तथा सार्वजनिक भवनहरू अपाङ्ग मैत्री बनाइनेछ ।
	२.१.३ दलित एवम् सीमान्तकृत अति विपन्न समुदायका लागि आवास निर्माण गरिनेछ ।
२.२ आवास तथा भवन निर्माणमा स्थानीय स्रोत र साधनको उच्चतम प्रयोग गर्ने ।	२.२.१. आवास तथा भवन निर्माणमा स्थानीयस्तरमा उपलब्धता भएका निर्माण सामग्रीको उच्चतम प्रयोग गरिनेछ ।
	२.२.२. आवास तथा भवन निर्माणमा स्थानीय स्रोत र साधनको उच्चतम प्रयोग हुने प्रविधि विकास गर्न विज्ञहरूको सहयोग लिई निर्माण मजदुरहरूका लागि बडास्तरमा नियमित तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.२.३ स्थानीय मौलिकताको जर्गेना गर्ने, वास्तुकला तथा सौन्दर्य कायम हुने संरचना निर्माण गर्दा गाउँपालिकाले प्रोत्साहन गर्ने नीति अवलम्बन गरिनेछ ।
	२.२.४. समयानुकुल भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण नीति अवलम्बन गरिनेछ ।
	२.२.५ बस्तीहरूमामा एउटै रंग भएका भवन तथा एक सडक, एक विद्युत स्वीच जडान विधि कार्यान्वयन गरिनेछ ।
	२.२.६ सुनिलस्मृतिलाई खरको छानामुक्त गाउँपालिका बनाउने नीतिलाई अवलम्बन गरिनेछ ।

बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माणको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	बस्ती विकास गुरुयोजना तयार	६००					
		१.१.२.	विपद्को जोखिममा परेका बस्तीहरूको पहिचान गरी नक्साङ्कन	५०					
		१.१.३.	एकीकृत आवास निर्माणका लागि वडास्तरमा सम्भावित स्थान पहिचान	५००					
		१.१.४.	स्थानीय तह, निजी क्षेत्र तथा लक्षित वर्गको सहकार्यमा एकीकृत बस्ती निर्माण	१००	३००	५००	६००	१०००	
		१.१.५.	आर्थिक रूपले पिछ्छडिएका वर्गको लागि जनता आवास कार्यक्रम		३००००	३००००	३००००		
		१.१.६.	भवन निर्माण संहिता कार्यान्वयन गर्न जोखिम क्षेत्र पहिचान	४००					
		१.१.७.	एकीकृत ग्रामीण विकास गुरुयोजना तयार गरी कार्यान्वयन		१०००				
		१.१.८.	भू-उपयोग नीति तथा मापदण्ड तयार गरि कार्यान्वयन	५००					
	१.२.	१.२.१.	बस्ती विकास कार्यक्रम सम्भाव्यता अध्ययन	५००					
		१.२.२.	अनुगमन संयन्त्र निर्माण/मापदण्ड निर्माण			२००			
		१.२.३.	भवन आचार संहिता तर्जुमा तथा लागू						
		१.२.४.	सघन बस्ती क्षेत्रमा निर्माण भएका नक्शापास विपरित संरचनाहरूको व्यवस्थापन						
	२.१.	२.१.१.	सामूहिक सार्वजनिक तथा सरकारी भवन निर्माण	५०००	५०००	५०००	५०००	५०००	
		२.१.२.	अपाङ्ग मैत्री भवन निर्माण			१०००	१२००	१५००	
		२.१.३.	दलित एवम् सीमान्तकृत अति विपन्न समुदायका लागि आवास निर्माण		५००	१२००	१५००	२०००	
	२.२.	२.२.१.	भवन निर्माणमा स्थानीय निर्माण सामग्रीको प्रयोग गर्न प्रोत्साहन	५०	५०	५०	५०	५०	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		२.२.२	वडास्तरीय सुरक्षित आवास निर्माणका लागि क्षमता अभिवृद्धि सम्बन्धी तालिम	१००	१००	१००	१००	१००	
		२.२.३	स्थानीय मौलिकताको जर्गेनाको लागि नीति निर्माण	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.२.४.	समयानुकूल भूकम्प प्रतिरोधी भवन निर्माण नीति अवलम्बन						
		२.२.५.	सडकमा एउटै रंग भएका भवन तथा एक सडक, एक विद्युत स्वीच जडान विधि कार्यान्वयन		५००				
		२.२.६	सुनिलस्मृतिलाई खरको छानामुक्त गाउँपालिका बनाउने नीति निर्माण	२००					

#### ६.१.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ न्यूनतम सुविधायुक्त एकीकृत बस्तीहरूको विकास भएको हुने,
- ✓ भवन आचार संहिता निर्माण भई कार्यान्वयन भएको हुने,
- ✓ विपन्न वर्गको लागि आवास योजना कार्यान्वयनमा आएको हुने,
- ✓ गाउँपालिकाका भूकम्पबाट क्षतिग्रस्त सम्पूर्ण घर तथा सार्वजनिक भवनहरूको पुनर्निर्माण भएको हुने ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	भवन, आवास तथा बस्ती विकास				
	असर	भुपडी तथा अवैध जमिनमा बसोबास गर्ने परिवार (११.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	खर/पराल/पातले छाएको घरमा बस्ने परिवार (११.१.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	बाढी, डुबान तथा भूकम्पबाट सुरक्षित र सुविधायुक्त घरमा बस्ने परिवार (११.१.१.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	पाँच जना र सो भन्दा बढी व्यक्तिहरू एउटै छानोमुनी बसोबास गर्ने परिवार (११.३.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	भूमिहीन तथा सुकुम्बासीको संख्या	प्रतिशत		
	असर	एकीकृत आवासमा छुट्टाछुट्टै घरमा बस्ने परिवार संख्या	प्रतिशत		
	असर	बहुतले आवास (अपार्टमेन्ट) मा बस्ने परिवार संख्या	प्रतिशत		

### ६.१.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

## ६.२ सडक, पुल तथा यातायात

### ६.२.१ पृष्ठभूमि

सडक तथा यातायातलाई पूर्वाधार विकासको महत्वपूर्ण सूचक मानिन्छ। गाउँपालिकामा सडक तथा यातायातको अवस्थालाई हेर्दा गाउँपालिकाभित्र रहेको जम्मा ४१७.७१ वर्ग कि.मि. सडकमध्ये २२.४८ कि.मि. सडक राष्ट्रिय राजमार्ग अन्तर्गत पर्दछ भने ७३.५७ कि.मि. सडक जिल्ला सडक भित्र र बाँकी रहेको ३२१.६६ कि.मि सडक गाउँपालिका सडक अन्तर्गत पर्दछ। यसैगरी गाउँपालिका अन्तर्गतका सडक मध्ये ३२.६३ कि.मि. सडक क वर्ग अन्तर्गत, ११८.४८ कि.मि. सडक ख वर्ग अन्तर्गत र १७०.५५ कि.मि सडक ग वर्ग अन्तर्गतको रहेको छ। गाउँपालिकाले सडकहरूको निर्माण, विस्तार तथा मर्मत गर्ने कार्यलाई प्राथमिकतामा राखेको छ। तथापि यातायातका साधनहरूको अपर्याप्तता तथा रुटहरू वैज्ञानिक नहुँदा सार्वजनिक यातायातको अवस्था भने कमजोर रहेको पाइन्छ। त्यसकारण बस टर्मिनलको निर्माण गर्नु अति आवश्यक रहेको छ। सडक मार्गबाट ओहोर दोहोर गर्ने यात्रुहरूलाई सुविधाको लागि विभिन्न स्थानहरूमा यात्रु प्रतिकालय तथा सार्वजनिक शौचालय निर्माण गर्नु पनि आवश्यक छ।

सडक तथा यातायातको विकासले उत्पादकत्व वृद्धि गर्ने, स्वास्थ्य तथा शिक्षा सेवामा पहुँच पुऱ्याउने, रोजगारी श्रृजना गर्ने, गरिबी न्यूनीकरण गर्ने तथा आर्थिक तथा सामाजिक विकासमा टेवा पुऱ्याउँछ। तसर्थ यस गाउँपालिकामा सडक तथा यातायात गुरुयोजना कार्यान्वयन गरी व्यवस्थित तवरले सडक सञ्जालको विस्तार गर्नुपर्ने देखिन्छ। साथै बसपार्क र बस टर्मिनल निर्माण गरी सार्वजनिक यातायात सञ्चालन हुने रुट तय गरी आवश्यक संख्यामा सवारी साधनहरू थप र यातायात नियमित रूपमा सञ्चालन गर्न पनि आवश्यक छ।

### ६.२.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- योजनाबद्ध तथा दिगो विकास लक्ष्यका मापदण्ड मुताविक सडक सञ्जाल विस्तार तथा स्तरोन्नति गर्न ठूलो आकारको बजेट आवश्यक पर्ने।
- कच्ची सडक वर्षातको समयमा हिलाम्मे हुने र अन्य समयमा धुलाम्मे हुने हुँदा आवागमन जोखिमपूर्ण र कष्टप्रद हुने गरेको।
- गाउँपालिकाका सडकहरू गुणस्तरयुक्त नभएको जनगुनासो।
- गाउँपालिकामा पर्याप्त पुल नभएको र भएका पुलहरू पनि साना तथा स्तरोन्नति गर्नुपर्ने।
- गाउँपालिकाभित्र दैनिक आवतजावतका लागि आवश्यक भरपर्दो यातायातको असुविधा भएकाले विभिन्न रुटहरूको निर्धारण गरी सार्वजनिक यातायात सेवा सञ्चालन गर्नुपर्ने।
- सडकहरूमा ढल तथा नाली व्यवस्थापन गर्नुपर्ने।
- सडक वरपर प्रदूषण भई वातावरण र जनस्वास्थ्यमा पर्न गएको नकारात्मक असर कम गर्न पहल गर्नुपर्ने।
- सडकको स्थिति कमजोर हुँदा उद्योगधन्दा, कलकारखाना, व्यापार व्यवसाय, कृषि, पर्यटन जस्ता क्षेत्रहरू चलायमान हुन नसकेको।

### ६.२.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- प्रत्येक वडालाई सडक सञ्जालले जोडेको।
- गाउँपालिकाको सडक सञ्जाल मार्फत कृषि, पर्यटन तथा उद्योग विकासको राम्रो सम्भावना रहेको।

**सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू**

- गाउँपालिकाले आफ्नो क्षेत्र भित्रका सडक सञ्जाल जोड्न आवश्यक स्थानमा मोटरेबल तथा भोलुङ्गे पुल निर्माण गर्न समन्वय गरी अगाडी बढ्ने नीति लिएको ।
- गाउँपालिकाले MTMP ( Municipal Transport Master Plan) अनुरूप प्राथमिकताका आधारमा आवश्यक स्थानमा नयाँ ट्रयाक खोल्ने तथा सडक स्तरोन्नति कार्यलाई निरन्तरता दिने नीति लिएको ।
- गाउँपालिकाले वर्षातको समयमा पहिरोबाट बन्द बाटो खोल्ने कार्यका लागि छुट्टै बजेट व्यवस्थापन गर्ने, पहिरो नियन्त्रणको लागि छुट्टै योजना बनाई कार्यान्वयन गर्ने नीति तय गरेको ।
- गाउँपालिकाले बहुवर्षीय आयोजनाको रूपमा निर्माणाधीन योजनाहरू निर्माण कार्य सम्पन्न गरी पूर्ण क्षमतामा सञ्चालनमा ल्याउने योजना तय गरेको ।
- गाउँपालिकामा ट्राफिक युनिटहरू स्थापना गरी सडक यातायातलाई व्यवस्थित बनाउन सकिने ।

**६.२.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना**

**दीर्घकालीन सोच**

सहज, सुरक्षित र भरपर्दो सडक तथा यातायात सेवाको सुनिश्चितता

**लक्ष्य**

गाउँपालिका भित्रको सडक सञ्जाल स्तरोन्नति गरी यातायातलाई सुरक्षित, सहज र भरपर्दो बनाउने ।

**उद्देश्यहरू**

- ✓ गाउँपालिकाबासीमा गुणस्तरीय सडक तथा यातायातको पहुँच पुऱ्याउनु ।
- ✓ गाउँपालिकामा सडक तथा यातायात सेवाको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु ।

**उद्देश्य १: गाउँपालिकाबासीमा गुणस्तरीय सडक तथा यातायातको पहुँच पुऱ्याउनु**

रणनीति	कार्यनीति
१.१. गाउँपालिका केन्द्रबाट सवै वडा केन्द्र र महत्वपूर्ण स्थानमा सडक सञ्जाल विस्तार गर्ने ।	१.१.१. सम्पूर्ण वडा केन्द्रलाई गाउँपालिका केन्द्रसँग जोड्ने मुख्य-मुख्य सडकहरूलाई उच्च प्राथमिकतामा राखी शिघ्र स्तरोन्नति तथा कालोपत्रे गरिनेछ ।
	१.१.२. निर्माण योजनामा रहेका सडकको यथाशिघ्र निर्माण सम्पन्न गरी सञ्चालनमा ल्याइनेछ ।
	१.१.३ सडक विस्तार सँगसँगै बसपार्क तथा बस टर्मिनल निर्माण गरिने छ ।
	१.१.४ पर्यटकीय सडक निर्माण गर्न संघ र प्रदेश सरकारसँग विशेष पहल गरिनेछ ।
१.२. विद्यमान सडक पूर्वाधारको स्तरोन्नति तथा विस्तार गर्ने ।	१.२.१. हाल सञ्चालनमा रहेका प्रमुख बस्ती र बजार केन्द्र जोड्ने प्रमुख सडकहरूको पहिलो प्राथमिकता तोकिएको स्तरोन्नति, विस्तार र कालोपत्रे वा पक्की गरिनेछ ।
	१.२.२. पहिचान भएका कृषि सडकहरूको स्तरोन्नति र विस्तार गरी गाउँपालिकाका सडकसँग आबद्ध कृषि सडक सञ्जाल निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.३. प्रस्तावित औद्योगिक व्यावसायिक तथा कृषि पकेट क्षेत्रहरूको यकिन गरी ती स्थानहरूलाई जोड्ने सडक क्रमिक रूपमा निर्माण गरिनेछ ।



**उद्देश्य १: गाउँपालिकाबासीमा गुणस्तरीय सडक तथा यातायातको पहुँच पुऱ्याउनु**

रणनीति	कार्यनीति
	१.२.४. सघन यातायात सञ्चालन हुने मुख्य सडकहरूमा आवश्यकता अनुसारको रोड फर्निचर (Road Furniture) को व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.२.५. गाउँपालिकाभर अति आवश्यक स्थानहरूमा पुल निर्माणका लागि अध्ययन गरिनेछ ।
	१.२.६. उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुलहरूको डिपिआर सम्पन्न गरिनेछ ।
	१.२.७. उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुल निर्माणका लागि संघीय र प्रदेश सरकारसँग बजेटका लागि समन्वय गरिनेछ ।
	१.२.८. शान्ति सुरक्षालाई कायम गर्न गाउँपालिकाका प्रमुख सडकहरूमा सौर्य बत्ति, सिस्सि क्यामरा जडान गरिनेछ ।
	१.२.९. मुख्य शहरी क्षेत्रमा ढल निर्माण पछि मात्र सडक पिच निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.१०. साना मर्मत सम्भार कामका लागि Rapid Response Team तयार गरिनेछ ।
	१.२.११. सडक अधिकार क्षेत्र १६ मि. भन्दा बढी कायम गरि हरियाली प्रवर्द्धन, फुटपाथ, साइकल लेन सहित निर्माण गरिनेछ ।
१.३. सार्वजनिक यातायात प्रणालीको विकास गर्ने ।	१.३.१. यातायात व्यवसायी तथा सरोकारवालासँग अन्तरक्रिया गरी सार्वजनिक सवारी साधन चल्ने रूटहरू तय गरिनेछ ।
	१.३.२. रूटमा चल्ने सवारी साधनहरूको संख्या र प्रकार (जस्तै बस, मिनिबस, अटो रिक्सा, सिटी रिक्सा आदि) आवश्यकता अनुसार तय गरिनेछ ।
	१.३.३. रूटको बिच-बिचमा बस स्टप, सार्वजनिक शौचालय, प्रतिक्षालयहरू स्थानीय आवश्यकता अनुसार निर्धारण गरी निर्माण गरिनेछ ।
	१.३.४. गाउँपालिकाका सघन यातायात सञ्चालन हुने मुख्य रूटहरूमा आवश्यकताको आधारमा ट्राफिक युनिट स्थापना गरिनेछ ।
	१.३.५. गाउँपालिकाको तथा नीति क्षेत्रको लगानीमा पालिका गाउँ यातायात सेवा सञ्चालन गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
१.४. हेलिप्याड निर्माण गर्ने ।	१.४.१. गाउँपालिकाका प्रत्येक वडामा कम्तिमा एउटा हेलिप्याड निर्माण गरिनेछ ।

**उद्देश्य २. गाउँपालिकामा सडक तथा यातायात सेवाको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१.सडक तथा यातायात गुरुयोजना अनुरूप योजनाबद्ध एवं व्यवस्थित तवरले सडक सञ्जालको विस्तार तथा स्तरोन्नति गर्ने ।	२.१.१. सडक तथा यातायात गुरुयोजना निर्माण गरिनेछ ।
	२.१.२. सडक तथा यातायात गुरुयोजनामा आधारित सडक सञ्जालको विकास तथा यातायात रूटहरूको तय गरिनेछ ।
	२.१.३. रणनीतिक सडकहरूको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन (डिपिआर) तयार गरी प्राथमिकताका आधारमा निर्माण गरिनेछ ।
	२.१.४. गाउँपालिकाको ट्राफिक व्यवस्थापन कार्ययोजना र ट्राफिक सिग्नलको गुरुयोजना तयार गरि कार्यान्वयन गरिनेछ ।

उद्देश्य २. गाउँपालिकामा सडक तथा यातायात सेवाको दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु	
रणनीति	कार्यनीति
	२.१.५. आवश्यकताका आधारमा निजी क्षेत्रको सहकार्यमा स्मार्ट पार्किङको व्यवस्थापन गरिनेछ ।
२.२. सडकको न्यूनतम मापदण्ड कार्यान्वयनमा ल्याइने ।	२.२.१. सडकको न्यूनतम मापदण्डलाई कार्यान्वयनमा ल्याइनेछ तथा सडक अतिक्रमण गर्ने कार्यलाई पूर्ण रूपमा निरुत्साहित गरिनेछ ।
२.३. दिगो तथा वातावरण मैत्री प्रविधिमा जोड दिने ।	२.३.१. सडकको नियमित मर्मत सम्भारका लागि आधुनिक प्रविधिको उपयोग तथा यान्त्रीकरणमा जोड दिइनेछ ।
	२.३.२. प्राकृतिक प्रकोप तथा जलवायु परिवर्तनले सडक तथा यातायातमा हुन सक्ने असर तथा नोक्सानीलाई न्यूनीकरण गरिनेछ ।
	२.३.३. विद्युतीय सवारी साधन सञ्चालन गर्नका लागि संघीय तथा प्रादेशिक सरकारसँग समन्वय गरी प्रोत्साहन गर्न निजी क्षेत्रलाई आर्थिक सहूलियत दिने र चार्जिङ स्टेशनको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	२.३.४ गाउँपालिकामा निर्माण हुने सडकहरू मध्ये २० प्रतिशत सडकहरूमा बायोइन्जिनियरिङ प्रविधिको प्रयोग गरी निर्माण गर्न सम्भावना अध्ययन गरिनेछ ।
	२.३.५ सवारी साधनमा GPS प्रविधि जडान गरिनेछ ।
	२.३.६ नेपाल विद्युत प्राधिकरणको सहकार्यमा पालिकाको उपयुक्त स्थानमा विद्युतीय चार्जिङ स्टेशन निर्माण गरिनेछ ।

सडक, पुल तथा यातायातको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	वडा केन्द्रलाई गाउँपालिका केन्द्रसँग जोड्ने मुख्य सडकको स्तरोन्नति तथा कालोपत्रे	१०००	१२००	१५००	२०००	२५००	
		१.१.२.	हाल निर्माणाधिन सडक निर्माण तथा सञ्चालन		५००				
		१.१.३.	बसपार्क तथा बस टर्मिनल निर्माण			१५००			
		१.१.४.	पर्यटकीय सडक निर्माण गर्न पहल				१०००		
	१.२.	१.२.१.	प्रमुख सडकहरूको स्तरोन्नति						
		१.२.१.	सुलिचौर छिन्नै कोइरालाखर्क हुँदै प्यूठान जोड्ने सडक कालोपत्रे						
		१.२.१.	वाउवाड तिसल सडक कालोपत्रे						
		१.२.१.	सुलीचौर, काभ्रा, मन्धा, क्वालीगाउँ, पानीपोखरा सडक कालोपत्रे तथा स्तरोन्नति						
		१.२.१.	भण्डारी टोल हुँदै कमिरेपानी सम्म सडक निर्माण						
		१.२.१.	दाइहाले लेख सल्लेकुना हुँदै नाडजा सम्म (सिस्नेखोला) सडक निर्माण						
		१.२.२.	कृषि सडकहरूको विस्तार तथा स्तरोन्नति						
		१.२.३.	औद्योगिक, व्यावसायिक तथा कृषि क्षेत्र जोड्ने सडक निर्माण	५००	६००	१०००	१२००	१५००	
		१.२.४.	मुख्य सडकहरूमा रोड फर्निचरको व्यवस्था	५००	६००	६००	१०००	१२००	
		१.२.५.	उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुलहरूको सर्वेक्षण अध्ययन		५००				
		१.२.६.	उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुलहरूको डिपिआर निर्माण			१२००			

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
		१.२.७	उच्च प्राथमिकता प्राप्त पुल निर्माणका लागि संघीय र प्रदेश सरकारसँग समन्वय						
		१.२.८	गाउँपालिकाका प्रमुख सडकहरुमा सौर्य बत्ति, सिसि क्यामरा जडान	५००	६००	१५००			
		१.२.९	मुख्य शहरी क्षेत्रमा ढल निर्माण पछि मात्र सडक पिच निर्माण						
		१.२.१०	साना मर्मत सम्भार कामका लागि Rapid Response Team तयार						
		१.२.११	हरियाली प्रवर्द्धन, फुटपाथ, साइकल लेन सहितको सडक निर्माण			१२००	१५००		
१.३.	१.३.१.	सार्वजनिक सवारी साधन चल्ने रुटहरु तय		५०					
	१.३.२.	रुट अनुसार सवारी साधनहरुको संख्या र प्रकार निर्धारण							
	१.३.३.	बस स्टप, सार्वजनिक शौचालय तथा प्रतिक्षालय निर्माण			५००	६००	१०००	१२००	
	१.३.४.	ट्राफिक युनिट स्थापना				५००			
	१.३.५	गाउँ यातायात सञ्चालन सम्भाव्यता अध्ययन							
१.४.	१.४.१.	हेली प्याड निर्माण				५००	१०००	१२००	
२	२.१.	२.१.१.	सडक तथा यातायात गुरुयोजना निर्माण		१०००				
		२.१.२.	गुरुयोजना अनुरूप सडक सञ्जालको विस्तार तथा स्तरोन्नति			५००	१०००	१५००	
		२.१.३.	रणनीतिक सडकहरुको विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन निर्माण		५००				
		२.१.४.	ट्राफिक व्यवस्थापन कार्ययोजना र ट्राफिक सिग्नलको गुरुयोजना तयार तथा कार्यान्वयन			६००			
		२.१.५	निजी क्षेत्रको सहकार्यमा स्मार्ट पार्किङको व्यवस्थापन		२००				
	२.२.	२.२.१.	अनुगमनको व्यवस्था						

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
	२.३.	२.३.१.	आधुनिक उपकरण खरिद		५००	८००			
		२.३.२.	Bio-engineering प्रविधि अवलम्बन			५००			
		२.३.३.	विद्युतीय सवारी साधन खरिदमा सहूलियत		५००	६००			
		२.३.४	सडकहरूमा बायोइन्जिनियरिङ प्रविधिको प्रयोग गरी निर्माण गर्न सम्भाव्यता अध्ययन		५००				
		२.३.५	सवारी साधनमा GPS प्रविधि जडान			८००			
		२.३.६	विद्युतीय चार्जिङ स्टेशन निर्माण				१२००	१५००	

#### ६.२.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ सडक यातायातको सहज पहुँच स्थापित भएको हुनेछ ।
- ✓ गाउँपालिका केन्द्रलाई प्रत्येक वडा केन्द्र जोड्ने सडकहरू स्तरोन्नति भएका हुनेछन् ।
- ✓ सार्वजनिक यातायातका वैज्ञानिक रुटहरू तय भई सार्वजनिक परिवहन सहज भएको हुनेछ ।
- ✓ सडक जोखिम तथा दुर्घटना न्यूनीकरण हुनेछन् ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	सडक तथा यातायात				
	असर	बाह्रै महिना सवारी साधन सञ्चालन योग्य सडकको २ कि.मि. दूरीभित्र बसोबास गर्ने घरपरिवार (९.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	घरबाट ३० मिनेटको पैदलयात्रामा सडकमा पहुँच भएका जनसंख्या (११.२.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	सार्वजनिक यातायातमा सुविधाजनक पहुँच भएको जनसंख्या (११.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	सडक घनत्व (९.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	कि.मि./वर्ग कि.मी.		
	असर	पक्की कालोपत्रे सडकको कि.मी./वर्ग कि.मी. (९.१.२.१) (प.दि.वि.ल.)	कि.मी/वर्ग कि.मी.		
	प्रतिफल	गाउँपालिका केन्द्रबाट वडा केन्द्र जोड्ने कालोपत्रे सडकको लम्बाई	कि.मि		
	असर	हवाई यातायात प्रयोगकर्ता यात्रु (प्रतिवर्ष) (९.१.२.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	गाउँपालिकाको सडकको जम्मा लम्बाई	कि.मि		
	प्रतिफल	गाउँपालिकाको कालोपत्रे सडकको जम्मा लम्बाई	कि.मि		
	प्रतिफल	कृषि सडकको लम्बाई	कि.मि		
	प्रतिफल	सडकहरूमा व्यावस्थित नाला निर्माण	कि.मि		
	प्रतिफल	पुल तथा कल्भर्ट निर्माण	संख्या		
	असर	आफ्नै निजी सवारी साधन मध्ये साइकल भएको घरधुरी संख्या	प्रतिशत		
	असर	आफ्नै निजी सवारी साधन मध्ये मोटरसाइकल भएको घरधुरी संख्या	प्रतिशत		
	असर	आफ्नै निजी सवारी साधन मध्ये कार, जिप, भ्यान भएको घरधुरी संख्या	प्रतिशत		

### ६.२.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

## ६.३ जलश्रोत, विद्युत तथा वैकल्पिक उर्जा

### ६.३.१ पृष्ठभूमि

कुनै पनि स्थानमा बसोबास गर्ने नागरिकको जीवनलाई सरल र सहज बनाउन साथै आर्थिक तथा सामाजिक विकास गर्न विद्युत तथा ऊर्जाको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको हुन्छ। राष्ट्रिय जनगणना २०७८, को तथ्याङ्क अनुसार यस गाउँपालिकाका कुल घरपरिवार संख्या मध्ये ६,१३८ अर्थात ८२.५ प्रतिशतले विद्युतको प्रयोग गर्ने गरेका छन् भने १,०९२ अर्थात १४.७ सोलारको प्रयोग गर्ने गर्दछन्। त्यसैगरी गाउँपालिकामा ६,२४१ अर्थात ८९ प्रतिशतले खाना पकाउने मुख्य इन्धनको रूपमा काठ/दाउरा प्रयोग गर्ने गर्दछन् भने ७४० अर्थात १०.६ प्रतिशत घरपरिवारले एल.पि ग्याँसको प्रयोग गर्ने गरेका छन्। बाँकी केही परिवारले मात्र बायोग्याँस तथा मट्टितेलको प्रयोग गर्ने गरेका छन्। यहाँको काठ/दाउराको श्रोत सामुदायिक वन तथा निजी वन रहेका छन्। काठ/दाउराको प्रयोगका थुप्रै नकारात्मक पक्षहरू मध्ये स्वास्थ्यमा पर्ने असर र वनजङ्गलको विनाश प्रमुख हुन्।

गाउँपालिकामा विद्युत प्रसारण लाईन विस्तार तथा सुधार गर्नुपर्ने साथै कम भोल्टेज (Low voltage) हुने स्थानहरूमा ट्रान्सफर्मरको स्तरोन्नति तथा नयाँ ट्रान्सफर्मर जडान गर्नुपर्ने देखिन्छ। विद्युत ऊर्जा साथसाथै सौर्य उर्जा जस्ता अन्य वैकल्पिक ऊर्जाबाट विभिन्न उद्योग तथा व्यवसाय, सिँचाई आयोजना, खानेपानी आयोजना समेत सञ्चालन गर्न सकिन्छ। अतः यस गाउँपालिकामा अल्पकालिन रूपमा सौर्य उर्जा र बायो ग्याँसलाई तथा दीर्घकालीन रूपमा जलविद्युत ऊर्जालाई जोड दिनु आवश्यक छ।

### ६.३.२ समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ मुख्य प्रसारण लाइन बाहेक गाउँपालिकामा विद्युतीकरणका लागि प्रयोग भएका काठका पोलहरू जीर्ण तथा असुरक्षित रहेका।
■ घरायसी इन्धनको रूपमा अझै पनि मानव स्वास्थ्यमा प्रतिकूल हुने तथा वनजंगल विनाशको कारक तत्वको रूपमा रहेको काठ/दाउराको प्रयोग हुने गरेको।
■ विभिन्न स्थानमा ट्रान्सफर्मरहरूको अभाव रहेको।
■ सार्वजनिक सडक बत्तिहरूको पर्याप्त प्रबन्ध नभएको।
■ गुणस्तरीय विद्युत आपूर्तिको व्यवस्था नभएको।
■ अव्यवस्थित विद्युतीकरणले मानवीय क्षति हुने गरेको।

### ६.३.३ सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
■ गाउँपालिकाको कार्यालय तथा वडा कार्यालयहरूमा विद्युत तथा इन्टरनेट सुविधा भएको।
■ विद्युत उर्जाको उपलब्धताले उद्योग स्थापनामा सहजता भएको।
■ नवीकरणीय उर्जा तथा वैकल्पिक उर्जालाई उचित व्यवस्थापन गरी सदुपयोग गर्न सकिने।
■ गाउँपालिकाबासीलाई विद्युतीय उपकरणको उपयोगमा प्रोत्साहन गरी काठ/दाउरा र ग्याँसको खपत न्यूनीकरण गर्न सकिने।

### ६.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
ऊर्जामा पूर्ण पूर्वाधारयुक्त गाउँपालिका
लक्ष्य

गाउँपालिकाबासीहरूमा दिगो, वातावरण मैत्री ऊर्जामा पूर्ण पहुँच स्थापित गर्ने ।

### उद्देश्यहरू

- ✓ ऊर्जामा सबै गाउँपालिकाबासीको पहुँच पुऱ्याउनु ।
- ✓ ऊर्जा व्यवस्थापनलाई दिगो र भरपर्दो बनाउनु ।

#### उद्देश्य १: ऊर्जामा सबै गाउँपालिकाबासीको पहुँच पुऱ्याउनु

रणनीति	कार्यनीति
१.१. विद्युतीकरण नभएका स्थानहरूमा विद्युत् सेवा विस्तार गर्ने ।	१.१.१. विद्युत् सेवा नपुगेका बस्तीहरूमा विद्युतीकरणका लागि थप कार्य अगाडि बढाइनेछ ।
	१.१.२. तत्काल विद्युतीकरण उपलब्ध हुन नसक्ने घरधुरी र काठ दाउराको प्रयोगलाई पूर्ण रूपले विस्थापित गर्न वैकल्पिक ऊर्जा जस्तै सौर्य ऊर्जा तथा बायोग्याँस प्रयोग गर्न प्रोत्साहन स्वरुप अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
	१.१.३. मुख्य सडक तथा बजार क्षेत्रमा स्मार्ट लाइट जडान गरिनेछ ।
	१.१.४. गाउँपालिका क्षेत्रका विद्युत्, टेलिफोन, केबुल लाइन र इन्टरनेटका तारलाई भूमिगत गर्दै लगिनेछ ।

#### उद्देश्य २: ऊर्जा व्यवस्थापनलाई दिगो र भरपर्दो बनाउनु

रणनीति	कार्यनीति
२.१. विद्युत क्षमता वृद्धि गर्ने ।	२.१.१. माग अनुसार आवश्यक voltage परिपूर्ति गर्न ट्रान्सफर्मर जडान तथा क्षमता वृद्धि गरिनेछ ।
	२.१.२. विद्युत प्रसारण लाइन सुधार गर्न विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरिनेछ ।
२.२. विद्युत् उपयोग बढाउने ।	२.२.१. घरायसी खाना पकाउने विद्युतीय उपकरणको प्रयोग गर्न प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	२.२.२. विद्युतीय सवारी साधनको प्रयोगलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
२.३. वैकल्पिक ऊर्जा प्रवर्द्धन गर्ने ।	२.३.१. गाउँपालिकामा वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादनको सम्भाव्यता हेरी निजी क्षेत्रलाई आकर्षण गर्ने नीति अवलम्बन गरिनेछ ।
	२.३.२. अध्यक्ष उपाध्यक्ष उज्यालो कार्यक्रम अन्तर्गत गाउँपालिकाका मुख्य तथा सहायक सडकहरूमा स्मार्ट लाइट एवं हाई मास्ट बत्ती तथा सार्वजनिक स्थानहरूमा बत्ति जडान गरिनेछ ।
	२.३.३. खाना पकाउने मुख्य इन्धनको रूपमा काठ/दाउरा प्रयोग गर्ने घरधुरीहरूलाई निश्चित मापदण्डका आधारमा धुवाँ रहित सुधारिएको चुलोमा अनुदान प्रदान गरिनेछ ।
२.४. विद्युत चुहावट नियन्त्रण गर्ने ।	२.४.१. गाउँपालिकामा हुन सक्ने विद्युत चोरी तथा चुहावट नियन्त्रण गर्न अनुगमनको व्यवस्था गरिनेछ ।
२.५. जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	२.५.१. दाउरा र गुइँठाको प्रयोगलाई पूर्णरूपमा वैकल्पिक ऊर्जा तथा विद्युतीय ऊर्जाको प्रयोगले विस्थापित गर्न दाउरा र गुइँठाको प्रयोगका नकारात्मक असरबारे जनचेतना अभिवृद्धि गर्ने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.५.२. गाउँपालिकाको सघन बस्तीक्षेत्र वरपर विद्युतीय सवारी साधन चार्जिङ स्टेशन स्थापना गर्न विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरिनेछ ।



### जलश्रोत, विद्युत् तथा वैकल्पिक उर्जाको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	विद्युत प्रसारण लाइन विस्तार	२०००	२०००	२५००	३०००	३५००	
		१.१.२.	वैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्न अनुदान	५००	५००	५००	५००	५००	
		१.१.३.	मुख्य सडक तथा बजार क्षेत्रमा स्मार्ट लाइट जडान	५००	६००	७००	८००	९००	
		१.१.४.	गाउँपालिका क्षेत्रका विद्युत, टेलिफोन, केबुल लाइन र इन्टरनेटका तार भूमिगत		१५००				
२	२.१.	२.१.१.	आवश्यकताका आधारमा ट्रान्सफर्मर जडान		५००	८००	१०००	१२००	
		२.१.२.	विद्युत प्राधिकरणसँग समन्वय गरी विद्युत प्रसारण लाईन सुधार	१००	१५०	२००	२५०	३००	
	२.२.	२.२.१.	विद्युतीय उपकरण खरिदमा निश्चित मापदण्डका आधारमा छुटको व्यवस्था						
		२.२.२.	विद्युतीय सवारी साधन सञ्चालनमा सवारी कर छुटको व्यवस्था						
२.३.	२.३.१.	२.३.१.	वैकल्पिक ऊर्जा उत्पादनमा निजी क्षेत्रसँग सहकार्य गर्न अन्तरक्रिया	३०	३०	३०	३०	३०	
		२.३.२.	सडक तथा सार्वजनिक स्थानमा बत्ति जडान	१०००	१०००	१०००	१०००	१०००	
		२.३.३.	धुवाँ रहित सुधारिएको चुलोमा अनुदान	७०	७०	७०	७०	७०	
२.४.	२.४.१.	विद्युत चोरी तथा चुहावट नियन्त्रण गर्न अनुगमनको व्यवस्था	४०	४०	४०	४०	४०		
२.५.	२.५.१.	२.५.१.	विद्युत ऊर्जा तथा वैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्नका लागि जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.५.२.	गाउँपालिकामा सघन बस्ती क्षेत्रमा चार्जिङ स्टेशन निर्माण			१०००	१२००	१५००	

### ६.३.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ उर्जाका आधारभुत पूर्वाधारहरूको विकास भई हरेक घरधुरीमा न्युनतम उर्जाको सुनिश्चितता भएको हुनेछ ।
- ✓ उर्जाको मुल प्रवाहमा नसमेटिएका घरधुरीहरूमा वैकल्पिक उर्जाको प्रबन्ध भएको हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	उर्जा				
	असर	विद्युतमा पहुँच भएका जनसंख्या (७.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	वैकल्पिक तथा नविकरणीय उर्जा जस्तै सोलार प्रयोग गर्ने घरपरिवार	प्रतिशत		
	असर	जीवाश्म इन्धनको प्रयोग (कूल उर्जा खपतमा) (१२.२.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	विद्युतबाट चल्ने सवारी साधन (प्रतिशत) (७.३.१.४) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	चार्जिङ स्टेशन	संख्या		
	असर	खाना पकाउनका निम्ति ऊर्जाको प्राथमिक स्रोतको रूपमा कोइला, दाउरा, गुईठा लगायतका ठोस इन्धन प्रयोग गर्ने घरपरिवार (७.१.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	खाना पकाउन र कोठा तातो राख्न एलपी ग्याँस प्रयोग गर्ने घरपरिवार (७.१.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	खाना पकाउन विद्युतीय चुलो प्रयोग गर्ने घरपरिवार	प्रतिशत		
	असर	खाना पकाउन बैकल्पिक ऊर्जा प्रयोग गर्ने घरपरिवार	प्रतिशत		
	असर	विद्युतीय सामग्रीमा हिटर, पंखा, एयर कन्डिसनर, वासिङ मेशिन प्रयोग गर्ने घरपरिवार	प्रतिशत		

### ६.३.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

## ६.४ सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

### ६.४.१ पृष्ठभूमि

एकदशौं शताब्दीको भूमण्डलीकृत समाज सूचना र सञ्चारको युगमा छ। नेपालको संविधानले सूचना तथा सञ्चार सम्बन्धी हकलाई मौलिक हकको रूपमा उल्लेख गरेको छ। राष्ट्रिय जनगणना, २०७८ को तथ्याङ्क अनुसार गाउँपालिकामा करिब ६९.९९ प्रतिशतले मोबाइल फोन प्रयोग गर्ने गरेका छन् भने २५.०८ प्रतिशत घरधुरीमा टेलिभिजनको प्रयोग हुने गरेको छ। यहाँका ५५.०४ प्रतिशत घरधुरीमा रेडियोको पहुँच रहेको छ भने २२.२९ प्रतिशत घरधुरीले इन्टरनेटको प्रयोग गर्ने गरेका छन्।

गाउँपालिकाका सबै वडाहरूमा नेपाल टेलिकम तथा एनसेलले मोबाइल फोन सेवा प्रदान गरेका छन्। त्यसैगरी यहाँ विभिन्न इन्टरनेट सेवा प्रदायक संस्थाहरूले इन्टरनेट सेवा प्रदान गर्दै आएको भए तापनि इन्टरनेट प्रविधिको अवस्था कमजोर रहेकोले विस्तार र गुणस्तर सुधार गर्नु जरुरी छ। आर्थिक विकासका लागि सूचना तथा सञ्चारको विकास अत्यावश्यक भएका कारण यस गाउँपालिकामा सूचना तथा सञ्चारको विकासका लागि विभिन्न कार्यक्रमहरू गर्नुपर्ने आवश्यकता छ।

### ६.४.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- ल्याण्डलाईन टेलिफोन तथा अप्टिकल फाइबरबाट इन्टरनेट सेवा विस्तार गर्नुपर्ने आवश्यकता।
- पर्याप्त मात्रामा टेलिफोन तथा मोबाइल टावरहरू नभएकाले Network Coverage प्रभावकारितामा ल्याउन टावरहरू विस्तार गर्नुपर्ने।
- विद्यालय तथा सार्वजनिक स्थानहरूमा इन्टरनेट सुविधा विस्तार गरी निःशुल्क वाईफाईको व्यवस्था गर्नुपर्ने।
- सञ्चार क्षेत्रको क्षमता अभिवृद्धि गर्नुपर्ने।
- गाउँपालिकाबासीमा सञ्चारका सबै प्रविधिसँगको पहुँच स्थापना गरी साइबर सुरक्षा सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गर्नुपर्ने।

### ६.४.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- मोबाइल डाटाको प्रयोगबाट भए पनि गाउँपालिकाबासीहरूमा Facebook, Youtube जस्ता सामाजिक सञ्जालको प्रयोगमा वृद्धि हुँदै गएको।
- गाउँपालिकाको सबै वडाहरूमा तार सहितको टेलिफोन सेवा र बजार क्षेत्रमा इन्टरनेट सेवा पुगेको।
- गाउँपालिकामा विभिन्न इन्टरनेट सेवा प्रदायकले इन्टरनेट सेवा प्रदान गर्दै आएका।
- रेडियो नेपालको प्रसारण साथै स्थानीय एफ एम सुन्न तथा डिजिटल प्रविधिबाट टेलिभिजन हेर्न सकिने।
- उपभोक्ताको माग राम्रो भएको खण्डमा निजी सञ्चार सेवा प्रदायक मोबाइल तथा इन्टरनेट कम्पनीहरूलाई सेवा विस्तारमा आकर्षण गर्न सकिने।

### ६.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

सूचना तथा सञ्चारमा पूर्ण पूर्वाधारयुक्त गाउँपालिका

#### लक्ष्य

गाउँपालिकाबासीमा सूचना प्रविधिको पहुँच सुनिश्चित गर्ने।

#### उद्देश्यहरू

- ✓ गाउँपालिकाबासीमा सूचना प्रविधिको पहुँच सुनिश्चित गर्नु।

उद्देश्य १. गाउँपालिकाबासीमा सूचना प्रविधिको पहुँच सुनिश्चित गर्ने

रणनीति	कार्यनीति
१.१. सूचना प्रविधिका पूर्वाधारहरूको निर्माण गर्ने ।	१.१.१. मोबाइल नेटवर्क कभरेज प्रभावकारितामा ल्याउन आवश्यकतानुसार मोबाइल टावरहरूको थप र विस्तार तथा गुणस्तर सुधार गर्न नेपाल टेलिकम र एनसेलसँग पहल गरिनेछ ।
	१.१.२. इन्टरनेट प्रदायक निजी कम्पनीहरूलाई आकर्षण गरी पूर्वाधार निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.३. स्थानीय एफएम रेडियो सञ्चालन गर्न र स्थानीय पत्रपत्रिका प्रकाशन गर्न निजी क्षेत्रलाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	१.१.४. मोबाइल टावरहरूमा विद्युतको नियमित रूपमा आपूर्ति गर्न आवश्यक व्यवस्था मिलाइनेछ ।
	१.१.५. डिजिटल नेपाल फ्रेमवर्क २०७६ अन्तर्गतका कार्यक्रमहरू क्रमशः सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.६. गाउँपालिकाको सूचना प्रवाहमा सरलताको लागि डिजिटल बोर्ड साथै डिजिटल नागरिक वडापत्रको सुरुवात गरी मोबाइल एप बाटै गुनासो र उजुरी लिने व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.१.७. एक विद्यालय एक स्मार्ट बोर्ड तथा ई-हाजिरी अभियानलाई अगाडी बढाइनेछ ।
	१.१.८. पालिका नजिकका बजार क्षेत्रमा CCTV camera जडान गरिनुका साथै CCTV कभरेज वडा कार्यालय सञ्चालन कार्ययोजना तयार गरिनेछ ।
१.२. गाउँपालिकाबासीमा आमसञ्चारको पहुँच विस्तार गर्ने ।	१.२.१. गाउँपालिकाको वेबसाइट मार्फत सूचना सम्प्रेषण गरिनेछ ।
	१.२.२. गाउँपालिका केन्द्र, वडा कार्यालय तथा सार्वजनिक स्थलहरूमा फ्री वाइफाईको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.२.३. वडा कार्यालयहरू सूचना प्रविधिमैत्री बनाइनेछ ।
	१.२.४. गाउँपालिकास्तरीय सूचना केन्द्रको साथै e-library को स्थापना गरिनेछ ।
	१.२.५. एफएम रेडियोसँग सहकार्य गरी स्थानीय भाषामा सूचना तथा समाचार तयार गरेर बजाइनेछ ।
	१.२.६. गाउँपालिका भित्रका स्थानीय खबर तथा देश र विदेशका खबरबाट सुसूचित गर्नका लागि अति विपन्न वर्गलाई मापदण्डका आधारमा मोबाइल वितरण गरिनेछ ।
	१.२.७. Hello अध्यक्ष Application लाई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
१.३. क्षमता अभिवृद्धिमूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	१.३.१. सूचना प्रविधिसँग सम्बन्धित प्राविधिक जनशक्तिलाई विभिन्न किसिमका तालिममार्फत उनीहरूको क्षमता अभिवृद्धि गरिनेछ ।
	१.३.२. गाउँपालिकाबासीमा साइबर सुरक्षा सम्बन्धी जनचेतना अभिवृद्धि गरिनेछ ।
	१.३.३. गाउँपालिकास्तरीय डिजिटल प्रोफाइल निर्माण गरिनेछ ।
	१.३.४. गाउँपालिकास्तरीय विद्यालयमा सूचना प्रविधि सम्बन्धी क्षमता विकास गर्न तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.५. डिजिटल र स्मार्ट गाउँपालिकाको अभियानलाई अगाडी बढाइनेछ ।

सूचना, सञ्चार तथा प्रविधिको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	नेपाल टेलिकम र एनसेलसँग समन्वय गरी आवश्यक स्थानमा टावरहरू निर्माण तथा गुणस्तर सुधार						
		१.१.२.	निजी क्षेत्रसँगको सहकार्यमा आम सञ्चार पूर्वाधार निर्माण	२००	४००	६००			
		१.१.३.	सामुदायिक एफएम र स्थानीय पत्रिका प्रकाशनमा सहजीकरण	५०	८०	१००	१५०		
		१.१.४.	विद्युत प्राधिकरणसँग सहकार्य	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.५.	डिजिटल नेपाल फ्रेमवर्क २०७६ अन्तर्गतका कार्यक्रमहरू सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.१.६.	डिजिटल नागरिक वडापत्रको सुरुवात गरी मोबाइल एप बाटै गुनासो र उजुरी लिने व्यवस्था		५००	५००	५००		
		१.१.७.	एक विद्यालय एक स्मार्ट बोर्ड तथा ई-हाजिरी अभियान	७००	७५०	८००			
		१.१.८.	पालिका नजिकका बजार क्षेत्रमा CCTV camera जडान गरिनुका साथै CCTV कभरेज वडा कार्यालय सञ्चालन गर्न कार्ययोजना तयार						
	१.२.	१.२.१.	गाउँपालिकाको वेबसाइट नियमित रूपमा अपडेट		२००				
		१.२.२.	सञ्चारसँग सम्बन्धित निजी क्षेत्रसँग सहकार्य	८०	८०	८०	८०	८०	
		१.२.३.	विद्युतीय सूचना पूर्वाधार निर्माण	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.२.४.	e-library स्थापना	५००					
		१.२.५.	स्थानीय स्तरमा सूचना तथा समाचार उत्पादन तथा प्रसारण	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.६.	अति विपन्न वर्गलाई मापदण्डका आधारमा मोबाइल वितरण						
		१.२.७.	Hello अध्यक्ष Application लाई प्रोत्साहन						
	१.३.	१.३.१.	सूचना प्रविधि तालिम सञ्चालन	९०	९०	९०	९०	९०	
		१.३.२.	जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.३.३.	पालिकास्तरीय डिजिटल प्रोफाइल निर्माण	९००					
		१.३.४.	विद्यालयमा सूचना प्रविधि सम्बन्धी क्षमता विकास तालिम						
		१.३.५.	डिजिटल र स्मार्ट गाउँपालिकाको अभियानलाई निरन्तरता		५००	६००	७००	८००	

### ६.४.५ अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ गाउँपालिका तथा वडाहरूमा सूचना प्रविधिका पूर्वाधारहरू निर्माण भएको हुनेछ ।
- ✓ गाउँपालिकाबासीमा आमसञ्चारको गुणस्तरीय सेवामा पहुँच पुगेको हुनेछ ।

#### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	सूचना तथा सञ्चार				
	असर	टेलिफोन तथा मोबाइल सेवामा पहुँच पुगेको घरपरिवार संख्या	प्रतिशत		
	असर	इन्टरनेट प्रयोगकर्ता घरपरिवारको संख्या (१७.६.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	रेडियोको पहुँच पुगेका घरपरिवार संख्या	प्रतिशत		
	असर	टेलिभिजनको पहुँच पुगेका घरपरिवार संख्या	प्रतिशत		

### ६.४.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको दैवी विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल र प्रभावकारी हुनेछ ।

## परिच्छेद - ७: वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र

### ७.१ वन तथा जैविक विविधता

#### ७.१.१ पृष्ठभूमि

यस गाउँपालिकामा ५६ वटा सामुदायिक वनहरू रहेका छन् । वन जंगलले प्रशस्त क्षेत्र १००.२८ वर्ग कि.मि अर्थात ६४.०७ प्रतिशत क्षेत्र ओगटेको हुनाले विभिन्न जनावर जस्तै- स्याल, धाँसे चितुवा, मृग, घोरल, सालक, बँदेल साथै चराचुरुङ्गी जस्तै डाँफे, मयुर, कालिज, हुकुर, माटेकोरे, कोइली, मैना, वन कुखुरा आदि पाइन्छ । यसैगरी वनस्पतिमा सिसौ, खयर, साज साल, सिरिस, बाँभ्र आदि पाइन्छन् भने जलचर प्राणीमा माछा, पानीहाँस, भ्यागुता, कछुवा, चेपागाँडा, गंगटा आदि पाइन्छन् ।

दिगो विकास लक्ष्यको लक्ष्य नं. १५ मा वनको दिगो व्यवस्थापन गर्ने, मरुभूमिकरण विरुद्ध लड्ने, भू-क्षयीकरण रोकेर त्यस्तो प्रक्रियालाई उल्ट्याउने तथा जैविक विविधताको क्षतिलाई रोक्ने कुरा उल्लेख गरिएको छ । तसर्थ पर्यावरणीय सन्तुलन, वायुमण्डलको स्वच्छता तथा जीवजन्तुको बासस्थान कायम राख्न वनजंगलको संरक्षण प्राथमिकतामा राख्नु जरुरी छ । यस गाउँपालिकामा रहेका बाँभ्रो जमिनमा व्यापक जनपरिचालन गरी वृक्षारोपण गर्नुपर्ने देखिन्छ, जसले गर्दा गाउँपालिकालाई एक प्रकारको हरित बगैँचाको रूपमा विकास गरी सीमित मात्रामै भएपनि वनलाई आयआर्जनसँग जोड्न सकिन्छ । त्यसैगरी गाउँपालिकाको अधिकांश क्षेत्र पहाडी भू-भाग भएकाले वर्षातको समयमा बाढी पहिरो गई धनजनको क्षति हुने हुनाले भू-संरक्षणका हिसाबले संवेदनशील क्षेत्रहरूमा वृक्षारोपण, बाँध निर्माण, तारजाली, तटबन्ध तथा परम्परागत बाढी नियन्त्रण र भू-संरक्षणका कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्नुपर्ने देखिन्छ । साथै भू-संरक्षणको प्रभावकारी उपाय वृक्षारोपण भएकोले सो कार्यलाई प्राथमिकतामा राख्नु आवश्यक छ ।

#### ७.१.२ समस्या तथा चुनौती

##### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- वनजंगल क्षेत्रमा डढेलो समस्या हुने गरेको ।
- वन्यजन्तुको आक्रमणबाट जनधनको क्षति हुने गरेको ।
- वन क्षेत्रमा रहेका मिचाहा प्रजातिका वनस्पति नियमित रूपमा गोडमेल गरी नियन्त्रण गर्नुपर्ने ।
- दिगो वन व्यवस्थापन तथा भू-संरक्षणका लागि प्राविधिक जनशक्ति उत्पादन गर्नुपर्ने ।
- सामुदायिक वनको आयस्रोत एवं क्रियाकलापलाई पारदर्शी एवं जवाफदेही बनाउनुपर्ने ।
- लोपोन्मुख वनस्पति र वन्यजन्तुको संरक्षणका लागि विशेष कार्यक्रम लागू गर्नुपर्ने ।

#### ७.१.३ सम्भावना तथा अवसर

##### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाको कुल भू-भाग मध्ये वन जंगलले उल्लेख्य भू भाग अर्थात ६४.०७ प्रतिशत भू-भाग ओगटेको ।
- गाउँपालिकामा ५६ वटा सामुदायिक वनहरू रहेका ।
- गाउँपालिकाले सामुदायिक वन समितिबाट प्राप्त हुने राजश्व रकमको निश्चित प्रतिशत रकम सम्बन्धित सामुदायिक वनको उपभोक्ता समितिहरूको क्षमता अभिवृद्धिका लागि खर्च गर्ने प्रबन्ध मिलाउने नीति अगाडी सारेको ।
- गाउँपालिकाले वन कार्यालयसँगको समन्वय र सहकार्यमा खाली क्षेत्रमा वृक्षारोपण गर्ने नीति अगाडी सारेको ।

### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाले आवश्यकताका आधारमा सामुदायिक वनहरूलाई मर्ज गरी सामुदायिक वनबाट समुदायको मुख्य आय आर्जन तर्फ जोड दिएको ।
- गाउँपालिकाको शहरी क्षेत्रमा रहेका चोक, चौवाटो र बाटोको दायाँ बायाँ तथा बिचमा रहेको क्षेत्रलाई हरित क्षेत्रको रूपमा विकास गरी सुन्दर हराभरा बनाउन सकिने ।
- खेर गएका तथा खाली रहेका सार्वजनिक जग्गालाई सामुदायिक वनको रूपमा विस्तार गरी आयआर्जनका विशेष कार्यक्रममा आबद्ध गरी गरिवी निवारणमा जोड्न सकिने ।
- गाउँपालिका भित्रका सडकका दायाँबायाँ वृक्षारोपण गर्ने व्यवस्थालाई तिब्रताका साथ अघि बढाउने योजना तय भएको ।
- पर्यापर्यटनको विकास गर्न सकिने ।

### ७.१.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

जल, जमिन, जंगल र जडीबुटीको दिगो संरक्षण तथा सदुपयोग मार्फत दिगो विकास हासिल

#### लक्ष्य

गाउँपालिकालाई वातावरण सन्तुलित हरित क्षेत्रको रूपमा विकास गर्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- ✓ वन क्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन गरी गाउँपालिकाको आर्थिक श्रोतको प्रमुख आधार बनाउनु ।
- ✓ वन तथा हरित क्षेत्रको दिगो विकास सुनिश्चित गर्नु ।
- ✓ कटानग्रस्त क्षेत्रको संरक्षण गर्नु ।

### उद्देश्य १ : वन क्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन गरी गाउँपालिकाको आर्थिक श्रोतको प्रमुख आधार बनाउनु

रणनीति	कार्यनीति
१.१. वनक्षेत्रको दिगो व्यवस्थापन गर्ने ।	१.१.१. वन क्षेत्रको विकासलाई वैज्ञानिकीकरण गर्न विज्ञ समूहको सहयोगमा दिगो वन व्यवस्थापन बारे सम्पूर्ण सरोकारवालाहरूसँग अन्तरक्रिया तथा अभिमूखीकरण तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
१.२. वनलाई आर्थिक श्रोतको प्रमुख आधार बनाउने ।	१.२.१. खाली रहेका सार्वजनिक जग्गा, नदी उकासको क्षेत्र, खेर गैरहेको जमिन र बगर क्षेत्रलाई हरित क्षेत्रको रूपमा विकास गरी आय आर्जनसँग आबद्ध गर्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.२. निजी तथा सामुदायिक स्तरमा निजी जमिन तथा वन जंगलमा फलफूलको व्यावसायिक उत्पादन सुरु गरिनेछ ।
	१.२.३. कुरिलो, हरो, बरो, अमला, तुलसी, घ्युकुमारी, गुर्जो इत्यादि जडीबुटीको व्यावसायिक उत्पादन गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरी वृक्षारोपण गरिनेछ ।
	१.२.४. कृषि वन (Agro forestry) को नीति अवलम्बन गरी हरित क्षेत्रलाई पूर्ण प्रतिफलमूखी बनाइनेछ ।



उद्देश्य २: वनको दिगो विकास सुनिश्चित गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
२.१. खेर गइरहेको झाडी बुट्यान क्षेत्रलाई सदुपयोग गरी वनको क्षेत्रफल बढाइने ।	२.१.१. गाउँपालिकामा खेर गइरहेका स्थानको पहिचान गरी वृक्षारोपण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.१.२ प्रत्येक वनजंगल क्षेत्रलाई लक्षित गरी कम्तीमा “एक वन एक नर्सरी” को स्थापना गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
२.२. वन संरक्षण कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने ।	२.२.१. स्थानीय “वन ऐन” निर्माण तथा जारी गरी वनको प्रभावकारी संरक्षण गरिनेछ ।
	२.२.२. सामुदायिक वन उपभोक्ता समितिहरूलाई सक्षम बनाई प्रतिफलमूखी कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.२.३. हरेक वडामा उपयुक्त सार्वजनिक तथा ऐलानी जग्गा रहेका स्थानहरूको पहिचान गरी निश्चित क्षेत्रलाई हरित क्षेत्रको रूपमा घोषणा गरी हरित क्षेत्र कायम गर्न वृक्षारोपण, पार्क निर्माण जस्ता कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.२.४. पानीको मुल सुकाउने प्रजातिका बिरुवाहरूको पहिचान गरी तिनीहरूलाई उत्पादनशील फलफुल तथा पानीका मुहान संरक्षणमा सहायक बोटबिरुवाले प्रतिस्थापन गर्दै लगिनेछ ।
	२.२.५. वन तथा भू-संरक्षणका हरेक कार्यक्रमहरूमा जनसहभागिता सुनिश्चित गरिनेछ ।
	२.२.६. वन डढेलो र वन्यजन्तु तथा वनस्पतिको चोरी निकासी प्रभावकारी रूपमा नियन्त्रण गरिनेछ ।
	२.२.७. विकास निर्माण कार्य गर्दा वन तथा जलाधार क्षेत्रको सकेसम्म कम क्षति हुने गरी protocol तयार गरिनेछ ।
	२.२.८. सर्वोत्कृष्ट वन उपभोक्ता समूहलाई मापदण्डका आधारमा वार्षिक रूपमा पुरस्कृत गरिनेछ ।
	२.२.९. निजी तथा सामुदायिक वनमा सरोकारवालाहरूलाई एकीकृत वन व्यवस्थापन र संरक्षणका लागि क्षमता अभिवृद्धि तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.२.१० निजी, सामुदायिक र सार्वजनिक वनमा रुख कटान पश्चात सो ठाउँमा कटान भएकै संख्यामा वृक्षारोपण गर्न लगाई “कटान पश्चात पुनः हरियो” कार्यक्रम सञ्चालनमा ल्याई अनिवार्य वृक्षारोपण गरिनेछ ।
२.२.११ संकटापन्न वनस्पतिहरूको विशेष संरक्षण योजना लागू गरिनेछ ।	
२.२.१२ संकटापन्न वन्यजन्तु, जलचर, पंक्षी तथा स्थलचरहरूको विशेष संरक्षण योजना लागू गरिनेछ ।	
२.२.१३ समुदायस्तरमा चोरी शिकारी नियन्त्रण इकाईको गठन गरिनेछ ।	
२.२.१४ सामुदायिक वन क्षेत्रमा जंगली जनावरलाई पानी पिउन पोखरी ( रिचार्ज पोखरी) बनाउने कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।	
२.३ जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	२.३.१. हरित क्षेत्र विस्तार तथा भू-संरक्षण सचेतना कार्यक्रमहरू अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।

उद्देश्य ३ : पहिरो र कटानग्रस्त क्षेत्रको संरक्षण गर्नु ।	
रणनीति	कार्यनीति
३.१. सम्पूर्ण कटानग्रस्त क्षेत्रको अभिलेख संकलन गर्ने ।	३.१.१. गाउँपालिकाका सम्पूर्ण वडामा कटान ग्रस्त क्षेत्रहरूको नक्शाङ्कन गरी विवरण संकलन गरिनेछ ।
	३.१.२. अति जोखिमयुक्त क्षेत्रलाई वातावरणीय हिसाबले अति संवेदनशील क्षेत्र घोषणा गरिनेछ ।
३.२. कटान नियन्त्रणका सफल अभ्यासहरूको अनुसरण गर्दै कटान नियन्त्रण गर्ने ।	३.२.१. कटानग्रस्त क्षेत्रमा हरित क्षेत्र प्रवर्द्धन कार्यक्रम अभियानका रूपमा सञ्चालन गरिनेछ ।
	३.२.२. कटानग्रस्त क्षेत्रहरूमा बायो इन्जिनियरिङ प्रविधिको प्रयोग गरी नियन्त्रण गर्न विज्ञहरूको परामर्श लिनुका साथै त्यस्ता क्षेत्रहरूको अध्ययन अवलोकन भ्रमण गरिनेछ ।
	३.२.३. गाउँपालिकामा एक नमुना भू-संरक्षण क्षेत्रको घोषणा गर्न कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	३.२.४. भू-संरक्षण तथा कटान नियन्त्रणका लागि आवश्यक पूर्वाधार जस्तै- तारजालीको उत्पादन गाउँपालिकामै गर्न निजी क्षेत्रसँग समन्वय गरिनेछ ।
	३.२.५. भू-संरक्षण तथा बाढी पहिरो नियन्त्रणका लागि तालिम प्राप्त जनशक्तिको प्रबन्ध गर्न तालिम सञ्चालन गरिनेछ ।
	३.२.६. गाउँपालिकाको खोलानालाहरूमा तटबन्ध गरिनेछ ।

वन तथा जैविक विविधता विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	दिगो वन व्यवस्थापन सम्बन्धी तालिम सञ्चालन	१००	२००	३००	४००	५००	
	१.२.	१.२.१	हरित क्षेत्र सम्भाव्यता अध्ययन तथा नक्साङ्कन			४००			
		१.२.२.	वडास्तरीय नर्सरी स्थापना गरि फलफुलका विरुवाहरू उत्पादन तथा वितरण	८०	८०	८०	८०	८०	
		१.२.३.	सामूहिक जडीबुटी खेती अन्तरक्रिया	३०	३०	३०	३०	३०	
		१.२.४.	Agro forestry को नीति अवलम्बन	५०					
२	२.१.	२.१.१.	खेर गईरहेको स्थान पहिचान गरी बृक्षारोपण	५०	६०	७०	८०	९०	
		२.१.२.	एक वन एक नर्सरी कार्यक्रम	१००	१००	१००	१००	१००	
	२.२.	२.२.१.	स्थानीय वन ऐन निर्माण	६०					
		२.२.२.	वन उपभोक्ता समितिलाई तालिम	७५	७५	७५	७५	७५	
		२.२.३.	हरित क्षेत्र तथा पार्क निर्माण	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		२.२.४.	पानीको मुहान संरक्षण गर्न सहयोगी विरुवा रोपण	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.२.५.	वन तथा भू-संरक्षण कार्यक्रममा जनसहभागिता	८०	८०	८०	८०	८०	
		२.२.६.	चोरी निकासी नियन्त्रयण वन रक्षक तालिम तथा अभिमूखीकरण	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.२.७.	विकास निर्माणका कार्य गर्दा जलाधार क्षेत्रको क्षति न्यूनीकरण protocol तयारी	१००	१००	१००	१००	१००	
		२.२.८.	उत्कृष्ट वन उपभोक्ता समूहलाई पुरस्कारको व्यवस्था	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.२.९.	वन व्यवस्थापन र संरक्षण क्षमता अभिवृद्धि तालिम सञ्चालन	८०	८०	८०	८०	८०	
		२.२.१०	“कटान पश्चात पुनः हरियो” कार्यक्रम सञ्चालन	३०	३०	३०	३०	३०	
		२.२.११	संकटापन्न वनस्पति संरक्षण कार्यक्रम	५०	६०	७०	८०	९०	
		२.२.१२	संकटापन्न वन्यजन्तु, स्थलचर, जलचर संरक्षण कार्यक्रम	६०	७०	८०	९०	१००	

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौ वर्ष	
		२.२.१३	चोरी शिकारी नियन्त्रण इकाई गठन		१००				
		२.२.१४	जंगली जनावरलाई पानी पिउन रिचार्ज पोखरी बनाउने कार्यक्रम सञ्चालन	५०	५५	६०	६५	७०	
	२.३.	२.३.१.	सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
३	३.१	३.१.१	कटान संवेदनशील क्षेत्रको नक्शाङ्कन तथा विवरण संकलन	१००					
		३.१.२	वातावरणीय हिसाबले जोखिमयुक्त क्षेत्रहरूलाई अति संवेदनशील क्षेत्र घोषणा						
	३.२	३.२.१	कटान क्षेत्र विशेष हरित क्षेत्र प्रवर्द्धन कार्यक्रम		१००				
		३.२.२	बायो इन्जिनियरिङ परामर्श सेवा	५००					
		३.२.३	बायो इन्जिनियरिङ नमुना क्षेत्र अध्ययन भ्रमण तथा नमुना कटान नियन्त्रण क्षेत्र निर्माण	५००	५००	५००	५००	५००	
		३.२.४	तारजाली उत्पादनका लागि निजी क्षेत्रसँग अन्तरक्रिया	३०	३०	३०	३०	३०	
		३.२.५	भू-संरक्षण तथा कटान नियन्त्रण तालिम	५०	५०	५०	५०	५०	
		३.२.६	खोलानालाहरूमा तटबन्ध निर्माण			५००	१०००		

### ७.१.५ अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ दिगो वन व्यवस्थापन सुनिश्चित हुनेछ ।
- ✓ जैविक विविधताको संरक्षण भएको हुनेछ ।
- ✓ भू-संरक्षणका नमुना क्षेत्रहरूको संख्यामा उल्लेख्य वृद्धि हुनेछ ।
- ✓ हरित क्षेत्र विस्तार हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	<b>वन तथा भू-संरक्षण</b>				
	असर	वनले ओगटेको कुल क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	सामुदायिक वनले ओगटेको क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कबुलियती वन समूहलाई वन हस्तान्तरण (हेक्टर) (१५.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)	हेक्टर		
	प्रतिफल	बृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (१५.२.१.२) (प.दि.वि.ल.)	हेक्टर		
	प्रतिफल	थप बृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (प्रतिवर्ष/वेर्ना संख्या) (१५.१.२.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	संरक्षित क्षेत्र (१५.१.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	वनस्पति उद्यान	संख्या		
	असर	दिगो व्यवस्थापन प्रणाली लागु वनको क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	जडीबुटी तथा फलफूल खेतीले ओगटेको सामुदायिक वनको क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	मिचाहा प्रजातिका विरुवाहरूले ओगटेको वनको क्षेत्र (प्रतिशत)	प्रतिशत		
	असर	संकटापन्न अवस्थामा रहेका औषधिको रूपमा प्रयोग हुने वनस्पतिहरू	प्रतिशत		
	असर	अनुत्पादक भाडी, बुट्यान क्षेत्र मध्ये उत्पादनशील वनमा परिणत भएको क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका वनस्पति (१५.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	संकटापन्न घोषणा भएका वनस्पतिको संख्या	प्रतिशत		
	असर	संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका जीवहरूको संख्या (१५.१.१.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	संकटापन्न घोषणा भएका वन्यजन्तुको संख्या	प्रतिशत		
	असर	जंगली बाघको संख्या (१५.५.१.३) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	चोरी सिकारी नियन्त्रण इकाई (संख्या) १५.५.१.५) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	असर	बायो इन्जिनियरिङ्ग प्रविधिको प्रयोग गरी भू-संरक्षण गरिएका स्थानहरूको संख्या	प्रतिशत		
	असर	पहिरोका हिसाबले जोखिमग्रस्त क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	River Training गरिएको (लम्बाई) कि.मी.	कि.मी.		
	असर	नमूना कटान नियन्त्रण क्षेत्र	संख्या		
	असर	हरित क्षेत्र विस्तार तथा परम्परागत प्रविधिमा कटान नियन्त्रण गरिएका क्षेत्र	प्रतिशत		

### ७.१.८ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ७.२ भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

### ७.२.१ भूमि व्यवस्थापन (भू-उपयोग)

#### क) पृष्ठभूमि

सुनिलस्मृति गाउँपालिका समुन्द्री सतहबाट ६५१ मिटर देखि २९४६ मिटरको उचाईमा फैलिएको छ । जम्मा १५६.५९ वर्ग.कि.मी. क्षेत्रफल रहेको यस गाउँपालिकाको माटोको बनावट हेर्दा नेपालको मध्य पहाडी खण्डमा विशेष गरी महाभारत श्रृंखला अन्तर्गत पाइने मिश्रित प्रकारको माटो पाइन्छ । भिरालो सतहहरूमा प्रायश चट्टानयुक्त माटोको प्रधानता छ भने खेतीयोग्य क्षेत्रमा केही पाँगो मिश्रित दोमट तथा बलौटे माटो रहेको छ । केही क्षेत्रहरूमा पूर्ण रूपमा रातो माटोको खण्डहरू छन् भने चिम्टाइलो माटो समेत रहेको छ । खोला तथा बगरहरूमा स्वाभाविक रूपमा बलौटे माटो र ढुङ्गाहरूको उपलब्धता रहेको हुनाले बेशी क्षेत्रका खेतहरूमा बलौटे माटोको प्रधानता रहेको छ ।

यहाँ कुल क्षेत्रफलमध्ये वन जंगलले उल्लेख्य भाग अर्थात् ६४.०७ प्रतिशत भूभाग ओगटेको छ भने खेतीयोग्य जमिनले ३३.९७ प्रतिशत भू-भाग ओगटेको छ । यस्तै आवास क्षेत्रले १.५१ प्रतिशत जमिन ओगटेको छ भने बाँभो जमिनले ०.०४ प्रतिशत जमिन ओगटेको छ ।

## ख) समस्या तथा चुनौती

दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू
■ बस्तीहरू छरिएको अवस्थामा रहेका हुनाले दिगो विकास गर्नका लागि समस्या ।
■ जमिनको प्रकृति अनुसार त्यसको वर्गीकरण गरी सदुपयोग गर्न नसकिएको ।
■ यथेष्ट मात्रामा उपलब्ध कृषियोग्य क्षेत्रलाई वैज्ञानिक तवरले सदुपयोग गर्न नसकिएको ।
■ गाउँपालिकाको वन क्षेत्रलाई दिगो व्यवस्थापन र सदुपयोग गर्न नसकिएको ।
■ जमिन बाँभो हुने गरेको ।
■ जमिनको पूर्ण र वैज्ञानिक रूपमा सदुपयोग नभएको ।
■ जमिन बाँभो राख्ने प्रवृत्तिलाई निरुत्साहित गर्ने चुनौती रहेको ।
■ भूमिको वैज्ञानिक र व्यावसायिक ढङ्गले पूर्ण सदुपयोग गर्ने चुनौती रहेको ।

## ग) सम्भावना तथा अवसर

सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू
■ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ ले स्थानीय तहलाई भूमि व्यवस्थापन सम्बन्धी अधिकार प्रत्यायोजन गरेको ।
■ यहाँको कुल क्षेत्रफलमध्ये वन जंगलले उल्लेख्य भाग अर्थात् ६४.०७ प्रतिशत भूभाग ओगटेको ।
■ भूमिको वैज्ञानिक र दिगो सदुपयोग मार्फत दीर्घकालिन समृद्धि हासिल गर्न सकिने ।
■ यहाँको कुल भू-भाग मध्ये खेतीयोग्य जमिनले ३३.९७ प्रतिशत भू-भाग ओगटेको ।

## घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच
भू-स्रोतको पूर्णत वैज्ञानिक सदुपयोग मार्फत आर्थिक समृद्धि
लक्ष्य
वैज्ञानिक भू-उपयोग योजना लागू गरी भूमिलाई आर्थिक विकासको आधार बनाउने ।
उद्देश्य
✓ सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक रूपमा पूर्ण सदुपयोग गर्नु ।

उद्देश्य १: सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक रूपमा पूर्ण सदुपयोग गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१ राष्ट्रिय र प्रादेशिक भू-उपयोग नीति अनुरूप स्थानीय भू-उपयोग योजना र कृषि नीति निर्माण गर्ने ।	१.१.१ गाउँपालिकाको जमिनलाई भू-उपयोग योजना अनुरूप वर्गीकरण गरिनेछ ।
	१.१.२ गाउँपालिका भित्र रहेको सबै प्रकारको जग्गाको पूर्णरूपमा लगत संकलन गरी व्यक्तिगत, सरकारी, सार्वजनिक, सामुदायिक तथा गुठी जग्गाको विस्तृत अभिलेख तयार पारि भूमि प्रशासन प्रणालीमा आवद्ध गरिनेछ ।
	१.१.३ गाउँपालिकामा उपलब्ध सिंचित र असिंचित जमिनको लगत तयार गरी कृषि योग्य जग्गाको सदुपयोग भए नभएको तथ्याङ्क अद्यावधिक हुने संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.४ सार्वजनिक जग्गा अतिक्रमणका विरुद्ध शुन्य सहनशिलताको अवलम्बन गरिनेछ ।
	१.१.५ पूराना नक्शा डिजिटलाइज गर्ने प्रक्रिया आरम्भ गरिनेछ ।

उद्देश्य १: सम्पूर्ण खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक रूपमा पूर्ण सदुपयोग गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.६ नक्शापास सम्बन्धी कागजहरुको Digitization गर्नुका साथै विद्युतीय नक्शापास कार्यलाई व्यवस्थित र सरल गरिनेछ ।
१.२ खेती गर्न इच्छुक तर आफ्नो जमिन नभएका कृषकहरुको लगत संकलन गरी भूमिको व्यवस्था गर्ने ।	१.२.१ भूमि बैङ्कको स्थापना गरिनेछ ।
	१.२.२ करारमा खेती गर्न इच्छुक कृषकलाई आवश्यक जमिन उपलब्ध गराइनेछ ।
	१.२.३ करार खेती क्षेत्र विस्तार गर्न विशेष कार्ययोजना निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.४ नदी उकास क्षेत्रमा हरितक्षेत्र प्रवर्द्धन तथा सामूहिक खेती प्रोत्साहन गर्न सम्भाव्यता अध्ययन तथा कृषक अभिमूखीकरण गरिनेछ ।
१.३ जग्गा बाँझो राख्ने प्रवृत्तिलाई निरुत्साहित गर्न खेतीयोग्य जमिनको दिगो प्रयोग विस्तार गर्ने ।	१.३.१ जग्गा बाँझो राख्न नपाउने नीति अवलम्बन गरी बाँझो जमिन राख्ने जग्गा धनीलाई भूमिकरमा निश्चित प्रतिशतले बढी लिने नियम लागू गरिनेछ ।
१.४ जग्गा चक्लाबन्दी गर्ने ।	१.४.१ गाउँपालिकामा जग्गा चक्लाबन्दी गर्न चाहने कृषकहरुको विवरण संकलन गरिनेछ ।
	१.४.२ सामूहिक खेती र चक्लाबन्दीका फाईदाका बारेमा कृषक अभिमूखीकरण गरिनेछ ।
	१.४.३ जग्गा चक्लाबन्दी गरी सामूहिक खेती गर्न चाहने कृषकहरु पहिचान गरी कृषक समूह गठन गरिनेछ ।
	१.४.४ यस्ता सामूहिक खेती गर्न चाहने कृषकलाई कृषि सहकारीसँग आवद्ध गरिनेछ ।
	१.४.५ चक्लाबन्दी गरी सामूहिक खेती गर्न चाहने कृषकलाई मापदण्डका आधारमा मल, बीउ, ज्ञान, सिप, प्रविधि र अन्य कृषि सामग्रीमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिई प्रोत्साहन गरिनेछ ।
१.५ सार्वजनिक जग्गाको सदुपयोग गर्ने ।	१.५.१ सार्वजनिक जग्गामा फलफूल बाली विशेष बगैँचाहरु निर्माण गरिनेछ ।



## भूमि व्यवस्थापन (भू-उपयोग) को विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	गाउँपालिका भू-उपयोग योजना निर्माण	१०००					
		१.१.२	भूमि अभिलेख प्रणाली निर्माण		३००				
		१.१.३	सिंचित, असिंचित, बाँझो तथा खेती भएको जमिनको अद्यावधिक तथ्याङ्क प्रणाली निर्माण		३००				
		१.१.४	सार्वजनिक जग्गा अतिक्रमण विरुद्ध शुन्य सहनशिलता						
		१.१.५	नक्शा डिजिटलाइजेसन		५००				
		१.१.६	नक्शापास सम्बन्धी कागजहरुको Digitization						
	१.२	१.२.१	भूमि बैङ्क स्थापना			१०००			
		१.२.२	करार खेतीका लागि इच्छुक कृषक लगत संकलन		४००				
		१.२.३	करार खेती विस्तार कार्यक्रम अनुदान	२००	२००	२००	२००	२००	
		१.२.४	नदी उकास क्षेत्रमा हरितक्षेत्र प्रवर्द्धन तथा सामूहिक खेती अभिमूखीकरण तथा तालिम	५०	५०	५०	५०	७५	
	१.३	१.३.१	खेतीयोग्य क्षेत्र बाँझो रहन नदिन कार्ययोजना निर्माण	२००					
	१.४	१.४.१	जग्गा चक्लाबन्दी गर्ने कृषकको लगत संकलन		२००				
		१.४.२	जग्गा चक्लाबन्दी सम्बन्धी कृषक अभिमूखीकरण	५०	५०				
		१.४.३	जग्गा चक्लाबन्दी गर्ने कृषक समूह गठन			१००			
		१.४.४	कृषक समूह तथा कृषि सहकारी बिच अन्तरक्रिया	४५	५०	७५	८०	८५	
		१.४.५	चक्लाबन्दी तथा सामूहिक खेती गर्ने कृषकलाई अनुदान			५००	५००	५००	
	१.५	१.५.१	फलफूल बाली विशेष बगैँचाहरु निर्माण						

### ड) अपेक्षित उपलब्धी तथा नतिजा खाका

✓ गाउँपालिकामा उपलब्ध खेतीयोग्य जमिनको वैज्ञानिक र पूर्ण सदुपयोग भएको हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	<b>वन तथा भू-संरक्षण</b>				
	असर	वनले ओगटेको कुल क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	सामुदायिक वनले ओगटेको क्षेत्र (प्रतिशत) (१५.१.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कबुलियती वन समूहलाई वन हस्तान्तरण (हेक्टर) (१५.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)	हेक्टर		
	प्रतिफल	बृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (१५.२.१.२) (प.दि.वि.ल.)	हेक्टर		
	प्रतिफल	थप बृक्षारोपण गरिएको क्षेत्र (प्रतिवर्ष/वेर्ना संख्या) (१५.१.२.३) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	संरक्षित क्षेत्र (१५.१.२.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	वनस्पति उद्यान	संख्या		
	असर	दिगो व्यवस्थापन प्रणाली लागु वनको क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	जडीबुटी तथा फलफूल खेतीले ओगटेको सामुदायिक वनको क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	मिचाहा प्रजातिका विरुवाहरूले ओगटेको वनको क्षेत्र (प्रतिशत)	प्रतिशत		
	असर	संकटापन्न अवस्थामा रहेका औषधिको रूपमा प्रयोग हुने वनस्पतिहरू	प्रतिशत		
	असर	अनुत्पादक भाडी, बुट्यान क्षेत्र मध्ये उत्पादनशील वनमा परिणत भएको क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका वनस्पति (१५.९.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	संकटापन्न घोषणा भएका वनस्पतिको संख्या	प्रतिशत		
	असर	संरक्षण योजना अन्तर्गत समेटिएका जीवहरूको संख्या (१५.९.१.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	संकटापन्न घोषणा भएका वन्यजन्तुको संख्या	प्रतिशत		
	असर	जंगली बाघको संख्या (१५.५.१.३) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	गैँडाको संख्या (१५.५.१.४) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	चोरी सिकारी नियन्त्रण इकाई (संख्या) १५.५.१.५) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	बायो इन्जिनियरिङ्ग प्रविधिको प्रयोग गरी भू-संरक्षण गरिएका स्थानहरूको संख्या	प्रतिशत		
	असर	पहिरोका हिसाबले जोखिमग्रस्त क्षेत्र	प्रतिशत		
	असर	River Trainning गरिएको (लम्बाई) कि.मी.	कि.मी.		
	असर	नमूना कटान नियन्त्रण क्षेत्र	संख्या		
	असर	हरित क्षेत्र विस्तार तथा परम्परागत प्रविधिमा कटान नियन्त्रण गरिएका क्षेत्र	प्रतिशत		

## च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ७.२.२ जलाधार संरक्षण

### क) पृष्ठभूमि

नेपाल जलस्रोतको धनी राष्ट्रका रूपमा संसारमा परिचित छ । तथापि यस्ता जलाधार क्षेत्रहरूको ठोस योजना नहुँदा यसको पूर्ण सदुपयोग नभई जलस्रोत खेर गइरहेको अवस्था छ । समृद्धिका आधारहरू मध्ये जलस्रोत पनि एक हो । यस गाउँपालिकामा मुख्य जलस्रोतको रूपमा घोडे खोला, कोछाप खोला, माडी खोला, कलम खोला, उर्ली खोला, लुङ्ग्री खोला, फगाम खोला, गजुल खोला, देउखुरी खोला लगायतका २८ वटा भन्दा बढि खोलाहरू रहेका छन् । यस्ता महत्वपूर्ण जलाधार क्षेत्रहरूको संरक्षण तथा सम्बर्द्धन गरी पारिस्थितिक सन्तुलन कायम राख्न र गाउँपालिकालाई आर्थिक समृद्धितर्फ लैजान जरुरी छ । वातावरण तथा हरियाली प्रवर्द्धन गरी वातावरणको सन्तुलन कायम राखी जलाधार संरक्षण गर्नका लागि गाउँपालिकाले सडकको दायाँबायाँ वृक्षारोपण गर्ने कार्य सञ्चालन गरिरहेको छ ।

### ख) समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- वर्षेनी कटान, बाढी र पहिरोको समस्या आउने गरेको साथै जलाधार क्षेत्र वरिपरिका मानव बस्ती उच्च जोखिममा रहेको ।
- वन, जलाधार र भू-संरक्षणका लागि दिगो रूपमा दीर्घकालीन कार्यक्रमहरू निर्माण गरी कार्यान्वयन गर्नुपर्ने ।
- जलाधार क्षेत्र संरक्षणको महत्व आम मानिसमा बुझाउन नसकिएको ।
- जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गर्न नसके भविष्यमा पानीको मुहानहरू सुक्न गई पिउने पानी तथा सिँचाईको चरम अभाव हुन सक्ने ।
- वैज्ञानिक जलाधार व्यवस्थापन कार्यक्रम लागू गर्नुपर्ने ।

### ग) सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकामा खोलाहरू तथा साना साना पोखरीहरू जस्ता महत्वपूर्ण जलाधार क्षेत्रहरू रहेका ।
- घोडे खोला, कोछाप खोला, माडी खोला, कलम खोला, उर्ली खोला, लुङ्ग्री खोला, फगाम खोला, गजुल खोला, देउखुरी खोला लगायतका २८ वटा भन्दा बढी जलाधार क्षेत्र भएको ।
- जलाधार क्षेत्रमा भ्यागुता, सर्प, माछा, चेपागाँडा, कछुवा, गंगटा जस्ता जलचरहरू पाइने ।
- जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको उच्चतम प्रयोग गरी कृषि, उद्योग, पर्यटन आदिको विकास गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्न सकिने ।

घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

<b>दीर्घकालीन सोच</b>
गाउँपालिकाको जल सम्पदालाई उच्चतम सदुपयोग गरी दिगो विकास हासिल
<b>लक्ष्य</b>
गाउँपालिकाको जलाधार क्षेत्रको दिगो संरक्षण गरी जल सम्पदामा आत्मनिर्भर बन्ने ।
<b>उद्देश्यहरू</b>
✓ जलाधार क्षेत्रको प्रभावकारी व्यवस्थापन गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्नु ।

उद्देश्य १: जलाधार क्षेत्रको प्रभावकारी व्यवस्थापन गरी आर्थिक समृद्धि हासिल गर्नु	
रणनीति	कार्यनीति
१.१. जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्र पहिचान गरी संरक्षण गर्ने ।	१.१.१ गाउँपालिकामा भएका पानीका मुहानहरू, जलाधार क्षेत्र तथा सिमसार क्षेत्रको पहिचान गरी नक्साङ्कन गरी विस्तृत विवरण तयार गरिनेछ ।
	१.१.२ जलाधार क्षेत्रहरूको विनाशमा सहयोग पुऱ्याउने क्रियाकलापहरू गर्न तत्काल रोक लगाई जलाधार क्षेत्रको संरक्षण गरिनेछ ।
१.२. जलाधार क्षेत्रको दीर्घकालीन व्यवस्थापन गर्ने ।	१.२.१ गाउँपालिकाका प्रमुख जलाधार क्षेत्रहरूलाई “विशेष जलाधार क्षेत्र” घोषणा गरी ती क्षेत्रहरूमा संरक्षणका कार्यक्रमहरू लागू गरिनेछ ।
	१.२.२ प्रत्येक वडाका उपयुक्त स्थानहरूमा जल पर्यावरणीय प्रणाली अन्तर्गत जलचर, वनस्पति र भौतिक अवयवहरूको प्रवर्द्धन गर्नका लागि नमूना पोखरीहरू निर्माण गरिनेछ । उक्त पोखरीहरूमा वर्षातको पानी संकलन गर्ने व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.२.३ जलाधार संरक्षणमा सहायक प्रजातिका विरुवाहरूको वृक्षारोपण गरिनेछ ।
	१.२.४ जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको प्रयोग गरी कृषि, उद्योग तथा पर्यटन क्षेत्रको विकास गरिनेछ ।
	१.२.५ वन जंगल क्षेत्रभित्र कृत्रिम जलाशय तथा पोखरी निर्माण गर्न अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.६ संकटासन्न ताल, नदी तथा पोखरीहरूको पहिचान र पुर्नउत्थान गरिनेछ ।
१.३. जलस्रोतको दिगो प्रयोग र जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	१.३.१ जलाधार क्षेत्र संरक्षणको महत्व बुझाउनका लागि जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.३.२ उपलब्ध जलस्रोतको उच्चतम र दिगो सदुपयोग हुने गरी जलस्रोतमा आधारित उद्योग तथा व्यवसायको सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	१.३.३ वर्षातको पानी संकलन गरी भण्डारण प्रणाली निर्माण गर्न प्राविधिक सहयोग उपलब्ध गराइनेछ ।
	१.३.४ सिमसार क्षेत्र संरक्षण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।

### भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	जलस्रोत तथा जलाधार क्षेत्रको विस्तृत विवरण तयार	५०					
		१.१.२.	स्थानीय जलाधार क्षेत्र संरक्षण नियमावली तयार	३०					
	१.२.	१.२.१.	विशेष जलाधार क्षेत्र संरक्षण कार्यक्रम	१००	२००				
		१.२.२.	पोखरीहरू निर्माण तथा पुर्नउत्थान कार्यक्रम			५००			
		१.२.३.	बृक्षारोपण कार्यक्रम	१००	१००	२००	२५०	३००	
		१.२.४	पर्यटन, कृषि र उद्योग क्षेत्रका कार्यक्रम सञ्चालन गर्न अन्तरक्रिया	३०	३०	३०	३०	३०	
		१.२.५	वनजंगल क्षेत्र भित्र पोखरी तथा जलाशय निर्माण		५००	६००			
		१.२.६	संकटासन्न ताल, नदी तथा पोखरी विशेष पुर्नउत्थान कार्यक्रम	१००	१००	१००			
	१.३.	१.३.१	जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.३.२	दिगो जलस्रोत उपयोग सम्भाव्यता अध्ययन		५००				
		१.३.३	वर्षातको पानी संकलन प्राविधिक सहयोग			६००			
		१.३.४	सिमसार क्षेत्र पहिचान तथा संरक्षण कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	

### ड) अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका

जलाधार क्षेत्रको पहिचान, नक्शाङ्कन र दिगो संरक्षण भएको हुनेछ। जलाधार क्षेत्रमा आत्मनिर्भर भई दिगो सदुपयोग सुनिश्चित हुनेछ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	<b>जलाधार व्यवस्थापन</b>				
	असर	ताल, सिमसार र तलाउ/पोखरीहरूको संख्या (१५.१.२.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	सामुदायिक वनभित्र निर्मित पोखरी संख्या	संख्या		
	असर	संकटासन्न तालहरू/पोखरीहरू (१५.४.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	संरक्षित सिमसार क्षेत्र	संख्या		
	प्रतिफल	वर्षातको पानी संकलन गर्न निर्माण गरिएका नमुना पोखरी संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	परम्परागत जैविक विधि अपनाई संरक्षण गरिएका पानीको मुहानहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	संकटमा परी पुर्नउत्थान गरिएका पानीका मुहानको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	वनजंगल भित्र रहेका पोखरीहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	कूल जलश्रोतको अनुपातमा प्रयोग गरिएको जलश्रोत (१२.२.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	संकटयुक्त अर्थात् सुख्खाका कारण सुक्ने खतरामा रहेका नदीहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	संकटयुक्त अर्थात् सुख्खाका कारण सुक्ने खतरामा रहेका पानीका मुहानहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	संकटयुक्त अर्थात् सुख्खाका कारण सुक्ने खतरामा रहेका सिमसार क्षेत्रको संख्या	संख्या		
	असर	नयाँ निर्माण गरिएका पोखरी, ताल वा अन्य जलक्षेत्रले ओगटेको क्षेत्र	प्रतिशत		

### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ७.३ वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापन

### ७.३.१ पृष्ठभूमि

हाम्रो वरपर रहेका प्राकृतिक अवयवहरू जस्तै वायुमण्डल, भूमि, जल, वनजंगल, वनस्पति, जीवजन्तु र प्राकृतिक जीवनचक्र, जलवायु तथा मौसम आदिको अन्तरक्रिया र समग्रताले सिर्जना गरेको भौतिक अवस्थालाई वातावरण भनिन्छ। वातावरण संरक्षण भनेको सम्पूर्ण वातावरणीय अवयवहरूको एकीकृत संरक्षणको पाटो हो। यसमा समग्रमा जल, जमिन, जंगल, वायुमण्डल र हाम्रो वरपरको सेरोफेरोलाई स्वच्छ, सफा र सन्तुलित राख्ने विषय आउँछ। वातावरण प्रदूषणले मानिसमा विभिन्न किसिमका रोगहरू निम्त्याउँछ। नेपालको संविधानमा प्रत्येक नागरिकलाई स्वच्छ र स्वस्थ वातावरणमा बाँच्न पाउने हक हुनेछ, भनी मौलिक हकको रूपमा उल्लेख गरिएको छ। यसै अनुरूप गाउँपालिकाले वातावरणलाई स्वच्छ बनाई वातावरणीय सन्तुलन कायम राख्ने उद्देश्यले फोहोरमैलाको दीर्घकालिन व्यवस्थापनको नीति ल्याएको छ।

### ७.३.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- प्राकृतिक सम्पदाहरूको पूर्ण संरक्षण र सदुपयोग हुन नसकेको।
- समयमै स्तरोन्नति नहुँदा तथा अनावश्यक मानवीय गतिविधि कारण पानीका स्रोतहरू सुक्ने खतरा रहेको।
- स्थानीय टरी ल्याण्डफिल साइट निर्माण हुन नसकेको।
- खोलाको किनारमा फोहोरहरूको विसर्जन भएका कारण नदीलाई असर पुगेको।
- हस्पिटलजन्य फोहोरको उचित व्यवस्थापन हुन नसकेको।
- एकीकृत फोहोरमैला व्यवस्थापनको अवधारण लागू हुन नसकेको।
- स्थानीयबासीमा गाउँ/टोल सरसफाईको जिम्मेवारी हाम्रो पनि हो भन्ने भावनाको विकास गर्न नसकिएको।
- वातावरण संरक्षण र पूर्वाधार विकास बिच समाञ्जस्यता स्थापित हुन नसकेको।
- आमनागरिकमा वातावरण सचेतनाका कार्यक्रमहरू प्रभावकारी ढंगले ल्याउनुपर्ने।
- पर्यावरणीय असन्तुलन तथा प्रदूषणको नकारात्मक असरका कारण जीवन कष्टकर हुन सक्ने।

### ७.३.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाका सार्वजनिक स्थल, खोला किनार तथा अनुकूल स्थानमा वृक्षारोपण गरिएको।
- गाउँपालिकाले नियमित रूपमा सार्वजनिक स्थल, पाटीपौवा लगायतका क्षेत्रहरूका स्थानीय बासी, जनप्रतिनिधी तथा कर्मचारी तथा सरोकारवाला निकायको उपस्थितिमा सरसफाई कार्यक्रम संचालन गर्ने गरेको।
- गाउँपालिकाले सुलिचौर, रुइनिवाड बजार क्षेत्रकोफोहोर व्यवस्थापनका लागि साप्ताहिक तिन दिन फोहोर संकलन गर्दै आएको।
- गाउँपालिकाले विभिन्न स्थानमा व्यापक वृक्षारोपण गर्नुका साथै बगैँचा, पार्कहरू निर्माण गरी हरियाली प्रवर्द्धन गर्ने गरेको।
- गाउँपालिकाले विभिन्न सामुदायिक वन क्षेत्रभित्र वृक्षारोपण कार्यक्रम सञ्चालन गरेको।

### ७.३.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

स्वच्छ, सफा, हराभरा हाम्रो सुनिलस्मृति

#### लक्ष्य

गाउँपालिकालाई वातावरणमैत्री नमूना हरित क्षेत्रका रूपमा विकास गर्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- ✓ जल, जमिन, वायु र ध्वनी प्रदूषण नियन्त्रण गर्नु ।
- ✓ सम्पूर्ण पूर्वाधार विकास क्रियाकलापहरूलाई दिगो र वातावरण मैत्री बनाउनु ।

#### उद्देश्य १. जल, जमिन, वायु र ध्वनी प्रदूषण नियन्त्रण गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१. प्रदूषण नियन्त्रणका लागि मापदण्ड बनाई लागू गर्ने ।	१.१.१. प्रदूषण नियन्त्रण गर्न क्रमशः सबै सडकहरू कालोपत्र गर्दै लगिनेछ ।
	१.१.२. प्लाष्टिक तथा टायर ट्युब जलाउने परिपाटीलाई पूर्णतः बन्दै गरिनेछ ।
	१.१.३. पानीका मुहानहरू सफा राख्न त्यस्ता स्थानहरूमा मानवीय गतिविधि र छाडा पशुहरू नियन्त्रण गरिनेछ ।
	१.१.४. मरेका पशु चौपायहरूको व्यवस्थापन गर्न वडास्तरमा स्थानहरू तोकिनेछ ।
	१.१.५. प्रत्येक घरमा खाना पकाउन प्रयोग हुने मुख्य इन्धन काठ, दाउरालाई विस्थापित गर्न वैकल्पिक ऊर्जा जस्तै गोबर ग्याँस, बायो ग्याँस, सौर्य तथा वायु उर्जा, सुधारिएको चुलो आदिको व्यवस्था गर्न मापदण्डका आधारमा निश्चित प्रतिशत अनुदान दिइनेछ ।
	१.१.६. इट्टाभट्टा जस्ता प्रदूषण बढाउने उद्योगलाई घना मानव बस्ती भएको इलाकामा स्थापना गर्न निषेध गरिनेछ । यस्ता उद्योगलाई वातावरण प्रदूषण नियन्त्रणमा जिम्मेवार बनाई वातावरण संरक्षणका क्षेत्रमा सामाजिक उत्तरदायित्व अन्तर्गत शोधकर्ता स्वरूप लगानी गर्नुपर्ने प्रावधान बनाइनेछ ।
	१.१.७. गाउँपालिका भएर बग्ने खोला नालाको किनार लगायत भू-क्षय संवेदनशील क्षेत्रमा भू-क्षय, नदी कटान नियन्त्रण गर्ने योजना कार्यान्वयन गरिनेछ । यसो गर्दा जैविक इन्जिनियरिङ प्रविधिलाई प्राथमिकता दिइनेछ ।
	१.१.८. सडक निर्माण लगायतका भौतिक निर्माण कार्य सम्पन्न गर्दा वातावरणमा पर्ने क्षति न्यूनीकरण गर्न निर्माण लागतको कम्तिमा १ प्रतिशत रकम वातावरण संरक्षण कोषमा जम्मा हुने व्यवस्था मिलाइनेछ ।
	१.१.९. गाउँपालिका क्षेत्रभित्र स्थापना हुने उद्योगहरू दर्ता गर्दा वातावरण प्रदूषण नहुने कार्ययोजना पेश गरेमा राजश्व रकममा सहूलियत दिने व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.१.१०. हरियाली प्रवर्द्धन गर्न ग्रीन सुनिलस्मृति, क्लिन सुनिलस्मृति नारालाई अभियानको रूपमा बस्तीस्तरमा पुऱ्याइनेछ ।
१.१.११. स्वच्छ वातावरणका लागि गाउँपालिका भित्रका टोलमा फलफुलका बिरुवा रोप्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।	
१.२. समुदाय वा टोल स्तरमा नियमित सरसफाई तथा	१.२.१. घरआँगन, टोल र सडक सफा राख्ने र सामुदायिक वा टोलस्तरमा नियमित सरसफाई अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।



**उद्देश्य १. जल, जमिन, वायु र ध्वनी प्रदुषण नियन्त्रण गर्नु ।**

रणनीति	कार्यनीति
शौचालय निर्माण अभियान सञ्चालन गर्ने ।	१.२.२. प्रत्येक वडाका मानवीय गतिविधिहरू बढी भइरहने क्षेत्रमा अनिवार्य सार्वजनिक शौचालयको निर्माण गरिनेछ ।
	१.२.३ हरित टोलको रूपमा विकास गर्ने स्वच्छ टोललाई प्राथमिकताको आधारमा पुरस्कार प्रदान गरिनेछ ।

**उद्देश्य २. सम्पूर्ण पूर्वाधार विकास क्रियाकलापहरूलाई दिगो र वातावरण मैत्री बनाउनु**

रणनीति	कार्यनीति
२.१. विकास निर्माणका कार्यक्रम गर्दा IEE कार्यान्वयन गर्ने ।	२.१.१. विकास निर्माणका ठूला कार्यक्रमहरू, खानी उत्खनन्, ढुंगा, गिटी, बालुवा तथा माटो उत्खनन् आदि कार्य गर्न प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण गरी सोको अक्षरशः पालना गरिनेछ ।
	२.१.२ प्रतिव्यक्ति काठको खपतलाई घटाउन काठको विकल्पमा पालिकामा भित्रने प्रविधि र वस्तुलाई विशेष प्रोत्साहन गरिनेछ ।
	२.१.३ बायोग्याँस प्लान्ट निर्माणमा अनुदानको प्रबन्ध गरिनेछ ।
२.२. ऐतिहासिक तथा सार्वजनिक स्थलहरूको दिगो विकास र संरक्षण गर्ने ।	२.२.१. ऐतिहासिक, धार्मिक र पुरातात्विक महत्वका स्थानहरूको एकीकृत संरक्षण योजना तयार गरी यस्ता क्षेत्रलाई सम्पदा क्षेत्र घोषणा गरी वातावरण अनुकूल दिगो विकास र संरक्षण गरिनेछ ।
	२.२.२. प्रत्येक वडामा एक एक वटा वडागत नमुना पार्कहरूको निर्माण गरिनेछ ।

## वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	प्राथमिकताका आधारमा सडकहरू कालोपत्र	५००	६००	७००	८००	९००	
		१.१.२.	प्लाष्टिक तथा टायर, ट्यूब जलाउन निषेध	३०					
		१.१.३.	अनुगमनको व्यवस्था	५०					
		१.१.४.	मरेका चौपाया व्यवस्थापन गर्ने स्थान निर्माण			२००	३००	५००	
		१.१.५.	वैकल्पिक उर्जा प्रवर्द्धन गर्न अनुदान	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.१.६.	ठूला उद्योग सञ्चालन मापदण्ड तयार	५०					
		१.१.७.	भू-संरक्षण योजना कार्यान्वयन		५००				
		१.१.८.	वातावरण संरक्षण कोष निर्माण	७०	७०	७०	७०	७०	
		१.१.९.	वातावरण प्रदूषण नहुने कार्ययोजना सहित स्थापना हुने उद्योगहरूलाई राजश्व रकममा सहूलियत						
		१.१.१०.	ग्रीन सुनिलस्मृति, क्लिन सुनिलस्मृति नारा सहित अभियान सञ्चालन		२००				
२	१.२.	१.२.१.	टोलटोलमा फलफुलका बिरुवा रोप्ने अभियान सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.२.२.	सरसफाई अभियान सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.२.३.	सार्वजनिक शौचालय निर्माण			५००	५००	५००	
		१.२.४.	स्वच्छ टोललाई प्राथमिकताको आधारमा पुरस्कार प्रदान	१००	१००	१००	१००	१००	
		२.१.१.	प्रारम्भिक वातावरणीय परीक्षण पश्चात सोको अक्षरशः पालना	३०	३०	३०	३०	३०	
		२.१.२.	काठको प्रयोग विस्थापन गर्ने वस्तु र प्रविधिमा विशेष प्रोत्साहन						
		२.१.३.	बायोग्याँस प्लान्ट निर्माण			१०००	१२००		
२.२.	२.२.१.	एकीकृत संरक्षण योजना निर्माण	४००						
२.२.२.	एक वडा एक हरित पार्कको निर्माण		५००	५००	५००	५००			

### ७.३.५ अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ महत्वपूर्ण सार्वजनिक स्थानहरूमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण भएका हुने ।
- ✓ एकीकृत वातावरण संरक्षण योजना तयार भएको हुने,
- ✓ वातावरण संरक्षण सम्बन्धी कार्यक्रमहरूको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन कार्यले निरन्तरता पाएको हुनेछ ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
		वातावरण तथा फोहोरमैला व्यवस्थाप			
	प्रतिफल	नव हरित क्षेत्रको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	वातावरणीय संवेदनशील क्षेत्रहरूको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	सडक सौन्दर्यीकरण	कि.मि.		
	असर	प्रतिव्यक्ति काठको प्रयोग (क्यूबिक/मी.) (१२.२.२.२) (प.दि.वि.ल.)	क्यूबिक/मी.		
	असर	वायूमण्डलमा धुलोका कणहरूको गाढापन (२४ घण्टाको औषत) (पि.एम) (११.६.२.२) (प.दि.वि.ल.)	औसत		

### ७.३.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ७.४ विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

### ७.४.१ पृष्ठभूमि

औद्योगिक राष्ट्रहरूले गरेको व्यापक कार्बन उत्सर्जन, सवारी साधनबाट निस्कने धुवाँ, शहरीकरण, जनसंख्या वृद्धि, वनजंगल विनाश, रेफ्रिजेरेशन प्रविधिमा प्रयोग हुने क्लोरोफ्लोरो कार्बन (CFCs) जस्ता कारणले हरितगृह प्रभाव (Green House Effect) बढ्न गई त्यसले भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धि गर्दै लगेको वैज्ञानिक तथ्य हामी सामु छ। यसरी भूमण्डलीय तापक्रम वृद्धिले प्रत्यक्ष रूपमा जलवायुमा प्रभाव पारी जलवायु परिवर्तन भइरहेको परिप्रेक्ष्यमा हरेक राष्ट्रले विकास निर्माणका योजना तयार पार्दा यस तथ्यलाई मनन गरी तयार पार्नुपर्ने हुन्छ किनकि जलवायु परिवर्तनका प्रमुख कारक तत्वहरू नै विकास सम्बन्धी मानवीय गतिविधिहरू हुन्। विकास सम्बन्धी क्रियाकलापहरू सञ्चालन गर्दा वातावरणमैत्री प्रविधि अपनाउने र जलवायु परिवर्तन विरुद्ध अभियान सञ्चालन गरी कम भन्दा कम कार्बन उत्सर्जन गर्ने र बढी भन्दा बढी कार्बन उपभोग हुने वातावरण सिर्जना गरेर जलवायु समायोजन र सन्तुलन कायम हुने वैज्ञानिक विधि र प्रक्रिया अवलम्बन गर्न श्रेयस्कर हुन्छ।

भौगोलिक जटिलताका कारण नेपाल प्राकृतिक प्रकोपको उच्च जोखिम क्षेत्रमा रहेको छ। नेपालमा वर्षेनी प्राकृतिक प्रकोपका कारण ठूलो मात्रामा जनधनको क्षति हुने गरेको छ। नेपालमा २०७२ सालको महाभूकम्पको पीडा अझै ताजा नै छ। गाउँपालिका पनि प्राकृतिक प्रकोपको दृष्टिकोणले संवेदनशील अवस्थामा रहेको छ। यस गाउँपालिकामा विशेष गरी बाढी, पहिरो, कटान, हावाहुरी, असिना, चट्याङ, अनावृष्टि, सुख्खा खडेरी, डहेंलो जस्ता प्राकृतिक प्रकोपहरू देखापर्दै आइरहेका छन्। यस्ता प्रकोपहरू सामान्यतया पूर्ण नियन्त्रण गर्न नसकेपनि प्रभाव न्यूनीकरणका उपायहरू अवलम्बन गरी जनधनको क्षतिलाई न्यूनीकरण गर्न सकिन्छ।

### ७.४.२ समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- गाउँपालिकामा भएका बस्ती वर्षायाममा पहिरो, बाढी र भू-क्षयको जोखिममा रहेको।
- वर्षेनी वर्षातको समयमा खहरे खोला तथा भू-क्षयको समस्या हुने गरेको।
- जलवायु परिवर्तनले भएको अतिवृष्टि, अनावृष्टि, तापक्रम वृद्धि आदिका कारण वार्षिक खेतीपाती क्यालेन्डर परिवर्तन हुन थालेको, बालीनालीमा रोग, किराको समस्या देखिनुका साथै उत्पादनमा नकारात्मक प्रभाव देखिन थालेको।
- प्राविधिक अध्ययन विना जथाभावी विकास संरचना निर्माणले विपद् जोखिम बढ्दै गएको।
- जलवायु परिवर्तनका नकारात्मक असर तथा विपद् न्यूनीकरणका लागि ठोस योजना बनाई लागू गर्नुपर्ने।
- हावाहुरीबाट रुखहरू ढली दुर्घटना हुने गरेको।
- विपद् सम्बन्धी सूचना सम्प्रेषण संयन्त्र, पूर्व सूचना प्रविधि लगायत पर्याप्त स्वास्थ्य केन्द्रहरूको अभाव भएको।

### ७.४.३ सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- विपद्का बेलामा जम्मा हुने खुल्ला स्थान, सूचना दिने संयन्त्र, आकस्मिक स्वास्थ्य सेवा आदिको व्यवस्था रहेको।
- गाउँपालिकाले गत आ. ब विभिन्न प्रकारका विपद्हरूबाट प्रभावित ५८ घरपरिवारलाई खाद्यान्न, नगद तथा राहत सामग्री उपलब्ध गराएको।
- गाउँपालिकाले विपद् पिडितहरूको राहत तथा उद्धारमा सहयोग पुऱ्याउन स्थापना गरिएको कोष वृद्धि गर्ने नीति अगाडी सारेको।

### ७.४.४ उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

विपद् व्यवस्थापनको प्रभावकारी संयन्त्र निर्माण गरी जनधनको क्षति न्यूनीकरण

#### लक्ष्य

विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रतिकार्य योजना लागू गरी पूर्णतः कार्यान्वयन गर्ने ।

#### उद्देश्यहरू

- ✓ प्राकृतिक तथा गैर प्राकृतिक विपद्बाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्नु ।
- ✓ विपद्को दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु ।

#### उद्देश्य १: प्राकृतिक तथा गैर प्राकृतिक विपद्बाट हुने क्षति न्यूनीकरण गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१. विपद् जोखिम क्षेत्र नक्साङ्कन गर्ने ।	१.१.१. गाउँपालिकाका उच्च जोखिम क्षेत्रहरूको नक्साङ्कन गरी खतरा संकेतहरू राख्ने कार्यलाई निरन्तरता दिइनेछ ।
	१.१.२. गाउँपालिकाका अति जोखिममा रहेका बस्ती तथा परिवारलाई स्थानान्तरण गरिनेछ ।
१.२. विपद् पूर्वानुमान तथा पूर्व चेतावनी प्रणाली प्रभावकारी बनाउने ।	१.२.१. बाढी, मौसम लगायतको पूर्वानुमान तथा पूर्व चेतावनी प्रणालीको थप प्रभावकारी सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.२. विपद् पूर्व संकेत दिने थप उपकरणहरू प्रकोप सम्भाव्य स्थलहरूमा क्रमशः जडान गरिनेछ ।
	१.२.३. नियमित रूपमा भइरहने प्राकृतिक प्रकोपको अध्ययन गरी प्रकोप पात्रो तयार गरिनेछ ।
	१.२.४. विपद् सम्बन्धी पूर्वसूचना रेडियो, एफएम तथा अन्य सञ्चारमार्फत सम्प्रेषण गर्ने कार्यलाई निरन्तरता दिइनेछ ।
१.३. बीमा योजना लागू गर्ने ।	१.३.१. विपद् सम्भावित क्षेत्रका प्रत्येक नागरिकको अनिवार्य बीमा योजना लागू गरिनेछ र अति विपन्न परिवारको बीमा गाउँपालिकाले गरिदिनेछ ।

#### उद्देश्य २ : विपद्को दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
२.१. विपद् व्यवस्थापनमा सक्षम संयन्त्रको निर्माण गर्ने ।	२.१.१. विपद्को बेला पिउने पानी, खाद्यान्न, औषधी उपचार आदिको पूर्वतयारी गर्न वडास्तरीय संयन्त्र निर्माण गर्दै लगिनेछ ।
	२.१.२. विपद्का बेला भेला हुने खुल्ला स्थानहरू तय गरी पूर्वाधार निर्माण गरिनेछ ।
	२.१.३. स्वास्थ्यकर्मीहरू सम्मिलित गाउँपालिकास्तरीय संक्रमण रोग तथा महामारी प्रतिकार्य टोली गठन गरिनेछ ।
	२.१.४. बेलाबेलामा उद्धार तथा विपद्बाट बच्ने उपायबारे पूर्वाभ्यास सञ्चालनलाई निरन्तरता दिइनेछ ।

उद्देश्य २ : विपद्को दिगो तथा प्रभावकारी व्यवस्थापन गर्नु

रणनीति	कार्यनीति
	२.१.५. वडास्तरमा युवाहरू सम्मिलित विपद् प्रतिकार्य स्वयंसेवक समूह निर्माण गरी नियमित तालिम प्रदान गरिनेछ ।
	२.१.६. विपद् व्यवस्थापनमा संलग्न विभिन्न संघ संस्थाहरूसँग प्रभावकारी समन्वय र सहकार्य गरिनेछ ।
	२.१.७. विपद्का बेला आवश्यक पर्ने उपकरण, उद्धार सामाग्री, एम्बुलेन्स, स्काभेटर, डोरी, पाल लगायतका सामाग्रीहरू थप गरिनेछ ।
	२.१.८. विपद्को समयमा राहत तथा उद्धारलाई सहज बनाउन हेलिप्याड निर्माण गरिनेछ ।
	२.१.९. सबै वडा कार्यालयहरूमा विपद् व्यवस्थापन समिति तथा स्वयम् सेवक परिचालन गर्नुका साथै अत्यावश्यक सामाग्री भण्डारणको व्यवस्थालाई निरन्तरता दिइनेछ ।
२.२. जलवायु अनुकूलन तथा जलवायु परिवर्तन न्यूनीकरणका लागि क्षमता विकास गर्ने ।	२.२.१. जलवायु परिवर्तनका प्रभावहरूको अध्ययन गरी सुभाब दिन विज्ञसँग परामर्श लिइनेछ ।
	२.२.२. जलवायु परिवर्तनले निम्त्याएका समस्याहरू सामना गर्न स्थानीय स्तरमा तालिम तथा सचेतना कार्यक्रमहरू सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.२.३. स्थानीयस्तरमा तथा विद्यालयहरूमा जलवायु परिवर्तनका बारेमा अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	२.२.४ जलवायु अनुकूलन हिसाबले स्मार्ट भिलेज निर्माण गर्न सम्भाव्यता अध्ययन गरिनेछ ।
	२.२.५ जलवायु अनुकूलन स्मार्ट भिलेज निर्माण गरिनेछ ।
	२.२.६ जलवायु परिवर्तन अनुकूल वालीनाली प्रयोगात्मक उत्पादन गर्न थालनी गरिनेछ ।
२.३. जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने ।	२.३.१. विपद्बाट बच्ने उपायका बारेमा सचेतना कार्यक्रमलाई समुदायमा अभियानका रूपमा सञ्चालन गर्दै लगिनेछ ।

विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलताको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१	१.१.	१.१.१.	उच्च जोखिम क्षेत्रहरूको नक्शाङ्कन कार्यलाई निरन्तरता						
		१.१.२.	उच्च जोखिममा रहेका बस्ती तथा परिवारलाई स्थानान्तरण	५००	५००	५००	५००	५००	
	१.२.	१.२.१.	विपद् पूर्वानुमान तथा चेतावनी सूचना प्रणालीको प्रभावकारी सञ्चालन	३००					
		१.२.२.	विपद् पूर्व संकेत दिने उपकरण जडान		२००				
		१.२.३.	प्रकोप पात्रो तयार	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.४.	विपद् सम्बन्धी पूर्व सूचना सम्प्रेषणलाई निरन्तरता	३०					
		१.२.५.	विपद् पूर्वतयारी तथा प्रतिकार्य योजना निर्माण						
	१.३.	१.३.१.	बीमा योजनामा अनुदान	१००	१००	१००	१००	१००	
	२	२.१.	२.१.१.	वडास्तरीय विपद् व्यवस्थापन संयन्त्र निर्माण		२००			
२.१.२.			खुल्ला स्थान तय गरी पूर्वाधार निर्माण			५००	६००	७००	
२.१.३.			संक्रमण रोग तथा महामारी प्रतिकार्य टोली गठन				५००		
२.१.३.			माहामारीका लागि आइसोलेसन केन्द्र निर्माण				५००		
२.१.४.			उद्धार सम्बन्धित पूर्वाभ्यास सञ्चालन		१००				
२.१.५.			विपद् प्रतिकार्य स्वयंसेवक समूहलाई तालिम	८०	८०	८०	८०	८०	
२.१.६.			विभिन्न संस्थाहरूसँग प्रभावकारी समन्वय र सहकार्य	३०	३०	३०	३०	३०	
२.१.७.			विपद् उद्धार सामग्री खरिद	५००	५००	५००	५००	५००	
२.१.८.			हेलिप्याड निर्माण			१५००			
	२.१.९.	सबै वडा कार्यालयहरूमा विपद् व्यवस्थापन समिति तथा स्वयंसेवक परिचालन	५०	५०	५०	५०	५०		
२.२.	२.२.१.	जलवायु परिवर्तनको प्रभावबारे विज्ञसँग परामर्श	५०	७५	८०	९०	१००		

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		२.२.२.	तालिम तथा सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	
		२.२.३.	अन्तरक्रिया कार्यक्रम सञ्चालन	३५	३५	३५	३५	३५	
		२.२.४	जलवायु अनुकूलनका हिसाबले स्मार्ट भिलेज सम्भाव्यता अध्ययन		५००				
		२.२.५	जलवायु अनुकूलनका हिसाबले स्मार्ट भिलेज निर्माण			१०००	१५००		
		२.२.६	जलवायु अनुकूलन हुने बालीनाली प्रयोगात्मक उत्पादन अनुदान कार्यक्रम	१००	१००	१००	१००	१००	
	२.३.	२.३.१.	सचेतना अभियान सञ्चालन	५०	५०	५०	५०	५०	

#### ७.४.५ अपेक्षित उपलब्धिहरू तथा नतिजा खाका

- ✓ विपद् जोखिम नक्साङ्कन भएको हुने ।
- ✓ भौतिक संरचनाहरू मापदण्ड बमोजिम विपद् प्रतिरोधी भएको हुने,
- ✓ विपद् पूर्वानुमान तथा पूर्वसूचना प्रणाली प्रभावकारी भएको हुने,
- ✓ विपद् सम्बन्धी नीति तथा योजना बनेको हुने,
- ✓ विपद्बाट हुने क्षतिमा न्यूनीकरण भएको हुने,
- ✓ जलवायु परिवर्तनका असरहरूको अनुकूलन तथा न्यूनीकरण भएको हुनेछ ।

#### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
		<b>विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता</b>			
	प्रतिफल	विपद्को कारण ज्यान गुमाउनेको संख्या (११.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	विपद्को कारण हराइरहेको संख्या (१.५.१.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	विपद्को कारण घाइते हुनेको संख्या (११.५.१.२) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	असर	विपद्बाट प्रभावित घरपरिवार	प्रतिशत		



क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
	प्रतिफल	विपद्को बेला भेला हुने स्थानको	संख्या		
	प्रतिफल	दमकल संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	एक्साभेटर संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	विपद् पूर्वसंकेत दिन जडित उपकरणहरूको संख्या	संख्या		
	असर	भूकम्प प्रतिरोधी घरको	प्रतिशत		
	प्रतिफल	जलवायु परिवर्तन अनुकूलन योजना अन्तर्गत समुदायस्तरमा कार्यान्वयन भएका कार्यक्रमहरूको संख्या (१३.२.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	जलवायुको दृष्टिकोणले स्मार्ट भिलेज (१३.२.१. घ) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	जलवायु अनुकूलनका वनस्पति तथा बालीनालीको संख्या	संख्या		
	असर	जलवायु परिवर्तन सम्बन्धी शिक्षा समावेश गरेका विद्यालयहरूको संख्या (१३.३.१.१)(प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	जलवायुका दृष्टिकोणले अनुकूलन हुने गरी अपनाइएका खेती प्रणाली (१३.२.१ ड) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	जलवायुका असरलाई कम गर्ने कार्यमा तालिम प्राप्त व्यक्तिहरूको संख्या	संख्या		

#### ७.४.६ अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनैतिक स्थिरता हुनेछ ।
- आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- व्यापक जनसहभागिता र समर्थन हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## परिच्छेद - ८: संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

### ८.१ संस्थागत विकास तथा सुशासन

#### ८.१.१ सुशासन तथा सेवा प्रवाह

##### क) पृष्ठभूमि

सुशासनको स्थापना गर्न जनस्तरमा सेवा प्रवाहको प्रभावकारिता हुन जरुरी रहन्छ। राज्यले लिएको नीतिअनुरूप असल शासनका प्रमुख आयामहरूमा सार्वजनिक प्रशासनमा पारदर्शिता, निष्पक्षता, भ्रष्टाचारमुक्त, जनउत्तरदायी शासन सुलभता र सहजता महत्वपूर्ण आयामहरू हुन्। यी आयामहरूको स्वस्थ विकास र सुनिश्चितता गर्न सकेको खण्डमा संघीय संविधानको मर्मअनुरूप जनताको घरदैलोमा राज्यद्वारा प्रदान गरिने सेवा र सुविधा पुऱ्याउन सकिन्छ। गाउँपालिकाले कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधिहरूको क्षमता अभिवृद्धि तालिम, नागरिक भेला, सार्वजनिक सुनुवाई, सामाजिक परीक्षण, अनुगमन तथा नियन्त्रण कार्यप्रणालीलाई चुस्त, दुरुस्त, व्यवस्थित तथा पारदर्शी बनाउनु आवश्यक छ।

##### ख) समस्या तथा चुनौती

###### दुर्बल पक्ष: प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- संघीय शासन प्रणालीको स्थापना सँगै गठित स्थानीय सरकारको सर्वाङ्गण संस्थागत विकास गर्दै प्रभावकारी कार्यान्वयन नभएको।
- जनअपेक्षा अनुरूप संघीयताको अभ्यास तथा अनुभव कम भएको।
- स्थानीयवासीको राजनैतिक चेतनाको स्तर माथि उठी नसकेको।
- संस्थागत तथा क्षमता अभिवृद्धिका नियमित कार्यक्रमहरूको व्यवस्था नभएको।
- गाउँपालिका केन्द्र/वडा केन्द्रमा पर्याप्त भौतिक सामग्री (फर्निचर, कम्प्युटर, ल्यापटप आदि) उपलब्ध नभएको।
- जनचासो र जनगुनासोको समयमै सम्बोधन नभएमा जनतामा निराशा उत्पन्न भई संघीय व्यवस्थामा नै प्रश्न खडा हुन सक्ने।
- जनप्रतिनिधि र कर्मचारीतन्त्रको समन्वयमा देखिएको।
- जनउत्तरदायी शासन प्रणालीको विकास पूर्ण रूपमा स्थापित भई नसकेको।
- सबै कार्यालयलाई कर सूचनामैत्री तथा प्रविधियुक्त बनाउन ठूलो बजेटको आवश्यकता पर्ने।

##### ग) सम्भावना तथा अवसर

###### सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- गाउँपालिकाको सेवा प्रवाहलाई चुस्त दुरुस्त बनाउन स्थानीय सरकारमा सम्पूर्ण अधिकार प्राप्त भएको।
- गाउँपालिकाले कर्मचारीहरूलाई कामप्रती उत्प्रेरित गर्न तथा सेवाप्रवाह हुने सेवाको गुणस्तर वृद्धि गर्न प्रोत्साहनमूलक कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्ने नीति अगाडी सारेको।
- गाउँपालिकाले न्यायिक समितिको कार्यसम्पादन क्षेत्राधिकारका विषयमा नागरिक तथा विद्यालयहरूमा न्यायिक शिक्षा कार्यक्रम सञ्चालन गर्ने नीति लिएको।
- पालिकाले “हाम्रो पालिका: प्रविधिमैत्री पालिका” भन्ने नारालाई साकार पार्न गाउँपालिकाको सबै गतिविधि र सूचनामा नागरिकको पहुँच अभिवृद्धि गरी सार्वजनिक सेवा प्रवाहलाई उच्चतम प्रविधिमैत्री बनाई क्रमशः पेपरलेस, फेसलेस स्थानीय सरकारको अवधारणा अगाडी बढाउने नीति लिएको।
- गाउँपालिकाले सेवाग्राहीको घर आगनमै सेवा उपलब्ध गराउन घुम्ती सेवाका कार्यक्रमहरूलाई निरन्तरता दिदै थप प्रभावकारी बनाउने नीति अगाडी सारेको।

सबल पक्ष: मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- कार्यपालिकाको निर्णय ४८ घण्टाभित्र सार्वजनिक गरी जनताप्रति उत्तरदायी हुने संस्कार विकास गर्न सकिने ।
- गाउँपालिका विभिन्न सेवा र कर्मको क्षेत्रमा ख्याती प्राप्त गरेका व्यक्तिहरूको Think Tank निर्माण गरी पालिकाको विकास र समुन्नतिको लागि बौद्धिक लाभ लिने कार्यलाई निरन्तरता दिने नीति लिएको ।
- न्यायिक समितिलाई आफ्नो अधिकार क्षेत्रभित्रका विवाद व्यवस्थापन गर्न क्षमता विकास गर्ने ।
- स्थानीय सरकार स्वायत्त भएका कारण गाउँपालिकाको वस्तुगत अवस्था हेरी आवश्यकता अनुसार असल शासन अभिवृद्धि, मानव संसाधन विकास, योजना निर्माण तथा कार्यान्वयन र सेवा प्रवाहलाई जनमूखी र प्रभावकारी बनाउन सकिने ।
- विद्यमान सूचना प्रविधिको सदुपयोग गरी अन्य स्थानीय सरकारले गरेका उत्कृष्ट अभ्यासहरूको अनुशरण गर्न सकिने ।
- जनगुनासोलाई तत्काल सम्बोधन गरी जनताको मन जित्न सकिने ।

घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

दीर्घकालीन सोच

सुनिलस्मृति गाउँपालिकाको सरोकार जनमुखी सरकार

लक्ष्य

सेवा प्रवाहलाई छिटो, छरितो, सुलभ जनउत्तरदायी र प्रभावकारी बनाई जनचासोमा केन्द्रित हुने ।

उद्देश्यहरू

- ✓ भ्रष्टाचारमुक्त असल शासनको प्रत्याभूति गरी सेवा प्रवाहलाई जनमूखी बनाउनु ।

उद्देश्य १: भ्रष्टाचारमुक्त असल शासनको प्रत्याभूति गरी सेवा प्रवाहलाई जनमूखी बनाउनु

रणनीति	कार्यनीति
१.१ जनचासोमा केन्द्रित जनमुखी सरकार महशुस हुने सेवा प्रणाली प्रवर्द्धन गर्ने ।	१.१.१ नियमित रूपमा नागरिक सन्तुष्टि सर्वेक्षण गरी राज्यद्वारा प्रवाह हुने सेवामा रहेका जन गुनासो र चासोको अध्ययन गरिनेछ ।
	१.१.२ राज्यको कानूनको परिधिमा रही सेवा प्रवाहलाई दुरुस्त बनाउन नागरिक सर्वेक्षणका आधारमा कर्मचारी अभिमूखीकरण कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.३ वडास्तरमा आवश्यकता अनुसार “घुम्ती स्थानीय सरकार” कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.४ सेवा प्रवाहलाई दुरुस्त राख्न विद्युतीय सूचना प्रणालीमा रुपान्तरण गर्न आवश्यक Software हरूको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.१.५ कर्मचारीहरूलाई सूचना प्रविधिमैत्री बनाउन आवश्यक तालिमको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.१.६ जनगुनासो व्यवस्थापन प्रणाली र कार्ययोजना निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.७ सूचना प्रविधिमा वडाका कृयाकलापलाई समेट्न आवश्यक पूर्वाधार खरिद गरिनेछ ।
	१.१.८ इन्टरनेट सुविधाको स्तर वृद्धि गरी प्रत्येक वडामा सुनिश्चित गरिनेछ ।
	१.१.९ सार्वजनिक अभिलेख प्रणाली र पञ्जिकरणलाई प्रविधिमैत्री र पूर्ण अद्यावधिक हुने संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.१० स्थानीय न्यायिक समितिलाई स्रोत साधनयुक्त बनाइनेछ ।
	१.१.११ स्थानीय सञ्चार माध्यममार्फत स्थानीय सरकार रेडियो कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.१२ उत्कृष्ट कर्मचारी पुरस्कारको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.१.१३ सार्वजनिक सूचना प्रणालीमा जनताको सहज पहुँच हुने संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।

उद्देश्य १: भ्रष्टाचारमुक्त असल शासनको प्रत्याभूति गरी सेवा प्रवाहलाई जनमूखी बनाउनु

रणनीति	कार्यनीति
	१.१.१४ वडा तहमा व्यवस्थित रुपमा मेलमिलाप केन्द्र स्थापना गरी जनताको पहुँचमा न्याय पुऱ्याइनेछ ।
	१.१.१५ विकासमा निजी क्षेत्रको सहयोग लिन नियमित अन्तरक्रिया आयोजना गरिनेछ ।
	१.१.१६ संगठन व्यवस्थापन सर्वेक्षण बमोजिम दरबन्दी व्यवस्थापन गरिनेछ ।
	१.१.१७ जनप्रतिनिधि र कर्मचारी केन्द्रित क्षमता विकास सुशासन र सदाचार सम्बन्धी तालिम तथा अभिमूखीकरण गरिनेछ ।
	१.१.१८ पूँजीगत खर्चको पात्रो तयार गरी सार्वजनिक खर्च अन्तर्गत पूँजीगत खर्च क्षमता विकास गरिनेछ ।
	१.१.१९ विकास निर्माणमा प्रगति विवरणलाई जनतासामु नियमित सार्वजनिक गर्न सूचना प्रविधिको विकास गरी सहज र पहुँच योग्य बनाइनेछ ।
	१.१.२० आयोजना तथा निर्माणस्थलमा आयोजनाको विस्तृत विवरण सम्बन्धी बोर्ड अनिवार्य राखिनेछ ।
	१.१.२१ सार्वजनिक सुनुवाईका कार्यक्रम नियमित गरिनेछ ।
	१.१.२२ गाउँपालिकाबासीसँग प्रत्यक्ष सरोकार राख्ने 'हेलो सुनिलस्मृति' कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.२३ योजना प्रभावकारिता मूल्याङ्कन संयन्त्र निर्माण गरिनेछ ।
	१.१.२४ प्रविधिको विकास गरि सेवालालाई सहज, पारदर्शी र गुणस्तर बनाइनेछ ।
	१.१.२५ सदाचार नीति प्रभावकारी रुपमा कार्यन्वयन गरिनेछ ।
	१.१.२६ अन्य पालिकाका सफल अभ्यास र अनुभवको आदान प्रदान परिपाटीको विकास गरिनेछ ।
	१.१.२७ सेवाग्राही सन्तुष्टि सर्वेक्षण गरि पृष्ठपोषण लिन पद्धति अवलम्बन गर्दै प्रविधिमैत्री कर्मचारी संरचनाको निर्माण गरिनेछ ।

सुशासन तथा सेवा प्रवाहको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	नियमित नागरिक सन्तुष्टि सर्वेक्षण						
		१.१.२	सर्वेक्षणका आधारमा कर्मचारी तथा जनप्रतिनिधि अभिमूखीकरण						
		१.१.३	घुम्ती स्थानीय सरकार कार्यक्रम						
		१.१.४	Governance Software खरिद						
		१.१.५	IT तालिम (कर्मचारी)						
		१.१.६	गुनासो सम्बोधन पूर्वाधार खरिद						
		१.१.७	सूचना प्रविधि पूर्वाधार खरिद						
		१.१.८	इन्टरनेट स्तरवृद्धि र सेवा विस्तार						
		१.१.९	सार्वजनिक अभिलेख र पञ्जिकरण प्रविधि मैत्री र पूर्ण अद्यावधिक हुने संयन्त्र निर्माण						
		१.१.१०	न्यायिक समिति क्षमता विकास						
		१.१.११	स्थानीय सरकार रेडियो कार्यक्रम सञ्चालन						
		१.१.१२	उत्कृष्ट कर्मचारीलाई पुरस्कारको व्यवस्था						
		१.१.१३	सार्वजनिक सूचना व्यवस्थापन प्रणाली निर्माण						
		१.१.१४	मेलमिलाप केन्द्र स्थापना						
		१.१.१५	निजी क्षेत्र अन्तरक्रिया						
		१.१.१६	O and M Survey बमोजिम दरबन्दी व्यवस्थापन						
		१.१.१७	जनप्रतिनिधि तथा कर्मचारी क्षमता विकास सम्बन्धी पुर्नताजगी तालिम						
		१.१.१८	पूँजीगत खर्च पात्रो निर्माण						

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
		१.१.१९	विकास निर्माण प्रगति विवरण Display Board निर्माण						
		१.१.२०	आयोजना स्थल विवरण प्रकाशन						
		१.१.२१	सार्वजनिक सुनुवाई सञ्चालन						
		१.१.२२	'हेलो सुनिलस्मृति' कार्यक्रम सञ्चालन						
		१.१.२३	योजना प्रभावकारिता मूल्याङ्कन संयन्त्र निर्माण						
		१.१.२४	सेवाको सहजता, पारदर्शिता र गुणस्तरता कायम						
		१.१.२५	सदाचार नीति प्रभावकारी रूपमा कार्यान्वयन						
		१.१.२६	सफल अभ्यास र अनुभवको आदान प्रदान परिपाटीको विकास						
		१.१.२७	प्रविधिमैत्री कर्मचारी संरचनाको निर्माण						

### ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

जनचासोमा केन्द्रित जनमूखी सरकार महशुस हुने सेवा प्रणालीको विकास भएको हुनेछ ।

## नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	सुशासन तथा सेवा प्रवाह				
	प्रतिफल	विगत १२ महिनाको अवधिमा सरकारी कर्मचारीसँग कम्तीमा १ पटक सम्पर्क भएका र उनीहरूलाई घुस दिएका वा मागिएका व्यक्ति (१६.५.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	सेवा प्रवाह सन्तुष्टि सर्वेक्षण	संख्या		
	प्रतिफल	सार्वजनिक सुनुवाई	संख्या	३	३
	प्रतिफल	विगत १२ महिनामा सरकारी कर्मचारीलाई काम गराउँदा घुस वा उपहार दिन बाध्य पारिएका व्यक्तिको संख्या (१६.५.१.१) (प.दि.वि.ल.)	संख्या		
	प्रतिफल	अनुगमन	संख्या		
	असर	पूँजीगत बजेट खर्च	प्रतिशत		
	असर	लक्षित आयोजना सम्पन्न	प्रतिशत		
	प्रतिफल	न्यायिक समितिबाट फर्स्योट मुद्दा संख्या (वार्षिक)	संख्या	२४	
	प्रतिफल	जनगुनासो संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	गुनासो सम्बोधन प्रणालीबाट सम्बोधन भएका गुनासा	संख्या		
	प्रतिफल	कर्मचारी जनप्रतिनिधि तालिम अभिमूखीकरण	संख्या	१	१
	प्रतिफल	सूचना प्रविधिमा आबद्ध सूचना संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	स्थानीय रेडियो कार्यक्रम प्रसारण	संख्या	२	
	प्रतिफल	निजी क्षेत्र अन्तरक्रिया	संख्या	३	६

### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता तथा आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ८.१.२ मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय

### क) पृष्ठभूमि

मानवियता, मानवहित र सामाजिक न्यायका निमित्त आम नागरिकलाई मानव अधिकारको महत्व र आवश्यकता बारे ज्ञान हुनुपर्दछ। आधारभूत तहमा मौलिक हकको रूपमा नेपालको संविधानले प्रत्याभूत गरेका मानवअधिकार उपभोगको सुनिश्चितता गर्ने राज्य र राज्यद्वारा परिचालित राज्यका यन्त्रहरू जस्तै प्रशासन, प्रहरी र राज्यका संवैधानिक अंगहरू जस्तै न्यायालय, मानव अधिकार आयोग, स्थानीय न्यायिक समिति आदि हुन्। स्थानीय सरकारको प्रमुख दायित्व अन्तर्गत मानव अधिकार प्रत्याभूत गर्नु र सामाजिक न्याय कायम गर्नुपर्ने भएकोले स्थानीय विकास योजनाका यी विषयको सम्बोधन गरिएको छ।

### ख) समस्या तथा चुनौती

#### दुर्बल पक्ष : प्रमुख समस्याहरू र चुनौतीहरू

- समाजमा सामाजिक जागरणको अवस्था कमजोर भएको।
- परम्परागत रूपमा रहेका अन्धविश्वास, कुरीति, कु-संस्कार र भेदभावपूर्ण सामाजिक प्रणालीका कारण सामाजिक न्याय संकटमा परेको।
- अशिक्षा, अज्ञानता र पछ्यौटेपन कायमै रहेको।
- गरिबी र विपन्नता कायमै रहेको।
- मानव अधिकारयुक्त पूर्ण सामाजिक न्याय स्थापित गर्ने चुनौती भएको।

### ग) सम्भावना तथा अवसर

#### सबल पक्ष : मुख्य सम्भावना र अवसरहरू

- मानव अधिकारको विश्वव्यापी घोषणापत्रका प्रमुख मूल्य र मान्यतालाई नेपालको संविधानले आत्मसाथ गरी मौलिक हकमा व्यवस्था गरेको।
- गाउँपालिकाले मेलमिलाप केन्द्र सञ्चालन सम्बन्धी कार्यविधि निर्माण गरेको।
- स्थानीय सरकारलाई मानवअधिकार रक्षा गर्ने अधिकार प्राप्त भएको।
- स्थानीय न्यायिक समितिको प्रबन्ध भएको।
- स्वतन्त्र न्यायपालिकाको परिकल्पना गरी न्याय सम्पादन संयन्त्र निर्माण भएको।
- स्थानीयस्तरमा मानव अधिकार र सामाजिक न्यायका पक्षमा जनचेतना वृद्धि हुँदै गएको।

### घ) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

#### दीर्घकालीन सोच

सामाजिक रूपले न्यायपूर्ण समाजको निर्माण

#### लक्ष्य

मानव अधिकार उल्लङ्घनका घटनाहरूमा उल्लेख्य कमी ल्याई मौलिक हक प्रत्याभूत गर्ने।

#### उद्देश्यहरू

- ✓ मानव अधिकारको प्रत्याभूति गरी न्यायपूर्ण समाजको निर्माण गर्नु।



उद्देश्य १: मानव अधिकारको प्रत्याभूति गरी न्यायपूर्ण समाजको निर्माण गर्नु ।

रणनीति	कार्यनीति
१.१ मानव बेचबिखन तथा शोषणका दृष्टिकोणले संवेदनशील व्यक्ति तथा समूह पहिचान गरी व्यापक जनचेतना अभिवृद्धि र सशक्तिकरण गर्ने ।	१.१.१ मानव बेचबिखन र ओसार पसारका दृष्टिकोणले अत्यन्त जोखिममा रहेका वर्ग क्षेत्र र समुदायको शुष्म ढंगले अध्ययन गरी स्थितिपत्र तयार पारिनेछ ।
	१.१.२ मानवअधिकार उल्लङ्घन तथा मानवबेचबिखन र ओसारप्रसार विरुद्ध व्यापक रूपमा जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन गर्न स्थानीय सञ्चार माध्यम, सामाजिक सञ्जाल र पत्रकारहरूको सहयोग लिइनेछ ।
	१.१.३ यौन हिंसा, यौन शोषण र बलात्कार जस्ता जघन्य अपराध न्यूनीकरण गर्न कानुनी उपचार खोज्न र दोषिलाई कानुनको दायरामा ल्याउन प्रत्येक वडामा महिला अधिकारकर्मी तथा समाजसेवी, राजनीतिक नेतृहरूको अगुवाइमा एक सशक्त मानव अधिकार सेलको गठन गरिनेछ ।
	१.१.४ बेपत्ता पारिएका, द्वन्द पिडित, बेचबिखनमा परेका, शहिद परिवार, लक्षित परिवारको लगत संकलन गरी उनीहरूको सशक्तिकरणका तथा सामाजिक पुन स्थापनाका लागि विशेष प्याकेज निर्माण गरी आयआर्जन र सामाजिक एकीकरणलाई सहज बनाइनेछ ।
	१.१.५ मानव अधिकार उल्लङ्घनका घटनाहरू न्यायिक समितिमा दर्ता गर्न वडास्तरीय महिला सेललाई सक्रिय तुल्याउन सचेतना कार्यक्रम सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.१.६ माध्यमिक तहमा अध्ययनरत छात्र छात्रा केन्द्रित यौन हिंसा, यौन शोषण, बलात्कार दाइजो र बाल अधिकारका विषयमा हरेक महिनामा एक पटक हुनेगरी घुम्ती कक्षा सञ्चालनको व्यवस्था मिलाइनेछ ।
	१.१.७ न्यायमा पहुँच नभएका विपन्न वर्गहरूलाई निःशुल्क कानूनी परामर्श सेवा दिन संस्थागत व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.१.८ संविधान प्रदत्त सबै मौलिक हकहरूको कार्यान्वयन गराउन आवश्यक संयन्त्रको विकास गर्न एक अध्ययन गरी आवश्यक स्थानीय कानुन र राज्यका यन्त्रको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.१.९ न्यायिक समितिलाई थप पुर्वाधारयुक्त बनाई पर्याप्त दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था गरिनेछ ।
	१.१.१० वडास्तरीय मेलमिलाप समितिको अनुगमन तथा व्यवस्थापनलाई अभि सक्रिय बनाइनेछ ।
१.१.११ आम जनसमुदायलाई स्थानीय अदालतबाट दिइने सेवामा सहज र फराकिलो पहुँच पुऱ्याउने तर्फ अगाडी बढ्ने नीति अख्तियारी गरिनेछ ।	

**मानव अधिकार तथा सामाजिक न्यायको विस्तृत कार्यक्रम**

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौं वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	जोखिम समूह र व्यक्तिको पहिचान	५०					
		१.१.२	सामाजिक सञ्जाल तथा स्थानीय सञ्चार माध्यममार्फत जनचेतनामूलक कार्यक्रम	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.१.३	वडास्तरीय मानव अधिकार सेल गठन	१००					
		१.१.४	आर्थिक तथा सामाजिक सशक्तिकरणका लागि लक्षित समूह आय आर्जन कार्यक्रम	१००	२००	२५०	३००	४००	
		१.१.५	मानवअधिकार उल्लङ्घनका घटना दर्ता गर्न महिला सेल अभिमूखीकरण	३०	३०	३०	३०	३०	
		१.१.६	मानवअधिकार विषयक विद्यालय घुम्ती कक्षा सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.१.७	निःशुल्क कानूनी परामर्श सेवा सञ्चालन	६०	६०	६०	६०	६०	
		१.१.८	मौलिक हक कार्यान्वयन स्थिति बारे अध्ययन	२००					
		१.१.९	न्यायिक समितिमा पर्याप्त दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था	१००					
		१.१.१०	वडास्तरीय मेलमिलाप समितिको अनुगमन तथा व्यवस्थापन		१००				
		१.१.११	आम जनसमुदायलाई सेवामा सहज र फराकिलो पहुँच पुऱ्याउने नीति अख्तियारी	१००					

**ड) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका**

- ✓ मानवअधिकार उल्लङ्घन, मानव बेचबिखन, यौन हिंसा र शोषण लगायतका सामाजिक अपराधका घटनाहरूमा महशुस हुने गरी कमी आएका हुनेछन् ।

### नतिजा सूचक

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	मानव अधिकार तथा सामाजिक न्याय				
	प्रतिफल	जोखिममा परेका व्यक्तिको संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	मानव अधिकार सेल संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	लक्षित समूह आय आर्जन कार्यक्रम संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	न्यायिक समितिमा दर्ता भएका मानव अधिकार उल्लङ्घनका संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	मानव अधिकार विषयक घुम्ती कक्षा संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	निःशुल्क कानुनी परामर्शबाट दर्ता भएका मुद्धा संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	यौन हिंसाका घटना (दर्ता संख्या)	संख्या		
	प्रतिफल	मानव बेचबिखनमा परेका संख्या	संख्या		

### च) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता तथा आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठुलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## ८.१.३ तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन तथा लेखा व्यवस्थापन

### क) पृष्ठभूमि

कुनै पनि विकास योजनालाई सफल रूपमा कार्यान्वयन गर्न वस्तुनिष्ठ सूचनाको अनिवार्यता हुन्छ। गाउँपालिकाले राजस्व प्रणालीमा कर नतिर्ने, कर वक्यौता राख्ने तथा पटक पटक सूचना प्रवाह गर्दा समेत अटेर गर्ने करदाताको एकीकृत विवरण राजश्व प्रणालीमा आबद्ध गरी त्यस्ता करदाताको लागि गाउँपालिका र मातहतका कार्यालयबाट सेवा सुविधा दिनु पूर्व अनिवार्य रूपमा बाँकी कर वक्यौता भुक्तानी गर्न लगाउने कार्यगत व्यवस्था कडाईका साथ लागू गर्ने लक्ष्य लिएको छ। गाउँपालिकामा गरिने हरेक विकासका क्रियाकलापहरू र समग्र वस्तुस्थितिलाई कतिपय अवस्थामा परिमाणमा प्रतिबिम्बित गर्न मिल्दछ। तसर्थ हरेक क्रियाकलापलाई परिमाणमा देखाउँदा विकास र समृद्धिको मापन गर्न सहज हुनुका साथै यथार्थमा गाउँपालिकाको स्थितिबारे थाहा पाउन सकिन्छ। यसका लागि हरेक सूचनालाई अद्यावधिक गर्ने सूचना तथा तथ्याङ्क प्रणालीको आवश्यकता रहन्छ। अर्कोतर्फ राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन र लेखा व्यवस्थापन नियमित र वैज्ञानिक नहुँदा राज्यको स्रोत र साधनको व्यापक दुरुपयोग हुन सक्ने जोखिम रहन्छ। यी पक्षहरूलाई ध्यानमा राखी तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन र लेखा व्यवस्थालाई सुदृढ गर्नुपर्ने भएकोले यो खण्ड तयार पारिएको छ।

### ख) उपक्षेत्रगत लक्ष्य, उद्देश्य, रणनीति, कार्यक्रम तथा आयोजना

<b>दीर्घकालीन सोच</b>
चुस्त तथ्याङ्क तथा वित्तीय व्यवस्थापन
<b>लक्ष्य</b>
सूचना प्रविधिको महत्तम प्रयोग मार्फत तथ्याङ्क र वित्तीय व्यवस्थापनलाई चुस्त र दुरुस्त राख्ने।
<b>उद्देश्यहरू</b>
✓ स्थानीय सरकारसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण महत्वपूर्ण सूचनाहरूलाई सहज, पहुँच योग्य र व्यवस्थित बनाउँदै वित्तीय व्यवस्थापन अब्बल तुल्याउनु।

उद्देश्य १ : स्थानीय सरकारसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण महत्वपूर्ण सूचनाहरूलाई सहज, पहुँच योग्य र व्यवस्थित बनाउँदै वित्तीय व्यवस्थापन अब्बल तुल्याउनु।

रणनीति	कार्यनीति
१.१ सुदृढ अभिलेख प्रणालीको विकास गर्ने।	१.१.१ सूचना प्रविधिको प्रयोग गरी स्थानीय सरकारसँग सम्बद्ध सबै सूचना र तथ्याङ्कको व्यवस्थापन गर्न एक साधन सम्पन्न तथ्याङ्क तथा सूचना इकाई निर्माण गरिनेछ।
	१.१.२ सबै प्रकारका सूचनाहरू अद्यावधिक हुने स्वचालित अभिलेखाङ्कन प्रणाली तयार पार्न अध्ययन गरी software हरू खरिद गरिनेछ।
	१.१.३ अभिलेख इकाईमा आवश्यक दरबन्दीको प्रबन्ध गरिनेछ।
	१.१.४ सबै वडाहरूमा अनलाईन मार्फत राजश्व संकलनको दायरा विस्तार गरिनेछ।
१.२ आर्थिक प्रशासन सम्बन्धी संस्थागत संयन्त्र निर्माण गरी वित्तीय	१.२.१ सार्वजनिक खर्चका मापदण्ड र मितव्ययिता कायम हुने नीति निर्माण गरी लागू गरिनेछ।
	१.२.२ अनुगमन प्रणालीलाई दुरुस्त बनाउन वार्षिक कार्य योजना तयार पारिनेछ।

उद्देश्य १ : स्थानीय सरकारसँग सम्बन्धित सम्पूर्ण महत्वपूर्ण सूचनाहरूलाई सहज, पहुँच योग्य र व्यवस्थित बनाउँदै वित्तीय व्यवस्थापन अब्बल तुल्याउनु ।

रणनीति	कार्यनीति
व्यवस्थापनलाई प्रभावकारी तुल्याउने ।	१.२.३ राजश्व संकलनलाई करदाता मैत्री बनाउन आवश्यक अध्ययन गरी सोहि अनुसारको प्रणाली विकास गरिनेछ ।
	१.२.४ सम्पूर्ण व्यवसायलाई दर्ता गरी करको दायरामा ल्याउन घुम्ती व्यवसाय दर्ता अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.५ राज्यलाई तिरेको कर कसरी जनताका लागि खर्च हुन्छ भन्ने स्थापित गर्न कर शिक्षा कार्यक्रम नियमित सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.६ राजश्वका स्रोतहरूको पहिचान गर्न राजश्व सुधार कार्य योजना तयार गरी लागू गरिनेछ ।
	१.२.७ गाउँपालिकाका ठूला करदातालाई सार्वजनिक सम्मान गरिनेछ ।
	१.२.८ सीमान्तकृत वर्ग र महिला उद्यमीलाई व्यवसाय सञ्चालन गर्न मापदण्डका आधारमा विशेष सहुलियतको प्रबन्ध गरिनेछ ।
	१.२.९ गाउँपालिकाको आयव्ययको विवरण नियमित रूपमा प्रकाशन गर्ने प्रबन्ध मिलाइनेछ ।
	१.२.१० गाउँपालिकाबासीलाई कर तिर्न प्रेरित गरिनेछ ।
	१.२.११ अधिकतम कर संकलनका लागि, कर तिर्नै आफ्नै लागि भन्ने अभियान सञ्चालन गरिनेछ ।
	१.२.१२ कर दर निर्धारण पद्धति तथा असुलीमा नीतिगत स्पष्टता कायम गरिनेछ ।

तथ्याङ्क व्यवस्थापन, राजश्व परिचालन, वित्तीय अनुशासन तथा लेखा व्यवस्थापनको विस्तृत कार्यक्रम

उद्देश्य	रणनीति	कार्यनीति	कार्यक्रम	बजेट (रु. हजारमा)					जिम्मेवार निकाय
				पहिलो वर्ष	दोस्रो वर्ष	तेस्रो वर्ष	चौथो वर्ष	पाँचौँ वर्ष	
१.	१.१	१.१.१	तथ्याङ्क तथा सूचना इकाई गठन	१००					
		१.१.२	सूचना अभिलेखाङ्कन Software खरिद तथा निरन्तर अद्यावधिक	३००					
		१.१.३	अभिलेख इकाईमा दरबन्दी व्यवस्थापन	५०					
		१.१.४	अनलाईन मार्फत राजश्व संकलनको दायरा विस्तार						
	१.२	१.२.१	सार्वजनिक खर्चको मापदण्ड निर्माण		५०				
		१.२.२	अनुगमन वार्षिक कार्ययोजना तयारी	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.३	करदातामैत्री राजश्व संकलन प्रणाली निर्माण अध्ययन	१००					
		१.२.४	घुम्ती व्यवसाय दर्ता अभियान सञ्चालन	५०	६०	७०	८०	९०	
		१.२.५	करदाता शिक्षा कार्यक्रम	६०	६५	७०	७०	७५	
		१.२.६	राजश्व सुधार कार्ययोजना कार्यान्वयन	५००					
		१.२.७	ठूला करदाता सम्मान	५०	५०	५०	५०	५०	
		१.२.८	व्यवसाय दर्ता छुट (लक्षित समुदाय) तथा अनुदान	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.२.९	गाउँपालिकाको आयव्यय नियमित प्रकाशन प्रणाली निर्माण		५००				
		१.२.१०	“कर तिरौँ गाउँ विकासमा योगदान गरौँ” कार्यक्रम सञ्चालन	१००	१५०	२००	२५०	३००	
		१.२.११	कर तिरौँ आफ्नै लागि भन्ने अभियान सञ्चालन	१००	१००	१००	१००	१००	
		१.२.१२	कर दर निर्धारण पद्धति तथा असुलीमा नीतिगत स्पष्टता						

ग) अपेक्षित उपलब्धि तथा नतिजा खाका

- ✓ लक्षित समुदायलाई व्यवसाय दर्तामा छुट तथा अनुदान दिइएको हुने,
- ✓ गाउँपालिकाको आय व्यय नियमित प्रकाशन गर्ने प्रणालीको विकास भएको हुनेछ ।

## नतिजा सूचकहरू

क्र.सं.	नतिजाको तह	नतिजा सूचक	इकाई	आधार वर्ष	अन्तिम वर्ष
१.	तथ्याङ्क व्यवस्थापन राजश्व परिचालन				
	प्रतिफल	तथ्याङ्क व्यवस्थापन प्रणालीमा आबद्ध सूचना प्रणाली संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	करदाता शिक्षा कार्यक्रम संख्या	संख्या		
	असर	कूल बजेटमा आन्तरिक राजश्व वा करको हिस्सा (प्रतिशत) (१७.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कूल स्वीकृत बजेटको खर्च प्रतिशत (वार्षिक)	प्रतिशत		
	प्रतिफल	दर्ता भएका व्यवसाय संख्या	संख्या		
	प्रतिफल	राजश्व संकलन हुने शिर्षक संख्या	संख्या		
	असर	कूल बजेटको अनुपातमा संघीय र प्रादेशिक सरकारबाट प्राप्त अनुदान प्रतिशत (१७.३.१.१) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		
	असर	कूल बजेटको अनुपातमा राजश्व बाँडफाँडबाट प्राप्त रकम प्रतिशत (१७.३.१.२) (प.दि.वि.ल.)	प्रतिशत		

### घ) अनुमान तथा जोखिम पक्ष

- पूर्ण राजनीतिक स्थिरता तथा आवश्यक बजेटको व्यवस्था हुनेछ ।
- दक्ष जनशक्ति, निर्माण सामग्री तथा प्रविधिको सहज उपलब्धता हुनेछ ।
- कुनै प्रकारको ठूलो स्तरको प्राकृतिक विपत्ति आइ लाग्ने छैन ।
- स्थानीय स्तरबाट कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- कामको थालनी पश्चात् काममा नियमितता हुनेछ ।
- निर्माण सामग्रीको आपूर्तिमा कुनै प्रकारको अवरोध हुने छैन ।
- सार्वजनिक र निजी क्षेत्रको साभेदारी प्रभावकारी हुनेछ ।
- सार्वजनिक खरिद प्रक्रिया सरल हुनेछ ।

## परिच्छेद - ९: कार्यान्वयन व्यवस्था

### ९.१ पृष्ठभूमि

नेपाल सरकार, राष्ट्रिय योजना आयोगले तोकेको ढाँचा बमोजिम कुनै पनि स्थानीय सरकारले विकासका कार्यक्रमहरू तय गर्दा विशेषतः स्थानीय वस्तुगत अवस्थाको आधारमा स्थानीयबासीका आधारभूत आवश्यकताहरू जस्तै भौतिक पूर्वाधार, आर्थिक वृद्धि, सामाजिक विकास, वातावरणीय सन्तुलन तथा संस्थागत सेवा प्रवाहमा प्रत्यक्ष रूपमा सहयोग पुऱ्याई समग्र विकासलाई सन्तुलित र नतिजामूखी ढङ्गले कार्यान्वयन गर्न प्रभावकारी सिद्ध हुने गरी गर्नुपर्दछ।

### ९.२ विषयक्षेत्र अनुसार अनुमानित बजेट

क्र.सं.	विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र	रकम रु हजारमा				
		आ.व. २०८०/०८१ को यथार्थ	आ.व. को २०८१/०८२ को संशोधित अनुमान	आ.व. २०८२/०८३ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८४/०८५ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८५/०८६ को प्रक्षेपण
१.	<b>आर्थिक क्षेत्र</b>	१२४३२०००	१६४०३०००	१८०४३३००	२१८३२३९३	२४०१५६३२.३
	कृषि विकास तथा पशुविकास					
	सहकारी तथा रोजगारी प्रवर्द्धन					
	पर्यटन तथा उद्योग वाणिज्य					
२.	<b>सामाजिक क्षेत्र</b>	२८८३०४०००	४५०८००००	४९५८८०००	६०००१४८०	६६००१६२८
	शिक्षा विकास					
	स्वास्थ्य सेवा					
	युवा तथा खेलकुद					
	भाषा कला साहित्य संस्कृति					
	खानेपानी तथा सरसफाई					



क्र.सं.	विषय क्षेत्र/उपक्षेत्र	रकम रु हजारमा				
		आ.व. २०८०/०८१ को यथार्थ	आ.व. को २०८१/०८२ को संशोधित अनुमान	आ.व. २०८२/०८३ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८४/०८५ को प्रक्षेपण	आ.व. २०८५/०८६ को प्रक्षेपण
	लैङ्गिक समानता, महिला शसक्तिकरण र सामाजिक समावेशीकरण					
३.	पूर्वाधार	१०१९८००००	६८२८३०००	७५११३००	९०८८४६७३	९९९७३१४०.३
	शहरी पूर्वाधार, भू-उपयोग तथा वस्ती विकास					
	सूचना तथा प्रविधि एवं डिजिटल प्रणाली					
४.	वातावरण	११०००००	३३०००००	३६३००००	४३९२३००	४८३१५३०
	वातावरण तथा सरसफाई र हरियाली प्रवर्द्धन					
	विपद् व्यवस्थापन/वन वातावरण					
५.	संस्थागत विकास	१०५८०००००	१२३०७२०००	१३५३७९२००	१६३८०८८३२	१८०१८९७१५.२
	राजश्व प्रशासन					
	कर्मचारी प्रशासन, जनशक्ति विकास तथा सुशासन					
	सेवा प्रवाह र प्रशासन					

### १.३ स्रोत परिचालन रणनीति

स्थानीय सरकारका वित्तीय स्रोतहरू संघीय तथा प्रदेश सरकारबाट विभिन्न शिर्षकहरूमा प्राप्त हुने अनुदानहरू हुन् । यसका अलावा सहकारी, समुदाय र निजी क्षेत्रका साथै स्थानीयस्तरमा संकलन हुने राजश्व समेत वित्तीय स्रोतहरू हुन् । यसर्थ यी सम्पूर्ण स्रोतहरूको समुचित परिचालन मार्फत लक्ष्यहरू हासिल गर्न निम्न स्रोत परिचालन रणनीति तय गरिएको छ ।

१. सार्वजनिक, निजी, सहकारी साभेदारीको अवधारणा अवलम्बन गर्ने ।
२. वित्तीय संस्थाहरूसँग सहकार्य र समन्वय गर्ने ।
३. उत्पादनशील क्षेत्रमा लगानी अभिवृद्धि गर्ने ।
४. तीनै तहका सरकारहरूबीच सहकार्य गर्ने ।
५. निजी क्षेत्रको लगानी आकर्षण गर्ने नीति तय गर्ने ।
६. गैर आवासिय नेपालीको लगानी संकलन गरी विप्रेषणलाई उत्पादनशील क्षेत्रमा केन्द्रित गर्ने ।
७. अनुत्पादक खर्चलाई कटौती गर्ने ।
८. तुलनात्मक लाभका क्षेत्रमा लगानी केन्द्रित गर्ने ।
९. पूर्ण रूपमा पूर्व तयारी पश्चात मात्र आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट र बजेट विनियोजन गर्ने ।
१०. रकमान्तरलाई निरुत्साहित गर्ने ।
११. चालू खर्चको सिमा निर्धारण गरी पूँजीगत खर्च बृद्धि गर्ने ।
१२. स्थानीय गौरवका आयोजनाहरूको कार्यान्वयनलाई उच्च प्राथमिकतामा राख्ने र सोका लागि संघ र प्रदेश सरकारसँग सहकार्य गर्ने ।

सामान्यतया कुनैपनि कार्यक्रमलाई प्राथमिकताको आधारमा चार तहमा राखेर मूल्याङ्कन गर्न सकिन्छ ।

#### १. “अति उत्तम”- ३ अंक

“अति उत्तम” तह अन्तर्गत कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न **प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय** योगदान पुऱ्याउँछ । अर्थात् कुनैपनि स्थानमा आवागमनमा निकै कठिनता छ र सडकको स्तरोन्नति गर्ने कार्यक्रमले आवागमनलाई प्रत्यक्ष र उल्लेखनीय प्रभाव पार्दछ भने सो कार्यक्रम कार्यान्वयनका हिसाबले पहिलो प्राथमिकता तथा अति उत्तम वर्गमा पर्दछ । यस प्रकारका कार्यक्रममा सो शिर्षक अन्तर्गत विनियोजित बजेटको ५० प्रतिशत भन्दा बढी रकम पर्न आउँछ ।

#### २. “उत्तम”- २ अंक

“उत्तम” तह अन्तर्गत तोकिएको कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न **अप्रत्यक्ष तर उल्लेखनीय** योगदान पुऱ्याउँछ । अर्थात् कुनैपनि स्थानमा धार्मिक तथा अन्धविश्वासले सामाजिक कुरीति र जटिलता सिर्जना गरेको छ भने विद्यालय खोली शिक्षाको विकास गर्दा सामाजिक जटिलता न्यून गर्न अप्रत्यक्ष तथा उल्लेखनीय योगदान पुऱ्याउँछ । यस प्रकारको कार्यक्रम प्राथमिकताको हिसाबले दोस्रो प्राथमिकतामा पर्दछ भने यसलाई उत्तम मानी २ अंक प्रदान गर्नुपर्दछ । यस प्रकारको कार्यक्रममा समेत सम्बन्धित शिर्षक मध्ये ५० प्रतिशत भन्दा बढी बजेट विनियोजन हुन्छ ।

#### ३. “सामान्य”- १ अंक

“सामान्य” तह अन्तर्गत तोकिएको कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न **सामान्य वा कम** मात्र योगदान दिन्छ भने सो कार्यक्रममा विनियोजित रकम मध्ये ५० प्रतिशत भन्दा कम रकम मात्र छुट्याइन्छ । यस प्रकारको कार्यक्रम प्राथमिकताको आधारमा तेस्रो तहमा पर्दछ भने त्यसलाई १ अंक दिनुपर्दछ ।

#### ४. “न्यून”- ० अंक

“न्यून” तह अन्तर्गत तोकिएको कार्यक्रमले तोकिएको लक्ष्य प्राप्त गर्न न्यून वा योगदान नै नपुन्याउने हुन्छ। यस प्रकारको कार्यक्रम प्राथमिकतामा पर्दैन तसर्थ यसलाई शुन्य अंक प्रदान गरिन्छ।

यसरी कार्यक्रम प्राथमिककरण गर्दा विषय क्षेत्रगत विकास कार्यक्रम तथा उपक्षेत्रहरूका प्रत्येक कार्यक्रमहरूको मूल्याङ्कन गरी चार तहमा विभाजन गर्न सकिन्छ। अर्थात् उदाहरणको लागि भौतिक पूर्वाधार अन्तर्गत कुनै निश्चित स्थानदेखि अर्को स्थान जोड्न सडकको स्तरोन्नति गर्दा सो सडकले स्थानीयबासीको तत्कालीन वा दीर्घकालीन प्रमुख समस्या वा मागलाई कुन तहबाट सम्बोधन गर्न सक्छ भनी मूल्याङ्कन गर्नुपर्दछ। त्यसो गर्दा सो कार्यक्रम

अति उत्तम भए → पहिलो प्राथमिकता

उत्तम भए → दोस्रो प्राथमिकता

सामान्य भए → तेस्रो प्राथमिकता

न्यून भए → प्राथमिकतामा नपर्ने हुन्छ।

एवम रीतले प्रत्येक विषयगत क्षेत्र र सो क्षेत्र अन्तर्गतका उपक्षेत्रका सम्पूर्ण कार्यक्रमहरूलाई तोकिएको लक्ष्य हासिल गर्न कस्तो प्रकारको योगदान पुऱ्याउँछ भनी मूल्याङ्कन गर्दा माथि उल्लेखित तहहरूमा विभाजन गरेर प्राथमिकता निर्धारण गर्नुपर्दछ। यसकासाथै अन्य आधारमा :

- (१) चालु वार्षिक योजनाको फराकिलो आधारको समावेशी आर्थिक उद्देश्य वृद्धिको लक्ष्य प्राप्तमा कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (२) दिगो विकासका लक्ष्यहरू हासिल गर्न कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (३) जनसहभागिता सुनिश्चित गर्न कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (४) समावेशीकरणमा कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?
- (५) यदि सञ्चालित आयोजनाहरू छुन् भन्ने पूर्व कार्य प्रगति, सम्पन्न हुन लाग्ने समय वा कार्यान्वयन तयारीको अवस्था हेरी कुन तहको योगदान पुऱ्याउँछ ?

यसरी यी प्रश्नहरूले गर्दा कस्तो उत्तर आउँछ, सोको आधारमा कार्यक्रमलाई माथि उल्लेखित

“अति उत्तम”

“उत्तम”

“सामान्य” र

“न्यून” तहमा विभाजन गरी प्राथमिकता निर्धारण गर्न सकिन्छ साथै स्थानीय विकास गुरुयोजनाको मूल लक्ष्य स्थानीयबासीका आधारभूत आवश्यकता सम्बोधन गरी क्रमशः उच्च विकासतर्फ लम्कनु पर्ने भएकाले कार्यक्रम तय गर्दा वडास्तरमा निम्न बमोजिम गर्नुपर्दछ।

#### वडा तहका योजना छनौट तथा प्राथमिकीकरण

बस्ती तथा टोल स्तरमा कार्यक्रम बारे छलफल गर्दा दिगो विकास लक्ष्य प्राप्त गर्न मद्दत गर्ने कार्यक्रमबारे छलफल गर्नु पर्दछ। वडा तहअन्तर्गतका बस्ती र टोल स्तरको आयोजनाहरू छनौट गर्दा निम्नलिखित प्रक्रिया अवलम्बन गर्नुपर्ने हुन्छ।

-S\_ वडा समितिले आफ्नो वडामा प्रतिनिधित्व गर्ने सदस्यहरूलाई विभिन्न बस्ती/टोलको योजना तर्जुमा गर्न सहजीकरण गर्नेगरी जिम्मेवारी प्रदान गर्नुपर्ने हुन्छ।

(ख) प्रत्येक वडाले वडा भित्रका बस्ती र टोलहरूमा योजना तर्जुमाको लागि बैठक हुने दिन, मिति र समय कम्तिमा तीन दिन अगावै सार्वजनिक सूचनामार्फत् जानकारी गराउनु पर्नेछ।

- (ग) नगरपालिका/गाउँपालिका अन्तर्गतका वडाअन्तर्गत रहेका बस्ती/टोलको भेलामार्फत् बस्ती/टोलस्तरका आयोजना तथा कार्यक्रम छनौट गर्ने बस्ती तथा टोलस्तरमा आयोजना छनौट गर्दा समुदायको आवश्यकता पहिचान गरी आयोजना/कार्यक्रम छनौट गर्नुपर्ने हुन्छ ।
- (घ) बस्ती/टोल स्तरका योजना छनौट गर्दा सो बस्ती भित्रका सबै वर्ग र समुदाय, महिला, दलित, आदिवासी जनजाति, मधेशी, थारु, मुस्लिम, उत्पीडित वर्ग, पिछडा वर्ग, अल्पसंख्यक, सिमान्तकृत, युवा, बालबालिका, जेष्ठ नागरिक, लैङ्गिक तथा यौनिक अल्पसंख्यक, अपाङ्गता भएका व्यक्ति, पिछडिएको वर्ग आदि लगायत सबै समुदायको अर्थपूर्ण सहभागिताको सुनिश्चित गर्नुपर्ने हुन्छ ।
- (ङ) बस्ती/टोल भित्रका क्रियाशील सामुदायिक संस्थाहरू (टोल विकास संस्था, महिला/आमा समुह, बाल क्लब र सञ्जाल, युवा क्लब, स्थानीय गैर सरकारी संस्थाहरू, नागरिक सचेतना केन्द्र, विभिन्न सरकारी कार्यालयबाट गठन भएका समूहजस्ता समूहहरूलाई पनि सहभागी गराउनु पर्ने हुन्छ ।

माथि उल्लेख भए बमोजिमका सरोकारवालाहरूको अधिकतम सहभागिता हुने गरी वडा अध्यक्ष र सदस्यको संयोजनमा निर्धारित समय, मिति र स्थानमा उपस्थित भै आयोजना छनौटको सम्बन्धमा अन्तरक्रिया, छलफल, विमर्श गरी आयोजनाहरूको छनौट गर्नुपर्नेछ । यसरी बस्तीस्तरमा छनौट भएका आयोजना/कार्यक्रमहरूको सूची संयोजकले लिखित रूपमा तयार गरि वडा समितिमा पेश गर्नुपर्ने हुन्छ ।

वडा समितिहरूले टोल/बस्तीस्तरबाट प्राप्त आयोजना र कार्यक्रमहरूलाई विषय क्षेत्रअनुसार समूहकृत गरिन्छ । स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिबाट प्राप्त बजेट सीमा र मार्गदर्शनको आधारमा सम्बन्धित वडाहरूले बस्ती टोलबाट प्राप्त योजनाहरूमध्येबाट वडाको लागि प्राप्त बजेट सीमाको अधीनमा रही योजनाहरूको छनौट र प्राथमिकता निर्धारण समेत गरी बजेट तथा कार्यक्रम तर्जुमा समितिमा पेश गर्नुपर्ने हुन्छ ।

बस्ती टोलबाट योजना माग गर्दा वडास्तरका महत्वपूर्ण योजनाहरू छुट भएको अवस्थामा वडा समितिले त्यस्ता योजनाहरू वडा समितिको बजेट सीमा भित्र रही औचित्यको आधारमा समावेश गर्न सक्नेछ । वडाको बजेट सीमाभित्र कार्यान्वयन हुन नसक्ने गाउँस्तरीय महत्वपूर्ण आयोजनाहरू भएमा वडा समितिले गाउँपालिकामा छुट्टै सूची पठाउन सक्नेछ ।

वडा समितिले आयोजनाहरूको प्राथमिकीकरण गर्दा स्रोत अनुमान तथा बजेट सीमा निर्धारण समितिले तोकेको आधारहरू र दिगो विकास लक्ष्य प्राप्त गर्ने कार्यक्रमलाई विशेष ध्यान दिनुपर्ने हुन्छ । यसरी छनौट भएका योजनाहरूको प्राथमिकीकरणका साथ गाउँपालिकामा पठाउनुपर्ने हुन्छ ।

## ९.४ अनुगमन तथा मूल्याङ्कन योजना

### ९.४.१ अनुगमन

विकास योजनाको कार्यान्वयन समयमै सम्पन्न गर्न र आयोजनाको लक्ष्य, उद्देश्य प्राप्त गर्न विकास आयोजनाको प्रभावकारी अनुगमन आवश्यक पर्दछ । योजना, नीति, कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूमा लगानी तथा साधनको प्रवाह समुचित ढंगले भएको छ, छैन र कार्यतालिका अनुसार क्रियाकलापहरूको कार्यान्वयन भई लक्षित प्रतिफल प्राप्त हुने स्थिति छ, छैन भनी विभिन्न तहमा व्यवस्थापन वा व्यवस्थापनले तोकेको व्यक्ति तथा निकायबाट निरन्तर र आवधिक रूपमा निगरानी राख्ने कार्य अनुगमन हो । कुनैपनि कार्यक्रम आयोजनाको पहिचानको चरणदेखि कार्यान्वयन सम्पन्न भई सञ्चालन अवधिमा समेत अनुगमन गरिरहनु पर्छ । यसरी विभिन्न चरणमा गरिने अनुगमनबाट प्राप्त भएका नतिजा, सुझाव तथा सल्लाहलाई पृष्ठपोषणको रूपमा लिई आवश्यकता अनुरूप सुधार गर्दै जानुपर्ने हुन्छ ।

यसो भएमा मात्र विकास आयोजनाले गति लिई समयमै सम्पन्न गर्न मद्दत पुग्न जानेछ र विकासको लक्ष्य हासिल गर्न सकिने छ ।

## अनुगमन २ प्रकारले गर्न सकिने छः

१. आयोजना स्थलमै गएर योजनाको क्रियाकलाप बारेमा जानकारी लिने गरी गरिने अनुगमन ।
२. आयोजनाको क्रियाकलापको प्रगति विवरण माग्ने र प्राप्त गरी गरिने अनुगमन ।

तर दुवै प्रकारका अनुगमनमा देखिएका समस्याको समाधान गर्न तत्कालै आवश्यक कदम चल्नु पर्दछ नत्र अनुगमनको कुनै औचित्य रहदैन ।

अनुगमनका क्रममा योजना, नीति, कार्यक्रम तथा आयोजनाहरूमा निम्न कुराहरूको विश्लेषण गरिन्छ ।

- स्रोत साधनको प्राप्त र प्रयोग स्वीकृत बजेट र समय तालिका अनुसार भए नभएको
- अपेक्षित प्रतिफलहरू समयमै र लागत प्रभावकारी रूपमा हाँसिल भए नभएको
- कार्यान्वयन क्षमता के कस्ता छन् ?
- के कस्ता समस्या र बाधा व्यवधानहरू देखिएका छन् र तिनको समाधानका निमित्त के-कस्ता उपायहरू अवलम्बन गर्नुपर्छ ?

अनुगमनका क्रममा उर्पयुक्त पक्षहरूको बारेमा नियमित, व्यवस्थित र समयबद्ध रूपमा तथ्याङ्क विवरणहरू सङ्कलन, प्रशोधन र प्रतिवेदन गर्ने कार्य गरिन्छ । यसबाट समयमै समस्या पहिचान गरी समाधान गर्न महत्वपूर्ण सहयोग पुग्दछ । अनुगमनका लागि कार्यान्वयन योजना, आयोजना विवरण तालिका, जिम्मेवारी तालिका आदि दस्तावेजको उपयोग गरिन्छ ।

### अनुगमन प्रणालीको छनौट तथा निर्धारण

अनुगमन प्रणाली प्रचलित सोच तालिका (Log Frame) का आधारमा स्थापित गर्न सकिन्छ । स्थानीय तहले आफ्नो विशिष्टता र प्राविधिक क्षमताका आधारमा यस्तो विधि अपनाउन सक्छन् । यस्तो विस्तृत विधि राष्ट्रिय योजना आयोगबाट प्रवर्द्धित राष्ट्रिय अनुगमन तथा मूल्याङ्कन दिग्दर्शनमा हेर्न सकिन्छ ।

स्थानीय तहले आफ्नो आवश्यकता र उपलब्ध वस्तुगत तथ्याङ्कको आधारमा मौलिक रूपमा अनुगमन प्रणाली अवलम्बन गर्न सक्दछन् । साथै स्थानीय तहको तथ्याङ्क व्यवस्थापन र प्रयोगका लागि राष्ट्रिय प्रणालीसँग आवद्ध हुने खालको अनुगमन सूचना प्रणाली स्थापना गर्नुपर्ने हुन्छ ।

अनुगमन योजना बनाउँदा राष्ट्रिय सरोकारका विषय, मानव विकास सूचकाङ्क, दिगो विकास लक्ष्यका सूचकहरूलाई स्थानीय तहले आफ्नो अधिकार क्षेत्रका विषयमा योगदान गर्ने सूचकहरू स्थापित गरी अनुगमन गर्ने र सोको प्रतिवेदन गर्नुपर्ने हुन्छ ।

स्थानीय तहको आफ्नो क्षेत्रभित्र क्रियाशील गैरसरकारी संघ संस्था, उपभोक्ता समिति, सहकारी संस्था लगायतका सामाजिक तथा सामुदायिक संघ संस्थाले स्थानीय तहसँगको समन्वयमा रही कार्य गर्नुपर्ने र स्थानीय तहको अनुगमन प्रणालीमा त्यस्ता कार्यहरूको पनि अनुगमन गर्ने व्यवस्था मिलाउनु गर्नुपर्ने हुन्छ ।

### अनुगमन तह

आवधिक योजनाको लक्ष्य, उद्देश्य र कार्यक्रम तहमा गरिने अनुगमन पद्धति तलको तालिकामा उल्लेख गरिएको छ ।

## आवधिक योजनाको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रक्रिया

कुन तहमा अनुगमन गर्ने	के अनुगमन गर्ने	कहिले र कसले अनुगमन गर्ने	कुन तहको सूचक राख्ने	मापन गर्ने आधार
लक्ष्य	परेको प्रभाव	<ul style="list-style-type: none"> <li>कार्यपालिकाद्वारा नियुक्त स्वतन्त्र संस्था वा विज्ञले आवधिक योजनाको अन्त्यमा</li> <li>कार्यपालिकाद्वारा आवधिक योजनाको मध्यकालमा</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>प्रभाव तहको</li> <li>असर तहको</li> <li>जनभावनामा परिवर्तन</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको वार्षिक अनुगमन तथा मूल्याङ्कन प्रतिवेदनहरू</li> <li>स्थलगत अनुगमन</li> <li>वार्षिक कार्ययोजनाहरूको प्रगति</li> </ul>
परिणाम	देखिने असर <ul style="list-style-type: none"> <li>उत्पादकत्वमा परिवर्तन</li> <li>सडक पहुँच आदि</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>कार्यपालिका र गाउँ/नगर कार्यपालिकाद्वारा गठित अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समिति</li> <li>वार्षिक</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>परिणाम तहको</li> <li>प्रतिशत वृद्धि</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>सहभागितामूलक</li> <li>नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार</li> <li>नमूना सर्वेक्षण गर्ने</li> </ul>
योजना	निर्मित परिणामहरू <ul style="list-style-type: none"> <li>कक्षा सञ्चालन</li> <li>उत्पादन परिमाण</li> <li>सडक विस्तार</li> <li>स्वास्थ्य केन्द्र भवन निर्माण</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>गाउँ र नगर कार्यपालिकाद्वारा गठित अनुगमन तथा सुपरिवेक्षण समिति, शाखा कार्यालयहरू र प्रमुख प्रशासकीय अधिकृत ।</li> <li>चौमासिक/वार्षिक</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>परिणाम तहको</li> <li>सङ्ख्यात्मक वृद्धि</li> </ul>	<ul style="list-style-type: none"> <li>नतिजामूलक अनुगमन खाका अनुसार</li> <li>स्थलगत अनुगमन</li> <li>सार्वजनिक परीक्षण, सामाजिक परीक्षण तथा सार्वजनिक सुनुवाई</li> </ul>

### लक्ष्य तह

लक्ष्य	सूचक	आधार वर्ष	परिवर्तन
<p>“शिक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाको समुचित विकास गरी समुदायको आर्थिक अवस्थामा सुधार ल्याउने ।”</p> <p>“उद्योग र व्यापार फस्टाउन आवश्यक पूर्वाधारका लागि भू-उपयोग योजना गर्दै समुदायको सहभागितामा गाउँ सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ बनाउने । ”</p>	<ul style="list-style-type: none"> <li>स्थानीय स्वास्थ्य केन्द्रहरूमा प्राथमिक स्वास्थ्यजन्य रोगीको सङ्ख्यामा कमी</li> <li>भूउपयोग योजना तयारी एवम् कार्यान्वयन आरम्भ</li> <li>लगानीका योजना संख्यामा आएको सकारात्मक परिवर्तन</li> </ul>		

## योजना तह

परिणाम तह	सूचक	आधार वर्ष	परिवर्तन
सहरी शैक्षिक सुधार योजना	<ul style="list-style-type: none"> <li>प्राथमिक तहमा भर्ना दरमा वृद्धि</li> <li>फोहोरमैला वर्गीकरण लागु</li> <li>निर्वाचनमा बदर मतको सङ्ख्यामा कमी</li> </ul>		
मासुजन्य पदार्थ उपभोग वृद्धि योजना	<ul style="list-style-type: none"> <li>तरकार, अन्डा र मासुको स्थानीय बजारमा विक्री वृद्धि</li> <li>कुखुरा व्यवसाय सङ्ख्या वृद्धि</li> <li>मासुजन्य जीव आयात वृद्धि</li> </ul>		

### ९.४.२ मूल्याङ्कन

योजनाको कार्यान्वयनबाट लक्षित उद्देश्य प्राप्त भयो भएन र योजनाको कार्यान्वयनबाट योजनाबाट फाईदा पाउने अपेक्षित जनताले उर्पयुक्त रूपमा फाईदा पायो पाएन भनेर गरिने अध्ययन विश्लेषणलाई योजनाको मूल्याङ्कन भनिन्छ । यो आवधिक योजनाको मध्यावधि र पूर्ण अवधिको मूल्याङ्कन गर्नुपर्ने हुन्छ । यसको लागि स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन २०७४ को दफा ९४ अनुसार गाउँपालिका तथा नगरपालिकाले योजनाको मूल्याङ्कन गर्ने व्यवस्था गरेको छ ।

योजनाको मध्यमकालीन अवधिमा मूल्याङ्कन गर्दा निम्न कुरालाई ध्यानमा राखी मूल्याङ्कन विश्लेषण गर्नुपर्ने हुन्छ :

- लक्ष्य र उद्देश्य हासिल गर्न उन्मुख रहे/नरहेको
- लगानी योजना अनुरूप वार्षिक लगानीहरू निर्देशित रहे/नरहेको
- उपलब्धिका लागि लक्ष्य लगायत कार्यक्रमहरूको परिमार्जन गर्नुपर्ने आवश्यकता रहे, नरहेको आदि ।

योजना अवधिको अन्त्यमा निर्धारित परिमाणात्मक तथा गुणात्मक लक्ष्य प्राप्तिको मूल्याङ्कन अन्तिम रूपमा तेश्रो पक्षबाट गर्नु/गराउनु पर्ने हुन्छ । अनुगमन तथा मूल्याङ्कन र तर्कपूर्ण खाका सम्बन्धी विस्तृत व्यवस्थापनका लागि मार्गदर्शन राष्ट्रिय योजना आयोगबाट जारी गरिएको अनुगमन तथा मूल्याङ्कन दिग्दर्शनलाई पनि उपयोग गर्न सकिने छ ।

## सन्दर्भ सामाग्रीहरू

- ✓ अन्तरसरकारी वित्त व्यवस्थापन ऐन २०७४, (परिच्छेद २: राजस्वको अधिकार; परिच्छेद ३: राजस्वको बाँडफाँट; परिच्छेद ४: अनुदानको अवस्था; परिच्छेद ५, वैदेशिक सहायता र आन्तरिक ऋण; परिच्छेद ६: सार्वजनिक खर्च व्यवस्था; परिच्छेद ७: राजस्व र व्ययको अनुमान; परिच्छेद ८: वित्तीय अनुशासन, श्रोत [www.mof.gov.np](http://www.mof.gov.np)
- ✓ आर्थिक कार्यविधि तथा वित्तीय उत्तरदायित्व ऐन, २०७६ तथा तत्सम्बन्धी नियमावली २०७७ ।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग । २०६८ । राष्ट्रिय जनगणना, २०६८ : प्रारम्भिक नतिजा । काठमाडौँ : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग ।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग । २०६८ । राष्ट्रिय जनगणना, २०६८ : एक परिचय । काठमाडौँ : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग ।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग । २०७८ । जनगणनाको ११० वर (१९६८-२०७८) राष्ट्रिय जनगणना २०७८ : लैङ्गिक समानता तथा सामाजिक समावेशी सन्दर्भ पुस्तिका । काठमाडौँ : केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग ।
- ✓ केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग । २०६८ । नेपाल जीवन स्तर सर्भे । केन्द्रीय तथ्याङ्क विभाग ।
- ✓ सुनिलस्मृति गाउँपालिकाको वस्तुस्थिती विवरण, २०७४/२०७५ ।
- ✓ सुनिलस्मृति गाउँपालिकाको आर्थिक वर्ष २०७९/८० को वार्षिक नीति तथा कार्यक्रम
- ✓ गाउँपालिका तथा नगरपालिकाको योजना तथा बजेट तर्जुमा हातेपुस्तिका (२०७७) संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय ।
- ✓ दिगो विकास लक्ष्य स्थानीयकरण स्रोत पुस्तिका, नेपाल सरकार, राष्ट्रिय योजना आयोग, २०७७ ।
- ✓ नेपालको संविधान (भाग ३: मौलिक हक र कर्तव्य, धारा १८-४८; भाग ४: राज्यका निर्देशक सिद्धान्त, नीति र दायित्व, धारा ४९, ५०, ५१ र ५२; भाग ५: राज्यको संरचना र राज्यशक्तिको बाँडफाँट; भाग १७: स्थानीय कार्यपालिका, धारा २१४-२२०; भाग १८: स्थानीय व्यवस्थापिका, धारा २२१-२२७; भाग १८: स्थानीय तहको आर्थिक कार्यविधि, धारा २२८-२३०; भाग २०: संघ, प्रदेश र स्थानीय तहको अन्तरसम्बन्ध, धारा २३१-२३७) श्रोत: [www.lawcommission.gov.np](http://www.lawcommission.gov.np)
- ✓ नेपालको दीगो विकासको सोच, पन्ध्रौँ योजना तथा दीगो विकासको लक्ष्य, श्रोत: [www.npc.gov.np](http://www.npc.gov.np) .
- ✓ नेपालमा दीगो विकासको लक्ष्यको अवस्था तथा मार्गचित्र : २०१६-२०३०, नेपाल सरकार, राष्ट्रिय योजना आयोग, ई.सं. २०१७ ।
- ✓ वातावरणमैत्री स्थानीय शासन प्रारूप, २०७८ नेपाल सरकार, सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौँ नेपाल ।
- ✓ स्थानीय सरकार सञ्चालन ऐन, २०७४ (परिच्छेद ६ दफा २४ र २५, परिच्छेद ९ दफा ५४ देखि ६८ र परिच्छेद १० दफा ६९ देखि ८०)  
श्रोत: [www.mofaga.gov.np/www.lawcommission.gov.np](http://www.mofaga.gov.np/www.lawcommission.gov.np) .



- ✓ स्थानीय तहको वार्षिक योजना तथा बजेट तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७४ (परिमार्जित), संघीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौं ।
- ✓ स्थानीय तहको योजना तर्जुमा दिग्दर्शन, २०७५ राष्ट्रिय योजना आयोग, श्रोत: [www.npc.gov.np](http://www.npc.gov.np) .
- ✓ स्थानीय तह संस्थागत क्षमता स्व:मूल्याङ्कन कार्यविधि, २०७७, नेपाल सरकार, सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौं नेपाल ।
- ✓ स्थानीय तह वित्तीय सुशासन जोखिम मूल्याङ्कन कार्यविधि, २०७७, नेपाल सरकार, सङ्घीय मामिला तथा सामान्य प्रशासन मन्त्रालय, सिंहदरबार, काठमाडौं नेपाल ।
- ✓ Census report- population monograph of Nepal \_ Volume-I (page no. 282) [https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/\(GP\\_Indv\\_Table02-Page no.-66\)](https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/(GP_Indv_Table02-Page-no.-66))
- ✓ [https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/\(GP\\_Hhld\\_Table10- pages no.-11\)](https://cbs.gov.np/province-level-output-tables/(GP_Hhld_Table10-pages-no.-11))

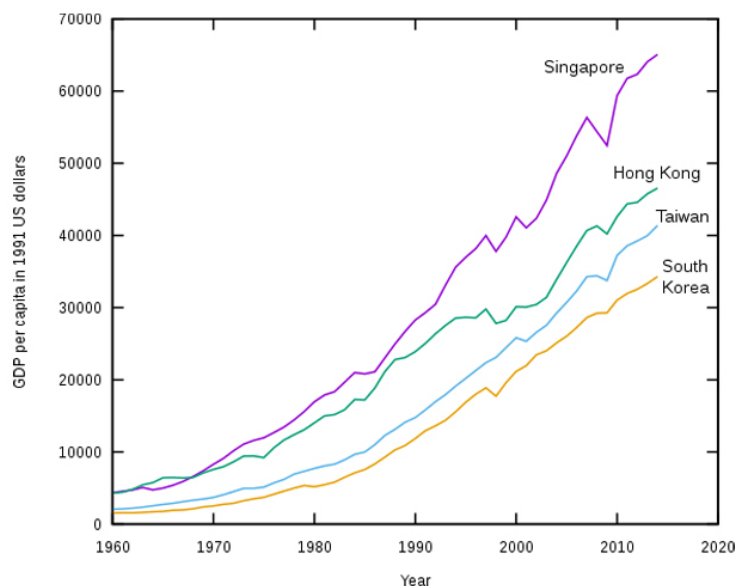
## अनुसूचीहरू

### अनुसूचि - १: विश्वका केही विकास मोडलहरूको तुलनात्मक अध्ययन

विश्वका विभिन्न राष्ट्रहरूको तुलनात्मक अध्ययन गर्दा दोस्रो विश्व युद्धपछि मात्र धेरै देशले एउटै पुस्तामा नाटकीय आर्थिक उपलब्धि हासिल गरेको पाइन्छ। माइकल स्पेंस नामका नोबेल पुरस्कार विजेताको अध्यक्षतामा गठित एउटा चर्चित (Growth Commission Report) ग्रोथ कमिसन रिपोर्टमा १३ देशलाई उच्च सफलताको कोटीमा राखिएको छ। ती देशहरू – जापान, कोरिया, थाइल्यान्ड, मलेसिया, इन्डोनेसिया, सिंगापुर, ताइवान, चीन, हंगकंग, ब्राजिल, ओमान, माल्टा र बोस्टसवाना हुन्। यी मध्ये ९ देश एसियामै छन्। ती मुलुकले २५ वर्षसम्म ७ प्रतिशत भन्दा माथिको आर्थिक वृद्धि दर हासिल गरे। दिगो र उच्च आर्थिक वृद्धिदरले यी राष्ट्रहरूलाई आर्थिक रूपले निकै माथि उठायो। यी राष्ट्रहरूको अनुभवले के देखाउँछ भने, विकासको उच्च स्तर प्राप्तिका लागि ७ प्रतिशत आर्थिक वृद्धिदरले करिब १० वर्षसम्म निरन्तरता पाउने हो भने जीडिपी दुई गुना हुन्छ र यो २५ वर्ष सम्म निरन्तर गर्यो भने एक पुस्तामै आर्थिक कायापलट हुन जान्छ। सफल यी १३ देशका पछाडि ५ साभ्रा कुरा छन् : त्यहाँको नेतृत्व र प्रशासन विकासप्रति प्रतिबद्ध थियो, निजी क्षेत्रलाई विश्व आर्थिक मञ्चमै व्यापार गर्न उतारियो, समष्टिगत आर्थिक स्थिरता कायम गरियो, उत्पादनशील साधन र स्रोतको बाँडफाँडको जिम्मा बजार अर्थतन्त्रलाई दिइयो र आन्तरिक लगानीका लागि नागरिक तहमा ठूलो बचत गराइयो (वाग्ले, २०१५)। संघीय शासन प्रणालीको शुरुआत पछि नेपालले द्रुततर आर्थिक विकासमा जोड दिएको छ। नेपालको नव निर्माण र द्रुततर विकासका लागि यी राष्ट्रहरूको अनुभव उपयोगी हुने भएकोले छोटो अवधिमा उच्चतम विकास हासिल गरेका केही राष्ट्रको विकासको अनुभवलाई यहाँ उल्लेख गरिएको छ।

#### (क) एसियन टाइगर्स (Asian Tigers)

सन् १९६० को दशकको सुरुसम्म दक्षिण कोरिया, सिङ्गापुर, ताइवान र हङ्कङ अविक्सित क्षेत्रको रूपमा थिए। यी मध्ये दक्षिण कोरिया र सिङ्गापुर सार्वभौम राष्ट्र हुन्। हङ्कङ पहिले बेलायतको र हाल चीनको शासन अन्तर्गत रहेको छ तर यस भूभागलाई केही हदसम्म राजनीतिक स्वायत्तता प्राप्त छ। ताइवान भने चीनमा सन् १९४९ मा सकिएको कम्युनिस्ट र कोमिन्ताङ पार्टीबिचको गृहयुद्धमा पराजित भएर भागेको पक्षले शासन गर्न थालेपछि तत्कालीन चीनको नियन्त्रणबाट अलग भएको भू-भाग हो। बेइजिङ र ताइवानमा रहेका सरकार दुवैले आफूमा १९४९ अघिको चीनको स्वामित्व रहेको दावी गर्छन्। तर यी चार देशहरूले लगभग पचास वर्ष भित्र इतिहासमा कमै देखिने एकै पुस्तामा तेस्रो विश्वबाट पहिलो विश्वमा आर्थिक विकासको लामो फड्को मारेको इतिहास छ।



यी चार एसियाली टाइगर्सको विकासलाई बुझाउन माथिको चित्र उपयोगी हुन सक्छ जसले यो क्षेत्रको आर्थिक विकासको चरित्रलाई बुझ्न र यिनीहरूले अवलम्बन गरेको विकास मोडेलको सामान्य जानकारी लिन केही हदसम्म

सघाउ पुऱ्याउँदछ । भनिन्छ, आर्थिक विकासको मोडेलका प्रकारहरू विकास अर्थशास्त्रीहरूको सङ्ख्या जति नै छन् तर पनि यसलाई मूलतः रूपमा निम्न तीन समूहमा वर्गीकरण गरि विभाजन गर्न सकिन्छ : बजार निर्देशित, हस्तक्षेपकारी र राज्य नियन्त्रित विकास मोडेल । विभिन्न राष्ट्रहरूले यी तिन मोडल वा आफ्नो देशको विशिष्ट परिस्थिति अनुकूल फरक प्रकारको विकास मोडेलको निर्माण गरि अधि बढिरहेका छन् ।

## (ख) दक्षिण कोरिया

दोस्रो विश्व युद्द पछि सन् १९४५ मा दक्षिण कोरिया जापानको शासनबाट स्वतन्त्र भयो । तर केही समयपछि नै ऊ अमेरिकाको नियन्त्रणमा आयो । त्यही समयमा भएको कोरियाली गृह युद्धले यसको अवस्था अत्यन्त दयनीय अवस्थामा पुऱ्यायो । तीन वर्ष सम्म चलेको उक्त गृहयुद्धले दक्षिण कोरियाको तत्कालीन उत्पादन क्षेत्रको दुई तिहाई हिस्सा नष्ट गराएको थियो । त्यो अवस्थादेखि हालको जी २० सम्मको दक्षिण कोरियाको उदय र विकासलाई मुख्यतः चार चरणमा वर्गीकरण गर्न सकिन्छ ।

दक्षिण कोरियाको विकासको सुरुवात त्यहाको प्रथम राष्ट्रपतिको कार्यकालबाट सुरु भएर पार्कको शासनको प्रारम्भ सम्म भएको मान्न सकिन्छ । विकासको पहिलो चरणमा युद्धको विनाशबाट उठ्नका लागि केही विशेष कार्यक्रमहरूको छनौट गरिएको थियो । त्यो समयमा यहाको कुल राष्ट्रिय उत्पादनको १५.९५ प्रतिशत हिस्सा अमेरिकी सहायताले ओगट्ने गर्दथ्यो । यो हिस्सा सबैभन्दा उच्च सन् १९५७ मा २२.९५ प्रतिशत सम्म पुगेको थियो । यो समयमा कोरियाको विकास एकदमै धेरै मात्रामा अमेरिकी सहायतामा निर्भर थियो । यो अवधिमा सरकारले मजदुर सङ्गठनमाथि निषेध गर्नुका साथै उग्र कम्युनिस्ट विरोधी कार्यक्रमहरू सञ्चालन गर्दै मजदुरहरूको ज्यालादर सस्तो बनाउने निति अख्तियार गर्यो जसले औद्योगिक लगानीकर्तालाई प्रोत्साहित गर्‍यो र तिब्रतर आर्थिक वृद्धिमा सहयोग पुऱ्यायो ।

पार्क चुङ्ग हिले सन् १९६१ मा कू गरे पछिको अवधिलाई दोस्रो चरणको सीमा मान्न सकिन्छ । यो चरण सामान्य खालको उद्योगको विस्तार र निर्यात केन्द्रित उद्योगको विकासमा केन्द्रित थियो । युद्धबाट तडिग्राएको र अमेरिकी सहायता माथिको निर्भरता निक्कै कम भइसकेको यस अवस्थामा कोरियाली अर्थतन्त्रले आफ्नो सस्तो श्रमको उपभोग गरेर हल्का औद्योगिक सामग्री उत्पादन गर्न थाल्यो । यही अवधिमा दक्षिण कोरियाले बजार निर्देशित र अर्ध हस्तक्षेपकारी आर्थिक मोडेल छाडेर राज्य नियन्त्रित विकास मोडेल प्रयोग गर्न थालेको थियो । सन् १९६२ मा कोरिया सरकारले पहिलो पञ्च वर्षिय आर्थिक विकास योजना अगाडि साऱ्यो जसले लगानी बढाउने, औद्योगिक संरचना निर्माण गर्ने र व्यापार सन्तुलन कायम गर्ने जस्ता स्पष्ट रूपमा बृहत् अर्थशास्त्रीय विकास लक्ष्यहरू अगाडि सारियो जसले त्यहाँको अर्थतन्त्रमा आमूल सुधार ल्याउनुका साथै विकास प्रक्रियामा तिब्रता लियो ।

राष्ट्रपति पार्कका विभिन्न आर्थिक रणनीतिहरू मध्ये 'सेमाउल उन्दोड' एक अत्यन्त सफल कार्यक्रम हो । गाउँको विकास भए मात्र देशको विकास हुन्छ भन्ने मान्यता राख्ने यो अभियानको मुख्य लक्ष्य गरीब जनतालाई धनी बनाउनु र गाउँको समग्र विकास गर्नु थियो । कोरियन भाषामा 'से' 'नयाँ', 'माउल' 'गाउँ' र 'उन्दोड' भन्नाले 'अभियान' भन्ने बुझिन्छ । अथवा 'सेमाउल उन्दोड' भन्नाले नयाँ सामुदायिक अभियान भन्ने बुझिन्छ । यो अभियानको प्रवर्तक समाज सुधारक किम योड की हुन् । उनले सन् १९६२ देखि यो अभियान सञ्चालन गर्दै आएका थिए । किमले 'काम नगर्ने भए खाना नै नखाउ' भन्ने नाराका साथ यो अभियान सञ्चालन गरेका थिए । सेमाउल उन्दोड सुख एवम् समृद्धिका लागि सञ्चालन गरिएको एक अभियान हो जसले गरिबी निवारण गर्ने, सबैले राम्रो शिक्षा, खाना र लुगा लगाउन पाउने र सुरक्षित तथा सुविधाजनक घरमा बस्न पाउने भन्ने उद्देश्य राखेको थियो ।

किमको यो अभियानले 'ग्रामीण जनतालाई आत्मनिर्भर बनाउने र देशको विकासमा टेवा पुऱ्याउँछ' भन्ने बुझेका दूरदर्शी सैनिक शासक पार्कजुड हिले सबै जनतालाई यो अभियानमा सामेल हुन अह्वान गरे । उनले सन् १९७० अप्रिल २२ मा यो अभियानलाई सरकारी रणनीतिको रूपमा मान्यता दिए । सरकारी कार्यक्रमको मान्यता पाए पछि यो कार्यक्रमले नयाँ सामुदायिक अभियान सहित सहयोग र आत्मनिर्भरताको भावनाका साथ हाम्रो गाउँको सुधार र

आधुनिकीकरण हामी आफैँ गर्न सक्छौं भन्ने भावनालाई आत्मसात गर्दछ। कोरियाली सरकारले अभियानलाई कार्यान्वयनमा ल्याउँदै उन्नत गाउँ निर्माणको निमित्त 'दश परियोजना' को कार्यसम्पादन निर्देशिका जारी गरेर ३३ हजार २ सय ६७ गाउँमा लागु गर्दै सामुदायिक विकासका लागि जिन्सी सहायता दिन शुरु गरेको थियो। जसअन्तर्गत, सरकारले हरेक गाउँमा ३ सय ५५ बोरा सिमेन्ट र ५ सय केजी रड बाँड्न शुरु गर्‍यो। अर्कोतिर सरकारी कर्मचारी, विचारक, सामुदायिक अभियानका र निजी क्षेत्रका अगुवालाई तालिमको व्यवस्था गर्‍यो। कर्मचारीलाई भ्रष्टाचारी भावनाबाट टाढा रहन 'सुनलाई हुंगा जस्तै देख' लेखिएको 'हरियो टाई' वितरण गरिएको थियो। यो अभियानले नागरिकलाई समाजप्रति समर्पित हुने अगुवा नेतृत्व तयार पायो। यसैको शिक्षाले सदस्यहरूलाई स्वतःस्फूर्त जग्गादान, श्रमदान, सामग्री दान गर्ने उत्प्रेरणा प्रदान गर्‍यो। नयाँ सामुदायिक अभियान लागु भएका गाउँले जनताको आय विस्तारै बढ्न थाल्यो। यो क्रम ४ वर्ष पुग्दा ग्रामीण जनताको आय बढेर शहरी परिवारको आयभन्दा बढी हुन पुग्यो। यो कार्यक्रमले गाउँको विकास र स्वाधिन अर्थतन्त्रको निर्माणमा कोशे हुंगा सावित भयो (सम्बाहाम्फे, २०७४)।

सन् १९७४ मा आइ पुग्दा शहरी भन्दा ग्रामीण जनाताको आय बढ्यो जसको कारण के थियो भने सेमाउल उन्डोड लागु भएको हरेक गाउँ वा इकाईमा कृषिमा आधारित एक सेमाउल उद्योग अनिवार्य खोल्नुपर्ने शर्त थियो। यस्ता उद्योगले गाउँको आय बढाउने काम गर्‍यो भने रोजगारीको अवसरहरूपनि प्रशस्तै सिर्जना गर्‍यो। उक्त अभियान शहरमा पनि लागु गरि औद्योगिक क्षेत्रहरूको विकास तीव्र रूपमा हुन गयो। शहर केन्द्रित उद्योगहरूको विकास हुँदा पनि सरकारले उद्योगको (Semi-product) सेमी प्रोडक्ट सम्बन्धी कम्पनीहरू बढी गाउँमै स्थापना गर्ने नीति लियो। यो नीतिले गाउँ र शहरलाई जोड्ने र गाउँको विकास र रोजगारीमा टेवा पुर्‍याउने काम गर्‍यो। सन् १९७० मा ८३ करोड डलर निर्यात गरेको कोरियाले यो अभियानको सफलताकै कारण सन् १९८० सम्म आइ पुग्दा कोरिया एक औद्योगिक राष्ट्रका रूपमा दर्ज हुन पुग्यो। त्यस्तैगरी १९८० मा १७ अर्ब डलरको उत्पादन निर्यात गर्‍यो। यो अभियान शतप्रतिशत सफल हुनको कारण, यसमा गाउँलाई ४० र ५० घरको सानो भन्दा सानो इकाईमा विभाजन गरियो र प्रत्येक निर्णायक कार्यक्रममा सबै घरका प्रतिनिधिलाई राय व्यक्त गर्ने सुविधा दिइयो। यो इकाइले जे चाहन्छ, त्यसैमा परियोजना सञ्चालन गर्ने गरियो। यस्तो इकाईले एकातिर समुदायमा भावनात्मक एकताको विकास गर्यो भने अर्कोतिर निर्णय गरिएका योजनाहरूमा असन्तुष्टि र असहमति भन्ने प्रश्न नै उठ्न पाएन। यो अभियान सफल हुँदै गएपछि गाउँ इकाईहरूले तर्जुमा गरेका परियोजनामा सरकारले ५० प्रतिशत ऋण, ३० प्रतिशत अनुदान र २० प्रतिशत समुदायको लगानी हुने व्यवस्था गर्‍यो। यो मोडेललाई केही वर्षमै राष्ट्रव्यापी गरियो। त्यस्तै अर्को महत्वपूर्ण कुरा, सरकारले समय सापेक्ष कृषिमा आधुनिकीकरण गर्‍यो। यसका लागि कृषि विज्ञलाई देशभर परिचालन गरेर कृषि तालिम प्रदान गरियो। यसले कृषिमा व्यापक आधुनिकीकरण गर्‍यो जसको कारण अहिले कोरिया २ देखि ३ प्रतिशत कृषककै उत्पादनले खाद्यान्नमा आत्मनिर्भर बनेको छ। यो अभियान कुनै समय भोक, रोग र बेरोजगारीले तडिपएका कोरियाली किसानका लागि सफलताको मन्त्र बन्यो (सम्बाहाम्फे, २०७४)। यो अभियानबाट नेपालले प्रशस्त शिक्षा लिन जरुरी देखिन्छ।

त्यस्तै गरी उनले निर्यातबाट कमाई भएको लगानी उच्च प्रविधिहरू र मेशिनहरूमा लगानी गरे। यी सामग्री अर्को चरणको विकासका लागि आवश्यक हुन्थ्यो। त्यस अतिरिक्त त्यो समयमा पार्कको सरकारले विदेशी सामग्रीहरूमा भन्सार कर बढाएर स्वदेशी उद्योगहरूलाई अनुदान दिएर ठूला उद्योग विकास गर्न सहयोग गरेको थियो। यसले दक्षिण कोरियालाई तेस्रो चरणमा ल्याई पुऱ्यायो। पार्कको दोस्रो पञ्च वर्षीय योजनामा यसको प्रत्यक्ष प्रभाव देख्न सकिन्छ। उनले ठूला र रासायनिक उद्योग खोल्नेलाई सहयोग गर्ने नीति लिए। यो चरण कोरियाको विकास चरणको सबैभन्दा लामो अवधि रह्यो। यो चरणमा वैदेशिक पूँजीमा नियन्त्रण भए पनि सरकारको निगरानीमा यसलाई भित्र्याइयो। यो अवधिमा निर्यात वार्षिक रूपमा ३५.२५ दरले वृद्धि भयो। सन् १९९० को दशकमा दक्षिण कोरियाली अर्थतन्त्रमा उल्लेख्य परिवर्तनहरू देखिए। यही समयमा देशले विकासको चौथो चरणमा आइपुग्यो। यो अवधि उच्च

प्रविधिको उद्योगको रह्यो । सन् १९८८ मा द. कोरियाले गर्ने निर्यातमा १५.५ प्रतिशत हिस्सा मात्र उच्च प्रविधिको सामग्री हुन्थ्यो । त्यस पछिको हरेक वर्ष यसमा लगभग शत प्रतिशतले वृद्धि भएको छ । कोरियाली सामग्रीको अन्तर्राष्ट्रिय बजारमा बढेको माग र घरेलु उपभोगमा भएको उच्च वृद्धिका कारणले कोरियाले परिपक्व र सम्पन्न राज्यका रूपमा स्थिरता प्राप्त गर्‍यो । यसले कोरियाली समाजको हरेक तप्काको जीवन स्तर बढायो । कोरियाली इतिहासमा दोस्रोदेखि चौथो चरणसम्म स्थिर रूपमा उच्च आर्थिक वृद्धि देखियो । सन् १९६२ देखि १९९५ सम्म दक्षिण कोरियाले औषतमा वार्षिक १०५ प्रतिशत आर्थिक वृद्धि दर हासिल गर्‍यो (उप्रेती, २०७५) । यसर्थ, कोरियाली विकास मोडल विश्वकै उत्कृष्ट आर्थिक विकास मोडलको रूपमा स्थापित हुन पुग्यो ।

## (ग) सिङ्गापुर

विश्वको प्रमुख औद्योगिक देश सिङ्गापुर, चार एसियाली टाइगरमा सबैभन्दा प्रजातान्त्रिक मुलुक हो । एक बेलायतीको कूटनीतिज्ञको शब्दमा ली क्वान युको अद्भूद नेतृत्वमा यो राज्यमा 'राजनीति हराएर' पूरै राज्य नै एक 'प्रशासनिक एकाई'मा बदलिएको थियो । सन् १९६५ मा मलेसियाबाट मन नलागी नलागी स्वतन्त्रता स्वीकारेपछि लीले सन् २०११ मा सन्यास नलिएसम्म सिङ्गापुरको राजनीतिलाई 'नरम निरंकुशता' सहित नियन्त्रणमा राखे । यो अवधिमा सिङ्गापुरले अभूतपूर्व आर्थिक विकास गर्नुको साथै विश्व रंगमञ्चमा आफुलाई एक सम्बृद्धशाली राष्ट्रको रूपमा स्थापित गराउन सफलता हासिल गर्‍यो । सिङ्गापुरको विकासले दक्षिण कोरिया र ताइवानको भन्दा फरक बाटो लिएको छ । उसलाई युद्धबाट राज्यलाई पुनःनिर्माण गर्ने चुनौती थिएन तर यो सहरी राज्यले आफूसँग आफ्ना नागरिकलाई खुवाउन पुऱ्याउन सक्ने जमिनसमेत थिएन । राज्यका लागि आवश्यक खाद्यान्न र पानी समेत छिमेकी मुलुकबाट आयात गरेर आपूर्ति गर्ने सिङ्गापुरले यो अवस्थामा सुधार ल्याउनका लागि राज्यलाई निर्यात मुखी सामानय उद्योगहरूको विकासलाई जोड दिने नीति अख्तियार गर्‍यो । सिङ्गापुरले आफ्नो स्थानीय तहमा रहेको प्राविधिक र व्यवस्थापकीय ज्ञानको अभावलाई अन्तर्राष्ट्रिय संस्थाहरूलाई आकर्षित गरेर सरकारी अनुगमन सहित पूरा गर्‍यो । सन् १९७० को दशकसम्म सिङ्गापुरको अर्थतन्त्रको संरचनामा उलेख्य परिवर्तन आयो जस्तै निर्माण उद्योग र ठूला उद्योगहरूको स्थापनामा विशेष जोड दिएको थियो । कतिपय विद्वानहरूले यो परिवर्तनलाई चीनमा देडको सुधारपछि आएको परिवर्तनको विरुद्धमा चिनलाई चुनौती दिन थालिएको कदमको रूपमा उल्लेख गर्दछन् ।

सन् २००० मा ली क्वान युको किताब 'फ्रम थर्ड वर्ल्ड टु फर्स्ट : द सिङ्गापुर स्टोरी १९६५( २००० (From third world to first: The Singapore Story) प्रकाशित भयो । विश्व पुस्तक बजारमा 'वेष्टसेलर' रहँदै आएको यो किताबको प्रारम्भ गर्दै ली क्वान यु लेख्छन् 'घर कसरी बनाउने, इन्जिन कसरी मर्मत गर्ने, किताब कसरी लेख्ने भनेर तपाईं सिकाउने पुस्तकहरू पाइन्छन् । तर चाइना, ब्रिटिस इन्डिया र डच इस्ट इन्डिजबाट बाहिर छरिएर संकलित भएका आप्रवासीहरूले राष्ट्र कसरी निर्माण गर्ने, क्षेत्रीय व्यापारिक केन्द्रको पुरानो आर्थिक भूमिका गुमाएर मृतप्रायः बनिरहेका जनतालाई कसरी जिवन्त बनाउने भनेर सिकाउने पुस्तक मैले कतै देखिनँ ।' त्यसैले यो किताब लेख्ने आवश्यकता रहेको हो ।

यो किताबले मुलत निम्न २ वटा तथ्यहरूमा जोड दिएको छ ।

१. कुनै पनि राष्ट्र निर्माणको बनिबनाउ मोडेल हुँदैन । त्यो अरु कसैले सिकाउन सक्दैन । स्वयं त्यो देशका जनता वा नीति निर्माताले आफै पत्ता लगाउन सक्नु पर्दछ ।
२. राष्ट्र निर्माणको मोडेल तयार गर्दा मुख्य ३ वटा तत्वहरूलाई हेर्नु पर्दछ : जनसंख्या संरचनाको ऐतिहासिकता, भू-राजनीति र आर्थिक सम्भावना ।

पुस्तकको यो प्रारम्भीक वाक्यलाई उपसंहार खण्डको अर्को एक वाक्यसँग जोड्नु उचित हुन्छ । उनी लेख्छन् 'हामी कामबाट सिक्थ्यौं, छिट्टै सिक्थ्यौं । हाम्रो सफलताको एउटा मात्रै सुत्र थियो, कसरी चिजहरूलाई बढी कामकाजी बनाउने भनेर, तिनीहरूलाई अझ राम्रो कसरी बनाउने भनेर निरन्तर अध्ययन गर्थ्यौं । म कहिल्यै कुनै सिद्धान्तको

बन्दी बनिनँ । मलाई कारण र यथार्थहरूले मात्र मार्गदर्शन गर्न सके, सिद्धान्तले हैन । कुनै पनि सिद्धान्त, योजना वा सोचले राम्रो काम गर्छ, गर्दैन भन्ने 'एसिड टेष्ट' (दूत जाँच ) गर्थे । यदि कुनै चिजले राम्रो काम गर्दैनथ्यो वा कमजोर परिणाम दिन्थ्यो भने त्यस्तो चिजमा म थप समय र स्रोत खर्चिन्नथेँ ।' (खतिवडा, २०७६)

सिङ्गापुरको आर्थिक समृद्धिमा निम्न सिद्धान्तहरूको महत्वपूर्ण भूमिका रहेको पाइन्छ ।

**क. खुला बजार सिद्धान्त (Free Market Principles) :** सिङ्गापुरले पूँजीवादी आर्थिक सिद्धान्तलाई आफ्नो विकासको मुख्य सिद्धान्तको रूपमा अवलम्बन गरिरहेको छ । जस अर्न्तगत निम्न सिद्धान्तहरू पर्दछन् ।

- श्रम बजारको व्यवस्थापन (Labor Market)
- उत्तरदायी कर्मचारीतन्त्र (Accountable Bureaucracy)
- न्यून कर दर (Low Tax Rates)
- न्यून सरकारी खर्च (Government Expenditure)

**ख. समाजवादी सिद्धान्त (Socialistic Principles) :** सिङ्गापुरले समाजवादी आर्थिक सिद्धान्तलाई पनि त्यत्तिकै जोड दिएको छ जस अर्न्तगत निम्न सिद्धान्तहरू पर्दछन् ।

- सार्वजनिक घरहरूको निर्माण (Public Housing)
- सार्वजनिक स्वास्थ्य सुविधा (Public Healthcare)

यी दुई सिद्धान्तहरूलाई अवलम्बन गर्दै सिङ्गापुरले विकासमा उच्च सफलता प्राप्त गरेको थियो । विकासको अन्तिम चरण उच्च प्रविधिको उद्योगको स्थापना सँगै अन्त्य भएको थिएन । बरु सिङ्गापुरलाई दक्षिण पूर्वी एसियाको आर्थिक र वित्तीय केन्द्रका रूपमा विकास गरेर अगाडि बढेको थियो । उच्च प्रविधिको उद्योगमा भैं व्यापार, आयात सुधार र वित्त सबैमा सीपयुक्त श्रमिकको आवश्यकता पर्छ । सिङ्गापुरको अवस्थिति र पछिल्लो समयको आर्थिक उदारीकरणले यी उच्च स्तरका उद्योगलाई निकै सहयोग गर्‍यो । यसले सिङ्गापुरलाई अन्ततः ताइवान र दक्षिण कोरियाजस्ता उच्च प्राविधिक राष्ट्रको समकक्षमा राखिदियो । राज्यको केन्द्रीय कोषले ठूलो उद्योगका लागि आवश्यक पूर्वाधार निर्माणमा गरेको सहयोग र ली क्वान यु को आर्थिक र राजनीतिक दुबै क्षेत्रमा प्रभुत्वले गर्दा सिङ्गापुरको विकासमा सरकारको भूमिका सबैभन्दा महत्वपूर्ण देखिन्छ जसलाई नेपाल लगायत अन्य राष्ट्रहरूले पनि प्रेरक उदाहरणको रूपमा लिन सक्दछन् ।

#### (घ) ताइवान र हङ्कङ

हाल चीनको स्वशासित क्षेत्रको रूपमा रहेको ताइवानको कथा पनि कोरियाको जस्तै छ । ताइवानको प्रारम्भ दक्षिण कोरियाको अवस्था भन्दा दयनीय थियो । ताइवानको कथा पनि युद्धको समाप्तीबाटै सुरु हुन्छ । तर ताइवान आफैँ भने सो युद्धबाट त्यति प्रभावित भएको थिएन । चीनियाँ गृहयुद्ध मुख्य त मूलभूमि चीनमा लडिएको थियो । तथापि दोस्रो विश्वयुद्धसम्म यो पनि जापानको अधीनमा थियो । त्यो अवधिमा त्यहाँ कृषिमा केही सुधारका काम भएका थिए । त्यतिबेला सम्म यो टापु विशेष धान, उखु र भुइँकटर र केही कपडा उद्योगको अवस्थामा मात्र सिमित थियो । यसको साथै कृषि र माछापालनले यो भू-गोलको कूल ग्राहस्थ उत्पादनको एक तिहाई भाग ओगट्ने गर्दथ्यो ।

प्रारम्भमा च्याङ काइ सेकको सरकारले राज्यलाई अनुदानमा चलाउने खालको नीति लिएपछि सन् १९५० को दशकमा अमेरिकाले ताइवानलाई दिइरहेको अनुदान रोक्ने चेतावनी दियो । त्यसपछि राष्ट्रपति चियाङ र उनको कोमिन्ताङ पार्टीले कोरियाले लिएको जस्तो औद्योगिकीकरणको योजनाहरू अघि सारे । औद्योगिकीकरणले कृषिको कुल ग्राहस्थ उत्पादनमा रहेको योगदानलाई ७५ प्रतिशतमा झार्‍यो । कोरियामा जस्तै ताइवानले पनि प्रारम्भमा सामान्य खालको उद्योगमा विकास गर्‍यो । तर, यहाँ भने कोरियामा भन्दा अलि लामो समय सन् १९८० को दशकसम्म यी सामान्य

खाले उद्योगहरूको अर्थतन्त्रमा महत्वपूर्ण भूमिका रह्यो । त्यसपछि यहाँ ठूला उद्योगहरूको स्थापनाको सुरवात भयो । सुरुमा विशेषतः स्टिल, विद्युतीय र पेट्रोलियम उत्पादन सम्बन्धी उद्योग खोलिए । ताइवानले वैदेशिक लगानी आकर्षणका लागि केही सरकारी उद्योगहरू निजीकरण गरेको भए पनि अधिकांश ठूला उद्योगहरू सरकारको नियन्त्रणमै राख्यो । च्याङले यिनै उद्योगहरूको बलमा चीनियाँ मूलभूमि पुनः कब्जा गर्ने सोचेका थिए ।

राज्यले अर्थतन्त्र माथिको नियन्त्रण बलियो बनाउने नीति लिएको थियो । वैदेशिक विनिमयमा नियन्त्रण, आयातमुखी उद्यमलाई सरकारी प्रोत्साहन गर्ने नीति, राज्य नियन्त्रित संस्थामार्फत नै कच्चा पदार्थको माग पुऱ्याउने जस्ता कदममार्फत सरकारले अर्थतन्त्रमा नियन्त्रण कायम गरिरहेको थियो । ताइवानले आफ्नो अर्थतन्त्रको परिपक्वता कोरियाले भन्ने उच्च प्राविधिक विकासमा पुगेर सम्पन्न गर्‍यो । सन् १९७० को दशकमा उच्च शिक्षित जनशक्तिको विकासको कारणले ताइवानको श्रमिकको ज्याला बढेको थियो । त्यसै अवधिमा चीनमा भएको आर्थिक विकास र त्यहाँको सस्तो श्रमको कारणले भएको उत्पादन सँग ताइवानले प्रतिस्पर्धा गर्न नसक्ने अवस्थाको सिर्जना भयो । त्यसपछि ताइवानले उच्च मूल्यका वस्तुको उत्पादन र सेवामा ध्यान स्थानान्तरण गर्‍यो । सरकारले मुख्यतः निर्यातमुखी आर्थिक संरचना, उच्च प्रविधि र उच्च सीपका उद्योगमा स्तरोन्नति गर्ने निर्णय गर्‍यो । त्यसपछि ताइवानको पहिचान बनेको सूचना प्रविधि र सेमी कन्डक्टर जस्ता अन्य महत्वपूर्ण प्राविधिक उद्योगको विकासमा राज्यको भूमिका महत्वपूर्ण रह्यो । ताइवानले दुई विषय बाहेक लगभग कोरियाको विकास परिपथ नै पछ्याएको देखिन्छ । दक्षिण कोरियासँगको उसको पहिलो फरक सन् १९८० को दशकसम्म ताइवानको अर्थतन्त्रमा कपडा उद्योग जस्तो हलुका उद्योगको महत्वपूर्ण भूमिका देखिन्छ, जुन कोरियाली अर्थतन्त्रमा छोटो समय मात्र रहेको थियो । त्यस्तै ताइवानको सन्दर्भमा अनुदान रोक्ने धम्की नआएसम्म नेतृत्व पहिलो चरणमा रमाइरहेको थियो जबकी द. कोरियामा नेतृत्व आफैले आत्मनिर्भर हुने रणनीति लिएको थियो । (उप्रेती, २०७५)

हङ्कङको विकास धेरै अर्थमा ताइवानको जस्तै रह्यो । बेलायतको अधिनमा रहेको हङ्कङ चीनको मातहतमा गए पनि हङ्कङको अर्थतन्त्र पूँजीवादी चरित्रको नै रहेको छ । त्यसो हुनुको पछाडि हङ्कङ अगाडि देखि नै औद्योगिकीकरणको चरणमा गएको थियो । अन्य तीन राष्ट्रहरूले सन् ६० को दशकमा विकास सुरु गरेका हुन् भने हङ्कङमा सन् १९५० को दशकमै विकास प्रारम्भ भइसकेको थियो । सिङ्गापुरसँगको अन्य समानतामा हङ्कङले पनि जग्गा अभावका कारण अन्न आयात गर्नुपर्‍थ्यो । उसलाई यसबाट भएको व्यापार असन्तुलनलाई सन्तुलनमा ल्याउनु थियो । त्यसका साथै अन्य राष्ट्रहरू जस्तै हङ्कङ पनि औद्योगिकीकरणको चरणपछि उच्च प्राविधिक विकास भन्दा व्यवसायिक केन्द्रका रूपमा विकास भयो (उप्रेती, २०७५) । हाल सम्म पनि हङ्कङ चिनको मातहतमा रहेको एक विश्व प्रसिद्ध औद्योगिक क्षेत्र र अन्तर्राष्ट्रिय बजारको रूपमा विश्व प्रसिद्ध रहेको छ ।

## (ड) मलेसिया

उपनिवेश हुँदै स्वतन्त्रताको लडाईं जितेर विकासको पथमा लम्किएको मलेसिया आजसम्म आइपुग्दा विश्वको ध्यान आकर्षित गर्ने देश बन्न सफल भएको छ । विदेशी लगानी भित्र्याएर बनेको मलेसियाले हालका दिनमा लाखौं विदेशी कामदारलाई रोजगारी दिएको छ र आर्थिक विकासमा थप सशक्त ढंगले लागिपरेको छ । व्यवस्थित सहरीकरण र सडक सञ्जाल, गगनचुम्बी भवन, स्वस्थ र हराभरा वातावरणका साथै राज्य सञ्चालनमा अपनाइएको 'सिस्टम'ले विश्वको ध्यान मलेसियातर्फ तानिएको छ । ४० वर्षको मेहनत र योजनाबद्ध सक्रियतामा तत्कालीन मलेसियन प्रधानमन्त्री महाथीर महम्मदले जसरी मलेसिया बनाउने काम गरे नेपालजस्ता विकासशिल मुलुकमा पनि राजनीतिक इच्छाशक्ति हुने हो भने विकास गर्न कुनै कठिन हुने रहेनछ भन्ने बुझ्न सकिन्छ । आफ्नै विकासको मोडल, सभ्यता, इतिहास, संस्कृति, रहनसहन बोकेको मलेसियामा पर्याप्त पर्यटकीय स्थल रहेकै कारणले गर्दा वर्षेनी २५ मिलियन बढी पर्यटक मलेसिया पुग्ने गर्छन् । पर्यटकहरूको ओइरो लाग्ने मलेसियाको कूल ग्राहस्थ उत्पादनको महत्वपूर्ण हिस्सा पर्यटन क्षेत्रले ओगटेको छ । मलेसियाको विकास, तिब्रतम प्रगति र पर्यटन लोभ्याउने गन्तव्यले होटल व्यवसाय, स्थानीय उत्पादन र स्थानीय बजार निकै फस्टाएका छन् । (सिग्देल, २०१९)

नेपाल उद्योग वाणिज्य महासङ्घको आयोजना तथा नेपाल सरकारको सहआयोजनामा भर्खरै नेपाल बिजनेस कन्क्लेभ (Business conclave) सम्पन्न भएको छ । यस कन्क्लेभको विशेषता भूतपूर्व मलेसियाली प्रधानमन्त्री महाधिरको सहभागिता एवं सम्मेलनमा उहाँले प्रस्तुत गर्नुभएको विकासको मोडेल नै रह्यो । आफ्नो प्रस्तुतिमा उहाँले दोस्रो विश्वयुद्धपछि उहाँको सरकारले सर्वप्रथम गरिब र धनी बिचको खाडल घटाउने योजना बनाएर भूमिहीनहरूको लागि भूमि वितरण कार्यक्रम अगाडि सारेको बताउँदै खेतीयोग्य जग्गाको कमीले यो कार्यक्रमले पूर्ण लक्ष्य प्राप्त गर्न नसकेकोले पुन सरकारले औद्योगीकरणको नीति अख्तियार गरेको खुलासा गर्नुभएको थियो । त्यसबेला मलेसियासँग औद्योगीकरणको लागि अनुभव नभएकोले विदेशी लगानीकर्ताहरूलाई रोजगारी सिर्जना गर्ने खालको उद्योगहरूमा लगानी गर्न निम्त्याएको स्मरण गर्दै यसबाट रोजगारीमा आमजनताको पहुँच बढ्नुको साथै शिक्षित श्रमिक उत्पादन गर्न शिक्षामा लगानी बढाउनु परेको थियो, जसबाट शिक्षित बेरोजगारीको समस्या समेत हल हुन पुगेको थियो । उहाँले आफ्नो सरकारले राजश्व भन्दा रोजगारी सिर्जनालाई प्रमुख लक्ष्य बनाई हिंडेकोले आज मलेसिया औद्योगिक मुलुकको पडिँतमा उभिएको मन्तव्य व्यक्त गर्नुभएको थियो ।

तानाशाहको नाम दिइएका उनले मलेसियामा १९८१ देखि २००३ सम्म अर्थात् २२ वर्ष शासन गरे र यस अवधिमा मलेसियाको आर्थिक वृद्धिदर औषत १० प्रतिशत रह्यो भने जीवनस्तरमा २० गुणाले सुधार भयो । यस्तो कसरी भयो भन्नेबारे आफ्नो अनुभव सुनाउँदै उहाँले भन्नुभयो- मलेसियामा पनि १४ वटा पार्टी थिए । तर विकासको लागि राजनीतिक स्थिरता र व्यापार अनुकूल नीति नियमको आवश्यकता पर्दछ । हामीले यसलाई पूरा गर्दै गयौं र अन्तत देशको राजस्व बढ्न थाल्यो जसबाट हामीले आधारभूत आवश्यकता पूरा गर्दै सबै जनताको जीवनस्तर उकास्न सक्यौं । मलेसियाका डा. महाधिर मोहम्मदको योगदानलाई उच्च मूल्याङ्कन गर्दै मलेसियाली जनताले हालै ९५ वर्षको उमेरमा विश्वकै सबैभन्दा ज्येष्ठ प्रधानमन्त्रीमा निर्वाचित गराएका छन् । अन्तराष्ट्रिय जगतमा थुप्रै युग नायक छन् जसले विकास, समृद्धि र सुशासनमा कोसे ढुंगाका रूपमा आफूलाई स्थापित गराएर जनताको मानसपटलमा चिरस्थायी बास बस्न सफल भए । महाधिर मोहम्मदको लोकप्रियता कुनै वाद र सिद्धान्तको उपज होइन, गरिबी कायापलट गरेर विकसित मलेसिया बनाउन उनले खेलेको योगदानको परिणाम हो (गुप्ता, २०१४) ।

मलेसियाको हाल सञ्चालित ११ औं पञ्चवर्षिय योजनाले (२०१६-२०२०) समावेशिकरण, जनजिवनमा व्यापक सुधारको कार्यक्रम, आय र भौतिक पूर्वाधारमा जोड दिने र धनी गरीब बिचको भिन्नता कम गर्ने नीति अगाडि सारेको छ । मलेसियाले वैदेशिक लगानी भित्र्याउने निति, प्रविधि र सूचना प्रसार गर्ने र मानविय पूँजीको अभिवृद्धि गर्ने कार्यक्रमहरू मार्फत द्रुततर विकास गर्ने लक्ष्यलाई प्राथमिकता साथ अघि सारेको छ । नेपालको लागि पनि यो मोडेल अत्यन्त उपयोगी हुन सक्ने सन्देश दिँदै नेपालले विकासको लक्ष्य निर्धारण गर्दा रोजगारी सिर्जनालाई प्राथमिकता दिएर उपयुक्त र स्थायी वातावरण दिन सकेमा नेपालले पनि विकास गर्ने प्रचुर सम्भावना रहेको धारणा राख्नुभएको थियो । मलेसियाको यो उदाहरणबाट एक व्यक्तिको दुरदर्शी नीतिले राष्ट्रको मुहार फेरिन सक्छ भन्ने शिक्षा लिन सकिन्छ ।

### (च) स्विजरल्याण्ड

जनसंख्या र क्षेत्रफलको आधारमा स्विजरल्याण्ड नेपाल भन्दा साँढे तीन गुणाले सानो देश हो । जन घनत्वको हिसाबले नेपाल र स्विजरल्याण्ड उस्तै देश हुन् । दुबै देशमा १ बर्ग किलोमिटरमा १९८ जना बसोबास गर्दछन् । स्विजरल्याण्डमा ८४० मिटर देखि ४६३४ मिटर मात्र अग्ला ४५१ साना हिमालहरू छन् । प्रत्येक साना हिमालको पनि नामाकरण गरिएको छ । यी सबै हिमालमा पर्यटकलाई खुल्ला गरिएको छ । हिमालमा धुवाँ रहित रेल र केबलकार सञ्जालले सबै प्रकारका मानिसलाई भ्रमण गर्न सम्भव बनाएको छ । स्विजरल्याण्डमा वार्षिक पर्यटकको संख्या २ करोड छ र पर्यटनबाट मात्र रु ४० खर्ब भन्दा बढी आम्दानी हुने गरेको छ । नेपालमा पनि सबै चुचुरालाई नामाकरण गर्नु, पर्यटनका लागि खुला गर्नु, हिमालका निश्चित उचाई सम्म पर्यटन पूर्वाधारको विकास गर्न जरुरी छ, सयौं हिमाल हामी सँग छन् तर हालसम्म सम्पूर्ण हिम चुचुराहरूको नामाकरण गरिएको छैन र पर्यटनका लागि खुल्ला समेत गरिएको छैन ।



स्विजरल्याण्डको संघीय प्रणालीमा १३ वटा क्यान्टोन वा प्रदेशहरू छन् । असंलग्न परराष्ट्र नीति, कडा कानून, द्रुत विकास, राष्ट्रिय सुरक्षा र राष्ट्रिय अर्थतन्त्र चाही स्विसहरूको राजनीतिक प्राथमिकतामा पर्दछन् । स्विजरल्याण्डको सफल संघीय प्रयोगले के देखाउँछ भने राज्य बलियो हुनको निम्ति त्यस राज्यका जनता बलियो हुनुपर्ने रहेछ । जनता बलियो हुन तीन वटा कुरामा राज्यले जनतालाई हेरेको हुनुपर्छ : **जनताको स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा र शिक्षा** । स्विजरल्याण्डले यी तिनै कुराहरूमा जोड दिने गरेको छ र यी तिनै कुरामा जनतालाई सुविधा दिने राष्ट्रहरूको अग्र पङ्तिमा पर्दछ । स्विसहरू आफुले गरेको काममा कर तिर्छन् । आफुले बनाएको नियमलाई कडाईका साथ पालन गर्छन् ।

स्विजरल्याण्ड नेपाल जस्तै भू-परिवेष्टित मुलुक हो । मुख्य आयस्रोत पर्यटन र कृषि नै हो । उन्नत कृषिबाट उत्पादित वस्तु र गाईको दुध यहाँको आम्दानीको मुख्य मेरुदण्ड हो । हुनत यहाँको वैङ्गिड कारोबार अर्थतन्त्रको अर्को महत्वपूर्ण पाटो हो तर सन् १८४८मा संघीय संविधान बने देखिको इतिहासको अध्ययनबाट के देखिन्छ भने संघीयताको सफल प्रयोगले स्विजरल्याण्ड यत्तिको बलियो भएको हो । स्विजरल्याण्डको शासन प्रणाली विश्वमा अनौठो मानिन्छ जहाँ ७ वटा संघका प्रमुखहरूले आलोपालो सरकार चलाउँछन् । विभिन्न देशहरूको औपचारिक प्रतिनिधित्वमा भने उनीहरू राज्यको प्रतिनिधिको रूपमा गएका हुन्छन् । कुनै पनि निर्णय लिँदा जनताको मतको कदर हुन्छ । ५० हजार हस्ताक्षर लिएर कुनै नागरिकले संविधानमा भएका कुरा फेर्न चाह्यो भने चुनाव गरिन्छ । हरेक संघको आफ्नै संसद, न्यायपालिका र प्रणाली छ । सम्प्रभुता सबैको सहमतिको बिन्दु हो । जर्मन, इटालीयन, फ्रेन्च र अल्पसंख्यक रोमन भाषा भाषीलाई राज्यले मान्यता दिएको छ । संघीय प्रदेशहरूमा आफ्नै भाषा चल्छन् । यसर्थ, स्विजरल्याण्डलाई सबै हिसाबले अनुकरणीय राष्ट्र मानिन्छ । (इनेप्लिज, २०७३)

स्विजरल्याण्डलाई विश्वको नमुना राष्ट्र बन्न सघाउँ पुऱ्याउने केही मुख्य कारक तत्वहरूलाई निम्न बुँदाहरूमा उल्लेख गरिएको छ ।

१. क्षेत्रफलमा सानो आकार (Small Size)
२. वास्तविक प्रजातन्त्र (Genuine Democracy)
३. विकेन्द्रीकरणको राम्रो अभ्यास (Decentralization)
४. प्राथमिकता प्राप्त क्षेत्रमा विशेष सहूलियत दिने नीतिहरू (Subsidiary Principle)
५. गैर व्यावसायिक नेताहरू (Non-Professional Politicians)
६. पूँजी र बौद्धिक क्षेत्रका लागि सुरक्षित स्थान (Safe Haven for Capital and Brainpower)
७. मध्यम वर्गीय मानसिकता (Middle-Class Mentality)
८. शिक्षामा विशेष जोड (Educational Priority)

यी विभिन्न कारक तत्वहरूले स्विजरल्याण्डको विकास प्रक्रियामा निकै सघाउँ पुऱ्याएका छन् जुन नेपाल जस्तो भर्खर विकास पथमा अघि बढिरहेको राष्ट्रका लागि अनुकरणीय हुन सक्दछ ।

### (छ) चीनको विकास मोडेल

सन् १९७८ मा देड सियाओपिङ नेतृत्वमा आएपछिका चार दशकयता चीनले आफूलाई विश्व आर्थिक शक्ति (Power house) को रूपमा विकसित गरेको छ । साथै यसले विश्वव्यापी अर्थतन्त्र र भू-राजनीतिमा समेत महत्वपूर्ण परिवर्तन ल्याएको छ । चीनमा आर्थिक सुधार गर्ने कामको सुरुआत कृषि क्षेत्रबाट गरियो । राज्यको नियन्त्रण केही खुकुलो बनाइयो र दोहोरो ट्रयाक मूल्य संयन्त्रको माध्यमबाट किसानहरूलाई बजार सहूलियत प्रदान गरियो । किसानहरूले आफ्नो प्रभावकारिता र उत्पादकत्व बढाएर यस सुधारप्रति सकारात्मक प्रतिक्रिया दिए । त्यसपछि अन्य क्षेत्रमा पनि थप सुधारका कार्य विस्तार हुँदै गयो । (Township and Village Enterprises) टाउनसिप एन्ड भिलेज

इन्टरप्राइजेज (टिभइएस) भनिने हाइब्रिड खालको स्वामित्वको माध्यमबाट गैरकृषि क्षेत्रमा सहूलियत प्रदान गरियो। सहरतिर सुधार फैलिएसँगै राज्यका उद्योगहरूले थप एकाधिकार प्राप्त गरे र यसले उनीहरूलाई उद्यमी बन्न थप प्रेरित बनायो। लगानी गर्न र आर्थिक वृद्धि बढाउन प्रान्त तथा स्थानीय निकायहरूका लागि विभिन्न सहूलियतहरूको व्यवस्था गरिएको थियो। सन् १९९० को दशकताका स्पेसल आर्थिक जोन (एसइजेडएस) को वृद्धिले चीनलाई विश्व अर्थतन्त्रमा समायोजन हुन निर्णायक भूमिका निर्वाह गर्‍यो। (रोड्रिक, २०७५)

देङ सिआओपिङले चीनमा आर्थिक क्रान्ति शुरू गरेको सन् २०१८ मा ४० वर्ष पूरा भएको छ। त्यसलाई उनले चीनको दोस्रो क्रान्ति भन्ने गर्दथे उक्त आर्थिक सुधारपछि चीन विश्व अर्थतन्त्रमा द्रो रूढमा प्रवेश गर्‍यो। आजको मितिमा चीन विश्वको त्यस्तो देश भएको छ जोसँग सबैभन्दा बढी विदेशी मुद्रा सञ्चिति अर्थात् ३.१२ खर्ब डलर छ। चिनको हालको आर्थिक विकासको गतिलाई निम्न तथ्यहरूले पुष्टि गर्दछ।

- कुल गार्हस्थ उत्पादन (११ खर्ब डलर) को मामिलामा चीन विश्वको दोस्रो ठूलो देश हो।
- प्रत्यक्ष विदेशी लगानी आकर्षित गर्ने चीन विश्वको तेस्रो ठूलो देश हो।
- देङ सिआओपिङले सन् १९७८ मा आर्थिक सुधारका कदम चाल्दा विश्व अर्थतन्त्रमा चीनको हिस्सा जम्मा १.८ प्रतिशत थियो जुन सन् २०१७ मा आएर त्यो हिस्सा १८.२ प्रतिशत पुगेको छ।
- चीन अब केवल एउटा उदीयमान अर्थतन्त्र मात्रै रहेन, बरू १५ औं र १६ औं शताब्दीताका विश्व अर्थतन्त्रमा करिब ३० प्रतिशत आफ्नो हिस्सा भएको अवस्थातर्फ उन्मुख भइरहेको राष्ट्र हो।

चीनलाई शक्तिशाली बनाउने नेताहरूमा माओत्से तुङ, देङ सिआओपिङ र वर्तमान राष्ट्रपति सी जिनपिङको नाम आउँछ। देङ सिआओपिङ नेतृत्वमा भएको आर्थिक क्रान्तिको ४० वर्षपछि चीन एक पटक फेरि एउटा द्रो नेतृत्व पाएर अधि बढिरहेको छ। सी जिनपिङ देशको अर्थतन्त्रलाई अझ प्रभावशाली बनाउन उत्पादनको क्षेत्रमा चीनलाई 'महाशक्ति' बनाउन चाहन्छन्। सी जिनपिङले देङ सिआओपिङका उदारिकरणका नीतिहरूलाई अगाडि बढाइरहेका छन् जसमा आर्थिक सुधार लगायतका कदम समेटिएका छन्। चिनियाँ सफलताको कथा दोस्रो विश्व युद्धपछिको एउटा देशको विकासको कथामा मात्रै सीमित छैन। बरू त्यो एउटा नियन्त्रित अर्थतन्त्रबाट मुक्त र उदारिकरणमा आएको परिवर्तनको पनि कथा हो। विश्वका कैयौं देशले पनि चीनले अवलम्बन गरेको परिवर्तनलाई अपनाए। तर लोभलाग्दो सफलता चीनले मात्रै हासिल गर्‍यो। चीनले घरेलु अर्थतन्त्रमा क्रमिक सुधारको प्रक्रिया थाल्यो न कि बजारलाई आफ्नो अर्थतन्त्र सुम्पदियो। सुधार ल्याउने क्रममा उसले कहाँ विदेशी लगानी गर्ने र कहाँ नगर्ने कुराको निर्व्योला गर्‍यो जसका लागि उसले विशेष आर्थिक क्षेत्रहरूको निर्माण गर्‍यो र त्यसका लागि उसले दक्षिणी तटीय प्रान्तहरूलाई रोज्यो। देङ सिआओपिङले कम्युनिष्ट समाजवादी राजनीतिक माहोलमा ठोस परिवर्तनको जग बसाले जसले विश्वमा समाजवादी अर्थतन्त्रको साख जोगाउन सघाउँ पुऱ्यायो।

चिनियाँ लेखक युकोन ख्वाङ आफ्नो पुस्तक 'क्याकिङ द चाइना कन्न्ड्रम: ह्वाइ कन्न्न्सनल इकोनोमिक विज्डम इज रंग' मा लेखेका छन् (देङ सिआओपिङ एक महान् सुधारक मात्रै थिएनन धैर्य नभएका व्यक्ति पनि थिए। देङ सिआओपिङले शुरू गरेको सामाजिक आर्थिक सुधारको दृष्टान्त मानव इतिहासमा अन्यत्र भेटिँदैन। यसले चिनको आर्थिक जिवनमा निम्न परिवर्तन ल्यायो।

- सन् १९७८ देखि २०१६ को विचमा चीनको जीडीपीमा ३,२३० प्रतिशतले वृद्धि भएको छ।
- यसबीचमा ७० करोड मानिसहरू गरिबीको रेखाबाट माथि उठे भने ३८.५ करोड मानिसहरू मध्य वर्गका रूपमा उकासिए।
- चीनको वैदेशिक व्यापार साढे १७ हजार प्रतिशतले बढ्यो भने सन् २०१५ सम्म चीन विदेशी व्यापारमा अगुवाको रूपमा उदायो।
- सन् १९७८ मा चीनले वर्षभरि गर्ने व्यापार अहिले दुई दिनमै गर्छ।
- देङ सिआओपिङले चिनियाँ कम्युनिष्ट पार्टीलाई सामूहिक नेतृत्वमा लगेर चीनमा सामाजिक ( आर्थिक परिवर्तनको प्रक्रियामा तीव्रता दिए। (वि.वि.सी. २०१८)

अर्थतन्त्रको बजार नेतृत्व स्थापित गराउनु र बाहिरी स्वतन्त्रता बढाउनु नै चीनको यस्ता सुधार पछ्याडिका प्रमुख कारणहरू हुन्। तर, अन्तराष्ट्रिय व्यापार र निजी लगानीमा चीनको हिस्सा बढे पनि यसमा राज्य क्षेत्रको हिस्सा भने तुलनात्मक रूपले खुम्चियो। यसका लागि आर्थिक विविधीकरण र पुनर्गठन शृंखलाबद्ध औद्योगिक नीतिका माध्यमबाट प्रवर्द्धन गरियो। विदेशी लगानीकर्तालाई घरेलु कम्पनीसँग संयुक्त उद्यममा आबद्ध हुन लगाइयो र स्थानीय योगदान (Input) को प्रयोग बढाउन लगाइयो। यसबाट विनिमय दर र अन्तराष्ट्रिय वित्तीय प्रवाह केही हदसम्म नियन्त्रित रह्यो। (रोड्रिक, २०७५)

यी सबैको माध्यमबाट चिनियाँ नेतृत्वले कुनै पनि सिद्धान्तको पालना गरेन र आफ्नै विशिष्टताबाट चलाइरह्यो। चिनियाँ आर्थिक सुधार न कम्प्युनिस्ट शिक्षा न त कुनै स्वतन्त्र बजार विश्वासबाट निर्देशित थियो। यदि नीति निर्माताहरूले कुनै एक महत्वपूर्ण सिद्धान्त अपनाउँछन् भने त्यसलाई पक्कै पनि 'व्यावहारिक प्रयोगात्मकता' भन्न सकिन्छ। यो देडको लोकप्रिय बनाइ हो। उनले भनेका छन् 'बिरालोको रडले कुनै पनि फरक पाउँदैन, फरक उसले मुसो समात्न सक्थो कि सकेन भन्ने कुराले पार्छ।' चिनियाँ अनुभवको विलक्षणतालाई हेर्ने हो भने यसले विकसित र विकासोन्मुख दुवै राष्ट्रहरूलाई आर्थिक विकासका लागि महत्वपूर्ण शिक्षा प्रदान गर्दछ। अधिकांश पश्चिमा राष्ट्रमा बजारमाथिको निर्भरता र आर्थिक उदारीकरणका फाइदाहरू प्रस्तुत गर्न चीन सफल बनेको छ। सैद्धान्तिक रूपले चीनले राज्य नेतृत्ववाला आर्थिक मोडलको अन्तर्निहित श्रेष्ठतालाई पुष्टि मात्र होइन स्थापित समेत गरेको छ र बजार केन्द्रित पश्चिमा सिद्धान्तको रडाकोलाई चुनौती दिइरहेको छ। नेपाल जस्तो समाजवाद उन्मुख राष्ट्रका लागि चिनको आर्थिक विकास अनुकरणीय मात्र होइन चिनको आर्थिक र प्राविधिक विकासको प्रभावबाट पनि नेपालले प्रशस्त फाइदा लिन सक्नु पर्दछ जुन अहिले नेपालमा चलेको बहस पनि हो।

### (ज) विकासको भारतिय मोडेल (केरला र गुजरात)

कुनै पनि राष्ट्रलाई समृद्ध बनाउन राज्यले आर्थिक वृद्धि (Economic growth) र कल्याणकारी राज्यका अवधारणालाई आत्मसात गर्नुपर्दछ। यी दुवै मोडललाई एकीकृत र सन्तुलित ढंगले प्रयोग गरेमा सफलता हासिल गर्न सकिन्छ भन्ने दृष्टान्त भारतका केरला र गुजरात विकास मोडलबाट स्पष्ट हुन्छ। सन् १९७० को दशकमा केरला राज्यमा अभ्यास भएको विकास मोडललाई केरला विकास मोडल भनिन्छ। यो मोडलले अराजक आर्थिक वृद्धि विकास मोडल विपरीत आम जनताको शिक्षा, जनस्वास्थ्य र सेवाका न्यायोचित वितरणमा जोड दिन्छ। यही विकास मोडलको कारण केरलामा छोटो अवधिमै तीव्र रूपमा सामाजिक विकास भयो। त्यसबाट त्यहाँका अधिक निम्न र मध्यम वर्गीय जनता लाभान्वित भएको तर्क दिगो विकासका अध्येताहरू दावी गर्छन्।

हाल प्रधानमन्त्रीका रूपमा भारतलाई नेतृत्व दिइरहेका मोदीले गुजरातमा लागु गरेको विकासको मोडलका आधारमा 'मोदिनोमिक्स' शब्द नै निर्माण भएको छ। भारतीय जनता पार्टीको वेवसाइटमै लेखिएको छ-'गुजरात मोडलको भिजन भनेको पूर्ण रोजगारी, कम महंगाई, ज्यादा कमाई, तीव्र गतिको आर्थिक विकास, गुणस्तरीय शिक्षा, सुरक्षा र उत्कृष्ट जीवनस्तर हो।' प्रधानमन्त्री मोदी सन् २००९ देखि २०१४ सम्म गुजरातका मुख्यमन्त्री थिए। मोदीले गुजरातमा सडक, उर्जा र पानी आपूर्ति जस्ता आधारभूत सुविधाहरूमा धेरै नै लगानी गरे। भारतको ग्रामीण विकास मन्त्रालयका अनुसार सन् २००० देखि २०१२ सम्ममा गुजरातमा झण्डै तीन हजार ग्रामीण सडक परियोजनाहरू पूरा भएको थियो।

यस बाहेक सन् २००४ र २००५ तथा सन् २०१३ र २०१४ को बिचको अवधिमा प्रतिव्यक्ति उपलब्ध बिजुलीमा ४१ प्रतिशतले वृद्धि भएको छ। गुजरातले सन् २०१२ देखि अतिरिक्त बिजुली उत्पादन गरिरहेको छ। १८ हजार गाउँहरू ग्रिडसँग जोडिएका छन्। यस बखत गुजरातको औसत जिडिपी (सन् २००० देखि २०१०सम्म) ९.८ प्रतिशत रह्यो जसबेला पुरै भारतको औसत विकास दर ७.७ प्रतिशत मात्र थियो। गुजरातमा मोदीले इ-गवर्नेन्सलाई

प्रभावकारी बनाए जसबाट प्रदेशमा भ्रष्टाचारमा कमी आयो । गुजरात मोडलले सुशासनका पक्षमा रहेको एक 'तटस्थ विचार' का रूपमा ख्याती कमाएको छ । गुजरात सरकारले सुशासन कायम गरेकोमा धेरै पटक अवार्ड समेत जिति सकेको छ । अक्सफोर्डबाट प्रकाशित किताब 'ग्रोथ अर डेवलपमेन्ट ट्विच वे इज गुजरात गोइड' मा उल्लेख भए अनुसार गुजरातले आर्थिक विकासका लागि यस्तो नीति बनाएको छ कि अब जुनसुकै सरकार आए पनि गुजरातको सम्बृद्धिमा असर पर्दैन ।

लगानीका लागि गुजरातमा परमिट लाइसेन्स तथा पर्यावरणसँग जोडिएका औपचारिकताहरू पूरा गर्न कानूनी अडचनहरू राखिदैन । लगानीकर्ताहरूलाई आकर्षित गर्ने र मनोबल बढाउने कुरामा मोदीले कुनै कसर बाँकी राखेनन् । पश्चिम बंगालमा लामो समयदेखि विवादका विच सञ्चालनमा रहेको टाटा मोटर्सको नानो कार प्लान्ट सन् २००८ मा पश्चिम बंगालबाट गुजरातको साणन्दमा सारियो । पश्चिम बंगालको सरकारले जग्गाको मामिला सुल्झाउन नसक्दा जनताको विरोध थग्न नसकेर प्लान्ट नै बन्द गर्नुपऱ्यो तर, गुजरातमा अहिले फोर्डले पनि प्लान्ट सुरु गरिसकेको छ । मोदीले फोर्ड, सुजुकी तथा टाटा जस्ता ठूला कम्पनीहरूलाई गुजरातमा प्लान्ट लगाउने अनुमति दिएर अटो म्यानुफ्याक्चरिङ इन्डस्ट्री मार्फत गुजरातमा पर्याप्त अवसर भित्र्याएका छन् ।

हालसम्म पनि गुजरात भारतको सबैभन्दा औद्योगिकृत राज्य हो । पश्चिमी तटमा रहेको फाईदा पनि यसले उठाइरहेको छ । भारतको जनसंख्याको ५ प्रतिशत आवादी रहेको गुजरातमा देशको कुल क्षेत्रफलको ६ प्रतिशत जमीन छ । पानी नपर्ने समस्या भोग्ने गुजरातमा खेती गर्न त्यति सहज छैन तर पनि भारतको कुल निर्यातको २२ प्रतिशत गुजरातबाटै हुन्छ । हाल गुजरातको जिडिपी ७.६ प्रतिशत छ । लामो तटक्षेत्रका कारण अन्तर्राष्ट्रिय व्यापार धेरै नै सुगम छ । भारतको एक तिहाइ समुन्द्री जहाज गुजरातकै तट भएर जाने गर्छ । सन् २०१० देखि नै गुजरातले ४३ हजार ८४८ मिलियन युनिट विजुली उत्पादन गर्न थालेको हो । गुजरातमा ४० हजार ७९३ मिलियन युनिट माग रहेकोमा बाँकी रहेको विजुली उसले अन्य १२ राज्यहरूलाई बेच्न थालेको छ । त्यस्तै भारतमा कुल ३.८ प्रतिशत बेरोजगारी दर रहेकोमा गुजरात राज्यमा सबैभन्दा न्यून १ प्रतिशत मात्र बेरोजगारी दर रहेको श्रम ब्यूरोको प्रतिवेदनमा उल्लेख छ (Bizmandu, 2018) । भारतको गुजरात र केरला मोडलले पूँजीवादी र समाजवादी चरित्रलाई अवलम्बन गरेको छ जुन नेपाल लगायत अरु देश र राज्यका लागि पनि अनुकरणीय रहेको छ ।

### (भ्र) रुवान्डाली मोडेल

हरियो जंगल र पहाडले घेरिएको पूर्वी मध्यअफ्रिकी मुलुक रुवान्डा सन् १९९० तिर तत्कालीन सरकारद्वारा 'प्रायोजित' जनसंहारका कारण जातीय द्वन्द्वबाट ग्रस्त थियो जुन विस्तारै पुर्नस्थापनातर्फ अघि बढिरहेको छ । सन् १९९० देखि उसले आर्थिक विकासमा ठुलो फड्को मारेको छ । त्यहाँ जातीय टुत्सीहरू र हुटुहरूबिच दंगा हुँदा सय दिनमै आठ लाखभन्दा बढीको हुटु समुदायको वर्चस्व रहेको सुरक्षा निकायद्वारा हत्या गरिएको विभिन्न अन्तर्राष्ट्रिय संस्थाहरूको प्रतिवेदनमा उल्लेख छ । जातीय द्वन्द्व र तनावको प्रमुख कारण अल्पसंख्यक टुत्सी र बहुसंख्यक हुटुबिच जारी परम्परागत असमानतालाई मानिएको छ । आज त्यहाँ सबैखाले द्वन्द्वको समाधान भई विकास निर्माण र आर्थिक क्षेत्रमा ऐतिहासिक प्रगति भइरहेका छन् । त्यसैले द्वन्द्वमा फसेका र द्वन्द्वपछिका राज्य र सरकारले गर्नुपर्ने कामका लागि रुवान्डालाई उदाहरणका रूपमा लिने गरिएको छ । रुवान्डाले वर्षौदेखिको द्वन्द्वमा मलहम लगाउन आफ्नै स्रोत र साधनको पहिचान मात्रै गरेन, त्यसको उपयोग गरी मुलुकलाई समृद्ध बनाउने उत्कृष्ट चाहनाका साथ अघि बढिरहेको छ । त्यसै क्रममा उसले कफी र चिया उत्पादन गरी आफ्नो अर्थ व्यवस्थाको पुर्ननिर्माणमा जुटेको छ । यी दुई उत्पादनहरू त्यहाँका प्रमुख निर्यात वस्तुमा दरिएका छन् । रुवान्डाको ऐतिहासिक विकासको सफलता यसले अख्तियार गरेको विकास र सकारात्मक आर्थिक नीति नै हो जसले त्यहाँ गरिबी र असमानता घटाउन सहयोग पुगेको छ ।

२३ वर्षअघि त्यहाँको अर्थव्यवस्था तहसनहस थियो । खासगरी, सन् १९९४ मा टुत्सीविरुद्ध मच्चाइएको नरसंहारपछि अधिकांश सेवा र सुविधाहरू ठप्प थिए । करिब १० लाख मानिसको ज्यान र हजारौंलाई विस्थापित हुने गरी भएको जनसंहार अघि र पछि रुवान्डाको वृद्धिदर ऋणात्मक अवस्थामा पुगेको थियो । तर, आज विश्वका तीव्र गतिमा बढ्दो अर्थतन्त्र भएको मुलुकमा रुवान्डाले आफूलाई उभ्याउन सफल भएको छ । सन् १९९४ मा मुलुकको वृद्धिदर ऋणात्मक (-११.४ प्रतिशत) रहेकोमा सन् २०१४ मा ७ प्रतिशत र सन् २०१५ मा ६.९ प्रतिशतमा पुगेको थियो । यो वृद्धिदर र आर्थिक छलाडको कारण पुर्ननिर्माण, निर्यात प्रवर्द्धन, ऊर्जा विकास र समावेशी वित्त हुन् । यिनै विषयलाई आफ्नो विकासको मोडल बनाएर रुवान्डा छोटो समयमै अन्य मुलुकका लागि नमुना बनेको हो । खासगरी नरसंहारको समाप्तिसँगै मुलुकले सुरु गरेको पुर्नजागरण र रूपान्तरणको अभियानले उसलाई ऐतिहासिक सफलताको शिखरमा पुऱ्यायो । यसले सन् २०१२ को अन्त्यसम्मको एक दशकमा आफ्नो वार्षिक आर्थिक वृद्धिदर ८ प्रतिशतमा पुऱ्यायो । यो दर विश्वव्यापी र अफ्रिका महादेश भरिकै सबैभन्दा उच्च रह्यो । यसमा उसको बलियो आर्थिक आधार, नीति तथा कार्यक्रमहरूको कारणले नै हो । विशेषगरी 'ग्रासरूट' स्तरमा सवावेशी विकासको नीतिले रुवान्डालाई आफ्नो लक्ष्यमा पुग्न सफल बनायो । मुलुकले आर्थिक विकास र गरिबी निवारण रणनीतिका साथ अघि बढ्दै सन् २०१८ सम्ममा वार्षिक रूपमा कृषि क्षेत्रमा दुई लाख रोजगारी सिर्जना गर्ने जनाएको छ । अनाज उत्पादनमा वृद्धि गर्ने लगायतका पहल उसले धेरै पहिले सुरु गरिसकेको थियो । फलस्वरूप दुई दशकमै विकासलाई उत्कर्षमा पुऱ्याउन ऊ सफल भयो । सन् २०१३ मा प्रतिव्यक्ति आय ६४४ अमेरिकी डलर रहेकोमा सन् २०१८ सम्ममा १२ सय अमेरिकी डलर पुऱ्याउने लक्ष्य रहेको छ । यसैगरी, निजी क्षेत्रको लगानी जीडीपीको १५.४ पुऱ्याउने लक्ष्य पनि उसले लिएको छ । उसले वार्षिक वृद्धिदर ११.५ हासिल गरेको छ । सेवा क्षेत्र, उद्योग र कृषि लगायत अन्य क्षेत्रमा पनि राम्रो प्रगति गरेको छ । यसैगरी रुवान्डाले आफ्नो निर्यात प्रवर्द्धन गर्दै सन् २०१८ सम्ममा २८ प्रतिशत निर्यात बढाउने र थप ५६३ मेगावाट विद्युत् उत्पादन गरी ७० प्रतिशत घरधुरीलाई विद्युत् सेवा दिने अठोटका साथ अघि बढेको छ । वित्त विकास र वित्तीय सेवामा सुधारले वित्तीय क्षेत्रमा द्रुतगतिमा वृद्धि भइरहेको छ । फलस्वरूप जनसंख्या वृद्धिका बावजुद मुलुकमा गरिबी न्यूनीकरण भैरहेको अवस्थामा छ । बैङ्किङ क्षेत्र स्थिर र राम्ररी पूँजीकृत भएको स्थितिमा छ (यादव, २०७३) । रुवान्डाको यो तरक्कीले नेपाल जस्तो विकासोन्मुख राष्ट्रका लागि उदाहरण प्रस्तुत गर्दछ जसलाई नेपालले शिक्षाको रूपमा लिनु पर्दछ ।

### (ज) इथियोपियाली मोडेल

विश्वकै सबैभन्दा बढी जनसंख्या भएको भूपरिवेष्टित मुलुक इथियोपिया अफ्रिका महादेशमा नाइजेरिया पछिको दोस्रो ठूलो जनसंख्या भएको देश हो । ८० भन्दा बढी भाषा बोलिने र संस्कृतिको धनी इथियोपियाको अवस्था रुवान्डाबाट अलि फरक भए पनि विभिन्न संकटकका बावजुद विकासमा यसले फड्को मारेको छ । पूँजीगत परियोजनामा पनि खासगरी आधारभूत संरचनामा रकम खर्चिरहेको रुवान्डाले निकै छोटो अवधिमा 'डाइभर अफ बुम' को अवस्थामा ऊ पुगेको छ । यसको मुख्य कारण त्यहाँको सरकार आफैँ होइन, सरकारद्वारा सञ्चालित कम्पनी मार्फत विकास, निर्माण र संरचनामा खर्च गरिएकोले हो । सरकारले औद्योगिक पार्कदेखि चिनी कारखाना र पावर लाइन तिनै संस्था मार्फत बनाउने गरेको छ । खासगरी कमर्सियल बैङ्क अफ इथियोपिया, इथियो टेलिकम र इथियोपिया इलेक्ट्रिक पावरले त्यहाँको पूँजीगत लगानीमा ७० प्रतिशत योगदान पुऱ्याएका छन् । विश्व बैङ्कद्वारा सन् २०१६ मा प्रकाशित 'इथियोपियाज ग्रेट रन, दि ग्रेट एसिलेरेसन एन्ड हाउ टु पेस इट' (Ethiopia's great run the growth acceleration and how to pace it) ले उल्लेख गरे अनुसार, इथियोपिया सन् २००० यता विश्वको सातौँ तीव्र आर्थिक वृद्धिदर भएको मुलुक हो । सन् १९८१ देखि १९९२ सम्म उसको जीडीपी जम्मा ०.५ प्रतिशत रहेकोमा सन् १९९३-२००४ सम्मको अवधिमा यो ११ प्रतिशतमा पुग्यो, जुन चीन अथवा भारतभन्दा धेरै राम्रो हो । सन् २००० मा इथियोपिया विश्वकै सबैभन्दा दोस्रो गरीब राष्ट्र थियो तर आज उसलाई विश्वकै दोस्रो अर्थतन्त्र भएको मुलुक चीनसँग तुलना गर्न थालिएको छ । यस प्रकारको उपलब्धि प्राप्त गर्नुमा आधारभूत संरचनामा उसको ठूलो लगानी प्रमुख कारण हो ।

इथियोपियाको विद्युत् विकास, रेल कनेक्टिभिटी र अन्तरप्रदेशीय राजमार्ग संघीय सरकारले बनाइरहेको छ जसले कृषि र अन्य विकास निर्माणका साथै हलुका वस्तु उत्पादनतिर पनि त्यतिकै जोड दिएको छ । चीन या पूर्वी एसियाली मोडेल विपरीत इथियोपिया आफ्नो अत्यन्तै बलियो पूँजी नियन्त्रण मार्फत 'ओभरभ्यालु' मुद्रा कायम राख्न सफल छ । यसका लागि उसले प्रिमियम डलरमा ग्रहण गर्छ । जसले गर्दा कम्पनीहरूलाई स्थानीय इथियोपियाली मूल्य कम भए पनि सामान निर्यात गर्न सजिलो छ । आयातकर्ता जोसुकै भए पनि उनीहरूका लागि सजिलो वातावरण छ, त्यहाँ उदाहरणका लागि फूल निर्यातकर्ताले पनि उपभोग्य वस्तु आयात गर्न डलरसम्म आफ्नो पहुँचको उपयोग गर्न पाउँछन् । यो उसको प्रबन्धकीय या प्रविधि क्षेत्रको पहिलो विशेषज्ञता हुन सक्छ । त्यहाँका बैङ्कहरूलाई मुद्रास्फीतिको दरभन्दा तल भर्दा पनि ऋण निकास गर्न त्यहाँ निर्देशन दिने गरिन्छ । आश्चर्यको कुरा त के छ भने धनको भुक्तानी गर्न त्यहाँ ऋणको माग बढ्दो छ । पोर्टफोलियो लगानीकर्ता (पूँजी बजारमा गर्ने लगानीकर्ता) हरू र विदेशी बैङ्करूप्रति त्यहाँको सरकारको एक खालको वैचारिक भिन्नता छ । विदेशी 'पोर्टफोलियो लगानी' भन्दा आन्तरिक स्रोत र साधनको प्रयोग रकम जुटाउनका लागि उसले गर्ने गरेको छ । त्यसैले त उसले केन्याको 'आईपीओ टेलिकम' को लगानी मुलुकमा भित्र्याउनुको साटो सरकारी स्वामित्वमा रहेको दूरसञ्चारको एकाधिकारबाटै लाभ लिन उद्यत देखिन्छ ।

राज्यको स्पष्ट दिशा, एकाधिकार, विनिमय र मूल्य नियन्त्रणमा केन्द्रित इथियोपियाले जमिन, श्रम, लजिस्टिक, ऋण र विद्युतमाथि केन्द्रित भएर अघि बढ्न पाँच वर्षे योजना निर्माण गरि विकास प्रक्रियालाई निरन्तरता दिइरहेको छ । इथियोपिया विश्व व्यापार संगठन (डब्लूटीओ) मा छैन र आईएमएफको सहयोग पनि उसले लिएको छैन । अफ्रिकाको सिंह (दी हर्न अफ अफ्रिका) भनेर समेत चिनिने इथियोपिया ५० वर्षयताकै सबैभन्दा ठूलो खडेरीको चपेटामा पयो तर, त्यसलाई कुशलता पूर्वक समाधान गर्न खाद्यान्न जम्मा गर्ने राष्ट्रिय नीति अघि सारियो । एक अर्ब अमेरिकी डलर सहयोगमा ७ सय ३५ मिलियन अमेरिकी डलर उसले आफ्नै लगानी गर्‍यो, जुन रकम उसको कुल जीडीपीको ६१.६४ अर्ब अमेरिकी डलरको १० प्रतिशत हो । इथियोपियाले गरेको यो प्रगतीलाई आत्मसात गरेको भए भूकम्प पीडितहरूको पुर्नस्थापना गर्न र द्रुततर आर्थिक विकास गर्न नेपाललाई सजिलो हुने देखिन्छ (यादव, २०७३) ।

माथि उल्लेखित विश्वका केही देशहरूको विकास मोडलहरूको अलावा चिली, क्युवा, दक्षिण अफ्रिका, भुटान लगायतका अन्य देशहरूको मोडल पनि अनुकरणीय रहेका छन् । यी विभिन्न विकास मोडलहरूको तुलनात्मक अध्ययनले के देखाउँछ भने विश्वका विभिन्न राष्ट्रका आफ्नै मौलिक विकासका ढाँचाहरू रहेका छन् जसलाई ति राष्ट्रहरूले आफ्नो विशिष्ट परिवेशमा निर्माण गरेका थिए । नेपालको सन्दर्भमा विकास मोडलको निर्माण गर्दा भारत र चिनको सन्निकटता, भूपरिवेष्टित परिवेश, प्राकृतिक साधनको दोहन निति, भौतिक पुर्वाधारको आवश्यकता, जलस्रोतको पर्याप्तता, पर्यटकीय क्षेत्रहरूको विकास आदिमा ध्यान दिन जरुरी देखिन्छ । विकासको मार्गमा अग्रसर हुँदै गरेको वर्तमान अवस्थामा नेपालले यी राष्ट्रहरूबाट शिक्षा लिन जरुरी रहेको छ । केन्द्र देखि स्थानीय तह सम्मका निकायहरूले यी मोडलहरूको अध्ययन गरि आफ्नो लागि उपयुक्त मोडल कुन हो पहिचान गरि भावी नीति र कार्यक्रम निर्माण गर्ने र कार्यान्वयन गर्नुपर्ने देखिन्छ ।

## अनुसूची - २: वडागतरूपमा प्रस्तावित माग तथा कार्यक्रमहरू

### (क) आर्थिक क्षेत्र

#### १. कृषि तथा पशुपन्छी

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरू
<b>वडा नं. १</b>	
१	हाईब्रिड बीउ विजन तथा मलको समयमै उपलब्धता
२	भेटेरिनरी स्थापना तथा सञ्चालन
३	कृषि प्राविधिकको व्यवस्था
४	उन्नत जातका पशुपन्छी वितरण
<b>वडा नं. २</b>	
१	पर्याप्त मात्रामा गुणस्तरीय बीउ विजनको समयमै उपलब्धता
२	कृषि सम्बन्धी औजार तथा आधुनिक प्राविधिकको व्यवस्था
३	उन्नतजातका पशुपन्छी वितरण तथा पशुपन्छीमा लाग्ने रोगको सहजै उपचारको व्यवस्था
<b>वडा नं. ३</b>	
१	भटमास उत्पादनमा ह्रास आउनुको कारण पत्ता लगाइ समाधानको उपाय पहिचान
२	कृषि प्राविधिकको व्यवस्था
३	खेतीमा लाग्ने किराहरु हटाउन समाधानका उपाय पहिचान
४	पशुपन्छीहरुमा लाग्ने रोग सम्बन्धी औषधीको पर्याप्त मात्रामा उपलब्धता
५	मल तथा बीउ विजनको समयमै उपलब्धता
<b>वडा नं. ४</b>	
१	बेमौसमी कृषि खेतीका लागि टनेलको व्यवस्था
२	धान, मकै, गहुँ उत्पादनका लागि बीउ विजनको खरिद
३	उन्नत जातका पशुपन्छी वितरण
४	माछाका भुरा वितरण
५	कृषि प्राविधिकको व्यवस्था
६	पशुपंक्षीलाई नियमित रूपमा खोपको व्यवस्था
७	बाखा पकेट क्षेत्रका लागि कोइराला खर्कमा तालिमको व्यवस्था
८	तरकारी खेती पकेट क्षेत्र वाजुघाट, व्यवसाय तरकारी पकेट क्षेत्र नर्जिवाड, व्यवसाय तरकारी खेती तल्लो गाउँ कोइराला खर्कमा एक गाउँ एक कृषि कार्यक्रम
<b>वडा नं. ५</b>	
१	कृषि प्राविधिकको व्यवस्था
२	भेटेरिनरी सहित दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था
३	पशुपन्छी सम्बन्धी उचित ज्ञान सिपको व्यवस्था
४	सुन्तला, कागती, आँप, लिची, आलु विशेष पकेट क्षेत्र कायम
५	मकै, कोदो, गहुँ, जौ, फापर, कोदो खेती विशेष पकेट क्षेत्र कायम
६	चिराइतो, पदमचाल्नी, रुखमा पाइने भुल च्याउ, पदम भेटको व्यवसायीकरण
७	बाखा पालन व्यवसायमा कटिड मेशिनको व्यवस्था

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. ६</b>	
१	कृषि प्राविधिकको व्यवस्था
२	पर्याप्त मात्रामा मल, बीउ विजनको समयमै उपलब्धता
३	कागती, सुन्तला व्यवसाय पकेट क्षेत्र विस्तार
४	पशुपालन सम्बन्धी (बाखा, कुखुरा) तालिम तथा प्रशिक्षणको व्यवस्था
<b>वडा नं. ७</b>	
१	उत्पादित वस्तुको उचित बजारीकरण
२	कृषि प्राविधिकको व्यवस्था
३	नगदेवाली खेतीमा प्रोत्साहनका लागि जनचेतना सहित उचित शिक्षाको व्यवस्था
४	बाखापान व्यवसाय सञ्चालनका लागि उन्नत जातका बाखा वितरण तथा उचित तालिमको व्यवस्था
५	भेटेरिनरीमा पर्याप्त मात्रामा औषधीको उपलब्धता
६	सुन्तला खेती, आँप खेती, कागती र टिमुर खेतीका लागि तालिमको व्यवस्था
<b>वडा नं. ८</b>	
१	कृषि प्राविधिकको व्यवस्था
२	मल तथा बीउ विजनको समयमै उपलब्धता
३	व्यवसायिक पशुपन्छी पालन सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था
४	नगदेवाली, अदुवा, बेसार, टिमुर, चिराइतो खेतीको व्यवसायिकरण
५	कृषि उत्पादित वस्तु (अदुवा, अलैंची, टिमुर, बेसार, सुन्तला) को बजारीकरण

## २. भूमि व्यवस्था

वडा नं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. २</b>	
१	आवश्यकताका आधारमा भूमि विशेषज्ञको दरबन्दी

## ३. सिँचाई

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	घोडे खोला विकासी कुलो निर्माण (८०० मि.) बाकी कार्य समयमै सम्पन्न
२	सिम खोला सिँचाई कुलो निर्माण कार्य सम्पन्न
३	घोडा खोला सिँचाई कुलो निर्माण
४	उर्लि खोला भलवाड सिँचाई कुलो निर्माण
५	घोडे खोला वासबोट सिँचाई कुलो निर्माण
६	भद्रेचौर नयाँ सिँचाई कुलो निर्माण
७	गुहेश्वरी खोला देखि सल्ली पिपल सम्म सिँचाई कुलो निर्माण



क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
८	भलवाडमा लिफ्टिड प्रविधि मार्फत सिँचाईको व्यवस्था
<b>वडा नं. २</b>	
१	Underground ट्याङ्कीको व्यवस्था
<b>वडा नं. ३</b>	
१	पानीका नयाँ मुहानको पहिचान गरी लिफ्टिडद्वारा सिँचाईको व्यवस्था
२	पोखरी निर्माण
<b>वडा नं. ४</b>	
१	अरेश खोला वाजुघाट सिँचाई योजना निर्माण
२	अरेश खोला वौदार वाग्मा सिँचाई योजना निर्माण
३	अरेश खोला धारा खर्क वाग्मा रतन पोखरी सिँचाई योजना निर्माण
४	अरेश खोला वौदार विष्ट टोल सिँचाई योजना निर्माण
५	अरेश खोला धनमुढा सिँचाई योजना निर्माण
६	अरेश खोला साठी मूरे सिँचाई योजना निर्माण
७	अरेश खोला वाजुघाट सिँचाई योजना निर्माण
८	अरेश खोला वाजाघाट छिनै सिँचाई योजना निर्माण
९	अरेश खोला पाल्लो वन सिँचाई योजना निर्माण
१०	देउखुरी खोला सिँचाई योजना निर्माण
११	रोटेखोला हेसु सिँचाई योजना निर्माण
१२	रोटेखोला सिल्थापे सिँचाई योजना निर्माण
१३	हलहले खोला राम्चे सिँचाई योजना निर्माण
१४	तल्लो देउखुरी खोला सिँचाई योजना निर्माण
१५	लुङ्गी खोला जादे पोखरा वर्जिवाड लिफ्टिड सिँचाई योजना निर्माण
१६	लुङ्गी खोला बाउवाड लिफ्टिड सिँचाई योजना निर्माण
१७	अरेश खोला लाम्पाटा सिँचाई योजना निर्माण
<b>वडा नं. ५</b>	
१	मनघाट सिँचाई कुलो मर्मत सम्भार
२	फलिवाड खोला क्वाली गाउँ सिँचाई योजना RCC द्वारा स्तरोन्नति
३	पोवाड खोला सालीवाड सिँचाई योजना निर्माण तथा स्तरोन्नति
४	काफलबोट सिमकुना लिफ्टिड सिँचाई योजना निर्माण
५	वरेमघाट रिम्भा लिफ्टिड सिँचाई योजना निर्माण तथा सञ्चालन
६	भम्पावेसी अधुरो सिँचाई योजनाको समयमै निर्माण सम्पन्न

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
७	फलवाड खोला भेवाड सिँचाई योजना निर्माण तथा सञ्चालन
८	औलो खोला मनघाट सिँचाई आयोजनामा थप पानीका लागि गडकुलो मुहानमा मिसावट
९	खरेखोला धाओ खोला सिँचाई योजना निर्माण तथा सञ्चालन
<b>वडा नं. ६</b>	
१	धनुवा रातामाटा कुटुरा अधुरो सिँचाई योजनाको निर्माण समयमै सम्पन्न
२	भ्रिवा खोला डिही खेत स्याला सिँचाई कुलो निर्माण
३	सिम आरुखाडा अधुरो सिँचाई योजना समयमै सम्पन्न
४	धनुवाखोला सिमसारा सिँचाई योजना विस्तार
५	खुमेलगाड सानीमुरे अधुरो सिँचाई योजनाको निर्माण समयमै सम्पन्न
६	ठुलो खोला जुगेना सिँचाई योजना सञ्चालन
७	पातलो खोला तीमलेखर्क सिँचाई योजना सञ्चालन
८	दोमही सिम लाम्पाटा सम्म सिँचाई कुलो विस्तार
<b>वडा नं. ७</b>	
१	अरेश खोला, जुतुड खोलाको पानी लिफ्टिड प्रविधि मार्फत सिँचाईको व्यवस्था
<b>वडा नं. ८</b>	
१	अरेश खोलाको पानी लिफ्टिड प्रविधि मार्फत सिँचाईको व्यवस्था
२	अरेश खोला देखि लाकुरी जाने कुलोको स्तरोन्नति
३	अरेश खोला अघारे देखि चिन्ने लिफ्टिड सिँचाई योजना निर्माण
४	मसार सिँचाई कुलो निर्माण

#### ४. पर्यटन, सँस्कृति तथा सम्पदा

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	घोडाकोट शिवालय मन्दिर, घोडाकोट देवस्थान मन्दिर, देवी मन्दिर थुम्पाकी, भयर थान मन्दिर थुम्पाकी, शिवमन्दिर, वरनेटा, बराहस्थान मन्दिर थुम्पाकी, पिउपा शिव मन्दिर, सल्ले पिपल विद्यालय भित्रको मन्दिर, भलवाड शिव मन्दिर मर्मत सम्भार
२	धारावाड शिव मन्दिर तथा रेडसल पार्क निर्माण
<b>वडा नं. २</b>	
१	भुरे टाकुरे, खुङ्गी कोट राज दरबार मर्मत सम्भार तथा व्यवस्थापन
२	शिव पञ्चायत, त्रिपुरा सुन्दरी मन्दिर संरक्षण तथा व्यवस्थापन
<b>वडा नं. ३</b>	
१	साथीबरा मन्दिर, सिद्ध थान मन्दिरको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
२	साँस्कृतिक भवन निर्माण
<b>वडा नं. ४</b>	
१	भगाने गुफा मर्मत सम्भार तथा संरक्षण
२	शहिद स्मृति पार्क उपल्लो भैसीधारा मर्मत सम्भार तथा संरक्षण
३	वर्जिवाड गोवनपानी गुफा मर्मत सम्भार तथा संरक्षण
<b>वडा नं. ५</b>	
१	क्वाली गाउँ स्थितका देवी मन्दिरहरु, क्वाली गाउँ बराह क्षेत्रका विभिन्न मन्दिरहरुको संरक्षण
२	मन्धामा बराह क्षेत्र संरक्षण
३	काभ्रामा बराह र महादेव मन्दिर संरक्षण
४	काभ्रा स्थितका सिद्ध मन्दिर, ऋभ्रामा बराह, महादेव मन्दिर मर्मत सम्भार तथा संरक्षण
५	रातो भीर स्थित भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न गरी पर्यटन क्षेत्र कायम
<b>वडा नं. ६</b>	
१	पाटेश्वरी भगवती मन्दिर मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति
२	गुजरकोट दरवार मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति
३	सुनिल पार्कको स्तरोन्नति
४	थामलेक भौतिक पूर्वाधार निर्माण सहित पर्यटन क्षेत्र कायम
५	शिवजी मन्दिर, पातिहाल, शिव मन्दिर र राधाकृष्ण मन्दिर, पानीपोखराको मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति
<b>वडा नं. ७</b>	
१	होमस्टे सञ्चालन
२	राज्यपोखरी, मालारानी, शान्तिपाटीका, खड्केभिर, भौसीपुरे, लिस्ने लेख पर्यटन क्षेत्र कायम तथा भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था
३	सिगारु नाच, पञ्चेबाजा लगायतका संस्कृति संरक्षणका निम्ती प्रोत्साहन कार्यक्रम
<b>वडा नं. ८</b>	
१	सिद्ध बराह देवथान-अरेश, सिस्ने खोला मन्दिर, थानी नायक मन्दिर-चिन्ने मर्मत सम्भार तथा स्तरोन्नति
२	लिस्ने डाँडा, नाड्ली लेकलाई पर्यटकीय स्थलको रुपमा कायम

### ५. साँस्कृति, भाषा, कला तथा साहित्य

क्र. सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	सल्ली पिपल स्थित साँस्कृतिक भवन केन्द्र निर्माण

क्र. सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. २</b>	
१	साँस्कृतिक भवन केन्द्र स्थापना
२	साँस्कृतिक कार्यक्रमलाई प्रोत्साहन
<b>वडा नं. ३</b>	
१	कला संग्रहालय भवन निर्माण
२	साँस्कृतिक कार्यक्रम सञ्चालन
<b>वडा नं. ४</b>	
१	सुलिचौर छिनैमा साँस्कृतिक भवन केन्द्रको स्थापना
<b>वडा नं. ५</b>	
१	साँस्कृतिक केन्द्र स्थापना
२	पालिकामा रहेका कला संस्कृतिहरुलाई प्रोत्साहन
<b>वडा नं. ६</b>	
१	साँस्कृतिक केन्द्र स्थापना
<b>वडा नं. ७</b>	
१	साँस्कृतिक भवन केन्द्रको स्थापना
<b>वडा नं. ८</b>	
१	साँस्कृतिक भवन निर्माण
२	साहित्यिक केन्द्र स्थापना
३	पञ्चेबाजा, मारुनी नाच, सारङ्गी नाच लगायतका संस्कृतिलाई प्रोत्साहन

#### ६. उद्योग, व्यापार, व्यवसाय तथा आपूर्ति

क्र. सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	अलैंची, दालचिनी, टिमु, मालागेडी, मह, सुन्तला उत्पादन व्यवसाय सञ्चालन
२	अदुवा, बेसार, अगरवती उद्योग तथा उखु व्यवसाय सञ्चालन
३	ढाका बुनाई उद्योग सञ्चालन
४	खसी, बाखा तथा मौरी पालन व्यवसाय सञ्चालन
५	काफल, आँप, कागती, अनार, लिची, केरा, चिउरी व्यवसाय प्रवर्द्धन
६	साबुन उद्योग सञ्चालन
<b>वडा नं. २</b>	
१	बासद्वारा उत्पादन तथा निर्माण गर्न सकिने उद्योग सञ्चालन
२	अदुवा, टिमु, अमला लगायत वस्तुको प्रशोधन गर्ने उद्यमको स्थापना

क्र. सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. ३</b>	
१	काउलीको जरा, टिमुर, दालचिनी, रिठ्ठा, तितेजरा लगायतका वस्तुको प्रशोधन गर्ने उद्यमको स्थापना
२	उद्योग व्यवसाय सम्बन्धी सिपमूलक तालिमको व्यवस्था
<b>वडा नं. ४</b>	
१	
<b>वडा नं. ५</b>	
१	अल्लो पुवामा धागो उद्योग सञ्चालन
२	कफि उद्योग प्रशोधन मेशिनको व्यवस्था
<b>वडा नं. ६</b>	
१	जुस तथा काष्ठ उद्योग सञ्चालन
२	टिमुर, दालचिनी, कौलो बोक्रो, चुत्रो, समायो, ढुङ्गीफूल, तिते जडिबुटीबाट औषधी बन्ने उद्योग स्थापना
<b>वडा नं. ७</b>	
१	टिमुर, दालचिनी, सुन्तला व्यवसाय सञ्चालन
२	काष्ठ उद्योग सञ्चालन
३	मसला, बेसार उद्योग सञ्चालन
<b>वडा नं. ८</b>	
१	काष्ठ उद्योग सञ्चालन
२	पशुपालन सम्बन्धी व्यवसाय सञ्चालन
३	अदुवा, टिमुर प्रशोधन केन्द्रको स्थापना

### ७. बैङ्क तथा सहकारी/गरिबी निवारण

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	घोडाकोटमा गरिबी निवारण कार्य सञ्चालन
२	घोडागाउँमा गरिबी निवारण कार्य सञ्चालन
<b>वडा नं. २</b>	
१	लगानी तथा ऋण प्रदान गर्ने खालका सहकारी तथा बैङ्क सञ्चालन
<b>वडा नं. ३</b>	
१	मापदण्ड अनुसार ऋणको व्यवस्था
<b>वडा नं. ४</b>	
१	सहकारीहरुको विवरण, तालिम तथा दर्ता प्रक्रिया

२	उत्पादनमूलक कृषि व्यवसाय उद्योगी सिपमूलक तालिमको व्यवस्था
<b>वडा नं. ५</b>	
१	सहुलियत दरमा ऋण लगानीका लागि कृषि सहकारीको व्यवस्था
<b>वडा नं. ६</b>	
१	सहुलियत दरमा किसान वर्गमा लगानी गर्ने कृषि सहकारी सञ्चालन
<b>वडा नं. ७</b>	
१	सहुलियत दरमा ऋण प्रदान गर्ने खालका सहकारी सञ्चालन
<b>वडा नं. ८</b>	
१	सहुलियत दरमा ऋण प्रदान गर्ने कृषि सहकारी सञ्चालन

#### ८. श्रम तथा रोजगार

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	महिलाहरुलाई सिलाई कटाई तथा कृषि सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था
२	प्रत्येक घरका एक सदस्यलाई सिपमूलक तालिमको व्यवस्था
<b>वडा नं. २</b>	
१	मास, चिउरी, अदुवा उत्पादनका लागि आधुनिक व्यवसाय तालिम सञ्चालन
<b>वडा नं. ३</b>	
१	सिपमूलक तालिमको व्यवस्था
<b>वडा नं. ४</b>	
१	विभिन्न सिपमूलक तालिमको व्यवस्था
२	सहुलियत दरमा ऋण लगानीका लागि कृषि सहकारीको व्यवस्था
<b>वडा नं. ५</b>	
१	सिपमूलक तालिमको व्यवस्था (ड्राइभिङ, सिलाई कटाई, बासका सामाग्री निर्माण, सिकर्मी, डकर्मी, इलेक्ट्रीसियन तालिम, सफ्टवेयर र हार्डवेयर सम्बन्धी तालिम, कृषि सम्बन्धी तालिम)
२	सहुलियत दरमा किसान वर्गमा लगानी गर्ने कृषि सहकारी सञ्चालन
<b>वडा नं. ६</b>	
१	स्थानीयस्तरमा मागमा आधारित सिपमूलक तालिमको व्यवस्था (सिलाई कटाई, पलम्बर, पञ्चेबाजा प्रशिक्षण, बासबाट निर्मित सामाग्री उत्पादनमा प्रशिक्षण)
<b>वडा नं. ७</b>	
१	सिपमूलक तालिमको व्यवस्था
<b>वडा नं. ८</b>	
१	सिपमूलक तालिमको व्यवस्था

(ख) सामाजिक क्षेत्र

१. स्वास्थ्य तथा पोषण

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	घोडागाउँ स्वास्थ्य संस्था भवन पुर्ननिर्माण
२	थुम्पाकी स्वास्थ्य एकाई केन्द्र घेराबारा तथा पर्याप्त मात्रामा औषधीको उपलब्धता
३	घोडाकोट क्लिनिक निर्माण
४	गरीब तथा निमुखा बालबालिकालाई पोषणयुक्त खानेकुरा वितरण
<b>वडा नं. २</b>	
१	स्वास्थ्य संस्थामा Solar System को व्यवस्था
२	दरबन्दी अनुसार दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था
<b>वडा नं. ३</b>	
१	मापदण्ड अनुसार स्वास्थ्य संस्था भवन निर्माण
२	आवश्यकता अनुसार दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था
३	गरीब तथा अशक्तहरुका लागि पोषणयुक्त खानेकुरा वितरण
४	गोपनीयताका लागि छुट्टै भवन निर्माण
५	स्वास्थ्य संस्था भवन निर्माणका लागि जग्गाको व्यवस्था
६	स्वास्थ्य संस्थामा बेसीन लगायत कपडा धुने स्थानको व्यवस्था
<b>वडा नं. ४</b>	
१	निशुल्क स्वास्थ्य बीमाको व्यवस्था
<b>वडा नं. ५</b>	
१	आवश्यकताका आधारमा दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था
२	एम्बुलेन्सको व्यवस्था
३	गरीब तथा विपन्न परिवारमा पोषणयुक्त खानेकुरा वितरण
४	स्वास्थ्य सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम
५	भौतिक सुविधा सम्पन्न गाउँघर क्लिनिक निर्माण
६	स्वास्थ्य एकाई केन्द्र भवन तारवारको व्यवस्था
७	आधारभूत स्वास्थ्य केन्द्रमा तारवार तथा खानेपानी
८	स्वास्थ्य संस्थासम्म जाने सडक निर्माण
<b>वडा नं. ६</b>	
१	स्वास्थ्य संस्था भवन पुर्ननिर्माण
२	एम्बुलेन्सको व्यवस्था

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
३	आवश्यकताका आधारमा दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था
वडा नं. ७	
१	आवश्यकताका आधारमा स्वास्थ्य क्लिनिकको व्यवस्था
वडा नं. ८	
१	स्वास्थ्य संस्थामा तारवार, निशुल्क औषधी तथा दक्ष जनशक्तिको व्यवस्था
२	निशुल्क एम्बुलेन्स सेवा सञ्चालन
३	पोषण सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन
४	खोप केन्द्र भवन निर्माण
५	आमा समूहसँग अन्तरक्रिया

## २. शिक्षा, विज्ञान तथा प्रविधि

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
वडा नं. १	
१	जनएकता प्रा.वि., शिशु कल्याण प्रा.वि. घोडाकोट, देवी भक्त आ.वि. थुम्पाकी, रामेश्वरी मा.वि., गंगा प्रा.वि., तुसारपानी बालविकास भवन निर्माण
२	आ.वि. थुम्पाकीमा आवश्यकताका आधारमा नि.मा.वि शिक्ष दरबन्दी
३	रामेश्वरी विद्यालयमा आवश्यकता आधारमा मा.वि शिक्षक दरबन्दी
वडा नं. २	
१	ऋदयश्वरी आ.वि., ज्ञानोदय आ.वि., दिपेन्द्र प्रा.वि., कालिका प्रा.वि., रामज्योती प्रा.वि., ज्योती प्रकाश मा.वि., सरस्वती प्रा.वि. लगायतका विद्यालयहरुको भवन निर्माण तथा भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था
वडा नं. ३	
१	फर्साचौरमा विद्यालय निर्माण
२	गोपीतारा विद्यालयमा भौतिक पूर्वाधार सहितको भवन निर्माण
३	आवश्यकताका आधारमा नि.मा.वि. तथा मा.वि. शिक्षको दरबन्दी
४	विमड कुञ्ज विद्यालयमा आवश्यकताका आधारमा शिक्षक दरबन्दी
वडा नं. ४	
१	श्री जनता आ.वि. लाई मा.वि. मा स्तरोन्नति
२	श्री सरस्वती आ.वि. लाई मा.वि. मा स्तरोन्नति
३	श्री सुर्योदय मा.वि. मा उच्च शिक्षा अध्ययनको प्रबन्ध
वडा नं. ५	
१	जिवनदावार प्रा.वि., बालबोध आ.वि. को निर्माणाधिन भवनको निर्माण सम्पन्न



क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
२	सुर्योदयम मा.वि. मा खानेपानी तथा तारबारको व्यवस्था
३	आवश्यक वडास्तरीय मा.वि. को भवन र फिल्ड निर्माण तथा तारबारको व्यवस्था
४	आवश्यकता अनुसार नि.मा.वि. र मा.वि. मा शिक्षक दरबन्दी
<b>वडा नं. ६</b>	
१	जनकल्याण आ.वि. र जनद्वार प्रा.वि. भवनको स्तरोन्नति
२	सरस्वती प्रा.वि. को पर्खाल निर्माण
<b>वडा नं. ७</b>	
१	लिस्ने बाल प्रा.वि., नव नमुना बाल प्रा.वि., जनप्रिय नमुना प्रा.वि. को स्तरोन्नति तथा भौतिक पूर्वाधारको व्यवस्था
२	आवश्यकताका आधारमा शिक्षक दरबन्दी
३	विद्यालयमा कम्प्युटर शिक्षक सहित कम्प्युटर ल्याबको व्यवस्था
४	विज्ञान प्रयोगशालाको व्यवस्था
<b>वडा नं. ८</b>	
१	नेपाल राष्ट्रिय मा.वि., जनज्योती प्रा.वि.-गुराँसे, जनता प्रा.वि.-चिन्ने, बालकल्याण प्रा.वि.-धाराखर्क, नमुना प्रा.वि.-फुलधारा, लिस्ने आ.वि. को भौतिक पूर्वाधार सहितको भवन निर्माण
२	आवश्यकताका आधारमा शिक्षक दरबन्दी
३	शिक्षकहरुलाई पेशागत तालिमको व्यवस्था
४	शिक्षक अभिभावक अन्तरक्रिया

### ३. खानेपानी तथा सरसफाई

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	तुसारपानी स्थित केवरे खोलाबाट लिफ्टिड मार्फत खानेपानीको व्यवस्था
२	थुम्पाकी दलित बस्ती स्थित उर्ली खोलाबाट लिफ्टिड मार्फत खानेपानीको व्यवस्था
३	छात्रवास पधेरा खोला खानेपानी मर्मत सम्भार
४	आवश्यकताका आधारमा भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न शौचालय निर्माण
५	डम्पिड साइट निर्माण तथा फाहोर उठाउने गाडीको व्यवस्था
<b>वडा नं. २</b>	
१	पानीका स्रोतको पहिचान गरी लिफ्टिड प्रविधि मार्फत प्रत्येक घरमा खानेपानीको व्यवस्था
२	डम्पिड साइट निर्माण तथा फोहोर उठाउने गाडीको व्यवस्था
<b>वडा नं. ३</b>	
१	फर्साचौर, रुविवाड, नयाँ बस्ती धारामा चिन्नी मुहानबाट पाइपमार्फ ट्याङ्की निर्माण गरी खानेपानी वितरण

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
२	तल्लो खाडा, उपल्लो खाडामा एक घर एक धाराको व्यवस्था
३	फर्साचौरमा एक घर एक धाराको व्यवस्था
<b>वडा नं. ४</b>	
१	वाग्मा जैरे, धनमूढा, राजपोखरी भैंसीधारा लिफ्ट खानेपानी योजना निर्माण
२	तल्ले भैंसीधारा खानेपानी योजना निर्माण
३	धनमूढा एक घर एक धाराको व्यवस्था
४	धनचौर एक घर एक धाराको व्यवस्था
५	तिमुरे खान्सी मेला खानेपानी योजना निर्माण
६	बराहथान खोला ददेरी पोखरी धारा खानेपानी योजना निर्माण
७	राम्चे खानेपानी योजना निर्माण
८	हलहले खोला लेख खानेपानी योजना निर्माण
९	काउले खानेपानी योजना निर्माण
१०	बग्नेपानी वाजुघाट एक घर एक धाराको व्यवस्था
<b>वडा नं. ५</b>	
१	सिम्माड खोला मन्घा खानेपानी आयोजना निर्माण तथा सञ्चालन
२	जुम्पा मन्घा खानेपानी आयोजना मर्मत सम्भार तथा संरक्षण
३	भोम्पा बेसी खानेपानी आयोजना मर्मत सम्भार तथा संरक्षण
४	रातामाटा खानेपानी आयोजना मर्मत सम्भार तथा संरक्षण
५	खालु, सिस्नेवाड, डाडाँगाउँ, काटने, कि.मि. चौर, काभ्रा खानेपानी आयोजना सञ्चालन
६	धुङ्सी ऋभ्का खानेपानी योजनाको स्तरोन्नति
७	रिधिम क्वालीगाउँ खानेपानी योजनाको स्तरोन्नति तथा मर्मत सम्भार
८	सप्तमुल खानेपानी योजना, कोदाली खोला काब्रवाड खानेपानी योजना, चुङ्खोला डाडाँगाउँ खानेपानी योजना, पोवाड खोला क्वाली गाउँ खानेपानी योजनाको अधुरो कार्य समयमै सम्पन्न
<b>वडा नं. ६</b>	
१	मुलखोला तिम्लेखर्क कुलोमहर खानेपानी योजना निर्माण सम्पन्न गरी खानेपानी वितरण
२	धनुवा छहरा साठीमुरे एक्लेपाटा खानेपानी योजनाको स्तरोन्नति
३	दलङ्गा खानेपानी योजनाको स्तरोन्नति
४	डि दलङ्गा खानेपानी योजना निर्माण
५	तल्लो फुलधारा पानीपोखरा खानेपानी योजना निर्माण
६	खानेपानी दोमही पातीहाल्ना स्तरोन्नति
७	भण्डारी टोलमा रिजर्भ ट्याङ्कीको व्यवस्था
८	कमिर खानेपानी मुहान संरक्षण
<b>वडा नं. ७</b>	
१	पानीका मुहान पहिचान गरी प्रत्येक बस्तीमा लिफ्टड प्रविधि मार्फत खानेपानीको व्यवस्था

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
२	आवश्यकताका आधारमा डम्पिङ साइट निर्माण
३	आवश्यकताका आधारमा भौतिक पूर्वाधार सम्पन्न सार्वजनिक शौचालय निर्माण
<b>वडा नं. ८</b>	
१	मैने खोला, अरेश खोलाबाट लिफ्टिङ प्रविधि मार्फत एक घर एक धाराको व्यवस्था
२	आवश्यकताका आधारमा सार्वजनिक शौचालय निर्माण

#### ५. महिला, बालबालिका तथा लक्षित वर्ग

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	महिला हिंसा सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन
२	बालबालिकाहरुका लागि सिपमूलक शिक्षा सञ्चालन
३	ज्येष्ठ नागरिक मिलन केन्द्रको स्थापना
<b>वडा नं. २</b>	
१	महिलाहरुका लागि सिपमूलक तालिमको व्यवस्था
२	बालबालिकाहरुलाई नैतिक शिक्षा प्रदान
<b>वडा नं. ४</b>	
१	कोइलाखर्कमा महिला सिलाई कटाई भवन सहित तालिमको व्यवस्था
२	महिला सशक्तिकरण सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था
३	बालअधिकार सम्बन्धी तालिमको व्यवस्था
४	लागू औषध दुर्व्यसनी सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम
<b>वडा नं. ६</b>	
१	पातीहाल्लामा महिला सामुदायिक भवन निर्माण
२	बालबालिकाहरुका लागि सिपमूलक शिक्षाको व्यवस्था
<b>वडा नं. ७</b>	
१	महिला हिंसा अन्त्यका लागि जनचेतनामूलक कार्यक्रम
२	महिलाहरुका लागि सिपमूलक तालिमको व्यवस्था
३	बालबालिकाहरुका लागि सिपमूलक शिक्षाको व्यवस्था
<b>वडा नं. ८</b>	
१	महिलाहरुका लागि सिपमूलक तालिमको व्यवस्था
२	घरेलु हिंसा, महिला हिंसा, बालविवाह, लैङ्गिक हिंसा अन्त्यका लागि जनचेतनामूलक कार्यक्रम

## ६. शान्ति सुरक्षा

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	स्थायी प्रहरी विट निर्माण
<b>वडा नं. २</b>	
१	आवश्यकताका आधारमा प्रहरी दरबन्दी
<b>वडा नं. ३</b>	
१	स्थायी प्रहरी विट निर्माण
<b>वडा नं. ५</b>	
१	अस्थायी प्रहरी विट निर्माण
<b>वडा नं. ६</b>	
१	स्थायी प्रहरी विट निर्माण
<b>वडा नं. ७</b>	
१	अस्थायी प्रहरी विट निर्माण

## ७. सामाजिक सुरक्षा

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	स्वयम सेविका भत्ताको व्यवस्था
२	लागू पदार्थ तथा बालविवाह न्यूनीकरण
३	स्वावलम्बन कृषक समूहलाई अनुदानको व्यवस्था
<b>वडा नं. २</b>	
१	गरीब तथा निमुखाहरुको पहिचान गरी गास बासको व्यवस्था
<b>वडा नं. ३</b>	
१	गरीब तथा अशक्तहरुका लागि भत्ता तथा निशुल्क शिक्षाको व्यवस्था
२	अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुको पहिचान
<b>वडा नं. ४</b>	
१	वृद्धवृद्धाको हात हातमा सामाजिक सुरक्षा भत्ताको व्यवस्था
<b>वडा नं. ५</b>	
१	बालविवाह, जातीय विभेद, लैङ्गिक विभेदको न्यूनीकरण
२	अपाङ्ग, शहिद परिवार तथा विपन्नलाई सामाजिक सुरक्षा भत्ताको व्यवस्था
३	विपन्न परिवारका बालबालिकालाई निशुल्क शिक्षाको व्यवस्था

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
४	विकृति तथा विसङ्गती सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम
वडा नं. ६	
१	अशक्त, असहाय तथा अपाङ्गता भएका व्यक्तिहरुका लागि आश्रमको व्यवस्था
वडा नं. ७	
१	गरीब तथा विपन्न परिवारका बालबालिकाहरुका लागि निशुल्क शिक्षाको व्यवस्था

#### द. युवा तथा खेलकुद

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
वडा नं. १	
१	खेल मैदान निर्माण तथा खेल सामग्रीको उपलब्धता
वडा नं. २	
१	खेल मैदान निर्माण तथा खेल सामग्रीको उपलब्धता
वडा नं. ३	
१	खेलमैदान निर्माण तथा खेल सामग्रीको उपलब्धता
वडा नं. ४	
१	छिनैमा कर्वड हल निर्माण
२	कोइराला खर्कमा खेल मैदान निर्माण
३	वाग्मामा खेल मैदान निर्माण
४	छिनैमा खेल मैदान निर्माण
वडा नं. ५	
१	आवश्यकताका आधारमा खेल मैदान निर्माण
वडा नं. ६	
१	सत्यमहरा वडास्तरीय खेल मैदानको स्तरोन्नति
२	सिमखोला खेलमैदान, दोभान खेल मैदान, धौलीवाड खेलमैदानको स्तरोन्नति
वडा नं. ७	
१	राज्य पोखरी स्थित रहेको खेल मैदानको स्तरोन्नति तथा खेल सामग्रीको उपलब्धता
२	आवश्यकताका आधारमा खेल मैदान निर्माण
वडा नं. ८	
१	भौतिक पूर्वाधार सहितको खेल मैदान निर्माण

## ९. शवदाहस्थल तथा समाधीस्थल व्यवस्थापन

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	आवश्यकताका आधारमा भौतिक पूर्वाधार सहितको शवदाहस्थल निर्माण
<b>वडा नं. २</b>	
१	चतुरभुज स्थित भौतिक पूर्वाधार सहितको शवदाहस्थल निर्माण
<b>वडा नं. ३</b>	
१	आवश्यकताका आधारमा भौतिक पूर्वाधार सहितको शवदाहस्थल निर्माण
<b>वडा नं. ४</b>	
१	अरेश खोला दोभानमा भौतिक पूर्वाधार सहितको शवदाहस्थल निर्माण
२	छिनै शवदाहस्थल निर्माण
<b>वडा नं. ५</b>	
१	भेरी खर्क दोभान, त्रिवेणी दोभान, बरेम घाट, मनमाड खोला स्थित भौतिक पूर्वाधार सहितको शवदाहस्थल निर्माण
<b>वडा नं. ६</b>	
१	आवश्यकताका आधारमा भौतिक पूर्वाधार सहितको शवदाहस्थल निर्माण
<b>वडा नं. ७</b>	
१	आवश्यकताका आधारमा भौतिक पूर्वाधार सहितको शवदाहस्थल निर्माण
<b>वडा नं. ८</b>	
१	भौतिक पूर्वाधार सहितको विद्युतीय शवदाह गृह निर्माण

### (ग) पूर्वाधार क्षेत्र

## १. बस्ती, आवास, भवन तथा सार्वजनिक निर्माण

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	आवश्यकताका आधारमा बस स्टेशन निर्माण
२	भेदीटोला स्वावलम्बन कृषक समूहका लागि जग्गा खरिद तथा भवन निर्माण
३	सक्रिय स्वावलम्बन कृषक समूहका लागि जग्गा खरिद तथा भवन निर्माण
<b>वडा नं. २</b>	
१	आवास विहिनहरुका लागि आवासको व्यवस्था
२	बहुउद्देशीय सभाहल निर्माण
३	कोसेली घर निर्माण
४	ज्येष्ठ नागरिक मिलन केन्द्र स्थापना तथा आवश्यकताका आधारमा मनोरञ्जनका सामग्रीको उपलब्धता

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. ३</b>	
१	आवश्यकताका आधारमा किरिया भवन निर्माण
२	ज्येष्ठ नागरिक मिलन केन्द्रको स्थापना
<b>वडा नं. ४</b>	
१	कोइरालाखर्कमा बस्ती विकास योजना निर्माण
२	वाग्मामा बस्ती विकास योजना निर्माण
३	छिनैमा बस्ती विकास योजना निर्माण
४	पल्लो छिनैमा बस्ती विकास योजना निर्माण
५	सुलिचौरमा व्यवस्थित शहरीकरण
६	वाग्मामा सुरक्षित नागरिक आवास कार्यक्रम
७	कोइरालाखर्कमा सुरक्षित नागरिक आवास कार्यक्रम
<b>वडा नं. ५</b>	
१	आवश्यकताका आधारमा आवास निर्माण
२	आवश्यकताका आधारमा सामुदायिक भवन निर्माण
<b>वडा नं. ६</b>	
१	तिम्लेखर्क कुलोमहरमा सामुदायिक भवन निर्माण
२	दलङ्गामा महिला सामुदायिक भवन निर्माण
३	कुवापानीमा सामुदायिक भवन निर्माण
४	बसपार्क निर्माण
<b>वडा नं. ७</b>	
१	ज्येष्ठ नागरिक मिलन केन्द्र भवन निर्माण
२	कोल्ड स्टोर स्थापना
<b>वडा नं. ८</b>	
१	बहुउद्देशीय साभाहल निर्माण
२	बस्ती विकास

## २. सडक, पुल तथा यातायात

### सडक

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. १</b>	
१	वडा भित्र रहेका सडकहरुको स्तरोन्नति
२	सरडधारा खुड्ग्री जोड्ने पुल निर्माण
३	गन्धर्व बस्ती देखि प्युठान जोड्ने पुल निर्माण

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. २</b>	
१	वडाभित्र रहेका सडकहरुको स्तरोन्नति
२	हरिगाउँ माणीचौर हुँदै लिभाड जाड्ने सडक निर्माण
३	खुडग्री देखि घोडागाउँ जोड्ने पक्की पुल निर्माण
<b>वडा नं. ३</b>	
१	वडा भित्रका सबै सडकहरुको स्तरोन्नति
२	फर्साचौर पुसीवाडमा भोलुङ्गे पुल निर्माण
<b>वडा नं. ४</b>	
१	धनमूढा सेवा केन्द्र स्थित भोलुङ्गे पुल निर्माण
२	चामेरह जुतुडखोलामा भोलुङ्गे पुल निर्माण
३	सुलिचौर छिनै कोइरालाखर्क हुँदै प्यूठान जोड्ने सडक कालोपत्रे
४	सुलिचौर धनमूढा वाग्मा शरखर्क हुँदै अरेश प्यूठान जोड्ने सडकको स्तरोन्नति
५	खाक्सी मेला वर्माथान हुँदै जाडे पखरा शाखा जाने सडक निर्माण
६	सुलिचौर वाग्मा कोइरालाखर्क हुँदै प्यूठान जोड्ने सडकको स्तरोन्नति
७	वाउवाड तिसल सडक कालोपत्रे
८	वाग्मा तेवाड जोड्ने भोलुङ्ग पुल निर्माण
९	छिनै बाजाघाट लामपाटो वाइपास सडक निर्माण
१०	कोइरालाखर्क कासीमाटे भगाने गुफा सडक निर्माण
<b>वडा नं. ५</b>	
१	वडाभित्र रहेका सम्पूर्ण सडकहरुको स्तरोन्नति
२	सुलीचौर, काभ्रा, मन्धा, क्वालीगाउँ, पानीपोखरा सडक कालोपत्रे तथा स्तरोन्नति
३	क्वालीगाउँ रिघिम सडकको निर्माण योजना समयमै सम्पन्न
४	काब्रावाड लगसमारे सडक निर्माण योजना समयमै सम्पन्न
५	डाडाँगाउँ मन्धा सडक निर्माण योजना समयमै सम्पन्न
६	किमचौर लामपाटामा भोलुङ्गे पुल निर्माण सम्पन्न
७	रिघिम खरिदुङ्गामा भोलुङ्गे पुल निर्माण
८	काबाभिड मरन्जामा भोलुङ्गे पुल निर्माण
९	लरीखोलामा भोलुङ्गे पुल निर्माण
१०	क्वालीगाउँ गजुरखोला लडमा भोलुङ्गे पुल निर्माण
११	काभ्रा स्यालकोटमा भोलुङ्गे पुल निर्माण
१२	राडकोट देवीस्थानमा भोलुङ्गे पुल निर्माण



क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
१३	सिमलतारा बगालदुरामा पक्की पुल निर्माण
१४	रातोभिर खोलामा मोटर पुल निर्माण
१५	लरीखोलामा मोटर पुल निर्माण
१६	औलो खोलामा मोटर पुल निर्माण
१७	दलडगा, काभ्रा, मन्घा, धुम्सी सडक निर्माण समयमै सम्पन्न
<b>वडा नं. ६</b>	
१	सुनिलमार्ग, गजुल कार्पा, पानी पोखरा, क्वालीगाउँ, खुमिलगार हुँदै ढौलीगाउँ सडक स्तरोन्नति
२	पातिहाल्नो धनबुढा शाखा सडकको स्तरोन्नति
३	भण्डारी टोल शाखा सडक लगायत सम्पूर्ण सडकहरुको स्तरोन्नति
४	भण्डारी टोल हुँदै कमिरेपानी सम्म सडक निर्माण
५	पातिहाल्ना देखि फलिवाड जोड्ने भोलुङ्गे पुल निर्माण
<b>वडा नं. ७</b>	
१	वडाभित्र रहेका सडकहरुको स्तरोन्नति
२	सुलिचौर देखि लिस्ने हुँदै जौली पोखरी लिस्ने सम्मको सडक कालोपत्रे तथा स्तरोन्नति
३	खड्के भिर हुँदै पातलगत्री प्युठान सम्म सडक निर्माण
४	लयरे हुँदै खरिखोला चेन्जा प्युठान जोड्ने सडक निर्माण
५	लयरे देखि जुतुडखोला वडा कार्यालय सम्म जोड्ने सडक निर्माण
६	अमेली खोला देखि चनिगाडेवाट खोपी धारा सम्म सडक निर्माण
७	राज्य पोखरी हुँदै दोपता मेनाट हुँदै घरेली खोला दामा खोला सम्म सडक निर्माण
८	पुर्वे गाजुदेखि पेरजुड जुतुड खोलामा भोलुङ्गे पुल निर्माण
९	दाम्का जुतुड खोलामा पक्की पुल निर्माण
१०	जिउने पोखरा देखि मालरानी सम्म सडक निर्माण
११	ताड्के देखि खरीखोला सम्म भोलुङ्गे पुल निर्माण
१२	करप्जा भाक्री थानमा भोलुङ्गे पुल निर्माण
<b>वडा नं. ८</b>	
१	वडाभित्र रहेका सडकहरु कालोपत्रे तथा स्तरोन्नति
२	देउघर हुँदै रामनेटा फूलधारा सम्म सडक निर्माण
३	दाइहाले लेख सल्लेकुना हुँदै नाडजा सम्म (सिस्नेखोला) सडक निर्माण
४	मसार गौतम टोल हुँदै कृषि सडक निर्माण
५	चिन्ने भाक्री सल्ला देखि हलहल सम्म सडक निर्माण

### ३. जलश्रोत, विद्युत् तथा वैकल्पिक ऊर्जा

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
वडा नं. १	
१	वडाभित्र आवश्यकताका आधारमा विद्युत पोलको व्यवस्था
वडा नं. २	
१	विद्युतको स्तर वृद्धि
वडा नं. ३	
१	आवश्यकताका आधारमा विद्युत पोलको उपलब्धता
वडा नं. ६	
१	मछिनेपानी (सीरमकोट) मा विद्युत लाइन विस्तार
२	आवश्यकताका आधारमा विद्युत पोलको व्यवस्था
वडा नं. ७	
१	हाम्पल देखि घरेली हुँदै लयरे सम्म विद्युत विस्तार
२	कोवजा बस्ती तुले बस्ती हरेधारा विसुना बस्तीमा विद्युत विस्तार
३	धुडवाड देखि गाजुधारा सम्म विद्युत विस्तार
वडा नं. ८	
१	आवश्यकताका आधारमा विद्युत पोल तथा तारको व्यवस्था

### ४. सूचना, सञ्चार तथा प्रविधि

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
वडा नं. १	
१	NTC Tower को स्थापना
वडा नं. २	
१	महेन्द्री स्थित NTC Tower को स्थापना
वडा नं. ४	
१	टोल टोलमा NT फाइबर नेट विस्तार
वडा नं. ६	
१	NTC Tower को स्थापना
वडा नं. ७	
१	लमरेमा NTC Tower को स्थापना
वडा नं. ८	
१	WIFI को व्यवस्था

(घ) वन, वातावरण तथा विपद् व्यवस्थापन क्षेत्र

१. खानी तथा खनिज

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
वडा नं. १	
१	सिसौ खानी उत्खननको व्यवस्था
वडा नं. २	
१	डढेलो न्यूनीकरणका लागि तालिम तथा जनचेतनामूलक कार्यक्रम सञ्चालन
२	वन जंगलमा बृक्षारोपण तथा तारवारको व्यवस्था
३	जडिबुटी संरक्षण तथा रोपणको व्यवस्था
वडा नं. ३	
१	सिसा खानी उत्खनन
२	तामा खानी उत्खनन
३	फगाम खोलामा प्रविधिको प्रयोग मार्फत सुनको उत्खनन
वडा नं. ५	
१	फलाम खानी उत्खनन
२	सलवाड तामाखानी अध्ययन तथा उत्खनन
वडा नं. ७	
१	ढुङ्गा, गिट्टी खानी पहिचान तथा उत्खनन

२. भू-संरक्षण तथा जलाधार व्यवस्थापन

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
वडा नं. १	
१	घोडेखोला स्थितका बस्ती तथा खेतीयोग्य जमिनमा तटबन्धको व्यवस्था
वडा नं. २	
१	माणी र लुङ्ग्री नदी स्थितका खेतीयोग्य जमिन तथा त्यस क्षेत्र आसपासका बस्ती संरक्षणका निमित्त तटबन्धको व्यवस्था
वडा नं. ३	
१	गजुल खोला स्थितका खेतीयोग्य जमिन तथा बस्ती संरक्षणका लागि तटबन्धको व्यवस्था
२	सरे खोला र खोला नजिकका खेतीयोग्य जमिन र बस्तीमा तटबन्धको व्यवस्था
वडा नं. ४	
१	लाम्पाटा बगर खेत स्थित लुङ्ग्री खोलामा तटबन्धको व्यवस्था
२	धुमने तटबन्ध छिन्नै लुङ्ग्री खोलामा तटबन्धको व्यवस्था
३	तल्लो बगर छिन्नै लुङ्ग्री खोलामा तटबन्धको व्यवस्था
४	वाग्मा अरेश खोलामा तटबन्धको व्यवस्था
५	पाल्लो छिन्नै गर स्थित लुङ्ग्री खोलामा तटबन्धको व्यवस्था

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
६	बाहेखोलामा तटबन्धको व्यवस्था
७	जामखोला वाजाघाटमा तटबन्धको व्यवस्था
<b>वडा नं. ५</b>	
१	गजुर खोला, रोतो भीर खोला, लहरी खोला, ड्वाडड्वाडे खोला, टाकुरा खोला, स्वाहा खोला, भाक्री खोला, लुङ्ग्री खोला स्थितका खेतीयोग्य जमिन तथा बस्ती संरक्षणका लागि तटबन्धको व्यवस्था
२	वयरबोट र श्री सुर्योदय आ.वि. क्षेत्रमा पहिरो नियन्त्रणको व्यवस्था
<b>वडा नं. ६</b>	
१	खुमीलगाड खोला, भोप खोला, पुतली पधेरो खोला स्थित खेतीयोग्य जमिन तथा बस्ती संरक्षणका लागि तटबन्धको व्यवस्था
<b>वडा नं. ७</b>	
१	चिसापानी गोलखोल हुँदै चिसपाखोलामा तटबन्धको व्यवस्था
२	दमा खोला, धपरी हुँदै दोखोला छिन्ची खोलामा तटबन्धको व्यवस्था
३	राज्यपोखरी देखि कोवजा सम्म तटबन्धको व्यवस्था
४	सरसिवाड धारपानी सम्म तटबन्धको व्यवस्था
<b>वडा नं. ८</b>	
१	अरेश खोला, जुर्मि खोला, चुकिट खोला, सेरुड खोला, गनगने खोलामा तटबन्धको व्यवस्था

### ३. वातावरण तथा फोहरमैला व्यवस्थापन

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. २</b>	
१	वडा भित्र रहेका खाली जमिनको पहिचान गरी वृक्षारोपण
२	आवश्यकताका आधारमा भौतिक पूर्वाधार सहितका सार्वजनिक शौचालय निर्माण
<b>वडा नं. ३</b>	
१	खाली जमिनको पहिचान गरी वृक्षारोपण
२	डम्पिङ साइट निर्माण तथा फाहोर उठाउने गाडीको व्यवस्था
<b>वडा नं. ५</b>	
१	सुलिचौरमा फोहोरमैला व्यवस्थापनका लागि डम्पिङ साइट निर्माण
<b>वडा नं. ६</b>	
१	खाली जमिनको पहिचान गरी वृक्षारोपण
२	टोल तथा बस्तीहरुमा फोहोर व्यवस्थापनका लागि डस्टविनको व्यवस्था
३	फोहोरको उचित व्यवस्थापन
<b>वडा नं. ७</b>	
१	फोहोर व्यवस्थापनका लागि खाल्डोको व्यवस्था
२	खाली स्थानमा वृक्षारोपण

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
वडा नं. ८	
१	टोल तथा बस्तीहरुमा फोहोर व्यवस्थापनका लागि डस्टविनको व्यवस्था

#### ४. वन, वातावरण तथा जैविक विविधता

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
वडा नं. १	
१	वन जंगलमा वृक्षारोपण सहित वन रक्षकको व्यवस्था
वडा नं. ३	
१	वन भित्र आकाशे पोखरी निर्माण
२	सामुदायिक वनमा तारवार तथा आकाशे पोखरीको व्यवस्था
वडा नं. ४	
१	खाली जमिनको पहिचान गरी वृक्षारोपण
२	आगलागी नियन्त्रणका लागि दमकलको व्यवस्था
३	विपद् व्यवस्थापन सम्बन्धी अभिमूखीकरण कार्यक्रम
४	विपद्मा परेकाहरुलाई सिपमूलक तालिम मार्फत जिविको पार्जनको व्यवस्था
वडा नं. ६	
१	जडिबुटीका वृक्षारोपण
२	भू-संरक्षण
वडा नं. ७	
१	चिराइतो, अल्लो, पदम चाल्ने, रिठ्ठा, मालागिरी, सोमे लगायतका जडिबुटीको संरक्षण
वडा नं. ८	
१	रिचार्ज पोखरी निर्माण
२	सामुदायिक वन क्षेत्रमा वृक्षारोपण
३	जडिबुटी जन्य वस्तुको प्रवर्द्धन

#### ५. विपद् जोखिम न्यूनीकरण र व्यवस्थापन तथा जलवायु उत्थानशीलता

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
वडा नं. १	
१	आवश्यकताका आधारमा दमकलको व्यवस्था
२	आवश्यकताका आधारमा एम्बुलेन्सको व्यवस्था
वडा नं. २	
१	बाढी पिडित तथा अन्य विपद्मा परेका हरुका लागि सामुदायिक भवन निर्माण
वडा नं. ३	
१	आवश्यकताका आधारमा दमकलको व्यवस्था
२	आवश्यकताका आधारमा एम्बुलेन्सको व्यवस्था
वडा नं. ४	
१	आगलागी नियन्त्रण तथा न्यूनीकरण सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम
२	सामुदायिक वनको खाली भू-भागमा वृक्षारोपण कार्यक्रम

क्र.सं.	माग तथा प्रस्तावित कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. ५</b>	
१	विपद् जोखिम सम्बन्धी जनचेतनामूलक कार्यक्रम
२	विपद् पूर्वतयारीका लागि आवश्यक सामग्रीको व्यवस्था
३	विपद्मा परेकाहरुलाई उद्धारको व्यवस्था
<b>वडा नं. ६</b>	
१	विपद् उद्धारका समयमा दमकल हिड्ने सडक निर्माण
<b>वडा नं. ७</b>	
१	प्रत्येक बस्तीमा रिचार्ज पोखरी निर्माण
२	आगो नियन्त्रणका लागि दमकल तथा अन्य उपकरणको व्यवस्था
<b>वडा नं. ८</b>	
१	सडक छेउछाउमा वृक्षारोपण
२	जलवायु परिवर्तन अनुकुलका खेती प्रणालीको विकास

### (ड) संस्थागत विकास तथा सुशासन क्षेत्र

#### १. संस्थागत विकास तथा सुशासन

वडा नं.	कार्यक्रमहरु
<b>वडा नं. २</b>	
१	वडा कार्यालयमा फर्निचर लगायत अन्य सामग्रीको व्यवस्था
२	आवश्यकताका आधारमा कम्प्युटरको व्यवस्था
<b>वडा नं. ४</b>	
१	वडा कार्यालय भवन निर्माण
	वडा कार्यालय मार्फत बालविवाह, बहुविवाह, छुवाछुत न्यूनीकरण सम्बन्धी कार्यक्रम
<b>वडा नं. ५</b>	
१	वडा कार्यालयमा आवश्यकताका आधारमा भवन तारवार, फर्निचर, कम्प्युटर तथा खानेपानीको उचित व्यवस्था
<b>वडा नं. ७</b>	
१	वडा कार्यालयको नयाँ भवन निर्माण
<b>वडा नं. ८</b>	
१	वडा कार्यालय भवन निर्माण
२	कार्यालय सञ्चालनका लागि कम्प्युटर, मोटर साइकल, फाइलिङ दराज खरिदको व्यवस्था

अनुसूचि - ३: आवधिक योजना प्रारम्भिक छफलफलमा उपस्थित सहभागी तथा तस्वीरहरू



**अनुसूचि - ४: आवधिक योजना तयारीको लागि वडा भेलामा उपस्थिति सहभागीहरू र तस्वीरहरू**

आज मिति २०८२-०१-०७ गते यस सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. १ का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सस्य श्री पवन कुमार कवर को उपस्थितिमा वडा कार्यालय शिवन को झोडा घाट मा, परामर्शदाता सस्था श्री इन्टेन्सिभ स्टडी एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा. लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको आवधिक योजना (Periodic Plan) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरू साथै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

**तपसिल**

क्र.सं.	नाम	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	पवन कुमार कवर	वडाअध्यक्ष	९८५७६३३००६५	JK
२	तरुण थापा	वडा सदस्य	९८५७६३३३३३	JK
३	हेर्क बहादुर भट्ट	वडा सदस्य	९८४७९९७६०९	JK
४	राधा नेपाली	वडा सदस्य	९८४७६७८६९८	JK
५	हिमा विक	जग्गा सञ्चालक	९७४५४०८९३२	JK
६	कल्पना खत्री	'	९८९९५४९९२७	JK
७	विजय विक	'	९८०९४४७३८८	JK
८	स्वदानन्द पौडेल	पूर्व शिक्षक	९८४७६०२७२८	JK
९	दामोदर शर्मा	'	९८९७८९९३६७	JK
१०	दामोदर शिवाल	शिक्षक	९८४७६३९७९९	JK
११	मिलन जोशी	'	९८२९५७७७०	JK
१२	तरुण थापा	'	९८०७२७५७७	JK
१३	अमर बस्नेत	'	९८५७७८३५९८	JK
१४	बल व. खत्री	'	९८४७६९९२७४	JK
१५	सिता रेग्मी	'	९७७९४३७४३३	JK
१६	वर्षा जोशी	'	९८५७७६१११५	JK
१७	लक्ष्मी खत्री	'	९८६६९०३३२६	JK
१८	शिव शिवाल	'	९८४७६९९६६२६	JK
१९	विन्दु कवर	'	९८६६८०३५९८	JK
२०	विन्दु नेपाली	'	९२४०४९६७२९८	JK

JK



आज मिति ..... गते यस सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. .... का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री ..... को उपस्थितिमा वडा कार्यालय ..... को ..... मा, परामर्शदाता सस्था श्री इन्टेन्सिभ स्टडी एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा. लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको आवधिक योजना (Periodic Plan) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरू साथै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

क्र.सं.	नाम	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	बुधा रिजाल		९७४४५००२२४	बुधा
२	रमेश डवडा शाही		९८४७८०६०६४	रमेश
३	पद्म वंश			
४	राजु पौडेल	कार्यक्रम	९८६६९१००९१	राजु
५	प्रमोद पाण्डे	संयोजक Engineer	९८४७६६८७३४	Prakash
६				
७				
८				
९				
१०				
११				
१२				
१३				
१४				
१५				
१६				
१७				
१८				
१९				
२०				

आज मिति २०८२-०१-०६ गते यस सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ०२ का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री नेत्र बहादुर गिरी को उपस्थितिमा वडा कार्यालय शिवरा को खुवा मा, परामर्शदाता सस्था श्री इन्टेन्सिभ स्टडी एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा. लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको आवधिक योजना (Periodic Plan) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरूसहितै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

क्र.सं.	नाम	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	नेत्र बहादुर गिरी	वडा अध्यक्ष	९८५६८२९४६८	
२	हिमा विष्ट भट्टरा	वडा सदस्य	९८६६०४०३६	
३	दिना सोती	॥		
४	शैशव गिरी	स्थानिय	९८५९२९४४९९	
५	नारायण गिरी	शिक्षक	९८५६८२९४६९	
६	उजु भाँजे सुवेदी	शिक्षक	९८४८९६६०६६	
७	दीर्घ पुताद सुवेदी	स्वामिप		दीर्घः
८	उजु राता	मि.क.फ.क.	९८४६८३२९८६	
९	तारा खन	स्थानिय	९७५६५९९५५	
१०	प्रमोद गिरी	॥	९८२८२४३३३	
११	हिमा विष्ट	वडा सदस्य	९८६६०४०३६	
१२	जसन्त सुवेदी	व्यवसायी	९८५६८२२२२२	
१३	रामलाल भारती	स्थानिय	९८०९२८९८९	
१४	राम पर्रवल	कार्यक्रम सञ्चालक	९८६६९१०६९	
१५	प्रकाश पाण्डे	Engineer	९८९२८६५५५	
१६				
१७				
१८				
१९				
२०				

आज मिति २०८२-०१-०८ गते यस सूनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ३ का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री ...कुमा. वडापुर वि.व. को उपस्थितिमा वडा कार्यालय अ.व.स. को ...मि.वि.स. मा, परामर्शदाता सस्था श्री इन्टेन्सिभ स्टडी एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा. लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको आवधिक योजना (Periodic Plan) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरूसहितै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

क्र.सं.	नाम	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१				(०११०९)
२	लालवडापुर वि.व.	सदस्य	९८६६९२०२१	माथ
३	डोर वडापुर वि.व.	सचिव	९८८८९०११८०	सुशी
४	सिद्धेश्वरपुर वि.व.	सदस्य	९८१११२०६४९	सुशी
५	भैरवनी धार्मिक मठ	अ.न.मि	९८६८६९९९९	सुशी
६	हनुमान वडापुर वडा	टोल समिति	९८६२९९०९	इ.का
७	रिता देवी वडा	उपाध्यक्ष	९८६९९९९३३	रिता
८	आम्बिका देवी	टोल वि.सचिव	९२०९८६९९९	आम्बिका
९	सूर्य वडापुर वि.व.	ने. वि.स.स.	९२६२९०२२०	सुशी
१०	देउता वि.व.	समाजसेवा	९२६६२४६००९	सुशी
११		पाला प्रा.वि.स.		
१२	साम्ब पोखरेल	(मागेस) कार्यकुम	९८६६९१०६०९	सुशी
१३		संयोजक		
१४	प्रमोद पाठे	Engineer	९८६०६६८०३४	Prakash
१५				
१६				
१७				
१८				
१९				
२०				

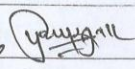

आज मिति २०८२-०१-९ गते यस सनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ४ का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री ओ.बि.लाल वस्नेत को उपस्थितिमा वडा कार्यालय भ.व.त को सु.मि.२०१२ मा, परामर्शदाता सस्था श्री इन्टेन्सिभ स्टडी एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा. लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको आवधिक योजना (Periodic Plan) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरू साथै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

क्र.सं.	नाम	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	ओ.बि.लाल वस्नेत	वडा अध्यक्ष	९७६६६२०४१७०	<i>[Signature]</i>
२	पुन वडापुर सुनार	वडा सदस्य	९८४७९७०६४६	<i>[Signature]</i>
३	सुर्य वडापुर राका	११	९८६६९११०४४	सुर्य
४	सागत देवी कामी	टोल विकास समिति अध्यक्ष	९८६६६३४३०	<i>[Signature]</i>
५	ज्ञान वडापुर खड्ग	११	९८६६६०२०२१	राज
६	अनराम भट्टरा	टोल विकास समिति अध्यक्ष	९८४४४६६३६३	<i>[Signature]</i>
७	कपलाल भट्टरा	समाजसेवि	९८४७९०४३९	<i>[Signature]</i>
८	मपे-६२५५१	वडा सदस्य	९८६६६०२१४	<i>[Signature]</i>
९	राज पोखरेल	कार्यक्रम संयोजक	९८६६९१०७१५	<i>[Signature]</i>
१०				
११	प्रमिस पाँडे	Engineer	९८४७६६६७३४	Rakesh
१२				
१३				
१४				
१५				
१६				
१७				
१८				
१९				
२०				

आज मिति २०८१ गते यस सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. .... का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री ..... को उपस्थितिमा वडा कार्यालय ..... को ..... मा, परामर्शदाता सस्था श्री इन्टेन्सिभ स्टडी एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा. लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको आवधिक योजना (Periodic Plan) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरू साथै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

क्र.सं.	नाम	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१				
२	पूर्ण वडापुर सुनार	सदस्य	९८४७९७६४८६	
३				
४				
५				
६				
७				
८				
९				
१०				
११				
१२				
१३				
१४				
१५				
१६				
१७				
१८				
१९				
२०				

आज मिति २०८२-०१-१० गते यस सूनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ५ का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री ..मति थापा..... को उपस्थितिमा वडा कार्यालय श्री.प्र. को .....कार्यालय..... मा, परामर्शदाता सस्था श्री इन्टेन्सिभ स्टडी एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा. लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको आवधिक योजना (Periodic Plan) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरूसहितै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

क्र.सं.	नाम	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	मति थापा	वडाअध्यक्ष	९८६६४५५६५६	मति
२	तन्त्र के छति	वडा सदस्य	९८६६२०२४६६	तन्त्र
३	नमराज थापा	क्रि. व. वडाअध्यक्ष	९८६३१२६४२९	नमराज
४	बुद्ध वडाध्यक्ष	अध्यक्ष		बुद्ध
५	पृथ्वी थापा	प्र. व. व.	९८४२९७७६०६	पृथ्वी
६	सूर्य प्रसाद	तेल विकास उपा	९८११४७७७९२	सूर्य
७	शुक्ल पुन	समाजसेवि	९७४१३१३६७७	शुक्ल
८	इमान सिंह छति	वडा सदस्य	९८७७६०६३९९	इमान
९	पद्मिनी छति	क्रि. व.	९८४२७२७६१८	पद्मिनी
१०	शुक्र लाल थापा	व.का. वडा अध्यक्ष	९८४३०१४८४८	शुक्र
११	राज पौडेल	कार्यपालिका	९८६६१०७०११	राज
१२	प्रमोद पाण्डे	Engineer	९८४०६६४७३४	प्रमोद
१३				
१४				
१५				
१६				
१७				
१८				
१९				
२०				

आज मिति २०८२-१-१० गते यस सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. ६ का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री लोकेन्द्र बहादुर थापा को उपस्थितिमा वडा कार्यालय अ.व.को ... अ.व.को ... मा, परामर्शदाता सस्था श्री इन्टेन्सिभ स्टडी एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा. लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको आवधिक योजना (Periodic Plan) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरू साथै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

क्र.सं.	नाम	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	लोकेन्द्र बहादुर थापा	वडाअध्यक्ष	९८४९२४८०६४	
२	सौमित्र परियार	वडा सदस्य	९८४०८९०२२२	
३	कमला बज्रा	वडा सदस्य	९८४९०८८८०९	
४	बल बहादुर थापा	वडा सदस्य	९८६६९०६४१९	
५	अनिता थापा	कार्यपालिका	९८६६४०२४९	
६	जनार्दन पुर्जेडा	रे.का.स.स.स.स.	९८६६६६६६६६	
७	हरि प्रसाद डोम	समाजसेवी	९८६६६६६६६६	
८	बैजनाथ डोम	समाजसेवी	९८६६६६६६६६	
९	भक्तु बहादुर थापा	सि.अ.स.स.	९८४०८०६२९२	
१०	तोपराज थापा	ने.का.स.स.स.	९८६६६६६६६६	
११	<del>हर बहादुर खड्का</del>	<del>समाजसेवी</del>	<del>९८६०४६०४</del>	<del></del>
१२	सैध बहादुर थापा	वडासचिव	९८४०८०८६३	
१३	राजु परियार	कार्यपालिका	९८६६६६६६६६	
१४	प्रकाश पाण्डे	समाजसेवी	९८४०८०६०२४	
१५				
१६				
१७				
१८				
१९				
२०				

आज मिति २०८२-०९-०५ गते यस सूनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. १० का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री रेशम शर्मा को उपस्थितिमा वडा कार्यालय अवका को सा.ब.य. पोखरी मा, परामर्शदाता सस्था श्री इन्टेन्सिभ स्टडी एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा. लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको आवधिक योजना (Periodic Plan) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरू साथै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

क्र.सं.	नाम	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	रेशम शर्मा	वडाध्यक्ष	९८४७९४४९९९	
२	पुनं वं. विल्ल	वडा सदस्य	९२४४९०९२४९	
३	नेमलाल दाहा	क्र.प. सदस्य	९८६६९२२०९८	
४	शान्ति विठ.	वडा सदस्य	९७६२४३९१०७	
५	गौरीप्रती अमा	"	९९४०३१५००७२	
६	दुर्गासाम नेवा	ने.व.पा (सदस्य) वि.व.स. अध्यक्ष	९८४०८९९९९९	
७	शंकरासाम पुन	वि.व.स. सदस्य	९८४०६६२२०००	
८	पद्म व. शर्मा	तोल वि.स. सदस्य	९८६७७६६७७४	
९	चन्द्रिका खड्का	तोल वि.स. सदस्य	९७४४४७८२९४४	
१०	शुक्तिमति पुनाए	वि.व.स. सदस्य	९८६२२९९९९९	
११	मदनकुमार आदिशरी	वि.व.स. सदस्य	९८४७८२७४४४	
१२	शंकरासाम आमा	पुवा		
१३	नेमलाल शर्मा	ने.व.पा (सदस्य) वि.व.स. सदस्य	९८४४९९९९९९	
१४	स्विस वं. शर्मा	वि.व.स. सदस्य	९८६७७६६६६६	
१५	दुर्गासाम शर्मा	प्रा.अ.	९८४७९९९९९९	
१६	नेमलाल शर्मा	वि.व.स. सदस्य		
१७	शंकरासाम आमा	पुवा		
१८	अनिता शर्मा	पु.वि.स. सदस्य		
१९	रेणु वं. शर्मा	ने.व.पा (सदस्य) वि.व.स. सदस्य	९८४९९९९९९	
२०	शाल्य पौडेल	कार्यपालिका	९८६६९९९९९	

२५ फागुन २०८२  
 संयोजक  
 Engineer S. S. Prakash



आज मिति ..... गते यस सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. .... का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री ..... को उपस्थितिमा वडा कार्यालय ..... को ..... मा, परामर्शदाता सस्था श्री इन्टेन्सिभ स्टडी एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा. लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको आवधिक योजना (Periodic Plan) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरू साथै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

क्र.सं.	नाम	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	सेर वडाध्यक्ष	सामुदायिक	९७४२३२	
२		वन सदस्य	९६०४	
३				
४				
५				
६				
७				
८				
९				
१०				
११				
१२				
१३				
१४				
१५				
१६				
१७				
१८				
१९				
२०				

आज मिति २०८२-१-९ गते यस सुनिलस्मृति गाउँपालिका वडा नं. .... का वडाध्यक्ष/वडा सदस्य/कार्यपालिका सदस्य श्री दा.नारायण शौका को उपस्थितिमा वडा कार्यालय वे.वे.वे को अ.र.सु. मा, परामर्शदाता सस्था श्री इन्टेन्सिभ स्टडी एण्ड रिसर्च सेन्टर प्रा. लि.को अगुवाईमा वडाका जनप्रतिनिधिहरू, राजनैतिक पार्टीका प्रतिनिधिहरू, नागरिक अगुवाहरू लगायत तपसिलको उपस्थितिमा गाउँपालिकाको आवधिक योजना (Periodic Plan) निर्माणका लागि छलफल गरी आवश्यक तथ्याङ्कहरू साथै सल्लाह, सुझाव संकलन गरियो ।

तपसिल

क्र.सं.	नाम	पद	मोबाइल नं.	हस्ताक्षर
१	दा.नारायण शौका	वडा अध्यक्ष	९८६२२२९३०१	[Signature]
२	गिर बहादुर घर्ति	वडा सदस्य	९८४४९४९९९०	गिर
३	इन्द्रा शौका	॥	९८६२००२०३९	इन्द्रा
४	दिलमाया घर्ति मगर	महिला स्वयंसेविका	९८६२९४०६२८	दिलमाया
५	नविना पुन मगर	॥	९८६३९४०२०९	नविना
६	पूर्ण बहादुर पुन मगर	ज्येष्ठ नागरिक क्लब अध्यक्ष	९८६२२९२०६९	[Signature]
७	संकर पुन मगर	मा.वि.प	९८४६९९९०९०	[Signature]
८	नर बहादुर पुन मगर	लेल वि.स अध्यक्ष	९८६९९८२९६६	[Signature]
९	भुवन घर्ति	शि.स.क	९८४६९२९८९९	[Signature]
१०	डे.निल पोखरेल	वडा वाच्य	९८२७८२४९९९	[Signature]
११	मुवराज भुसाल	स्वास्थ्य चौकी प्रमुख	९८४९९२९९२२	[Signature]
१२	शुभानु महारा	श.स.क	९८४९९४६६६२	[Signature]
१३	शान बहादुर घर्ति	पु.स.क	९८४९९४९९९०	[Signature]
१४	शुभान शौका मगर		९८४४९३९६२२	शुभान/शौका
१५	विम बहादुर घर्ति मगर	का.ल	९८६४४४६०९८८	[Signature]
१६	राज पौडेल	कार्यक्रम सञ्चालक	९८६९१०७७९१	[Signature]
१७	प्रकाश पौडेल	Engineer	९८४७६६६७३८	Prakash
१८				
१९				
२०				















**अनुसूचि - ५: आवधिक योजना मस्यौदा प्रतिवेदन माथि छफलफलमा उपस्थित सहभागी तथा तस्वीरहरू**

उपरोक्त मिति २०८२ साल जेष्ठ १४ र १५ गते त्रिभुवनसुतो जाउपालिका वडा नं. १ र २ मा भएको छल्लासतमा सुनिनसुतो जाउपालिका वडा नं. १ मा भएको छल्लासतमा मस्यौदा तयार छल्लासतमा कार्यक्रम तयारिलेको छल्लासतमा सम्मिलित गरिएको छ।

क्र.सं.	नाम एवं पद	पद	हस्ताक्षर	संकेत
१	श्री मणिराम बुढाथोकी	गा.पा. अध्यक्ष		
२	श्री प्रिना थापा	गा.पा. उपप्रधान		
३	श्री लगेन्द्र प्रसाद रिजाल	प्रमुख प्रशासकीय अधिकारी		
४	श्री कवन कुमार खनाल	व.नं. वडा अध्यक्ष		
५	श्री तेज बहादुर गिरी	२ - - - -		
६	श्री दुर्गा बहादुर विष्ट	३ - - - -		
७	श्री ओमिलाल बस्नेत	४ - - - -		
८	श्री अमि थापा	५ - - - -		
९	श्री लोकेन्द्र बहादुर थापा	६ - - - -		
१०	श्री रेखा अर्मा	७ - - - -		
११	श्री धनराज श्रेष्ठ	८ - - - -		
१२	श्री रिता देवी थापा	उपप्रधान		
१३	श्री विमला पुन	- - - -		
१४	श्री सुनिता थापा	- - - -		
१५	श्री इन्द्रा श्रेष्ठ	- - - -		
१६	श्री लुलु पुन	- - - -		
१७	श्री नेमलाल श्रेष्ठ	- - - -		
१८	श्री मोहन शर्मा	परामर्शदाता		
१९	श्री रेखा शर्मा	"		
२०	श्री राज शर्मा	वार्ड प्रशासक		
२१	सम्मेलन परामर्शदाता	वडा सचिव		
२२	प्रतिभा पौडेल	वेजमार्ग संयोजक		
२३	भुपेन्द्र बस्नेत	आ.नं. प. शाखा		
२४	दिल्ली दे.सी.	कृषि प्राविधिक		
२५	आकाश कुमार श्रेष्ठ	युवा विभागाध्यक्ष		
२६	पद्म प्रसाद रिजाल	सं. प्र. अ.		
२७	सिता बस्नेत	वाचना कोष संयोजक		

क्र.सं.	नाम, पता	पद	दिनांक		प्रतिष्ठित
			२०२१/२१४	२०२१/२१५	
१८	गिरा गुला	कंप्यूटर अपरेटर	२१/११/२१		
१९.	सागरती गुला	महिला विकास निरीक्षक	२१/११/२१		
२०	मेधा केशपुर पाण	इ.नं. वडा सचिव	२१/११/२१		
२१.	रविन्द्र छत्री	ग्रामी कार्यक्रम	२१/११/२१		
२२.	यादव कुंशी	शिडर अधिकृत	२१/११/२१		
२४.	पुरकल भारती	इ.नं. वडा सचिव	२१/११/२१		
२५.	सुमन रिजाल	सु. प्र. अ.	२१/११/२१		
२६.	सरोज खनाल	स. क. प्र.	२१/११/२१		
२७.	सुजन खड्का	इ.नं. वडा सचिव	२१/११/२१		
२८.	मोहिराम खोका मगर	उद्यम विकास सहकारिता	२१/११/२१		
२९.	विष्णु प्रसाद शर्मा	इ.सं. इन्चिजिग	२१/११/२१		
३०.	मैलका घर्ती	वडा सचिव वतः	२१/११/२१		
३१.	निर्मला खड्का	वडा	२१/११/२१		
३२.	सोतमान विरा	सम. गा. पा. क्षी. वडा	२१/११/२१		
३३.	व. वीर खडा	ग्रामी कार्यक्रम अधिकृत	२१/११/२१		
३४.	दुर्गाधर महरा	ले. व. अ.	२१/११/२१		



